महाराष्ट्र पोलीस
सद्रक्षणाय खलनिग्रहणाय

पोलीस आयुक्तालय
मिरा भाईंदर वसई विरार

सेक्टर - ५ रामनगर, शांतीगार्डन, मिरा-रोड (पुर्व)
ठाणे-४०११०७
dcphq.mb-vv@mahapolice.gov.in

स्वातंत्र्याचा अमृत महो

जा.क्रं.अपोआ/मिभाववि/पीए/गोअ-पोउनि-/२०४/२०२३ दिनांक १४/०७/२०२३

संदर्भ :- **मा. पोलीस आयुक्त,मि.भा.व.वि. यांचे कार्यालयीन पत्र क्रं. पोआ/प्र.अ./पीपीएम-पीएम (अधिसुचना)**

विषय :- **प्रजासत्ताक दिन-२६ जानेवारी २०२१ रोजी जाहिर झालेल्या मा. राष्ट्रपती यांचे शौर्यपदक,उल्लेखनीय सेवेचे पोलीस पदक व गुणवत्तापुर्ण सेवेचे पोलीस पदकाच्या अधिसुचनेबाबत.**

उपरोक्त संदर्भीय विषयास अनुसरुन केंद्र शासनाच्या गृह मंत्रालयाचे क्रमांक ११०९९/०२/२०२१-पीएमए,दिनांक ०१/०९/२०२१ चे पत्र माहिती व योग्य त्या कार्यवाहीसाठी या सोबत जोडून सादर करण्यात आले आहे.

पोलीस स्टेशन प्रभारी अधिकारी यांनी पोलीस पदकांच्या अधिसूचनेबाबतचे पत्र पोलीस पदक धारकांच्या निदर्शनास आणुन द्यावे.

सोबत :- केंद्र शासना कडील पत्राची
प्रत जोडली आहे.

(श्रीकांत पाठक)
अपर पोलीस आयुक्त,
मिरा-भाईंदर,वसई-विरार यांचे कार्यालय.

प्रति,

१. **सर्व पोलीस स्टेशन प्रभारी अधिकारी, पोलीस आयुक्तालय, मिरा-भाईंदर,वसई-विरार.**

२. **पोलीस निरीक्षक,सायबर गुन्हे शाखा, मिरा-भाईंदर,वसई-विरार.**
२/-सदरची केंद्र शासनाच्या गृह मंत्रालयाचे क्रं. ११०१९/०२/२०२१-पीएमए, दिनांक ०१/०९/२०२१ चे पत्र यासोबत जोडण्यात येत असुन, सदरची अधिसुचना संकेत स्थळावर प्रसारीत करावी.

३. **पोलीस निरीक्षक,प्रशासन, मिरा-भाईंदर,वसई-विरार.**
२/- सदरची केंद्र शासनाच्या गृह मंत्रालयाचे क्रं. ११०१९/०२/२०२१-पीएमए, दिनांक ०१/०९/२०२१ चे पत्र यासोबत जोडण्यात येत असुन, सदरची अधिसुचना पोलीस नोटीस मध्ये प्रसारीत करावी.

प्रत सादर :-

१) मा. पोलीस आयुक्त,सो. मिरा-भाईंदर,वसई-विरार.

२) मा. अपर पोलीस आयुक्त,सो. मिरा-भाईंदर,वसई-विरार.

No. 11019/02/2021 – PMA
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF HOME AFFAIRS
POLICE-I DIVISION

North Block, New Delhi

Dated the 1st September, 2021

To

1. Home Secretaries/DsGP of all States/UTs (except Manipur, UT of Dadra & Nagar Haveli, UT of Daman & Diu and UT of Lakshadweep).
2. Directors – IB/CBI/SPG/NCB/NCRB/SVPNPA/NEPA
3. DsG- BSF/CRPF/CISF/ITBP/NSG/RPF/SSB/BPR&D/NDRF/NIA/NHRC/ Assam Rifles (Through LOAR).
4. Secretary, Ministry of Social Justice & Empowerment, Shastri Bhawan, New Delhi-1
5. CEO, Unique Identification Authority of India, Bangla Sahib Road, New Delhi-1

Subject: e-gazette Notification in respect of Award of Police Medal for Gallantry (PPMG)/ Police Medal for Gallantry (PMG) / President's Police Medal for Distinguished Service (PPM)/ Police Medal for Meritorious Service (PM) announced on the occasion of Republic Day 2021- reg.

Sir/Madam,

I am directed to refer to this Ministry's letter of even number dated 25th January, 2021 on the subject mentioned above and to say that President's Secretariat has issued Notification by e-gazette on 14/8/2021 and published on 16/8/2021 and uploaded on https://egazette.nic.in (Gazette ID: 229035) for the award announced on the occasion of Republic Day 2021..

2. It is requested to download the Notification through https://egazette.nic.in (Gazette ID: 229035) issuing date: 14/8/2021 and Published Date: 16/8/2021.

Yours faithfully,

Ghosh

[D.K.Ghosh]
Under Secretary to the Government of India
Tele: 011-23094009

Copy to:
SO (IT) – It is requested to upload on MHA Website (Awards & Medals).

रजिस्ट्री सं. डीएल—(एन) 04/0007/2003--21 REGISTERED No. DL—(N) 04/0007/2003—21

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-सा.-16082021-229035
CG-DL-W-16082021-229035

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 33] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 14—अगस्त 20, 2021 (श्रावण 23, 1943)
No. 33] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 14—AUGUST 20, 2021 (SRAVANA 23, 1943)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

	पृष्ठ सं.
भाग I—खण्ड-1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं.	335
भाग I—खण्ड-2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	593
भाग I—खण्ड-3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	1
भाग I—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं.	2293
भाग II—खण्ड-1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम.	*
भाग II—खण्ड-1क—अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ.	*
भाग II—खण्ड-2—विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (i)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं).	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (ii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं.	*
भाग II—खण्ड-3—उप खण्ड (iii)—भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं).	*
भाग II—खण्ड-4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश.	*
भाग III—खण्ड-1—उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बद्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	1793
भाग III—खण्ड-2—पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेन्टों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	*
भाग III—खण्ड-3—मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं.	*
भाग III—खण्ड-4—विविध अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं.	155
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस.	1503
भाग V—अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूरक.	*

*आंकड़े प्राप्त नहीं हुए।

CONTENTS

	Page No.
PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	335
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	593
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	1
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	2293
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi language, of Acts, Ordinances and Regulations	*
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1793
PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	*
PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	155
PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	1503
PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*

*Folios not received.

भाग I—खण्ड 1
[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 2021

सं.-95-प्रेस/2021—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2021 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

1. श्री माथुरथी श्रीनिवास राव, असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर पुलिस, एसीबी विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 521225
2. श्रीमती वायलेट बरूआ, उप पुलिस महानिरीक्षक (बीटीएडी), कोकराझार, असम, 783370
3. श्री राजेश त्रिपाठी, उप महानिरीक्षक, मानवाधिकार, पटना, बिहार, 800023
4. श्री मोहम्मद अब्दुल मनान, स्टेनो सब इंस्पेक्टर, पुलिस मुख्यालय, पटना, बिहार, 800023
5. श्री प्रदीप गुप्ता, निदेशक, अभियोजन/एफएसएल रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001
6. श्री नीरज ठाकुर, विशेष पुलिस आयुक्त/स्पेशल सेल, पुलिस मुख्यालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110001
7. सुश्री ऋतम्भरा प्रकाश, सहायक पुलिस आयुक्त, अपराध एवं यातायात (मुख्यालय), पुलिस मुख्यालय, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110002
8. श्री सुरेश कुमार, सब इंस्पेक्टर, ऑपरेशन सेल, रोहिणी जिला, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110085
9. श्री बिंदेश शाह, पुलिस इंस्पेक्टर, अहमदाबाद सिटी, गुजरात, 380004
10. श्री कुमार राय जगदीश राय चांदना, पुलिस इंस्पेक्टर वायरलेस, पुलिस आयुक्त का कार्यालय, अहमदाबाद सिटी, गुजरात, 380004
11. श्री नवदीप सिंह विर्क, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कानून एवं व्यवस्था पंचकुला, हरियाणा, 134109
12. श्री संदीप खिरवर, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, रोहतक, हरियाणा, 124001
13. श्री एन. वेणुगोपाल, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक/स्टेट सीआईडी, शिमला, हिमाचल प्रदेश, 171009
14. डॉ. शिव दर्शन सिंह, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, सुरक्षा जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
15. श्री सेवांग नामग्याल कलोन, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, यातायात जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001
16. श्री मुरारी लाल मीणा, अपर महानिदेशक, विशेष शाखा, रांची, झारखंड, 834004
17. श्री टी. के. बिनोद कुमार, अपर महानिदेशक, इंटेलिजेंस, तिरूवनंतपुरम, केरल, 695004
18. श्रीमती प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव, अतिरिक्त महानिदेशक (अजाक), पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
19. श्री संतोष कुमार उपाध्याय, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश, 452001
20. श्री नरेन्द्र कुमार गंगराडे, इंस्पेक्टर (एम), अपर महानिदेशक प्रशासन का कार्यालय, पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008
21. श्री अजय तुरकई, इंस्पेक्टर, विशेष शाखा, पीएचक्यू, भोपाल, मध्य प्रदेश 462008
22. श्री प्रभात कुमार, अपर पोलीस महासंचालक, महासंचालक कार्यालय, ए.सी.बी., वर्ली, मुंबई, महाराष्ट्र, 400030

23. डॉ. सुखविन्दर सिंह, अपर पोलीस महासंचालक, फोर्स वन, एसआरपीएफ कैंप जीआर.8 के आगे, गोरेगांव पूर्व, मुंबई, महाराष्ट्र, 400065

24. श्री निवृत्ती तुकाराम कदम, सहायक पोलीस आयुक्त, क्राइम ब्रांच ठाणे सिटी, महाराष्ट्र, 400601

25. श्री विलास बालकू गंगावणे, वरिष्ठ पोलीस इंस्पेक्टर, शाहूनगर पुलिस स्टेशन, माहिम पूर्व, मुंबई, महाराष्ट्र, 400017

26. श्री टीमेंसोन के. मारक, एबी कांस्टेबल, 1 एमएलपी बटालियन, माविओंग, मेघालय, 793016

27. श्री वी.एल. हमांगईहजुअला, उप पुलिस अधीक्षक (लीगल), पुलिस मुख्यालय, मिजोरम, 796001

28. श्री राधा किशन शर्मा, निदेशक इंटेलिजेंस, इंटेलिजेंस निदेशालय, एसआईडब्ल्यू कार्यालय बिल्डिंग, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751001

29. श्री बुधि बहादुर थापा, डिप्टी सूबेदार, बीजू पटनायक राज्य पुलिस अकादमी, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751019

30. श्री प्रवीण कुमार सिन्हा, अपर पुलिस महानिदेशक, कारागार, चंडीगढ़, पंजाब, 160009

31. श्री अनन्या गौतम, पुलिस महानिरीक्षक, एफआईयू, पंजाब, सास नगर, पंजाब, 140308

32. श्री हवा सिंह, प्लाटून कमांडर, राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर, राजस्थान, 302016

33. श्री महेश कुमार अग्रवाल, अपर पुलिस महानिदेशक/पुलिस आयुक्त, ग्रेटर चेन्नई पुलिस, वेपेरी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600007

34. श्री एस. डेविडसन देवासिरवाथम, अपर पुलिस महानिदेशक, तकनीकी सेवा, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004

35. श्री पी. मणिकांडाकुमार, पुलिस इंस्पेक्टर, तमिलनाडु स्पेशल पुलिस IV बटालियन, कोवैपुडूर, तमिलनाडु, 641042

36. श्रीमती शिखा गोयल, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, क्राइम और एसआईटी हैदराबाद, तेलंगाना, 500001

37. श्री एन. शिवाशंकर रेड्डी, पुलिस महानिरीक्षक, निजामाबाद रेंज, निजामाबाद, तेलंगाना, 503003

38. श्री असीम कुमार अरूण, अपर पुलिस महानिदेशक यूपी-112, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002

39. श्री राज कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक वेटिंग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002

40. श्री रवि जोसेफ लोक्कू, अपर पुलिस महानिदेशक/जी.एस.ओ. टू डीजीपी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002

41. श्री विजय भूषण, पुलिस महानिरीक्षक पीएसआर और पीबी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001

42. श्री कवीन्द्र प्रताप सिंह, पुलिस महानिरीक्षक प्रयागराज (रेंज), उत्तर प्रदेश, 211001

43. श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002

44. श्री पीयूष श्रीवास्तव, पुलिस महानिरीक्षक मिर्जापुर (रेंज), उत्तर पदेश, 2310001

45. श्री पालोली वेंकटा कृष्णा प्रसाद, अपर महानिदेशक, सीआईडी, उत्तराखंड, 248001

46. श्री मनोज कुमार दास, असिस्टेंट कमांडेंट, राज्य आर्म्ड पुलिस 10वीं बटालियन, दाबग्राम, पश्चिम बंगाल, 734004

47. श्री एस. के. मोहम्मद कलीमुद्दीन, सहायक पुलिस आयुक्त, सेंट्रल डिवीजन, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700013

48. श्री मधुप कुमार तिवारी, अपर पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था), पोर्ट ब्लेयर, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, 744104

49. श्री अमित कुमार मुखोपाध्याय, निदेशक (मेडिकल), शिलांग, असम राइफल्स, 793010

50. श्री अजीत कुमार टेटे, उप महानिरीक्षक, एसएचक्यू, न्यू टाउन कोलकाता, बीएसएफ, 700161

51. श्री सुरजीत सिंह, उप महानिरीक्षक, सेक्टर मुख्यालय, पलौरा कैंप, जम्मू, बीएसएफ, 794005

52. श्री उमेश कुमार नायल, उप महानिरीक्षक, फ्रंटियर मुख्यालय मेघालय, पीओ-रायनिजाह, जिला-पूर्वी खासी हिल्स(मेघालय) , बीएसएफ, 793006

53. श्री धर्मेन्द्र पारीक, उप महानिरीक्षक, 'जी' निदेशालय, एफएचक्यू नई दिल्ली, बीएसएफ, 110003

54. श्री रणवीर सिंह शक्तावत, उप महानिरीक्षक, सेनवोस्टो टेकनपुर, ग्वालियर (एमपी), बीएसएफ, 475005

55. श्रीमती मीनाक्षी शर्मा, महानिरीक्षक, डब्ल्यूएस मुख्यालय, मुंबई, महाराष्ट्र, सीआईएसएफ, 410210
56. श्री सुभाष चन्द्र, असिस्टेंट कमांडेंट/एक्जीक्यूटिव, मुख्यालय, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110003
57. श्री विटुल कुमार, महानिरीक्षक, महानिदेशालय, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110003
58. श्री प्रकाश देवसहायम, महानिरीक्षक, सीजी सेक्टर, रायपुर, छत्तीसगढ़, सीआरपीएफ, 492101
59. श्री बिरेन्द्र कुमार शर्मा, उप महानिरीक्षक, महानिदेशालय, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110003
60. श्री हनुमंत सिंह रावत, उप महानिरीक्षक, ऑप्स रेंज, चाईबासा, झारखंड, सीआरपीएफ, 833201
61. श्री नरेश कुमार यादव, उप महानिरीक्षक, जेएंडके जोन मुख्यालय, जम्मू, सीआरपीएफ, 181123
62. श्री कुजियादिल थॉमस जोब, उप महानिरीक्षक, आईएसए, माउंटआबू, राजस्थान, सीआरपीएफ, 307501
63. श्री सुनील चन्द्र ममगई, उप महानिरीक्षक, उत्तर-पूर्वी फ्रंटियर मुख्यालय, ईटानगर (अरुणाचल प्रदेश), आईटीबीपी, 791111
64. श्री मनोहर सिंह रावत, सेकेण्ड इन कमांड, 21वीं बटालियन, पंथाचौक, श्रीनगर (जेएंडके), आईटीबीपी, 191101
65. श्री दीपम सेठ, महानिरीक्षक, उत्तर पश्चिमम फ्रंटियर मुख्यालय, चोगलामसर, लेह लद्दाख (यू.टी.), आईटीबीपी, 194101
66. श्री बी. आर. चौहान, सेकेण्ड इन कमांड (जीडी), 54वीं बटालियन, एसएसबी, 783390
67. श्री अचिन्तया मित्रा, सेकेण्ड इन कमांड (जीडी), 27वीं बटालियन, एसएसबी, 781313
68. सुश्री संपत मीणा, संयुक्त निदेशक, सीबीआई बिल्डिंग, हजरतगंज, लखनऊ, सीबीआई, 226001
69. श्री विनीत विनायक, संयुक्त निदेशक, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
70. श्री सारलादास मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक, ईओ-।।।, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
71. श्री विवेक धीर, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी, पनामा चौक जम्मू, सीबीआई, 180012
72. श्री सुरेंदर कुमार रोहिला, उप पुलिस अधीक्षक, एसीयू-V, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
73. श्री बसंत सिंह बिष्ट, हेड कांस्टेबल, निदेशक का कार्यालय, एच.ओ., नई दिल्ली, सीबीआई, 110003
74. सुश्री रजना उमेश कौल, अतिरिक्त उप निदेशक/तकनीकी, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
75. श्री सुनील कुमार झा, सहायक निदेशक/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, गुवाहाटी, गृह मंत्रालय, 781036
76. श्री राजेश कुमार, सहायक निदेशक/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, चंडीगढ़, गृह मंत्रालय, 160019
77. श्री अरविंद कुमार देवन, सहायक निदेशक/कार्यकारी, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
78. श्री सुजीत सिंह, सहायक निदेशक/कार्यकारी, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110077
79. श्री निर्मल चन्द्र ब्लहटिया, सहायक निदेशक/कार्यकारी, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021
80. श्री सुभाशीष मैति, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, कोलकाता, गृह मंत्रालय, 700019
81. श्री अंग्रेज सिंह, सहायक केन्द्रीय आसूचना अधिकारी-।।/ कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, अमृतसर, गृह मंत्रालय, 143001
82. श्री एस. सुरेश, महानिरीक्षक, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077
83. श्री चंद प्रकाश सक्सेना, उप महानिरीक्षक, भोपाल, बीपीआरएंडडी, 462021
84. श्री पवन कुमार मिश्रा, इंस्पेक्टर (फिंगरप्रिंट), नई दिल्ली, एनसीआरबी, 110037
85. श्री विनोद कुमार के. एस., हेड कांस्टेबल, एनआईए मुख्यालय, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण, 110003
86. डॉ. महेश चंद भारद्वाज, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जीपीओ कॉम्प्लेक्स, आईएनए, नई दिल्ली, एनएचआरसी, 110023
87. श्री राम प्रसाद मीना, संयुक्त सचिव, शास्त्री भवन, नई दिल्ली, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, 110001

88. डॉ. प्रणव महांति, उप महानिदेशक, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, बंगला साहिब रोड, नई दिल्ली, यूआईडीएआई, 110001

89. श्री बिजेन्द्र सिंह शेखावत, सहायक सुरक्षा आयुक्त, रेलवे बोर्ड नई दिल्ली, रेल मंत्रालय, 110001

2. ये पुरस्कार, विशिष्ट सेवा के लिए राष्ट्रपति के पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

फ. सं. 18004/1/2021-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं.-96-प्रेस-2021/—राष्ट्रपति, गणतंत्र दिवस, 2021 के अवसर पर निम्नलिखित अधिकारियों को उनकी सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

1. श्री पी. एच. डी. रामकृष्ण, निदेशक विशेष प्रवर्तन ब्यूरो, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 521108

2. श्री मल्लूर कुप्पूस्वामी राधा कृष्ण, अपर पुलिस अधीक्षक, डी.ए.आर, कुरनूल, आंध्र प्रदेश, 518004

3. श्री रावला विजय पाल, अपर पुलिस अधीक्षक, सी.आई.डी. क्षेत्रीय कार्यालय, आंध्र प्रदेश, 522004

4. श्री गांटा वेंकटरमण मूर्ति, सब डिवीजनल पुलिस ऑफिसर, नंदिगामा, कृष्णा जिला, आंध्र प्रदेश, 521366

5. श्री सदासिवनी वरदा राजू, पुलिस अधीक्षक एनसी, क्षेत्रीय सतर्कता और प्रवर्तन अधिकारी, ईलुरू, आंध्र प्रदेश, 534001

6. श्री अलापती वेंकटेश्वर राव, असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, 6ठी बटालियन एपीएसपी, मंगलागिरि, आंध्र प्रदेश, 522503

7. श्री नंबरू नारायण मूर्ति, पुलिस सब इंस्पेक्टर, जे.आर. पुरमा आउट पोस्ट, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश, 534407

8. श्री जोन्नला विश्वनाधम, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, सीआई सेल आसूचना विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 520008

9. श्री सोमा श्रीनिवासुलू, पुलिस सब इंस्पेक्टर, भ्रष्टाचार-रोधी ब्यूरो तिरूपति, आंध्र प्रदेश, 517501

10. श्री येंदलुरू श्याम सुन्दरम, पुलिस इंस्पेक्टर, पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज कल्यानिदम, आंध्र प्रदेश, 517102

11. श्री जम्मालामुदुगू नूर अहमद बाशा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, मादनापल्ली फर्स्ट टाउन पीएस, आंध्र प्रदेश, 517325

12. श्री येराबोलू नागेश्वर रेड्डी, आर्म्ड रिजर्व हेड कांस्टेबल, होम गार्ड यूनिट, विजयवाड़ा, आंध्र प्रदेश, 520001

13. श्री मादिया जनार्दन, हेड कांस्टेबल, ऑक्टोपस, आंध्र प्रदेश, 522302

14. श्री दाचुरू सुरेश बाबू, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, डिस्ट्रिक्ट स्पेशल ब्रांच नेल्लोर, आंध्र प्रदेश, 524003

15. श्री येन्नि शशि भूषण राव, रिजर्व सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, 5वीं बटालियन एपीएसपी, विजयनगरम, आंध्र प्रदेश, 535005

16. श्री हाबुंग तापा, इंस्पेक्टर, पीएचक्यू ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश, 791111

17. श्रीमती बिंदू अधिकारी, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, पुलिस स्टेशन नाहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश, 791110

18. श्री मुसलेहउद्दीन अहमद, कमांडेंट 22वीं ए.पी. (आईआर) बटालियन, लिकाबाली, धेमाजी, असम, 787059

19. श्री अमृत भुयां, पुलिस अधीक्षक, दारांग, असम, 784125

20. श्री देबाशीष शर्मा, प्रिंसिपल, पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज, डेरगांव, गोलाघाट, असम, 785703

21. श्री सुशांत विश्वा शर्मा, पुलिस अधीक्षक, गोवालपारा, असम, 783121

22. श्री दीपक बोरा, पुलिस इंस्पेक्टर, गोलाघाट, असम, 785621

23. श्री इमामउद्दीन चौधरी, सब इंस्पेक्टर, कछार, असम, 788001

24. श्री डिम्बो राम तेरांग, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, गुवाहाटी, असम, 781032

25. श्री निरंजन दास, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, कछार, असम, 788001

26. श्री अनवर हुसैन बोरभुइयां, नायक, कछार, असम, 788001

27. श्री पंकज महंता, कांस्टेबल (यूबी), गुवाहाटी, असम, 781032

28. श्री जितेन्द्र कुमार सिंह यादव, कांस्टेबल (यूबी), गुवाहाटी, असम, 781032

29. श्री हेमेन दास, कांस्टेबल (यूबी), गुवाहाटी, असम, 781032

30. श्री अनिल राजबोंगशी, कांस्टेबल (यूबी), कोकराझार, असम, 783370

31. श्री राकेश राठी, महानिरीक्षक, मगध रेंज, गया, बिहार, 823001

32. श्री राजीव रंजन, पुलिस अधीक्षक, अरवल, बिहार, 804401

33. श्री सुशांत कुमार सरोज, पुलिस अधीक्षक सिटी, भागलपुर, बिहार, 812001

34. श्री विजय प्रसाद, पुलिस अधीक्षक- सह- सहायक निदेशक, सिविल डिफेंस, पटना, बिहार, 800023

35. श्री अमरकांत चौबे, उप पुलिस अधीक्षक एचक्यू, मधेपुरा, बिहार, 852113

36. श्री अभय नारायण सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिदेशक कंट्रोल रूम, पटना, बिहार, 800023

37. श्री अलय वत्स, इंस्पेक्टर, स्पेशल टास्क फोर्स, बिहार, 800001

38. श्री ओम प्रकाश सिंह, सब इंस्पेक्टर, सीआईडी पटना, बिहार, 800023

39. श्री गिरीन्द्र मोहन मिश्रा, हवलदार, सीआईडी पटना, बिहार, 800023

40. श्रीमती कामिनी देवी, कांस्टेबल, पुलिस लाइन जमुई, बिहार, 811307

41. श्री अनिल लिम्बू, हवलदार, बीएमपी पटना 01, बिहार, 800014

42. श्री सोहन लाल, उप पुलिस अधीक्षक, एसटीएफ, बाघेरा दुर्ग, छत्तीसगढ़, 491001

43. श्रीमती मनीषा सिंह नयन, इंस्पेक्टर (एम), पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जगदलपुर, छत्तीसगढ़, 494001

44. श्रीमती वर्षा शर्मा, सब इंस्पेक्टर (एम), पीटीएस राजनंदगांव, छत्तीसगढ़, 491441

45. श्री कमलेश कुमार सोनबोईर, सब इंस्पेक्टर (एम), पीटीएस राजनंदगांव, छत्तीसगढ़, 491441

46. श्री पी. डी. अशोक कुमार, सब इंस्पेक्टर (एमटी), एसटीएफ, बाघेरा दुर्ग, छत्तीसगढ़, 491001

47. श्री तुलाराम बॉक, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, पुलिस स्टेशन डोंगरगढ़, राजनंदगांव, छत्तीसगढ़, 491441

48. श्री अरुण बहादुर, हेड कांस्टेबल, 12वीं बटालियन सीएएफ रामानुजगंज बलरामपुर, छत्तीसगढ़, 497220

49. श्री केशव कुमार ध्रुव, हेड कांस्टेबल, पुलिस लाइन, बीजापुर, छत्तीसगढ़, 494444

50. श्री रविन्द्र कुमार भुआर्य, कांस्टेबल, पुलिस स्टेशन चारामा, कांकेर, छत्तीसगढ़, 494337

51. श्री अश्विनी कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, डीएसबी भिलाई दुर्ग, छत्तीसगढ़, 493441

52. श्री राजेश देव, उप पुलिस आयुक्त, लीगल सेल, पुलिस मुख्यालय, पुलिस स्टेशन तिलक मार्ग, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, 110002

53. श्री संजीव कुमार यादव, उप पुलिस आयुक्त/स्पेशल सेल, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110001

54. श्री राजेंद्र प्रसाद मीणा, अपर उप पुलिस आयुक्त -I/द्वारका, सेक्टर-19, द्वारका, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110075

55. श्री अनिल शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त/सुरक्षा, विनय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110021

56. श्री जरनैल सिंह सराओ, इंस्पेक्टर (एक्जी.) एसएचओ, लाहोरी गेट, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110006

57. श्री विनोद नारंग, इंस्पेक्टर (प्रशा.), दक्षिण-पश्चिम जिला, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110057

58. श्री मनीष जोशी, इंस्पेक्टर, पुलिस आयुक्त का कार्यालय, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110001

59. श्री हरीश कुमार, इंस्पेक्टर (मिनिस्ट्रियल), पुलिस आयुक्त का कार्यालय, जय सिंह रोड, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110001

60. श्री देवेंद्र सिंह, इंस्पेक्टर/जांच-पड़ताल, पुलिस स्टेशन सरोजिनी नगर, दक्षिण-पश्चिम जिला, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110029

61. श्रीमती प्रतिभा शर्मा, इंस्पेक्टर, दक्षिण जिला, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110016

62. श्री बहादुर शर्मा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एक्जी.), (अब तदर्थ सब इंस्पेक्टर) मानव तस्करी-रोधी यूनिट, क्राइम ब्रांच, दिल्ली पुलिस, सेक्टर-16, रोहिणी, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110085

63. सुश्री रेखा, महिला/असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एक्जी.), (सब इंस्पेक्टर/एस.आर.) सुरक्षा मुख्यालय, विनय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110021

64. श्री महाबीर सिंह, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, राजौरी गार्डेन, पश्चिम जिला, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110027

65. श्री दिनेश कुमार, हेड कांस्टेबल (एक्जी.), (असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एस.जी.) लेखा ब्रांच क्राइम, पुलिस स्टेशन कमला मार्केट, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110002

66. श्रीमती गीता देवी, महिला/हेड कांस्टेबल (एक्जी.), (अब महिला/असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एक्जी.) उप पुलिस आयुक्त का कार्यालय/रेलवे, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110006

67. श्री नरेश यादव, कांस्टेबल, स्पेशल सेल/दक्षिणी रेंज, पुष्प विहार (साकेत), नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110017

68. श्री हरि राम, कांस्टेबल (एक्जी.), (अब तदर्थ हेड कांस्टेबल), 3 बटालियन डीएपी, आर्म्ड पुलिस, विकासपुरी, पुलिस लाइन्स, नई दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110018

69. श्री विनोद कुमार, कांस्टेबल (एक्जी.), (अब तदर्थ हेड कांस्टेबल), मैपिंग सेक्शन/क्राइम ब्रांच, दिल्ली, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, 110006

70. श्री प्रबोध भुटो शिरवेकर, उप पुलिस अधीक्षक, ट्रैफिक, दक्षिण, मडगांव, गोवा, 403601

71. श्री रवीन्द्र दत्त देसाई, पुलिस इंस्पेक्टर, कुरचोरेम, गोवा, 403706

72. डॉ. अर्चना शिवहरे, पुलिस महानिरीक्षक, कंप्यूटर कम स्टेट सीआर, पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय, एससीआरबी, गुजरात, 382010

73. श्री जसवंतकुमार रामजीभाई मोथालिया, पुलिस महानिरीक्षक, बॉर्डर रेंज, भुज, पुलिस महानिरीक्षक का कार्यालय, बॉर्डर रेंज, भुज, जिला कच्छ, गुजरात, 370001

74. श्री रमेश कुमार कांतिलाल पटेल, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, गुजरात, 385001

75. श्री राजेन्द्रसिंह रंजीतसिंह सरवैया, सहायक पुलिस आयुक्त, क्राइम डिटेक्शन ब्रांच, चौकबाजार के निकट सूरत सिटी , गुजरात, 395001

76. श्री भरतकुमार दौलतराय माली, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक, कमांडो प्रशिक्षण केंद्र, खलाल, गुजरात, 387610

77. श्री विक्रमकुमार रामजीभाई उलवा, आर्म्ड उप पुलिस अधीक्षक, कमांडेंट का कार्यालय एसआरपीएफ, जीआर.XII, गांधीनगर, गुजरात, 382028

78. श्री राजेश कुमार लीलाभाई बराद, उप पुलिस अधीक्षक, चेतक कमांडो फोर्स, यूनिट-3, गांधीनगर, गुजरात, 382030

79. श्री किरणकुमार प्रेमजीभाई पटेल, उप पुलिस अधीक्षक, एस.आर.पी.एफ. ग्रुप-14, कलगाम, जिला- वलसाड, गुजरात, 396140

80. श्री कुमोदचन्द्र रामभाई पटेल, वायरलेस पुलिस इंस्पेक्टर, कमांडेंट का कार्यालय एस.आर.पी.एफ. जीआर.18, जिला. नर्मदा बटालियन, केवडिया कॉलोनी, गुजरात, 393151

81. श्री हितेन्द्रसिंह मधुभा गढ़वी, अनआर्म्ड पुलिस इंस्पेक्टर, नक्सलवाद ब्रांच, पुलिस महानिरीक्षक आसूचना का कार्यालय गांधीनगर, गुजरात, 382010

82. श्री जितेन्द्रकुमार विट्ठलभाई पटेल, अनआर्म्ड असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, एथवा पुलिस स्टेशन, सूरत सिटी , गुजरात, 395001

83. श्री बलवंतभाई लाघरभाई गोहिल, अनआर्म्ड असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, संयुक्त पुलिस आयुक्त, क्राइम ब्रांच, गायकवाड़ हवेली, रायखड, अहमदाबाद सिटी, गुजरात, 380001

84. श्री धर्मेन्द्रसिंह सोनसिंह चौहान, अनआर्म्ड असिस्टेंट पुलिस सब इंस्पेक्टर, पुलिस अधीक्षक पाटन, तालुका पुलिस स्टेशन, गुजरात, 384265

85. श्री हिमतसिंह भुराभाई बमानिया, अनआर्म्ड पुलिस हेड कांस्टेबल, संयुक्त पुलिस आयुक्त, क्राइम ब्रांच, अहमदाबाद सिटी, गुजरात, 380001

86. श्री योगेन्द्रसिंह नरेन्द्रसिंह कोसाडा, हेड कांस्टेबल, क्राइम डिटेक्शन ब्रांच, डीसीबी पुलिस स्टेशन, चौकबाजार के निकट सूरत सिटी , गुजरात, 395001

87. श्री किरीटकुमार दहयालाल जयसवाल, आर्म्ड असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, कमांडेंट का कार्यालय एसआरपीएफ जीआर।।।-, मादना, बीके., गुजरात, 385510

88. श्री नारनभाई करशनभाई पामापनिया, अनआर्म्ड पुलिस कांस्टेबल, एलसीबी, पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राजकोट ग्रामीण, गुजरात, 360005

89. श्री अंगरेज सिंह, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय, नारनौल, हरियाणा, 123001

90. श्री अरुण देसवाल, सब इंस्पेक्टर, 5वीं बटालियन एचएपी, मधुबन, हरियाणा, 132037

91. श्री सुरेश कुमार, सब इंस्पेक्टर, रोहतक, हरियाणा, 124001

92. श्रीमती कुलविंदर कौर, महिला सब इंस्पेक्टर, स्टेट क्राइम ब्रांच पंचकुला, हरियाणा, 134109

93. श्री हरदेव सिंह, ई सब इंस्पेक्टर, पीएचक्यू पंचकुला, हरियाणा, 134109

94. श्री जोगिन्दर सिंह, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, एचपीयूएस पंचकुला, हरियाणा, 134109

95. श्री अमित कुमार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, राज्य सतर्कता ब्यूरो पंचकुला, हरियाणा, 134109

96. श्री प्रवीण कुमार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, चरखी दादरी, हरियाणा, 127306

97. श्री दीपक कुमार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, करनाल, हरियाणा, 132001

98. श्री दीदार सिंह, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, पंचकुला, हरियाणा, 134109

99. श्री हरीश कुमार, सब इंस्पेक्टर, पंचकुला, हरियाणा, 134109

100. श्री जोगिन्दर सिंह, ई सब इंस्पेक्टर, अंबाला, हरियाणा, 134003

101. श्री ओमपति जम्वाल, पुलिस अधीक्षक, एसवी और एसीबी शिमला, हिमाचल प्रदेश, 171002

102. श्री भगत सिंह ठाकुर, पुलिस अधीक्षक, पीएचक्यू, शिमला, हिमाचल प्रदेश, 171002

103. श्री सत पाल, सब इंस्पेक्टर, एचपीपीटीसी दारोह जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश, 176092

104. श्री राजेन्द्र कुमार, ऑनरेरी हेड कांस्टेबल, 1 एचपीएपी बटालियन जुंगा जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश, 171218

105. श्री शक्ति कुमार पाठक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक निदेशक, एसएसएफ जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001

106. श्री जावेद अहमद कौल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, ट्रैफिक सिटी कश्मीर, जम्मू और कश्मीर, 190001

107. श्री शाहिद मेहराज राथर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पीसीआर श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, 190009

108. डॉ. अजीत सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सीआईडी सेल नई दिल्ली, जम्मू और कश्मीर, 110001

109. श्री अल्ताफ अहमद खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सीआईडी सीआईके श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर, 192101

110. श्री राजेश्वर सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एआईजी कार्मिक, पुलिस मुख्यालय जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001

111. श्री संदीप वजीर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एसीबी जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001

112. श्रीमती अनिता शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, आईआरपी 14 बटालियन चन्नी हिम्मत जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180015

113. श्री बकर समून, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कमांडेंट, आईआर 20 बटालियन, जम्मू और कश्मीर, 193121

114. श्री राजेश कुमार शर्मा, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, साम्बा, जम्मू और कश्मीर, 184121

115. श्री शमशीर हुसैन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, एपीसी पुलवामा, जम्मू और कश्मीर, 190021

116. श्री खलील अहमद पोसवाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, गांदरबल, जम्मू और कश्मीर, 191201

117. श्री सन्मती गुप्ता, उप पुलिस अधीक्षक, एसकेपीए उधमपुर, जम्मू और कश्मीर, 182104

118. श्री ऋषि कुमार, सब इंस्पेक्टर, एसकेपीए उधमपुर, जम्मू और कश्मीर, 182104

119. श्री मंजूर अहमद राथर, सब इंस्पेक्टर मिनिस्ट्रीयल, जेडपीएचक्यू कश्मीर, जम्मू और कश्मीर, 190001

120. श्री परषोत्तम दास शर्मा, हेड कांस्टेबल, सुरक्षा जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001

121. श्री गुलजार अहमद, हेड कांस्टेबल, क्राइम ब्रांच जम्मू, जम्मू और कश्मीर, 180001

122. श्री साकेत कुमार सिंह, पुलिस महानिरीक्षक (ऑपरेशन), रांची, झारखंड, 834004

123. श्री कैलाश प्रसाद, हवलदार, आईआरबी - 05, गुमला, झारखंड, 834004

124. श्री सत्येन्द्र नाथ, ड्राइवर हवलदार, एसटीएफ, रांची, झारखंड, 835222

125. श्री राम जनम प्रसाद, टेक. कांस्टेबल 92, जेएपीटीसी, पद्मा, झारखंड, 825411

126. श्री तिल प्रसाद जैशी, हवलदार 322, जेएपी 01, रांची, झारखंड, 834002

127. श्री मनोज कुमार दास, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, बोकारो, झारखंड, 827004

128. श्री सुनील कुमार राय, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, लातेहार, झारखंड, 822119

129. श्री नंदजी यादव, हवलदार, एसटीएफ, रांची, झारखंड, 835222

130. डॉ. सुब्रमण्येश्वर राव अय्यनकी, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस महानिरीक्षक राज्य आसूचना बेंगलुरू, कर्नाटक, 560001

131. श्री बाबसाब शिवागौडा नेमागौड, पुलिस अधीक्षक, भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो-उत्तरी रेंज बेलगावी, कर्नाटक, 590001

132. श्री बासवन्नप्पा रामचन्द्र, उप पुलिस अधीक्षक, वित्तीय खुफिया इकाई सीआईडी प्लेस रोड बेंगलुरू, कर्नाटक, 560001

133. श्री अशोक डी., उप पुलिस अधीक्षक, बंगलौर रेलवे सब डिवीजन, कर्नाटक, 560023

134. श्री सी. बाल कृष्ण, उप पुलिस अधीक्षक, स्पेशल टास्क फोर्स बंगलौर, विकास प्राधिकरण बंगलौर, कर्नाटक, 560020

135. श्री वासुदेव वी.के., उप पुलिस अधीक्षक, क्राइम ब्रांच राज्य पुलिस मुख्यालय नरूपथुंगा बेंगलुरू, कर्नाटक, 560001

136. श्री बालचन्द्र नायक, सर्किल इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, चित्रदुर्ग ग्रामीण सर्किल चित्रदुर्ग, कर्नाटक, 577501

137. श्री होन्नागंगैया ईश्वरैया, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, खुफिया बेंगलुरू, कर्नाटक, 560001

138. श्री प्रकाश, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, डीसीआरबी उडुपी जिला, कर्नाटक, 576101

139. श्री बासवैया पुत्तास्वामी, पुलिस इंस्पेक्टर, महिला पुलिस स्टेशन चामराजनगर जिला, कर्नाटक, 571313

140. श्री वेंकटेश, स्पेशल असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर, 3 बटालियन केएसआरपी बेंगलुरू, कर्नाटक, 560034

141. श्री मोहनराजू कुरूदागि, स्पेशल असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर, 4 बटालियन केएसआरपी बेंगलुरू, कर्नाटक, 560034

142. श्री वेंकटस्वामी चिन्नप्पा, स्पेशल असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर, 4 बटालियन केएसआरपी बेंगलुरू, कर्नाटक, 560034

143. श्री शशिकुमार, असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर, खुफिया बेंगलुरू , कर्नाटक, 560001

144. श्री जीतेन्द्र कुदुकडी राधाकृष्ण राय, असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर, डीकोडागू .आर.ए., कर्नाटक, 571201

145. श्री रामचन्द्र लोकेश, आर्म्ड हेड कांस्टेबल, डी.ए.आर. मैसूरू , कर्नाटक, 560019

146. श्री उसमान साब, सिविल हेड कांस्टेबल, थिपातुरू टाउन पुलिस स्टेशन टुमकुरू जिला, कर्नाटक, 572201

147. श्री सतीश केमपैया वेंकटप्पा, हेड कांस्टेबल, सीआईडी कार्लटन हाउस बेंगलुरू, कर्नाटक, 560001

148. श्री प्रकाश शेट्टी, रिजर्व हेड कांस्टेबल, केएसआरपी 7वीं बटालियन मंगलुरू, कर्नाटक, 574199

149. श्रीमती हर्षिता अट्टालुरी, महानिरीक्षक, दक्षिण जोन, तिरूवनंतपुरम, केरल, 695003

150. श्री जॉनकुट्टी के.एल ., पुलिस अधीक्षक, पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज, तिरूवनंतपुरम, केरल, 695014

151. श्री राजेश एन., पुलिस अधीक्षक, सतर्कता अधिकारी केपीएससी पाट्टोम, टीवीपीएम, केरल, 695004

152. श्री अजीत कुमार बी., डिप्टी कमांडेंट, एमएसपी मलप्पुरम, केरल, 676505

153. श्री अब्दुल रजाक के.पी ., अपर उप आयुक्त, कोझिकोड, केरल, 673001

154. श्री के. हरीशचन्द्र नाइक, उप पुलिस अधीक्षक, स्पेशल मोबाइल स्क्वॉड पुलिस स्टेशन कासरगोड, केरल, 671124

155. श्री एस. मंजुलाल, इंस्पेक्टर, करूंगापल्ली कोल्लम, केरल, 690526

156. श्री नजर के., सब इंस्पेक्टर (जीआर), वायकोम पुलिस स्टेशन कोट्टायम, केरल, 686141

157. श्रीमती वल्साला के., वरिष्ठ सिविल पुलिस अधिकारी, डीएचक्यू मलप्पुरम, केरल, 676506

158. श्रीमती मोनिका शुक्ला, पुलिस अधीक्षक, रायसेन, मध्य प्रदेश, 464551

159. श्री मनोज कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक, भिंड, मध्य प्रदेश, 477001

160. श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, पुलिस अधीक्षक, एसपीई, लोकायुक्त कार्यालय, रीवा संभाग, मध्य प्रदेश, 486001

161. श्री सव्यसाची सर्राफ, पुलिस अधीक्षक, एसपीई, लोकायुक्त कार्यालय, इंदौर, मध्य प्रदेश, 452007

162. श्री जगदीश सिंह डावर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, देवास, मध्य प्रदेश, 455001

163. श्री अमित सक्सेना, जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462002

164. श्री जितेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक, साइबर सेल, इंदौर, मध्य प्रदेश, 452001

165. डॉ. लक्ष्मी कुशवाह, उप पुलिस अधीक्षक, प्रशिक्षण, पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008

166. श्री सुरेन्द्रपाल सिंह राठौर, उप पुलिस अधीक्षक, यातायात, उज्जैन, मध्य प्रदेश, 456010

167. श्रीमती अलका शुक्ला, उप पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008

168. श्रीमती संगीता जोशी, इंस्पेक्टर, पीटीसी इंदौर, मध्य प्रदेश, 452020

169. श्री सुधीर कुमार श्रीवास, इंस्पेक्टर(एम) , आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ, मुख्यालय, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462011

170. श्री जगत सिंह यादव, हेड कांस्टेबल, 23वीं बटालियन एसएएफ, भोपाल, मध्य प्रदेश, 462003

171. श्री विश्वनाथ सिंह यादव, हेड कांस्टेबल, 17वीं बटालियन एसएएफ, भिंड, मध्य प्रदेश, 477105

172. श्री राजेन्द्र प्रसाद लोट, सब इंस्पेक्टर, आरएपीटीसी, इंदौर, मध्य प्रदेश, 452005

173. श्री प्रकाश सूर्यवंशी, सब इंस्पेक्टर(रेडियो) , पीआरटीएस, इंदौर, मध्य प्रदेश, 452005

174. श्री संतोष कुमार पटेल, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर(एमटी) , भोपाल, मध्य प्रदेश, 462008

175. डॉ. रविन्द्र अनंत शिसवे, पोलीस सह आयुक्त, साधु वासवानी रोड, पुणे, महाराष्ट्र, 411001

176. श्री प्रविणकुमार चुडामण पाटील, पोलीस उपआयुक्त, क्राइम ब्रांच, नवी मुबंई, महाराष्ट्र, 400614

177. श्री वसंत उत्तमराव जाधव, पोलीस अधीक्षक, भंडारा, महाराष्ट्र, 441904

178. श्रीमती कल्पना यशवंत गाडेकर, सहायक पोलीस आयुक्त, आतंकवाद-रोधी स्क्वॉड, साइबर, मुबंई, महाराष्ट्र, 400008

179. श्रीमती संगीता लायनल शिंदे-अल्फान्सो, पोलीस उपअधीक्षक, जिला जाति प्रमाणपत्र सत्यापन समिति, ठाणे, महाराष्ट्र, 400614

180. श्री दिनकर नामदेव मोहिते, पोलीस इंस्पेक्टर, सी.बी.डी. बेलापुर पुलिस स्टेशन नवी मुबंई, महाराष्ट्र, 400614

181. श्री मेघशाम दादा डांगे, पोलीस इंस्पेक्टर, अक्कलकुवा पुलिस स्टेशन, नंदुरबार, महाराष्ट्र, 425415

182. श्री मिलींद मनोहर देसाई, पोलीस इंस्पेक्टर, अनुसूचित जनजाति प्रमाणपत्र जांच समिति, औरंगाबाद, महाराष्ट्र, 431003

183. श्री विजय चिंतामण डोल, पोलीस इंस्पेक्टर, निजामपुरा पुलिस स्टेशन, ठाणे सिटी, महाराष्ट्र, 421302

184. श्री रवीन्द्र रंगनाथ दौंडकर, पोलीस इंस्पेक्टर, वाशी पुलिस स्टेशन नवी मुंबई, महाराष्ट्र, 400703

185. श्री तानाजी दिगंबर सावंत, पोलीस इंस्पेक्टर, लोकल क्राइम ब्रांच, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, 416003

186. श्री मनिष मधुकर ठाकरे, पोलीस इंस्पेक्टर, गाडगेनगर पुलिस स्टेशन, अमरावती सिटी, महाराष्ट्र, 444600

187. श्री राजू भागुजी बिडकर, पोलीस इंस्पेक्टर, डॉ. डी.बी. मार्ग पुलिस स्टेशन मुबंई, महाराष्ट्र, 400007

188. श्री अजय रामदास जोशी, पोलीस इंस्पेक्टर, क्राइम ब्रांच अंधेरी, मुबंई सिटी, महाराष्ट्र, 400069

189. श्री प्रमोद भाऊ सावंत, पोलीस इंस्पेक्टर, टेक्नोलॉजी सेल मुबंई सिटी, महाराष्ट्र, 400001

190. श्री भगवान मरिबा धबाडगे, पोलीस इंस्पेक्टर, डागलूर पुलिस स्टेशन, नांदेड़, महाराष्ट्र, 431717

191. श्री रमेश मुगटराव कदम, पोलीस सब इंस्पेक्टर, एन्टी एक्सटॉर्शन सेल, ठाणे सिटी, महाराष्ट्र, 400601

192. श्री राजेश बाबूलाल नगरूरकर, रिजर्व पोलीस सब इंस्पेक्टर, पुलिस मुख्यालय बुलढाणा, महाराष्ट्र, 443001

193. श्री सुर्यकांत कृष्णा बोलाडे, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, रेलवे पुलिस मुख्यालय, घाटकोपर पंत नगर, घाटकोपर, महाराष्ट्र, 400075

194. श्री लिलेश्वर गजानंन वरहाडमारे, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, डीएसबी (चन्द्रपुर), महाराष्ट्र, 442401

195. श्री भारत ज्ञानदेव नाले, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, ट्रैफिक ब्रांच सतारा, महाराष्ट्र, 412001

196. श्री हेमंत नागेश राणे, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, शिव पुलिस स्टेशन, माटुंगा, मुंबई, महाराष्ट्र, 400019

197. श्री रामदास बाजीराव गाडेकर, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, पुलिस स्टेशन, एमआईडीसी वालुज, औरंगाबाद सिटी, महाराष्ट्र, 431001

198. श्री हेमंत काशीनाथ पाटिल, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, रीडर ब्रांच, एस.पी. रायगढ़, महाराष्ट्र, 402201

199. श्री अशोक कमलाकर मांगलेकर, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, रीडर ब्रांच, अमरावती सिटी, महाराष्ट्र, 444602

200. श्री जीवन हिंदूराव जाधव, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, सी.आई.यू. ब्रांच, पुलिस आयुक्त, मुंबई, महाराष्ट्र, 400001

201. श्री राजेन्द्र रमाकांत मांडे, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, डी.एस.बी. बेस, करजत, जिलारायगढ़-, महाराष्ट्र, 410201

202. श्री विजय नामदेवराव बोरिकर, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, पुलिस मुख्यालय, चन्द्रपुर, महाराष्ट्र, 442401

203. श्री पुरूषोत्तम शेषरावजी बारड, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, पुलिस मुख्यालय आयुक्त, अमरावती, महाराष्ट्र, 444602

204. श्री उदयकुमार रघुनाथ पालाडे, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, क्राइम ब्रांच, यूनिट 4-उल्हासनगर, ठाणे सिटी, महाराष्ट्र, 421001

205. श्री थॉमस कार्लोस डिसूजा, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, मुख्यालय, ठाणे, महाराष्ट्र, 400601

206. श्री प्रकाश बाबूराव चौगुले, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, क्राइम ब्रांच, रेलवे मुंबई, महाराष्ट्र, 400028

207. श्री सुरेश शिवराम मोरे, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, क्राइम ब्रांच, ठाणे सिटी, महाराष्ट्र, 400601

208. श्री संजय पुंडलिक साटम, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, बी.डी.डी.एस., सिंधुदुर्ग, महाराष्ट्र, 416812

209. श्री शाकिर गौसमोहिद्दीन जिनेदी, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, मुख्यालय, पिंपरी-चिंचवाड, महाराष्ट्र, 411019

210. श्री संजय रामचन्द्र पवार, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, क्राइम ब्रांच, नवी मुंबई, महाराष्ट्र, 400614

211. श्री शारदाप्रसाद रमाकांत मिश्रा, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, पुलिस स्टेशन अंबाजारी, नागपुर सिटी, महाराष्ट्र, 440001

212. श्री प्रकाश ज्ञानेश्वर अंडील, असिस्टेंट पोलीस सब इंस्पेक्टर, एस.आर.पी.एफ. जीआर-3, जालना, महाराष्ट्र, 431203

213. श्री जयराम बाजीराव धनवई, गुप्तवार्ता अधिकारी, राज्य आसूचना विभाग, एसआईडी, औरंगाबाद, महाराष्ट्र 431001

214. श्री राजु इरप्पा उसेंडी, आसूचना अधिकारी, राज्य आसूचना विभाग, एसआईडी, सिरोंचा, महाराष्ट्र, 442504

215. श्री डिग्रेठसों जी. मोमिन, असिस्टेंट कमांडेंट, 2 एमएलपी बटालियन , गोयरगरे, मेघालय, 794002

216. श्री माडलु राम, एबी-इंस्पेक्टर, 4 एमएलपी (2 आईआर बटालियन) सोहपियां, नांग्सटोइन (आई/सी प्रशि. ब्रांच), मेघालय, 793119

217. श्री क्लिफहिलबर्त बी. संगमा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, कमांडेंट का कार्यालय 5 एमएलपी बटालियन, सामगोंग, विलियमनगर, मेघालय, 794111

218. श्री जार्जोकिमा, एसएचओ, आइजोल पुलिस स्टेशन, मिजोरम, 796001

219. श्री एफवनलालकिमा ., इंस्पेक्टर, मिजोरम पुलिस सेंट्रल आर्मररी, पीएचक्यू, मिजोरम, 796001

220. श्री एफ. लाल्हमिंगलिआना, असिस्टेंट कमांडेंट, 3 आईआर बटालियन , मिजोरम, 784125

221. श्री रोविसी नयूवी, कमांडेंट 12वीं एनएपी आईआर बटालियन, चिंगटोक लोंगलेंग, नागालैंड, 798625

222. श्री विपिन योशू, इंस्पेक्टर, डीईएफ मोकोकचुंग, नागालैंड, 798601

223. श्री एस. प्रवीण कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, कानून एवं व्यवस्था, बक्सी बाजार, कटक, ओडिशा, 753001

224. श्री रवीन्द्र कुमार दास, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, स्पेशल ब्रांच, राउरकेला, ओडिशा, 769001

225. श्री भबानी शंकर मिश्र, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसआईडब्ल्यू, भुवनेश्वर, यूनिट-V, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751001

226. श्री अशोक कुमार देहुरी, डिप्टी कमांडेंट, बीजू पटनायक राज्य पुलिस अकादमी, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751019

227. श्री प्रकाश चन्द्र पाल, सहायक पुलिस आयुक्त, एसीपी जोन-VI, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751016

228. श्री मनोरंजन सत्पथी, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, सतर्कता महानिदेशालय कटक, ओडिशा, 753001

229. श्री सरोज कुमार भोई, क्राइम हवलदार, सुंदरगढ़, ओडिशा, 769004

230. श्री शेख नसीरूद्दीन, ड्राइवर हवलदार, सतर्कता निदेशालय कटक, ओडिशा, 753001

231. श्री गौतम पात्रा, कांस्टेबल, सूनाबेदा, कोरापुट, ओडिशा, 763001

232. श्री हेमंत बहादुर खत्री छेत्री, सूबेदार, ओएसएपी 2 बटालियन, झारसूगुडा, ओडिशा, 768204

233. श्री बुद्दा तमांग, डिप्टी कमांडेंट, एसओजी, भुवनेश्वर, ओडिशा, 751024

234. श्री राकेश अग्रवाल, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस आयुक्त, लुधियाना, पंजाब, 141007

235. श्री रूपिंदर सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सतर्कता ब्यूरो, लुधियाना रेंज, लुधियाना, पंजाब, 141001

236. श्री सुखमिंदर सिंह चौहान, उप पुलिस अधीक्षक, एसडी बस्सी पथाना, फतेहगढ़ साहिब, पंजाब, 140412

237. श्री अशोक कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, पीपीए, फिल्लौर, पंजाब, 144410

238. श्री प्रभजीत कुमार, इंस्पेक्टर, सीआईडी मुख्यालय, सास नगर, पंजाब, 160062

239. श्री मनविंदरबीर सिंह, पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, एसबीएस नगर, पंजाब, 144514

240. श्री सोम नाथ, सब इंस्पेक्टर, प्रशिक्षण केन्द्र, पीएपी, जालंधर, पंजाब, 144006

241. श्री निर्मल सिंह, सब इंस्पेक्टर, 80वीं बटालियन, पीएपी, जालंधर, पंजाब, 144005

242. श्री अवतार सिंह, सब इंस्पेक्टरएलआर/, पुलिस लाइन, पटियाला, पंजाब, 147001

243. श्री सुखजीत सिंह, सब इंस्पेक्टरएलआर/, सीपी के नायब रीडर, अमृतसर, पंजाब, 143001

244. श्री जसपाल सिंह, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, सिटी ट्रैफिक, पटियाला, पंजाब, 147001

245. श्री परमिंदर कुमार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/ओआरपी, पुलिस स्टेशन साहनेवाल, लुधियाना, पंजाब, 141001

246. श्री दलजीत सिंह, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, पीपीए, फिल्लाउर, पंजाब, 144410

247. श्री शिंदर पाल, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टरसीएंडआर/, पुलिस स्टेशन श्री चामकौर साहिब, रोपड़, पंजाब, 140112

248. श्री अनिल कुमार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टरएलआर/, सीआईडी यूनिट, चंडीगढ़, पंजाब, 160022

249. श्री कुलवंत सिंह, इंस्पेक्टर, कंट्रोल रूम, पीएपी, जालंधर, पंजाब, 144006

250. श्री रविन्द्र प्रताप, पुलिस इंस्पेक्टर, रिजर्व पुलिस लाइन जयपुर, राजस्थान, 302006

251. श्री प्रेम चंद, पुलिस इंस्पेक्टर, ट्रैफिक, पुलिस कमिश्नरेट, जयपुर, राजस्थान, 302001

252. श्री मनोज कुमार राजपूत, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, स्पेशल ब्रांच जीआरपी अजमेर, राजस्थान, 302016

253. श्री निश्चल कुमार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, ट्रैफिक जैसलमेर, राजस्थान, 345001

254. श्री बन्ना राम बलाई, हेड कांस्टेबल 119, आरएसी जयपुर 4, राजस्थान, 302027

255. श्री चेतन प्रकाश, हेड कांस्टेबल 1505, पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, राजस्थान, 300006

256. श्री मनमदन नायर, कांस्टेबल, अपर पुलिस महानिदेशक कार्यालय पुलिस मुख्यालय जयपुर (एबी), राजस्थान, 302015

257. श्री राधे श्याम ढोली, सब इंस्पेक्टर, राज पुलिस अकादमी, जयपुर ,राजस्थान, 302016

258. श्री भंवर सिंह राजपूत, कांस्टेबल-88, पुलिस प्रशिक्षण स्कूल, बिकानेर, राजस्थान, 334001

259. श्री पोला राम, कांस्टेबल-554, सीआईडी सीबी जालौर, राजस्थान, 373001

260. श्री राम सिंह मीणा, सब इंस्पेक्टर, सीआईडी एसएसबी जोन जयपुर सिटी , राजस्थान, 302015

261. श्री महेश चन्द्र गुर्जर, सब इंस्पेक्टर, क्राइम ब्रांच कार्यालय, उप पुलिस आयुक्त पुलिस जयपुर, राजस्थान, 302001

262. श्री कैलाश, कंपनी कमांडर, 7वीं बटालियन आरएसी भरतपुर, राजस्थान, 321001

263. श्री ताशी वांग्याल, पुलिस अधीक्षक, ग्यालशिंग, पश्चिम जिला, सिक्किम, 737111

264. श्री अंबू टी एस, पुलिस महानिरीक्षक, आईडीओएल विंग सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600032

265. श्री कपिल कुमार सी शरतकर, पुलिस महानिरीक्षक, विशेष जांच प्रभाग, क्राइम ब्रांच सीआईडी, चेन्नई, तमिलनाडु, 600008

266. श्री संतोष कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, प्रशासन, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004

267. श्री सी मुरली, उप पुलिस अधीक्षक, होसूर सब-डिविजन, कृष्णागिरि जिला, तमिलनाडु, 635115

268. श्री के वी कलैसेलवम, उप पुलिस अधीक्षक, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी, कंच्चेपुरम, तमिलनाडु, 631502

269. श्री एम जीवानंदम ,सहायक पुलिस आयुक्त ,एसटी थोमस माउंट रेंज, दक्षिण जोन ,ग्रेटर चेन्नई पुलिस, तमिलनाडु, 600016

270. श्री पी एस कंडासामी, पुलिस इंस्पेक्टर, सीआईडी सुरक्षा ब्रांच, चेन्नई, तमिलनाडु, 600028

271. श्रीमती डी सुगन्या, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी, सिटी -I, चेन्नई, तमिलनाडु, 600016

272. श्री शिवाशंकरन ए, इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, तमिलनाडु स्पेशल पुलिस IX बटालियन, मानिमुथार, तमिलनाडु, 627421

273. श्री एन श्रीनिवासन, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, सीआईडी स्पेशल ब्रांच, मुख्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004

274. श्री एस जॉनसन, उप पुलिस अधीक्षक, आर्म्ड रिजर्व, सेलम जिला, तमिलनाडु, 636007

275. श्री वी रविचंद्रन, स्पेशल सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, पुलिस कंप्यूटर विंग, राज्य क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो, चेन्नई, तमिलनाडु, 600028

276. श्री एस स्टीफेन, स्पेशल सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, क्यू'' ब्रांच सीआईडी, कन्याकुमारी, तमिलनाडु, 629160

277. श्री आर करूणाकरण, हेड कांस्टेबल 48496, स्पेशल ब्रांच सीआईडी, मुख्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004

278. श्री जे सुरेश, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, स्पेशल टास्क फोर्स, इरोडे, तमिलनाडु, 638011

279. श्री एन सिद्धार्थन, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी, मुख्यालय , चेन्नई, तमिलनाडु, 600016

280. श्री पी रमेश, हेड कांस्टेबल 19696, सीआईडी स्पेशल ब्रांच, मुख्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु, 600004

281. श्री राजेश कुमार, पुलिस महानिरीक्षक, खुफिया सेल, खुफिया, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004

282. श्री मोहम्मद शारफुद्दीन सिद्दीकी, कमांडेंट आई/सी पुलिस उप महानिरीक्षक, टीएसएसपी बटालियन, हैदराबाद, तेलंगाना, 500033

283. श्री कांदुकुरी नर्सिंग राव, उप पुलिस अधीक्षक, सब डिविजनल पुलिस अधिकारी, बैनसा सब डिविजन, निर्मल, तेलंगाना, 504106

284. श्री सोमगनी सूर्यनारायण, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी, रंगा रेड्डी रेंज, तेलंगाना, 500001

285. श्री थननीरू गोवर्धन, सहायक पुलिस आयुक्त, पंजागुट्टा ट्रैफिक, हैदराबाद, तेलंगाना, 500082

286. श्री गुंजा रमेश, डिप्टी असाल्ट कमांडर/आरआई, ऑपरेशनस, ग्रेयहाउंडस, हैदराबाद, तेलंगाना, 500008

287. श्री एम उद्धाव, पीसी, 13वीं बटालियन, टीएसएसपी (आईआर), मनचेरियाल जिला, तेलंगाना, 504208

288. श्री बृंगी गोवर्धन, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, सीआई, सतर्कता, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004

289. श्री कोथापल्ली करूणाकर रेड्डी, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, सीसीएस, एसएचई टीम रचाकोंडा, अटैच्ड एलबी के साथ तेलंगाना, 500070

290. श्री बट्टूराजू मोहन राजू, असिस्टेंट रिजर्व सब इंस्पेक्टर, 13वीं बटालियन, टीएसएसपी (आईआर), मनचेरियल, तेलंगाना, 504209

291. श्री डी मोहन रेड्डी, पीसी- 893, सीआई सेल सतर्कता, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004

292. श्री मोहम्मद नायीमुद्दीन, पीसी-539, सीआई सेल, सतर्कता, हैदराबाद, तेलंगाना, 500004

293. श्री केशव हरि जमातिया, इंस्पेक्टर, उत्तर त्रिपुरा, त्रिपुरा, 799271

294. श्री गणेश चंद्र देव, सब इंस्पेक्टर, गोमती, त्रिपुरा, 799120

295. श्री परिमल दास, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, अगरतला, त्रिपुरा, 799001

296. श्री हरिपदा भौमिक, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, कालमचौरा, त्रिपुरा, 799102

297. श्री कृपामोय चकमा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, गोमती, त्रिपुरा, 799104

298. श्री सिद्धार्थ शंकर कर, इंस्पेक्टर, अमताली, त्रिपुरा, 799001

299. श्रीमती भारती सिंह, कमांडेंट, पीएसी 41वीं बटालियन, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201010

300. श्री सौमित्र यादव, पुलिस अधीक्षक रेलवे, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001

301. श्री महेन्द्र यादव, पुलिस अधीक्षक प्रशिक्षण, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002

302. श्री राजेश द्विवेदी, अपर पुलिस अधीक्षक आईएनटी मुख्यालय आर एस, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 244221

303. श्री शशिकांत, अपर महानिदेशक जोन के एस ओ ,लखनऊ ,उत्तर प्रदेश, 244221

304. श्री राम सेवक गौतम, अपर पुलिस अधीक्षक, बाराबंकी, उत्तर प्रदेश, 225001

305. श्री अवधेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, जालौन, उत्तर प्रदेश, 244221

306. श्री हरदयाल सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक, वीआईजी (मुख्यालय) लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 244221

307. श्री अशोक कुमार पाण्डेय, उप पुलिस अधीक्षक, रामपुर, उत्तर प्रदेश, 244901308. श्री परमानंद पाण्डेय, उप पुलिस अधीक्षक, शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश,

309. श्री सुरेश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, बुलंदसिटी , उत्तर प्रदेश,

310. श्रीमती अंजुल गंगवार, एस.आर.ओ., मेरठ जोन, उत्तर प्रदेश,

311. श्री रविन्द्र सिंह, राज्य रेडियो अधिकारी, प्रशिक्षण आरएचक्यू लखनऊ, उत्तर प्रदेश,

312. श्री विनोद कुमार सिंह, अपर राज्य रेडियो अधिकारी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश,

313. श्री राज कुमार, इंस्पेक्टर सीए, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201001

314. श्री कमल सिंह रजवार, इंस्पेक्टर सीए, टेक्निकल सर्विस लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002

315. श्री सैयद मोहम्मद अली, इंस्पेक्टर सीए, एफएसएचक्यू लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002316. श्री ललन प्रसाद साहू, इंस्पेक्टर सीए, सीकेटी रेंज ऑफिस, उत्तर प्रदेश, 210001

317. श्री हृदय शंकर उपाध्याय, इंस्पेक्टर सीए, जिला. बदायूं, उत्तर प्रदेश, 243601

318. श्री देवदत्त, सब इंस्पेक्टर (सीए), सतर्कता वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221001

319. श्री नागेन्द्र मिश्रा, इंस्पेक्टर एमटी, यूपी 112 वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 221002

320. श्री अशोक कुमार, इंस्पेक्टर, इटावा, उत्तर प्रदेश, 207001

321. श्री शिव शंकर त्रिपाठी, सब इंस्पेक्टर, आईएनटी मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001

322. श्री शिव कुमार त्रिपाठी, सब इंस्पेक्टर एलआईयू, सीकेटी, उत्तर प्रदेश, 210205

323. श्री सुरेश कुमार, सब इंस्पेक्टर, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश, 247001

324. श्री जगन्नाथ सिंह, सब इंस्पेक्टर, आईएनटी मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002

325. श्री गोविन्द सिंह यादव, सब इंस्पेक्टर एपी, महिला पावर लाइन लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001

326. श्री ललन सिंह, सब इंस्पेक्टर रेडियो, उन्नाव, उत्तर प्रदेश, 226001

327. श्री सुभाष चन्द, सब इंस्पेक्टर, कानपुरनगर, उत्तर प्रदेश, 208002

328. श्री शेर बहादुर सिंह, सब इंस्पेक्टर, आईएनटी मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001

329. श्री राज मंगल सिंह, सब इंस्पेक्टर, कमिशनरेट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226006330. श्री मुरलीधर, सब इंस्पेक्टर, आईएनटी मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001

331. श्री राकेश कुमार शर्मा, सब इंस्पेक्टर, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, 284008

332. श्री सुरेन्द्र कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर एपी, टेक्निकल सर्विस लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002

333. श्री शिशुपाल सिंह, प्लाटून कमांडर, 38 बटालियन पीएसी, उत्तर प्रदेश, 202001

334. श्री रमेश बाबु सिंह, प्लाटून कमांडर, 04 बटालियन पीएसी पीआरजे, उत्तर प्रदेश, 211011

335. श्री मो. फैज कुरैशी, प्लाटून कमांडर, 08 बटालियन पीएसी, उत्तर प्रदेश, 243123

336. श्री प्रमोद कुमार सिंह, सब इंस्पेक्टर, भदोही, उत्तर प्रदेश, 221304

337. श्री रविकांत मणि, सब इंस्पेक्टर, सिद्धार्थनगर, उत्तर प्रदेश, 272207

338. श्री राजेन्द्र कुमार, सब इंस्पेक्टर, आईएनटी मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001

339. श्री विज्ञान स्वरूप मिश्रा, सब इंस्पेक्टर, मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, 284008

340. श्री आनंद पाल सिंह, सब इंस्पेक्टर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201001

341. श्री कांता प्रसाद, प्लाटून कमांडर, 39वीं बटालियन पीएसी, उत्तर प्रदेश, 231001342. श्री संत कुमार दुबे, सब इंस्पेक्टर, सुरक्षा मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226007

343. श्री राजाराम, सब इंस्पेक्टर, चंदौली, उत्तर प्रदेश, 232104

344. श्री राकेश पाल सिंह, सब इंस्पेक्टर एम टी, मेरठ, उत्तर प्रदेश, 250004

345. श्री उमाकांत तिवारी, सब इंस्पेक्टर, बिजनौर, उत्तर प्रदेश, 246701346. श्री रिजवान अहमद जाफरी, सब इंस्पेक्टर, बांदा, उत्तर प्रदेश, 211001

347. श्री यहिया खाँ, हेड कांस्टेबल, सुरक्षा मुख्यालय, उत्तर प्रदेश, 226007

348. श्री अजब सिंह, हेड कांस्टेबल, 15वीं बटालियन पीएसी, उत्तर प्रदेश, 282001

349. श्री ललन राम, हेड कांस्टेबल, जौनपुर, उत्तर प्रदेश, 222002

350. श्री पदम सिंह, हेड कांस्टेबल एपी, एसीओ लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226002

351. श्री जगदीश सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, 201013

352. श्री रामजी लाल, हेड कांस्टेबल, 41वीं बटालियन पीएसी, उत्तर प्रदेश, 201010

353. श्री गौरी शंकर सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर, पीएचक्यू लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226010

354. श्री निर्भय कुमार मिश्रा, हेड कांस्टेबल, 34वीं बटालियन पीएसी, उत्तर प्रदेश, 221108

355. श्री अशोक कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल, खेरी, उत्तर प्रदेश, 262701356. श्री दया राम यादव, हेड कांस्टेबल, कमीशनरेट लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226020

357. श्री मिश्री लाल, हेड कांस्टेबल, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश, 273001

358. श्री नैपाल सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर, गाजियाबाद, उत्तर पदेश, 201013

359. श्री राम करन यादव, हेड कांस्टेबल, 04 बटालियन पीएसी पीआरजे, उत्तर प्रदेश, 211011

360. श्री अल्ताफ अहमद, हेड कांस्टेबल, पुलिस महानिदेशक मुख्यालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226010

361. श्री राजेन्द्र प्रसाद सिंह यादव, हेड कांस्टेबल, यूपी 112 जौनपुर, उत्तर प्रदेश, 222002

362. श्री गोपाल जी राय, हेड कांस्टेबल, 32 बटालियन पीएसी, उत्तर प्रदेश, 226023

363. श्री श्रीनाथ यादव, हेड कांस्टेबल, एटीएस यूपी, उत्तर प्रदेश, 226008

364. श्री बालकरण सिंह, हेड कांस्टेबल ड्राइवर, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश, 231312

365. श्री राकेन्द्र बहादुर सिंह, हेड कांस्टेबल, भर्ती बोर्ड लखनऊ, उत्तर प्रदेश, 226001

366. श्री अशोक कुमार, इंस्पेक्टर, अमरोहा, उत्तर प्रदेश, 244221

367. श्री दया चंद शर्मा, इंस्पेक्टर, बरेली, उत्तर प्रदेश, 243001368. श्री सुरेश कुमार शर्मा, रिजर्व इंस्पेक्टर, आगरा, उत्तर पदेश, 282001

369. श्री मोहम्मद असलम, इंस्पेक्टर, सतर्कता आगरा, उत्तर प्रदेश, 282001

370. श्री अरुण कुमार त्रिपाठी, कंपनी कमांडर, 37वीं बटालियन पीएसी कानपुर, उत्तर प्रदेश, 208015

371. श्री सुखबीर सिंह, कमांडेंट, 46वीं बटालियन पीएसी रूद्रपुर, उत्तराखंड, 263153

372. श्री मुकेश कुमार, पुलिस अधीक्षक, एआईजी पीएंडएम पुलिस मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड, 248001

373. श्री उमेश चन्द्र जोशी, अपर पुलिस अधीक्षक टेलिकम, पुलिस टेलिकम प्रशिक्षण केन्द्र देहरादून, उत्तराखंड, 248001

374. श्री पंकज कुमार उप्रेती, उप पुलिस अधीक्षक, सतर्कता सेक्टर हल्द्वानी, उत्तराखंड, 263139

375. श्री देवेन्द्र सिंह, सब इंस्पेक्टर वीएस, पुलिस मुख्यालय देहरादून, उत्तराखंड, 248001

376. श्रीमती नीलू शेरपा (चक्रवर्ती), संयुक्त पुलिस आयुक्त (संगठन), कोलकाता पुलिस मुख्यालय, लालबाजार, पश्चिम बंगाल, 700001

377. श्री रघु नाथ भादुडी, सहायक पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक विभाग, 18, लालबाजार स्ट्रीट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700001

378. श्री कौशिक कुमार दास, पुलिस इंस्पेक्टर, बल मुख्यालय, 18, लालबाजार स्ट्रीट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700001

379. श्री संदीप दत्ता, सुपरवाईजर (टेक्निकल), ग्रेड-।, पुलिस मुख्यालय, टेलिकम्यूनिकेशन, 3 मानिक बन्धोपाध्याय सारानी, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700040

380. श्री उदय शंकर घोष, इंस्पेक्टर-इन-चार्ज, मुर्शिदाबाद पुलिस स्टेशन, पश्चिम बंगाल, 742149

381. श्री तारक शंकर भट्टाचार्या, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय, रानाघाट पुलिस जिला, कल्याणी, नदिया, पश्चिम बंगाल, 741235

382. श्री महादेव कुंडू, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, स्पेशल ब्रांच, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700071

383. श्री प्रबीर बनर्जी, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, स्पेशल ब्रांच, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700071

384. श्री मानिक चंद्र पात्रा, उप पुलिस अधीक्षक, प्रवर्तन ब्रांच, भबानी भवन, अलिपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700027

385. श्री मानस बैद्या, कांस्टेबल, बल मुख्यालय, 18, लालबाजार स्ट्रीट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700001

386. श्री शंकर घोष दास्तीदर, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, विधाननगर पुलिस महानिदेशालय, साल्ट लेक, पश्चिम बंगाल, 700106

387. श्री बाबर अली, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, प्रवर्तन ब्रांच , भबानी भवन, अलिपुर, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700027

388. श्री सांतनु विश्वास, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, दीघा पुलिस स्टेशन, पूर्बा मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, 721428

389. श्री तारक मंडल, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, (आर्म्ड ब्रांच), पुलिस उपमहानिरीक्षक (आर्म्ड पुलिस) सेल, बैरकपुर, उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल, 700120

390. श्री तपस कुमार मंडल, पुलिस ड्राइवर, स्वामी विवेकानंद राज्य पुलिस अकादमी, बैरकपुर, पश्चिम बंगाल, 700120

391. श्री सुब्रता कुमार बेरा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, टिटागढ़ पुलिस स्टेशन, बैरकपुर पुलिस कमीशनरेट, पश्चिम बंगाल, 700119

392. श्री असित चक्रवर्ती, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, गोयलपोखर पुलिस स्टेशन, उत्तर दिनाजपुर जिला, पश्चिम बंगाल, 733210

393. श्री फूलाश संगमा, लांस नायक, पूर्वी फ्रंटियर राइफल्स, 3 बटालियन, सालुवा, पश्चिम मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, 721145394. श्री दिपेन्दु साह, कांस्टेबल, सतर्कता ब्रांच, 13वीं लॉर्ड सिन्हा रोड, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, 700071

395. श्रीमती सुमीता ओझा (हाताई), महिला कांस्टेबल (अनआर्म्ड ब्रांच), रिजर्व ऑफिस, तामलुक, पुरबा मेदिनीपुर, पश्चिम बंगाल, 721636

396. श्री अरुण कुमार सिंह, इंस्पेक्टर प्रशा., पुलिस अधीक्षक दक्षिण अंडमान कार्यालय, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह, 744101

397. श्री गुरमुख सिंह, उप पुलिस अधीक्षक, पुलिस कम्प्लेक्स, सेक्टर-26, चंडीगढ़, 160026

398. श्री राजन आर, सब इंस्पेक्टर ऑफ पुलिस, अरियानकुप्पम पुलिस स्टेशन पुदुचेरी, पुदुचेरी, 605001

399. श्री दिवान सिंह, सूबेदार, किफिरे, असम राइफल्स, 932007

400. श्री रमेश कुमार जमवाल, हवलदार, जयरामपुर, असम राइफल्स, 932019

401. श्री दल बहादुर गुरूंग, सूबेदार, पीएचईके, असम राइफल्स, 932022

402. श्री स्वर्ण सिंह, हवलदार, मोकोकचुंग, असम राइफल्स, 932023

403. श्री कुंदन सिंह, हवलदार, मोकोकचुंग, असम राइफल्स, 932023

404. श्री देव राज, नायब सूबेदार, साजिक तम्पाक, असम राइफल्स, 932004

405. श्री सुभाष चन्द, हवलदार, जुनहेबोटो, असम राइफल्स, 932032

406. श्री दिम्बेस्वर राभा, नायब सूबेदार , कोहिमा, असम राइफल्स, 932003

407. श्री ठाकुर प्रसाद यादव, सूबेदार , चंदेल, असम राइफल्स, 932018

408. श्री शोबन सिंह जेठी, सूबेदार , असम राइफल्स, 932043

409. श्री रघुनाथ सिंह, नायब सूबेदार , चारद्वार, असम राइफल्स, 932012

410. श्री ससिधरन वी.टी., सूबेदार , शिलांग, असम राइफल्स, 793011

411. श्री मदन लाल शाह, डिप्टी कमांडेंट, शिलांग, असम राइफल्स, 793010

412. श्री विपुल मोहन बाला, कमांडेंट (प्रशा/ऑप्स), टी ए सी सेक्टर मुख्यालय, रिसाली सेक्टर, भिलाई, जिला-दुर्ग (सीजी), बीएसएफ, 490006

413. श्री जसबीर सिंह, कमांडेंट, 14 बटालियन, खेमकरण तरन तारन (पंजाब), बीएसएफ, 143419

414. श्री अनिल कुमार सिंह, कमांडेंट, 65 बटालियन, राधाबाडी, पोओ-भुटकीडंगापाडा, जिला-जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ, 735135

415. श्री प्रदीप कुमार दुबे, कमांडेंट, सीओटी, बीएसएफ अकादमी टेकनपुर, जिला- ग्वालियर (एमपी), बीएसएफ, 475005

416. श्री जतिन्दर सिंह बिंजी, कमांडेंट, 'जी' निदेशालय, एफएचक्यू, नई दिल्ली, बीएसएफ, 110003

417. श्री उपेन्द्र राय, कमांडेंट, 47 बटालियन, जिला-कूचविहार (पश्चिम बंगाल), बीएसएफ, 736179

418. श्री पवन कुमार पंकज, कमांडेंट, सीओटी, बीएसएफ अकादमी टेकनपुर, जिला-ग्वालियर (एमपी), बीएसएफ, 475005

419. श्री दिनेश कुमार, कमांडेंट, 66 बटालियन बगाफा, पोओ-सानतिर बाजार, जिला-त्रिपुरा दक्षिण त्रिपुरा, बीएसएफ, 799144

420. डॉ. वी. राजा, कमांडेंट (मेडिकल), फ्रंटियर मुख्यालय बीएसएफ बटालियन, पोओ-कदमतला, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल), बीएसएफ, 734011

421. श्री विजय सिंह सोनेर, सेकेण्ड-इन-कमांड (वर्कस), बीएसएफ अकादमी टेकनपुर, बीएसएफ, 475005

422. श्री महेन्द्र कुमार, कमांडेंट (स्थापना), महानिरीक्षक (मुख्यालय) एफ एच क्यू, आर के पुरम-।, नई दिल्ली, बीएसएफ, 110066

423. श्री अनुप सिंह रावत, डिप्टी कमांडेंट, 171 बटालियन, पंजीपाडा, उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ, 733208

424. श्री दिलिप कुमार, डिप्टी कमांडेंट, आर्टिलरी मुख्यालय, तालवांडी रोड, फरीदकोट, राज्य पंजाब, बीएसएफ, 151201

425. श्री वरदेश तनेजा, डिप्टी कमांडेंट (एआरसीएच), महानिदेशक मुख्यालय, सीजीओ कम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, बीएसएफ, 110003

428. श्री जगबीर सिंह, इंस्पेक्टर (एसएम), 54 बटालियन, माहतपुर, सीमानगर, नदिया, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ, 741166

429. श्री जनक राज, इंस्पेक्टर (जीडी), 62 बटालियन, तल्लिगुडी, कूचविहार, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ, 736156

430. श्री हरी शंकर तिवारी, इंस्पेक्टर (जीडी), 180 बटालियन, रानीनगर, पोस्ट ऑफिस- पाटाकाटा, जिला- जलपाईगुडी, राज्य- पश्चिम बंगाल, बीएसएफ, 735133

431. श्री बच्चन सिंह, इंस्पेक्टर (जीडी), मुख्यालय 38 बटालियन, रूपनगर, कूचविहार, (पश्चिम बंगाल) बीएसएफ, 736179

432. श्री सुरेन्द्र सिंह, इंस्पेक्टर (जीडी), 138 बटालियन, अम्बासा, जिला- धलाई, त्रिपुरा, बीएसएफ, 799289

433. श्री गोविन्द राम, इंस्पेक्टर (जीडी), 98 बटालियन, प्लौरा कैंप, जम्मू, जम्मू और कश्मीर, बीएसएफ, 181124434. श्री बलराम दास, इंस्पेक्टर (जीडी), सीएसएमटी, टेकनपुर, बीएसएफ, 475005

435. श्री जालिम प्रसाद, इंस्पेक्टर (जीडी), 10 बटालियन, शिकर, डेरा बाबा नानक, गुरदासपुर, पंजाब, बीएसएफ, 143605

436. श्री बालम सिंह, इंस्पेक्टर (जीडी), 39 बटालियन, रौशनबाग, जिला- मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल), बीएसएफ, 742164

437. श्री सम्पति राम, इंस्पेक्टर (जीडी), 64 बटालियन, नालकाटा, जिला- धलाई, त्रिपुरा, बीएसएफ, 799266

438. श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव, इंस्पेक्टर (आरओ), सेक्टर मुख्यालय इंद्रेश्वर नगर, बीएसएफ, 181101

439. श्री रघुवीर सिंह राही, इंस्पेक्टर (आरएम), फ्रंटियर मुख्यालय, मनदोर रोड, जोधपुर (राजस्थान), बीएसएफ, 342026

440. श्री सुदर्शन कुमार, सब इंस्पेक्टर (जीडी), सेक्टर मुख्यालय, अबोहर, जिला-फाजिल्का (पंजाब), बीएसएफ, 152120

441. श्री बैजनाथ सिंह, सब इंस्पेक्टर (जीडी), 44 बटालियन, नारायणपुर, जिला- मालदा, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ, 732141

442. श्री देवेन्दर सिंह, सब इंस्पेक्टर (जीडी), सेक्टर मुख्यालय, प्लौरा कैंप, जम्मू (जेएंडके), बीएसएफ, 181124

443. श्री सुख देव, सब इंस्पेक्टर (जीडी), 12 बटालियन, अखनूर, जम्मू (जेएंडके), बीएसएफ, 181201

444. श्री कृष्णा गोपाल मंडल, सब इंस्पेक्टर (जीडी), 48 बटालियन, द्वारा- 56 ए.पी.ओ., सम्बा (जेएंडके), बीएसएफ, 184121

445. श्री मनी के., सब इंस्पेक्टर (जीडी), 191 बटालियन, खासियामंगल, पोओ-तेलियामुड़ा, जिला-खवाई, त्रिपुरा, बीएसएफ, 792205

446. श्री अशोक कुमार, सब इंस्पेक्टर,59 बटालियन, रजौरी, जम्मू (जेएंडके), बीएसएफ, 185131

447. श्री घनश्याम सिंह, सब इंस्पेक्टर, फ्रंटियर मुख्यालय, सालबागान अगरतला, (पश्चिम त्रिपुरा), त्रिपुरा, बीएसएफ, 799012

448. श्री नकुल चन्द्र मल्लिक, सब इंस्पेक्टर (जीडी), फ्रंटियर मुख्यालय, पोओ-कदमतला, जिला-दार्जिलिंग, राज्य-पश्चिम बंगाल, बीएसएफ, 734011

449. श्री प्रोबिर कुमार घोष, सब इंस्पेक्टर (जीडी), 21 बटालियन, बैकुंठपुर, जलपाईगुडी (पश्चिम बंगाल), बीएसएफ, 734008

450. श्री मांगे राम, सब इंस्पेक्टर (जीडी), 177 बटालियन, जिला, हिसार, राज्य-हरियाणा, बीएसएफ, 125011

451. श्री के एन केशवन कुट्टी नायर, सब इंस्पेक्टर (रेडियो मेकेनिक), फ्रंटियर मुख्यालय (स्पेशन ऑप्स), ओडिशा, पोस्ट-एएफएस एलहांका, बेंगालोर, कर्नाटक, बीएसएफ, 560063

452. श्री गोनेश दास, ला.नायक (जीडी), 28 बटालियन, प्रहरी नगर, तुरा, मेघालय, बीएसएफ, 794101

453. श्री दीपू रंजन पॉल, ला.नायक (जीडी), 10 बटालियन, शिकर, देरा बाबा नानक, गुरदासपुर, पंजाब, बीएसएफ, 143605

454. श्री प्रफ्फुला दास, ला.नायक, 65 बटालियन, राधाबाडी, पोओ- भुटकिडांगापाड़ा, जिला-जलपाईगुडी, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ, 735135

455. श्री शंकर चन्द माली, कांस्टेबल (कुक), 25 बटालियन, छावला कैंप, नई दिल्ली, बीएसएफ, 110071

456. श्री अशोक कुमार, कांस्टेबल (डब्ल्यूसी), 158 बटालियन, कल्याणी, पश्चिम बंगाल, बीएसएफ, 741235

457. श्री विनोद कुमार चौरसिया, सीनियर कमांडेंट, एचपीसीएल मुबंई, ठाणे, महाराष्ट्र, सीआईएसएफ, 400703458. श्रीमती शिप्रा श्रीवास्तव, सीनियर कमांडेंट, डब्ल्यूएस मुख्यालय मुबंई, सेक्टर-35, तालोजा, नवी मुबंई, महाराष्ट्र, सीआईएसएफ, 410210

459. श्रीमती तपस्या ओभराय नायर, सीनियर कमांडेंट, मुख्यालय, सीजीओ कम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110003

460. श्री सत्येन्द्र कुमार, उप कमांडेंट/एक्जीक्यूटिव, डीएमआरसी दिल्ली, शास्त्री पार्क, नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110053

461. श्री दलबीर सिंह राणा, असिस्टेंट कमांडेंट/जेएओ, जीपी मुख्यालय मुबंई, खारघर सेक्टर-35, नवी मुबंई, सीआईएसएफ, 410210

462. श्री हरशरण सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट/एक्जीक्यूटिव, जीपी मुख्यालय चंडीगढ़, सीआईएसएफ, 160009

463. श्री अरुण मिश्रा, असिस्टेंट कमांडेंट/एक्जीक्यूटिव, मुख्यालय, सीजीओ कम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110003

464. श्री सैयद तनवीर अख्तर, असिस्टेंट कमांडेंट/एक्जीक्यूटिव, डीवीसी पंचेत, पंचेत डेम, धनबाद, झारखंड, सीआईएसएफ, 828206

465. श्री बसंत कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट/एक्जीक्यूटिव, मुख्यालय, सीजीओ कम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110003

466. श्री करण सिंह, इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, दामेल, नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110077

467. श्री पी. के. मनुलाल, इंस्पेक्टर/मिनिस्ट्रियल, एएसजी श्रीनगर, बडगांव, जेएंडके, सीआईएसएफ, 190007

468. श्री दत्तात्रेय एम कांबले, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, डीपीटी कांदला, नई कांदला, कच्छ, गुजरात, सीआईएसएफ, 370210

469. श्री शिव कुमार, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, आरएपीएस/एचडब्ल्यूपी कोटा, चितौरगढ़, राजस्थान, सीआईएसएफ, 323303

470. श्री राजीवा कुमार एस, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, एएसजी त्रिवेन्द्रम, वल्लक्काडावू, त्रिवेन्द्रम, केरल, सीआईएसएफ, 695008

471. श्री पप्पु राम यादव, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, सीआईएसएफ यूनिट डीएमआरसी, शास्त्री पार्क, नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110053

472. श्री आफताब अहमद, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, एएसजी, जयपुर, राजस्थान, सीआईएसएफ, 302029

473. श्री दुप रोरिंग लेपचा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, बीएसपी भिलाई, छत्तीसगढ़, सीआईएसएफ, 490001

474. श्री पुल्लालाचेरूवू नारायण, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, एनएफसी हैदराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना, सीआईएसएफ, 500062

475. श्री श्रीजीब कुमार पात्रा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, बागडोगरा एयरपोर्ट, सिलीगुडी, पश्चिम बंगाल, सीआईएसएफ, 734421

476. श्री अदिगरला लक्ष्मण मूर्ति, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, वीएसपी विजाग, स्टील प्रोजेक्ट, विब्रांच पत्तनम, आंध्र प्रदेश, सीआईएसएफ, 224001

477. श्री कावले बालकृष्णा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, आरसीएफएल मुबंई, चेम्बूर, महाराष्ट्र, सीआईएसएफ, 400074

478. श्री रंजीत सिंह ठाकुर, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, आईजीआई एयरपोर्ट, पालम, नई दिल्ली, सीआईएसएफ, 110037

479. श्री सुरेश चन्द्र, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/एक्जीक्यूटिव, 1 रिजर्व बटालियन बारवाहा, दरयामहल, खारगोन, एमपी, सीआईएसएफ, 451115

480. श्री माता प्रसाद, कांस्टेबल/टीएम (वाशरमैन), एनएफएल पानीपत, हरियाणा, सीआईएसएफ, 132106

481. डॉ. मनोहरन सुंदरम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी), कंपोजिट अस्पताल, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110072

482. डॉ. जितेन्द्र नारायण त्रिवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी), कंपोजिट अस्पताल, गांधीनगर, सीआरपीएफ, 382042

483. श्री सुरेन्द्र कुमार, कमांडेंट, 209 कोबरा बटालियन, खुंटी (झारखंड), सीआरपीएफ, 835210

484. श्री हरमिन्दर सिंह, कमांडेंट, 13 बटालियन, फतेहगढ़ साहिब (पंजाब), सीआरपीएफ, 140406

485. श्री हर्षवर्धन, कमांडेंट, 180 बटालियन, पुलवामा (जम्मू और कश्मीर), सीआरपीएफ, 934180

486. श्री हलाल फिरोज, कमांडेंट, 130 बटालियन, अवंतिपोर जम्मू और कश्मीर, सीआरपीएफ, 192122

487. श्री सतीश कुमार, कमांडेंट, 42 बटालियन, राजामुंदरी, आंध्र प्रदेश, सीआरपीएफ, 533106

488. श्रीमती सियाम होई चिंग मेहरा, कमांडेंट, 233 बटालियन, लखनऊ, सीआरपीएफ, 226002

489. श्री आनंद कुमार जेराई, कमांडेंट, 60 बटालियन, चक्रधरपुर (झारखंड), सीआरपीएफ, 833102

490. श्री विक्रम सिंह ठाकुर, कमांडेंट, 220 बटालियन, सोनीपत (हरियाणा), सीआरपीएफ, 131021

491. श्री फिरोज कुजुर, कमांडेंट, आरटीसी, पेरिंगोमे, सीआरपीएफ, 670353

492. श्री प्रदुमन कुमार सिंह, कमांडेंट, 171 बटालियन, डिब्रुगढ (असम), सीआरपीएफ, 786001

493. श्री अमरेश कुमार, कमांडेंट, 111 बटालियन, दांतेवाडा, छत्तीसगढ़, सीआरपीएफ, 494441

494. श्री राजेश कुमार, डिप्टी कमांडेंट, 165 बटालियन, तंगासोल (पश्चिम बंगाल), सीआरपीएफ, 721145

495. श्री सादा राम सिंह, डिप्टी कमांडेंट, आरटीसी, श्रीनगर, सीआरपीएफ, 190021

496. श्री बी वैंकट रेड्डी, डिप्टी कमांडेंट, एसएस मुख्याल4य, हैदराबाद, सीआरपीएफ, 500033

497. श्री एस सिंगारावेल, डिप्टी कमांडेंट, 105 बटालियन, कोयम्बतूर, तमिलनाडु, सीआरपीएफ, 641111

498. श्री संजय कुमार, सेकेण्ड-इन-कमांड, 88 बटालियन, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110022

499. श्री उमा कांत, सेकेण्ड-इन-कमांड, रेंज मुख्यालय, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110022

500. श्री रविन्द्र कुमार सिंह, सेकेण्ड-इन-कमांड, 237 बटालियन, पंचकुला (हरियाणा), सीआरपीएफ, 134104

501. श्री फेलिक्स आनंद बाग्रावत, सेकेण्ड-इन-कमांड, 182 बटालियन, पुलवामा (जम्मू और कश्मीर), सीआरपीएफ, 192301

502. श्री बलराम सिंह रावत, डिप्टी कमांडेंट/मिनि., एनई जोन मुख्यालय, गुवाहाटी, सीआरपीएफ, 781023

503. श्री भारत भूषण शर्मा, असिस्टेंट कमांडेंट/मिनि., महानिदेशालय, सीजीओ कम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110003

504. श्री राजेश त्रिपाठी, सेकेण्ड-इन-कमांड, 61 बटालियन, श्रीनगर (जेएंडके), सीआरपीएफ, 190004

505. श्री अभय सिंह, असिस्टेंट कमांडेंट, 03 बटालियन, श्रीनगर, सीआरपीएफ, 190004

506. श्री गोविन्द चंद्र मिश्रा, इंस्पेक्टर/जीडी, ओडिशा सेक्टर मुख्यालय, भुवनेशवर, सीआरपीएफ, 751011

507. श्री तपस चन्द्र पॉल, इंस्पेक्टर/जीडी, जीसी, सिलचर, सीआरपीएफ, 788030

508. श्री अनिल कुमार यादव, इंस्पेक्टर/जीडी, 28 बटालियन, बेमिना, श्रीनगर, सीआरपीएफ 190018

509. श्री जगदीश सिंह, इंस्पेक्टर/जीडी, 38 बटालियन, साम्बा (जेएंडके), सीआरपीएफ, 181133

510. श्री इकलाख खान, इंस्पेक्टर/जीडी, 121 बटालियन, कठुआ, (जम्मू और कश्मीर), सीआरपीएफ, 184142

511. श्री बिरेन्द्र सिंह, इंस्पेक्टर/जीडी, 89 बटालियन, बावाना, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110039

512. श्री राजेन्द्र सिंह, इंस्पेक्टर/जीडी, जीसी, काठगोदाम, सीआरपीएफ, 263126

513. श्री श्रीरंजन एस, इंस्पेक्टर/जीडी, 239 बटालियन, रामपुर, सीआरपीएफ, 244901

514. श्री नर सिंह, इंस्पेक्टर/जीडी, सीएसडब्ल्यू-1, रामपुर, सीआरपीएफ, 244901

515. श्री नवीन कुमार, इंस्पेक्टर/जीडी, 104 बटालियन, अलीगढ़, सीआरपीएफ, 202001

516. श्री रवि सिंह, इंस्पेक्टर/जीडी, सीटीसी, नीमच, सीआरपीएफ, 458441

517. श्री मदन मोहन उपरेती, इंस्पेक्टर/जीडी, 32 बटालियन, चुड़ाचांदपुर, मणिपुर, सीआरपीएफ, 795124

518. श्री काशीनाथ, इंस्पेक्टर/जीडी, उप महानिरीक्षक रेंज मुख्यालय, मुजफ्फरपुर, सीआरपीएफ, 811307

519. श्री महिपाल सिंह, इंस्पेक्टर/जीडी, 61 बटालियन, श्रीनगर, सीआरपीएफ, 190004

520. श्री मोहम्मद अयूब कुरैशी, सब इंस्पेक्टर/जीडी, उप महानिरीक्षक, रेंज मुख्यालय, एसकोओआर, आवंतिपोरा, सीआरपीएफ,192122

521. श्री शुक बहादुर राणा, सब इंस्पेक्टर/जीडी, 186 बटालियन, नामसाई (अरुणाचल प्रदेश), सीआरपीएफ, 792103

522. श्री दिलिप विश्वास, सब इंस्पेक्टर/जीडी, सीडब्ल्यूएस-3, सिलीगुडी, सीआरपीएफ, 734012

523. श्री मोहम्मद रबीउल इस्लाम, सब इंस्पेक्टर/जीडी, 111 बटालियन, दांतेवाडा (सीजी), सीआरपीएफ, 494441524. श्री रविन्द्र सेठी, सब इंस्पेक्टर/जीडी, जीसी, भुवनेशवर, सीआरपीएफ, 751011

525. श्री बृजेन्द्र बहादुर सिंह, सब इंस्पेक्टर/जीडी, 95 बटालियन, वाराणसी (यूपी), सीआरपीएफ, 221007

526. श्री कुंवर पाल सिंह, सब इंस्पेक्टर/जीडी, जीसी, बिलासपुर, सीआरपीएफ, 495112

527. श्री राज कुमार, सब इंस्पेक्टर/जीडी, जीसी, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110072

528. श्री क्रांति कुमार, सब इंस्पेक्टर/जीडी, 3 सिगनल बटालियन, कोलकाता, सीआरपीएफ, 700091

529. श्री नंद राम, इंस्पेक्टर/आरओ, 4 सिगनल बटालियन, नीमच, सीआरपीएफ, 458411

530. श्री मोलुगू राजा, इंस्पेक्टर/आरओ, जीसी रंगारेड्डी, सीआरपीएफ, 500078

531. श्री राम अवतार, इंस्पेक्टर/आरओ, 1 सिगनल बटालियन, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110072

532. श्री कुर्दा राम, इंस्पेक्टर/आरमोरर, एडब्ल्यूएस-6, अवंतिपोरा (जेएंडके), सीआरपीएफ, 192122

533. श्री राजेन्द्र कुमार धिमान, हेड कांस्टेबल/कारपेंटर, जीसी बंतालाब, जम्मू, सीआरपीएफ, 181123

534. श्री काशी नाथ सिंह, कांस्टेबल/कुक, 159 बटालियन, गया (बिहार), सीआरपीएफ, 823001

535. श्री मानन बैठा, कांस्टेबल/वाशरमैन, 152 बटालियन, गोवालपाड़ा, असम, सीआरपीएफ, 783101

536. श्री सुभाशीष घोषाल, इंस्पेक्टर/मिनि, 207 कोबरा, पश्चिम मेदिनीपुर (पश्चिम बंगाल), सीआरपीएफ, 721147

537. श्री शंकर नाथ पाल, हेड कांस्टेबल/गेसटेटनर ऑपरेटर, महानिदेशालय, सीजीओ कम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, सीआरपीएफ, 110003

538. श्रीमती अपर्णा कुमार, डिप्टी महानिरीक्षक, सेक्टर मुख्यालय (डीडीएन), पोओ-सीमाद्वार, देहरादून (उत्तराखंड), आईटीबीपी, 248146

539. डॉ. राकेश कोठियाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (एसजी), केन्द्रीय फ्रंटियर मुख्यालय, गांव-कानासैया, पोओ-कोकटा, तहसील-हूजूर, जिला-भोपाल (मध्य प्रदेश), आईटीबीपी, 462022

540. डॉ. सुधाकर नटराजन, डिप्टी महानिरीक्षक (वेट), महानिदेशालय सीजीओ कम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, आईटीबीपी, 110003

541. श्री सुरिन्दर खत्री, कमांडेंट, एनआईटीएसआरडीआर, सेक्टर-26, पोओ-मदनपुर, जिला- पंचकुला (हरियाणा), आईटीबीपी, 134116

542. श्री हाफिजुल्लाह सिद्दीकी, सेकेण्ड-इन-कमांड, सेक्टर मुख्यालय(लिकाबाली) पोओ-लिकाबाली, जिला-लोवर सियांग (अरुणाचल प्रदेश), आईटीबीपी, 791125

543. श्री शिव लाल, कमांडेंट (इंजि.), पूर्वी फ्रंटियर मुख्यालय, केन्द्रीय भवन, सेक्टर-एच, अलीगंज, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), आईटीबीपी, 226024

544. श्री राजेन्द्र प्रसाद सुन्द्रियाल, डिप्टी कमांडेंट (कार्यालय), पूर्वी फ्रंटियर मुख्यालय, केन्द्रीय भवन, सेक्टर-एच, अलीगंज, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), आईटीबीपी, 226024

545. श्री धन प्रकाश त्यागी, असिस्टेंट कमांडेंट (एओ), आईएफडी (ऑडिट) महानिदेशालय सीजीओ कम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, आईटीबीपी, 110003

546. श्री दयाल सिंह, इंस्पेक्टर(टेलिकम), सेक्टर मुख्याल (डीडीएन), पोओ-सीमाद्वार, जिला-देहरादून (उत्तराखंड), आईटीबीपी, 248146

547. श्री लाल सिंह, इंस्पेक्टर (जीडी), 17वीं बटालियन, रिकांगपो, किन्नौर, (हिमाचल प्रदेश), आईटीबीपी, 172107

548. श्री वकील ठाकुर, कांस्टेबल (बारबर), सेक्टर मुख्यालय(पटना), एस.के. पुरम, लैन नं. 15, आरपीएस मोड, बेली रोड, पटना(बिहार), आईटीबीपी, 801503

549. श्री गोविन्द सिंह, सेक्शन अधिकारी, महानिदेशालय, ब्लॉक-।।, सीजीओ कम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली, आईटीबीपी, 110003

550. श्री प्रदीप चंद शर्मा, ग्रुप कमांडर, एनएसजी मुख्यालय, मेहरामनगर, पालम, नई दिल्ली, एनएसजी, 110037

551. श्री अरुण कुमार, सेकेण्ड-इन-कमांड, 27 एससीजी, आरएच चेन्नई, नेदुंगूनदरम, पोओ कोलापक्कम, चेन्नई, तमिलनाडु, एनएसजी, 600127

552. श्री साहब सिंह, टीम कामंडर(पीएस), एनएसजी मुख्यालय, मेहरामनगर, पालम, नई दिल्ली, एनएसजी, 110037

553. श्री विजय कुमार शुक्ला, असिस्टेंट कमांडर-I मिनि., स्टेशन मुख्यालय, मानेसर, गुरूग्राम, हरियाणा, एनएसजी, 122051

554. श्री परीक्षित बेहरा, उप महानिरीक्षक (जीडी), सेक्टर मुख्यालय, जलपाईगुडी, एसएसबी, 735121

555. श्री राजीव राणा, उप महानिरीक्षक (जीडी), आरटीसी सुपोल, एसएसबी, 852138

556. श्री मनोज कुमार, कमांडेंट (जीडी), 26 बटालियन, एसएसबी, 835103

557. डॉ. नरेन्द्र कुमार टिन्ना, कमांडेंट (पशु चिकित्सा), बल मुख्यालय, एसएसबी, 110066

558. श्री असेम हेमोचन्द्रा, कमांडेंट(जीडी), बल मुख्यालय, एसएसबी, 110066

559. श्री विनोद कुमार तलवार, सेकेण्ड-इन-कमांड(जीडी), 06 बटालियन, एसएसबी, 783370

560. श्री बिक्रमजीत, उप कमांडेंट(जीडी), 50 बटालियन, एसएसबी, 271201

561. श्री सोनाम वांगियल, सहायक कमांडेंट (जीडी), 66 बटालियन, एसएसबी, 273164

562. श्री हरदत्त सिंह, इंस्पेक्टर (जीडी), फ्रंटियर मुख्यालय रानीखेत, एसएसबी, 263645

563. श्री राम निवास गोदारा, सब इंस्पेक्टर (जीडी), 22 बटालियन, एसएसबी, 273303564. श्री दिनेश कुमार गौतम, सब इंस्पेक्टर (जीडी), एसएसबी अकादमी भोपाल, एसएसबी, 462036

565. श्री तुलसी राम सूतर, हेड कांस्टेबल(कारपेंटर), एसएसबी अकादमी भोपाल, एसएसबी, 462036

566. श्री अभय सिंह, उप महानिरीक्षक, ईओ-।।।, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003

567. श्री मनीष विरेश सूर्ति, पुलिस अधीक्षक, एसी-IV, भोपाल, सीबीआई, 462002

568. श्री प्रसन्नन कुमार पाणिग्रही, पुलिस अधीक्षक, एसीबी, इंदिरा नगर, देहरादून, सीबीआई, 248146

569. श्री प्रल्हाद किशोर झा, अपर पुलिस अधीक्षक, एसीबी, 7/2, कार्मिक भवन, धनबाद, सीबीआई, 826004

570. श्री रिछपाल सिंह, पुलिस अधीक्षक, एसीबी, जयपुर, सीबीआई, 302005

571. श्री लेटखोलम हंगसिंग, अपर पुलिस अधीक्षक, एसीबी, इम्फाल, सीबीआई, 795004

572. श्री इस्माईल बाबालाल पेंढारी, उप पुलिस अधीक्षक, स्पेशल यूनिट, मुबंई, सीबीआई, 400020

573. श्री रामा रमन त्रिपाठी, उप पुलिस अधीक्षक, एसी-।।, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003

574. श्री देवराज वकडा, उप पुलिस अधीक्षक, एसीबी, काथरिकादावू, कालोर, पोओ कोच्चि, सीबीआई, 682017

575. श्री राजेन्द्र सिंह गोसाई, इंस्पेक्टर, एसीबी, मुबंई 8वां तल, प्लाट नं. सी-35ए, जी ब्लॉक बीकेसी, बांद्रा (पूर्व) मुबंई, सीबीआई, 400098

576. श्री नरेश कुमार, सब इंस्पेक्टर, एसी-V, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003

577. श्री श्रीगोपाल शर्मा, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, मुख्य कार्यालय, सीबीआई, 110003

578. श्री शमशेर सिंह दलाल, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, एसी-।।, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003

579. श्री के के शशी, हेड कांस्टेबल, बीएसएफबी, बेंगलोर, सीबीआई, 560032

580. श्री शिव दत्त शर्मा, हेड कांस्टेबल, अकादमी, गाजियाबाद, सीबीआई, 201002

581. श्री ए दामोदरन, हेड कांस्टेबल, एसीबी, मदूरई, सीबीआई, 625014

582. श्री तपन कुमार बरूआ, हेड कांस्टेबल, मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003

583. श्री प्रसाद थंकपन, हेड कांस्टेबल, एसीबी, काथरिकाडावू, कालोर, पोओ कोच्चि, सीबीआई, 682017-

584. श्री रमेश चन्द, हेड कांस्टेबल, एसयू, नई दिल्ली, सीबीआई, 110011

585. श्री नारन मेशमनभाई भोचिया, हेड कांस्टेबल, एसीबी, गांधीनगर, सेक्टर 10(ए), गांधीनगर, सीबीआई, 382010

586. श्री आनंद राजाराम पांढरे, कांस्टेबल, स्पेशल यूनिट, मुबंई, सीबीआई, 400020

587. श्री अविनाश कुमार, कांस्टेबल, निदेशक का कार्यालय, मुख्य कार्यालय, सीजीओ कम्प्लेक्स, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003

588. श्री प्रसाद जी, कांस्टेबल, आईपीसीयू, नई दिल्ली, सीबीआई, 110003

589. श्रीमती रंजीनी सुब्रमणियन, कार्यालय अधीक्षक, एसीबी, चेन्नई, सीबीआई, 600006

590. श्री दीपक चौधरी, उप निदेशक, सहायक आसूचना ब्यूरो दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110011

591. श्री दिलीप कुमार शर्मा, संयुक्त उप निदेशक/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, जयपुर, गृह मंत्रालय, 302004

592. श्री जी आर सी मुर्ती, विदेशी भाषा सलाहकार, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, गृह मंत्रालय, 110021

593. श्री संजय प्रकाश दुबे, अतिरिक्त उप निदेशक/एनपी, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021

594. श्री सुमन पालित, सहायक निदेशक/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, कोलकाता, गृह मंत्रालय, 700019

595. श्री सोमखोलाल, सहायक निदेशक/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, इंफाल, गृह मंत्रालय, 795004

596. श्री जितेन्द्र नाथ राय, सहायक निदेशक/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, रांची, गृह मंत्रालय, 834008

597. श्री जय पाल जस्सू, सहायक निदेशक/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो , चंडीगढ़, गृह मंत्रालय, 160019

598. श्री मुल्लाचेरी चंद्रन, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, बेंगलोर, गृह मंत्रालय, 560001

599. श्री डेटसुंग ब्रहमा चौधरी, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, गुवहाटी, गृह मंत्रालय, 781306

600. श्री सौमित्र चक्रवर्ती, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो, दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110011

601. श्री चंद्र भूषण चौबे, अनुभाग अधिकारी, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021

602. श्री प्रदीप, अनुभाग अधिकारी, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021

603. श्री रूपेन्द्र सिंह मान, निजी सचिव, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110011

604. श्री सुभाष चन्द्र शर्मा, निजी सचिव, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110011

605. सुश्री रचना जोशी त्रिपाठी, उप केन्द्रीय आसूचना अधिकारी/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो लखनऊ, गृह मंत्रालय, 110022

606. श्री श्याम लाल मीना, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/तकनीकी, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110021

607. श्री रमेश विष्णु देसाई, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो मुंबई, गृह मंत्रालय, 400051

608. श्री राजेश सिन्हा, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो वाराणसी, गृह मंत्रालय, 221002

609. श्री राजेन जोशी, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो गंगटोक, गृह मंत्रालय, 737102

610. श्री गनेसन साई सुब्रमानियन, सहायक केंद्रीय आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो चेन्नई, गृह मंत्रालय, 605008

611. श्री दीपक जयंत चौधरी, वरिष्ठ सचिवालय सहायक, सहायक आसूचना ब्यूरो नागपुर, गृह मंत्रालय, 440001

612. श्री सौमेन सिंह, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो पटना, गृह मंत्रालय, 800001

613. श्री सुनील कुमार नारायनन, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-I/कार्यकारी, सहायक आसूचना ब्यूरो त्रिवेन्द्रम, गृह मंत्रालय, 695014

614. श्री जयपाल रेड्डी अदुल्ला, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-I/एमटी, इमिग्रेशन ब्यूरो हैदराबाद, गृह मंत्रालय, 501218

615. श्री बरूनेन्दु नसकर, कनिष्ठ आसूचना अधिकारी-II/कार्यकारी, आसूचना ब्यूरो मुख्यालय, नई दिल्ली, गृह मंत्रालय, 110011

616. श्री राजीव यादव, सहायक महानिरीक्षक, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077

617. श्री कृष्ण सिंह, सहायक महानिरीक्षक, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077

618. श्री विनोद सिंह, वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी (टी), नई दिल्ली, एसपीजी, 110077

619. श्री रघुराज सिंह, सुरक्षा अधिकारी-I, नई दिल्ली, एसपीजी, 110077

620. श्री प्रमोद वर्मा, उप महानिरीक्षक, नई दिल्ली, बीपीआरएंडडी, 110037

621. श्री कमल किशोर मीणा, सहायक निदेशक, नई दिल्ली, बीपीआरएंडडी, 110037

622. श्री सुशील कुमार तिवारी, इंस्पेक्टर (फिंगर प्रिंट), नई दिल्ली, एनसीआरबी, 110037

623. श्री सोनिया नारंग, उप महानिरीक्षक, एनआईए मुख्यालय, नई दिल्ली, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, 110003

624. श्री राजेश टी वी, पुलिस उप अधीक्षक, एनआईए हैदराबाद, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, 500081

625. श्री तपन कुमार घोष, सहायक, एनआईए कोलकाता, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, 700106

626. श्री पी के उत्तमन, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, एनआईए मुख्यालय नई दिल्ली, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, 110003

627. श्री महेश कुमार यादव, हेड कांस्टेबल, एनआईए लखनऊ, राष्ट्रीय जांच एजेंसी, 226002

628. श्री सतवीर सिंह, डिप्टी कमांडेंट, हैदराबाद तेलंगाना, एसवीपी राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, 500052

629. श्री ए तमिल कृष्णनन, हेड कांस्टेबल, उमसाव, रिभोई जिला, मेघालय, पूर्वोत्तर पुलिस अकादमी, 793123

630. श्री लव कुमार, सेकेण्ड-इन-कमांड, 10 बटालियन, गंटूर (एपी), एनडीआरएफ, 522510

631. श्री सुरेन्द्र कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट, 01 बटालियन, गुवाहाटी (असम), एनडीआरएफ, 781017

632. रामाकांत सिंह, इंस्पेक्टर, 08 बटालियन, गाजियाबाद (उ.प्र.), एनडीआरएफ, 201002

633. मोइनुद्दीन खान, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, 04 बटालियन, अराक्कोनम (तमिलनाडु), एनडीआरएफ, 631152

634. श्रीमती मोनिया उप्पल, उप पुलिस अधीक्षक, जीपीओ कम्प्लेक्स आईएनए, नई दिल्ली, एनएचआरसी, 110023

635. प्रणव कुमार, महानिरीक्षक-सह-निदेशक, जेआर आरपीएफ अकादमी, तालकटोरा रोड, मानक नगर, लखनऊ, रेल मंत्रालय, 226011

636. श्री संदमंगलम रामास्वामी गांधी, सीनियर डिविजनल सिक्योरिटी कमिश्नर, डिविजनल ऑफिस, सुरक्षा ब्रांच, संचालन भवन, सिकन्दराबाद, रेल मंत्रालय, 500025

637. श्री सौरभ त्रिवेदी, उप महानिरीक्षक-सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त, पश्चिमी रेलवे, चर्चगेट, मुबंई, रेल मंत्रालय, 400020

638. अशीष कुमार, एसआर डीएससी/आरपीएफ, फिरोजपुर, रेल मंत्रालय, 152001

639. श्री अशरफ के. के. कोट्टेकोरन, सीनियर डिविजनल सिक्योरिटी कमिश्नर, डीएससी कार्यालय, आरपीएफ, ग्राउंड फ्लौर, मुबंई, सीएसएमटी, रेल मंत्रालय, 400001

640. श्री करूणानिधि मधुसुदन, इंस्पेक्टर, आरपीएफ पोस्ट/खम्माम, तेलंगाना, रेल मंत्रालय, 507001

641. श्री एस पवन सिंह, इंस्पेक्टर, आईवीजी/मुख्यालय/एससीआर, रेल निलायाम, सिकन्दराबाद, रेल मंत्रालय, 500025

642. श्री प्रद्युम्न कुमार ओझा, इंस्पेक्टर, कानपुर सेंट्रल, रेल मंत्रालय, 208004

643. श्री राजेश कुमार केशरी, इंस्पेक्टर, आईटी/सेल/एएसएन, रेल मंत्रालय, 713301

644. श्री खिमानंद बेलवाल, सब इंस्पेक्टर, आरपीएफ पोस्ट विरार, रेल मंत्रालय, 401303

645. श्री संजय भट्टाचार्य, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, डीआई-सेल/हावडा, एसआर डीएससी कार्यालय हावडा, रेल मंत्रालय, 711101

646. श्री जी सुजी कुमार, सब इंस्पेक्टर, आरपीएफ, कैरिज वर्क, पेराम्बूर, चेन्नई, रेल मंत्रालय, 600023

647. श्रीमती इलिजावेथ वेसापोगु, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर कार्यालय/आरपीएफ मुख्यालय/हुबली, रेल मंत्रालय, 580020

648. श्री अशोक कुमार शुक्ला, सब इंस्पेक्टर, 12वीं बटालियन/आरपीएसएफ/ठाकुरली, मुबंई, रेल मंत्रालय, 421201

649. श्री मोहम्मद अब्बास रिजवी, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, प्रोसीक्यूशन/मुख्यालय गोरखपुर, रेल मंत्रालय, 273012

2. ये पुरस्कार, सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(ii) के तहत प्रदान किए जाते हैं।

फा. सं. 18004/1/2021-सीए-II

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 97-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, आंध्र प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	गोंगती गिरीश कुमार	सहायक असॉल्ट कमांडर	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	कुदुपुडी हरि कृष्ण	जूनियर कमांडो	वीरता के लिए पुलिस पदक प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जिला मलकानगिरी, ओडिशा के पुलिस थाना चित्राकोंडा के अंतर्गत जदम्बो सामान्य क्षेत्र में शीर्ष काडरों समेत बहुत सारे माओवादियों के एकत्र होने के संबंध में खुफिया जानकारी प्राप्त होने पर दिनांक 16 मई, 2018 को एक ऑपरेशन शुरू किया गया था। दिनांक 17 मई, 2018 को 0700 बजे, ग्रेहाउंड टीम की माओवादियों के साथ असफल मुठभेड़ हुई।

दिनांक 17 मई, 2018 को, ओडिशा के कुंतर पादर चौकी पर हेलिकॉप्टर से नए सैन्य दस्ते पहुंचाए गए थे। ग्रेहाउंड स्पेशल असॉल्ट टीम 1730 बजे इस पोस्ट पर उत्तरी और उसे जदम्बो गांव की ओर जाने वाले एक पहाड़ी रास्ते पर घात लगाने का निदेश दिया गया। इस छोटी सी टुकड़ी (सिर्फ 21 जवानों के साथ) ने लगातार आगे बढ़ते हुए बहुत कम समय में 7 किमी. की दूरी तय की और उस रास्ते से सटे हुए एक नाले के पास तक पहुंच गई तथा छोटे रास्ते से ही घात लगा लिया। लगभग 2110 बजे, दुश्मनों की आवाजाही का आभास हुआ, लेकिन उस समय माओवादियों के साथ चल रहे एक कुत्ते ने भौंकना शुरू कर दिया। ऊँचे ढलान पर बैठे माओवादियों ने घाटी में नीचे की ओर पत्थर फेंके और टॉर्च की सहायता से उस जगह सरसरी निगाह डाली। स्पेशल असॉल्ट टीम ने कोई प्रतिक्रिया नहीं की और वे बिना हिले-डुले लेटे रहे। दुश्मनों ने पीछे हटने का निर्णय लिया, लेकिन स्पेशल असॉल्ट टीम ने अत्यंत धैर्य एवं दृढ़ता का परिचय दिया और घात लगाकर वहीं बैठी रही।

18 मई, 2018 को, कुछ घंटों के बाद, 0115 बजे, स्पेशल असॉल्ट टीम ने कुछ सशस्त्र दुश्मन काडरों को एक लाईन के आकार में ढलान से नीचे उतरते देखा। दुश्मन हावी होने की स्थिति वाली ऊँचाई पर कुछ ही दूर था, तभी ग्रेहाउंड सैनिक का सैटफोन, अप्रत्याशित ही, सैटेलाइट सिग्नल पकड़ते समय लगातार बजने लगा। तुरंत ही, माओवादियों ने सैनिकों को निशाना बनाते हुए ढलान से नीचे ग्रेहाउंड्स की ओर गोलियों की बौछार करनी शुरू कर दी।

ढलान से नीचे होने की प्रतिकूल परिस्थिति होने के बावजूद, जूनियर कमांडो 3387 के हरि कृष्ण और सहायक असॉल्ट कमांडर 7243 जी गिरीश कुमार ने, किसी प्रकार के कवर अथवा स्थान संबंधी लाभ की उपलब्धता न होने के बावजूद, माओवादियों पर गोलीबारी करते हुए ऊपर की ओर धावा बोल दिया। दुश्मन के संख्या में अधिक होने और साथ ही हावी होने की स्थिति वाली ऊँचाई पर स्थित होने के बावजूद, हमले की तीव्रता से उन्हें पीछे खदेड़ दिया गया और वे 15 मिनट की गोलीबारी के बाद पीछे हट गए।

उस समय अंधेरा होने के कारण, ग्रेहाउंड्स यह निश्चित नहीं कर सके, कि दुश्मन क्या उसी रास्ते से या फिर किसी अन्य जगह से होकर पीछे हटा है। तुरंत ही, उस क्षेत्र की तलाशी ली गई और एक 7.62 एसएलआर (3 मैगजीन और 18 गोलियों के साथ), एक 303 राइफल, एक कबेला कोवेनेंट टैक्टिकल राइफल स्कोप (यूएस मेक) माओवादी साहित्य और कीट बैग के साथ-साथ एक मृत माओवादी का शव बरामद हुआ था।

बाद में, मृत माओवादी की पहचान अति महत्वपूर्ण एक वरिष्ठ काडर, क्षेत्रीय समिति सदस्य, संदीप (छत्तीसगढ़ के सुकमा जिला का निवासी) के रूप में की गई, जो "केन्द्रीय समिति सदस्य रामकृष्णा स्कवॉट" का प्रभारी था। यह संभवत: आंध्र-ओडिशा सीमा पर एक सुदूर कट-ऑफ क्षेत्र में पहली मुठभेड़ थी। यह क्षेत्र दुश्मनों का गढ़ है और घनघोर अंधेरी रात में ऐसा पहली बार हुआ।

जूनियर कमांडो 3387 के हरि कृष्ण और सहायक असॉल्ट कमांडर जी गिरीश कुमार, जो इस घात-टुकड़ी के प्रमुख चेहरे थे, ने न सिर्फ उत्कृष्ट सूझबूझ और पहल करने का परिचय दिया, बल्कि बिना किसी कवर के साथ अपनी सुरक्षा एवं जीवन की परवाह किए बिना ढलान पर ऊपर की ओर दुश्मन पर धावा बोलते हुए अदम्य साहस का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री गोंगती गिरीश कुमार, सहायक असॉल्ट कमांडर और कदुपुडी हरि कृष्ण, जूनियर कमांडो ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 18/05/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/179/2019-पीएमए)

(फा. सं. 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 98-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, बिहार पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व श्री/

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	बीरेन्द्र कुमार मेधावी	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	प्रदीप कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	धनराज कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	उत्तम कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	धर्मेन्द्र कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एक पुष्ट गुप्त सूचना कार्रवाई हेतु प्राप्त हुई थी कि मनीष सिंह, जो सोना लूटने वाले एक अंतरराज्यीय गैंग का एक बहुत चालाक और लंबे समय से वांछित गैंग लीडर है तथा गोल्ड लोन एजेंसियों से सोने की लूट और भारत के विभिन्न राज्यों में निर्मम हत्या के अनेक आपराधिक मामलों में अभियुक्त है, वह आधुनिक हथियारों और कारतूसों से लैस अपने साथी गैगस्टरों के साथ महनार पुलिस थाना (वैशाली) के अंतर्गत बहलोपुर दियारा में कारू सिंह और बच्चु सिंह उर्फ डेंजर के घर में ठहरा हुआ है। निरीक्षक बी.के. मेधावी, सब निरीक्षक धनराज कुमार और जेसी उत्तम कुमार द्वारा की गई गुप्त छानबीन के बाद, निरीक्षक बिरेन्द्र कुमार मेधावी के नेतृत्व में एसटीएफ की एक पुलिस छापामारी टीम दिनांक 15.03.2019 की रात में लगभग 1:30 बजे लक्षित गांव पहुंची। दो हमलादलों का गठन किया गया, एक दल का नेतृत्व निरीक्षक मेधावी ने किया, जिसमें एसआई धनराज कुमार, जेसी 949 उत्तम कुमार एवं अन्य कमांडो शामिल थे, जबकि दूसरे दल का नेतृत्व निरीक्षक प्रदीप कुमार ने किया, जिसमें सीनियर कमांडो, 392 धर्मेन्द्र कुमार और अन्य कमांडो शामिल थे। हमला दलों और अन्य घेराबंदी दलों को अपराधियों के लक्षित शिविर की ओर रणनीतिपूर्वक ढंग से आगे बढ़ने के निर्देश के साथ सभी दिशाओं में तैनात किया गया था। स्थानीय महनार-पुलिस स्टेशन के प्रभारी को इसकी पूरी जानकारी दी गई थी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2 (दो) मोटर साईकिलों पर आधुनिक हथियारों से लैस 6(छ:) अपराधी लगभग 07:00 बजे बच्चु सिंह उर्फ डंगेर के घर पहुंचे। अचानक ही वे कुछ कमांडो की नजर में आ गए और वे उनके बारे में पूछताछ करने लगे। ज्योंहि, कमांडो ने अपनी पहचान का खुलासा किया और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा, तो वे गाली-गलौज करने लगे और अचानक ही उन्होंने गोलियों की बौछार कर दी। उनके द्वारा किए गए बंदूक के हिंसक हमले से बाल-बाल बचते हुए, इस्पेक्टर मेधावी ने धावा बोलने वाले दल के सदस्यों को सुरक्षित कवर पोजिशन लेने का निर्देश दिया और हमलावरों को आत्मसमर्पण करने को कहा। इसके जबाब में, एके-47 राइफल, रेग्युलर रिवाल्वर और पिस्तौल से लैस आक्रामक अपराधियों ने धावा बोलने वाले पुलिस दल को तुरंत वापस न जाने की स्थिति में दल को पूर्णत: नष्ट करने की धमकी दी। हताशा भरी इस धमकी के साथ उन्होंने अपनी गोलीबारी को एक भयानक स्तर तक पहुंचा दी। कुछ गोलियां इन आक्रामक अपराधियों का सामने से मुकाबला कर रहे निरीक्षक मेधावी और एसआई धनराज कुमार के शरीर के बगल से गुजरी। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए टीम लीडर ने निरीक्षक प्रदीप कुमार को रूक-रूक कर की जा रही फायरिंग का कवर लेते हुए शिविर के पूरब दिशा से अपराधियों की ओर रणनीतिपूर्वक ढंग से आगे बढ़ने को कहा। उन्होंने अपने अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ मिलकर अपराधियों की ओर से होने वाली अचानक और अति आक्रामक गोलीबारी, जो उनकी ओर सीधी आ रही थी, से खुद को बचाते हुए, अपनी स्टीक और नियंत्रित गोलीबारी से आधे घंटे तक अपराधियों को उलझा दिया। दल के अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प, अपराधियों को हर तरह से घेरने के लिए पुलिस अधिकारियों की सुनियोजित तैनातियों और उनकी पूर्णत: समन्वित कार्रवाई ने अपराधियों को रक्षात्मक रूख अपनाने के लिए मजबूर कर दिया। अपराधियों ने यह भापतें हुए कि उन्हें चारो ओर से घेरा जा रहा है, एक मोटर साइकिल पर सवार दो अपराधियों, जो आग्नेयास्त्रों से पूरी तरह से लैस थे, ने पुलिस घेरा तोड़-कर भागने की कोशिश की, लेकिन बच निकलने के सभी रास्तों पर पूर्णत: सावधान पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति ने उन्हें अपने कदम पीछे खींचने के लिए मजबूर कर दिया। पूर्णतया हताशा में, उन्होंने पहले से ज्यादा आक्रामकता से गोलीबारी करनी शुरू कर दी। पुलिस कार्मिकों का जीवन और सरकारी हथियार एवं गोला बारूद खतरे में थे। पुलिस दल के लीडर, निरीक्षक मेधावी, एसआई धनराज कुमार और उनके सहयोगियों ने जवाबी हमला करते हुए दोनों अत्यंत आक्रामक अपराधियों पर आघात किया और वे जमीन पर गिर पड़े तथा आखिरी सांस तक गोली चलाते रहे। दोनों मृतकों की पहचान राघोपुर (वैशाली) के मनीष सिंह और मुजफ्फरपुर के अब्दुल इमाम उर्फ राजकुमार के रूप में हुई। उनके शवों के पास से एक एके-47 राईफल और एक सामान्य पिस्तौल बरामद हुई थी।

इन अपराधियों का शिविर के पूर्वी दिशा से मुकाबला कर रहे पुलिस दल पर सामने से गोलीबारी कर रहे एक अपराधी ने निरीक्षक प्रदीप कुमार द्वारा किए गए जवाबी हमले में गोली लगने से दम तोड़ दिया। उसके हाथ के समीप एक एके -47 राइफल बरामद हुई। उसकी पहचान समस्तीपुर निवासी अब्दुल अमन उर्फ तिवारी के रूप में हुई, जो सोना लूटने वाले गैंग का एक सक्रिय सदस्य था।

एक मोटर साइकिल पर सवार 3 (तीन) सशस्त्र अपराधियों, जो अपनी भारी गोलीबारी के बीच बच निकलने की कोशिश कर रहे थे, को घेर लिया गया था। पुलिस दल के इस साहसिक कार्य ने इन हताश अपराधियों को हथियारों के साथ आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर कर दिया। चेंबर में .38 के 2 जिंदा कारतूसों के साथ एक सामान्य रिवाल्वर और एमआई का एक मोबाइल तथा अन्य वस्तुएं मुकेश सिंह नामक एक अपराधी से बरामद हुई थी। गिरफ्तार किये गये अन्य दो अपराधियों की पहचान विनोद कुमार सिह और बच्चु सिंह उर्फ डेंजर के रूप में हुई थी।

बहुत दूर तक पीछा करने के बावजूद, अन्य 3 अज्ञात अपराधी गोलियों की बौछार का कवर लेकर बच निकलने में सफल रहे। मुकेश सिंह के इकबालिया बयान से यह खुलासा हुआ, कि मृतक मनीष सिंह, सोने की डकैती का मास्टरमाइंड था और वही विभिन्न राज्यों में सोने की लूट का शिल्पकार से बढकर एक रणनीतिकार था। उसने और उसके समूह ने विभिन्न राज्यों में अनेक गोल्ड लोन एजेसियों से लगभग 200 किग्रा. सोना लूटा था। उसके पास बहुत बड़ी संख्या में अत्याधुनिक हथियार थे। उसने लूटे हुए सोने को ठिकाने लगाने के लिए बहुत बड़ा नेटवर्क बना रखा था।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री बीरेन्द्र कुमार मेधावी, निरीक्षक, प्रदीप कुमार, निरीक्षक, धनराज कुमार, उप निरीक्षक, उत्तम कुमार, सिपाही और धर्मेन्द्र कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. संख्या 11020/217/2020-पीएमए)

(फा. संख्या 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 99-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संतोष हेमला	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	टी. पी. दिलीप	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन-बीजापुर क्षेत्र के ग्राम गोमा, कोरमा, मनकेली, बोदला, पुसनार में नक्सलियों के बड़े जमावड़े की सूचना मिलने पर कई पुलिस दलों के साथ एक ऑपरेशन पुलिस लाइन से शुरू किया गया। डीईएफ और एसटीएफ बीजापुर दोनों से एक-एक पार्टी इस क्षेत्र को कवर करने के लिए गांव मनकेली की ओर से भेजी गई।

10 नवंबर 2017 की शाम को पुलिस पार्टी गांव पामलवे से रवाना हुई और दिनांक 12.11.2017 को लगभग 12:30 बजे ग्राम गोमा-मनकेरली क्षेत्र से ठीक पहले वाली जगह पर पहुंच गई। घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने डीईएफ और एसटीएफ से बनी इस छोटी पार्टी पर भारी स्वचालित और अर्ध-स्वचालित हथियारों से भारी गोलीबारी शुरु कर दी। जबाब में हमारी पार्टी ने भी गोलीबारी की और इस प्रकार, दोनों ओर से गोलीबारी होने लगी। ऑपरेशन के दौरान, उप निरीक्षक संतोष हेमला पार्टी का नेतृत्व कर रहे थे। जब पार्टी पर नक्सलियों द्वारा हमला किया गया, तो उप निरीक्षक संतोष हेमला ने सुझबुझ, उत्तम नेतृत्व, शानदार ऑपरेशनल विवेक, असाधारण साहस, बहादुरी और विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया। नक्सलियों के अम्बुश के प्रति चलाए गए इस ऑपरेशन में सामने से नेतृत्व करके उन्होंने अपनी कार्रवाई से न केवल अपने साथियों की जान बचाई, बल्कि नक्सल हमले को भी नाकाम कर दिया गया और नक्सलियों को मार गिराने में अहम भूमिका निभाई। इस ऑपरेशन में, तीन कट्टर नक्सलियों नामश: 1. मंकू मोदियम, पुत्र/श्री आयतु मोदियम, आयु- 30 वर्ष, ग्राम-पेद्दाकोरमा-तुरुमपारा, पीएस- बीजापुर, जिला- बीजापुर, 2. गुड्डू ताती, पुत्र/श्री लच्छू ताती, आयु- 26 वर्ष, ग्राम- पेद्दाकोरमा-टाटीपारा और 3. सोनू कोरसा उर्फ़ मोटू, पुत्र/श्री नागा कोरिया, आयु- 35 वर्ष, गाँव- स्कूलपारा- काकेकोरमा, पीएस -बीजापुर, जिला-बीजापुर के शव बरामद हुए

तथा साथ ही, 01 इन्सास राइफल मैगजीन के साथ, एक 303 राइफल मैगजीन के साथ, 01 मुज़्ज़ल लोडिंग गन, इंसास राइफल के 06 जिन्दा कारतूस, 01 टिफिन बम, 01 डेटोनेटर, साहित्य, दवाएं और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुएं आदि बरामद की गई।

उप निरीक्षक संतोष हेमला और हेड कांस्टेबल/1238 टी. पी दिलीप, डीईएफ बीजापुर ने एक अत्यंत साहसी कार्य का प्रदर्शन करके न केवल नक्सलियों की ओर से आने वाली गोलियों का जबाब दिया, बल्कि अपने साथियों को जमकर जवाबी कार्रवाई करने और अपनी जान की परवाह किए बिना नक्सलियों की पोजिशनों की ओर बढने के लिए प्रेरित किया, जिसके फलस्वरूप वे खूंखार नक्सलियों का सफलतापूर्वक मुकाबला करने में सक्षम रहे। उप निरीक्षक संतोष हेमला और हेड कांस्टेबल/1238 टी. पी दिलीप द्वारा प्रदर्शित शौर्य असाधारण प्रकृति का हैं, जो यह दर्शाता हैं कि उनके पास महान सुझबुझ, शानदार ऑपरेशनल विवेक, असाधारण साहस, बहादुरी और विशिष्ट वीरतापूर्ण दृष्टिकोण है। इस ऑपरेशन में, उन्होंने दिखाया है कि वे एक सैनिक के रूप में एक अच्छे लीडर हैं, क्योंकि उन्होंने सैनिकों का आगे से नेतृत्व किया, उन्हें ऑपरेशन के दौरान प्रेरित किया और अपने सैनिकों की जान बचाई। अपने उत्कृष्ट ऑपरेशनल कौशल की बदौलत, उन्होंने नक्सलियों द्वारा लगाई गई घात के प्रति सफल कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो कि ऐसी परिस्थितियों और दुर्गम इलाकों में हासिल करना बहुत मुश्किल था। इस प्रकार, उन्होंने नक्सली हमले को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री संतोष हेमला, उप निरीक्षक और टी. पी. दिलीप, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/11/2017 से दिया जाएगा।

(फा. संख्या 11020/213/2020-पीएमए)

(फा. संख्या 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 100-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अजय सोनकर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	अब्दुल समीर खान	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
3.	ओमप्रकाश सेन	कंपनी कमांडर	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.06.2017 को कांकेरलंका, बुर्कापाल और चिंतागुफा कैंपो से सुकमा के कोर माओवादी इलाके में एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया था। कंपनी कमांडर ओमप्रकाश सेन, एसटीएफ और निरीक्षक अजय सोनकर (डीआरएफ) के नेतृत्व में कांकेरलंका से 154 डीआरजी और एसटीएफ के जवान इलाके की ओर रवाना हो गए। कोबरा 201 का सैन्य दल बीजापुर पुलिस के घटक दल (निरीक्षक अब्दुल समीर के नेतृत्व में) के साथ बुर्कापाल कैंप से रवाना हुआ। ऑपरेशन के बारे में उपयुक्त ब्रीफिंग के बाद, ये पार्टियां शाम करीब 18.00 बजे अंततः बडेकेडवाल और टोंडामारका के लक्षित क्षेत्र की ओर रवाना हो गई।

एसटीएफ-डीआरजी पार्टी द्वारा बडेकेडवाल की छानबीन करने के बाद, सभी समूह सुबह में आगे के लक्ष्य बिंदुओं की ओर बढ़ गए। पास में छिपे हुए लगभग 100-150 वर्दीधारी और सशस्त्र पुरुष/महिला माओवादियों ने पुलिस बल को मारने और उनके हथियार लूटने के इरादे से टोंडामरका और धुरमा जंगल में पुलिस दलों पर अचानक ही गोलीबारी शुरू कर दी। सतर्कता दिखाते हुए, सभी पार्टी कमांडरों अर्थात निरीक्षक अजय सोनकर और कंपनी कमांडर ओमप्रकाश सेन ने अपनी-अपनी पार्टियों को निर्देश दिया कि वे तुरंत पोजीशन ले लें। साथ ही, उन्होंने दाएं और बाएं किनारों से चलने और नक्सलियों की घेराबंदी करने के लिए वायरलेस सेट पर एक दूसरे के साथ सम्प्रेषण किया। पुलिस पार्टी ने नक्सलियों से कहा कि वे गोलीबारी बंद कर दें और पुलिस पार्टी के समक्ष आत्मसमर्पण करें, लेकिन उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग जारी रखी। आत्मरक्षा के लिए पुलिस दलों ने भी अपनी ओर से कार्रवाई की और जवाबी फायरिंग खोल दी। पुलिस की ओर से त्वरित एवं आक्रामक कार्रवाई को भांपते हुए और खुद को फंसा हुआ पाकर, नक्सली जंगलों की आड़ में अपने घायलों और मृतकों को लेकर भाग गए। इस भयंकर गोलीबारी के दौरान, एसटीएफ निंजा-09 के 05 सुरक्षाकर्मी नामश: सी/3571 सिलारम मर्कम, सी/1111 सोयम टमैया, सी/93104 मनबोध बेहरा, सी/869 सोधी राम और सी/346 कुहराम देव को माओवादियों की गोली लग गई। तुरंत ही, सैटेलाइट फोन पर पुलिस अधीक्षक सुकमा

को स्थिति के बारे में बताया गया और घायल जवानों को इलाज हेतु ले जाने के लिए हेलीकॉप्टर भेजने के लिए कहा गया। हेलीकॉप्टर तोंडामरका गाँव में उतरा और सभी घायल जवानों को इलाज के लिए भेजा गया।

बाद में, सभी पार्टी कमांडर एकत्र हो गए और उन्होंने बुरकापाल पुलिस कैम्प जाने की योजना बना ली। इस समय में, कोबरा-स्पेशल टीम बीजापुर ने भी इस ओर रुख किया और अपनी पोजिशन की ओर चल पड़ी। सभी कमांडर अपनी पार्टियों का नेतृत्व करते हुए बुर्कापाल कैम्प की ओर समानांतर रूप से साथ साथ आगे रवाना हो गए।

आगे बढती हुई पार्टियां जैसे ही टोंडामारका से लगभग 2.5 किमी की दूरी पर लगभग 15.30 बजे धुरमा वन के बीच पहुंची तो, वहां छिपे हुए हथियारबंद पुरुष/महिला माओवादियों ने अपने पूर्व नियोजित हमले के तहत अचानक पुलिस पार्टियों पर गोलियां चला दीं। पुलिस पार्टी ने भी आत्मरक्षा में कोई अन्य विकल्प न पाकर जवाबी गोलीबारी की। दोनों पक्षों की ओर से भीषण गोलीबारी के दौरान, सभी पुलिसकर्मी अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से लड़ते रहे और माओवादियों पर साहसपूर्वक गोलीबारी करते रहे। आपसी गोलीबारी के दौरान, डीआरजी के 3 जवानों नामश: सी/237 कट्टम रामकुमार, एसी/624, सुन्नम मनीष और एसी/955 राजेश कोमरा नक्सलियों की गोली से गंभीर रूप से घायल हो गए और शहीद हो गए। उन्होंने माओवादी के खिलाफ पूरी लड़ाई लड़ी और माओवादियों को घेरने की कोशिश की, लेकिन पुलिस पार्टी की ओर से बढते दबाव को भापतें हुए माओवादी वहां से भाग गए। कई स्थानों पर की गई छानबीन के दौरान, भारी मात्रा में खून के धब्बे और मृत/घायल माओवादी देखे गए। मुठभेड़ के बाद, एक वर्दीधारी नक्सली का शव, 7.62 एमएम की एक स्वचालित एसएलआर राइफल, दो मैगजीन और कई नक्सल सामान उस स्थान से बरामद किया गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अजय सोनकर, निरीक्षक, अब्दुल समीर खान, निरीक्षक और ओमप्रकाश सेन, कंपनी कमांडर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/06/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/08/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 101-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	रमन उसेंडी	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	मेश कुमार सोरी	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री रमन उसेंडी, निरीक्षक और श्री रमेश कुमार सोरी, सहायक उप निरीक्षक नारायणपुर जिले में तैनात थे और उन्होंने नारायणपुर जिले में पुलिस दलों के कई नक्सल-रोधी ऑपरेशनों तथा बस्तर रेंज में अंतर-जिला ऑपरेशनों का नेतृत्व किया है, जिसमें अनेक माओवादी मारे गए और कई स्वचालित हथियार, बहुत बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ, नक्सली साहित्य और दैनिक उपयोग की सामग्री बदामद की गई थी। नारायणपुर जिला नक्सलियों के अत्यधिक प्रभाव वाला क्षेत्र है, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इस क्षेत्र में शांति और सौहार्द बनाए रखने में सफलता प्राप्त की है।

विभिन्न स्रोतों से लगातार सूचनाएं आ रही थी कि माओवादी बेचा-गांव में मौजूद है और वे पुलिस दलों पर हमला करने, हथियार लूटने और अपने हित में काम करने के लिए ग्रामीणों पर दबाव बनाने की योजना बना रहे है। उपर्युक्त सूचना की पुष्टि के लिए, दिनांक 21.02.2017 को, निरीक्षक रमन उसेंडी के नेतृत्व में डीआरजी दल गांव-बेचा, पुलिस कैंप- बरसूर, जिला नारायणपुर की ओर गया। दोपहर के लगभग 12:30 बजे, डीआरजी के संयुक्त दल को दो भागों में बांटा गया, जिसमें एल दल का नेतृत्व रमन उसेंडी और दूसरे दल का नेतृत्व तत्कालीन सहायक उपनिरीक्षक रमेश कुमार सोरी ने किया। उसके पश्चात वे तलाशी के लिए किल्लम-गांव के जंगल में पश्चिम दिशा की ओर जा रहे थे। किल्लम के जंगल में, प्रतिबंधित सीपीआई माओवादी के सशस्त्र काडरों ने पुलिस दल को मारने और हथियार लूटने के लिए पुलिस

दल पर स्वचालित हथियारों से एक साथ गोलीबारी शुरू कर दी। निरीक्षक रमन उसेंडी ने अपनी पेशेवर कुशाग्रता का प्रयोग कर त्वरित कार्रवाई की और माओवादियों को चारों दिशाओं से घेरने के लिए पुलिस दल को आदेश दिया। पुलिस दल ने नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने के लिए बार-बार कहा, लेकिन इसे उन्होंने नजरअंदाज करते हुए गोलीबारी जारी रखी। कोई विकल्प शेष न बचने के कारण, पुलिस दल ने आत्मरक्षा में गोलीबारी शुरू कर दी। निरीक्षक रमन उसेंडी और सहायक उपनिरीक्षक रमेश सोरी ने घटनास्थल की घेरांबंदी कर दी तथा उनकी टीम फायरिंग कर रही थी। दोनों ने अपने जीवन को खतरे में डालते हुए, आगे बढ़कर अपने दल का नेतृत्व किया और अपने दल को दिशानिर्देश देते हुए, अदम्य साहस का परिचय दिया। दोनों ने अपनी वीरतापूर्ण कार्रवाई से न केवल अपने दल के सदस्यों का साहस बढ़ाया और उन्हें प्रेरित किया, बल्कि नक्सलियों की गोलीबारी का भी माकूल जवाब दिया। बढ़े हुए दबाव और त्वरित जवाबी कार्रवाई के कारण माओवादी घने जंगल का लाभ उठाते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस दल और माओवादी के बीच गोलीबारी दो घंटे तक चली।

गोलीबारी रुकने के बाद, पुलिस दल ने पूरे क्षेत्र की तलाशी ली, जिसमें 04 वर्दीधारी पुरूष माओवादी के शव और 03 वर्दीधारी महिला माओवादी के शव, 02 इंसास राइफल, 03 मैगजीन, 16 जिंदा कारतूस, .12 बोर की 02 राइफल, 17 जिंदा कारतूस, .12 बोर का 01 देशी कट्टा, .315 बोर की 01 राइफल, 05 जिंदा कारतूस, .303 राइफल के 05 जिंदा कारतूस, 01 पाइप बम, बिजली के तार, 05 पाउच, 01 रिवॉल्वर पाउच, 06 जोड़ी नक्सली वर्दी, 01 टोपी, 09 पानी के गैलन और माओवादियों के दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद हुई, जिन्हें कब्जे में लिया गया था। घटनास्थल छोटेडोंगर पुलिस स्टेशन के अंतर्गत आता था, इसलिए अप्राकृतिक मृत्यु और अपराध के बारे में आयुध अधिनियम की धारा 25, 27 और आईपीसी की धारा 147, 148, 149, 307 के तहत पुलिस स्टेशन-छोटेडोंगर में अपराध संख्या 02/2017 रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

मुठभेड़ के दौरान जीवन के प्रति खतरे की स्थिति में भी निरीक्षक रमन उसेंडी और तत्कालीन सहायक उपनिरीक्षक रमेश कुमार सोरी ने असाधारण नेतृत्व क्षमता का प्रदर्शन किया। पुलिस दलों ने समन्वय के साथ कार्य किया और एक वर्दीधारी कुख्यात माओवादी काडर को मार गिराया तथा साथ ही विस्फोटक इत्यादि के साथ 02 हथियार भी बरामद किए। इस कुख्यात माओवादी के मरने से यह क्षेत्र असुरक्षा की भावना से मुक्त हुआ, क्योंकि इन दुर्दांत नक्सलियों की मौजूदगी होने के कारण वहां समुदाय के बीच असुरक्षा की भावना काफी समय से व्याप्त थी।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री रमन उसेंडी, निरीक्षक और रमेश कुमार सोरी, सहायक उपनिरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/02/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/09/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं.102-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, छत्तीसगढ़ पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
श्री लीलाधर राठौर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

प्राप्त सूचना के अनुसार, पीएस-मिरटूर सीमा क्षेत्र के अंतर्गत हुरईपाल, एतिपाल, अंद्रिपाल और पोरावडा में नक्सलियों के भारी जमावड़े को देखा गया था। ये इलाके मध्यम और शीर्ष स्तर के माओवादी नेताओं की मौजूदगी के लिए जाने जाते हैं, क्योंकि ये पश्चिम बस्तर डिवीजन से आने वाले मार्ग है। इस ऑपरेशन में शामिल अधिकारियों ने सैन्य बल के गठन-स्वरूप और जनशक्ति संख्या, यहां प्रवेश करने के मार्गों और जाने के मार्गों के विस्तृत ब्यौरे के विषय में विशेष तैयारी की थी। दिनांक 20.06.2018 को विस्तृत ब्रीफिंग के बाद डीआरजी बीजापुर के 87 कर्मियों के एक दल के साथ इस क्षेत्र में ऑपरेशन "अंद्रिपाल-पोरोवडा" शुरू किया गया। यह क्षेत्र माओवादी विद्रोहियों का एक गढ़ है।

दिनांक 01.07.2018 को लगभग 12:00 बजे, अंद्रिपाल-पोरोवडा क्षेत्र में पहले से घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने डीआरजी के छोटे दल पर स्वचालित, अर्धस्वचालित और देशी हथियारों से भारी गोलीबारी शुरू कर दी। इसके जवाब में, पुलिस दल ने भी जवाबी गोलीबारी की और इस प्रकार, आपसी गोलीबारी शुरू हो गई। निरीक्षक लीलाधर राठौर इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस दल सं. 1 का नेतृत्व कर रहे थे। जब नक्सलियों द्वारा हमला किया गया, तब निरीक्षक लीलाधर राठौर ने अद्भूत सूझबूझ, साहसिक नेतृत्व, सर्वोत्तम ऑपरेशनल विवेक, अदम्य साहस, बहादुरी और विशिष्ट वीरतापूर्ण कार्रवाई का परिचय दिया। इस ऑपरेशन का नेतृत्व आगे बढ़कर करते समय, नक्सलियों के घात के

विरूद्ध उनकी कार्रवाई ने न केवल साथी सैनिकों की जान बचाई, बल्कि नक्सली हमले को विफल कर दिया और उन्होंने नक्सलियों को मारने में एक मुख्य भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप एक नक्सली नामत: दिगा माडवी पुत्र मासो माडवी, उम्र 32 वर्ष, गांव-अंद्रिपाल, पीसी-मिरटूर, जिला-बीजापुर का शव बरामद हुआ तथा साथ में 01 इंसास राइफल, 11 कारतूस, 01 एचई बम, 03 डेटोनेटर, 01 नक्सल पिट्ठु और नक्सली साहित्य इत्यादि भी बरामद किया गया।

नक्सलियों की भारी गोलीबारी के कारण पूरी तरह घिर जाने पर अपने छोटे से सैन्य दल के ऊपर मंडरा रहे खतरे को भांप लेने के बावजूद, निरीक्षक लीलाधर राठौर और उनके सैनिक साहसपूर्वक आगे बढ़ते रहे और नक्सलियों पर भारी गोलीबारी करते रहे। अपने वीरतापूर्ण कार्य के अतिरिक्त, उन्होंने अपने सैनिकों को फायर करने का और आगे बढ़ने का आदेश दिया। निरीक्षक लीलाधर राठौर के साहसिक कदम से प्रेरणा लेकर ऑपरेशन में शामिल सैनिकों ने फायरिंग शुरू कर दी और वे आगे बढ़े। भारी गोलीबारी होने और पुलिस दल के साहसपूर्वक ढंग से आगे बढ़ने से चकित होकर, नक्सलियों को पीछे हटने और वहां से भाग निकलने को मजबूर होना पड़ा। सैन्य दस्ते ने नक्सलियों का पीछा किया, लेकिन वे जंगल और पहाड़ी भू-भाग का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। दोनों ओर से हो रही गोलीबारी रूकने के बाद, घटनास्थल की पूर्ण रूप से तलाशी ली गई, जिसमें 01 इंसास राइफल, 11 कारतूस, 01 एचई बम, 03 डेटोनेटर, 01 नक्सल पिट्ठू और नक्सली साहित्य समेत एक नक्सली का शव बरामद हुआ।

डीआरजी, बीजापुर के निरीक्षक लीलाधर राठौर ने अदम्य साहसिक कार्य का प्रदर्शन किया और उन्होंने न केवल नकसलियों की ओर से हो रही भारी गोलीबारी का जवाब दिया, बल्कि अपने सैनिकों को जान की परवाह किए बिना गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब देने और नक्सली ठिकानों की ओर आगे बढ़ने को प्रेरित किया, जिसके कारण वे कट्टर नक्सलियों का मुकाबला करने में सफल रहे। निरीक्षक लीलाधर राठौर द्वारा प्रदर्शित की गई वीरता असाधारण है, जो यह दर्शाती है कि उनके पास उच्च कोटि की सूझबूझ, सर्वोत्तम ऑपरेशनल समझ, असाधारण साहस, बहादुरी और विशिष्ट वीरतापूर्ण दृष्टिकोण है। इस ऑपरेशन में, उन्होंने यह दिखाया है कि उनके पास अच्छे नेतृत्व गुण हैं, क्योंकि उन्होंने सैन्य दस्ते का आगे बढ़कर नेतृत्व किया, ऑपरेशन के दौरान उनका उत्साहवर्द्धन किया और अपने उत्कृष्ट ऑपरेशनल दृष्टिकोण से उन्होंने अपने सैनिकों की जान बचाई। उन्होंने नक्सलियों के विरूद्ध सफल काउंटर घात का नेतृत्व करने में प्रमुख भूमिका निभाई, जो ऐसी परिस्थिति में अत्यंत कठिन थी और इस प्रकार उन्होंने नक्सली हमले को सफलतापूर्वक विफल कर दिया।

इस ऑपरेशन में श्री लीलाधर राठौर, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/07/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/11/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 103-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का आठवां बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	संजीव कुमार यादव	पुलिस उपायुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक का आठवां बार
2	प्रभात कुमार पंकज	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	पंकज कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	कृष्ण कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	नीरज कुमार शर्मा	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	गिरधर सिंह गुर्जर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7	गुरदीप सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री संजीव यादव, पुलिस उपायुक्त /स्पेशल सेल के नेतृत्व में एक स्पेशल सेल टीम को दिल्ली/राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में हाल ही में उभरे अति खतरनाक "क्रांति गैंग" को निशाना बनाने और उसके द्वारा उत्पन्न भय पर विराम लगाने का कार्य सौंपा गया था। श्री संजीव कुमार

यादव ने गैंग के सदस्यों, उनके परिवारों, दोस्तों, रिश्तेदारों और उनकी गतिविधियों के बारे में ढेर सारी सूचनाएं एकत्रित की। उनकी गतिविधियों पर मैनुअली और तकनीकी दोनों दृष्टि से गुप्त और नजदीकी नजर रखी गई, जिससे उनको उसके स्थान को निर्धारित करने में मदद मिली और जिसके आधार पर दिनांक 31/05/2018 और 01/06/2018 को लगातार दो बार छापेमारी की गई थी, लेकिन दोनों ओर से हो रही गोलीबारी होने और श्री संजीव कुमार यादव द्वारा काफी दूर तक जोखिम के साथ पीछा करने के बावजूद, दोनों दिन वे किस्मत से बच गए। महीनों के अथक प्रयास के बाद अंतत: दिनांक 08/09.06.2018 की मध्य रात्रि में आशा की एक किरण दिखाई दी, कि जब पीएस- फतेहपुर बेरी, दिल्ली क्षेत्र में इस गैंग के 5-6 सदस्यों की गतिविधि के संबंध में एक विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। सूचना पूर्णत: विश्वसनीय लगी और इसलिए यह सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत अग्रेषित की गई तथा श्री संजीव कुमार यादव, डीसीपी/स्पेशल सेल द्वारा कार्रवाई की एक विशिष्ट योजना बनाई गई। श्री संजीव यादव ने उस क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति का चतुराई से विश्लेषण करने के बाद सूचना वाली जगह पर जाल भी बिछा दिया। आखिरकार, लगभग 1230 बजे, प्राप्त सूचना के अनुसार, एक सफेद फोर्ड इंडीवर और उसके पीछे एक आई-20 कार को पुलिस टीम के अग्रणी वाहन द्वारा देखा गया। इस सूचना को छापेमारी दल के सभी सदस्यों के साथ तुरंत साझा किया गया और संदिग्ध वाहनों को 45 एसएनएस विला/फार्महाउस के निकट रोक दिया गया। पुलिस ने कार में सवार लोगों को अपने वाहनों से बाहर निकलने और आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, लेकिन इंडीवर कार चालक ने पुलिस की दबिश से बचने के उद्देश्य से जोखिम भरा शार्प टर्न लिया, हालांकि यह एक निरर्थक प्रयास था, क्योंकि अन्य दिशाओं से पीछा कर रही पुलिस पार्टी नाकेबंदी कर चुकी थी और पीछे से आ रही उनकी अपनी आई-20 कार के कारण भी अवरोध पैदा हुआ था। भागने का कोई रास्ता न मिलने पर, इन खूंखार अपराधियों ने पुलिस पार्टी पर अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी और छ: पुलिस कार्मिकों को गोली मारकर घायल कर दिया। पुलिस पार्टी ने भी आत्म रक्षा में जबावी फायरिंग की, जिसमें पांच अपराधी गोली लगने से घायल हुए, जिनके नाम निम्न है: 1. राजेश उर्फ भारती, पुत्र बलवान सिंह, निवासी-गांव कंडेला, जिला-जींद, हरियाणा 2. संजीत उर्फ सुरजीत उर्फ विद्रोह पुत्र जयपाल, निवासी-गांव बाहु अकबरपुर, जिला-रोहतक, हरियाणा 3. उमेश उर्फ डॉन, पुत्र राजकुमार, निवासी- गांव ककरोला, गुरूग्राम, हरियाणा 4. विरेश राणा उर्फ विक्कू पुत्र विरेन्दर, निवासी-गांव घेवरा, कंझावाला, दिल्ली और 5. कपिल पुत्र बारूराम, निवासी-गांव सिवाह, जींद, हरियाणा। दुर्भाग्यवश इंडीवर कार का ड्राईवर पुलिस पार्टी पर फायरिंग करते हुए भागने में सफल रहा। घायल अपराधियों और पुलिस कर्मियों को एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जबकि घायल कांस्टेबल गिरीधर को फोर्टिस वसंत कुंज ले जाया गया था। घायल अपराधियों में से चार नामत: 1. राजेश उर्फ भारती 2. संजीत उर्फ सुरजीत उर्फ विद्रोह 3. उमेश उर्फ डॉन और 4. विरेश राना उर्फ विक्कू की गोली लगने से घायल होने के कारण मौत हो गई, जबकि पांचवा अपराधी नामत: कपिल बच गया। पीएस- फतेहपुर बेरी, दिल्ली में आईपीसी की धारा 186/332/333/353/307/482/212/34 एवं आयुध अधिनियम की धारा 25/27/30 के तहत एफआईआर संख्या 206/18 के रूप में एक मामला दर्ज किया गया था। विभिन्न कैलिबरों के 31 जिंदा कारतूस के साथ कुल छ: अत्याधुनिक हथियार और फायर किए गए अनेक शेल बरामद किए गए थे। संलग्न जब्ती मेमो के अनुसार एक फोर्ड इंडीवर कार सं. एफआईआर 959, एक हुंडई आई-20 कार, सं. डीएल 3 सीडी-1039 और अन्य सबूत बरामद किए गए थे।

पुलिस पार्टी के उपरोक्त सदस्यों ने अपने जीवन को खतरे में डाला और इन वांछित/इनामी हताश अपराधियों को मारने के लिए चलाए गए इस ऑपरेशन में अदम्य साहस, वीरता और प्रेरणा का लगातार प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस के वीरतापूर्ण कार्य को न सिर्फ विभिन्न राज्यों की पुलिस के सर्वोच्च रैंक के अधिकारियों, बल्कि मीडिया और आम जनता की ओर से बड़े पैमाने पर प्रशंसा मिली। उन्होंने अपने कर्तव्य के प्रति वीरतापूर्ण कार्य और समर्पण भावना का उदाहरण पेश किया है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री संजीव कुमार यादव, पुलिस उपायुक्त, प्रभात कुमार पंकज, निरीक्षक, पंकज कुमार, निरीक्षक, कृष्ण कुमार, उप निरीक्षक, नीरज कुमार शर्मा, उप निरीक्षक, गिरधर सिंह गुर्जर, हेड कांस्टेबल और गुरदीप सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/06/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/207/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 104-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार/ वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक

1	प्रमोद सिंह कुशवाह	पुलिस उपायुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	हृदय भूषण	सहायक पुलिस आयुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक का तृतीय बार
3	संदेश के	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	भूपेन्द्र कुमार	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

युसुफ खान, प्रतिबंधित संगठन आईएसआईएस से जुड़ा एक संदिग्ध आतंकवादी, की आवाजाही के संबंध में प्राप्त एक विशिष्ट सूचना के आधार पर दिनांक 21.08.2020 को दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल की एक टीम द्वारा धौला कुआं के आस-पास जाल बिछाया गया था। उसने सुसाईड वेस्ट एवं बेल्ट समेत अनेक आईईडी बनाए और वह दिल्ली के फूटफॉल क्षेत्र में लोन-उल्फ अटैक के लिए तैयार था। श्री प्रमोद सिंह कुशवाह के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई, जिसमें श्री हृदय भूषण एसीपी/एनडीआर, एसआई संदेश. के और एएसआई भूपेन्द्र कुमार शामिल थे। एएसआई भूपेन्द्र कुमार द्वारा चलाये जा रहे सरकारी वाहन में ये सभी सवार थे और वंदेमातरम रोड पर करोलबाग की ओर जा रहे थे। उन्होंने लगभग 22.45 बजे, एक मोटरसाईकिल पर सवार संदिग्ध को देखा और तुरंत उसका पीछा करना शुरू किया। कुछ दूर तक पीछा करने के बाद, एएसआई भूपेन्द्र कुमार ने वंदेमातरम मार्ग (धौलाकुआं से करोलबाग) पर कथित मोटरसाईकिल को फुर्ती और चालाकी से रोक लिया, जिससे मोटरसाईकिल चालक नीचे गिर गया। डीसीपी प्रमोद सिंह कुशवाह और एसीपी हृदय भूषण ने, उसे पहचाना और तेज आवाज में उसे आत्मसमर्पण करने को कहा। तथापि, युसुफ खान, जो फुर्ती से उठ खड़ा होकर खुद को संभाल चुका था, ने पिस्तौल निकाल ली और सड़क पार करने की कोशिश करते समय पुलिस की ओर फायरिंग शुरू कर दी। डीसीपी प्रमोद सिंह कुशवाह और एसीपी हृदय भूषण ने, यह पूर्णत: जानने के बावजूद कि युसुफ खान आईइडी ला रहा होगा अथवा उसने सुसाइड वेस्ट/बेल्ट बांध रखी होगी, उसका पीछा किया और बिना किसी सुरक्षा कवर के आत्म रक्षा में गोलियां चलाई। युसुफ खान पुलिस पार्टी की ओर फायरिंग करता रहा और वह व्यस्त रिज रोड को पार कर गया। डीसीपी प्रमोद सिंह कुशवाह, एसीपी हृदय भूषण, एसआई संदेश के. और एएसआई भूपेन्द्र कुमार ने अपनी जान की परवाह किए बिना उसका पीछा किया और आत्म रक्षा में फायरिंग करने के साथ-साथ आमलोगों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए पूरी सावधानी बरतते हुए रिज रोड को सफलतापूर्वक पार किया। एसआई संदेश के. और एएसआई भूपेन्द्र कुमार ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए और अपने जीवन को खतरे में डालकर आतंकवादी पर झपट पड़े। एसआई संदेश के. ने उसे तुरंत काबू में कर लिया। इसी दौरान, डीसीपी प्रमोद सिंह कुशवाह और एसीपी हृदय भूषण ने युसुफ खान को काबू करने में एसआई संदेश के. की मदद की, ताकि वह किसी प्रकार की शरारत न कर सके। इसी बीच, एएसआई भूपेन्द्र कुमार ने भी उसके हाथों को जोड़ से पकड़ लिया, जिससे वह आतंकवादी पुलिस पार्टी पर फायर नहीं कर पाया। उन्होंने आतंकवादी से उसकी भरी हुई पिस्तौल छीन ली। आरोपी व्यक्ति की पहचान मो. मुस्तकिम खान उर्फ युसुफ खरीय उर्फ अबु युसुफ खान पुत्र कफिल अहमद खान, निवासी- गांव बदिया भैसानी उतरौला, पीएस- बैंक बाजार, जिला- बलरामपुर (यूपी), उम्र 36 वर्ष के रूप में की गई। युसुफ खान से 05 जिंदा कारतूस और पुलिस दल पर फायरिंग करने के लिए प्रयोग किए गए 03 खाली कारतूसों के साथ एक पिस्तौल तथा उपयोग के लिए तैयार दो प्रेशर कूकर आईईडी बरामद किए गए थे। बाद में, एसएसजी बम निरोधक दस्ते द्वारा इस प्रेशर कूकर आईईडी को एक नियंत्रित ब्लास्ट द्वारा निष्क्रिय किया गया, जिससे बुद्धा जयंती पार्क के बगल में एक बड़ा गड्ढा हो गया।

आरोपी मोहम्मद मुस्तकिम खान उर्फ युसुफ खान की गिरफ्तारी से पीएस स्पेशल सेल, दिल्ली में दिनांक 10.07.2020 को आईपीसी की धारा 120 बी, यूएपी अधिनियम की धारा 18/20 और आयुध अधिनियम की धारा 4/5 के तहत दर्ज अन्य मामलागत एफआईआर संख्या 174/2020 को सुलझा लिया गया। इससे गांव¬- बदिया भैसानी उतरौला, जिला- बलरामपुर (यूपी) में आरोपी के घर से भारी मात्रा में बरामदगी की जा सकी। बरामद की गई वस्तुओं में विस्फोटकों के साथ दो सुसाइड वेस्ट और आवश्यक इलेक्ट्रिक फिटिंग के साथ बॉल बियरिंग, 01 सुसाइड बेल्ट (लगभग 03 किग्रा. विस्फोटक के साथ), 01 आईएसआईएस फ्लैग, लगभग 08 किग्रा वजन के साथ 04 पॉलिथिन कैरी बैग, 04 विभिन्न पॉलिथिन बैगों में विस्फोटक, 30 बॉल बियरिंग, बॉल वियरिंग के 12 छोटे बॉक्सों से भरा एक पैकेट, प्रत्येक 4 वोल्ट वाली 02 लिथियम बैटरी, 09 वोल्ट की 01 लिथियम बैटरी, वॉल वियरिंग से जुड़ी हुए 02 सिलिंड्रिकल मेटल बॉक्स (हिमगंगे ऑयल बॉक्स), विस्फोटक और बिजली के तारों से भरे 03 सिलिंड्रिकल मेटल के बक्से (हिमगंगे ऑयल बॉक्स), दोनों ओर से बिजली के तारों से एक दूसरे से समानान्तर जुड़े हुए लोहे की 02 ब्लेड और 01 लकड़ी का बक्सा (टारगेट अभ्यास के लिए) शामिल है।

इस आपरेशन के दौरान, डीसीपी प्रमोद सिंह कुशवाह, एसीपी हृदय भूषण, एसआई संदेश के. और एएसआई भूपेन्द्र कुमार ने अपने जीवन को बार-बार दांव पर लगाया, अनुकरणीय वीरता का परिचय दिया और अपने आधिकारिक हथियार से क्रमश: दो/एक/एक/एक राउंड फायर किया। उपरोक्त अधिकारियों की वीरतापूर्ण और समय पर की गई कार्रवाई ने एक बहुत बड़े आतंकी हमले को रोक दिया और अनेक निर्दोष लोगों की जान बच गई। उनके वीरतापूर्ण कार्य ने न सिर्फ पुलिस के उच्च पदाधिकारियों और मीडिया से, बल्कि असंख्य आम जनता से भी प्रशंसा प्राप्त की।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री प्रमोद कुमार कुशवाह, पुलिस उपायुक्त, हृदय भूषण, सहायक पुलिस आयुक्त, संदेश के., उप निरीक्षक और भूपेन्द्र कुमार, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/08/2020 से दिया जाएगा।

(संख्या 11020/208/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 105-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	प्रमोद सिंह कुशवाह	पुलिस उपायुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	विनोद कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एक खुफिया जानकारी के आधार पर, दिनांक 09/01/2020 को प्रात: लगभग 7 बजे, पुलिस उपायुक्त प्रमोद सिंह कुशवाह के नेतृत्व वाले विशेष प्रकोष्ठ की एक टीम ने आउटर रिंग रोड, दिल्ली से जुड़े वजीराबाद पुल के पास आईएसआईएस के तीन खूंखार आतंकवादियों को चुनौती दी। पुलिस उपायुक्त प्रमोद सिंह कुशवाह ने पुलिस के रूप में अपनी पहचान का खुलासा करके उन्हें रुकने का इशारा किया, परन्तु इसके बजाय उन्होंने पुलिस दल पर गोलीबारी शुरू कर दी और भागने का प्रयास किया।

जब पुलिस उपायुक्त प्रमोद सिंह कुशवाह उन्हें पकड़ने के लिए उनका पीछा कर रहे थे, तभी आतंकवादियों द्वारा चलाई गई एक गोली पुलिस उपायुक्त की बुलेट प्रूफ जैकेट पर लग गई। पुलिस उपायुक्त प्रमोद सिंह कुशवाहा ने अडिग रहते हुए, अपने व्यक्तिगत जीवन की परवाह किए बिना, अपनी पिस्तौल से दो गोलियां दागी। इस बात की जानकारी होने के बावजूद कि ये आतंकवादी हिन्दू नेता के. पी. सुरेश कुमार की निर्मम हत्या में शामिल थे और एक दिन पहले ही उनके साथी आतंकवादियों ने तमिलनाडु पुलिस के पुलिस अधिकारी विलसन की हत्या की थी, वे आतंकवादी खाजा मोइदीन, पुत्र-चिन्नाथंबी अंबालम, निवासी-27/29, सलामथ पुदु नगर, कोलूमेडू, कट्टूमन्नारकोईल, जिला-कुड्डालौर, तमिलनाडु पर झपट पड़े और इसके परिणामस्वरूप हुई हाथापाई में उन्होंने आतंकवादी की भरी हुई 9 एमएम की पिस्तौल, जिसके चैम्बर में एक जिंदा कारतूस और मैगजीन में दो कारतूस थे, छीनकर उस पर काबू पा लिया।

इसके साथ ही, एक समन्वित कार्रवाई में, एक अन्य आतंकवादी सैयद एएम नवाज पुत्र-सैयद मोहम्मद, निवासी- नंबर 15, अमूल परिसर, मलिक दिनार नगर, लानकडाई, जिला-कन्याकुमारी, तमिलनाडु का पीछा करते हुए, निरीक्षक विनोद कुमार को भी आतंकवादी द्वारा चलाई गई गोली लग गई। तथापि, वे अपनी बुलेट प्रूफ वेस्ट की वजह से बच गए। इन आतंकवादियों और उनके संगठन के खूंखार प्रोफाइल की जानकारी होने के बावजूद, निडर निरीक्षक विनोद कुमार आतंकवादियों का पीछा करते रहे और उन्हें पकड़ने के प्रयास में उन्होंने अपनी सर्विस पिस्तौल से दो गोलियां दागी। असाधारण साहस का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने आतंकवादी सैयद अली नवाज से भरी हुई 9 एमएम की पिस्तौल, जिसके चैंबर में एक और मैगजीन में भी एक जिंदा कारतूस था, को छीन लिया और हाथापाई के बाद उसे पकड़ लिया। पुलिस टीम द्वारा तीसरे आतंकवादी अब्दुल समद, पुत्र-अरिफुनिशा उर्फ सुल्तान, निवासी - नंबर 21, पुराना नंबर 29, नागुथा माराईकायार एसटी, पारंगीपेटाई, जिला - कुड्डालौर तमिलनाडु को भी पकड़ लिया गया। इन आतंकवादियों से 9 जिंदा कारतूसों के साथ 9 एमएम की तीन अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद हुईं।

आतंकवादी खाजा मोहिदीन ने अपने सहयोगियों के माध्यम से भारत में आईएसआईएस नेटवर्क को पुनर्जीवित करने की व्यापक योजना बनाई थी। विचारधारा से प्रभावित करने और आईएसआईएस के प्रति वफादारी की शपथ दिलाने के लिए खाजा मोइदीन द्वारा छिपने के अलग-अलग ठिकानों पर कई दौर की गुप्त बैठकें आयोजित की गई थीं। उसने, सैयद अली नवाज, अब्दुल समद और अन्य आतंकवादी ने एक ही समय पर अपने-अपने ठिकाने से भागने का निर्णय लिया। खाजा मोइदीन, सैयद अली नवाज और अब्दुल समद के साथ जाली दस्तावेजों पर अवैध तरीके से सीमा पार करके काठमांडू, नेपाल चला गया। नेपाल में बेस स्थापित करने के बाद, वे पोरस भारत-नेपाल सीमा को पार करके दिल्ली आ गए। उनके विदेश स्थित हैंडलर द्वारा दिल्ली में एक जानकार के माध्यम से दिल्ली में उनके लिए छिपने के ठिकाने और हथियारों की व्यवस्था कराई गई।

पुलिस उपायुक्त प्रमोद सिंह कुशवाह और निरीक्षक विनोद कुमार ने स्वयं के लिए कोई भी कवर उपलब्ध न होने और स्वयं के सीधी गोलीबारी की दिशा में होने की वजह से गोली लग जाने के बावजूद, इन खूंखार आतंकवादियों का पीछा किया तथा अपने व्यक्तिगत जीवन की

परवाह किए बिना उन्हें पकड़ने में असाधारण साहस और कर्तव्य के प्रति निष्ठा का प्रदर्शन किया। उन्होंने, न केवल टीम के साथी सदस्यों, बल्कि आम जनता की भी जान बचाई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री प्रमोद सिंह कुशवाह, पुलिस उपायुक्त और विनोद कुमार, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/01/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/209/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं.-106-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, दिल्ली पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	डॉ. जी राम गोपाल नायक	पुलिस उपायुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	राजेश कुमार	सहायक पुलिस आयुक्त	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	विनय कुमार त्यागी	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	कुलदीप सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 25.01.2018 को, प्रात: लगभग 7:35 बजे तीन मोटर साइकिल सवार अपहरणकर्ताओं ने इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन बिहेवियर एंड एलाइड साइंस हॉस्पिटल (आईएचबीएएएस), मंडोली रोड़, दिल्ली के समीप एक स्कूल बस को जबरन रोक लिया और बंदूक की नोक पर एक 5 वर्षीय बालक का अपहरण कर लिया तथा ड्राइवर नरेश थापा को गोली मार दी। पुलिस स्टेशन जीटीबी एंक्लेव, दिल्ली में आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के साथ पठित आईपीसी की धारा 363/307 के तहत दिनांक 25.01.2018 को एफआईआर सं. 27/2018 के माध्यम से एक मामला दर्ज किया गया और स्थानीय पुलिस द्वारा जांच शुरू की गई।

अपहरण के तीन दिन बाद अर्थात दिनांक 28.01.2018 को परिवार के फोनों पर बच्चे की सकुशल रिहाई के लिए 60 लाख रुपए की फिरौती मांगने के लिए कॉलें आने लगीं। 5 साल के बच्चे की जान से जुड़े मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता के मद्देनजर दिनांक 28.01.2018 को मामले को अपराध शाखा, नई दिल्ली को हस्तांतरित कर दिया गया। डॉ. जी राम गोपाल नायक, पुलिस उपायुक्त, अपराध शाखा की गहन निगरानी के तहत एक विशेष टीम गठित की गई, जिसमें श्री राजेश कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, श्री विनय त्यागी, निरीक्षक और श्री कुलदीप सिंह, कांस्टेबल (कमांडो) शामिल थे। टीम ने रात-दिन अथक कार्य किया तथा अत्यंत दृढ़ता और धीरज का प्रदर्शन किया, क्योंकि एक बच्चे की जान जोखिम में थी। समर्पित टीम अपनी आसूचना नेटवर्किंग सहित गहन तकनीकी विश्लेषण के कारण महत्वपूर्ण सुराग ढूंढ सकी। दिनांक 25.02.2018 को लगभग 11:35 बजे अपराह्न, इन विश्वसनीय सूचनाओं (इनपुटों) और महत्वपूर्ण सुरागों के आधार पर, टीम ने संदिग्धों में से एक की पहचान की और नितिन कुमार शर्मा (28 वर्ष), पुत्र माम राज शर्मा, निवासी ए-543, गोकुलपुरी, दिल्ली को सामुदायिक ब्लाक, सीमापुरी के समीप सफलतापूर्वक दबोच लिया। उससे लगातार पूछ-ताछ पर, उसने कबूल किया कि उसने अपने साथियों नामत: रवि और पंकज के साथ मिलकर फिरौती के लिए बच्चे का अपहरण किया है। बच्चे को उनकी कस्टडी में भोपुरा, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के समीप फ्लैट नं. बी-505, एबोनी बी, शालीमार सिटी में बंधक रखा गया था तथा उसके साथी किसी पुलिस हमले को नाकाम करने के लिए अत्याधुनिक हथियारों से लैस थे।

पुलिस उपायुक्त डॉ. जी राम गोपाल नायक, सहायक पुलिस आयुक्त राजेश कुमार और निरीक्षक विनय त्यागी ने सभी सावधानियां बरतते हुए इस सूचना पर तुरंत कार्रवाई की, क्योंकि बच्चे की जान खतरे में थी। अच्छी तरह योजना बनाने के बाद, टीम के सदस्य हथियारों/गोला बारूद और बुलैट प्रूफ जैकेटों से भली-भांति लैस होकर 5-6 फरवरी, 2018 की मध्य रात्रि को लगभग 12:50 बजे भवन की 5वीं मंजिल पर पहुंच गए और उन्होंने फ्लैट के चारों तरफ अपनी पोजीशन ले ली। पुलिस उपायुक्त डॉ. जी राम गोपाल नायक ने निरीक्षक विनय त्यागी और कांस्टेबल कुलदीप सिंह के साथ फ्लैट के दरवाजे पर सबसे आगे पोजीशन ले ली। सहायक पुलिस आयुक्त, राजेश कुमार ने टीम को पीछे से कवर प्रदान किया। निरीक्षक विनय त्यागी ने फ्लैट बी-505 की घंटी बजाई। प्रवेश द्वार पर लोहे का एक बाहरी गेट लगा हुआ

था और भीतरी दरवाजा लकड़ी का था। भीतर से एक व्यक्ति ने आंशिक रूप से लकड़ी का दरवाजा खोला, जबकि दूसरा व्यक्ति उसके पीछे खड़ा रहा। दु:साहसियों ने, पुलिस टीम की मौजूदगी को भांपते हुए तुरंत ही लोहे के गेट से पुलिस टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और इन दु:साहसियों द्वारा चलाई गई गोलियां निरीक्षक विनय त्यागी और कांस्टेबल (कमांडो) कुलदीप सिंह द्वारा पहनी गई बुलैट प्रूफ जैकेटों के ऊपर उनके सीने पर लगी। स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए और बच्चे की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए, पुलिस उपायुक्त डॉ. जी राम गोपाल नायक, निरीक्षक विनय त्यागी और कांस्टेबल (कमांडो) कुलदीप सिंह ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की तथा आत्मरक्षा के साथ-साथ धावा बोलने वाले दल के अन्य सदस्यों की सुरक्षा के लिए गोली चलाई। जब एक-दूसरे पर गोलीबारी हो रही थी, तो उसी समय पुलिस उपायुक्त डॉ. जी राम गोपाल नायक ने अपनी जान को जोखिम में डाला और उपर्युक्त दो अधिकारियों की मदद से लोहे के दरवाजे को झुका दिया तथा अपहरणकर्ताओं के चुंगल से बच्चे को सकुशल छुड़ाने के लिए फ्लैट के अंदर कूद पड़े। उप पुलिस आयुक्त कमरों के अंदर से बच्चे को सकुशल छुड़ाने में सफल रहे, उसे अपनी बाहों में उठाया और अपराध स्थल से बाहर भागे। दृढ़ और अडिग रहे, पुलिस उपायुक्त डॉ. जी राम गोपाल नायक, सहायक पुलिस आयुक्त राजेश कुमार, निरीक्षक विनय त्यागी और कांस्टेबल कुलदीप सिंह ने इन तीनों खूंखार अपहरणकर्ताओं के चंगुल से अपहृत बच्चे को सफलतापूर्वक छुड़ाने के लिए और साथ ही टीम के सदस्यों की सुरक्षा के लिए असाधारण साहस और वीरता का प्रदर्शन किया है। उन्होंने अपनी जाने खतरे में डाली और इस ऑपरेशन में अनुकरणीय साहस, वीरता और प्रेरणा का स्पष्ट प्रदर्शन किया। दिल्ली पुलिस के इन चार कार्मिकों की वीरतापूर्ण कार्रवाई ने न केवल विभिन्न राज्यों की पुलिस के सर्वोच्च रैंको और मीडिया, बल्कि जनता से भी सराहना पाई। उपर्युक्त पुलिस अधिकारियों को इन दु:साहसिक अपराधियों द्वारा चलाई गई गोलियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उनकी बुलैट प्रूफ जैकेटों ने उन्हें बचा लिया। माननीय गृह मंत्री ने भी उपर्युक्त वीरतापूर्ण कार्रवाई के लिए पुलिस अधिकारियों को प्रशंसा की।

इन तीन दु:साहसिक अपराधियों नामत: (1) नितिन कुमार शर्मा, आयु-28 वर्ष, पुत्र श्री मामराज शर्मा, निवासी- ए-543, गोकुलपुरी, दिल्ली (2) रवि, आयु-24 वर्ष, पुत्र श्री श्याम लाल, निवासी- बी-252, ब्लॉक, गोकुलपुरी, दिल्ली और (3) पंकज ऊर्फ सिंह साहेब, आयु-21 वर्ष, पुत्र गिस्सा राम, निवासी- ए-286, पूर्वी गोकुलपुरी, नई दिल्ली के चंगुल से बच्चे को छुड़ाने का संपूर्ण ऑपरेशन 11 दिन तक चला और दिनांक 06/02/2018 को एबोनी, बी-505, शालीमार सिटी, साहिबाबाद, उत्तर प्रदेश में भारी गोलीबारी के बाद यह ऑपरेशन पूरा हुआ, जिसमें एक दु:साहसी को गोली लगने से चोटें आईं, जबकि एक अन्य ने चोटों के चलते अस्पताल में दम तोड़ दिया।

पुलिस स्टेशन– साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में (1) आईपीसी की धारा 307, 186, 353, 341, 342, 387, 34 के तहत दिनांक 06.02.2018 की एफआईआर संख्या 275/2018 (2) आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत दिनांक 06.02.2018 की एफआईआर संख्या 276/2018 तथा (3) आयुध अधिनियम की धारा 25/27 के तहत दिनांक 06.02.2018 की एफआईआर संख्या 277/2018 के माध्यम से तीन मामले भी दर्ज किए गए थे। इस वीरतापूर्ण कार्रवाई के स्थल से 5 जिंदा और 4 इस्तेमाल (दागे गए) किए गए कारतूसों सहित दो .32 अत्याधुनिक पिस्तौल भी बरामद की गईं। गोलीबारी में शामिल आरोपी व्यक्ति रवि और पंकज ऊर्फ सिंह साहेब हैं। गोलीबारी के दौरान पुलिस द्वारा कुल 3 राउंड दागे गए।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री डॉ. जी राम गोपाल नायक, पुलिस उपायुक्त, राजेश कुमार, सहायक पुलिस आयुक्त, विनय कुमार त्यागी, निरीक्षक और कुलदीप सिंह, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06/02/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/06/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 107-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/ वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	अब्दुल वहीद शाह	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	फारूक अहमद मल्ला	फॉलोअर	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.04.2017 को, गांव हयातपोरा (छादूरा) में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक खुफिया जानकारी मिलने पर, श्री अब्दुल वहीद शाह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम की गहन देखरेख में बडगाम पुलिस ने श्री अमोद अशोक, अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम,

फॉलोअर फारूक अहमद संख्या 12/एफ और अन्य सहित सेना की 53 आरआर के साथ मिलकर छिपे हुए आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया। सर्च ऑपरेशन के दौरान, आतंकवादियों द्वारा पुलिस दल पर गोलीबारी की गई। सौभाग्य से इससे कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि पुलिस दल चतुराइपूर्वक आगे बढ़ रहा था। चूंकि, अब आतंकवादियों की स्थिति का पता चल गया था, इसलिए श्री अब्दुल वहीद शाह, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम ने नफरी को इलाके की घेराबंदी करने और भागने के सभी रास्तों को बंद करने का निर्देश दिया। इसके बाद, अधिकारी ने दो छोटे दल गठित किए। पहला दल, जिसमें श्री अब्दुल वहीद शाह, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अक्षीक्षक बडगाम की निगरानी में उप निरीक्षक, रणबीर सिंह, हेड कांस्टेबल राकेश बाली, हेड कांस्टेबल फिरदौस अहमद, एसजी कांस्टेबल अशोक कुमार, एसजी कांस्टेबल अश्वनी कुमार, एसजी कांस्टेबल निसार अहमद, कांस्टेबल इम्तियाज अहमद और अन्य शामिल थे, ने लक्ष्य की एक ओर से पोजीशन ली तथा श्री अमोद अशोक, अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम के नेतृत्व वाले दूसरे दल, जिसमें एएसआई गुलाम मोहम्मद, हेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद, हेड कांस्टेबल सैयद गुलाम रसूल, हेड कांस्टेबल बिक्रम सिंह, फॉलोअर फारूक अहमद और अन्य शामिल थे, को लक्ष्य की दूसरी ओर से घेरा डालने का कार्य सौंपा गया। दोनों टीमें रणनीतिक तरीके से आतंकवादियों की ओर बढ़ रही थी। इसी समय, आतंकवादियों ने भागने का रास्ता बनाने के लिए ऑपरेशनल दल पर अंधाधुध गोलीबारी की, तथापि, श्री अब्दुल वहीद शाह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम के नेतृत्व में रणनीतिक पोजीशन लिए हुए सैनिक किसी भी नुकसान के बिना बच गए। आतंकवादियों को अपनी ओर आते देख, श्री अब्दुल वहीद शाह ने एक आतंकवादी को बंदूक से मौके पर ही मार गिराया। अपने साथी का हश्र देखकर एक दूसरा आतंकवादी मौके से भागा और उसने दूसरी तरफ से भागने की कोशिश की, जहां पर श्री अमोद अशोक, अपर पुलिस अधीक्षक बडगाम के नेतृत्व वाले दूसरे ऑपरेशनल दल ने पोजीशन ली हुई थी। जैसे ही आतंकवादी ने भागने की कोशिश की, ऑपरेशनल दल द्वारा उसे भी बंदूक से मार दिया गया। बंदूक की आगे लड़ाई में बिना किसी समानांतर क्षति के लश्कर-ए-तैयबा संगठन से संबद्ध दोनों आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया तथा उनकी पहचान युनुस मकबूल गनई पुत्र मुहम्मद मकबूल, निवासी- पटरीगाम, छादूरा और पाकिस्तान निवासी अली के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से हथियार/गोला-बारूद के रूप में 01 एके सीरीज राइफल (क्षतिग्रस्त), 01 किरन कॉप राइफल (क्षतिग्रस्त), 02 एके मैगजीन (क्षतिग्रस्त), 02 किरन कॉप मैगजीन, एके के 35 राउंड, किरन कॉप के 44 राउंड, 01 चीनी पिस्तौल, 01 पिस्तौल मैगजीन, पिस्तौल के 07 राउंड और 01 हथगोला बरामद हुआ। इस संबंध में, दिनांक 22.04.2017 को छादूरा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत 2017 की मामलागत एफआईआर संख्या 44 दर्ज की गई है।

इस ऑपरेशन को बिना किसी त्रुटि के और उक्त क्षेत्र एवं आसपास के इलाके के आम नागरिकों के जीवन को कोई भी नुकसान पहुंचाए बिना पूरा किया गया। ऐसा केवल उल्लिखित अनुशंसितों द्वारा समय से बनाई गई योजना और उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई के कारण ही संभव हो पाया। बंदूक की इस लड़ाई के दौरान, ऑपरेशनल दल ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह नहीं की, लेकिन आसाधारण साहस, जोश और अत्यंत कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप इन खूंखार आतंकवादियों का खात्मा हुआ।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अब्दुल वहीद शाह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और फारूक अहमद मल्ला, फॉलोअर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/04/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/149/2018-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 108-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	आशीष कुमार मिश्रा, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	फारूक अहमद भट	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सरजन अहमद डार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	फैयाज अहमद लोन	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

5	अरसद रसूल तंतरे	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21.06.2017 को लगभग 20:00 बजे एसआईटी (दक्षिणी श्रीनगर) से गांव- न्यू कॉलोनी, काकापोरा, पुलवामा में आतंकवादियों की आवाजाही के संबंध में पुख्ता जानकारी प्राप्त हुई। इस जानकारी को श्री चंदन कोहली-आईपीएस, एएसपी पुलवामा, श्री सतीश कुमार, उप पुलिस अधीक्षक, ऑपरेशन काकापोरा और श्री फारूक अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय पुलवामा के साथ साझा किया गया। श्री आशीष मिश्रा–आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, दक्षिणी श्रीनगर द्वारा इस जानकारी को और पुख्ता/स्पष्ट किया गया कि आतंकवादी न्यू कॉलोनी, काकापोरा के अब्दुल अहद भट, पुत्र गुलाम अहमद के घर में छुपे हुए हैं। सूचना को 50 आरआर और सीआरपीएफ की 182/183-वीं बटालियन के साथ साझा किया गया और एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू करने का निर्णय लिया गया। तकनीकी सुराग पर कार्रवाई करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पुलवामा, पुलिस अधीक्षक एसआईटी दक्षिणी श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक, मुख्यालय पुलवामा, आई/सी पीपी काकापोरा, उप-निरीक्षकसरजन अहमद डार सं. ईएक्सके–109168 और पुलवामा/श्रीनगर पुलिस का एक दल, जिसमें उप-निरीक्षकआरिफ अहमद पीआईडी सं. ईएक्सके–109225, सहायक उपनिरीक्षक फैयाज अहमद सं. 1495/पीएल, सहायक उपनिरीक्षक इम्तियाज मोहम्मद सं. 60/आईआरपी 11वीं बटालियन, सहायक उपनिरीक्षक मोहम्मद रफी सं. 2709/एस, कांस्टेबल मोहम्मद राफिक सं. 834/केजीएम, एसजी कांस्टेबल हिलाल अहमद सं. 05/एसकेआर, एसजी कांस्टेबल तिलक राज सं. 202/एपी 9वीं बटालियन (एडब्ल्यूपी), एसजी कांस्टेबल शौकत अली सं. 313/पीएल, एसजी कांस्टेबल मोहम्मद शफी सं. 1326/पीएल, कांस्टेबल फारूक अहमद सं. 1631/पीएल, कांस्टेबल मोहम्मद अब्बास सं. 761/पीएल, गुरनाम सिंह सं. 2439/जे, कांस्टेबल अर्शिद रसूल सं. 1133/ए, सीआई हिलाल अहमद सं. 1028/पीएल, कांस्टेबल फिरोज मुश्ताक सं. 4526/एस, एसपीओ जावीद अहमद सं. 168/एसपीओ, एसपीओ गुलजार अहमद सं. 148/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद गुलजार सं. 08/एसपीओ (एसजीआर), एसपीओ मंजूर अहमद सं. 439/एसपीओ, एसपीओ आशिक हुसैन सं. 541/एसपीओ, एसपीओ नाजिर अहमद सं. 235/एसपीओ, एसपीओ इमरान युसुफ सं. 258/एसपीओ, एसपीओ अजाज अहमद सं. 261/एसपीओ, एसपीओ इम्तियाज युसुफ सं. 252/एसपीओ (एसजीआर), एसपीओ अब्दुल हमीद कुमार सं. 187/एसपीओ (एमजीआर), एसपीओ मोहम्मद अशरफ सं. 819/एसपीओ (एसजीआर), एसएओ रियाज अहमद खान सं. 772/एसपीओ (एसजीआर) और एसपीओ रजिन्दर सिंह सं. 1410/एसपीओ (बीएलए) शामिल थे तथा 50 आरआर और सीआरपीएफ की 182/183वीं बटालियन लक्षित स्थल के लिए निकल पड़े तथा एक संयुक्त घेराबंदी कर दी गई। पुलिस अधीक्षक, एसआईटी दक्षिणी श्रीनगर श्री आशीष कुमार मिश्रा–आईपीएस की कमान के तहत उप-निरीक्षकअरिफ मोहम्मद पीआईडी संख्या ईएक्सके–109225, आईसी पीपी काकापोरा उप-निरीक्षकसरजन अहमद डार संख्या ईएक्सके–109168 के नेतृत्व वाले एक त्वरित कार्रवाई दल ने ज्यादा समय लिए बिना उत्तरी दिशा से लक्षित घरों की घेराबंदी कर दी (उत्तर पूर्वी तथा उत्तर पश्चिमी तरफ)। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलवामा श्री फारूक अहमद भट सं. ईएक्सके–901270 की कमान के अंतर्गत एक अन्य दल, जिसमें सहायक उपनिरीक्षक इम्तियाज मोहम्मद सं. 60/आईआरपी 11वीं बटालियन, सहायक उपनिरीक्षक मोहम्मद रफी सं. 2709/एस और अन्य सहयोगी सहायता कर रहे थे, ने दक्षिण दिशा से इलाके की घेराबंदी कर दी (दक्षिण-पूर्वी और दक्षिण-पश्चिमी तरफ)। पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्रीनगर श्री आशीष कुमार मिश्रा–आईपीएस ने अपने सहायक आई/सी पीपी काकापोरा उप-निरीक्षकसरजन अहमद डार सं. ईएक्सके–109168 के साथ घेराबंदी की व्यक्तिगत रूप से निगरानी की। घेराबंदी को सुदृढ़ करने के पश्चात, सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया और जब तलाशी की जा रही थी, तभी आंतकवादियों ने पुलिस अधीक्षक साउथ सिटी श्रीनगर और उनके साथियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन वे इस अचानक हुए आतंकवादी हमले से बाल-बाल बच गए। असाधारण साहस/सूझ-बूझ का प्रदर्शन करते हुए पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलवामा, आई/सी पीपी काकापोरा और कांस्टेबल अर्शिद रसूल सं. 1133/ए ने तुरंत खुद को पोजीशन कर लिया तथा आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों को रक्षात्मक होने पर बाध्य कर दिया और इस तरह भागने के उनके प्रयास को विफल कर दिया। इस बीच, यह देखा गया कि लक्षित घर/सटे हुए घरों में कई आम नागरिक फंस गए थे, क्योंकि आतंकवादियों ने उन्हें भागने का मौका नहीं दिया था। दो टीमों का गठन किया गया, जिनमें से एक टीम का नेतृत्व पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्रीनगर कर रहे थे और इस टीम की सहायता उप-निरीक्षकसरजन अहमद डार ईएक्सके–109168, सहायक उपनिरीक्षक इम्तियाज मोहम्मद 60/आईआरपी 11वीं बटालियन, कांस्टेबल हिलाल अहमद 1028/पीएल और कांस्टेबल मोहम्मद रफीक 834/केजीएम कर रहे थे, जबकि दूसरी टीम का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलवामा कर रहे थे और इस टीम की सहायता सहायक उपनिरीक्षक मोहम्मद रफी 2709/एस, कांस्टेबल गुरनाम सिंह 2439/जे और कांस्टेबल अर्शिद रसूल 1133/ए कर रहे थे। इन दोनों टीमों ने अपने जीवन को अनिश्चितता/मौत की सीमा पर रखकर सभी आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया और तत्पश्चात आतंकवादियों को आत्मसर्मपण करने के लिए कहा गया। रात्रि का समय होने के कारण लक्षित स्थान के आस-पास के क्षेत्र को नियंत्रित करने के लिए कई उपाय किए गए, गलियों के चारों तरफ कंसर्टिना तार डाले गए और पूरे इलाके की रोशनी के लिए जनरेटर लगाया गया। लक्षित घर के इर्द-गिर्द रोशनी करने का कार्य उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलवामा की निगरानी में किया गया। इस कार्य में, उप-निरीक्षक श्री सरजन अहमद और 14 अन्य कर्मियों ने मदद की, जो पहले से ही भीतरी घेराबंदी में मौजूद थे। अगली सुबह, फिर से आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु उन्होंने इसे फिर से नजरअंदाज कर दिया और पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय पुलवामा, उप-निरीक्षकसरजन अहमद डार और सिपाही अरसद रसूल तंतरे, जो कि मोर्चे पर सामने थे, पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक सिटी दक्षिणी श्रीनगर के नेतृत्व वाली टीम ने खुद को पोजीशन कर लिया और जवाबी

कार्रवाई की, जिसके परिणामस्वरूप भीषण गोलीबारी शुरू हो गई, जो लश्कर-ए-तैयबा के तीन खूंखार आतंकवादियों के खात्मे के साथ समाप्त हुई। इन आतंकवादियों की पहचान माजिद हमीद मीर उर्फ अब्बास (श्रेणी-क) पुत्र अब्दुल हमीद मीर, निवासी- काकापोरा, शाकिर अहमद गुगजू (श्रेणी-ख) पुत्र बाशिर अहमद गुगजू, निवासी-काकापोरा और इर्शाद अहमद डार (श्रेणी-ग) पुत्र मोहम्मद सुल्तान डार, निवासी-अगहांजीपोरा, अवंतीपोरा के रूप में हुई। ऑपरेशन के दौरान, बरामद हथियारों/गोलाबारूद में 01 एके-56 राइफल (पूर्णत: क्षतिग्रस्त), 3 एके-56 मैगजीन (पूर्णत: क्षतिग्रस्त), 1 पिस्तौल टी 652 टी राउंड (पूर्णत: क्षतिग्रस्त) और 1 पिस्तौल मैगजीन (पूर्णत: क्षतिग्रस्त) बरामद हुई। इस संबंध में, पुलवामा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307, आईए अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 212/2017 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री आशीष कुमार मिश्रा, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, फारूक अहमद भट, उप पुलिस अधीक्षक, सरजन अहमद डार, उप निरीक्षक, फैयाज अहमद लोन, सहायक उपनिरीक्षक और अरसद रसूल तंतरे, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/06/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/163/2018-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 109-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	तारिक महमूद	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	रेयाज अहमद मीर	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3.	जगदीश सिंह	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4.	मोहम्मद हुसैन मीर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 11.12.2017 को, हंदवाड़ा पुलिस द्वारा उनीसू हंदवाड़ा में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के संबंध में एक पुख्ता जानकारी जुटाए जाने पर हंदवाड़ा पुलिस, 22 आरआर और सीआरपीएफ की 92वीं बटालियन द्वारा ग्राम उनीसू और इसके आस-पास एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई तथा इसे कार्यान्वित किया गया। आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की गई और छिपे हुए आतंकवादियों के चारों तरफ की गई घेराबंदी को और अधिक मजबूत कर दिया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान, बड़ी मात्रा में हथियारों से लैस आतंकवादियों ने सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और घेराबंदी क्षेत्र के भीतर निवासी आम नागरिकों में अफरा-तफरी मचा दी। सभी आम नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए बचाव अभियान शुरू किया गया और उप पुलिस अधीक्षक ऑप्स मागम-केजीडी श्री तारिक महमूद–केपीएस के नेतृत्व वाली पुलिस और सेना की संयुक्त टीम, जिसमें उप-निरीक्षकरेयाज अहमद संख्या 286/एस, सहायक उप निरीक्षक जगदीश सिंह 474/एच और हेड कांस्टेबल मोहमम्द हुसैन संख्या 180/एच सहायता कर रहे थे, नागरिकों को निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की जिम्मेदारी के लिए स्वेच्छा से आगे आए। इसमें खतरा होने के बावजूद, उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की कोई परवाह नहीं की और गोलियों की बौछार के बीच आम नागरिकों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया। तथापि, कुछ बच्चों और महिलाओं सहित 05-06 आम नागरिक लक्षित घर के भीतर फंसे हुए थे और आतंकवादी उन्हें उक्त घर से बाहर नहीं आने दे रहे थे। आतंकवादियों ने लक्षित घर से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके दौरान एक महिला जिसकी पहचान मयसारा बेगम, पत्नी- इश्फाक अहमद वानी, निवासी- उनीसू के रूप में हुई, को गोली लगी और बाद में उसने चोट लगने के कारण दम तोड़ दिया। आम नागरिकों को निकालने की पूरी प्रक्रिया के दौरान, खूंखार आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी और बचाव दल पर कई ग्रेनेड दागे। गोलीबारी का कारगर ढंग से जवाब दिया गया और आतंकवादियों को बंदूक की इस भीषण लड़ाई में उलझा दिया गया। आम नागरिकों को सफलतापूर्वक निकालने के बाद, ऑपरेशन को तेज किया गया और आगे किसी समानान्तर हानि के बिना खूंखार आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए मौके पर असॉल्ट टीमें गठित की गईं। असॉल्ट

टीम का नेतृत्व करते हुए उप पुलिस अधीक्षक ऑप्स मागम, उप निरीक्षक रियाज अहमद संख्या 286/एस और हेड कांस्टेबल मोहम्मद हुसैन संख्या 180/एच फिर से इस कार्य हेतु स्वेच्छा से आगे आए और वे विभिन्न दिशाओं से छुपे हुए आतंकवादियों की तरफ चल पड़े और इस प्रकार घेराबंदी को और अधिक मजबूत कर दिया गया तथा तत्परता से आतंकवादियों के हमले का जवाब दिया गया। घेराबंदी का क्षेत्र सघन आबादी वाला क्षेत्र था और आतंकवादियों ने पहले से ही ऑपरेशन पार्टी को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के लिए उपयुक्त पोजीशन ली हुई थी। असॉल्ट पार्टी को आगे बढ़ता देखकर, आतंकवादियों ने असॉल्ट टीमों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और कई ग्रेनेड फेंके। उप पुलिस अधीक्षक ऑप्स मागम, उप निरीक्षक रियाज अहमद संख्या 286/एस और हेड कांस्टेबल मोहम्मद हुसैन संख्या 180/एच ने चतुराई से इस हमले का जवाब दिया और आतंकवादियों की तरफ आगे बढ़ने के लिए असॉल्ट टीम को एक-दूसरे को कवर गोलीबारी प्रदान करने का निदेश दिया। आतंकवादियों के इस अचानक हमले ने असॉल्ट टीमों के लिए आगे बढ़ने के कार्य को और अधिक कठिन बना दिया। सुरक्षित पोजीशनों का लाभ लेते हुए उप पुलिस अधीक्षक ऑप्स मागम ने उप निरीक्षक रेयाज अहमद संख्या 286/एस और हेड कांस्टेबल मोहम्मद हुसैन संख्या 180/एच के साथ आतंकवादियों की पोजीशन की तरफ बढ़ते हुए उन्हें रक्षात्मक पोजीशन में धकेल दिया। आतंकवादियों के काफी नजदीक पहुंचने पर छिपे हुए आतंकवादियों पर अंतिम निर्णायक हमला किया गया, जिसके परिणामस्वरूप तीनों खूंखार विदेशी आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के सिदिक, निवासी- पाकिस्तान "ए++", शकील भाई, निवासी- पाकिस्तान "ए+" और अबू गाजी, निवासी- पाकिस्तान "ए" के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बरामद हथियारों/गोलाबारूद में 03 एके राइफल (02 क्षतिग्रस्त), 12 एके मैगजीन (04 क्षतिग्रस्त), 271 एके राउंड, 02 हथगोले, 03 यूबीजीएल, 02 पाउच (01 क्षतिग्रस्त), 01 बैटरी चार्जर (क्षतिग्रस्त), 01 फर्स्ट एड किट, (क्षतिग्रस्त), 02 शीट नक्शे, 01 चार्जर (क्षतिग्रस्त), 01 मोबाइल इयरफोन और 2500/- रुपये की भारतीय मुद्रा (1500/- रुपये क्षतिग्रस्त) शामिल है। इस संबंध में, हंदवाड़ा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307 और आईए अधिनियम की धारा 7/72 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 393/2017 दर्ज है।

इस संयुक्त आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन के दौरान अन्य भागीदारों, जिसमें असॉल्ट टीम के सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद सादिक, सहायक उप निरीक्षक जगदीश सिंह 474/एच, एसजी कांस्टेबल हिलाल अहमद 732/10वीं आईआर, एसजी कांस्टेबल सजाद अहमद 789/9वीं आईआर, कांस्टेबल गुरूपर्व सिंह 828/7वीं एपी, कांस्टेबल मोहम्मद रमजान 669/एच, कांस्टेबल अली हुसैन 683/एच, फॉलोअर मोहम्मद रफिक संख्या 94/एफ तीसरी आईआर और निम्नलिखित एसपीओ नामतः एसपीओ अब्दुल हामिद 302/एसपीओ, एसपीओ मंजूर अहमद 403/एसपीओ, एसपीओ सजाद अहमद 34/ईएक्स, एसपीओ अब्दुल राशिद 16/एसपीओ, एसपीओ एजाज अहमद संख्या 41/एसपीओ, एसपीओ सैय्यद शाबीर 133/एसपीओ-बीएलए, एसपीओ अली मोहम्मद 314/एसपीओ और एसपीओ मुश्ताक अहमद 548/एसपीओ शामिल थे, ने भी इस आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन खूंखार आतंकवादियों का खात्मा करते समय वे मोर्चे पर सबसे आगे रहे। उनकी भूमिका/सक्रिय भागीदारी के आधार पर उनके लिए क्रमशः बारी से पहले पदोन्नति/कनवर्जन के लिए सिफारिश की गई थी। शेष भागीदारों, जिन्हें आतंकवादियों को भागने से रोकने के लिए बाहरी घेराबंदी में तैनात किया गया था, को उपयुक्त नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री तारिक महमूद, उप पुलिस अधीक्षक, रेयाज अहमद मीर, उप निरीक्षक, जगदीश सिंह, सहायक उप निरीक्षक और मोहम्मद हुसैन मीर, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 11/12/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/138/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 110-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	साहिल शर्मा	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	सगीर अहमद पठान	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.09.2018 को ग्राम-गुलूरा लंगाटे में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के संबंध में एक पुख्ता सूचना पर, हंदवाडा पुलिस, 30 आरआर, सीआरपीएफ की 162वीं बटालियन और सीआरपीएफ की 92वीं बटालियन द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन की योजना बनाई गई और इसे अंजाम दिया गया। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पूरे गांव की घेराबंदी कर दी गई और आतंकवादियों की मौजूदगी की पुष्टि की गई। तलाशी के दौरान, ऑपरेशनल दलों पर अचानक ही छिपे हुए आतंकवादियों द्वारा भारी गोलीबारी शुरू कर दी गई, जिसने नागरिकों के बीच अफरा-तफरी मचा दी और आम नागरिक आबादी को निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाना जरूरी हो गया। आतंकवादियों द्वारा शुरू की गई अंधाधुंध गोलीबारी लक्षित क्षेत्र से आम नागरिकों को निकालने के कार्य को और अधिक कठिन बना रही थी।

जम्मू और कश्मीर पुलिस की एक छोटी टीम, जिसमें श्री साहिल शर्मा जेकेपीएस-125768, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) क्रालगुंड-मागम, उप पुलिस अधीक्षक फारूक अहमद जेकेपीएस-116205, उप निरीक्षक जान मोहम्मद 248/पीएयू, सहायक उप निरीक्षक सगीर अहमद पठान 59/7वीं एपी, सहायक उप निरीक्षक जगदीश सिंह 474/एच, एसजी कांस्टेबल रॉबिन रविन्द्र 848/7वीं एपी, कांस्टेबल अब्दुल मजीद 437/एच, फोलोअर शाबिर अहमद 23/एफ, एसपीओ जाविद अहमद 513/एसपीओ, एसपीओ बिलाल अहमद 02/ईएक्स, एसपीओ मंजूर अहमद 287/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद सादिक 763/एसपीओ- कुप, एसपीओ रियाज अहमद 374/एसएसआर स्वेच्छा से इस कार्य के लिए आगे आए। इस बचाव टीम ने अपनी जान को भारी खतरे में डाला और लक्षित क्षेत्र के भीतर फंसे सभी नागरिकों को बाहर निकाल लिया। नागरिकों को बाहर निकालने के संपूर्ण ऑपरेशन के दौरान, खूंखार आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते रहे और उन्होंने बचाव टीम पर कई ग्रेनेड फेंके, तथापि अत्यंत सावधानी के साथ और कौशल युद्ध रणनीति का प्रदर्शन करते हुए, सभी नागरिकों को सफलतापूर्वक निकाल लिया गया।

आम नागरिकों को सफलतापूर्वक निकालने के बाद, आतंकवादियों का खात्मा करने के लिए ऑपरेशन को फिर शुरू किया गया और छोटी असॉल्ट टीमें गठित की गईं, जिसके दौरान श्री साहिल शर्मा और सहायक उप निरीक्षक सगीर अहमद पठान पुन: स्वेच्छा से इस कार्य के लिए आगे आए। उन्होंने असॉल्ट टीमों का नेतृत्व किया और छिपे हुए आतंकवादियों की ओर चतुराईपूर्वक आगे बढ़े, क्योंकि छुपने का स्थान आतंकवादियों के लिए ऑपरेशनल दल को सर्वाधिक नुकसान पहुंचाने के लिए उपयुक्त था। दोनों ने अपने कर्मियों को इस तरह से पोजीशन किया कि आतंकवादियों की चारों ओर कड़ी घेराबंदी सुनिश्चित हो सके और तत्परता से गोलीबारी का जवाब दिया जा सके। आतंकवादियों की कार्रवाई और स्थल से भागने की उनकी योजना को देखकर उन्होंने सूझ-बूझ का प्रदर्शन किया तथा वे गोलीबारी का जवाब देते हुए लक्षित स्थल की तरफ आगे बढ़े। आतंकवादियों ने ग्रेनेड फेंककर और गोलियों की बौछार करके टीम को निशाना बनाने की कोशिश की, परन्तु अपनी सूझ-बूझ और सामरिक कौशल के द्वारा वे आतंकवादियों के काफी नजदीक पहुंच गए। इस कार्रवाई के दौरान, उन्होंने एक-दूसरे का भलीभांति सहयोग किया, जिसने उन्हें आतंकवादियों की गोलीबारी से सुरक्षा प्रदान की।

अनुशंसितों को करीब देखकर आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने और मौके से भागने के लिए अनुशंसितों पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। तथापि, उप पुलिस अधीक्षक साहिल शर्मा- जेकेपीएस और सहायक उप निरीक्षक सगीर अहमद पठान ने तत्परता से आतंकवादी हमले का जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप दो स्थानीय आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान फुरकान राशिद लोन उर्फ आदिल पुत्र अब्दुल राशिद लोन, निवासी-शार्तपोरा लंगाटे और लियाकत अहमद लोन उर्फ शबा पुत्र स्वर्गीय गुलाम मोही-उ-दीन, निवासी-हरवान सोपोर के रूप में हुई और ये दोनों ही लश्कर-ए-तैयबा संगठन से संबद्ध थे। इस संबंध में, हंदवाडा पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/271 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 358/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री साहिल शर्मा, उप पुलिस अधीक्षक और सगीर अहमद पठान, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/09/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/182/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 111-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	ताहिर अशरफ	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	जावेद अहमद याटू	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

3	मोहम्मद इरफान मलिक	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	तारिक अहमद राथर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर, पाकिस्तान-निवासी अली भाई के अपने साथियों के साथ श्रीनगर शहर में धोबी घाट मोहल्ला, मुजगुंड में छिपे होने के संबंध में एक पुख्ता जानकारी के आधार पर दिनांक 08.12.2018 को एक घेराबंदी डाली गई। ये खूंखार आतंकवादी यूएलबी/पंचायत चुनावों के मद्देनजर श्रीनगर शहर में आतंकवादी हमला करने की योजना बना रहे थे। इस सूचना को तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा किया गया और अधिकारियों की टीम तुरंत घेराबंदी स्थल पर पहुंच गई।

इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, इन छिपे हुए आतंकवादियों की पहचान करने और उनका खात्मा करने के लिए श्री विधि कुमार बिरदी-आईपीएस, उप महानिरीक्षक, सीकेआर श्रीनगर की कमान में एक टीम का गठन किया गया, जिसमें श्री इम्तियाज इस्माइल-आईपीएस, तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, डॉ. जी. वी. संदीप चक्रवर्ती-आईपीएस पुलिस अधीक्षक सिटी दक्षिणी श्रीनगर, श्री ताहिर अशरफ जेकेपीएस-045839, पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर, श्री मुशिम अहमद-जेकेपीएस तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीनगर और श्री इम्तियाज अहमद मीर-जेकेपीएस उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) और साथ ही ईएसयू दक्षिणी श्रीनगर, पुलिस कंपोनेंट श्रीनगर, सीआरपीएफ की 44वीं बटालियन के पर्याप्त पुलिस कर्मी तथा 5 आरआर शामिल थे।

ऑपरेशनल नफरी को दो दलों में बांटा गया था। पहले दल में सीआरपीएफ की 44वीं बटालियन सहित पीसी श्रीनगर की नफरी और 5 आरआर शामिल थे, जिसे लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी डालने का कार्य सौंपा गया। दूसरा दल, जिसमें ईएसओ दक्षिण की नफरी शामिल थी, को यह कार्य सौंपा गया कि वे, धोबी घाट मोहल्ला, मुजगुंड, जहां ये आतंकवादी छिपे हुए थे, में भीतरी घेराबंदी डालें और यदि जरूरी हो, तो पूरे समन्वय के साथ डॉ. जी. वी. संदीप चक्रवर्ती-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, सिटी दक्षिणी जोन श्रीनगर की कमान के तहत इंटरवेशन की कार्रवाई करें। सभी दलों ने खुद को उपर्युक्त योजना के अनुसार पोजीशन कर लिया गया। 2100 बजे, पुलिस अधीक्षक सिटी दक्षिणी श्रीनगर, जोकि भातरी घेराबंदी दल के प्रभारी थे, ने श्री मुशिम अहमद-जेकेपीएस, तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीनगर, श्री इम्तियाज अहमद मीर-जेकेपीएस उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर और ईएसयू दक्षिणी श्रीनगर की एक छोटी टीम के साथ आस-पास के घरों से निवासियों को बाहर निकालने की एक योजना बनाई। टीम ने बड़ी चतुराई और वीरता से आस-पास के घरों से निवासियों को बाहर निकाला और उन्हें एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। लक्षित घर की पुष्टि करने के पश्चात, सबसे पहले आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया। आत्मसमर्पण करने के बजाय, उन्होंने ऑपरेशन दल पर गोलीबारी शुरू कर दी, लेकिन सौभाग्य से इससे कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि ऑपरेशनल दल चतुराईपूर्वक आगे बढ़ रहा था। इसी समय, ऑपरेशन के प्रभारी श्री विधि कुमार बिरदी-आईपीएस, उप महानिरीक्षक, सीकेआर श्रीनगर तथा पुलिस अधीक्षक सिटी दक्षिणी श्रीनगर, श्री मुशिम अहमद-जेकेपीएस तत्कालीन पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्रीनगर, श्री इम्तियाज अहमद मीर-जेकेपीएस उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर, इंस्पेक्टर मोहम्मद इरफान मलिक, इंस्पेक्टर जावेद अहमद याटू, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर फैयाज अहमद लोन, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर आजाद अहमद नाइकू, हेड कांस्टेबल तारिक अहमद और कांस्टेबल अब्दुल राशिद लोन ने रेंगने के बाद अपनी व्यक्तिगत जीवन की परवाह किए बिना कारगर तरीके से गोलीबारी का जवाब दिया। इसके परिणामस्वरूप, शीर्ष लश्कर-ए-तैयबा कमांडर अली भाई, निवासी-पाकिस्तान और हाजिन बांदीपोरा के दो स्थानीय आतंकवादी मारे गए। बाद में, मारे गए इन आतंकवादियों की पहचान लश्कर-ए-तैयबा संगठन के अली भाई, निवासी-पाकिस्तान, मुदासिर पारे पुत्र अब्दुल राशिद, निवासी-पारे मोहल्ला हाजिन बांदीपोरा और साकिब बिलाल शेख पुत्र बिलाल अहमद, निवासी-पारे मोहल्ला हाजिन बांदीपोरा के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद बरामद हुआ। इस संबंध में, पारिम्पोरा पुलिस स्टेशन श्रीनगर में आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 417/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक, जावेद अहमद याटू, इंस्पेक्टर, मोहम्मद इरफान मलिक, इंस्पेक्टर और तारिक अहमद राथर, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 08/12/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/183/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 112-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	विधि कुमार बिरदी, आईपीएस	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	जी. वी. संदीप चक्रवर्ती, आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	शाहजहां चौधरी	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	मोहम्मद रफी मलिक	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16/17.10.2018 को, हिजबुल मुजाहिद्दीन आतंकवादी नामश: मेहराज-उद-दीन बांगरू उर्फ आसिफ उर्फ पिया गुरू की उसके साथियों के साथ मौजूदगी होने के संबंध में एक पुख्ता सूचना के आधार पर, सैय्यद अली अकबर फतह कादल, श्रीनगर में एक घेराबंदी डाली गई। खूंखार हिजबुल मुजाहिद्दीन आतंकवादी अपने साथियों के साथ रईस हबीब हंगा (हिजबुल मुजाहिद्दीन संगठन का खूंखार ओजीडब्ल्यू) निवासी-सैय्यद अली अकबर फतेह कदल, श्रीनगर के घर में छिपा हुआ था, जो कि श्रीनगर शहर में आतंकवादी हमले को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इस सूचना को तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों के साथ साझा किया गया और अधिकारियों की टीम तुरंत घेराबंदी के क्षेत्र में पहुंच गई। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, आतंकवादियों की पहचान करने और उनका खात्मा करने के लिए श्री विधि कुमार बिरदी- आईपीएस, उप महानिरीक्षक सीकेआर श्रीनगर की कमान के तहत एक टीम गठित की गई, जिसमें श्री इम्तियाज इस्माइल- आईपीएस तत्कालीन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीनगर, डॉ. जी. वी. संदीप चक्रवर्ती-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक साउथ सिटी श्रीनगर और श्री ताहेर अशरफ-जेकेपीएस, पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर तथा पुलिस कंपोनेंट श्रीनगर के पर्याप्त पुलिस कार्मिक शामिल थे।

संपूर्ण मानवशक्ति को तीन दलों में बांटा गया, पहले दल में दक्षिणी जोन श्रीनगर का पुलिस दल शामिल था, जिसका नेतृत्व डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती-आईपीएस, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्रीनगर कर रहे थे तथा इसमें उप पुलिस अधीक्षक इमरान मलिक- जेकेपीएस, सहायक उप निरीक्षक मोहम्मद रफी मलिक, हेड कांस्टेबल लखबीर सिंह, हेड कांस्टेबल तारिक अहमद, हेड कांस्टेबल मंजूर हुसैन, एसजी कांस्टेबल मुखितार अहमद, कांस्टेबल इरफान यासीन, कांस्टेबल आजाद अहमद, कांस्टेबल वसीम मोहि-उद-दीन तथा सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी और सीआरपीएफ की नार्थ रेंज क्यूएटी शामिल थी। इस दल को लक्षित क्षेत्र की बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया था। दूसरे दल में उत्तरी पुलिस सिटी श्रीनगर तथा पुलिस कंपोनेंट श्रीनगर की एक टीम शामिल थी तथा इसमें उप पुलिस अधीक्षक इम्तियाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक शाहजहां चौधरी जेकेपीएस, उप निरीक्षक मीर काजम, सहायक उप निरीक्षक नरेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल तेजिंदर सिंह, एसजी कांस्टेबल कमल किशोर, एसजी कांस्टेबल सजाद अहमद, एसजी कांस्टेबल रमनीक सिंह, एसजी कांस्टेबल रवीन्द्र सिंह और कांस्टेबल अंग्रेज सिंह शामिल थे। इस दल को उस मोहल्ले की घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, जिसमें लक्षित घर स्थित था। तीसरे दल में पीसी श्रीनगर से मानवशक्ति शामिल थी तथा इसमें उप पुलिस अधीक्षक शाहजहां चौधरी- जेकेपीएस, पीसी श्रीनगर और पुलिस अधीक्षक सिटी दक्षिणी श्रीनगर की पुलिस पार्टी शामिल थी तथा इस दल को यह कार्य सौंपा गया कि वह उस लक्षित घर के चारों ओर भीतरी घेराबंदी डाले, जिसमें आतंकवादी छुपे हुए थे तथा यदि जरूरत पड़े, तो उप महानिरीक्षक सीकेआर श्रीनगर की कमान के तहत अन्य सुरक्षा बलों के साथ पूर्ण समन्वय से इंटरवेंशन की कार्रवाई करे। सभी दलों ने खुद को उपर्युक्त योजना के अनुसार पोजीशन कर लिया। सटे हुए घरों से निवासियों को बाहर निकालने के लिए पुलिस कंपोनेंट श्रीनगर की छोटी टीम गठित की गई। टीम ने बड़ी चतुराई और वीरता से सटे हुए घरों से निवासियों को बाहर निकाला और किसी भी समानांतर क्षति से बचने के लिए उन्हें एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। पहले खूंखार ओजीडब्ल्यू सहित दोनों छुपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने चिल्लाकर आत्मसमर्पण करने से मना कर दिया और लड़ाई के अपने इरादे दर्शाए। आतंकवादियों ने ऑपरेशन दलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। घर पर इंटरवेंशन की कार्रवाई करने की योजना बनाई गई। इंटरवेंशन दल ने, सभी सावधानियां बरतते हुए इंटरवेंशन की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू कर दी। तथापि, जैसे ही इंटरवेंशन दल लक्षित घर के पास पहुंचा, छिपे हुए आतंकवादियों, जिन्होने लक्षित घर की परछत्ती/शीर्ष मंजिल पर पोजिशन ली हुई थी, द्वारा पुलिस दल पर भारी गोलीबारी की गई।

छिपे हुए आतंकवादियों ने आगे बढ़ते हुए दल पर ग्रेनेड फेंके और गोलीबारी की। आतंकवादियों और सुरक्षा/पुलिस दलों के बीच एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी में पीसी श्रीनगर के एक पुलिस कार्मिक एसजी कांस्टेबल कमल किशोर गोलीबारी का जवाब देते हुए गंभीर रूप से घायल हो गए और वे घटना स्थल पर ही शहीद हो गए। गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद, उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ वीरतापूर्वक लड़ाई जारी रखी। उनके असाधारण प्रयासों के चलते, छिपे हुए आतंकवादियों को एक स्थान पर रोका जा सका, जिससे अंतत: उनका खात्मा

संभव हुआ। बाद में, इंटरवेंशन दल को लक्षित घर के पीछे की ओर से घर की तरफ आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया और उप महानिरीक्षक सीकेआर श्रीनगर, जो कि भीतरी घेराबंदी दल के प्रभारी थे, ने दो छोटे दल गठित किए, जिसमें एक दल में श्री ताहिर अशरफ जेकेपीएस पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक इम्तियाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक शाहजहां चौधरी, उप निरीक्षक मीर काजम, सहायक उप निरीक्षक नरेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल तेजिंदर सिंह, एसजी कांस्टेबल सजाद अहमद, एसजी कांस्टेबल रमनीक सिंह, एसजी कांस्टेबल रवीन्द्र सिंह और कांस्टेबल अंग्रेज सिंह शामिल थे तथा दूसरे दल में डॉ. जी.वी. संदीप चक्रवर्ती, पुलिस अधीक्षक दक्षिणी श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक इमरान मलिक, सहायक उप निरीक्षक इमरान मलिक, हेड कांस्टेबल लखबीर सिंह, हेड कांस्टेबल तारिक अहमद, हेड कांस्टेबल मनर हुसैन, एसजी कांस्टेबल मुख्तार अहमद, कांस्टेबल इरफान यासीन, कांस्टेबल आजाद अहमद, कांस्टेबल वसीम मोहि-उद-दीन तथा सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी/सीआरपीएफ की नार्थ रेंज क्यूएटी और उत्तरी जोन, श्रीनगर के पुलिस प्रतिनिधि शामिल थे। दलों द्वारा घर के पीछे और सामने की तरफ से भीतर घुसने का निर्णय लिया गया। जैसे ही दूसरे दल ने पीछे की तरफ से घर के भीतर घुसने का प्रयास किया, छिपे हुए आतंकवादियों ने एक खिड़की से ग्रेनेड फेंके, परन्तु इससे कोई नुकसान नहीं हुआ, क्योंकि पास आता हुआ दल चतुराई से आगे बढ़ रहा था। आतंकवादी ने दूसरे तल के मुख्य द्वार को खोल दिया और घेराबंदी को तोड़ने तथा स्थल से भागने के प्रयास में अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। एक-दूसरे पर भारी गोलीबारी के दौरान ही पीसी श्रीनगर का एक पुलिस कार्मिक कांस्टेबल अंग्रेज सिंह घायल हो गया। इसी बीच, उप महानिरीक्षक सीकेआर श्रीनगर, श्री ताहिर अशरफ, पुलिस अधीक्षक (पीसी) श्रीनगर, उप पुलिस अधीक्षक इम्तियाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक शाहजहां चौधरी, उप निरीक्षक मीर काजम, सहायक उप निरीक्षक नरेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल तेजिंदर सिंह, एसजी कांस्टेबल सजाद अहमद, एसजी कांस्टेबल रमनीक सिंह और एसजी कांस्टेबल रवीन्द्र सिंह रेंगते हुए लक्षित घर के पास पहुंच गए। छिपे हुए आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने का प्रयास किया तथा दलों पर भारी गोलीबारी की, जिसका दल द्वारा अपनी जान और व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना कारगर तरीके से जवाब दिया गया। गोलीबारी की इस लड़ाई में एक आतंकवादी का खात्मा हो गया और एक अन्य आतंकवादी, जो भागने के लिए उक्त लक्षित घर के ऊपरी तल में छिप गया था, उसने घेराबंदी को तोड़ने के लिए पीछे की तरफ की खिड़की से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, परंतु दूसरे दल और सीआरपीएफ की वैली क्यूएटी एवं सीआरपीएफ की नार्थ रेंज क्यूएटी, जिन्होंने पहले से ही पीछे की तरफ से घर के पास पोजीशन ली हुई थी, ने वीरता से गोलीबारी का जवाब दिया तथा एक-दूसरे पर इस गोलीबारी में दूसरा आतंकवादी भी मारा गया। लक्षित घर की अच्छी तरह तलाशी के बाद एक साथी और खूंखार ओजीडब्ल्यू का शव बरामद हुआ। बाद में, मारे गए आतंकवादियों की पहचान महराज-उद-दीन बांगरू, निवासी-नरपारिस्तान, फतह कादल, श्रीनगर, हिजबुल मुजाहिद्दीन/लश्कर-ए-तैयबा "ए-श्रेणी", फहद वाजा उर्फ उसामा पुत्र मुश्ताक अहमद वाजा, निवासी-अकीनमीर खनयार, श्रीनगर लश्कर-ए-तैयबा "सी-श्रेणी" तथा रईस हबीब हंगा पुत्र हबीबुल्ला हंगा, निवासी-सैय्यद अली अकबर, फतह कदल, श्रीनगर (हिजबुल मुजाहिद्दीन संगठन का खूंखार ओजीडब्ल्यू) के रूप में हुई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोलाबारूद तथा अन्य युद्ध की वस्तुएं बरामद हुई। इस संबंध में, एमआर गुंज, पुलिस स्टेशन श्रीनगर में आरपीसी की धारा 307 और आईए अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर संख्या 66/2018 दर्ज है।

इस बात का उल्लेख करने की जरूरत नहीं कि, खूंखार आतंकवादी कमांडर मेहराज-उद-दीन बांगरू उर्फ आसिफ उर्फ पिया गुरू श्रीनगर शहर और इससे सटे हुए इलाकों में सक्रिय था। मृतक घाटी में विशेष रूप से सेंट्रल कश्मीर रेंज/दक्षिणी कश्मीर रेंज में सुरक्षा बलों/पुलिस पर तथा साथ ही मासूम नागरिकों पर कुछ सनसनीखेज हमलों को अंजाम देने की वजह से पुलिस और सुरक्षा बलों द्वारा सर्वाधिक वांछित था। इसके अलावा, वर्ष 2017 में मारे गए उक्त आतंकवादी ने अपने साथियों के साथ उप निरीक्षक फिरोज अहमद तत्कालीन एसएचओ पुलिस स्टेशन-अछाबल और उनके एस्कोर्ट दल पर हमले को अंजाम दिया था। इस घटना में, पुलिस स्टेशन-अछाबल के पुलिस कार्मिक (05) मौके पर ही मारे गए थे और उन्होंने उनके हथियार छीन लिए गये थे। उक्त आतंकवादी राज्य की अखंडता और एकता के लिए गंभीर खतरा थे, क्योंकि उन्होंने राष्ट्र/राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ रखा था। अपने साथी के साथ मारे गए आतंकवादी कमांडर का मारा जाना आतंकवादी कॉडरों, विशेष रूप से हिजबुल मुजाहिद्दीन और लश्कर-ए-तैयबा संगठनों के लिए गहरा धक्का था तथा दूसरी ओर सेंट्रल कश्मीर रेंज/दक्षिणी कश्मीर रेंज में तथा विशेष रूप से श्रीनगर जिले में सुरक्षा बलों/नागरिकों के लिए अत्यंत राहत की बात थी।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री विधि कुमार बिरदी, आईपीएस, उप महानिरीक्षक, जी. वी. संदीप चक्रवर्ती, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक, शाहजहां चौधरी, उप पुलिस अधीक्षक और मोहम्मद रफी मलिक, सहायक उपनिरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/10/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/186/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 113-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मोहम्मद सुलेमान चौधरी, आईपीएस	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	रेयाज अहमद बाबा	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 22.03.2019 को लगभग 09:10 बजे, गांव आफताब-मोहल्ला वारपोरा सोपोर में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के संबंध में एक विशेष सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सोपोर पुलिस, 22-आरआर और सीआरपीएफ द्वारा क्षेत्र में एक संयुक्त घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। समग्र ऑपरेशन को श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी-आईपीएस उप महानिरीक्षक, उत्तरी कश्मीर रेंज बारामुला की कमान और नियंत्रण के तहत शुरू किया गया। पहले से ही ऐसी पुख्ता सूचना थी कि, आतंकवादी एक आवासीय घर छिपे हुए थे और उनके पास परिष्कृत हथियार है। संयुक्त बलों द्वारा लक्षित घर पर हमला करने से पहले, ऑपरेशन के कार्यान्वयन के लिए उप महानिरीक्षक (पी), एनकेआर बारामुला की कमान में एक संयुक्त योजना बनाई गई थी। चूंकि, यह सुबह का समय था, सभी नागरिक अपने आवासीय घरों में बैठे हुए थे और इस तरह की प्रतिकूल परिस्थिति में यदि सर्च ऑपरेशन उसी समय चलाया गया होता, तो आम नागरिकों के हताहत होने की पूरी आशंका थी। अत:, यह सुनिश्चित करने के लिए कि, ऑपरेशन में कोई चूक न हो और किसी भी नागरिक के हताहत हुए बिना पूरा हो, सुरक्षा बल के समकक्षों के साथ समन्वय स्थापित करके नागरिकों को बाहर निकालने के लिए पहली और सर्वाधिक प्राथमिकता दी गई।

इस प्रकार, फंसे हुए नागरिकों को बाहर निकालने के लिए उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामुला के नेतृत्व में पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम गठित की गई और सेना/पुलिस/सीआरपीएफ की दूसरी टीम को कवर गोलीबारी प्रदान करने के लिए बैकअप टीम के रूप में रखा गया। तत्पश्चात, उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामुला के नेतृत्व वाली पहली संयुक्त टीम ने अपनी जान को भारी जोखिम में डाला, क्योंकि फंसे हुए सभी नागरिकों को सुरक्षित निकालना ऑपरेशनल दलों के लिए एक दुष्कर कार्य था, परंतु श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी-आईपीएस के नेतृत्व वाला पुलिस दल लक्षित घर के अत्यंत नजदीक पहुंच गया और इस दल ने बाहरी घेराबंदी दल के साथ अत्यंत समन्वय बनाए रखते हुए, फंसे हुए सभी निवासियों को सफलतापूर्वक बाहर निकाल लिया। इस दौरान आतंकवादी बाहर निकालने की प्रक्रिया को रोकने और नागरिकों को बंधक बनाने के इरादे से रूक-रूक कर गोलीबारी करते रहे तथा कुछ गोलियां अधिकारी के अत्यंत निकट भी लगीं, लेकिन अधिकारी ने अपना मनोबल नहीं खोया और फंसे हुए सभी नागरिकों को सफलतापूर्वक निकाल लिया। एक बार सिविलियन ऑपरेशन पूरा हो जाने के बाद, घेराबंदी को और अधिक सख्त बनाया गया तथा सर्च ऑपरेशन को तेज किया गया, जिससे छिपे हुए आतंकवादियों के लिए भागने की कोई संभावना न बचे। इस प्रक्रिया के दौरान, छिपे हुए आतंकवादियों ने सर्च पार्टी पर अंधाधुध गोलीबारी की। चूंकि, आतंकवादी दो मंजिला कंक्रीट के घर में छिपे हुए थे और वे चतुराईपूर्वक घर के भीतर अपनी पोजीशन को बदलते जा रहे थे और उन्होंने सुरक्षा बलों को लम्बे समय के लिए उलझा दिया था तथा इसके अलावा, लक्षित घर भीड़-भाड वाली जगह स्थित था, इसलिए सुरक्षा बल आसानी से लक्षित घर तक नहीं पहुंच सके। श्री सुलेमान चौधरी-आईपीएस उप महानिरीक्षक (पी), एनकेआर की कमान एवं नियंत्रण के तहत संयुक्त बलों ने अत्यंत मेलजोल और पेशेवर तरीके से कार्रवाई की तथा यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी आम नागरिक को लक्षित स्थल की ओर न जाने दिया जाए, ताकि ऑपरेशन की प्रक्रिया में बाधा न पड़े तथा नागरिकों की जान और संपत्ति की रक्षा की जा सके।

अंतत:, उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामुला के नेतृत्व में पहली संयुक्त टीम, जिसमें एसजी कांस्टेबल विक्रान्त सिंह, एसजी कांस्टेबल रियाज अहमद बाबा, कांस्टेबल परवेज अहमद, कांस्टेबल हिलाल अहमद, कांस्टेबल शमीम अहमद, एसपीओ मोहम्मद अशरफ, एसपीओ सजाद अहमद, एसपीओ शाबिर अहमद, एसपीओ इम्तियाज अहमद शामिल थे, अंतिम और निर्णायक हमले के लिए लक्षित घर की ओर बढ़ने के लिए स्वेच्छा से आगे आई और श्री राजा माजिद जेकेपीएस के नेतृत्व वाली दूसरी टीम, जिसमें निरीक्षक सैय्यद मुदासिर जावेद गिलानी, एसजी कांस्टेबल आशिक हुसैन, एसजी कांस्टेबल मोहम्मद युनुस, कांस्टेबल सजाद अहमद, कांस्टेबल मोहम्मद युनुस, कांस्टेबल अख्तर अकबर, कांस्टेबल इरशाद अहमद, कांस्टेबल इरफान अहमद, एसपीओ परवेज अहमद, एसपीओ गुलाम अहमद, एसपीओ गुलाम मोहि-उद-दीन सहित सीआरपीएफ और पुलिस कार्मिक शामिल थे, को कवर गोलीबारी प्रदान करने तथा पहली टीम के लक्षित घर की तरफ आगे बढ़ने तक आतंकवादियों को उलझाये रखने के लिए पहली टीम के बैकअप के रूप में रखा गया। तदनुसार, उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामुला के नेतृत्व वाली पहली एडवांस टीम ने दूसरे दल की बैकअप गोलीबारी का सहारा लेकर रेंगने की रणनीति से आगे बढ़ना शुरू कर दिया और जैसे ही एडवांस टीम लक्षित घर तक पहुंचने ही वाली थी, कि सुरक्षा बलों के लक्षित घर तक पहुंच जाने को भांपकर आतंकवादी अचानक से गोलियों की बौछार करते हुए सामने के मुख्य द्वार से घर के बाहर कूद गए और उन्होंने पास की गोशाला में शरण लेने का प्रयास किया, परंतु एडवांस टीम विशेष रूप से उप महानिरीक्षक एनकेआर बारामुला और एसजी कांस्टेबल रियाज अहमद बाबा एक चट्टान की तरह अड़िग रहे तथा उन्होंने कारगर तरीके से गोलीबारी का जवाब दिया और इसके बाद हुई आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में प्रतिबंधित जेईएम आतंकवादी संगठन के

दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में ताहिर अहमद वार उर्फ मौलवी, पुत्र अब्दुल मलिक वार, निवासी-उस्मानाबाद, वारपोरा, सोपोर तथा छोटा अजहर उर्फ रमजान, निवासी-पाकिस्तान के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में युद्ध की वस्तुएं बरामद हुईं। इस घटना के लिए, सोपोर-पुलिस स्टेशन में आरपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत एक मामलागत एफआईआर सं. 72/2019 दर्ज है और जांच शुरू की गई है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मोहम्मद सुलेमान चौधरी, आईपीएस, उप महानिरीक्षक और रेयाज अहमद बाबा, एसजी कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/19/2020 -पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 114-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	संदीप, आईपीएस	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	फिरदौस अहमद गनी	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	रेयाज अहमद खान	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.11.2018 को, फारूख अहमद गनई पुत्र श्री अब्दुल अहमद गनई, निवासी ग्राम नदिगम, शोपियां के एक रिहायशी घर में बनाए गए छिपने के ठिकाने में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना मिलने पर, घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (कासो) शुरू किया गया। उक्त गांव घने बागानों से घिरा हुआ था और आतंकवाद की दृष्टि से अत्यधिक सुभेद्य था तथा आतंकवादियों द्वारा पैदा की गई भय की भावना के कारण मौजूदा स्थिति में पुलिस/सुरक्षा बलों के लिए ऐसे क्षेत्र में ऑपरेशन चलाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। सेना की 34 आरआर/23 पैरा और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ के अधिकारियों के साथ गहन विचार-विमर्श के बाद, नदिगम गांव में हिजबुल मुजाहिदीन (एचएम) संगठन के आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट जानकारी जुटाने के उपरांत, उक्त गांव में एक त्वरित घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (कासो) शुरू करने का निर्णय लिया गया। तद्नुसार, 34 आरआर/23 पैरा और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से शोपियां पुलिस द्वारा उक्त गांव में एक संयुक्त-घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया और तलाशी करने का कार्य आरंभ किया गया। ऑपरेशन को सफल बनाने के उद्देश्य से, ऑपरेशनल कमांडर श्री संदीप, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां के पर्यवेक्षण के अधीन पुलिस/सुरक्षा बलों की दो टीमों का गठन किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व वाली पहली पार्टी, जिसमें शोपियां पुलिस तथा 34 आरआर/23 पैरा और 14वीं बटालियन सीआरपीएफ का छोटे त्वरित कार्रवाई दल शामिल थे, ने लक्षित क्षेत्र का आंतरिक घेरा डाला और श्री तुसीफ अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) इमामसाहिब के सहयोग से अपर पुलिस अधीक्षक, शोपियां के नेतृत्व वाली दूसरी पुलिस पार्टी और 34 आरआर/23 पैरा तथा 14वीं बटालियन सीआरपीएफ के त्वरित कार्रवाई दलों को लक्षित क्षेत्र का बाहरी घेरा डालने का कार्य सौंपा गया।

जैसे ही वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां के नेतृत्व वाली पार्टियों द्वारा तलाशी का कार्य शुरू किया गया, वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने और घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से अपने अवैध स्वचालित हथियारों से सैन्य दस्तों पर विभिन्न दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप सेना के निम्नलिखित 05 जवान नामत: (1) 23 पैरा के लांस हवलदार विजय कुमार नं. 13624481एन, (2) लांस नायक सोमबीर नं. 16022429एक्स, (3) हवलदार भूपेन्द्र सिंह नं. 160118442एन और (4) 34 आरआर के हवलदार एम.एस. अंसारी नं. 14441066पी तथा (5) सिपाही शैलेंद्र सिंह नं. 15232352एफ घायल हो गए। घायल जवानों को उपचार हेतु तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें से 23 पैरा के लांस हवलदार विजय कुमार नं. 13624481एन नामक

01 सैन्य कर्मी ने घायल होने के कारण दम तोड़ दिया। तलाशी दलों ने भी आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिससे आतंकवादियों और पुलिस/सुरक्षा बलों के बीच भीषण बंदूक की लड़ाई शुरू हो गई। तलाशी दल ने तत्काल कवर ले लिया और रणनीति तथा सटीकता के साथ जवाबी कार्रवाई की, जिसके कारण आतंकवादियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र से बचकर निकलने का कोई मौका नहीं मिला। किसी भी आम नागरिक को हताहत होने से बचाने के लिए, ऑपरेशनल कमांडर (वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां) ने पार्टियों को घेराबंदी वाले क्षेत्र में फंसे हुए लोगों को बाहर निकालने के लिए कहा। जब उन्हें बाहर निकाला जा रहा था, तब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां के नेतृत्व वाला हमला समूह, एसजी कांस्टेबल फिरदौस अहमद गनई 1117/ए, कांस्टेबल रेयाज अहमद खान नं. 582/आईआरपी 12वीं बटालियन, कांस्टेबल जाविद अहमद ईएक्सके098175 और अन्य जवान भीषण गोलीबारी की चपेट में आ गए। इसी बीच, घेराबंदी को तोड़ने के इरादे से एक हिंसक भीड़ ने घेराबंदी में शामिल सैन्य दस्तों पर पत्थर फेंकना शुरू कर दिया। आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने ऑपरेशनल पार्टियों पर भारी मात्रा में गोलीबारी करना जारी रखा। सैन्य दस्तों ने कवर लेते हुए सामने से प्रभावी रूप से जवाबी गोलीबारी की। इसके फलस्वरूप वहां पर घंटों तक चली मुठभेड़ के दौरान हिज़बुल मुजाहिदीन संगठन के चार (04) दुर्दान्त आतंकवादियों का सफाया हो गया, जिनकी पहचान बाद में आबिद नाजिर चोपन पुत्र नाजिर अहमद चोपन, निवासी पद्दरपोरा शोपियां (श्रेणी-ग), मेहराज अहमद नज़र पुत्र अब्दुल अहद नजर, निवासी द्रावनी जैनपोरा (श्रेणी-ग), मलिक जादा इनाम-उल-हक पुत्र मुबारक अहमद मलिक, निवासी मंतुजन शोपियां (श्रेणी-ग) और बशारत अहमद नेंगरू पुत्र अब्दुल राशिद नेंगरू, निवासी चोटीगाम शोपियां (श्रेणी-ग) के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादी, आतंकवाद से संबंधित विभिन्न अपराधों में संलिप्त थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार/गोला-बारूद और अन्य वस्तुएं बरामद की गईं। इस संबंध में आरपीसी की धारा 302, 307, 353 एवं 212 तथा भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और यूएलए (पी) अधिनियम की धारा 16 के तहत पुलिस स्टेशन शोपियां में एक मामलागत एफआईआर सं. 363/2018 दर्ज है। मौजूदा ऑपरेशन में, सिफारिश किए गए कार्मिकों ने सूचना जुटाने तथा ऑपरेशन को अंजाम देने में निर्णायक भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप हिज़बुल मुजाहिदीन संगठन के चार (04) दुर्दान्त आतंकवादियों का सफाया हो गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री संदीप, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, फिरदौस अहमद गनी, एसजी कांस्टेबल और रेयाज अहमद खान, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/11/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/22/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 115-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	अरविंद कुमार बड़गाल	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	जावेद अहमद मीर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23.03.2018 को, अनंतनाग पुलिस को गांव शिस्तरगाम, दूरू में आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। विश्वसनीय रूप से यह पता चला कि यह समूह इलाके में किसी विध्वंसात्मक कार्रवाई को अंजाम देने के लिए आया हुआ है।

सूचना प्राप्त होते ही तत्काल, एसओजी अनंतनाग द्वारा 19 आरआर तथा 164वीं बटालियन सीआरपीएफ के साथ एक संयुक्त रणनीति बनाई गई। तदनुसार, एसओजी मुख्यालय अनंतनाग ने 19 आरआर तथा 164वीं बटालियन सीआरपीएफ के सैन्य दस्ते की सक्रिय सहायता से एसएसपी अनंतनाग की कमान में एक विद्रोह-रोधी ऑपरेशन शुरू किया गया, जिसमें एएसपी मुख्यालय अनंतनाग और जिला अनंतनाग के पुलिस अधिकारी/कार्मिक नामत: श्री अरविंद कुमार बड़गाल जेकेपीएस -135820, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) दूरू, श्री तनवीर अहमद जेकेपीएस-085555, सहायक उपनिरीक्षक मोहम्मद अयाज नं. 25/आईआर 12वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल इश्फाक अहमद नं. 1616/ए, एसजी कांस्टेबल जाविद अहमद मीर नं. 1288/ए, एसजी कांस्टेबल अब्दुल राशिद 621/एपी 7वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल प्रेम

नाथ 223/केटीआर, कांस्टेबल रज़ा मुराद 1706/ए, कांस्टेबल प्रदीप चंद नं. 472/एपी चौथी बटालियन, कांस्टेबल केवल कृष्ण 405/आईआरपी 10वीं बटालियन, कांस्टेबल सनी कुमार 544/आईआर 10वीं बटालियन, एसपीओ फारूक अहमद नं. 423/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद सलीम नं. 499/एसपीओ, एसपीओ शाबिर अहमद नं. 603/एसपीओ, एसपीओ मोहम्मद अकबर नं. 809/एसपीओ, एसपीओ शिराज अहमद नं. 760/एसपीओ, एसपीओ जाविद अहमद नं. 710/एसपीओ, एसपीओ मुनीर अहमद नं. 19/एसपीओ-एपी 9वीं बटालियन और एसपीओ शराफत हुसैन नं. 82/एसपीओ शामिल थे।

शीघ्र ही पूरे गांव के चारों ओर अत्यंत गहन घेरा डाल दिया गया और छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया और इसके बजाय उन्होंने घेराबंदी को तोड़ने और बचकर निकलने के लिए वहां पर तैनात सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी की। ऑपरेशनल पार्टी ने गोलीबारी का जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप दो विदेशी आतंकवादियों का सफाया हो गया, जिनकी पहचान बाद में कारी वसीम और सैयद अहमद के रूप में की गई।

मुठभेड़ स्थल से, भारी मात्रा में युद्ध में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों जैसी वस्तुएं बरामद की गईं। इस घटना के संबंध में, आरपीसी की धारा 307, भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और यूएलए (पी) अधिनियम की धारा 16, 18 एवं 20 के तहत पुलिस स्टेशन दूरू में एक मामलागत एफआईआर सं. 24/2018 दर्ज है और जांच शुरू की गई है। सूचना जुटाने तथा ऑपरेशन को अंजाम देने में श्री अरविंद कुमार बड़गाल जेकेपीएस-135820, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) दूरू (अब उप पुलिस अधीक्षक पीसी बनिहाल) और एसजी कांस्टेबल जाविद अहमद मीर नं. 1288/ए (ईएक्सके-135623), ईएसयू अनंतनाग की भूमिका निर्णायक रही, जिसके परिणामस्वरूप 02 आतंकवादियों का सफाया हो गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अरविंद कुमार बड़गाल, उप पुलिस अधीक्षक और जावेद अहमद मीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/23/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 116-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मशकूर अहमद	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	यूसुफ उल उमर	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	फेरोज अहमद लोन	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12.12.2018 को लगभग 20:00 बजे, गांव गुंड मोहल्ला, ब्राथ सोपोर में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय खुफिया सूचना प्राप्त हुई और सोपोर पुलिस तथा 22 आरआर एवं 179 बटालियन सीआरपीएफ, 177 बटालियन सीआरपीएफ और 92 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया। तलाशी ऑपरेशन के दौरान, आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हो गया, जो एक रिहायशी घर में छिपे हुए थे, परन्तु सुरक्षा बल उन छिपे हुए आतंकवादियों पर तत्काल हमला नहीं कर सके, क्योंकि अधिकांश आम नागरिक अपने घरों में फंसे हुए थे। इसलिए, आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने के लिए, एसएसपी सोपोर द्वारा सेना और सीआरपीएफ के समकक्ष अधिकारियों के साथ परामर्श करके संयुक्त रूप से निर्णय लेकर ऑपरेशन को रोक दिया गया। तत्पश्चात्, पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की दो संयुक्त टीमें बनाईं गईं। पहली पार्टी में, श्री मशकूर अहमद जेकेपीएस- 085572, एसडीपीओ सोपोर के नेतृत्व में उप निरीक्षक यूसुफ-उल-उमर 29/एडब्ल्यूपी, हेड कांस्टेबल फेरोज अहमद लोन 192/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल विलाल अहमद

435/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल मंजूर अहमद 292/एसपीआर, कांस्टेबल मेहराज-उद्-दीन 769/एसपीआर, कांस्टेबल अब्दुल मजीद 659/एसपीआर, एसपीओ वाहिद हुसैन 109/एसपीओ, एसपीओ इश्फाक मजीद 166/एसपीओ, एसपीओ मुश्ताक अहमद 280/एसपीओ, एसपीओ जावेद अहमद 357/एसपीओ और एसपीओ तौसीफ अहमद 282/एसपीओ (एडवांस पार्टी के रूप में) शामिल थे। उप निरीक्षक बिलाल अहमद खांडे, ईएक्सके- 115634 के नेतृत्व में दूसरी पार्टी का गठन किया गया, जिसमें हेड कांस्टेबल मोहम्मद हफीज 170/आईआरपी 13वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल मोहम्मद रफीक 347/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल शाबिर अहमद 772/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल शाबिर हुसैन 714/एसपीआर, कांस्टेबल आकाश मोहम्मद 865/एसपीआर, कांस्टेबल गुलाम नबी 654/एसपीआर, एसपीओ मोहम्मद शफी 379/एसपीओ, एसपीओ रमीज अकबर 41/एसपीओ, एसपीओ अल्ताफ हुसैन 433/एसपीओ और मोहब्बत हुसैन 252/एसपीओ (बैक-अप पार्टी के रूप में) शामिल थे। इन टीमों को लक्षित घर तथा उसके आस-पास के रिहायशी घरों में फंसे हुए सभी आम नागरिकों को बाहर निकालने का कार्य सौंपा गया। तदनुसार, एसडीपीओ सोपोर के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकालने का अथक प्रयास किया।

आम नागरिकों को बाहर निकालने का कार्य पूरा हो जाने के पश्चात्, सुरक्षा बलों और पुलिस ने प्रवेश एवं निकास के सभी स्थलों को पुन: सील/सख्त करते हुए लक्षित घर के चारों तरफ सुरक्षित/रक्षात्मक पोजीशन ले ली। सुबह होते ही, श्री मशकूर अहमद- एसडीपीओ सोपोर के नेतृत्व वाली संयुक्त पार्टी ने उस विशेष रिहायशी घर की तरफ बढ़ना शुरू कर दिया, जहां आतंकवादी उस घर की दूसरी मंजिल में छिपे हुए थे। छिपे हुए आतंकवादियों को जैसे ही यह भनक लगी कि सुरक्षा बल उनकी ओर बढ़ रहे हैं, उन्होंने तलाशी/एडवांस पार्टी पर उसी वक्त अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसका सुरक्षा बलों ने भी जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप एक मुठभेड़ शुरू हो गई। दूसरी संयुक्त पार्टी की कवर फायरिंग की आड़ में एसडीपीओ सोपोर के नेतृत्व वाली संयुक्त एडवांस पार्टी अत्यधिक फुर्ती और वीरता के साथ लक्षित घर की ओर बढ़ने लगी और जब वे लक्षित घर के समीप पहुंचने वाले थे, तभी छिपे हुए आतंकवादी घर से बाहर निकल आए और घर की सीढ़ियों से नीचे उतरते समय उन्होंने एडवांस पार्टी पर गोलीबारी शुरू कर दी, परन्तु एडवांस पार्टी, विशेषकर श्री मशकूर अहमद जेकेपीएस, एसडीपीओ सोपोर, उप निरीक्षक यूसुफ-उल-उमर और हेड कांस्टेबल फेरोज अहमद लोन ने फायरिंग का प्रभावी रूप से जवाब दिया और वहां पर हुई आमने-सामने की भीषण बंदूक की लड़ाई में एक आतंकवादी मारा गया, जबकि दूसरा आतंकवादी शरण लेने के लिए तत्काल पास की गौशाला की ओर भागा, परन्तु गौशाला में पहुंचने से पहले ही पुलिस घटक सोपोर के उप निरीक्षक यूसुफ-उल-उमर ने उच्च कोटि की पेशेवरता और दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए उस आतंकवादी पर प्रभावी रूप से गोली चला दी और उसे घटनास्थल पर ही मार गिराया। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में ओवैश अहमद भट ऊर्फ अबू-बकर, पुत्र गुलाम अहमद भट, निवासी गुंड मोहल्ला, ब्राथ सोपोर तथा ताहिर अहमद डार ऊर्फ अबू-अब्दुल्ला ऊर्फ ताया, पुत्र मोहम्मद रमजान डार, निवासी सैदपुरा, सोपोर के रूप में की गई। ये दोनों आतंकवादी प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े हुए थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में युद्ध में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों जैसी वस्तुएं बरामद की गईं। इस संबंध में, आरपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलिस स्टेशन सोपोर में एक मामलागत एफआईआर सं.335/2018 दर्ज है। ऑपरेशन के दौरान, श्री मशकूर अहमद जेकेपीएस, एसडीपीओ सोपोर, उप निरीक्षक यूसुफ-उल-उमर और हेड कांस्टेबल फेरोज अहमद लोन ने उच्च कोटि की पेशेवरता, दृढ़ता और बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया और वहां पर हुई आमने-सामने की भीषण बंदूक की लड़ाई में उपर्युक्त आतंकवादियों को मार गिराया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मशकूर अहमद, उप पुलिस अधीक्षक, यूसुफ-उल-उमर, उप निरीक्षक और फेरोज अहमद लोन, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/12/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/25/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 117-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	ताहिर सलीम खान	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	जहूर अहमद वानी	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	शब्बीर अहमद डार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 10.03.2019 को, मोहम्मद अमीन शाह, पुत्र अमा शाह, निवासी पिंगलिश त्राल के घर में दो आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई और 42 आरआर तथा 180 बटालियन सीआरपीएफ की सहायता से उक्त घर के चारों ओर घेरा डाल दिया गया। तत्काल ही, एक सर्च पार्टी गठित की गई, जिसमें श्री ताहिर सलीम खान जेकेपीएस-017322, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा, श्री अजाज अहमद- जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) त्राल, उप निरीक्षक जहूर अहमद वानी, एआरपी-115653, सहायक उप निरीक्षक राम सिंह एआरपी- 952259, हेड कांस्टेबल शब्बीर अहमद डार नं. 204/आईआरपी 11वीं बटालियन, हेड कांस्टेबल सुरजीत सिंह नं. 94/एडब्ल्यूटी, हेड कांस्टेबल सतीश्वर सिंह नं. 115/एपी 5वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल मंजूर अहमद नं. 2325/एस, कांस्टेबल इरशाद अहमद नं. 526/एडब्ल्यूटी, एसजी कांस्टेबल जेल सिंह नं. 828/आईआर 11वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल यशपाल सिंह नं. 836/आईआर 11वीं बटालियन, कांस्टेबल जहांगीर अहमद नं. 1526/एस, कांस्टेबल आबिद हुसैन नं. 804/एडब्ल्यूटी, एसपीओ मोहम्मद महमूद नं. 127/एसपीओ, एसपीओ योगीश्वर सिंह नं. 272/एसपीओ, एसपीओ उल्फत राशिद नं. 98/एसपीओ, एसपीओ सुरेश कुमार नं. 1766/एसपीओ, एसपीओ एम. मुंशी नं. 563/एसपीओ, एसपीओ बशीर अहमद नं. 216/एसपीओ और एसपीओ इश्तियाक अहमद नं. 343/एसपीओ शामिल थे।

छिपे हुए आतंकवादियों को बचकर निकलने से रोकने के लिए, सर्च पार्टी ने लक्षित घर के बिल्कुल नजदीक से घेराबंदी कर दी। छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया और साथ ही उन्हें घर के मालिक और उनके परिवार के सदस्यों को बाहर आने की अनुमति देने के लिए भी कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया। लक्षित घर में फंसे हुए घर के मालिक/परिवार के सदस्यों को बाहर निकालने की योजना बनाई गई। संयुक्त सर्च पार्टी ने कार्डन पार्टी के कवर फायर की आड़ में सतर्कतापूर्वक घर के परिसर में प्रवेश किया और उस कमरे के दरवाजे को सफलतापूर्वक खोल दिया, जिसमें परिवार के सदस्य फंसे हुए थे। परिवार के सभी सदस्य सर्च पार्टी के कवर फायर की आड़ में बाहर की तरफ भागे, जिसने एक ओर जहां छिपे हुए आतंकवादियों को गोलीबारी में उलझा कर रखा, वहीं दूसरी ओर परिवार के सदस्यों को मुठभेड़ स्थल से सुरक्षित बाहर निकाला। आम नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के फौरन बाद, संयुक्त सर्च पार्टी छिपे हुए आतंकवादियों की तरफ सतर्कतापूर्वक आगे बढ़ी। सर्च पार्टी को आगे बढ़ते हुए देखकर, आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की, परन्तु वे अपनी जान की परवाह किए बिना आगे बढ़ते रहे और उनकी गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों आतंकवादी गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी बीच, आतंकवादियों ने सर्च पार्टी की ओर दो ग्रेनेड फेंके, जो फट गए और इसकी वजह से श्री एजाज अहमद, उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) त्राल के दाहिने हाथ में गोलियों के छर्रे लगने से गंभीर चोटें पहुंची।

तत्पश्चात, आतंकवादियों ने बचकर निकलने के इरादे से संयुक्त सर्च पार्टी की ओर पुन: कुछ गोलियां चलाईं। संयुक्त सर्च पार्टी ने तत्काल आतंकवादियों की गतिविधियों को देख लिया और शीघ्र/सटीक गोलीबारी करके दोनों आतंकवादियों को मार गिराया, जिनकी पहचान बाद में मुदासिर अहमद खान (एलटी) (ग-श्रेणी) और जरार भाई (एफटी) (क-श्रेणी) के रूप में की गई और ये दोनों जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े हुए थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बरामद किए गए हथियार/गोला-बारूद में 02 एके राइफलें (क्षतिग्रस्त), 06 एके मैगजीनें (क्षतिग्रस्त) और 01 पिस्तौल (तीन हिस्सों में क्षतिग्रस्त) शामिल हैं। इस घटना के संबंध में, आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलिस स्टेशन त्राल में एक मामलागत एफआईआर सं. 16/2019 में दर्ज है। पूरे ऑपरेशन के दौरान, सिफारिश किए गए कार्मिक अग्रणी मोर्चे पर डटे रहे और उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना लक्षित घर में फंसे हुए घर के मालिक/उनके परिवार को बाहर निकाला और साथ ही दोनों आतंकवादियों का सफाया करने में निणार्यक भूमिका भी निभाई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री ताहिर सलीम खान, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जहूर अहमद वानी, उप निरीक्षक और शब्बीर अहमद डार, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/30/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 118-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	राकेश अकरम	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	मदसर नसीर	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	नजीर अहमद जाटल	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 31.05.2019 को, विलाल अहमद गनी, पुत्र गुलाम कादिर गनी, निवासी नानर अवंतीपोरा के रिहायशी मकान में प्रतिबंधित जैश-ए-मोहम्मद संगठन के दो स्थानीय आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वासनीय सूचना प्राप्त हुई। एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई और 42 आरआर, 130 एवं 180 बटालियन सीआररपीएफ की सहायता से उक्त घर के चारों ओर घेराबंदी कर दी गई। तत्काल ही, एक संयुक्त सर्च पार्टी का गठन किया गया, जिसमें श्री ताहिर सलीम - जेकेपीएस-एसएसपी अवंतीपोरा, श्री राशिद अकबर, एसडीपीओ अवंतीपोरा, श्री अजाज़ अहमद, जेकेपीएस- उप पुलिस अधीक्षक पीसी त्राल, श्री एजाज़ अहमद, जेकेपीएस, उप पुलिस अधीक्षक डार अवंतीपोरा, श्री राकेश अकरम, उप पुलिस अधीक्षक, पीसी अवंतीपोरा, निरीक्षक मदसर नसीर-एसएचओ पीएस अवंतीपोरा, हेड कांस्टेबल जहूर 1801/पीडब्ल्यू, हेड कांस्टेबल देविन्दर कुमार नं. 118/आईआरपी 20वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल पंकज कुमार 601/आईआर 12वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल अब्दुल हादी नं. 839/आईआरपी 11वीं बटालियन, एसजी कांस्टेबल शब्बीर नं. 666/एडब्ल्यूटी, एसजी कांस्टेबल नाज़िर नं. 826/आईआरपी 11वीं बटालियन, कांस्टेबल मुनीर 785/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल समीर 689/एडब्ल्यूटी, कांस्टेबल जहूर 360/एडब्ल्यूटी, फॉलोअर शमस दीन नं. 03/एफ, एसपीओ एम. यूसुफ भट नं. 547/एसपीओ, एसपीओ तुफैल वागे नं. 260/एसपीओ, एसपीओ मुजामिल मुशाक डार नं. 12/एसपीओ और एसपीओ एम. मलिक नं. 101/ए शामिल थे। छिपे हुए आतंकवादियों को बचकर निकलने से रोकने के लिए, सर्च पार्टी ने लक्षित घर की बिल्कुल नजदीक से घेराबंदी कर दी। छिपे हुए आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने इनकार कर दिया। संयुक्त सर्च पार्टी छिपे हुए आतंकवादियों की ओर सतर्कतापूर्वक आगे बढ़ी। सर्च पार्टी को आगे बढ़ते हुए देखकर, आतंकवादियों ने उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी की। तथापि, अपनी जान की परवाह किए बिना संयुक्त सर्च पार्टी आगे बढ़ी और जवाबी कार्रवाई की तथा आतंकवादियों पर प्रभावी गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप दो आतंकवादी घायल हो गए। इसी बीच आतंकवादियों ने संयुक्त सर्च पार्टी पर दो ग्रेनेड फेंके, परन्तु सौभाग्यवश ये ग्रेनेड संयुक्त सर्च पार्टी को कोई नुकसान पहुंचाए बिना फटे। तदनंतर, आतंकवादियों ने बचकर निकलने के इरादे से संयुक्त सर्च पार्टी की ओर कुछ गोलियां चलाईं। संयुक्त सर्च पार्टी ने तत्काल आतंकवादियों की गतिविधि को देख लिया और शीघ्र एवं सटीक कार्रवाई करते हुए दोनों आतंकवादियों को मार गिराया, जिसके परिणामस्वरूप किसी नागरिक के मारे जाने/घायल हुए बिना यह ऑपरेशन समाप्त हुआ। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में यावर अहमद नजर पुत्र अब्दुल माजिद निवासी डार गनी गुंड त्राल और जुनैद अहमद वागे, पुत्र मोहम्मद अयूब निवासी अम्शीपोरा, शोपियां के रूप में की गई और ये दोनों जैश-ए-मोहम्मद संगठन से जुड़े हुए थे। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से बड़ी संख्या में हथियार/गोलाबारूद बरामद किए गए, जिसके संबंध में आगे जांच हेतु आरपीसी की धारा 307, आयुध अधिनियम की धारा 7/27 और यूएलए (पी) अधिनियम की धारा 16,18,19,20 एवं 38 के तहत पुलिस स्टेशन अवंतीपोरा में एक मामलागत एफआरआई सं. 85/2019 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री राकेश अकरम, उप पुलिस अधीक्षक, मदसर नसीर, निरीक्षक और नजीर अहमद जाटल, एसजी कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31/05/0219 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/123/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 119-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद इदरीस वानी	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	खुर्शीद अहमद मल्ला	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	फेरोज अहमद लोन	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
4	बिलाल अहमद शागो	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	दाऊद अहमद भट	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
6	बशीर अहमद शेख	फॉलोअर	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 09.10.2017 को, लगभग 11:45 बजे गांव लडूरा रफियाबाद में लश्कर-ए-तैयबा के चीफ ऑपरेशनल कमांडर, जम्मू-कश्मीर की गतिविधियों के बारे में सोपोर पुलिस को एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। इस सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए, सोपोर पुलिस ने अधिकारियों/कार्मिकों नामत: श्री मोहम्मद इदरीस वानी-जेकेपीएस उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) रफियाबाद, उप-निरीक्षकजिया-उर-रहमान एआरपी-109257, सहायक उपनिरीक्षक फारूक अहमद 24/एसपीआर, सहायक उपनिरीक्षक गुलाम मोहम्मद 281/एसपीआर, हेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद मेलिया 496/एसपीआर, हेड कांस्टेबल फिरोज अहमद लोन 192/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल बिलाल अहमद शागू 624/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल अकील अहमद 46/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल दाऊद अहमद भट 09/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल रियाज अहमद 433/एसपीआर, कांस्टेबल तारिक अहमद 692/एसपीआर, कांस्टेबल दानिश अहमद 796/एसपीआर, फॉलोअर बशीर अहमद शेख 19/एफ, एसपीओ मंज़ूर अहमद 246/एसपीओ, मोहम्मद अशरफ 290/एसपीओ, गुलाम मोहम्मद 474/एसपीओ, फिरदौस अहमद 115/एसपीओ, शरीफ-उद्-दीन 162/एसपीओ, मेहराज-उद्-दीन 469/एसपीओ, शाहनवाज अहमद 331/एसपीओ, नाजिर अहमद 184/एसपीओ, बशीर अहमद 115/एसपीओ, मंज़ूर अहमद 489/एसपीओ, आदिल अहमद 117/एसपीओ और रियाज अहमद 338/एसपीओ को शामिल करते हुए वोवेन मोहल्ला लडूरा में एक गुप्त नाका लगाया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर श्री हरमीत सिंह के नेतृत्व में नाका ड्यूटी के दौरान, एक आतंकवादी को रोका गया, जिसने चुनौती दिए जाने पर नाका पार्टी पर गोलियां बरसाईं और साथ ही नाका पार्टी पर एक ग्रेनेड भी फेंका। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व में नाका पार्टी, विशेषकर उप पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) रफियाबाद और उनकी टीम ने उच्च कोटि की पेशेवरता और बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए तुरंत जवाबी कार्रवाई की और वहां पर हुई गोलीबारी में उक्त आतंकवादी कमांडर घायल हो गया, तथापि, वह घटनास्थल से भाग निकला और उसने पास ही के एक रिहायशी मकान में शरण ले ली।

तदनंतर, सोपोर पुलिस/सुरक्षा बलों द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया और आने-जाने के सभी रास्तों को बंद करते हुए उस क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई। छिपे हुए आतंकवादी ने खुद को एक बार फिर घेराबंदी में फंसा हुआ पाकर पुलिस/सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाईं। तथापि, पुलिस/सुरक्षा बलों ने अधिकतम संयम बरता, क्योंकि लक्षित घर में कुछ आम नागरिक फंसे हुए थे और इस बात की आशंका थी कि यदि उस समय लक्षित मकान पर धावा बोला गया, तो आम नागरिक हताहत हो सकते हैं। इसलिए आम नागरिकों को हताहत होने से बचाने और लक्षित घर पर धावा बोलने के उद्देश्य से, पुलिस/सेना/सीआरपीएफ की दो संयुक्त पार्टियां बनाई गईं, जिसमें उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) रफियाबाद के नेतृत्व वाली पहली पार्टी में हेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद 496/एसपीआर, हेड कांस्टेबल फेरोज अहमद 192/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल बिलाल अहमद 624/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल दाऊद अहमद 09/एसपीआर, फॉलोअर बशीर अहमद 19/एफ, एसपीओ मंज़ूर अहमद 246/एसपीओ, मोहम्मद अशरफ 290/एसपीओ, गुलाम मोहम्मद 474/एसपीओ, फिरदौस अहमद 115/एसपीओ, शरीफ-उद्-दीन 162/ एसपीओ तथा मेहराज-उद्-दीन 469/एसपीओ शामिल थे और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व वाली दूसरी पार्टी में सहायक उप निरीक्षक फारूक अहमद 24/एसपीआर, सहायक उप निरीक्षक गुलाम मोहम्मद 281/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल अकील अहमद 46/एसपीआर, शाहनवाज अहमद 331/एसपीओ, नाजिर अहमद 184/एसपीओ, बशीर अहमद 115/एसपीओ, मंज़ूर अहमद 489/एसपीओ, आदिल अहमद 117/एसपीओ तथा रियाज़ अहमद 338/एसपीओ शामिल थे। एक अच्छी रणनीति के अनुसार, दोनों पार्टियों ने खुद को अत्यधिक जोखिम में डाला और पूर्ण प्रयास के पश्चात लक्षित घर से सभी आम नागरिकों को बाहर निकाल लिया गया। तत्पश्चात, घेराबंदी को और कड़ा कर दिया गया तथा छिपे हुए आतंकवादी से पुन: आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परंतु वह संयुक्त पार्टियों पर लगातार गोलीबारी करता रहा। पहली संयुक्त पार्टी अंतिम हमले के लिए लक्षित घर में प्रवेश करने हेतु स्वेच्छा से आगे आई और दूसरी संयुक्त पार्टी उन्हें कवर फायरिंग देने के लिए स्वेच्छा से लक्षित घर की ओर आगे बढ़ी। तदनुसार, पहली टीम रेंगते हुए लक्षित घर की ओर आगे बढ़ी/पहुंची और जैसे ही टीम घर के मुख्य दरवाजे पर पहुंची, आतंकवादी ने उन पर भारी गोलीबारी की, परंतु दूसरी पार्टी के बैकअप/कवर फायरिंग की आड़ में पहली पार्टी अपना मनोबल ऊंचा बनाए रखते हुए लक्षित घर में प्रवेश करने में सफल हो गई और तत्पश्चात पार्टी ने, विशेष रूप से उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) रफियाबाद के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल खुर्शीद अहमद 496/एसपीआर, हेड कांस्टेबल फिरोज अहमद 192/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल बिलाल अहमद 624/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल दाउद अहमद 09/एसपीआर तथा फॉलोअर बशीर अहमद 19/एफ ने युक्तिपूर्वक एक कमरे में चुपके से प्रवेश किया, जहां आतंकवादी छिपा हुआ था और कमरे में चुपके से प्रवेश करते समय उन्होंने जवाबी कार्रवाई करते हुए उस आतंकवादी पर गोलियों की बौछार कर दी, जिसके परिणामस्वरूप आतंकवादी कमांडर मारा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर के नेतृत्व में दूसरी पार्टी, विशेष रूप से सहायक उप निरीक्षक फारूक अहमद 24/एसपीआर, सहायक उप निरीक्षक गुलाम मोहम्मद 281/एसपीआर तथा एसजी कांस्टेबल अकील अहमद 46/एसपीआर ने पहली पार्टी द्वारा लक्षित घर में प्रवेश करने तक आतंकवादी को उलझाए रखते हुए असाधारण पेशेवरता, बहादुरी और दृढ़ता का प्रदर्शन किया। मारे गए आतंकवादी की पहचान बाद में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के चीफ ऑपरेशनल कमांडर जब्बार, निवासी पाक अधिकृत कश्मीर (श्रेणी ए++) के रूप में की गई, जिसका उल्लेख दिनांक 24.07.2017 के ओपीएस/आरडब्ल्यूडी/क्राइटेरिया/2017/915-30 के तहत जारी की गई पुलिस मुख्यालय की वर्गीकरण सूची में क्रम सं. 65 पर किया गया है। मारे गए आतंकवादी के कब्जे से हथियार/गोला-बारूद बरामद किए गए, जिनमें 01 पिस्तौल और 01 पिस्तौल मैगज़ीन शामिल है। इस संबंध में आरपीसी की धारा 307 तथा आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलिस स्टेशन डांगीबाचा में एक मामलागत एफआईआर सं. 56/2017 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मोहम्मद इदरीस वानी, उप पुलिस अधीक्षक, खुर्शीद अहमद मल्ला, हेड कांस्टेबल, फेरोज अहमद लोन, हेड कांस्टेबल, बिलाल अहमद शागो, एसजी कांस्टेबल, दाऊद अहमद भट, एसजी कांस्टेबल और बशीर अहमद शेख, फॉलोअर ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 09/10/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/20/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 120-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र. सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	शमशीर हुसैन	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	फैयाज हुसैन शाह	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
3	खुशाल हुसैन शाह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	रेयाज अहमद मीर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20.03.2018 को, गांव खानचक हलमतपोरा के समीप के जंगल के अंदर छिपे हुए आतंकवादियों के एक समूह की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा द्वारा जुटाई गई एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के गहन पर्यवेक्षण में एसओपी कुपवाड़ा, सेना की 41 आरआर तथा 98 सीआरपीएफ के सैन्य दस्तों द्वारा एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया। अन्य बलों की सहायता से पुलिस सर्च पार्टी ने घनी आबादी वाले गांव के समीप स्थित जंगल क्षेत्र की घेराबंदी कर दी और संदिग्ध क्षेत्र की तलाशी करने का ऑपरेशन शुरू किया। लगभग 1545 बजे, सर्च पार्टियों ने खानचक हलमतपोरा के जंगल क्षेत्र में आतंकवादियों की गतिविधि देखी। घेराबंदी वाले क्षेत्र में सुरक्षा बलों की गतिविधि की भनक लगते ही, जंगल क्षेत्र में छिपे हुए आतंकवादियों ने सर्च पार्टी पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादियों द्वारा घनी आबादी वाले क्षेत्र की ओर की गई भारी गोलीबारी के बावजूद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा और उप पुलिस अधीक्षक पीसी कुपवाड़ा द्वारा अन्य पुलिस कार्मिकों की सहायता से गांव के सभी आम नागरिकों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। सभी आम नागरिकों को बाहर निकालने के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व वाली हमलावर टीम ने गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप 03 आतंकवादियों का घटना स्थल पर ही सफाया हो गया, जबकि अन्य आतंकवादी घने जंगल और पहाड़ी क्षेत्र का फायदा उठाते हुए घनी झाड़ियों में छिप गए और सुरक्षा कार्मिकों पर लगातार गोलीबारी करते रहे। उस क्षेत्र को रात भर कड़ी घेराबंदी में रखा गया, जिसके दौरान वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने तीन बार घेराबंदी को तोड़ने का असफल प्रयास किया, परन्तु स्थल पर मौजूद पुलिस पार्टियों की मुस्तैदी के कारण उन्हें वापस आना पड़ा। रात भर रूक-रूक कर गोलीबारी होती रही। अगले दिन दिनांक 21.04.2018 को लगभग 0950 बजे, शेष आतंकवादियों का सफाया करने के उद्देश्य से जंगल में तलाशी का कार्य पुन: शुरू किया गया, जिसके दौरान तीन सैन्य कर्मियों सहित दो पुलिस कार्मिक नामत: एसजी कांस्टेबल दीपू थुसू बेल्ट नं. 705/केपी और एसपीओ मोहम्मद यूसुफ नं. 602 शहीद हो गए। उप पुलिस अधीक्षक पीसी कुपवाड़ा की सहायता से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा और उनके पीएसओ अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादियों द्वारा की जा रही भारी गोलीबारी के बावजूद शहीद जवानों के शवों को छुड़ाने के लिए घने जंगल क्षेत्र के अंदर चले गए। शहीद हुए पुलिस कार्मिकों के शवों को घने जंगल क्षेत्र से अस्पताल पहुंचाया गया। छिपे हुए आतंकवादी सभी दिशाओं में अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए आगे बढ़ते रहे और रात के समय घेराबंदी से उनके बच निकलने की संभावना के मद्देनजर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुपवाड़ा के नेतृत्व में सुरक्षा बलों की पार्टियों ने क्षेत्र की तलाशी करना शुरू दिया। तलाशी के दौरान, आतंकवादियों द्वारा की गई भारी गोलीबारी के बावजूद जंगल क्षेत्र के एक छोटे नाले में आगे बढ़ रहे 02 आतंकवादियों को मार गिराया गया। सभी 05 आतंकवादियों के मारे जाने के बाद ऑपरेशन को रोक दिया गया। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए। इस मामले में की गई जांच से यह पता चला कि मारे गए उक्त आतंकवादी विदेशी थे और वे लश्कर-ए-तैयबा संगठन से जुड़े हुए थे। उनकी पहचान बाद में, वकास उर्फ दरदा, निवासी सरगोधा लाहौर, पाकिस्तान (कमाण्डर), शुरैम, निवासी बहावलपुर पंजाब, पाकिस्तान, फहदुल्लाह निवासी

गुजरांवाला पंजाब, पाकिस्तान, उमैर निवासी थरपरकर सिंध, पाकिस्तान और कारी साहब निवासी दीर पेशावर, पाकिस्तान के रूप में की गई। इस संबंध में, आरपीसी की धारा 307 और भारतीय आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलिस स्टेशन कुपवाड़ा में एक मामलागत एफआईआर सं. 40/2018 दर्ज है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शमशीर हुसैन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, फैयाज हुसैन शाह, उप पुलिस अधीक्षक, खुशाल हुसैन शाह, हेड कांस्टेबल और रेयाज अहमद मीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/36/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 121-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	तारिक महमूद	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	परवीन कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	तारिक अहमद खुजा	एसजी कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24.09.2018 को 22:15 बजे, बोमई इलाके के नौपोरा तुजारशरीफ गांव में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए, सोपोर पुलिस ने पुलिस जिला हंदवाड़ा, 22 आरआर और सीआरपीएफ की टुकड़ी के साथ इलाके की घेराबंदी कर दी और तलाशी ऑपरेशन शुरू किया। तलाशी ऑपरेशपन के दौरान, आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हो गया, जो एक रिहायशी घर में छिपे हुए थे और जब तलाशी चल रही थी, तो छिपे हुए आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी कर दी और वे रिहायशी घर से भाग निकले तथा पास के एक कब्रिस्तान में शरण ले ली। सुरक्षा बल इस वजह से प्रभावी रूप से जवाबी हमला नहीं कर सके, क्योंकि तब रात का समय था तथा सभी लोग अपने-अपने घरों में फंसे हुए थे और यदि ऐसी प्रतिकूल स्थिति में सुरक्षा बलों ने आक्रामक हमला किया होता, तो आम नागरिकों के हताहत होने की पूरी संभावना थी। अत: आम नागरिकों को बचाने और उन्हें घेराबंदी वाले इलाके से बाहर निकालने के उद्देश्य से दो संयुक्त टीमें बनाई गईं, ताकि वहां फंसे हुए आम नागरिकों को बाहर निकाला जा सके। इस प्रकार बनाई गई संयुक्त टीमों में से पहली टीम में श्री तारिक महमूद जेकेपीएस-125717 (उप पुलिस अधीक्षक पीसी हंदवाड़ा) के नेतृत्व में उप निरीक्षक रियाज अहमद नं. 286/एस, उप निरीक्षक परवीन कुमार एआरपी-085601, एसजी कांस्टेबल तारिक अहमद खोजा नं. 692/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल इकबाल हुसैन नं. 264/एच, कांस्टेबल मोहम्मद हनीफ नं. 593/एच, कांस्टेबल फैयाज अहमद नं. 597/एसपीआर, एसपीओ आदिल कयूम नं. 91/एसपीओ-एचडीडब्ल्यू, एसपीओ गुलज़ार अहमद नं. 539/एसपीओ-एचडीडब्ल्यू, एसपीओ ज़ाहिद अबास नं. 186/एसपीओ-एसपीआर, एसपीओ मनिंदर सिंह नं. 335/ एसपीओ-बीएलए, एसपीओ मंजीत सिंह नं. 230/एसपीओ-एसपीआर और एसपीओ समीर अहमद नं. 56/एसपीओ-एसपीआर शामिल थे तथा श्री विनोद-जेकेपीएस उप पुलिस अधीक्षक पीसी वडूरा के नेतृत्व में दूसरी टीम में उप निरीक्षक यूसुफ-उल-उमर नं. 29/एडब्ल्यूपी, एसजी कांस्टेबल बिलाल अहमद भट नं. 440/एसपीआर, एसजी कांस्टेबल कैसर अहमद वानी नं. 415/एच, एसजी कांस्टेबल जावीद अहमद नं. 179/एच, एसजी कांस्टेबल सजाद अहमद नं. 3666/पीडब्ल्यू, एसजी कांस्टेबल मुजफ्फर अहमद नं. 749/एसपीआर, कांस्टेबल वकील अहमद नं. 670/एसपीआर, कांस्टेबल गुलाम हसन नं. 677/एच, एसपीओ एजाज अहमद नं. 596/एसपीओ-एचडीडब्ल्यू, एसपीओ सुहैल अहमद नं. 47/एसपीओ-एसपीआर, एसपीओ बिलाल अहमद नं. 326/एसपीओ-एसपीआर, एसपीओ रियाज अहमद नं. 94/एसपीओ-एसपीआर और एसपीओ गुलजार अहमद नं. 355/एसपीओ-एसपीआर शामिल थे। इन टीमों को घेराबंदी वाले इलाके से आम नागरिकों को बाहर निकालने का कार्य सौंपा गया था और तदनुसार दोनों टीमें विशिष्ट पेशेवरता और दृढ़ता का प्रदर्शन करते हुए रिहायशी घरों की ओर गईं तथा सभी आम नागरिकों को उनके रिहायशी घरों से सुरक्षित रूप से बाहर निकाला और जब उन्हें बाहर निकाला जा रहा था, तब वहां छिपे हुए आतंकवादी पार्टियों के ऊपर रूक-रूक कर गोलीबारी करते रहे और कई गोलियां उनके बिल्कुल नजदीक से होकर निकलीं, परंतु दोनों संयुक्त पार्टियों ने अपना मनोबल नहीं खोया और उन्होंने फंसे हुए सभी आम नागरिकों को पूरी तरह से बाहर निकालना सुनिश्चित किया।

चूंकि आतंकवादी घास और झाड़ियों से युक्त घने पेड़-पौधों वाले कब्रिस्तान में छिपे हुए थे और सटीक रूप से यह पता नहीं चल सका कि आतंकवादी वास्तव में कहां छिपे हुए हैं, इसलिए सेना और सीआरपीएफ के समकक्ष अधिकारियों के साथ विचार-विमर्श करने के पश्चात ऑपरेशन को सुबह होने तक रोक दिया गया। सभी गलियों, संकरी गलियों, आने और जाने के रास्तों को सील करते हुए घेराबंदी को और कड़ा कर दिया गया। रोशनी की व्यवस्था भी की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आतंकवादी उस स्थल से बचकर भाग न पाएं। सुबह होने पर, छिपे हुए आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों और पुलिस पर भारी मात्रा में गोलीबारी की, जिसका सुरक्षा बलों द्वारा भी जवाब दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप वहां पर मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षा बल आतंकवादियों पर सटीक जवाबी कार्रवाई नहीं कर सके, क्योंकि आतंकवादी घनी झाड़ियों वाले कब्रिस्तान में छिपे हुए थे। सेना और सीआरपीएफ के समकक्ष अधिकारियों के साथ परामर्श करने और सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद, सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि सुरक्षा बलों को अंतिम और निर्णायक हमला करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए तथा रणनीति के अनुसार, दोनों संयुक्त पार्टियों में से एक पार्टी उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) हंदवाड़ा के नेतृत्व में और दूसरी पार्टी उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) वडूरा के नेतृत्व में आतंकवादियों के छिपने की वातस्विक जगह की ओर आगे बढ़ने लगी। ज्यों ही पहली संयुक्त पार्टी ने कब्रिस्तान के सामने वाले मुख्य द्वार को पार किया और छिपे हुए आतंकवादियों की ओर रेंगते हुए कुछ मीटर आगे बढ़ी, तभी उन्होंने (आतंकवादियों ने) यह भांप लिया कि सुरक्षा बल उनके ऊपर हमला करने वाले हैं और वे झाड़ियों से उठे तथा उन्होंने एक ग्रेनेड फेंका और गोलीबारी शुरू कर दी, परंतु अग्रिम पार्टी विशेष रूप से श्री तारिक महमूद-जेकेपीएस-उप पुलिस अधीक्षक (पीसी) हंदवाड़ा, उप निरीक्षक-परवीन कुमार एआरपी 085601 और तारिक अहमद खोजा नं. 692-एसपीआर ने गोलीबारी का प्रभावी रूप से जवाब दिया और खुले मैदान में हुई बंदूक की लड़ाई में लश्कर-ए-तैयबा संगठन के दो (02) आतंकवादी मार गिराए गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में माज, निवासी पाकिस्तान (उत्तरी कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा का ऑपरेशनल कमांडर) और अब्दुल मजीद मीर उर्फ समीर पुत्र बशीर अहमद मीर, निवासी तुजारशरीफ बोमई के रूप में की गई। मारे गए आतंकवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में युद्ध में इस्तेमाल की जाने वाली सामग्रियों जैसी वस्तुएं बरामद की गईं। इस संबंध में आरपीसी की धारा 307 तथा आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के तहत पुलिस स्टेशन बोमई में एक मामलागत एफआईआर सं. 74/2018 दर्ज है।

यहां यह उल्लेख करना प्रासंगिक है कि मारे गए आतंकवादी काफी समय से सक्रिय थे और मुश्ताक अहमद मीर पुत्र श्री गुलाम रसूल मीर, निवासी- हरवान बोमई सोपोर की हत्या सहित आम नागरिकों की हत्या करने और ग्रेनेड फेंकने की विभिन्न घटनाओं में संलिप्त थे। मारा गया आतंकवादी अबू माज, निवासी- पाकिस्तान क-श्रेणी का आतंकवादी था, जबकि मारा गया दूसरा आतंकवादी अब्दुल मजीद मीर उर्फ माजिद उर्फ समीर ग-श्रेणी का आतंकवादी था।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री तारिक महमूद, उप पुलिस अधीक्षक, परवीन कुमार, उप निरीक्षक और तारिक अहमद खुजा, एसजी कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/09/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/140/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 122-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, जम्मू और कश्मीर पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सज्जाद अहमद मलिक	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	रविन्दर पॉल सिंह	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 17.11.2017 को, श्रीनगर पुलिस को विश्वसनीय सूत्रों से यह सूचना प्राप्त हुई कि हथियार और गोलाबारूद लिए हुए कुछ आतंकवादी किसी सुरक्षा बल प्रतिष्ठान पर सनसनीखेज हमला करने के इरादे से एक वाहन में गुलाब बाग ज़कूरा क्षेत्र की ओर जा रहे हैं। सूचना प्राप्त होने के तुरंत बाद आतंकवादियों के घृणित इरादों को विफल करने के लिए एक पुलिस टीम गठित की गई, जिसमें एसडीपीओ निगीं-ज़कूरा के प्रभार में और पुलिस अधीक्षक हजरत बल, श्रीनगर के पर्यवेक्षण में पुलिस स्टेशन और पुलिस कम्पोनेंट श्रीनगर के कार्मिक शामिल थे। चूंकि उक्त क्षेत्र श्रीनगर के मध्य क्षेत्र से 5 से 6 कि मी. दूर है, इसलिए सुरक्षित एवं सफल ऑपरेशन सुनिश्चित करने तथा किसी समानांतर क्षति से

बचने के लिए, इस ऑपरेशन को रणनीतिक ढंग से चलाने का निर्णय लिया गया। सम्पूर्ण नफरी को तीन दलों में बांट दिया गया। उप-निरीक्षक इमरान टाक के प्रभार में और सज्जाद अहमद मलिक एसडीपीओ निगीं–ज़कूरा के नेतृत्व में पुलिस कम्पोनेंट ज़कूरा वाले पहले दल को नाका लगाने तथा ज़कूरा से गुलाब बाग और इसके भीतरी क्षेत्रों की ओर आने वाले वाहनों की तलाशी करने का कार्य सौंपा गया। दूसरे दल, जिसमें निरीक्षक आर. पी. सिंह, एसएचओ पुलिस स्टेशन ज़कूरा के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन ज़कूरा का पुलिस दल शामिल था, को नागबल क्षेत्र से गुलाब बाग की ओर आने वाले वाहनों की तलाशी करने के लिए गुलाब बाग चौक पर नाका लगाने का कार्य सौंपा गया। तीसरे दल, जिसमें उप निरीक्षक रियाज अहमद, एसएचओ पुलिस स्टेशन लाल बाजार के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन लाल बाजार का पुलिस दल शामिल था, को रंगपुरा इल्लाही बाग क्षेत्र से आने वाले वाहनों की तलाशी करने का कार्य सौंपा गया। सभी दलों का नेतृत्व श्री अमोद अशोक नागपुरे–आईपीएस, पुलिस अधीक्षक हजरतबल जोन, श्रीनगर द्वारा किया गया।

सभी दलों ने ऊपर उल्लिखित योजना के अनुसार अपनी-अपनी पोजीशन ले ली। इसी बीच, गुलाब बाग में नाका लगाने के बाद, वाहनों और संदिग्ध पैदल यात्रियों की जांच शुरू की गई और जांच के दौरान ज़कूरा क्षेत्र से आ रहे एक सैंट्रो वाहन, जिसका रजिस्ट्रेशन नं. जेके01ईवी-5593 था, को नाका दल द्वारा रुकने के लिए कहा गया, परन्तु रुकने की बजाय उक्त वाहन में सवार अज्ञात आतंकवादियों ने पुलिस दल पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और उस स्थान से बच निकलने का प्रयास किया, लेकिन नाका दल ने प्रभावी रूप से जवाबी कार्रवाई की और गोलीबारी के दौरान उप निरीक्षक इमरान टाक, प्रभारी पुलिस कम्पोनेंट ज़कूरा और पुलिस कम्पोनेंट ज़कूरा के एक एसपीओ नामतः सुहैल अहमद गोली लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में, घायल उप-निरीक्षक इमरान हुसैन टाक ने चोट की वजह से अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि अचानक गोलीबारी के कारण अपने काम और दैनिक क्रियाकलापों में व्यस्त स्थानीय लोगों के कामकाज में व्यवधान उत्पन्न हो गया, जिसकी वजह से सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह ऑपरेशन अत्यधिक चुनौतीपूर्ण हो गया और चूंकि समानांतर क्षति होने की भी आशंका थी, इसलिए पुलिस अधीक्षक हजरतबल ने तत्काल ऑपरेशन दलों अर्थात् एसडीपीओ निगीं–ज़कूरा, एसएचओ ज़कूरा और एसएचओ लाल बाजार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि कोई नागरिक न मारा जाए अथवा उनकी सम्पत्ति को क्षति न पहुंचे तथा आस-पास के सम्पूर्ण क्षेत्र की शीघ्र घेराबंदी की जाए। तदनुसार सम्पूर्ण क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई और समुचित एसओपी के तहत गहन तलाशी की गई। तलाशी के दौरान, उन आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित हो गया, जो नाके से भाग गए थे और सर्वप्रथम आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, जिससे उन्होंने पूरी तरह से इनकार कर दिया तथा ऑपरेशनल दलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। पुलिस/पीसी कार्मिकों ने बहादुरी से जवाबी कार्रवाई की। तत्काल श्री सज्जाद अहमद मलिक एसडीपीओ निगीं–ज़कूरा, निरीक्षक आर.पी. सिंह, एसएचओ पुलिस स्टेशन–ज़कूरा, उप निरीक्षक रियाज अहमद ईएक्सके–109143, एसएचओ पुलिस स्टेशन लाल–बाजार, सहायक उप निरीक्षक अजाज अहमद 2606/5, हेड कांस्टेबल बशीर अहमद चाची नं. 690/आईआर 5वीं बटालियन एआरपी996943, एसजी कांस्टेबल शब्बीर अहमद डार नं. 850/एस ईएक्सके–983980, एसजी कांस्टेबल अल्ताफ अहमद वानी 509/एपी 7वीं बटालियन, कांस्टेबल एजाज कादिर मलिक नं. 1169/एस ईएक्सके–111953, कांस्टेबल फारूक अहमद लोन नं. 1680/एस ईएक्सके-111732, कांस्टेबल जहूर अहमद नं. 3420/एस ईएक्सके-119680, आर/कांस्टेबल आमेर यूसफ डार नं. 3011/एस ईएक्सके–125924, कांस्टेबल अजाज अहमद गनी नं. 1850/एस, कांस्टेबल मुदस्सिर अहमद नाइकू नं. 3932/एस और एसजी कांस्टेबल मुख्तार अहमद नं. 327/आईपी 6ठीं बटालियन, एआरपी 695541 अपने व्यक्तिगत जीवन की परवाह किए बिना उस लक्षित क्षेत्र में पहुंच गए, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे और वहां पर हुई बंदूक की लड़ाई में, बिना किसी समानांतर क्षति के एक आतंकवादी का सफाया कर दिया गया और दूसरे आतंकवादी को गिरफ्तार कर लिया गया। बाद में, गिरफ्तार किए गए आतंकवादी की पहचान तौसीफ अहमद शाह पुत्र गुलाम मोहम्मद शाह निवासी परीमपोरा के रूप में की गई। यहां पर यह उल्लेख करना भी प्रासंगिक है कि कानून और व्यवस्था संबंधी भारी अड़चनों के कारण कुछ शरारती तत्वों ने उक्त ऑपरेशनल दलों पर पत्थरबाजी की और मारे गए आतंकवादी का शव अपने साथ ले गए तथा उसे उसके परिजनों को सौंप दिया, जिसकी पहचान मुगीस अहमद मीर उर्फ अबू खातब पुत्र अब्दुल अजीज मीर निवासी परीमपोरा, श्रीनगर के रूप में की गई। यहां पर यह उल्लेख करना भी उचित है कि गिरफ्तार किया गया आतंकवादी नामतः तौसीफ अहमद शाह पुत्र गुलाम मोहम्मद शाह निवासी परीमपोरा, श्रीनगर शहर में आतंक के नेटवर्क का मुख्य आयोजक और संचालनकर्ता था, जो आतंक फैलाने वालों के लिए सभी प्रकार के संचार/लॉजिस्टिक की व्यवस्था कर रहा था और युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त होने तथा आतंकवादी रैंकों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित भी कर रहा था। इसके अतिरिक्त, उक्त तौसीफ अहमद शाह द्वारा खुलासा करने पर 02 अन्य खूंखार ओजीडब्ल्यू नामतः राशिद अहमद शाह पुत्र गुलाम मोहम्मद शाह निवासी परीमपोरा, श्रीनगर और आरिफ अहमद शेख पुत्र गुलाम मोहम्मद शेख निवासी परीमपोरा, श्रीनगर को गिरफ्तार किया गया। इन आतंकवादियों का सफाया और गिरफ्तारी दक्षिण/मध्य कश्मीर में नए विद्रोही गुट अंसार गजवात–उल हिंद नेटवर्क के लिए एक बहुत बड़ा आघात है। गिरफ्तार किया गया आतंकवादी नामतः तौसीफ अहमद शाह पुत्र गुलाम मोहम्मद शाह निवासी परीमपोरा, श्रीनगर मारे गए आतंकवादी मुगीस अहमद मीर उर्फ अबू खातब का दाहिना हाथ था और उसके अंसार गजवात–उल हिंद आतंकवादी गुट का एक अंग भी था। मारा गया उक्त आतंकवादी एक श्रेणीकृत आतंकवादी था, जिसे हिजबुल मुजाहिदीन गुट की "क" श्रेणी प्राप्त थी और मारे गए आतंकवादी के पास से कुछ हथियार/गोलाबारूद भी बरामद किए गए। इस संबंध में आरपीसी की धारा 307 और आयुध अधिनियम की धारा 7/27 के अंतर्गत पुलिस स्टेशन ज़कूरा में एक मामलागत एफआईआर सं. 47/2017 दर्ज किया गया था।

यहां पर यह भी उल्लेख किया जाता है कि मारे गए आतंकवादी नामतः मुगीस अहमद मीर उर्फ अबू खातब पुत्र अब्दुल अजीज मीर निवासी परीमपोरा, श्रीनगर के शव का उसके सफाए के समय उचित पुलिस हिरासत में पोस्टमार्टम कराना पुलिस तथा ऑपरेशनल दलों के

लिए संभव नहीं था, क्योंकि कुछ शरारती तत्व/उपद्रवी क्षेत्र में कानून और व्यवस्था को भंग करने के बाद और ऑपरेशनल दलों पर पत्थरबाजी करके मुठभेड़ स्थल से शव को अपने साथ ले गए और उसे अंतिम संस्कार के लिए सीधे संबंधित परिवार के सदस्यों को सौंप दिया। संबंधित परिवार के सदस्यों ने पोस्टमार्टम के लिए मना कर दिया और वे सुरक्षा बलों को गालियां देने लगे तथा उन पर पत्थरबाजी की, जिसके संबंध में दिनांक 17.11.2017 की डीडीआर सं. 33 और दिनांक 18.11.2017 की डीडीआर संख्या 48 के अंतर्गत एक विस्तृत रिपोर्ट पुलिस स्टेशन परीमपोरा की दैनिक डायरी में दर्ज की गई थी। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने अंतिम संस्कार के समय उचित पुलिस हिरासत में शव का पोस्टमार्टम कराने के लिए मारे गए आतंकवादियों के परिजनों से पुनः सम्पर्क स्थापित किया, परंतु इसके बावजूद वे अन्य शरारती तत्वों के साथ इकट्ठा हो गए और पुलिस/सुरक्षा बलों पर पत्थरबाजी की तथा पुलिस के वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिसके संबंध में पुलिस स्टेशन परीमपोरा की एफआईआर सं. 279/2017 और 280/2017 के तहत पुलिस स्टेशन परीमपोरा में 02 अलग-अलग एफआईआर भी दर्ज की गई हैं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री सज्जाद अहमद मलिक, उप पुलिस अधीक्षक और रविन्दर पॉल सिंह, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/11/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/160/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 123-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
श्री प्रकाश कुमार रजक	उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

गढ़वा और पलामू जिले में टी.पी.सी. नामक एक प्रतिबंधित संगठन बहुत सक्रिय है और वह इस क्षेत्र में लगातार लोगों से जबरन धन वसूलने, विकास कार्यों को रोकने, धमकी देने और लेवी वसूलने का कार्य करता रहता है। उनकी गतिविधियों और गलत इरादों के बारे में लगातार रिपोर्टें प्राप्त होती रहती हैं। गढ़वा पुलिस ने उपर्युक्त गुट के खूंखार सदस्यों नामतः महेन्द्र सिंह खरवार, रौशन जी, अभय यादव, रजनीकांत, चन्दन और अन्य सदस्यों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की थी, परन्तु विफल रही।

12 जनवरी, 2017 को, लगभग 10:30 बजे, रामकंडा पुलिस स्टेशन, गढ़वा के कमान अधिकारी, उप-निरीक्षक प्रकाश कुमार रजक को एक सूचना प्राप्त हुई कि टी.पी.सी. के उपर्युक्त सदस्य रामकंडा पुलिस स्टेशन के अंतर्गत धोती के वन क्षेत्र में घूम रहे हैं और लेवी की जबरन उगाही करने के लिए कुछ विकास परियोजनाओं तथा संबंधित ठेकेदारों को निशाना बनाने की योजना बना रहे हैं। इस सूचना के आधार पर रामकंडा पुलिस स्टेशन के कमान अधिकारी, उप-निरीक्षक प्रकाश कुमार रजक तत्काल हरकत में आ गए और दो टीमों के साथ उपर्युक्त स्थान की ओर चल पड़े, जिसमें से एक टीम में 07 सिपाही थे और स्वयं कमान अधिकारी के नेतृत्व वाली दूसरी टीम में कमान अधिकारी सहित केवल पांच कार्मिक शामिल थे। वे लगभग दोपहर 12:00 बजे धोती के वन क्षेत्र में पहुंचे और उन्होंने टी.पी.सी. के सदस्यों के ठिकाने के बारे में पूछताछ की। कुछ ग्रामवासियों और चरवाहों ने उन्हें सूचित किया कि टी.पी.सी. के सदस्य कुछ समय पहले पूर्व दिशा की ओर गए हैं। तदनुसार, कमान अधिकारी ने अपनी दूसरी टीम को उत्तरी क्षेत्र की दिशा में भेजा, जबकि उन्होंने अपने चार सिपाहियों के साथ तुरंत अपनी मोटर साइकिल धोती के वन क्षेत्र में छोड़ दी और पैदल ही उपर्युक्त गुट की दिशा में चल पड़े। लगभग 14:15 बजे, वे तेजी से उनका पीछा करते हुए चैनपुर पुलिस स्टेशन, पलामू जिले के अंतर्गत ग्राम चौवाथटांड में पहुंच गए। जब उन्होंने ग्रामवासियों से टी.पी.सी. के सदस्यों के बारे में पूछताछ की, तो ग्रामवासियों ने बताया कि वे पूर्व दिशा में स्थित निकटवर्ती वन क्षेत्र में किसी जगह पर हैं। इस सूचना के आधार पर, कमान अधिकारी रामकंडा, प्रकाश कुमार रजक और उनके चार सिपाहियों ने बड़ी सावधानी और चौकसी के साथ उपर्युक्त दिशा में आगे बढ़ना शुरू कर दिया। उक्त दिशा में पांच मिनट तक चलने के बाद, उन्हें कुछ लोगों की आवाज सुनाई दी। उन लोगों की पहचान सुनिश्चित करने के लिए, कमान अधिकारी और उनके कार्मिक बहुत धीमी गति से उस आवाज की ओर आगे बढ़ रहे थे और अगले दो मिनट में ही टी.पी.सी. ने उन्हें देख लिया और उन्होंने कमान अधिकारी तथा उनकी टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। कमान अधिकारी प्रकाश कुमार रजक ने अपनी पहचान बताई और उन्हें आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। कमान अधिकारी और उनकी टीम ने स्पष्ट रूप से टी.पी.सी. के कमांडर को अपने आदमियों को पुलिस को चारों ओर से घेरने, उनको मारने और उनके हथियार छीनने का आदेश देते हुए सुना।

गंभीर स्थिति का आकलन करते हुए, कमान अधिकारी रामकंडा, प्रकाश कुमार रजक ने तब अपने कार्मिकों को आत्मरक्षा में उस दिशा में गोलीबारी करने का आदेश दिया, जिधर से उनकी ओर गोलीबारी की जा रही थी। इसी बीच कमान अधिकारी रामकंडा और उनकी टीम असाधारण वीरता के प्रयास का प्रदर्शन करते हुए तथा वहां पर खड़ी झाड़ियों और पेड़ों की सहायता लेते हुए टी.पी.सी. टीम की ओर रेंगकर आगे बढ़ी। उसी समय कमान अधिकारी और उसकी टीम पर टी.पी.सी. के सदस्यों ने दूसरे राउंड की अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस पर कमान अधिकारी ने उस दिशा में निशाना साधा, जिधर से उनकी ओर गोलीबारी की जा रही थी और उन्होंने अपनी एके47 से छह राउंड गोलियां चलाईं। तत्काल उन्हें किसी व्यक्ति के चीखने की आवाज सुनाई दी और उन्हें यह विश्वास हो गया कि कमान अधिकारी प्रकाश कुमार रजक द्वारा चलाई गई गोली किसी एक टी.पी.सी. सदस्य को लगी है। उन्हें कुछ समय के बाद उनसे दूर कदमों की तेज आवाज सुनाई दी, जिससे स्पष्ट रूप से यह संकेत मिल रहा था कि टी.पी.सी. के सदस्य भाग रहे हैं। कमान अधिकारी प्रकाश कुमार रजक और चार सिपाहियों वाली उनकी टीम ने तुरंत उनका पीछा किया, परन्तु टी.पी.सी. के सदस्य घने जंगल में गायब हो गए थे। तत्पश्चात, उप-निरीक्षक प्रकाश कुमार रजक और उनकी टीम ने क्षेत्र की तलाशी शुरू कर दी। कुछ समय के बाद उन्हें टी.पी.सी. के एक सदस्य का शव मिला, जिसके पास .315 राइफल थी। बाद में उसकी पहचान रजनीकांत उर्फ कंचन कुमार गुप्ता, टी.पी.सी. के कुख्यात एरिया कमांडर के रूप में की गई। तलाशी के दौरान, एक और .315 राइफल, 5 (पांच) मोबाइल, बैटरी चार्जर, मोबाइल चार्जर, पुलिस का सोल्जर बैज, टी.पी.सी. पैम्फलेट, खाली राउंड, .315 राइफल के जिंदा राउंड, कंबल, इलेक्ट्रिक वायर, अल्टीमीटर आदि भी बरामद किए गए।

इस प्रकार उपर्युक्त घटना से उप-निरीक्षक प्रकाश कुमार रजक, कमान अधिकारी रामकंडा पुलिस स्टेशन, गढ़वा का असाधारण वीरतापूर्ण कार्य, अनुकरणीय साहस, सूझ-बूझ, रणनीति का प्रयोग करने की क्षमता और नेतृत्व गुण स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होता है, जिनके पास मात्र चार सिपाहियों के साथ न केवल टी.पी.सी. को उलझाने, बल्कि आगे रहकर सफलतापूर्वक नेतृत्व करने तथा सरकारी हथियारों की किसी भी लूट को रोकने का साहस भी था और साथ ही उन्होंने आत्मरक्षा में गोलीबारी करते हुए टी.पी.सी. के एक एरिया कमांडर को भी सफलतापूर्वक मार गिराया।

इस ऑपरेशन में श्री प्रकाश कुमार रजक, उप-निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/01/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/104/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 124-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
श्री कुणाल	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री कुणाल, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गिरिडीह को दिनांक 16.06.2016 को लगभग 1500 बजे विशिष्ट आसूचना प्राप्त होने पर, अपर पुलिस अधीक्षक (ऑप्स) गिरिडीह द्वारा कमांडेंट 203 कोबरा के साथ परामर्श करके एक ऑपरेशन की योजना बनाई गई, जिसमें कोबरा के तीन हमलावर दल, एफ/154 सीआरपीएफ का एक हमलावर दल और झारखंड जगुआर का एक समूह शामिल था। तदनुसार, 203 कोबरा की 03 टीमें और झारखंड जगुआर का समूह 2130 बजे विशेष ऑपरेशन के लिए मधुबन में ए/154 कंपनी की लोकेशन पर पहुंच गया। प्रत्येक हमलावर दल को श्री कुणाल तथा बाद में संबंधित टीम कमांडरों द्वारा जानकारी प्रदान की गई। तत्पश्चात उक्त टीमें दिनांक 17.06.2016 को 0245 बजे मधुबन, गिरिडीह, झारखंड से ऑपरेशन के लिए रवाना हो गईं। श्री हरे राम की कमान में टीम सं. 15 और एफ/154 सीआरपीएफ की 2 प्लाटूनें पहले चिरकी गांव के नजदीक बस से उतरीं और योजना के अनुसार कट-ऑफ लगाने के लिए पैदल आगे बढ़ीं। श्री कियाम राजीव, सहायक कमांडेंट की कमान में टीम सं. 14 और श्री महेन्द्र सिंह शेखावत, डिप्टी कमांडेंट की कमान में टीम सं. 13 निर्धारित स्थान पर पालगंज-खेताडाबर रोड पर बस से उतरी। झारखंड जगुआर का समूह कट-ऑफ लगाने के लिए सड़क पर और आगे बढ़ा और अपने पूर्व निर्धारित स्थान के निकट बस से उतर गया। सभी दल अपने निर्धारित कार्यों के लिए पैदल ही आगे बढ़े।

बस से उतरने के बाद टीम सं. 13 और 14 एक साथ आगे बढ़ीं और लगभग 0315 बजे मुख्य लक्ष्य क्षेत्र से लगभग 01 किमी. पहले विश्राम (आर.वी.) के लिए रूकीं। लगभग 0415 बजे टीम सं. 13 कट-ऑफ लगाने के लिए अपने निर्धारित स्थान की ओर आगे बढ़ी तथा श्री कुणाल के नेतृत्व में एवं श्री कियाम राजीव सिंह की कमान में मुख्य हमलावर टीम अर्थात् टीम सं. 14 लक्ष्य की ओर आगे बढ़ी। जमीनी वास्तविकता और रणनीति के अनुसार, टीम सं. 14 विस्तृत लाइन फार्मेशन में लक्ष्य की ओर आगे बढ़ी। लगभग 0500 बजे काली पोशाक में हथियारों के साथ 4-5 नक्सलवादी दिखाई पड़े। टीम के स्काउटों ने चिल्लाकर उनको रूकने के लिए कहा, परन्तु उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी और वहां से भागना शुरू कर दिया। जब उनका पीछा किया जा रहा था, तभी अचानक नक्सलवादियों ने सैन्य दस्तों को निशाना बनाकर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। श्री कुणाल के नेतृत्व में झारखंड जगुआर के सैन्य दस्तों ने तुरंत पोजीशन ले ली और बहादुरी के साथ जवाबी कार्रवाई की। नक्सलवादियों की संख्या काफी अधिक थी और उन्होंने एक-दूसरे का नाम लेते हुए सैन्य दस्तों की ओर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। यह देखकर, श्री कुणाल के नेतृत्व में टीम के कुछ कार्मिक अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना गोलीबारी करते हुए नक्सलवादियों की ओर आगे बढ़े। उन्होंने गोली चलाते हुए आगे बढ़ने की रणनीति अपनाई और यूबीजीएल से भी फायर किया। अचानक यूबीजीएल लोड करते समय एक स्काउट बालेन हरिजन के मुंह में गोली लग गई, परन्तु वे नक्सलवादियों की ओर गोलीबारी करते रहे। यह देखकर श्री कुणाल ने हमले का नेतृत्व किया और झाड़ियों में छिपे हुए नक्सलवादियों को निशाना बनाकर गोलीबारी की तथा साथ ही सैन्य दस्तों को यूबीजीएल के कुछ राउंड फायर करने का निर्देश दिया। इस वीरतापूर्ण हमले को देखते हुए नक्सलवादियों ने हड़बड़ी में जंगल के दूसरी ओर भागना शुरू कर दिया। स्थिति का आकलन करते हुए श्री कुणाल ने सैन्य दस्तों को आगे बढ़ने से रोक दिया और सर्वप्रथम घायल हुए लोगों को वहां से निकालने का निर्णय लिया। अन्य टीमों तथा उच्च अधिकारियों को तत्काल सूचित किया गया। जब एक अस्थायी स्ट्रेचर तैयार की जा रही थी, उसी दौरान घटना स्थल की त्वरित तलाशी भी की गई। 03 आईईडी और दैनिक प्रयोग की अन्य सामग्रियों सहित कुछ वस्तुएं बरामद की गईं। खून के धब्बों से इस बात की पुष्टि हो गई कि कुछ नक्सलवादियों को गोली लगी है। नक्सलवादियों की मौजूदगी और सिर पर मंडराते हुए खतरे के बावजूद, श्री कुणाल और टीम कमांडर श्री कियाम राजीव के नेतृत्व वाले दल द्वारा घने जंगल से घायल बालेन हरिजन को सुरक्षित बाहर ले जाया गया। पीरटांड सीएचसी में पहुंचने पर, बालेन हरिजन को "मृत लाया हुआ" घोषित कर दिया गया। क्षेत्र की पूरी तरह से तलाशी करने और भाग रहे नक्सलवादियों को निशाना बनाने के लिए नई टीमें शामिल की गईं। तलाशी जारी रहने के दौरान, दिनांक 19.06.2016 को घने जंगल में घटना स्थल से लगभग 1 किमी. दूर सीपीआई (माओवादी) के उत्तरी छोटा नागपुर रेंज के एक नक्सलवादी नामतः बहराम हंस दा उर्फ गाजो उर्फ पंकज माझी, जेडसीएम (जोनल कमेटी मेंबर) का शव तथा निम्नलिखित वस्तुएं बरामद की गईं –

क्र.सं.	बरामद किए गए हथियारों/गोलाबारूद और वस्तुओं का नाम	बरामद की गई वस्तुओं की सं.
1.	भरी हुई मैगजीन तथा चैम्बर में राउंड सहित एसएलआर बॉडी संख्या – एल6179060	01
2.	अतिरिक्त एसएलआर मैगजीन	01
3.	(7.62x51 एमएम) जिंदा राउंड	130
4.	खाली खोखे	एके-47-10, इंसास-05
5.	नकदी	1,14,275 रु.
6.	नक्सली साहित्य	03
7.	आईईडी	05
8.	पिट्ठू	01 (नीला)
9.	काली ड्रेस	01
10.	मोटोरोला सेट	01
11.	मेमोरी कार्ड	01
12.	सिम कार्ड	03
13.	लेवी रसीद बुक	01

इस मुठभेड़ में श्री कियाम राजीव, सहायक कमांडेंट, टीम सं. 14 के टीम कमांडर और शहीद कांस्टेबल बालेन हरिजन, उप निरीक्षक राजेश महलावत तथा अन्य स्काउटों ने भी अत्यधिक बहादुरी और शौर्यपूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में श्री कुणाल, अपर पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 17/06/2016 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/109/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 125-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, झारखंड पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
स्व. श्री बनुआ उरांव	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

06 जून, 2018 को सरायकेला-खरसवां पुलिस को कुचई पुलिस स्टेशन की पहाड़ी में माओवादियों के इकट्ठा होने के संबंध में एक सूचना प्राप्त हुई। कई टीमें बनाकर माओवादियों का सफाया करने के लिए एक ऑपरेशन शुरू किया गया। 07 जून, 2018 को जब एसडीपीओ सरायकेला, अविनाश कुमार, कमान अधिकारी कुचई के नेतृत्व में, उप निरीक्षक राउतू होनहागा, सहायक उप निरीक्षक, बनुआ उरांव, जिला सशस्त्र पुलिस और कोबरा की टीम कसरौली और कोरा की पहाड़ियों के बीच पहुंची, तो माओवादियों ने पहाड़ी की तीन दिशाओं से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। टीम ने माओवादियों को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी, परन्तु उन्होंने गोलीबारी बंद नहीं की। टीम ने आत्मरक्षा में गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों ओर से लगभग ढाई घंटे तक गोलीबारी हुई। सहायक उप निरीक्षक बनुआ उरांव और कोबरा के कांस्टेबल उत्पल राभा ने माओवादियों की गोलीबारी का जवाब देने के लिए माओवादियों की ओर आगे बढ़ने तथा गोलीबारी करने का साहस दिखाया, ताकि उनकी टीम के बाकी सदस्यों को बचाया जा सके। जवाबी कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक बनुआ उरांव ने 17 राउंड, कांस्टेबल उत्पल राभा ने 30 राउंड और उनकी टीम के बाकी सदस्यों ने 729 राउंड गोलियां चलाईं। जब दोनों ओर से लगातार गोलीबारी हो रही थी, तब माओवादियों की एक गोली सहायक उप निरीक्षक बनुआ उरांव के पेट में और उत्पल राभा के सिर में लग गई, लेकिन मुठभेड़ में लगी घातक चोट की परवाह न करते हुए वे दोनों आगे बढ़ते रहे और गोलीबारी करते रहे, जिससे माओवादी पीछे हटने के लिए मजबूर हो गए। अपनी स्वयं की जान को खतरे में डालते हुए शहीद सहायक उप निरीक्षक बनुआ उरांव ने अपनी टीम के साथी सदस्यों को बचाने के लिए माओवादियों के साथ संघर्ष में अत्यधिक साहस और अपनी सेवा के प्रति समर्पण का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में स्व. श्री बनुआ उरांव, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/06/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/212/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 126-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	राजा आर. आईपीएस	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	नागनाथ गुरुसिद्ध पाटिल	पुलिस उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

3.	महादेव मारोती मडावी	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	कमलेश अशोक अरका	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	हेमंत कोरके मडावी	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	अमूल श्रीराम जगताप	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
7.	वेल्ला कोरके आत्राम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
8.	सुधाकर मलय्या मोगलीवार	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
9.	बियेश्वर विष्णु गेडाम	पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 03.04.2018 को, अपर पुलिस अधीक्षक श्री राजा आर. को इस आशय की गोपनीय, विश्वसनीय और कार्रवाई करने योग्य सूचना प्राप्त हुई कि रोमपल्ली, सिरोंचा के पहाड़ी और जंगल के क्षेत्र में 20-25 सशस्त्र नक्सलवादियों को देखा गया है तथा वे उक्त क्षेत्र में और उसके आसपास राष्ट्र-विरोधी तथा विनाशकारी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। संस्तुत अधिकारी ने पुलिस अधीक्षक गढ़चिरौली को सूचित किया और उनके आदेश पर संस्तुत अधिकारी ने एक नक्सल-रोधी तलाशी ऑपरेशन की योजना बनाई। उन्होंने दो टीमें बनाईं, जिसमें से पहली टीम का नेतृत्व उन्होंने स्वयं किया। इस टीम में, एपीआई नेताजी बंडगर, संस्तुत पुलिस उप निरीक्षक नागनाथ पाटिल और साथ ही सी-60 (गढ़चिरौली जिले का नक्सल-रोधी विशेष बल) टीम के 27 पुलिस कार्मिक शामिल थे। दोनों टीमें निजी वाहनों में उपर्युक्त क्षेत्र के लिए रवाना हो गईं।

लगभग 10 बजे रोमपल्ली वन में कॉम्बिंग ऑपरेशन करते समय, पीएसआई सखाराम बिरजदार के नेतृत्व में दूसरी टीम और 20 कार्मिकों वाली हेड कांस्टेबल टोपो सी-60 कमांडो की पार्टी पर 20-25 नक्सलवादियों द्वारा घात लगाकर हमला किया गया। नक्सलवादी ओलिव ग्रीन यूनिफार्म में थे, जिन्होंने पुलिस कार्मिकों को घायल करने/मारने और उनके हथियार तथा गोलाबारूद लूटने के एकमात्र इरादे से उक्त टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। घात में फंसी हुई यह टीम चारों ओर से नक्सलियों द्वारा घिरी हुई थी और यह टीम अपने हथियारों एवं गोलाबारूद की हानि के साथ-साथ निश्चित मौत/चोट का सामना कर रही थी। हेड कांस्टेबल/2276 राजेश टोपो ने अपने वॉकी-टॉकी पर अपर पुलिस अधीक्षक राजा आर. को एसओएस कॉल की। अपर पुलिस अधीक्षक राजा आर. के नेतृत्व वाली टीम उस स्थान पर पहुंच गई, जहां पहली टीम फंसी हुई थी। उन्होंने नक्सलवादियों को गोलीबारी रोकने, अपने हथियार डालने और पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। परन्तु नक्सलवादियों ने इसकी तरफ कोई ध्यान नहीं दिया और वे फंसी हुई पुलिस टीम पर गोलीबारी करते रहे। फंसी हुई टीम की स्थिति की गंभीरता को महसूस करते हुए, संस्तुत अपर पुलिस अधीक्षक राजा आर. ने असाधारण सूझ-बूझ एवं साहस का प्रदर्शन किया और उन्होंने एक साहसिक बचाव ऑपरेशन की योजना बनाई। अपने स्वयं के जीवन अथवा शरीर की सुरक्षा के बारे में पुनर्विचार किए बिना अपर पुलिस अधीक्षक ने सामने से बचाव ऑपरेशन का नेतृत्व किया। उन्होंने तीन आयामी रणनीति का उपयोग किया अर्थात सटीक और नियंत्रित गोलीबारी करना, फंसी हुई पुलिस टीम की सहायता एवं सुरक्षा करने के लिए अपनी पुलिस टीम की सही तैनाती करना और विशेष रूप से यूबीजीएल के प्रभावकारी प्रयोग के माध्यम से जबावी हमले का उपाय करना। इस रणनीति ने नक्सलवादियों के घृणित कुचक्रों को विफल कर दिया और संस्तुत अपर पुलिस अधीक्षक राजा आर. 01 पुलिस अधिकारी तथा 21 कार्मिकों की फंसी हुई टीम को बचाने में सफल हो गए और उनको सुरक्षित बचा लिया। अपर पुलिस अधीक्षक राजा आर. के नेतृत्व वाली पुलिस टीम ने नक्सवादियों की भारी गोलीबारी के समक्ष अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया और उन्होंने उस गोलीबारी का सटीक एवं नियंत्रित गोलीबारी तथा यूबीजीएल के सही उपयोग के साथ प्रत्युत्तर दिया। इससे नक्सलवादी तत्काल घने जंगल में पीछे हटने के लिए विवश हो गए। उक्त मुठभेड़ लगभग 20 मिनट तक चली, परन्तु ये 20 मिनट बुरी तरह फंसे हुए पुलिस दल के लिए घातक परिणाम वाले साबित हो सकते थे। संस्तुत अधिकारियों द्वारा प्रदर्शित बहादुरी के परिणामस्वरूप 2 पुलिस कार्मिक नामतः संस्तुत एनपीसी/2743 महादेव मडावी और हेड कांस्टेबल/2276 राजेश टोपो को मामूली सी चोट आई और वे बच गए।

अनुवर्ती कॉम्बिंग ऑपरेशन में पुलिस टीम को 01 पुरुष नक्सलवादी और 2 महिला नक्सलवादियों के शव मिले। उनकी पहचान बाद में सुनिश्चित की गई और उनकी हिस्ट्री शीट निम्नानुसार है:—

1) सुनील उर्फ विलास कुलमेठे (39 वर्ष) सिरोंचा दलम का कमांडर और गढ़चिरौली के दक्षिणी डिवीजन (डीवीसी) का सदस्य।

क) वह वर्ष 2008 में कोरेपल्ली नक्सलवादी घात में 01 पुलिस अधिकारी और 3 पुलिस कर्मियों की हत्या में शामिल था।

ख) वह वर्ष 2014 में आशा तलाव नक्सलवादी घात में 01 पुलिस कर्मी की हत्या में शामिल था।

ग) वह उन 7 निर्दोष नागरिकों को मारने में भी संलिप्त था, जिन पर उसने पुलिस का मुखबिर होने का गलत आरोप लगाया था।

घ) वह पुलिस दलों पर गोलीबारी की 5 घटनाओं और सी-60 के दलों के विरुद्ध आईईडी तथा क्लेमोर विस्फोटक का प्रयोग करने में भी संलिप्त था।

उसके विरुद्ध गढ़चिरौली जिले के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कुल 39 अपराध दर्ज हैं। महाराष्ट्र सरकार ने उसके नाम पर 16 लाख रु. के इनाम की घोषणा कर रखी थी।

2) स्वरूपा उर्फ आमसी पोच्या तलांडी (35 वर्ष), सिरोंचा एरिया कमेटी की डिप्टी कमांडर।

क) वह उन 4 निर्दोष नागरिकों की हत्या में संलिप्त थी, जिन पर उसने पुलिस का मुखबिर होने का गलत आरोप लगाया था।

ख) वह पुलिस दलों पर गोलीबारी की 5 घटनाओं और सी-60 के दलों के विरुद्ध आईईडी तथा क्लेमोर विस्फोटक का प्रयोग करने में भी संलिप्त थी।

उसके विरुद्ध गढ़चिरौली जिले के विभिन्न पुलिस स्टेशनों में कुल 19 अपराध दर्ज हैं। महाराष्ट्र सरकार ने उसके नाम पर 6 लाख रु. के इनाम की घोषणा कर रखी थी।

3) वंदना कंदरू कोवाची (37 वर्ष) प्लाटून नं. 14 की सदस्य।

महाराष्ट्र सरकार ने उसके नाम पर 2 लाख रु. के इनाम की घोषणा कर रखी थी।

नक्सल दलम की जब्त की गई अन्य वस्तुएं निम्नानुसार हैं:—

1) 01 – 8 एमएम राइफल।
2) 09 - 8 एमएम राइफल की जिंदा गोलियां।
3) 01 – 12 बोर राइफल।
4) 05 – 12 बोर राइफल की जिंदा गोलियां।
5) नक्सल विचारधारा का प्रचार करने वाला साहित्य।
6) नक्सलवादियों के दैनिक उपयोग की सामग्रियां।

इस विशिष्ट घटना में यह नोट करना प्रासंगिक है कि नक्सलवादियों के पास दोहरा लाभ था। पहला यह कि उनके पास अपनी ओर विस्मय बनाए रखने का लाभ था, जो उनके द्वारा लगाई गई घात से स्पष्ट होता था। दूसरा यह कि नक्सलवादी एक ऊंचे स्थान से गोलीबारी कर रहे थे और एक नाले में मोर्चा संभाले हुए थे। ये दोनों किसी भी लड़ाई के निर्णायक घटक और लाभ होते हैं। परन्तु इन विषम परिस्थितियों को नियंत्रित करके और अपने साहस की वास्तविक क्षमता के द्वारा संस्तुत अपर पुलिस अधीक्षक श्री राजा आर., पुलिस उप निरीक्षक नागनाथ पाटिल, एनपीसी/2743 महादेव मडावी, एनपीसी/1945 कमलेश अरका, पीसी/5624 हेमंत मडावी, पीसी/3272 अमूल जगताप, पीसी/3019 वेल्ला कोरके, पीसी/5472 सुधाकर मोगलीवार और पीसी/5390 बियेश्वर गेडाम ने न केवल फंसी हुई पुलिस टीम को बाहर निकाला और उनकी जान बचाई, बल्कि 3 खूंखार और वांछित वरिष्ठ कैडर के नक्सलवादियों का सफाया करने में भी सफल हुए।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री राजा आर., आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, नागनाथ गुरुसिद्धा पाटिल, पुलिस उप निरीक्षक, महादेव मारोती मडावी, नायक पुलिस कांस्टेबल, कमलेश अशोक अरका, नायक पुलिस कांस्टेबल, हेमंत कोरके मडावी, पुलिस कांस्टेबल, अमूल श्रीराम जगताप, पुलिस कांस्टेबल, वेल्ला कोरके आत्राम, पुलिस कांस्टेबल, सुधाकर मलय्या मोगलीवार, पुलिस कांस्टेबल और बियेश्वर विष्णु गेडाम, पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03/04/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/197/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 127-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
श्री गजानन दत्तात्रय पवार	पुलिस निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दो अज्ञात व्यक्तियों ने दिनांक 21.11.2018 की सुबह एक विवाहित महिला की उसके घर के मुख्य द्वार पर बिलकुल नजदीक से गोली मारकर हत्या कर दी। आग्नेयास्त्रधारी वे दोनों व्यक्ति एक मोटर साइकिल पर मौके से फरार हो गए।

तदनंतर, पुलिस की टीमें घटना स्थल पर पहुंचीं और चंदननगर पुलिस स्टेशन में एक हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया (भारतीय दंड संहिता की धारा 302, 34 और आयुध अधिनियम की धारा 3(25), एमपीए की धारा 135 के साथ पठित धारा 37(1) के तहत सीआर नं. 306/2018)। एफआईआर की प्रति इसके साथ संलग्न है।

उपर्युक्त घटना में, एक गृहिणी एकता बृजेश भाटी (38), जो वडगांव शेरी के आनंद पार्क की निवासी थी, को मौके पर मृत पाया गया।

पुणे शहर के पुलिस अधिकारियों को उक्त क्षेत्र में स्थित विभिन्न वाणिज्यिक और आवासीय संपत्तियों से बरामद किए गए सीसीटीवी फुटेज के अध्ययन के जरिए संदिग्धों के बारे में कुछ सुराग प्राप्त हुए। इस अध्ययन से हमलावरों द्वारा पहने गए कपड़ों, उनके चेहरों और मोटर साइकिल जैसे ब्यौरे प्राप्त हुए।

मृतक महिला दिल्ली की रहने वाली थी और वह अपने पति तथा दो बच्चों के साथ कुछ वर्ष पहले पुणे शहर में आई थी। प्रारंभिक जांच से हत्या के पीछे दिल्ली का कोई संबंध होने का पता चला। यह अनुमान लगाया गया कि हमलावरों ने शायद उत्तर भारत से एक लम्बी दूरी की ट्रेन के द्वारा पुणे शहर तक की यात्रा की है और वे ट्रेन से ही दिल्ली वापस जा सकते हैं।

इस प्राथमिक सूचना पर प्रतिक्रिया करते हुए, पुणे शहर की अपराध शाखा के अधिकारियों ने पुणे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नं. 3 पर एक जाल बिछा दिया, जहां से लम्बी दूरी की ट्रेनें पुणे से दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों को जाती हैं।

प्लेटफार्म नं. 3 पर, पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वयं को अलग-अलग टीमों में बांट लिया और दोनों हमलावरों की तलाश करना शुरू कर दिया। उनमें से एक टीम, जिसमें वरिष्ठ निरीक्षक रघुनाथ जाधव, सहायक उप निरीक्षक अविनाश मराठे और दो अन्य लोग शामिल थे, ने प्लेटफार्म के पिछले हिस्से पर प्लेटफार्म की जांच शुरू कर दी, जबकि पुलिस निरीक्षक गजानन दत्तात्रय पवार, पुलिस नायक मोहसिन शेख और कांस्टेबल कादिर शेख वाली टीम ने प्लेटफार्म की सीढ़ियों से यात्रियों की जांच शुरू कर दी।

पवार और उनकी टीम ने दो व्यक्तियों को देखा, जिनकी पहचान और कपड़े वैसे ही थे, जैसाकि प्लेटफार्म पर 17.00 बजे सीसीटीवी पर फुटेज से प्राप्त हुए थे। पवार भीड़ में तेजी से उनके पास पहुंच गए और उन्हें रूकने के लिए कहा। उन्होंने उनको अपनी ट्रेन की टिकट और पहचान के प्रमाण दिखाने के लिए कहा। पुलिस नायक शेख और कांस्टेबल शेख भी उस स्थान पर पहुंच गए।

तथापि, उन दोनों व्यक्तियों ने अपनी ऊंची आवाज में पुलिस वालों के साथ बहस शुरू कर दी। इसी बीच, दोनों व्यक्तियों में से एक ने उग्र व्यवहार करना शुरू कर दिया और पवार ने महसूस किया कि उसने अपने सीने के पास कोई चीज पकड़ रखी है। वह व्यक्ति अपना हाथ अपनी जैकेट के अंदर ले गया, जहां उसने कोई चीज छिपा रखी थी। मिनटों में ही, उस व्यक्ति ने अपनी आवाज ऊंची कर दी और पुलिस वालों को धमकी दी कि उसके पास एक बंदूक है। उसने जोर से धमकाया कि यदि वे उसे रोकने की कोशिश करेंगे, तो वह पुलिस कर्मियों को नहीं छोड़ेगा और वह उन सभी को मार देगा।

तब, स्थिति पर प्रतिक्रिया करते हुए, पवार ने किसी अप्रिय घटना से बचने के लिए उस व्यक्ति को दबोच लिया और उसकी बाजू को उसके पीछे मरोड़ दिया। उन्होंने अपनी टीम के सदस्यों तथा बड़ी मात्रा में लोगों को बचाने के लिए शीघ्रता से कार्रवाई की। तथापि, वह व्यक्ति जैकेट के आगे की पॉकेट में रखी अपनी रिवॉल्वर तक पहुंचने में सफल हो गया और उसने पवार के कंधे पर गोली मार दी।

बंदूकधारी व्यक्ति ने पवार पर तीन गोलियां चलाईं। परंतु पवार ने उसे मजबूती से पकड़े रखा। गोलियों की आवाज से रेलवे प्लेटफार्म पर शोरगुल मच गया और रेल यात्रियों ने हड़बड़ी में इधर-उधर भागना शुरू कर दिया। इस शोरगुल में, संदिग्ध व्यक्ति पर पवार की पकड़ ढीली पड़ गई और वह आदमी भाग गया।

एक गोली पवार की छाती/हँसली में घुस गई, दूसरी गोली बायीं आँख के ठीक नीचे उनके गाल की हड्डी में घुस गई और तीसरी गोली उनके सिर के पास से निकल गई।

पवार, जिनका खून बह रहा था, रूके नहीं, अपितु वे संदिग्ध व्यक्तियों का पीछा करते रहे, जो भीड़-भाड़ वाले प्लेटफार्म पर भाग रहे थे। संदिग्ध व्यक्तियों ने भीड़ में शामिल होने का भरपूर प्रयास किया, परंतु पुलिस कर्मी उनका पीछा करते रहे।

कुछ मिनटों के भीतर पवार गिर गए और उनकी टीम के अन्य सदस्य उन्हें जल्दी से पास में स्थित एक अस्पताल में ले गए।

टीम के अन्य सदस्यों ने लंबा पीछा करने के बाद दोनों व्यक्तियों को पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान, दोनों ने अपने नाम शिवलाल बाबूलाल राव (उम्र-39 वर्ष), निवासी ओम विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली और गांव -असरलाही, तालुका जीतरन, जिला-पाली, राजस्थान के निवासी और उसके पुत्र मुकेश (18) के रूप में बताए। दिल्ली पुलिस से बाद में की गई पूछताछ में पता चला कि वे दोनों कॉन्ट्रैक्ट किलर थे।

इस संदर्भ में, पुणे रेलवे पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 307, 333, 34 और आयुध अधिनियम की धारा 3(25) के तहत सीआर सं.1132/2018 के अंतर्गत एक अपराध दर्ज किया गया था (एफआईआर की प्रति इसके साथ संलग्न है)।

पवार ने दोनों सशस्त्र व्यक्तियों का बहादुरी से सामना किया। गोली से घायल होने के बावजूद, पुलिस निरीक्षक पवार ने दोनों अभियुक्त व्यक्तियों को गिरफ्तार करने का भरपूर प्रयास किया। उन्होंने स्थिति पर सकारात्मक ढंग से प्रतिक्रिया की और भीड़-भाड़ वाले स्थान में जीवन की क्षति को टाल दिया। उनकी वीरतापूर्ण कार्रवाई से दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया, जिससे हत्या का मामला सुलझ गया। उनकी इस कार्रवाई ने उनके साथियों को भी प्रेरित किया।

उनका 24 वर्ष लम्बा एक बेदाग सेवा का रिकॉर्ड है और उन्होंने 413 पुरस्कार प्राप्त किए हैं। वर्ष 2011 में उनको पुलिस महानिदेशक के चिह्न (इनसिगनिया) से अलंकृत किया गया है। अपने सेवाकाल में, उन्होंने हत्या के सात मामलों, 168 एचबीटी, 86 चेन झपटमारी के मामलों तथा 76 वाहन चोरी के मामलों का पता लगाया है और उन्होंने 29 आग्नेयास्त्र जब्त किए हैं। कुल मिलाकर, उन्होंने 2,75,94,464/- रु. की चोरी हुई सम्पत्ति बरामद की है। उन्होंने 48 घोषित अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। उन्होंने पुणे पुलिस के साइबर क्राइम सेल में अपने कार्यकाल के दौरान सात साइबर धोखाधड़ियों का सफलतापूर्वक पता लगाया और संदिग्ध व्यक्तियों से 1.48 करोड़ रु. बरामद किए।

इस ऑपरेशन में श्री गजानंद दत्तात्रय पवार, पुलिस निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/11/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/172/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 128-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, महाराष्ट्र पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	हरी बालाजी नटराजन., आईपीएस	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	गिरीश मारोती ढेकले	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	निलेश मारोती ढुमणे	नायक पुलिस कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 18.11.2018 को गढ़चिरौली जिले के कोरची पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत कोटगुल के जंगल में भारी संख्या में नक्सलवादियों द्वारा डेरा डालने के बारे में एक आसूचना प्राप्त हुई। सभी नक्सलवादी सीपीआई (माओवादी) गुट से संबंधित थे, जो एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है और वे सुरक्षा बलों पर हमला करने के विनाशकारी कृत्य को अंजाम देने का षड़यंत्र रच रहे थे। तत्काल, डॉ. हरी बालाजी एन., अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ने पुलिस अधीक्षक, गढ़चिरौली के साथ परामर्श करके उपर्युक्त जंगल क्षेत्र में एक ऑपरेशन चलाने की योजना बनाई।

योजना के अनुसार, 47 अन्य पुलिस कर्मियों के साथ डॉ. हरी बालाजी एन., अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ने दिनांक 18.11.2018 को 2200 बजे निजी वाहनों में गढ़चिरौली से प्रस्थान किया और दिनांक 19.11.2018 को 0300 बजे कोटगुल के जंगल में पहुंच गए। उन्होंने पुलिस कर्मियों को समुचित ढंग से ब्रीफ किया और उसके बाद पुलिस कर्मियों को दो समूहों में बांट दिया। पहले समूह में मोतीराम मडावी, पुलिस उप निरीक्षक के नेतृत्व में अन्य पुलिस कर्मियों के साथ-साथ एनपीसी/2149 रतन गोरगुंडा, पीसी/5706 सुरेश टोकला, पीसी/5908 आशिक हुसैन, पीसी/5597 विनोद भोयार और एनपीसी/3219 निलेश धूमने शामिल थे। दूसरे समूह का नेतृत्व डॉ. हरी बालाजी एन., अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ने किया, जिसमें एनपीसी/3276 गिरीश ढेकले, पीसी/वसंत आत्राम, पीसी/5570 बादल उसेंडी, पीसी/4463 पंकज हलामी और अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे। तत्पश्चात, उपयुक्त मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का अनुपालन करते हुए, दोनों समूह जंगल में पानी के नाले को पार करते हुए आगे बढ़े और उन्होंने निखायकल के जंगल में प्रवेश किया। जब पुलिस दल जंगल में छानबीन कर रहे थे, तभी लगभग 0800 बजे, अचानक पहले समूह पर नक्सलवादियों ने हमला कर दिया। आश्चर्यजनक ढंग से, लगभग 40 से 50 नक्सलवादियों ने पहले समूह को घेर लिया और उन पर घात लगाकर हमला किया तथा वे अपने कब्जे वाले अवैध आग्नेयास्त्रों का प्रयोग करके सभी पुलिस कर्मियों को मारने और उनके हथियार एवं गोलाबारूद छीनने के इरादे से पुलिस कर्मियों पर अपने स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी कर रहे थे। पुलिस कर्मियों ने जमीन पर पोजीशन ले ली और वे नक्सलवादियों के आक्रमण का जवाब देने का हर संभव प्रयास करने लगे। इस अवसर पर, मोतीराम मडावी, पुलिस उप निरीक्षक ने अपने दस्ते के कार्मिकों नामतः निलेश धूमने, सुरेश टोकला, आशिक

हुसैन, रतन गोरगुंडा और विनोद भोयार के साथ नक्सलवादियों की घात को तोड़ने का जोरदार प्रयास किया। नक्लवादियों की गोलियों की परवाह किए बिना, कांस्टेबल निलेश धूमने ने घात को तोड़ने का कठिन प्रयास किया और वे नियंत्रित गोलीबारी करते हुए नक्सवादियों की दिशा में आगे बढ़ते रहे। नक्सलवादियों की गोलियों से अपना बचाव करते समय, वे फिसल गए और उनके पैर में चोट लग गई। नक्सलवादियों की संख्या पुलिस सैन्य दस्ते की तुलना में थी और उन्होंने पुलिस कर्मियों पर अपनी गोलियों की बौछार बंद नहीं की। पहले समूह ने वॉकी-टॉकी सेट पर डॉ. हरी बालाजी के नेतृत्व वाले पुलिस सैन्य दल से संपर्क स्थापित किया, जो पहले समूह के दायीं ओर कुछ दूरी पर था और उससे सहायता मांगी। इसी बीच, जब डॉ. हरि बालाजी को नक्सलियों द्वारा लगाई गई घात के बारे में वॉकी-टॉकी पर पता चला, तो उन्होंने तुरंत पहले समूह को भयभीत न होने का निर्देश दिया। इसके बाद, उन्होंने फंसे हुए पुलिस कर्मियों को बचाने के उद्देश्य से अन्य सदस्यों के साथ मिलकर हमलावर नक्सलवादियों को दायीं ओर से घेरना शुरू कर दिया। डॉ. हरि बालाजी ने चिल्लाकर नक्सलवादियों को पुलिस के आगे आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। परंतु नक्सलवादी अड़े हुए थे और यह चिल्ला रहे थे कि पुलिस कर्मियों को जाने मत दो और फंसे हुए पुलिस कर्मियों पर भारी गोलीबारी करके उन्हें मार दो। यह जानकर कि फंसी हुई टीम के लिए एक बचाव टीम आ रही है, नक्सलवादियों ने अलग-अलग समूहों में हरी बालाजी और उनके समूह के सदस्यों पर भयंकर गोलीबारी शुरू कर दी। एक छोटी सी टीम के साथ रणनीतिक तौर पर कमजोर स्थिति में होने के बावजूद अपने दल के कार्मिकों के साथ हरि बालाजी नक्सलवादियों के भीषण हमले से विचलित हुए बिना, आत्मरक्षा में सशस्त्र हमलावरों की दिशा में नियंत्रित गोलीबारी शुरू कर दी। नक्सली अपनी हमला करने की पोजीशन की दृष्टि से पुलिस कर्मियों की तुलना में स्पष्ट रूप से अच्छी स्थिति में थे, क्योंकि उन्होंने बड़ी चट्टानों और घने पेड़ों के पीछे कवर लेकर पहाड़ी के ऊंचाई वाले क्षेत्रों पर अपनी रणनीतिक पोजीशन ले रखी थी और वे अलग-अलग समूहों में भी बंटे हुए थे, जो घनी झाड़ियों में दिखाई भी नहीं देते थे। नक्सलवादियों ने गोलीबारी बंद नहीं की और साथ ही उन्होंने बचाव दलों पर दबाव भी बढ़ा दिया। कई दिशाओं से लगातार गोलीबारी के बीच, कांस्टेबल गिरीश ढेकले और अन्य कार्मिकों के साथ हरी बालाजी अपनी जगह से हिले बिना जोरदार जवाबी गोलीबारी करते हुए नक्सवादियों की ओर आगे बढ़ते रहे। हरि बालाजी और उनकी कमान में कांस्टेबल गिरीश ढेकले, वसंत आत्राम, बादल उसेंडी और पंकज हयामी नामक पुलिस कर्मियों वाली छोटी टीम ने नक्सलवादियों के साहस को पूरी तरह चकनाचूर कर दिया, जिससे उन्हें गहरा आघात पहुंचा और उन्हें पूरी तरह से अपनी रणनीतिक पोजीशन से हटना पड़ा।

इसके परिणामस्वरूप, प्रथम समूह, जो नक्सलवादियों के मारक क्षेत्र में फंसा हुआ था, के पुलिस कर्मियों को ज्यादा नुकसान के बिना सुरक्षित बचा लिया गया। तत्पश्चात हरी बालाजी की कमान में, पुलिस कर्मियों ने नक्सलवादियों की दिशा में जोरदार जवाबी गोलीबारी शुरू कर दी, जिससे उन्हें पीछे हटना पड़ा। लगभग 40-50 मिनट तक हुई इस भीषण मुठभेड़ में दो महिला नक्सलवादियों का सफाया कर दिया गया। पुलिस ने घटना स्थल से दो हथियार और बहुत से गोलाबारूद के साथ-साथ नक्सलवादियों की वस्तुएं बरामद कीं।

टीपागढ़ क्षेत्र, जहां यह ऑपरेशन चलाया गया था, के बारे में यह बताना प्रासंगिक है कि टीपागढ़ के जंगल का क्षेत्र घनी झाड़ियों और पहाड़ी वाला क्षेत्र है। वहां पर छिपने के बहुत से सक्रिय ठिकाने उपलब्ध हैं, झाड़ियां बहुत घनी हैं, बड़े-बड़े शिलाखंड उपलब्ध हैं, जिससे नक्सलवादियों को चट्टानों में मोर्चा बनाने और कई दिनों तक डेरा डालने में आसानी होती है। ऐसे क्षेत्र के फायदे की वजह से यह कई वरिष्ठ नक्सलवादी काडरों के लिए एक सुरक्षित स्थान माना जाता है। वर्ष 2017 के इसी महीने (नवम्बर) में, इस क्षेत्र में दो अलग-अलग घटनाओं में दो सुरक्षाबल कर्मी शहीद हुए थे। इन घटनाओं और मौतों के बाद, टीपागढ़ जंगल के आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बलों का मनोबल पूरी तरह से गिर गया था। सुरक्षा बलों को यह डर था कि नक्सलवादी उन पर किसी भी समय हमला कर सकते हैं। ऐसी परिस्थिति में, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन, डॉ. हरि बालाजी ने व्यक्तिगत रूप से अपने बल का नेतृत्व किया और उक्त क्षेत्र से 02 खूंखार नक्सलवादियों का सफलतापूर्वक सफाया किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री हरी बालाजी एन., आईपीएस, अपर पुलिस अधीक्षक, गिरीश मारोती ढेकले, नायक पुलिस कांस्टेबल और निलेश मारोती दुमणे, नायक पुलिस कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 19/11/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/216/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 129-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक

1.	अरविंद कुमार सक्सेना ,आईपीएस	पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	धर्मवीर सिंह	अपर पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.05.2017 को भोपाल के प्रसिद्ध 800+ बिस्तर वाला प्रसिद्ध मल्टीस्पेशिएलिटी हमीदिया अस्पताल परिसर के भीतर स्थित एक दवा के स्टोर के नजदीक एक विवादित पुराने भवन में प्रार्थना करने के लिए मुस्लिम समुदाय के कुछ शरारती तत्वों की जिद की वजह से टकराव शुरू हुआ। हमीदिया अस्पताल के परिसर के भीतर गेट लगा हुआ एक पुराना भवन है, जिस पर प्रथम विश्व युद्ध के समय के लेख हैं, जिनका अब कोई धार्मिक महत्व नहीं है। रमजान का पवित्र महीना शुरू होने पर, कुछ मुस्लिम युवक उक्त भवन के नजदीक इकट्ठा हो गए, उन्होंने उक्त लेखों की गलत व्याख्या करनी शुरू कर दी और इसे एक पवित्र स्थान घोषित कर दिया। उसके बाद उन्होंने उक्त भवन के भीतर विशेष प्रार्थना (तरारिन) और उसके बाद सहरी तथा 5 बार की नमाज पढ़ना शुरू कर दिया। यह उक्त परिसर में प्रार्थना करने की एक अभूतपूर्व घटना थी। इसके बाद, उन्हीं मुस्लिम युवकों ने इसे एक पूजा स्थल घोषित करते हुए इस भवन के बारे में झूठी अफवाहें फैलाना शुरू कर दिया। मुस्लिम समुदाय को भड़काने वाला दुष्प्रचार सोशल मीडिया के माध्यम से आग की तरह फैल गया, जिसमें मुस्लिमों से उक्त परिसर के भीतर प्रार्थना करने का आग्रह किया गया था।

अंततः अगले दिन, दिनांक 28.05.2017 को, लगभग 100-150 मुस्लिम युवक उक्त भवन के आस-पास इकट्ठा हो गए। उन्होंने उस स्थान तथा आस-पास के परिसर की सफाई की और प्रार्थना करने लगे। स्थिति की गंभीरता और संभावित साम्प्रदायिक झगड़े को भांपते हुए, शहर की पुलिस ने कार्यकारी शहर काजी एवं शहर मुफ्ती को "वॉयस ऑफ सेनिटी" के रूप में हस्तक्षेप करने के लिए बुलाया। शहर की पुलिस ने उनसे मुस्लिमों की भीड़ को उस स्थान पर प्रार्थना करने की अपनी इच्छा को त्याग देने और वहां से हटने के लिए मनाने का अनुरोध किया। तदनुसार, कार्यकारी शहर काजी एवं शहर मुफ्ती ने मुस्लिम युवकों को समझाया। यह रणनीति काम आई और इसके परिणामस्वरूप वे उस परिसर से चले गए। इसके बाद, यह मामला तत्काल शहर के प्रशासन को भेज दिया गया। इसके परिणामस्वरूप दिनांक 28.05.2017 को कार्यकारी शहर काजी के प्रतिनिधियों और जिला एवं पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच एक बैठक आयोजित की गई। आपसी विचार-विमर्श के माध्यम से मुस्लिम प्रतिनिधियों से विवादित भवन के भीतर कोई धार्मिक गतिविधि न करने की एक लिखित घोषणा ली गई।

अगले दिन, दिनांक 29.05.2017 को हिन्दू समुदाय के लगभग 2500-3000 लोग एक चबूतरे, जिस पर शिवलिंग था, के आस-पास इकट्ठा हो गए। यह चबूतरा हमीदिया अस्पताल के परिसर के भीतर उसी भवन के निकट स्थित है। हिंदुओं ने वहां पर आरती की, परंतु उस स्थान पर मौजूद पुलिस कर्मियों की सलाह और परामर्श पर वे शीघ्र ही वहां से चले गए। तथापि, इस कृत्य से दोनों समुदायों के बीच तनाव उत्पन्न हो गया। स्थिति का लाभ उठाते हुए, एक कट्टरवादी स्थानीय मुस्लिम प्रचारक, मुफ्ती अब्दुल रज्जाक खान ने दिनांक 30.05.2017 को इस आशय की झूठी सूचना फैलाने वाले पैम्फलेट बांटे कि हमीदिया अस्पताल के परिसर के भीतर स्थित विवादित भवन वास्तव में एक कादिमी मस्जिद है और अस्पताल प्रबंधन कथित तौर पर इसका इस्तेमाल एक स्टोर रूम के रूप में कर रहा है।

उक्त पैम्फलेट के माध्यम से, मुफ्ती अब्दुल रज्जाक खान ने मुस्लिम समुदाय से विवादित भवन को पुनः मस्जिद के रूप में परिवर्तित करने के लिए भारी संख्या में इकट्ठा होने का अनुरोध किया। इस पैम्फलेट ने मुस्लिम समुदाय में आग भड़काने का काम किया और दिनांक 30.05.2017 को लगभग 25-30 हजार मुसलमान विवादित भवन में प्रार्थना करने के लिए इकट्ठा हो गए। स्थिति का संज्ञान लेते हुए, अफवाह फैलाने और धार्मिक समूहों के बीच नफरत पैदा करने के लिए मुफ्ती अब्दुल रज्जाक खान के विरुद्ध पुलिस स्टेशन कोह-ए-फिजा, भोपाल में कानून की संगत धाराओं के अंतर्गत एक आपराधिक मामला दर्ज किया गया था।

बाद में, दिनांक 30.05.2017 को, बजरंग दल और विश्व हिन्दू परिषद के आग्रह पर, हमीदिया अस्पताल के परिसर में स्थित हनुमान मंदिर में महा आरती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह हिन्दुओं को भारी संख्या में इकट्ठा होने का एक आह्वान था। तथापि, पुलिस प्रशासन द्वारा उक्त संगठनों के 8-10 प्रमुख व्यक्तियों को ही महा आरती करने की अनुमति दी गई और शेष व्यक्तियों को हमीदिया अस्पताल के निकट पीर गेट पर रोक दिया गया। जब महा आरती पूरी हो गई, तब बजरंग दल और वीएचपी के कार्यकर्ताओं को हमीदिया अस्पताल के परिसर को खाली करने के लिए कहा गया। अस्पताल के पूर्वी गेट से बड़ी शांतिपूर्ण ढंग से जाते हुए, वे नारे लगा रहे थे। लगभग उसी समय, 400-500 के आस-पास मुस्लिम लोगों की भीड़ नारे लगाते हुए उक्त अस्पताल के आस-पास इकट्ठा हो गई। उनका आमना-सामना हो गया। शीघ्र ही स्थिति नाजुक हो गई और दोनों गुटों के बीच हिंसा भड़क गई, जो पत्थरबाजी से शुरू होकर, शीघ्र ही पेट्रोल बमों तथा अन्य हथियारों का प्रयोग करते हुए आगजनी में बदल गई। थोड़ी ही देर में, यह हिंसा तेजी से 5 किमी. के दायरे को गिरफ्त में लेते हुए इमामी गेट, पीर गेट, फतेहगढ़, गुज्जरपुरा, लक्ष्मी टॉकीज, रफीकिया स्कूल और अन्य नजदीकी स्थानों तक फैल गई।

चूंकि, स्थिति हिंसात्मक हो गई थी, इसलिए सूचना तेजी से फैल गई और 15-20 हजार की संख्या में मुस्लिमों की भीड़ शीघ्र ही हमीदिया अस्पताल के निकट इकट्ठा हो गई, जो वास्तव में एक मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र है। भीड़ उग्र हो गई थी और अपने रास्ते में आने वाली हर चीज को तहस-नहस कर देने के मूड में थी। वे लाठियों, तलवारों, खंजरों, चाकुओं, पत्थरों, पेट्रोल बमों और कई अन्य परिष्कृत हथियारों से लैस थे। उन्होंने निर्दोष जनता, आने-जाने वाले वाहनों और खड़े हुए वाहनों को निशाना बनाया तथा लाचार रोगियों को भी नहीं बख्शा और उन्हें निर्दयता से पीटा। भोपाल का यह हिस्सा, जो मुख्य रूप से ओल्ड भोपाल के नाम से जाना जाता है, घनी बस्ती और संकरी गलियों वाला है,

जहां पुलिसिंग बेहद मुश्किल है। दंगाइयों ने क्षेत्र और उक्त स्थान की जानकारी का लाभ उठाया। इसी बीच, नजदीक के हिंदू बाहुल्य वाले क्षेत्रों में, लगभग 5 हजार हिन्दू इकट्ठा हो गए और उन्होंने मुसलमानों के विरुद्ध नारे लगाना शुरू कर दिया। स्थिति अत्यधिक तनावपूर्ण हो गई और किसी भी क्षण नियंत्रण से बाहर होकर और अधिक गंभीर हो सकती थी।

जब मुस्लिम भीड़ हमीदिया अस्पताल की ओर जा रही थी, तभी अचानक दंगाई कर्लू वाली मंदिर को ढहाने के उद्देश्य से आवेश में उस ओर मुड गए। उक्त मंदिर लम्बे समय से हिन्दू समुदाय के लिए आस्था एवं पूजा का स्थल है और भोपाल के हिन्दू समुदाय के मन में इसका बहुत अधिक महत्व है। इसे ढहाने अथवा अपवित्र करने का कोई भी प्रयास हिन्दुओं की भावनाओं को इतना भड़का सकता था कि उसे संभालना मुश्किल हो जाता। इससे शहर के कई हिस्सों में दंगे की उग्रता बहुत अधिक बढ़ सकती थी। तत्पश्चात, यह स्थानीय दंगा राज्य के निकटवर्ती जिलों में फैल सकता था और दोनों समुदायों के बीच गहरी खाई पैदा कर सकता था। इस अवसर पर, समय पर की गई पुलिस कार्रवाई की वजह से तबाही टल गई। श्री अरविंद सक्सेना, पुलिस अधीक्षक (नॉर्थ) और श्री धर्म वीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (जोन-4) ने स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए, अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना नेतृत्व किया और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए स्वयं हवा में आंसू गैस के गोले छोड़े। वे अपने अधीन 20-25 बल कार्मिकों की न्यूनतम नफरी के साथ आगे रहकर नेतृत्व कर रहे थे। उनके साहस ने सभी बल कर्मियों में विश्वास पैदा कर दिया, जिन्होंने उग्र भीड़ को नियंत्रित करने के लिए समान जोश और दृढ़ निश्चय के साथ कार्रवाई की। यद्यपि वे संख्या में बहुत कम थे, तथापि, उन्होंने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले तथा आंसू गैस के ग्रेनेड फेंकने शुरू कर दिए और नियंत्रित हवाई फायर किया। इस प्रकार एक बड़ी त्रासदी टल गई। उक्त भीड़ हिन्दू मंदिर को निशाना नहीं बना सकी, जिससे कई सप्ताह तक दंगे भड़क सकते थे और समुदायों के बीच कभी न भरने वाली दरार पैदा हो सकती थी। श्री अरविंद सक्सेना, पुलिस अधीक्षक (नॉर्थ) और श्री धर्म वीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक (जोन-4) के नेतृत्व में पुलिस बल द्वारा की गई बहादुरीपूर्ण कार्रवाई से जान और माल की भारी क्षति टल गई। यहां पर उपर्युक्त कुछ घटनाएं ही उल्लेखनीय हैं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अरविंद कुमार सक्सेना, आईपीएस, पुलिस अधीक्षक और धर्म वीर सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31/05/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/206/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं.-130-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, पंजाब पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	बिक्रमजीत सिंह बराड़	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	सुखविंदर कुमार	सहायक उपनिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	परविंदर सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

एक गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि अंकित भादु, जो पंजाब, हरियाणा और राजस्थान राज्यों में सक्रिय एक कुख्यात गैंगस्टर है, अपने साथियों के साथ हरियाणा सीमा से सटे जीरकपुर- ढकोली क्षेत्र में छिपा हुआ है। यह गैंगस्टर राजस्थान के दिवंगत आनंद पाल ग्रुप, पंजाब के लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप और हरियाणा राज्य के काला राणा ग्रुप के साथ समन्वय स्थापित करके अपने गैंगस्टर ग्रुप चला रहा था। वह इन तीन राज्यों में सक्रिय था और साथ ही हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती, लूट, जबरन वसूली इत्यादि समेत दो दर्जन से अधिक जघन्य आपराधिक मामलों में सक्रिय रूप से भागीदार था। उसने, वर्ष 2015 में अपनी आपराधिक गतिविधियां शुरू कर दी थीं। अंकित भादु सोशल मीडिया पर भी सक्रिय था और उसने पुलिस अधिकारियों के लिए स्पष्ट रूप में धमकी जारी की थी। वह उक्त राज्यों के सभी तीन गैंगों का एक प्रमुख चेहरा था।

उक्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, बिक्रमजीत सिंह बराड़ डीएसपी, संगठित अपराध नियंत्रण यूनिट ऑपरेशन (ओसीसीयू) ने ओसीसीयू यूनिट पंजाब की एक पुलिस टीम के साथ उक्त गैंगस्टर का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने के लिए एक ऑपरेशन चलाया। उक्त सूचना हरियाणा के मैदानी इलाकों और पंजाब से सटे संघ-राज्य क्षेत्र की सीमा से एकत्रित की गई थी। पुलिस दल ने तकनीकी और मैदानी इलाकों से प्राप्त इन सूचनाओं की आगे पुष्टि की और संकेत दिया कि उक्त अंकित भादु और उसके सशस्त्र सहयोगी फ्लैट नं. 6-सी, महा लक्ष्मी होम्स, पीर मुच्छाला में छिपे हुए है। यह सूचना वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को भी दी गई थी।

तदनुसार, डीएसपी बिक्रमजीत सिंह बराड़ ने अपनी टीम के साथ महा लक्ष्मी होम्स की तीन मंजिला इमारत को घेर लिया और फ्लैट नंबर 6-सी पर छापा मारा। दरवाजा अंदर से बंद पाया गया। डीएसपी बिक्रमजीत सिंह बराड़ ने अंदर छिपे हुए अंकित भादु को तेज आवाज में चेतावनी दी, कि तुम्हें चारों तरफ से घेर लिया गया है और उसे आत्मसमर्पण करने को कहा। कई बार चेतावनी देने के बावजूद, इन अपराधियों ने आत्मसमर्पण नहीं किया। इसके विपरीत, उनमें से एक बालकनी में आया और पुलिस कर्मियों को मारने के इरादे से पुलिस पार्टी की ओर गोलीबारी की। तत्पश्चात, बिक्रमजीत सिंह बराड़, डीएसपी ने फ्लैट के मुख्य दरवाजे को धक्का दिया और उसे तोड़ दिया तथा फ्लैट के अंदर घुस गए। इसी बीच, अंकित भादु फ्लैट के पीछे वाले कमरे में घुस गया तथा उसने दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। बालकनी से फायरिंग करने वाले आरोपी ने लॉबी में घुसकर पुलिस पार्टी पर अपनी पिस्तौल से 2 गोलियां चलाई, एक गोली हेड कांस्टेबल परमिंदर सिंह नंबर 527/4 आईआरबी, (अब एएसआई-एलआर) के बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जिसके परिणामस्वरूप पुलिस पार्टी को भी आत्मरक्षा में गोलियां चलानी पड़ी। श्री बिक्रमजीत सिंह बराड़, डीएसपी ने बहादुरी के साथ उक्त व्यक्ति को हथियार के साथ पकड़ लिया। डीएसपी बिक्रमजीत सिंह बराड़ ने अंकित भादु को आत्मसमर्पण करने के लिए दुबारा कहा, लेकिन वह पीछे के दरवाज़े से बालकनी में चला गया और उसने पीछे की ओर तैनात पुलिस पार्टी पर गोलियां चला दी, जिसके कारण पुलिस पार्टी ने भी आत्म रक्षा में गोलियां चलाईं। तेजी से कार्रवाई करते हुए, श्री बिक्रमजीत सिंह बराड़, डीएसपी ने अपनी पुलिस पार्टी के साथ मिलकर दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, लेकिन अंकित भादु तुरंत फ्लैट के निचले तल की बालकनी की लोहे की रेलिंग की ओर फ्लैट से कूद गया और खिड़की के शीशे को तोड़कर फ्लैट में घुस गया। उक्त फ्लैट में जबरन प्रवेश करने के बाद, उसने दो नाबालिग लड़कियों सहित पूरे परिवार को बंदूक की नोंक पर बंधक बना लिया। अंकित भादु ने उक्त परिवार को बंदूक की नोंक पर सामने की बालकनी की ओर जाने के लिए मजबूर किया और फिर वहां से गोलीबारी की। दोनों बंधक नाबालिग लड़कियों अर्थात् अवनी पराशर और अक्षिता पराशर को अंकित भादु की गोलीबारी से चोटें आई। श्री बिक्रमजीत सिंह बराड़, डीएसपी और एएसआई सुखविंदर कुमार ने बहादुरी और समझदारी से काम लिया और अपनी जान गंवाने और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना सीढ़ियों से फ्लैट के सामने की बालकनी की ओर चले गए तथा नाबालिग लड़कियों की जान बचाने के लिए अपने हथियारों से गोलियां चलाई। एएसआई सुखविंदर कुमार (अब एसआई-एलआर) अंकित भादु की फायरिंग से घायल हो गए और अंकित भादु भी क्रॉस फायरिंग में घायल हो गया। दोनों नाबालिग लड़कियों और घायल अपराधी को इलाज के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान, अस्पताल में भर्ती अंकित भादु की मौत हो गई। अंकित भादु के गुर्गों में से एक, जो दो हत्याओं के साथ तीन आपराधिक मामलों में भी फरार चल रहा था और अंकित भादु का साथ दे रहा था, को फ्लैट से गिरफ्तार कर लिया गया था। घटनास्थल की तलाशी के दौरान, यूएसए में निर्मित एक .45 बोर पिस्टल कॉल्ट और अपराध में इस्तेमाल किए गए 66 कारतूसों के साथ तुर्की निर्मित एक 9 एमएम जिगना पिस्टल को बरामद किया गया। पुलिस स्टेशन ढकोली, जिला-एसएएस नगर, पंजाब में आईपीसी की धारा 307, 332, 353, 186, 342 और आयुध अधिनियम की धारा 25/54/59 के तहत दिनांक 07.02.2019 को एक मामलागत एफआईआर संख्या 15 दर्ज की गई है।

इस उपरोक्त पुलिस कार्रवाई में, डीएसपी श्री बिक्रमजीत सिंह बराड़ (पीपीएस), एएसआई सुखविंदर कुमार सं. 3441/पीएपी (अब एसआई-एलआर) और हेड कांस्टेबल परमिंदर सिंह 527/4 आईआरबी (अब एएसआई-एलआर)) ने असाधारण साहस, निर्भीकता, सूझबूझ का प्रदर्शन किया और अपने जीवन की परवाह किए बिना कर्तव्यों के निर्वहन में बहादुरी से काम किया। अगर इन पुलिस अधिकारी/अधिकारियों ने इस तरह के अपराधी की घेराबंदी न की होती, तो वह अपने साथियों के साथ भाग जाता और वे कई निर्दोष बंधकों को मार देते। इन अधिकारियों की ऐसी प्रतिबद्धता, जिन्होंने जरूरत की घड़ी में अटूट तत्परता का प्रदर्शन किया है और जो निर्दोष लोगों, बंधकों की रक्षा करते समय तथा इन कट्टर एवं खतरनाक अपराधियों को गिरफ्तार करने की कोशिश करते समय अपने जीवन को खो देने का डर होने के बाद भी अडिग रहे, वास्तव में कर्तव्यपरायता का एक बेहतरीन उदाहरण है। यहां तक कि अनिश्चितता और संदेहों के बीच, कि क्या वे एक नए दिन को देखने के लिए जीवित रहेंगे, सेवा के प्रति उनका सम्मान और अपने साथियों को स्वेच्छा से सहयोग देने की उनकी प्रतिबद्धता, वास्तव में अनुकरणीय है और ये गुण ऐसे अधिकारियों को सामान्य अधिकारी से पृथक करते है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री बिक्रमजीत सिंह बराड़, उप पुलिस अधीक्षक, सुखविंदर कुमार, सहायक उपनिरीक्षक और परविंदर सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/02/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/230/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 131-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	सुनील कुमार	उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	विनय कुमार शर्मा	उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	अमित कुमार तेवतिया	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 06.02.2018 को थाना कोतवाली के पुलिसकर्मी, श्री सुनील कुमार, उप-निरीक्षक, बुढाना मोड़ आउट पोस्ट के प्रभारी और श्री विनय कुमार शर्मा, उप-निरीक्षक, शामली बस स्टैंड, आउट पोस्ट के प्रभारी, पीएस कोतवाली, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश अपने-अपने कार्यक्षेत्र में पेट्रोलिंग ड्यूटी पर थे। इसी बीच, शाम के समय उन्हें पचास हजार रुपये के इनामी भगोड़ा अपराधी की मुजफ्फरनगर-सहारनपुर हाईवे पर रामपुर ट्राई-जंक्शन से रोहाना की ओर पल्सर मोटरसाइकिल पर अपने सहयोगी के साथ आने के बारे में कंट्रोल रूप से सूचना प्राप्त हुई थी।

तुरंत, कांस्टेबल अमित कुमार तेवतिया, श्री सुनील कुमार उप-निरीक्षकऔर श्री विनय कुमार शर्मा, उप-निरीक्षक, पुलिस स्टेशन कोतवाली, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश ने संयुक्त कार्रवाई शुरू की और बड़ी फुर्ती से एक वाहन चेक पोस्ट लगाया तथा अपराधियों को रोकने के लिए मुजफ्फरनगर-सहारनपुर हाईवे पर, एसआर पेट्रोल पंप, रोहाना के नजदीक संदिग्ध वाहनों की जांच करनी शुरू की।

जब पुलिस टीम सभी वाहनों की पूरी सतर्कता से जाँच कर रही थी, उन्होंने रामपुर ट्राई-जंक्शन की ओर से बहुत तेजी से आ रही पल्सर मोटरसाइकिल को देखा और शिखेरा थाने की पुलिस की गाड़ी काफी करीब से उनका पीछा कर रही थी।

पीएस कोतवाली, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश के अंतर्गत बुढाना मोड़ आउट पोस्ट के प्रभारी उप-निरीक्षकश्री सुनील कुमार और शामली बस स्टैंड के प्रभारी उप-निरीक्षकश्री विनय कुमार शर्मा उनको रोकने के लिए फुर्ती और निर्भीकता से बीच सड़क पर आ गए।

जब अपराधियों ने आगे और पीछे दोनों तरफ पुलिस को अपने काफी नजदीक पाया, तो वे अचंभे में पड़ गए और उन्होंने मोटरसाइकिल को नजदीक चक रोड की ओर अचानक मोड़ लिया। इस चालाकी के दौरान, मोटरसाइकिल फिसल गई, जिसके बाद उपद्रवी इसे छोड़कर भाग गए तथा उन्होंने कत्ल करने के उद्देश्य से पुलिस दलों पर अचानक अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

श्री सुनील कुमार, उप-निरीक्षकसिविल पुलिस, श्री विनय कुमार शर्मा, उप-निरीक्षकसिविल पुलिस और श्री अमित कुमार तेवतिया, कांस्टेबल सिविल पुलिस ने रणनीतिपूर्वक उपद्रवियों को गोलीबारी रोककर नियमानुसार आत्मसमर्पण करने को कहा। तथापि, अपराधियों ने अंधाधुंध गोलीबारी जारी रखी, जिसमें श्री विनय कुमार शर्मा, उप-निरीक्षकऔर कांस्टेबल अमित कुमार तेवतिया गोली लगने से घायल हो गए।

आमने-सामने की इस खतरनाक लड़ाई में श्री सुनील कुमार, उप निरीक्षक ने यह देखते हुए कि उपरोक्त उप निरीक्षक और कांस्टेबल घायल हो चुके हैं, जवाबी गोलीबारी में अपराधियों को उलझाये रखा। श्री विनय कुमार, उप निरीक्षक और कांस्टेबल अमित कुमार ने भी अपनी चोटों के बावजूद अपराधियों को उलझाये रखा।

अदम्य साहस, असाधारण वीरता और अपनी सुरक्षा के प्रति उदासीनता प्रदर्शित करते हुए, उक्त पुलिस अधिकारियों ने आत्मरक्षा में गोलीबारी का सहारा लिया और उपद्रवियों को काबू में करने के लिए चतुराईपूर्वक आगे बढ़े। इस कार्रवाई में एक अपराधी को 19:15 बजे गोली लगी, जिसके कुछ देर बाद उसकी मृत्यु हो गई और उसकी पहचान विकास पुत्र इंद्रपाल, गांव-खंजापुर, पीएस-कोतवाली, जिला-मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। दूसरा अपराधी अंधेरे और घने गन्ने के खेत का लाभ उठाकर भाग गया।

अपराधियों के साथ आमने-सामने की इस मुठभेड़ में, श्री सुनील कुमार उप-निरीक्षक सिविल पुलिस, श्री विनय कुमार शर्मा, उप-निरीक्षक सिविल पुलिस और श्री अमित कुमार तेवतिया, कांस्टेबल सिविल पुलिस, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश ने अपराधियों द्वारा की जा रही अंधाधुंध गोलीबारी के सामने अदम्य साहस, वीरता और कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री सुनील कुमार, उप-निरीक्षक, विनय कुमार शर्मा, उप-निरीक्षक और अमित कुमार तेवतिया, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 06/02/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/82/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 132-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	प्रशान्त कुमार ,आईपीएस	अपर पुलिस महानिदेशक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2.	संजीव कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 24/25.03.2018 की मध्यरात्रि डॉ. अजय पाल, एसएसपी गौतम बुद्ध नगर के साथ श्री प्रशान्त कुमार, आईपीएस, अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ, (उ.प्र.) गैर-कानूनी तत्वों की निगरानी के लिए गौतम बुद्ध नगर जिले में पेट्रोलिंग कर रहे थे। इसी बीच, उन्हें नोएडा-ग्रेटर नोएडा लिंक रोड पर डीएल-2सी एएस/0404 नबंर वाली एक मारूति स्विफ्ट डिजायर में स्वचालित हथियारों से लैस अपराधियों की संदिग्ध गतिविधियों के बारे में पुलिस कंट्रोल रूम, गौतम बुद्ध नगर से सूचना प्राप्त हुई और श्री संजीव कुमार, निरीक्षक इंचार्ज, क्राइम ब्रांच, गौतम बुद्ध नगर और उनकी टीम, पुलिस स्टेशन- फेज-।।।, गौतम बुद्ध नगर के अधिकार-क्षेत्र में इन अपराधियों का पीछा कर रही थी।

श्री प्रशान्त कुमार, एडीजी, मेरठ जोन और डॉ. अजय पाल, एसएसपी, गौतम बुद्ध नगर तुरंत हरकत में आए और उन्हें रोकने के लिए अपने सरकारी वाहनों में सवार होकर पर्थला चौक की ओर चल पड़े।

जब श्री प्रशान्त कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक और श्री अजय पाल, एसएसपी, पर्थला चौक से कुछ ही दूरी पर थे, तो उन्होंने पर्थला की ओर से तेज गति से आ रही एक स्विफ्ट डिजायर कार को देखा, जिसका पुलिस वाहन द्वारा नजदीक से पीछा किया जा रहा था। जब स्विफ्ट डिजायर कार पुलिस वाहन के काफी नजदीक आई, तो कार में बैठे अपराधियों ने अपनी कार को शातिराना अंदाज में बड़ी चालाकी से मोड लिया और नजदीक के सर्विस रोड पर तीव्र गति से चले गए तथा पास में एक टूटी हुई बाउंड्री वॉल में फंस गए।

भारी मात्रा में हथियारों से लैस दोनों अपराधी कार से बाहर निकले और उन्होंने टूटी हुई बाउंड्री वॉल के पीछे खुद को बड़ी चालाकी से छिपा लिया, जहां से उन्होंने पीछा कर रही पुलिस टीम पर उन्हें जान से मारने के इरादे से अंधाधुंध और बेतहाशा फायरिंग की।

अपने सहयोगी पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर श्री प्रशांत कुमार, एडीजीपी ने सामने से फायरिंग कर रहे दोनों अपराधियों का सतर्कता से मुकाबला किया। एडीजीपी प्रशांत कुमार द्वारा अपराधियों को फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण करने के लिए आत्मविश्वास के साथ चुनौती दी गई थी, लेकिन वे लगातार गोलीबारी की हिम्मत करते रहे। फिर भी, श्री प्रशांत कुमार ने अपराधियों द्वारा की जा रही खतरनाक और जीवन के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली फायरिंग से निर्भीक होकर आगे रहकर पुलिस दल का नेतृत्व किया और बिना किसी भय के आगे बढ़ते गए। जघन्य, निर्दयी और निष्ठुर अपराधियों द्वारा की जा रही अंधाधुंध फायरिंग से 03 पुलिस अधिकारी नामतः श्री प्रशान्त कुमार, एडीजी, श्री अजय पाल, एसएसपी, गौतम बुद्ध नगर और श्री संजीव कुमार, निरीक्षक, सीपी गौतम बुद्ध नगर के शरीर के महत्वपूर्ण अंगों पर गोली लगी। तथापि, सौभाग्यवश बीपी, जैकेट पहनने के कारण तीनों अधिकारी घायल होने से बच गए।

अपराधियों के साथ आमने-सामने की इस लड़ाई के दौरान, अपनी टीम के साथ श्री प्रशान्त कुमार, एडीजी ने अपने रणनीतिक और दृढ़तापूर्वक फैसलों से इन अपराधियों को जिन्दा पकड़ने में वीरता, अदम्य साहस और उच्च कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया।

वे चतुराई से आगे बढ़ते रहे और उन्होंने आत्म रक्षा में अपराधियों पर फायर किया, जिसके कारण एक अपराधी लहू-लुहान होकर नीचे गिरा और जख्मी हो गया, जबकि दूसरा अपराधी बच निकलने में सफल रहा। बाद में, घायल व्यक्ति की पहचान दुर्दांत, कुख्यात अंतर-राज्यीय भगोड़ा अपराधी नामतः श्रवण पुत्र विनोद के रूप में हुई, जिसके ऊपर 1,50,000 रुपए का इनाम घोषित था। बाद में, उसकी चोट लगने से मौत हो गई। इस घटना के बाद, पुलिस की तलाशी के दौरान फैक्ट्री निर्मित अत्याधुनिक हथियार [एक एके-47 और एक 0.315 बोर की राइफल तथा इसके कारतूस (खाली और जिंदा)] सफलतापूर्वक बरामद किए गए थे।

इस मुठभेड़ में, श्री प्रशान्त कुमार, एडीजी और उनकी टीम ने अद्वितीय पहल, अदम्य साहस, उत्कृष्ट वीरता और असाधारण कर्त्तव्यपरायणा का परिचय दिया, जिसके फलस्वरूप 1.5 लाख रुपए का इनामी बदमाश मारा गया और स्वचालित असॉल्ट राइफल (एके-47) की बरामदगी हुई।

इस ऑपरेशन में प्रशान्त कुमार, आईपीएस, अपर पुलिस महानिदेशक और संजीव कुमार, निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/193/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 133-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अभिषेक सिंह ,आईपीएस	वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	बृजेश कुमार सिंह	उप पुलिस अधीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	रकम सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 27.04.2018 को पीएस-दौराला, जिला-मेरठ के अधिकार–क्षेत्र में एक सनसनीखेज डकैती हुई, जिसमें विदाई के उपरांत कार में जा रही दुल्हन महविश की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। कार, कैश और उसके शरीर से जेवरात लूटे गए थे। एक आरोपी गिरफ्तार किया गया था, जबकि मुख्य आरोपी हिमांशु उर्फ नरसी उर्फ टाइगर और धीरज समेत तीन अन्य फरार थे तथा उनमें से प्रत्येक के उपर 25000/- रुपए का इनाम घोषित था। खुफिया जानकारी एकत्र करने के क्रम में, दिनांक 29.05.2018 को कार्रवाई करने योग्य एक सूचना प्राप्त हुई, कि मुख्य आरोपी हिमांशु और धीरज मेरठ – करनाल रोड पर पदम कोल्ड स्टोरेज के सामने रास्ते में एक खंडहर में छिपे हुए हैं। यूनिट के निरीक्षण के लिए मेरठ में मौजूद एसएसपी एसटीएफ अभिषेक सिंह एसटीएफ दल के साथ उस जगह पर पहुंच गए। एसटीएफ ने उक्त जगह पर पहुंचने के लिए कंकरखेड़ा पुलिस से भी संपर्क किया। पदम कोल्ड स्टोरेज में पहुंचने पर पीएस, कंकरखेड़ा के एसआई रविन्द्र कुमार और कांस्टेबल अनीश कुमार वहां मौजूद मिलें। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में दो दलों का गठन किया गया था। पुलिस वाहनों को सुरक्षित स्थान पर पार्क करने के बाद, पुलिस दल खंडहर की ओर पैदल चल पड़ा। एसएसपी के नेतृत्व वाला पहला पुलिस दल उबड़-खाबड़ और झाड़ीदार भूमि का कवर लेते हुए आगे बढ़ा तथा अपर पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व वाला दूसरा दल उपड़-खाबड़ झाड़ीदार भूमि का कवर लेते हुए बायीं ओर से आगे बढ़ा। खंडहर में एक-दूसरे से बात कर रहे दो लोगों की पहचान हिमांशु और धीरज के रूप मे हुई। एसएसपी अपराधियों की ओर रेंगते हुए बढ़ गए और उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए तेज आवाज में ललकारकर कहा, जिसके प्रतिउत्तर में अपराधियों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी, जिससे एसएसपी बाल-बाल बचे। दोनों अपराधियों द्वारा की जा रही अंधाधुंध फायरिंग के बावजूद, एसएसपी अपने जीवन को खतरे में डालकर और असाधारण साहस का परिचय देते हुए अपने दल के साथ आगे बढ़ गए।

पुलिस द्वारा दी गई चेतावनियों ने अपराधियों को और ज्यादा आक्रामक बना दिया तथा उन्होंने अपनी अंधाधुंध फायरिंग को और तेज किया। कोई विकल्प न पाने पर एसएसपी, डीएसपी बृजेश कुमार सिंह और कांस्टेबल रकम सिंह रेंगते हुए आगे बढ़े और उन्होंने आत्मरक्षा में नियंत्रित फायरिंग की। अचानक एसएसपी के सिर और डीएसपी तथा कांस्टेबल के कान के बगल से गोली निकली, लेकिन उन्होंने स्वयं को चतुराईपूर्वक बचा लिया और जवाबी फायरिंग की। दूसरे दल ने खंडहर के बायीं ओर से आगे बढ़ते हुए पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर रहे अपराधियों को चुनौती दी और आत्मरक्षा में फायरिंग की। जवाबी फायरिंग के परिणामस्वरूप, अपराधियों की चीख सुनाई दी। जब फायरिंग रूक गई, तब पुलिस पार्टी अपराधियों के पास पहुंची। एक अपराधी खंडहर के सामने और दूसरा उसके बगल में घायल पड़ा था। उनके हथियार, जिनमें एक 9 एमएम कार्बाइन सब-मशीनगन, एक 32 बोर पिस्टल और एक 9 एमएम पिस्टल शामिल हैं, उनके पास पड़े हुए थे। घायल अपराधियों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी मौत हो गई। मृत अपराधियों की पहचान हिमांशु और धीरज चौधरी के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में अभिषेक सिंह, आईपीएस, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बृजेश कुमार सिंह, उप पुलिस अधीक्षक और रकम सिंह, हेड कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/05/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/10/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं.-134-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, असम राइफल्स के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
डॉ .श्याम सुंदर शाह	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

यह अधिकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे थे। एक चिकित्सक होने के नाते, उन्होंने अपने पेशेवर कार्यों के अतिरिक्त सूचना के विभिन्न स्रोतों को तलाशने की पहल की और प्रभावी इंटेलिजेंस नेटवर्क कायम किया, जिसकी वजह से दिनांक 05 मई, 2017 को एक सफल ऑपरेशन अर्थात "ओपी जालुकी टाउन" संभव हो सका।

एक घर में सशस्त्र कैडरों और नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालैंड (इसाक ईवाह) के हथियारों के जखीरे की मौजूदगी होने के बारे में 2-आई/सी डॉ. श्याम सुंदर शाह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा विभिन्न स्रोतों से जुटाई गई सूचना के आधार पर, एक निगरानी दल द्वारा संदिग्ध मकान की सतर्कतापूर्वक निगरानी की जाने लगी।

मकान में सशस्त्र कैडरों की उपस्थिति की पुष्टि होने पर जालुकी में दिनांक 05 मई, 2017 को 1100 बजे एक सुविचारित और सुनियोजित ऑपरेशन बटालियन मुख्यालय, 36 असम राइफल्स से शुरू किया गया था। सैन्य दस्ता 1215 बजे गंतव्य पर पहुंचा और संदिग्ध मकान की घेराबंदी की। घेराबंदी करने के दौरान, 2-आई/सी डॉ. श्याम सुंदर शाह, मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने तीन संदिग्ध विद्रोहियों को उस मकान से भागते हुए देखा। अपनी टीम के साथ 2-आई/सी डॉ. श्याम सुंदर शाह ने अपनी सुरक्षा को नजरअंदाज करते हुए भाग रहे विद्रोहियों का पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। 2-आई/सी डॉ. श्याम सुंदर शाह और उनकी टीम आस-पास की सिविल आबादी का ध्यान रखते हुए भाग रहे विद्रोहियों पर फायरिंग करने से बचते रहे। इस प्रकार, किसी प्रकार के अतिरिक्त नुकसान को टाला गया। इसके बाद, उस जगह की तलाशी ली गई और यह ऑपरेशन एक एसएस कैप्टन, अतुम न्यूमे समेत नौ विद्रोहियों की गिरफ्तारी और पांच एके सीरीज राइफलों, छः छोटे हथियार, पांच हैंड ग्रेनेड, एक रेडियो सेट और अन्य युद्ध सामग्रियों की जब्ती के साथ समाप्त हुआ।

एक डॉक्टर होने के बावजूद, अधिकारी ने अपने कर्त्तव्यों से आगे बढ़कर सूचना पाने के विभिन्न स्रोत बनाए और संदिग्ध मकान को निगरानी दल की सावधानीपूर्वक निगरानी में रखा। अपने सृजित स्रोतों और निगरानी दल से इस आसूचना की पुष्टि होने पर, उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और ऑपरेशन के दौरान अदम्य साहस तथा सामरिक कौशल का परिचय दिया। उनकी असाधारण पहल, त्रुटिहीन आयोजना, खतरे के समय ओजस्वी नेतृत्व और साहसिक कार्य उनकी विशिष्ट वीरता के प्रतीक हैं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री डॉ. श्याम सुंदर शाह, द्वितीय कमान अधिकारी ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/05/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/115/2017-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 135-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	स्व. गजेन्दर सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
2.	स्व. अमरेश कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
3.	वालकुंडे शान्तीलाल देवीदास	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मातला रिजर्व फॉरेस्ट क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी होने के संबंध में प्राप्त सूचना के आधार पर दिनांक 6 मार्च, 2018 को एक संयुक्त ऑपरेशन "ट्यूलिप - 06", शुरू किया गया था, जिसमें भिलाई क्षेत्र की विभिन्न यूनिटों से 8 टीमें शामिल की गई थी। ऑपरेशन की योजना 2 रात और 3 दिनों की अवधि के प्रत्येक चरण के साथ पांच चरणों के लिए बनाई गई थी। प्रथम चरण में, टीम सं. 07 ने यह ऑपरेशन श्री गजेन्दर सिंह, सहायक कमाडेंट, कंपनी कमांडर के नेतृत्व में सीओबी रावघाट, ईएक्स-134 बटालियन बीएसएफ से शुरू किया था।

दिनांक 6 मार्च 2018 को लगभग 0715 बजे, टीम सं. 07 ने संदिग्ध व्यक्तियों के एक समूह को गांव निबरा के निकट कुछ दूर से देखा। बीएसएफ पार्टी को अपनी ओर आते देखकर वे कुछ वस्तुएं छोड़कर जंगल में गायब हो गए। नक्सलियों की उपस्थिति का आभास होने पर, श्री गजेन्दर सिंह, सहायक कमांडेंट ने स्थिति का विश्लेषण और खतरे का आकलन करने के बाद, ऑपरेशन की योजना की समीक्षा की और उन्हें ढूंढने के लिए आगे बढ़े। दिनांक 07 मार्च, 2018 को, जब टीम सं. 07 एचटी-692 के पास गांव-मासपुर से लगभग 1.5 किमी. दक्षिण-पश्चिम की ओर घने जंगल और शिलाखंडों से घिरे हुए संकरे रास्ते से होकर जा रही थी, तभी अचानक इस पार्टी पर अनेकों आईईडी धमाकों और विभिन्न प्रकार के हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग के साथ घात लगाकर हमला किया गया। श्री गजेन्दर सिंह, सहायक कमांडेंट ने पार्टी के एक सच्चे कमांडर के रूप में अपनी टीम का नेतृत्व करने का निर्णय लिया और कांस्टेबल अमरेश कुमार उनसे लगभग 10 मीटर पीछे थे।

नक्सलियों द्वारा लगाए गए अम्बुश में फंस जाने के बाद, श्री गजेन्दर सिंह, सहायक कमांडेंट ने आक्रामक रूख अपनाया तथा नक्सलियों द्वारा भारी गोलीबारी किए जाने और उनकी जवाबी गोलीबारी में घायल होने के बावजूद, उन्होंने आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए नक्सलियों द्वारा लगाए गए अम्बुश को विफल करने का साहसिक प्रयास किया। वे नक्सलियों को कुछ समय तक रोके रखने में सफल रहे, जिसके परिणामस्वरूप उनकी पार्टी के बाकी सदस्य खतरे वाली जगह से बाहर निकलने और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पोजीशन लेने में सफल रहे। कांस्टेबल अमरेश कुमार, जो श्री गजेन्दर सिंह, सहायक कमांडेंट के पीछे-पीछे चल रहे थे, ने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद नक्सलियों द्वारा की गई गोलीबारी का मुंहतोड़ जवाब दिया। आईईडी विस्फोटों और गोलियों की बौछार से निडर, ये दोनों नक्सलियों द्वारा लगाए गए अम्बुश को विफल करने के लिए उनकी ओर लगातार गोलीबारी करते रहे। इन दोनों सैनिकों की साहसिक कार्रवाई से नक्सलियों को पीछे हटना पड़ा और एसआई(जी) वालकुंडे शान्तीलाल देवीदास के नेतृत्व वाले दल के बाकी सदस्यों को जवाबी अम्बुश लगाने के लिए समय मिल गया। एसआई(जी) वालकुंडे शान्तीलाल देवीदास ने स्थिति पर नियंत्रण किया और नक्सलियों द्वारा बीएसएफ टीम को आगे किसी भी नुकसान से बचाने के लिए इसे प्रभावी ढंग से संभाला।

श्री गजेन्दर सिंह, सहायक कमांडेंट और कांस्टेबल अमरेश कुमार ने अभूतपूर्व धैर्य, नेतृत्व क्षमता, आत्मबल, प्रतिबद्धता और सौंपे गए कर्तव्य के प्रति इमानदारी दिखाई तथा नक्सलियों के साथ बहादुरी से लड़ते हुए उच्चस्तरीय पेशेवरता का परिचय दिया। वे नक्सलियों द्वारा लगाए गए कठिन अम्बुश को विफल करने के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरीपूर्वक लड़े और उन्होंने अपनी टीम के बाकी सदस्यों की जान बचाई। बल के दोनों शहीद, उनके द्वारा किए गए सर्वोच्च बलिदान के लिए सम्मान के हकदार हैं। इसी प्रकार, टीम को संगठित करने और जवाबी अम्बुश लगाने में एसआई(जी) वालकुंडे शान्तीलाल देवीदास के प्रयास, गंभीर खतरे का सामना करते समय बहादुरी और पेशेवरता के दुर्लभ उदाहरण हैं।

इस ऑपरेशन में स्व. गजेन्दर सिंह, सहायक कमांडेंट, स्व. अमरेश कुमार, सिपाही और वालकुंडे शान्तीलाल देवीदास, उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 07/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/12/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 136-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
स्व .श्री अभिजीत नंदी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 5 जुलाई 2015 को 1515 बजे से 1550 बजे तक दुश्मनों (पाक सैन्य दस्तों) द्वारा सीजफायर का उल्लंघन किया गया था। उनके द्वारा एफडीएल बादल से लगभग 300 से 350 मीटर आगे दुश्मन के एफडीएल रफात के फॉरवर्ड स्लोप से 17वीं इन्फेंट्री ब्रिगेड, नौगाम, जिला कुपवाड़ा, जम्मू एंड कश्मीर के आर्मी ऑपरेशंस कंट्रोल के अंतर्गत लाइन ऑफ कंट्रोल पर हमारी आर्मी पोस्ट/एफडीएल बादल पर 2-3 बार बिना उकसावे वाली ताबडतोड फायरिंग की गई और लगभग 25 से 30 राउंड फायर किए गए। यह क्षेत्र चीड़ के पेड़ों और घने जंगलों से ढका हुआ है। संख्या 120902226 कांस्टेबल अभिजीत नंदी, बी कंपनी, 119 बटालियन बीएसएफ को 1400 बजे से हमारी आर्मी पोस्ट/एफडीएल बादल पर साथी नायक अर्जुन सिंह, बी कंपनी, 03 कुमाऊं राइफल के साथ बंकर के अंदर के ऊपरी भाग पर एलएमजी के लिए संतरी की ड्यूटी हेतु तैनात किया गया था।

लगभग 1515 बजे, सीमा पार से दुश्मनों (पाकिस्तानी सैनिकों) द्वारा सीजफायर के उल्लंघन और बिना उकसावे वाली फायरिंग, जिसके तहत उनके द्वारा हमारी आर्मी पोस्ट/एफडीएल बादल पर 2-3 बार ताबडतोड 25 से 30 राउंड फायर किए गए, के कारण ड्यूटी पर तैनात कांस्टेबल अभिजीत नंदी, 'बी' कंपनी 119 बटालियन बीएसएफ को दाहिने कंधे के नीचे रिकोचेट बुलेट/स्पिलिंटर की चोटें आई, जिसमें शरीर में उसके प्रवेश करने के जख्म तो थे, लेकिन बाहर निकलने के जख्म नहीं थे और वह बंकर के अंदर जमीन पर अचेत होकर गिर पड़े। ड्यूटी पर तैनात उनके साथी "डी" कंपनी, 03 कुमाऊं राइफल के नायक अर्जुन सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार दिया। उन्हें एफडीएल में भी प्राथमिक उपचार दिया गया और लगभग 30-45 मिनट तक सीपीआर भी दिया गया था। इसके बाद' लगभग 1710 बजे स्ट्रेचर पर आर्मी एफडीएल संगम ('बी' कंपनी मुख्यालय, 03 कुमाऊं राइफल) में सुरक्षित स्थान पर पैदल ले जाया गया था। उन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया था और 319 अडवांस ड्रेसिंग स्टेशन फील्ड हॉस्पिटल, कैयन बाउल तुरंत भेजा गया था, जहां सेना के डॉक्टर ने लगभग 1805 बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पूरी स्थिति का जायजा लेने के बाद, नियंत्रण रेखा पार से दुश्मनों द्वारा की गई अकारण गोलीबारी का मुहतोड़ जवाब हमारी आर्मी पोस्ट-किनिस से हमारे सैनिकों द्वारा दुश्मन के एफटीएफ/पोस्ट रफात के फॉरवर्ड स्लॉप की ओर 15 राउंड फायर करके तुरंत दिया गया।

कांस्टेबल अभिजित नंदी अदम्य साहसी होने के कारण आतंकित या पूर्णतया पराजित नहीं हो सकते थे और वे न केवल नियमित संघर्ष विराम उल्लंघन/गतिरोध हमले/पाक सेना द्वारा बैट एक्शन, बल्कि दुर्गम क्षेत्रों तथा प्रतिकूल मौसम के कारण होने वाले खतरे के बावजूद ऑपरेशनल ड्यूटी के दौरान अपनी जीर्ण-शीर्ण चौकियों पर तैनात रहते थे। इस बहादुर हृदय ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किये बिना कठिन परिस्थिति में भी युद्ध कौशल और अदम्य साहस का प्रदर्शन किया तथा नियंत्रण रेखा पार से दुश्मनों (पाक सैनिकों) द्वारा की गई अकारण गोलीबारी के दौरान सक्रिय सेवा देते हुए देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया।

इस ऑपरेशन में स्व. श्री अभिजीत नंदी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/07/2015 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/124/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 137-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
श्री अनिर्बन चटर्जी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 15 जनवरी, 2019 को, 126 बटालियन बीएसएफ के कांस्टेबल अनिर्बन चटर्जी और 06जाट रेजिमेंट के लांस नायक आकाश नियंत्रण रेखा)एलसी(पर 126बटालियन बीएसएफ के एफडीएल राखी पर तैनात थे। लगभग 1700बजे, पाकिस्तानी एफडीएल के लोन बंकर, पटनी स्लोप, बरगद एवं उपरी कटिया ने हमारे एफडीएल राखी को विशेष रूप से निशाना बनाते हुए उच्च क्षमता वाले फ्लैट ट्रेजेक्टरी हथियारों से अकारण फायरिंग शुरू कर दी। उसी समय संदिग्ध उग्रवादियों/एसएसजी सैन्य दस्तों/पाकिस्तानी नियमित सैनिकों का एक समूह नजदीक स्थित "लेज" नामक पहाड़ी पर आ गया और उन्होंने दक्षिण-पश्चिम दिशा से एफडीएल राखी पर गतिरोध बढ़ाने के लिए फायरिंग शुरू कर दी। विभिन्न दिशाओं से हो रही भारी गोलीबारी के परिणामस्वरूप, 06 जाट के लांस नायक आकाश के दायें पैर में गोली लगी। इसी बीच, उक्त एफडीएल के कोटे मोर्चा पर संतरी ड्यूटी पर तैनात 126बटालियन बीएसएफ के कांस्टेबल अनिर्बन चटर्जी ने अपने जीवन पर आने वाले खतरों से भयभीत हुए बिना मोर्चे से बाहर निकलकर उच्च कोटि के युद्ध कौशल एवं पेशेवरता का प्रदर्शन करते हुए तुरन्त उग्रवादियों/पाक सैनिकों पर "लेज" पहाड़ी की ओर प्रभावी फायरिंग तुरंत शुरू कर दी ,ताकि "लेज" की दिशा से हो रही दुश्मन की फायरिंग को रोका जा सके। फायरिंग के दौरान, कांस्टेबल अनिर्बन चटर्जी भी दुश्मन की फायरिंग से सीने के दाहिने भाग)उनके द्वारा पहने गए बीपी जैकेट को पार की हुई एक गोली (में गोली लगने से घायल हुए। घायल होने के बावजूद, वह दुश्मन की ओर फायरिंग करते रहे। इसी बीच, हमारे नजदीकी एफडीएल जैसेकि एक्सटेंशन एफडब्ल्यूडी, राखी, नोल, 704 और जीओसी-।। ने भी फ्लेट ट्रेजेक्टरी हथियारों, 51 एमएम मोर्टार, और 81 एमएम मोर्टार से जवाबी फायरिंग शुरू की। हमारे सैनिकों द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई, प्रभावी और सटीक जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप दुश्मन/उग्रवादी लगभग 1910बजे तक पीछे हटने को मजबूर हो गए।

दोनों घायल कार्मिकों अर्थात 126बटालियन के कांस्टेबल अनिर्बन चटर्जी और आर्मी जवान लांस नायक आकाश को प्राथमिक उपचार देने के बाद नजदीकी हेलिपैड एफडीएल दादल पर पहुंचाया गया, जहां से तत्पश्चात कांस्टेबल अनिर्बन चटर्जी को लगभग 1820 बजे सेना के हेलिकॉप्टर द्वारा 166एमएच सतवारी, जम्मू ले जाया गया। आर्मी जवान को आगे के उपचार के लिए माला में स्थित 16 राज. राइफल के एमआई रूम में भेजा गया था। घायल कांस्टेबल अनिर्बन चटर्जी को दिनांक 29 जनवरी, 2019 को 166 एमएच से डिस्चार्ज कर दिया गया और उन्हें बाद में एफटीआर हॉस्पिटल जम्मू में भर्ती कराया गया था, जहां से उन्हें दिनांक 11 फरवरी, 2019 को अंतिम रूप से छुट्टी दी गई थी। उनकी वर्तमान स्थिति सामान्य है और वह एफडीएल में ड्यूटी कर रहे हैं।

इस ऑपरेशन में श्री अनिर्बन चटर्जी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 15/01/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/54/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 138-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद युसफ	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मुकेश यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29.10.2018 को, 163 बटालियन बीएसएफ का टाटा 407 वाहन सं. डब्ल्यू बी-73-9998 और 33 बटालियन बीएसएफ का टाटा 5 टन वाहन सं. जेके-01-जे-5662 डाक ड्यूटी की समाप्ति के बाद एस्कॉर्ट पार्टी के साथ फ्रंटियर मुख्यालय बी बीएसएफ कश्मीर से लौट रहे थे। छुट्टी से लौटने वाले सं 01254520 .कांस्टे/.ड्राईवर मुकेश यादव भी इन वाहन में बैठे थे। सं 984030147 .हेड कांस्टेबल मोहम्मद युसफ वाहन कमांडर थे। लगभग 1750बजे, उपरोक्त वाहनों के पंथाचौक, एसएचक्यू बीएसएफ श्रीनगर के मुख्य द्वार से लगभग 150मी .की दूरी पर पहुंचते ही, अचानक कुछ अज्ञात उग्रवादियों ने आगे चल रहे वाहन सं .डब्ल्यू बी 9998-73-टाटा 407पर अपने अत्याधुनिक हथियारों से ताबडतोड गोलीबारी कर दी। परिणामस्वरूप, सं 04009625 .कांस्टे/.ड्राईवर आर गोविंद राव, सं 120914072 .कांस्टेबल बी आर मंडल, सं 13082201 .कांस्टेबल सम्राट मंडल, सं 032546220 .कांस्टेबल शैलेन्द्र कुमार, सं 984030147 .हेड कांस्टेबल मोहम्मद युसफ को बुलेट/स्प्लिंटर लगने से चोटें लग गई और गाड़ी वहीं रूक गई क्योंकि कांस्टेबल/ड्राईवर आर गोविंद राव की बाई जांघ पर गोली लगने से गहरा

जख्म हो गया था। घायल होने के बावजूद, हेड कांस्टेबल मोहम्मद युसफ ने असाधारण साहस का प्रदर्शन किया और मुंहतोड़ जवाब दिया तथा अपने निजी हथियार से 05राउंड फायर किया, जिससे आतंकवादी अम्बुश वाली जगह से भागने को मजबूर हुए। इसी बीच, यह सुनकर कि कांस्टेबल/ड्राईवर आर गोविंद राव गोली लगने से घायल हो गए हैं और वह वाहन चला पाने की स्थिति में नहीं हैं, छुट्टी से लौट रहे और उस वाहन में बैठे कांस्टेबल/ड्राईवर मुकेश यादव अदम्य साहस का परिचय देते हुए और अपनी जान की परवाह किए बिना वाहन के पिछले भाग से नीचे कूद गए और को-ड्राईवर सीट की ओर भागे और वाहन को सेक्टर हॉस्पिटल बीएसएफ श्रीनगर तक सुरक्षित लेकर गए तथा 5घायल कार्मिकों के बहुमूल्य जीवन को बचा लिया।

अपने जीवन की परवाह किए बिना उनके अभूतपूर्व वीरतापूर्ण कार्य, कर्तव्यपरायणता और गंभीर खतरे के सम्मुख अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन करने, जवाबी फायरिंग करते हुए मुंहतोड़ जवाब देने और घायल ड्राईवर की जगह लेने के बाद वाहन को चलाते हुए सेक्टर हॉस्पिटल बीएसएफ श्रीनगर तक सुरक्षित ले जाने तथा घायल कार्मिकों की जान बचाने के कार्य को सम्मानपूर्वक देखा गया है।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मोहम्मद युसफ ,हेड कांस्टेबल और मुकेश यादव ,सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 29/10/2018 से दिया जाएगा।

(फ. सं. - 11020/55/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 139-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	हरी लाल	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	सुरजीत सिंह गुलेरिया	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	प्रतीक वशिष्ठ	असिस्टेंट कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	रमन गुप्ता	असिस्टेंट कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	स्वर्गीय ब्रज किशोर यादव	असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर	वीरता के लिए पुलिस पदक (मरणोपरांत)
6.	सूरज करण मीना	सब इंस्पेक्टर	वीरता के लिए पुलिस पदक
7.	रमेशन एन	असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर	वीरता के लिए पुलिस पदक
8.	रोहित जोशी	असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर	वीरता के लिए पुलिस पदक
9.	श्याम सिंह	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
10.	मुदित कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
11.	राजपूत जयदिप भिमसिंग	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
12.	सावंत सचिन संभाजी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
13.	रिन्टू मोलिक	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरन प्रदान किया गया

182वीं बटॉलियन बीएसएफ को श्रीनगर एयरफील्ड की सुरक्षा के लिए तैनात किया गया है और इसका मुख्यालय गोगोलैंड में है। बटॉलियन के मुख्यालय का परिसर लगभग 23 एकड़ में फैला हुआ है और इसके चारों ओर एक परिधीय दीवार है। परिसर के चारों तरफ सिविलियन इमारतें बन गई हैं ,जो कि परिसर की चारदीवारी से सटी हुई हैं। कुछ खाली पड़े आवासीय भूखंडों पर नागरिकों ने चारदीवारी से सटकर प्लिंथ वर्क किया है ,जिससे इसकी ऊँचाई कुछ जगहों पर लगभग 2 फुट कम हो गई है। इस परिधीय सुरक्षा दीवार के साथ-साथ 31 संतरी चौकियां मौजूद हैं। इन चौकियों पर चौबीसों घंटे सशस्त्र गार्ड स्थाई रूप से तैनात रहते हैं। इसके अलावा, गश्ती दलों को इस परिधीय

दीवार के बाहर गश्त पर भेजकर जिम्मेदारी के इस क्षेत्र में प्रभुत्व बनाए रखा जाता है और साथ ही एक क्यूआरटी ,जिसमें एक एसओ और 11 अन्य रैंक के सैनिक होते हैं, हमेशा परिसर के मुख्य द्वार के पास तैनात रहते हैं।

दिनांक 3 अक्टूबर, 2017 को लगभग 0410 बजे भारी मात्रा में हथियारों से लैस तीन आतंकवादियों का एक समूह, घने अंधेरे और सिविलियन घरों का कवर लेते हुए, कंसर्टिना तार को काटकर चारदीवारी पर एक ऐसी जगह से चढ़ गया, जहां इसकी ऊंचाई बहुत कम थी और उन्होंने गांव गोगो की तरफ से क्वार्टर गार्ड की बाईं ओर परिसर में प्रवेश कर लिया। जब ये आतंकवादी अंदर घुस रहे थे, तभी शुरुवात में ही क्वार्टर गार्ड के एक सर्तक संतरी सं. 118115544 कांस्टेबल राजपूत जयदिप भिमसिंग, जो कि यूनिट क्वार्टर गार्ड के सामने अत्यंत सतर्कता से गार्ड ड्यूटी दे रहे थे, ने इन्हे देख लिया और उन्होंने तीन आतंकवादियों के इस समूह को उसी समय चुनौती दे दी, जब यह समूह गोगो गांव की ओर से वायर कटर का इस्तेमाल करके परिधीय बाड़ को पार कर रहा था। उग्रवादियों ने घने अंधेरे में उनकी ओर स्वचालित (ऑटोमैटिक) हथियारों से गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंके। अपने व्यक्तिगत जीवन की परवाह किए बिना, उन्होंने बहादुरी से और तुरंत अपने निजी हथियार (इंसास राइफल) से जवाबी हमला किया। उनकी इस त्वरित जवाबी कार्रवाई से परिसर की सभी संतरी चौकियों पर तैनात अन्य सैनिक संभावित हमले का सामना करने के लिए सर्तक हो गए। इस बीच, हेड कांस्टेबल जोगिंदर हुड्डा, जो कि गार्ड कमांडर थे, ने तुरंत दो बार हूटर बजा दिया। इसके परिणामस्वरूप, ये आतंकवादी क्वार्टर गार्ड की दिशा में आगे नहीं बढ़ सके, जहां बटॉलियन के हथियार और गोला-बारूद रखा गया था। कांस्टेबल राजपूत जयदीप ने ड्यूटी पर रहते हुए सर्वोच्च स्तर की सतर्कता, साहस और पेशेवर कौशल का प्रदर्शन किया।

इसके बाद, आतंकवादियों ने सभी दिशाओं में भी गोलीबारी की। 182वीं बटॉलियन बीएसएफ के सं. 05254644 कांस्टेबल मुदित कुमार ने गार्ड ड्यूटी करते हुए, क्वार्टर गार्ड के पीछे की तरफ से गोलीबारी की। उन्होंने अपने निजी हथियार (इंसास राइफल) से लंबवत कोण (परपेंडीकुलर एंगल) पर गोलीबारी की और आतंकवादियों को क्वार्टर गार्ड की ओर नहीं बढ़ने दिया। उन्होंने आतंकवादियों की ओर से स्वचालित हथियारों से लगातार हो रही गोलीबारी की परवाह किए बिना, वीरतापूर्वक उपयुक्त तरीके से जवाबी कार्रवाई की और आतंकवादियों को अपनी कार्रवाई की योजना बदलने के लिए मजबूर कर दिया तथा उन्हें क्वार्टर गार्ड की ओर नहीं बढ़ने दिया, और इस प्रकार अनमोल जीवन, हथियारों एवं गोला-बारूद और प्रतिबंधित स्टोर की हानि होने से बचा लिया। आतंकवादी एक-दूसरे से अलग हो गए और क्वार्टर गार्ड के सामने उबड़-खाबड़ जमीन का सुरक्षा कवर और फायदा उठाते हुए, सभी दिशाओं में गोलीबारी करते हुए और साथ ही, यूबीजीएल से ग्रेनेड फेंकते हुए उनमें से दो एसओ मेस की ओर भागे और एक प्रशासनिक ब्लॉक की ओर भाग गया।

फिर, तीन में से एक आतंकवादी कैंटीन की तरफ बढ़ गया। 182वीं बटॉलियन बीएसएफ के मैगजीन गार्ड (मैगजीन और सीपीसी कैंटीन के पीछे संतरी चौकी में तैनात) सं. 118115737 कांस्टेबल सावंत सचिन तुरंत सतर्क हो गए और उन्होंने सिविल कपड़े पहने हुए आतंकवादी को देख लिया, जो अपने स्वचालित हथियार (यूबीजीएल) से उनकी दिशा में और साथ ही अन्य दिशाओं में भी अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था। उन्होंने समय गंवाए बिना, अपने निजी हथियार से आतंकवादी पर प्रभावी रूप से जवाबी गोलीबारी की। 182वीं बटॉलियन बीएसएफ के सं. 130829621 कांस्टेबल रिन्टू मोलिक, जो कि यूनिट सीपीसी कैंटीन के पास दूसरे मैगजीन गार्ड के रूप में थे, ने भी अपनी ओर भाग कर आते हुए आतंकवादी को देख लिया, जो उन्हे मारने और संवेदनशील स्टोरों (हथियार और गोला-बारूद) को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा था। आतंकवादी ने यूबीजीएल का इस्तेमाल करके ऑफिसर मेस और परिसर के मुख्य द्वार की दिशाओं में भी कुछ ग्रेनेड दागे। तथापि, कांस्टेबल रिन्टू मोलिक ने अपनी दिशा में आती हुई गोलियों की परवाह नहीं की और उपयुक्त कवर ले लिया तथा अपने निजी हथियार से प्रभावी ढंग से गोलीबारी की। 182वीं बटॉलियन बीएसएफ के कांस्टेबल सावंत सचिन और कांस्टेबल रिन्टू मोलिक की प्रभावी गोलीबारी ने हमले के शुरुआती चरणों में ही एक आतंकवादी को मार गिराया और उन्होंने संतरी चौकियों पर मोर्चा संभाले रखा। इस कार्रवाई ने, आतंकवादी के मुख्य द्वार और ऑफिसर मेस, जहां पर अधिकारी निवास कर रहे थे, तक पहुंचने के उनके प्रयास को विफल कर दिया। इस फिदायीन से यूबीजीएल लगी हुई एक एके-47 राइफल और ग्रेनेड बरामद हुए। उसके शरीर से भी ग्रेनेड पाए गए। कैमोफ्लेज वर्दी पहने हुए तीन आतंकवादियों में से एक अंधेरे का फायदा उठाकर प्रशासनिक ब्लॉक में घुस गया और एसओ मेस (दो मंजिला इमारत) की पहली मंजिल पर चला गया।

एसओ मेस की पहली मंजिल पर, एक आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए बिजली की गति से कमरा सं.-8 में घुस गया। इस कमरे में सं. 871612379 असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/जीडी ब्रज किशोर यादव रह रहे थे। आतंकवादी के अचानक से सामने आ जाने के कारण उन्हे अपने निजी हथियार को निकालने का मौका नहीं मिला। असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/जीडी ब्रज किशोर यादव ने एक भी पल गंवाए बिना उसके हथियार को छीनने के लिए उसका आमना-सामना किया और आतंकवादी पर झपट पड़े तथा आतंकवादी और उनके बीच थोड़ी देर तक हाथापाई हुई। चूंकि, आतंकवादी का हथियार उसके शरीर के साथ कसकर बंधा हुआ और सुरक्षित था, इसलिए असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/जीडी ब्रज किशोर यादव आतंकवादी से हथियार छीनने में सफल नहीं हो सके। आतंकवादी ने स्वयं को असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/जीडी ब्रज किशोर यादव से छुड़ाकर, तुरंत उन पर हमला कर दिया और नजदीक से ही स्वचालित हथियार से गोली चला दी। उनके द्वारा आतंकवादी का मुकाबला करने और उसके साथ हाथापाई करने से मेस में अन्य साथी को खुद को सुरक्षित करने के लिए कार्रवाई करने का समय मिल गया। आतंकवादी द्वारा नजदीक से की गई गोलीबारी के परिणामस्वरुप असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/जीडी ब्रज किशोर यादव को सिर में गोली लग गई और वे कर्तव्य के प्रति सर्वोच्च स्तर की निष्ठा, समर्पण भावना और अदम्य वीरता का प्रदर्शन करते हुए शहीद हो गए।

आतंकवादी, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/जीडी ब्रज किशोर यादव की हत्या करने के बाद उनके कमरे से बाहर आ गया। गोलीबारी की आवाज सुन कर, सं.124400887 असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (रेडियो मैकेनिक) रोहित जोशी, जो कि असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/जीडी ब्रज किशोर यादव के कमरे से सटे हुए कमरा सं. 9 में थे, अपने कमरे से बाहर आ गए। जैसे ही वे असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/जीडी ब्रज किशोर यादव के कमरे में घुसने ही वाले थे, वे आतंकवादी के सामने आ गए, जिसने असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/आरएम रोहित जोशी पर गोलियां चला दीं। असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर/आरएम रोहित जोशी ने हथियार छीनने के लिए कुछ देर तक आतंकवादी के साथ हाथापाई की, लेकिन वे उसका हथियार छीनने में नाकाम रहे और उनके पेट में गोली लग गई। उन्होंने आतंकवादी को एक तरफ धकेल दिया और इस क्षण का लाभ उठाते हुए, वे बिजली की गति से अपने कमरे में लौट आए, कमरे को अंदर से बंद कर लिया और अपने मोबाइल फोन से अधिकारियों को आतंकवादी की मौजूदगी तथा स्वयं को चोट लगने का ब्यौरा दिया।

फिर आतंकवादी ग्रेनेड फेंकते हुए कमरा सं. 6 की ओर चल पड़ा। आतंकवादी ने फिर से इस कमरे में घुसने की कोशिश की, लेकिन असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रमेशन एन. और असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर राकेश ने अंदर से दरवाजे को धक्का दे दिया और आतंकवादी को अंदर नहीं घुसने दिया। जब आतंकवादी कमरे के अंदर घुसने में सफल नहीं हो सका, तो उसने अपने स्वचालित हथियार से लकड़ी के दरवाजे के माध्यम से गोलियों की एक बौछार की, लेकिन निवासियों द्वारा ली गई उपयुक्त पोजीशनों के कारण, उन्हे कोई चोट नहीं आई, और वे अपने कर्तव्य से नहीं डिगे। आतंकवादी, फिर से सीढ़ी की तरफ वापस लौट गया। कुछ समय बाद, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रमेशन एन. ने असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर राकेश कुमार के निजी हथियार (राइफल-बरेटा) को अपने कब्जे में लिया और आतंकवादी का खात्मा करने के लिए उपयुक्त पोजीशन ले ली।

इस बीच, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रमेशन एन. ने दरवाजे को थोड़ा खुला रखा। वीरता और सूझ-बूझ का प्रदर्शन करते हुए ,असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रमेशन एन. ने पोजीशन ले ली और अपनी जान को जोखिम में ड़ालते हुए, "डोर स्लॉट "से आतंकवादी की गतिविधि पर कड़ी नजर रखी। तत्पश्चात, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रमेशन एन .दरवाजे की तरफ आतंकवादी की गतिविधि पर नजदीकी से नजर रखते रहे। कुछ समय बाद, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रमेशन एन. ने आतंकवादी को अपनी ओर रेंगते हुए देखा। अपनी जान की परवाह किए बिना, उन्होंने तुरंत प्रभावी ढ़ंग से आतंकवादी पर गोलीबारी कर दी ,जिसके परिणामस्वरूप मौके पर ही उसका खात्मा हो गया। यह सुनिश्चित होने पर कि आतंकवादी मर गया है, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सिनोद कुमार ने पूरी सावधानी बरतते हुए आतंकवादी के शरीर से हथियार को अपने कब्जे में ले लिया।

अब तक 182वीं बटॉलियन के बहादुर सैनिकों द्वारा दो आतंकवादियों को मारा जा चुका था। सं .042321860 सब इंस्पेक्टर/जीडी सूरज करनमीणा, जो गोगोलैंड परिसर में क्यूआरटी कमांडर थे, गोलीबारी और सायरन की आवाज सुन कर तुरंत प्रशासनिक ब्लॉक की ओर चल पड़े। उनको तीसरे आतंकवादी ने देख लिया, जो कि प्रशासनिक ब्लॉक की तरफ भाग गया था। सब इंस्पेक्टर/जीडी सूरज करनमीणा और आतंकवादी एक दूसरे के आमने-सामने आ गए। आतंकवादी ने स्वचालित हथियार से उन पर भारी गोलीबारी कर दी और फिर ग्रेनेड से हमला किया। सब इंस्पेक्टर/जीडी सूरज करनमीणा ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना आतंकवादी की गोलीबारी का जवाब दिया, उसका पीछा किया और अपने निजी हथियार से गोलीबारी करते हुए प्रशासनिक ब्लॉक में घुस गए। चूँकि वे दुश्मन/आतंकवादी के सामने थे, इसलिए उन्हे सीने पर दाईं तरफ, दाहिनी बांह और बायीं जांघ पर गोलियों की गंभीर चोटें आईं। इसके बावजूद, वे आतंकवादी पर गोलीबारी करते रहे और उन्होंने आतंकवादी को समुचित जवाब दिया तथा अतिरिक्त बल के पहुंचने तक उसे प्रशासनिक ब्लॉक में घेरे रखा। उन्हे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। उनकी समय से की गई कार्रवाई और सूझ-बूझ, उच्च स्तर की जिम्मेदारी की भावना, कर्तव्य के प्रति समर्पण भावना और बहादुरी के कारण आतंकवादी और आगे नहीं बढ़ सका और वह प्रशासनिक ब्लॉक में ही फंसा रह गया।

हेड कांस्टेबल/आरओ श्याम सिंह, जो प्रशासनिक ब्लॉक में सिग्नल सेंटर में ड्यूटी पर थे, गोलीबारी की आवाज सुन कर, स्थिति का जाएजा लेने और अपने वरिष्ठों को इसकी जानकारी देने के लिए अपने कमरे से बाहर आ गए। जैसे ही वे अपने कमरे से बाहर आए, आतंकवादी ने उन्हे घेर लिया, जो कि स्वचालित हथियार से गोलीबारी करते हुए और ग्रनेड फेंकते हुए आक्रमण के लिए आगे बढ़ रहा था। हालाँकि, उनके पास हथियार नहीं थे, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी, एक गमला (फ्लावर पॉट) उठाया और थोड़ी दूरी से आक्रमण कर रहे आतंकवादी पर फेंक दिया। इसके परिणामस्वरूप, आतंकवादी ने संतुलन खो दिया और वह प्रशासनिक ब्लॉक की पहली मंजिल पर चढ़ गया। आतंकवादी से आमने-सामने की लड़ाई में हेड कांस्टेबल/आरओ श्याम सिंह को उनकी जांघों में गोली की गंभीर चोटें आईं, लेकिन उनकी कार्रवाई के कारण आतंकवादी प्रशासनिक ब्लॉक के भूतल में नहीं जा सका, जिससे जान और माल का बहुत नुकसान होने से बच गया। प्रशासनिक ब्लॉक में छिपा हुआ यह आतंकवादी लगभग 1330 बजे मारा गया, जिसके परिणामस्वरूप ऑपरेशन सफलतापूर्वक पूरा हुआ।

इस बीच, लगभग 0430 बजे, श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) ने अपनी क्यूआरटी टीम, जिसमें श्री एस एस गुलेरिया, उप महानिरीक्षक (जी) और श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट शामिल थे, के साथ तुरंत कार्रवाई के लिए मौके पर पहुंच गए तथा स्थिति की कमान संभाल ली। 182वीं बटॉलियन के परिसर में घटना स्थल पर वाहन से पहुंचने के बाद, श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) ने स्थिति का जायजा लिया और सभी सामरिक बातों पर विचार करने के बाद स्थिति से निपटने के लिए रणनीति तैयार की। अंधेरे में उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती, छिपे हुए आतंकवादियों की स्थिति का पता लगाना था, जो कि 182वीं बटॉलियन बीएसएफ के परिसर में छिपे हुए थे। 182वीं बटॉलियन के प्रवेश द्वार पर पहुंचने पर, श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) और श्री एस एस गुलेरिया, उप महानिरीक्षक (जी), ने अपने बृहत् अनुभव का उपयोग करते हुए संतरियों से स्थिति के बारे में पूछताछ की। श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) ने

तुरंत 182वीं बटॉलियन बीएसएफ के परिसर में मौजूद कार्मिकों से जानकारी हासिल की, ताकि आतंकवादियों के छिपने के संभावित स्थानों को जाना जा सके। उस समय तक, इनकी संख्या के बारे में कोई जानकारी उपलब्ध नहीं थी।

श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) के नेतृत्व में क्यूआरटी, जिसमें श्री एस एस गुलेरिया, उप महानिरीक्षक (जी) और श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट शामिल थे, और जो अपने बुलेट प्रूफ (बीपी) वाहनों के अंदर थे, प्रशासनिक ब्लॉक के सामने पहुँच गई और उन्होंने वाहन को प्रशासनिक ब्लॉक के पोर्च के नीचे रोक दिया, जहां यह पता चला कि दो कार्मिक नामत: सब इंस्पेक्टर सूरज करनमीणा और हेड कांस्टेबल/आरओ श्याम सिंह आतंकवादी की गोलीबारी के कारण घायल हो गए हैं और प्रशासनिक ब्लॉक के अंदर फंसे हैं। यह भी पता चला कि कांस्टेबल निरंजन कुमार, जो यूनिट टेलीफोन एक्सचेंज में ऑपरेटर ड्यूटी कर रहे थे, वो भी अंदर फंसे हुए हैं।

श्री एस एस गुलेरिया, उप महानिरीक्षक (जी) ने सब इंस्पेक्टर सूरज करनमीणा से फोन पर बात की और उनसे यह पता चला कि वे हेड कांस्टेबल/आरओ श्याम सिंह के साथ सिग्नल सेंटर में फंसे हुए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि आतंकवादी शायद पहली मंजिल की सीढ़ियों पर बैठा है। घायल कार्मिकों को निकालने का निर्णय लिया गया। क्यूआरटी के कार्मिक वाहन से नीचे उतरे और उन्होंने सभी एहतियात बरतते हुए प्रशासनिक ब्लॉक के अंदर प्रवेश करने का प्रयास किया। श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट को अपने क्यूआरटी कार्मिकों के साथ मंदिर की ओर से प्रशासनिक ब्लॉक के पीछे की तरफ बढ़ने का निदेश दिया गया। घायल व्यक्तियों को निकालने के लिए, दोनों उप महानिरीक्षकों ने क्यूआरटी कार्मिकों के साथ प्रशासनिक ब्लॉक के बाईं और दाईं तरफ पोजीशन ले ली और आतंकवादियों को उलझाने के लिए पहली मंजिल की खिड़कियों के माध्यम से कवर गोलीबारी प्रदान की। श्री एस एस गुलेरिया, उप महानिरीक्षक ने अपने व्यक्तिगत आराम की परवाह किए बिना और आतंकवादी की तरफ से आ रही गोलीबारी के बावजूद, वीरतापूर्वक टीम का पर्यवेक्षण किया और दाईं ओर से प्रशासनिक ब्लॉक की घेराबंदी सुनिश्चित की, जबकि श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) ने प्रशासनिक ब्लॉक के बाईं फ्लैंक से क्षेत्र की घेराबंदी की। प्रशासनिक ब्लॉक की पहली मंजिल से लगातार गोलीबारी हो रही थी, लेकिन उन्होंने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा और आराम की परवाह नहीं की।

जब क्यूआरटी ने कार्मिकों को बाहर निकालने के लिए प्रशासनिक ब्लॉक के अंदर प्रवेश करने की कोशिश की, तभी एक आतंकवादी ने गोलियों की एक बौछार कर दी और उनकी ओर ग्रेनेड फेंका। क्यूआरटी के सदस्यों ने बहुत कुशलता से पोजीशन ली और सुरक्षित पोजीशन लेने के लिए चतुराई से प्रशासनिक ब्लॉक से वापस लौट आए। तब स्थिति का आगे आकलन करने के लिए बीपी वाहन को इमारत के चारों ओर ले जाया गया। स्थिति का बारीकी से जायजा लेने और इमारत के अंदर आतंकवादी की स्थिति का पता लगाने के बाद, क्यूआरटी के सदस्यों और 182वीं बटॉलियन बीएसएफ के कार्मिकों को तैनात करके प्रशासनिक ब्लॉक की प्रभावी ढंग से घेराबंदी कर दी गई।

इस बीच, सब इंस्पेक्टर सूरज करनमीणा और हेड कांस्टेबल/आरओ श्याम सिंह ने सिग्नल सेंटर के अंदर लगे हुए एसी को हटा दिया और वे पीछे की तरफ इमारत से बाहर निकल आए, जहां श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट अपने क्यूआरटी सदस्यों के साथ पहले से ही क्षेत्र को कवर किए हुए थे। श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट ने अपने कार्मिकों के साथ तुरंत दोनों घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने में सहायता की तथा उन्हे आगे संयुक्त अस्पताल में पहुचाया गया। श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट की यह वीरतापूर्ण कार्रवाई दोनों घायल कार्मिकों को सुरक्षित निकालने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई। अधिकारी ने आतंकवादी द्वारा रुक-रुक कर की जा रही गोलीबारी के बावजूद अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा परवाह नहीं की, जिससे घायल कार्मिकों को समय पर बाहर निकालने में मदद मिली। श्री अनिल कुमार राय, 2/आईसी (ऑपरेशन) ने हेड कांस्टेबल/आरओ श्याम सिंह को अस्पताल पहुचाने में मदद की।

श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट की एक टीम एसओ मेस के सामान्य क्षेत्र में थी। इस बीच ऑपरेशनल क्षेत्र में, उन्हें कमरा सं. 9 में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रोहित जोशी की चोट के बारे में पता चला। श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट की टीम ने, श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) से उपयुक्त ब्रीफिंग लेने के बाद एसओ मेस के पास अपनी पोजीशन को बनाए रखा और इस बीच, दिन निकल आया। उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) ने श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट को लक्ष्य क्षेत्र को कवर करने के लिए कहा। वे श्री एस एस गुलेरिया के साथ बाहर आए और उन्होंने सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम श्री तेजिंदर सिंह को ऑपरेशन क्षेत्र की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

श्री रमन गुप्ता, असिस्टेंट कमांडेंट ने प्रशासनिक ब्लॉक पहुँचने पर अपनी क्यूआरटी को प्रशासनिक ब्लॉक के आगे और पीछे दोनों ओर प्रवेश/निकास द्वारों के पास तैनात कर दिया, ताकि आतंकवादियों को भागने से रोका जा सके। चूंकि वे आतंकवादी की गोलीबारी के कारण प्रशासनिक ब्लॉक में आगे अथवा पीछे के द्वार से प्रवेश नहीं कर पाए, इसलिए श्री रमन गुप्ता, असिस्टेंट कमांडेंट ने एक वैकल्पिक योजना बनाई और अपनी जान की परवाह किए बिना वे प्रशासनिक ब्लॉक के पीछे की तरफ गए, सिग्नल सेंटर में खिड़की पर लगे एयर कंडीशनर को तोड़कर निकाल दिया और गोली से घायल हुए दोनों व्यक्तियों को समय से निकाल लिया/बचा लिया, ताकि उन्हे तत्काल चिकित्सा उपचार मिल सके।

एसओ मेस में संयुक्त ऑपरेशन में, श्री तेजिंदर सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बडगाम और एसओजी कमांडो की उनकी टीम "रक्षक वाहन" के साथ मौजूद थी, जो एसओ मेस के अंदर चली गई, जहां यह पता चला कि श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) और श्री एस एस गुलेरिया, उप महानिरीक्षक (जी) द्वारा सामने की तरफ से और श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट द्वारा बाईं तरफ से कवर गोलीबारी प्रदान की गई। उन पर कोई गोलीबारी नहीं हो रहीं थी, लेकिन फिर भी संदिग्धता के आधार पर उन्हे कवर गोलीबारी प्रदान की गई। रस्सी और सीढ़ी की आवश्यकता महसूस की गई, जिसकी आपूर्ति सीआरपीएफ द्वारा तुरंत कर दी गई। पर्याप्त कवर गोलीबारी प्रदान करने पर, वरिष्ठ

पुलिस अधीक्षक बडगाम की एसओजी टीम ऊपर चढ़ गई। एसओजी कार्मिकों नामत: मजीद और अल्ताफ ने एसओ मेस में फंसे हुए एसओ को निकालने में एक साहसी भूमिका निभाई। श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट और श्री बी.के. शर्मा पहली मंजिल की तरफ बढ़े और उन्होंने आतंकवादी को मृत पाया। तुरंत ही, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर रोहित जोशी को बाहर निकाल लिया गया। सीढ़ी का उपयोग करके दूसरे एसओ को भी बाहर निकाल लिया गया। लेकिन, सुरक्षित रूप से बाहर निकलने के लिए कोई गोलीबारी नहीं की गई थी, क्योंकि उस समय तक आतंकवादी के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। घर की तलाशी ऑपरेशन की अगुवाई श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) और श्री एस एस गुलेरिया, उप महानिरीक्षक (जी) और श्री तेजिंदर की एसओजी टीम, जो कि स्थल पर मौजूद थी, द्वारा की गई ।

इसके अलावा, प्रशासनिक ब्लॉक में छिपे हुए आतंकवादी को बाहर निकालने के लिए, आरएल (एचई और एचईएटी), एलएमजी से फायर किया गया। सीमा सुरक्षा बल ने आतंकवादी को प्रशासनिक ब्लॉक भवन से बाहर निकलने हेतु मजबूर करने के लिए 5 एचईएटी और छोटे हथियारों से गोलीबारी की। एसओजी ने भी अत्यंत प्रभावी चिली ग्रेनेड और आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया। इसके परिणामस्वरूप, आतंकवादी भवन से बाहर आ गया और जब वह कवर लेने के लिए मंदिर के पास प्रशासनिक ब्लॉक से बाहर भाग रहा था, तभी बीएसएफ, सीआरपीएफ और एसओजी की टीम ने उसे मार गिराया।

श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक (ऑपरेशन) ने अत्यंत अनुकरणीय तरीके से पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया। उन्होंने ऑपरेशन के दौरान अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना असाधारण वीरता, दृढ़ विश्वास और पेशेवर कौशल का प्रदर्शन किया तथा ऑपरेशन की योजना और उसका कार्यान्वयन इस प्रकार किया कि इसके परिणामस्वरूप जैश-ए-मोहम्मद के 03 आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

श्री बी के शर्मा, डिप्टी कमांडेंट, 182वीं बटॉलियन बीएसएफ की टीम, श्री प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट तथा एसओजी एवं सीआरपीएफ की टीमों ने एक समन्वित तरीके से सभी भवनों को खाली करा लिया और यह सुनिश्चित किया कि कोई अन्य आतंकवादी परिसर में तो नहीं है। इस पूरे ऑपरेशन के परिणामस्वरूप तीन आतंकवादी मारे गए। तीन स्वचालित (ऑटोमैटिक) हथियार, एके-47, एक पिस्तौल, मैगजीनें, गोला-बारूद, लाइव ग्रेनेड और वायर कटर बरामद हुए।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री हरी लाल, उप महानिरीक्षक, सुरजीत सिंह गुलेरिया, उप महानिरीक्षक, प्रतीक वशिष्ठ, असिस्टेंट कमांडेंट, रमन गुप्ता असिस्टेंट कमांडेंट, सूरज करण मीना, सब इंस्पेक्टर, स्वर्गीय ब्रज किशोर यादव असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, रमेशन एन. असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, रोहित जोशी असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर, श्याम सिंह हेड कांस्टेबल, मुदित कुमार सिपाही, राजपूत जयदिप भिमसिंग सिपाही, सावंत सचिन संभाजी सिपाही, और रिन्टू मोलिक सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 03/10/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/74/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 140-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मनोरंजन नाथ	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	रेजी कुमार के. जी.	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	इबराज नेवार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12/12/2018 को लगभग 1500 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर ने श्री भूपाल सिंह, कमांडेंट-177वीं बटालियन, सीआरपीएफ को गांव- ब्राथ-कलां (गुंड मोहल्ला), सोपोर में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में सूचित किया। उक्त सूचना प्राप्त करने के बाद, उन्होंने तुरंत यूनिट क्यूएटी को ऑपरेशन के लिए तैयार होने का आदेश दिया तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोपोर, कमांडेंट (ए.ओ.एल.)-

179वीं बटालियन, कमांडेंट-92वीं बटालियन, सीओ 22 आरआर और एसओजी सोपोर के साथ ऑपरेशनल योजना तैयार कर ली। इस सूचना पर अतिरिक्त जानकारी एकत्रित की गई और मानवीय आसूचना के द्वारा इसकी पुष्टि कर ली गई तथा दो आतंकवादियों की ब्राथ-कलां गांव के गुंड मोहल्ला में मोहम्मद शफी मीर पुत्र गुलाम मोहिउद्दीन मीर के घर में मौजूदगी होने की पुष्टि हो गई। ऑपरेशनल योजना के अनुसार, श्री भूपाल सिंह, कमांडेंट-177वीं बटालियन, सीआरपीएफ की समग्र कमान के तहत श्री रंजीत कुमार, डिप्टी कमांडेंट और श्री नीरज कुमार, सहायक कमांडेंट सहित 177वीं बटालियन की क्यूएटी को लक्षित घर के दक्षिण की ओर भीतरी घेराबंदी डालने का निदेश दिया गया, 179वीं बटालियन और रेंज क्यूएटी के सैनिकों ने दक्षिण-पश्चिम की ओर घेराबंदी डाली, 92वीं बटालियन, सीआरपीएफ के सैनिकों को बाहरी घेराबंदी करने का कार्य सौंपा गया, एसओजी सोपोर को लक्षित घर के उत्तर की ओर तथा 22 आरआर के सैनिकों को पूरब की ओर घेराबंदी के लिए कहा गया। उपयुक्त ब्रीफिंग के बाद, सैनिकों ने अपनी निर्धारित पोजीशनें ले लीं और आतंवादियों के लक्षित घर से निकलने के किसी भी मौके को समाप्त करने के लिए भागने के सभी रास्तों को बंद कर दिया। कोई भी समय बर्बाद किए बिना, श्री भूपाल सिंह, कमांडेंट-177वीं बटालियन, सीआरपीएफ ने यह सुनिश्चित किया कि भागने के सभी रास्तों को बंद करने के लिए उनके सैनिक सामरिक रूप से आंतरिक घेराबंदी में तैनात हों और उन्होंने साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि उनके सैनिकों ने रणनीतिक पोजीशनें ली हों और किसी भी अतिरिक्त (संपार्श्विक) नुकसान/क्षति से बचने के लिए उनके पास उचित कवर सहायता उपलब्ध हों। स्थानीय स्रोत से इस बात की पुष्टि कर ली गई थी, कि घर में निवासियों के अलावा दो स्थानीय आतंकवादी छिपे हुए हैं। सभी सुरक्षागत सावधानियां बरतते हुए और रणनीतिक योजना के फलस्वरूप, संयुक्त सैन्य दल द्वारा घर के निवासियों को निकाल लिया गया और छिपे हुए आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने के लिए भी कहा गया। आत्मसमर्पण करने के बजाय, छिपे हुए आतंकवादियों ने वहां से भागने के लिए आंतरिक घेराबंदी में पोजीशन लिए हुए संयुक्त सैन्य दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की, लेकिन सैनिकों द्वारा डाली गई मजबूत घेराबंदी ने उनके भाग निकलने के हर अवसर को समाप्त कर दिया। गोलीबारी का कारगर ढंग से जवाब दिया गया और इस बीच सैनिकों ने अपनी मौजूदा पोजीशनों को भी सुदृढ़ कर लिया। आतंकवादी रात भर रूक-रूक कर गोलीबारी करते रहे और उन्होंने कई बार भारी गोलीबारी की और उसके बाद ग्रेनेड फेंके, लेकिन सैनिकों की सामरिक पोजीशन और प्रभावी जवाबी कार्रवाई ने उनके भाग निकलने के प्रयासों को नाकाम कर दिया।

लगभग 0315 बजे दोनों आतंकवादियों ने अपनी पोजीशनों को बदलने के लिए संयुक्त सैन्य दल पर अंधाधुंध गोलीबारी की और फिर ग्रनेड फेंके। इस स्थिति का फायदा उठाते हुए, सं. 941420706 हेड कांस्टेबल/जीडी मनोरंजन नाथ, 177 वीं बटालियन, सीआरपीएफ ने अपने संयम को बनाए रखा, उपलब्ध जमीनी कवर सहायता का चतुराईपूर्वक इस्तेमाल किया और उन पर प्रभावी ढंग से गोलीबारी की, जिसके दौरान एक आतंकवादी घायल हो गया, लेकिन अपनी चोट के बावजूद, वह संयुक्त सैन्य दल पर अंधाधुंध गोलीबारी करता रहा। इसके बाद, घायल आतंकवादी की स्थिति की पुष्टि करने के लिए, दो छोटी संयुक्त टीमों का गठन करने का निर्णय लिया गया, जिसमें क्यूएटी-177, क्यूएटी-179 और रेंज क्यूएटी, बारामुला के सैनिकों को शामिल किया गया। दोनों टीमें उपलब्ध जमीनी कवर सहायता का उपयोग करके, अनुमानित जोखिम उठाते हुए और आतंकवादियों की निश्चित मौजूदगी में अपने जीवन को खतरे में डालते हुए चतुराईपूर्वक लक्षित घर की ओर आगे बढ़ीं। अपनी ओर बढ़ते हुए सैनिकों की गतिविधि को भांपते हुए, छिपे हुए आतंकवादियों ने संयुक्त टीमों पर भारी गोलीबारी की, जिसका सं. 941420706 हेड कांस्टेबल/जीडी मनोरंजन नाथ (177वीं बटालियन), सं. 991220036 हेड कांस्टेबल/जीडी रेजी कुमार के.जी. (179वीं बटालियन) और सं. 115135763 कांस्टेबल/जीडी इबराज नेवार, रेंज क्यूएटी बारामुला (176वीं बटालियन) द्वारा आतंकवादियों के इतना निकट होने के बावजूद अपने जीवन की परवाह किए बिना, अनुकरणीय साहस, युद्ध कौशल और पेशेवरता का प्रदर्शन करते हुए कारगर ढ़ंग से जवाब दिया गया। उसके बाद, गोलीबारी की बारम्बारता रूक गई और ऐसा लगा कि छिपे हुए आतंकवादी मारे जा चुके है। किसी भी नुकसान या चोट से बचने के लिए शून्य से कम तापमान के बावजूद, सैनिकों ने अपनी रणनीतिक पोजिशनों को नहीं छोड़ा। इस बीच, दूसरी ओर हो रही बंदूक की लड़ाई में 22आरआर और एसओजी, सोपोर के संयुक्त सैन्य दल ने ग्रेनेडों और प्रभावी गोलीबारी से दूसरे छिपे हुए आतंकवादी को भी मार दिया, जिसने लक्षित घर में पूरब की ओर पोजिशन ली हुई थी। लगभग 0830 बजे, लक्षित घर और आसपास के क्षेत्र की गहन तलाशी के लिए सीआरपीएफ की 177वीं और 92वीं बटालियन के नेत्रा/ड्रोनों की सेवाओं का उपयोग करने का निर्णय लिया गया। इसके बाद, संयुक्त टीमें घर/क्षेत्र की अंतिम तलाशी लेने के लिए चतुराईपूर्वक आगे बढ़ीं, जिसके दौरान हथियारों/गोला-बारूद के साथ दोनों आतंकवादी मारे हुए पाए गए। आतंकवादियों की पहचान बाद में, ओवैस अहमद भट उर्फ अबू बकर (22 वर्ष), पुत्र गुलाम अहमद भट, निवासी- गुंड ब्राथ, सोपोर और ताहिर अहमद डार उर्फ अबू अब्दुल्ला पुत्र मोहम्मद रमजान डार, निवासी- सैदपोरा, सोपोर (जम्मू और कश्मीर) के रूप में की गई, जो आतंकी संगठन टीयूएम से संबंद्ध थे।

इस पूरे ऑपरेशन के दौरान, सं. 941420706 हेड कांस्टेबल/जीडी मनोरंजन नाथ 177वीं बटालियन, सं. 991220036 हेड कांस्टेबल/जीडी रेजी कुमार के.जी. 179वीं बटालियन और सं. 115135763 कांस्टेबल/जीडी इबराज नेवार, रेंज क्यूएटी बारामुला, 176 वीं बटालियन ने सर्वोच्च स्तर की वीरता, अतुलनीय प्रयासों, अनुकरणीय साहस, अपने जीवन की परवाह किए बिना कर्तव्य के प्रति समर्पण भावना और उच्चकोटि की पेशेवरता का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मनोरंजन नाथ, हेड कांस्टेबल, रेजी कुमार के.जी., हेड कांस्टेबल और इबराज नेवार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/12/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/177/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 141-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	योगेश कुमार शर्मा	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	मधु कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	भगत विनित श्यामराव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दक्षिणी कश्मीर (जम्मू और कश्मीर) में पुलवामा जिले का त्राल सब-डिवीजन विभिन्न आतंकवादी संगठनों का एक पारंपरिक गढ़ रहा है। हाल के दिनों में आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जे-ई-एम) ने उत्तरी त्राल के पहाड़ी क्षेत्र में पकड़ बना ली है और इन पहाड़ियों के घने जंगलों में अपने ठिकाने स्थापित कर लिए हैं। ये घने जंगल और दुर्गम इलाके आतंकवादियों को प्राकृतिक आश्रय प्रदान करते हैं। इन क्षेत्रों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाना हमेशा से सैनिकों के लिए कठिन और खतरनाक रहा है।

दिनांक 10 मार्च, 2019 को लगभग 0700 बजे, पुलिस स्टेशन त्राल के अंतर्गत नई बस्ती, पिंगलिश में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में विशेष सूचना के आधार पर सीआरपीएफ की 180वीं बटालियन, सेना, सिविल पुलिस और एसओजी त्राल द्वारा एक घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया। क्षेत्र की घेराबंदी करते समय, सैनिकों द्वारा कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी गई। तत्परता से कार्रवाई करते हुए, सैनिकों ने भागने के सभी मार्गों को बंद कर दिया और रणनीतिक स्थानों पर अवरोध (कट-ऑफ) लगा दिए।

लगभग 1000 बजे, गांव की घेराबंदी करने के बाद, सेना, सीआरपीएफ और पुलिस की दो संयुक्त सर्च टीमों ने संदिग्ध घरों की तलाशी शुरू कर दी। लगभग 1500 बजे तक, अधिकांश क्षेत्र की तलाशी को पूरा कर लिया गया था और केवल पांच घर तलाशी के लिए बचे थे। लगभग 1600 बजे, सं .095350855 निरीक्षक/जीडी योगेश कुमार शर्मा, 145312419 कांस्टेबल/जीडी मधु कुमार और सं .115255394 कांस्टेबल/जीडी भगत विनित श्यामराव सहित घर की घेराबंदी करने वाले दल ने पोजीशन ली और चतुराई से मोहम्मद आमिन शाह, पुत्र मोहम्मद अमा शाह के दो मंजिला घर को कवर कर लिया। इसके बाद, संयुक्त हाउस सर्च पार्टी ने घर में घुसने की कोशिश की, तभी, अचानक से घर से एक ग्रेनेड फेंका गया और इसके बाद गोलियों की बौछार हुई। निरीक्षक/जीडी योगेश कुमार शर्मा, कांस्टेबल/जीडी मधु कुमार और कांस्टेबल/जीडी भगत विनित श्यामराव ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और सर्च पार्टी को कवर गोलीबारी प्रदान की।

हाउस सर्च पार्टी तुरंत पीछे हट गई और बीपी शील्ड्स के कवर में वापस लौट आई। आतंकवादी लगातार अपनी पोजीशन बदलकर रुक-रुक कर सैनिकों पर गोलीबारी कर रहे थे और ग्रेनेड फेंक रहे थे। लगभग 1730 बजे, भारी गोलीबारी के बीच, लक्षित घर के लकड़ी के ढ़ांचे में आग लग गई। आग की गर्मी को झेल पाने में असमर्थ, एक आतंकवादी ने खिड़की से भागने की कोशिश की। उसने अपना रास्ता साफ करने के लिए निरीक्षक/जीडी योगेश कुमार शर्मा की पोजीशन की तरफ हैंड ग्रेनेड फेंका और गोलीबारी की। सच्चे साहस का प्रदर्शन करते हुए, निरीक्षक/जीडी योगेश कुमार शर्मा ने अपने साथी कांस्टेबल/जीडी मधु कुमार के साथ मिलकर अपनी जान की परवाह किए बिना हमले का जवाब दिया। आतंकवादी के प्रयास को नाकाम करते हुए दोनों ने आतंकवादी पर प्रभावी गोलीबारी की और उसे खिड़की के पास मार गिराया। बाद में, उसकी पहचान जैश-ए-मोहम्मद के कमांडर मुदासिर अहमद खान के रूप में हुई। वह दिनांक 14 फरवरी, 2019 को सीआरपीएफ के काफिले पर पुलवामा हमले का मुख्य साजिशकर्ता था, जिसमें 40 सीआरपीएफ कार्मिक शहीद हो गए थे।

इस बीच, दूसरी तरफ, दूसरा आतंकवादी लक्षित घर से ग्रेनेड फेंक रहा था और गोलीबारी कर रहा था। उसने अंधाधुंध गोलीबारी करके दरवाजे से भागने की कोशिश की। कांस्टेबल/जीडी भगत विनीत श्यामराव पास ही पोजीशन में थे। तुरंत कार्रवाई करते हुए, उन्होंने आतंकवादी को रोक लिया और उस पर गोलीबारी की। इससे पहले कि आतंकवादी पुन :कोई प्रयास कर पाता, कांस्टेबल/जीडी भगत विनीत

श्यामराव ने कारगर गोलीबारी की और उसे घर के अंदर मार गिराया। बाद में, उसकी पहचान पाकिस्तान निवासी रज्जाक भाई उर्फ खालिद के रूप में हुई।

ऑपरेशन के दौरान, निरीक्षक/जीडी योगेश कुमार शर्मा, कांस्टेबल/जीडी मधु कुमार और कांस्टेबल/जीडी भगत विनीत श्यामराव ने असाधारण वीरता, सच्चे धैर्य और कर्तव्यों के प्रति सर्वोच्च स्तर की प्रतिबद्धता और समर्पण भावना का प्रदर्शन किया तथा जैश-ए-मोहम्मद के दो खूंखार आतंकवादियों को मार गिराने में सफल रहे। गंभीर विपत्ति के सामने यह अदम्य वीरतापूर्ण कार्य था।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री योगेश कुमार शर्मा, निरीक्षक, मधु कुमार, सिपाही और भगत विनित श्यामराव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 10/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/46/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 142-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/ वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	शंकर लाल जाट	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	सैय्यद शोएब अहमद	कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	केशरी कुमार सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	शब्बीर अहमद डार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21 मार्च, 2019 को, लगभग 0445 बजे, मीर मोहल्ला हाजिन, बांदीपोरा में खूंखार आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक पुख्ता सूचना प्राप्त होने पर 45 सीआरपीएफ द्वारा एसओजी और 13 आरआर के साथ मिलकर एक ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया।

योजना के अनुसार, संयुक्त टीमें जल्द ही हाजिन पहुंच गईं और लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी कर दी तथा निवासियों को बाहर निकालने के प्रयास किए गए, लेकिन फिर भी आतंकवादियों ने उनमें से कुछ को बंधक बना लिया। तथापि, निर्दोष लोगों की सुरक्षा को प्राथमिकता के रूप में रखते हुए, सैनिकों ने आतंकवादियों को बंधकों को मुक्त करने और आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। इसी बीच, श्री शंकर लाल जाट, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व वाली 45 सीआरपीएफ की एक टीम ने 06 बंधकों को छुड़ा लिया। तथापि, एक घर का मालिक अब्दुल हमीद मीर अपने भतीजे आतिफ अहमद मीर के साथ अभी भी आतंकवादियों के चंगुल में था।

पुन: एक घोषणा के तहत आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने को कहा गया, लेकिन इसके जवाब में, उन्होंने घर के सामने की ओर भारी गोलीबारी की, जहां श्री शंकर लाल जाट, सहायक कमांडेंट की टीम ने पोजीशन ली हुई थी। इसके बाद, सैनिकों ने तुरंत पोजीशन ली और किसी समानान्तर हानि से बचने के लिए नियंत्रित गोलीबारी के साथ जवाबी कार्रवाई की। तथापि, स्थिति का आकलन करने के बाद, श्री शंकर लाल जाट ने आतंकवादियों को बाहर निकलने हेतु मजबूर करने के लिए लक्षित घर के भीतर लॉन्ग रेंज चिल्ली शैल दागे, लेकिन आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की आड़ में अपनी पोजीशन बदलना शुरू कर दिया, परन्तु इस प्रक्रिया में उनकी स्थिति उजागर हो गई।

तुरंत, श्री शंकर लाल जाट, सहायक कमांडेंट और श्री के के सिंह, सहायक कमांडेंट ने अपने साथियों कांस्टेबल सैय्यद शोएब अहमद और कांस्टेबल शब्बीर अहमद डार के साथ विभिन्न दिशाओं से आतंकवादियों पर हमला कर दिया। समन्वय के साथ किया गया जवाबी हमला कारगर साबित हुआ और इसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी मारा गया और दूसरा घायल हो गया, जिससे उसका बंदूक चलाना कुछ समय

के लिए बंद हो गया। इस अवसर का फायदा उठाते हुए, श्री शंकर लाल जाट, अपने साथी कांस्टेबल सैय्यद शोएब अहमद के साथ लक्षित घर में घुस गए और शेष बंधकों को छुड़ा लिया। घायल आतंकवादी घर के भीतर कहीं छिपा हुआ था और वह सैनिकों को दूर रखने के लिए रुक-रुक कर गोलीबारी कर रहा था।

इलाके में शाम होने वाली थी, जो सैनिकों को अपना ऑपरेशन बन्द करने के लिए मजबूर कर रही थी। इसके बाद, आईईडी का इस्तेमाल करके घर को उड़ाने का निर्णय लिया गया। तदनुसार, लगभग 1740 बजे, लक्षित घर को आईईडी विस्फोट से ढ़हा दिया गया। इसके बाद, श्री शंकर लाल जाट, श्री के के सिंह, कांस्टेबल सैय्यद शोएब अहमद, और कांस्टेबल शब्बीर अहमद डार की एक टीम को एसओजी और 13 आरआर की टुकड़ियों के साथ मिलकर लक्षित घर की तलाशी करने का काम सौंपा गया।

लक्षित घर की तरफ बढ़ते समय, आतंकवादी बाहर निकल आया और उसने सर्च पार्टी पर गोलियों की बौछार कर दी। श्री शंकर लाल जाट, श्री के के सिंह, कांस्टेबल सैय्यद शोएब अहमद, और कांस्टेबल शब्बीर अहमद डार एकदम सामने थे और वे इस हमले में एक चमत्कारी तरीके से बच गए। वे, तुरंत, आगे भागे और सच्चे साहस का प्रदर्शन करते हुए, आतंकवादी पर टूट पड़े और करीबी लड़ाई में, दूसरे आतंकवादी को मार गिराया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान बाद में विदेशी आतंकवादियों (एलईटी) के हैदर उर्फ अली भाई और हुबैब उर्फ फुरखान के रूप में हुई, जो कई आम नागरिक की हत्याओं में शामिल थे। 02 एके सीरीज राइफल, 18 मैगजीन, इनका गोला-बारूद और अन्य युद्ध सामग्री बरामद हुई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री शंकर लाल जाट, सहायक कमांडेंट, सैय्यद शोएब अहमद, कांस्टेबल, केशरी कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट और शब्बीर अहमद डार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 21/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/48/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 143-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	लौकराकपम इबोमचा सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का द्वितीय बार
2	फिदा हुसैन डार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सजाद अहमद भट्ट	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 16 अक्टूबर, 2018 को लगभग 2200 बजे, फतह कदल क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के संबंध में एक सूचना प्राप्त हुई। सीआरपीएफ वैली क्यूएटी द्वारा एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर श्री एल इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट की कमान के तहत एक संयुक्त ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया।

दिनांक 17 अक्टूबर, 2018 को 0100 बजे एक घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (सीएएसओ) शुरू किया गया। तलाशी के दौरान, लगभग 0130 बजे, श्री एल इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट की टीम द्वारा काजी मस्जिद के समीप बैकपैक सहित एके 47 का 3 जिंदा गोला-बारूद बरामद किया गया। पूछताछ के दौरान, मकान मालिक ने ज्यादा जानकारी नहीं दी और छाती में दर्द एवं बैचेनी की शिकायत करना शुरू

कर दिया। उसका छोटा बेटा उसे अस्पताल में ले गया और बड़े बेटे रईस अहमद हंगा को घर की तलाशी में सैनिकों के साथ रहने के लिए कहा गया। तलाशी के दौरान, जब सैनिक परछत्ती के मुहाने की तरफ बढ़े, तो रईस अहमद ने विभिन्न बहाने बनाते हुए, अंदर जाने से मना कर दिया। तथापि, परछत्ती में गतिविधि की आवाज सुनी गई, जिसने सूचना की पुष्टि कर दी तथा सैनिक में संदेह पैदा कर दिया। इस बीच, आतंकवादियों से आत्मसमर्पण कराने के अनेक प्रयास किए गए, परंतु वे व्यर्थ रहे। अंधेरा होने के कारण, हमले को दिन निकलने तक के लिए टाल दिया गया।

लगभग 0625 बजे, श्री एल इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में एसओजी के साथ बनाई गई संयुक्त टीमें बैलिस्टिक शील्ड को प्रयोग करते हुए, रईस अहमद हंगा के साथ परछत्ती के मुहाने की और बढ़ीं, लेकिन उसने फिर से मना कर दिया और गुमराह करने की कोशिश की। इस बीच, एसओजी के कांस्टेबल कमल किशोर, परछत्ती के अंदर झांकने के लिए सीढ़ी की ओर बढ़े, लेकिन रईस अहमद हंगा वहां से बाहर भागा और उसने आतंकवादियों को सतर्क कर दिया। आतंकवादियों ने सर्च पार्टी पर एक ग्रेनेड फेंका, और गोलियों की बौछार कर दी। कांस्टेबल कमल किशोर को गोली लगी और वे गिर पड़े। जम्मू और कश्मीर पुलिस के कांस्टेबल अंगरेज सिंह, सीआरपीएफ के कांस्टेबल/जीडी सजाद अहमद भट्ट और कांस्टेबल/जीडी फेदा हुसैन डार को भी छर्रे की चोटें आईं।

लकड़ी के फर्श से होकर गोलियों की बारिश हुई, और कमरा ग्रेनेड ब्लास्ट के धुएं से भर गया। खतरे को भांपते हुए, श्री एल इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट ने परछत्ती के अंदर गोली दागी। उनकी कवर गोलीबारी के तहत, सैनिक युक्तिपूर्वक घायल कांस्टेबल/जीडी अंगरेज सिंह के पास पहुंच गए और उसे निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचा दिया। श्री एल इबोम्चा सिंह, सहायक कमांडेंट, कांस्टेबल/जीडी सजाद अहमद भट्ट और कांस्टेबल/जीडी फेदा हुसैन डार के साथ अपनी पोजीशन पर डटे रहे और उन्होंने आतंकवादियों को परछत्ती के भीतर रोकने के लिए उन पर गोलीबारी की। आतंकवादियों ने श्री एल इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट और उनके साथी की तरफ एक और ग्रेनेड फेंका, लेकिन वे भूतल पर वापस लौट गए। सटे हुए भवनों में क्यूएटी कार्मिकों को तैनात किया गया था। श्री एल इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट के निर्देश पर, उन्होंने घर के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रित और लक्षित गोलीबारी शुरू कर दी। तब, श्री एल इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट और उनके साथी ने लक्षित घर में एमजीएल ग्रेनेड दागे। इसके परिणामस्वरूप, लक्षित घर में आग लग गई। इस बीच, श्री एल इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट और उनके साथी लक्षित घर से बाहर निकल गए, और उन्होंने पास के एक भवन में पोजीशन ले ली।

जैसे कि प्रत्याशा थी, एक आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए बाहर आया, खिड़की से कूदा और उसने स्थल से भागने की कोशिश की। तथापि, श्री एल इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी फेदा हुसैन डार ने उसकी गतिविधि को देख लिया तथा सच्चे साहस और बहादुरी का प्रदर्शन करते हुए, उस पर टूट पड़े। बंदूक की एक भीषण लड़ाई में, श्री एल इबोमचा सिंह और कांस्टेबल/जीडी फेदा हुसैन डार ने आतंकवादी को मार गिराया। इस बीच, अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए दो और आतंकवादी दूसरी खिड़की से बाहर कूद गए। कांस्टेबल/जीडी सजाद अहमद भट्ट उस तरफ सतर्क थे। वे अपनी पोजीशन से बाहर निकले और उन्होंने आतंकवादियों पर गोलीबारी की और उनमें से एक को मार गिराया। तीसरे आतंकवादी को भी सैनिकों द्वारा मार गिराया गया। ऑपरेशन दिनांक 17 अक्टूबर,201 8 को लगभग 1400 बजे समाप्त हुआ।

मारे गए तीन आतंकवादियों की पहचान बाद में मलराज-उद-दीन बांगरू (श्रेणी क), फैद मुश्ताक वाजा (श्रेणी ग) और एक ओजीडब्ल्यू रईस हबीब हंगा (सभी लश्कर-ए-तैयबा से) के रूप में हुई। स्थल से भारी मात्रा में गोला-बारूद और विभिन्न अपराधिक वस्तुओं सहित 1 एके 47 राइफल और 1 चीनी पिस्तौल बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री लौकराकपम इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट, फिदा हुसैन डार, सिपाही और सजाद अहमद भट्ट, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/10/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/59/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 144-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	प्रभात चन्द्र झा	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	हरिन्द्र कुमार	कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	जितेंद्र कुमार गुप्ता	कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	रबि नारायण स्वाईं	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	पवन कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
6.	पंचम सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12 सितंबर, 2018 को, सीआरपीएफ को झज्जर कोटली, जम्मू के पास 3 विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में जानकारी प्राप्त हुई थी। तदनुसार, सीआरपीएफ, राज्य पुलिस, और सेना द्वारा उनके सीमांकित क्षेत्रों में एक संयुक्त सर्च एंड डिस्ट्रॉय ऑपरेशन शुरू किया गया। सैनिकों ने सभी संभावित स्थानों की तलाशी ली, लेकिन आतंकवादियों का पता नहीं लगा सके।

दिनांक 13 सितंबर, 2018 को 1055 बजे, सैनिकों को धीरती गांव में, एक घर में तीन विदेशी आतंकवादियों की मौजूदगी होने के बारे में एक विशेष जानकारी मिली। तुरंत ही, 6 और 187 सीआरपीएफ की एक संयुक्त टीम, राज्य पुलिस के साथ स्थल की ओर रवाना हो गई। घर के मालिक ने सुरक्षा बल को सूचना दी थी और वह गांव के बाहर उनका इंतजार कर रहा था। गांव में पहुंचने के बाद, कमांडरों ने आतंकवादियों और घर के बारे में तथ्यों की पुष्टि की। लक्षित घर में दक्षिण दिशा की ओर एकमात्र प्रवेश द्वार और लोहे की ग्रिल-लगी एक खिड़की थी। सूचना के अनुसार, भारी मात्रा में हथियारों से लैस तीन आतंकवादी घर के अंदर मौजूद थे।

श्री हरिन्द्र कुमार, कमांडेंट, 187 सीआरपीएफ और श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता, कमांडेंट, 6 सीआरपीएफ के नेतृत्व में दो असॉल्ट टीमों को लक्षित घर की तलाशी लेने का कार्य सौंपा गया। तलाशी शुरू करने से पहले, सैनिकों द्वारा सामरिक स्थलों/भागने के संभावित रास्तों को कवर कर लिया गया। घर की ओर जाने वाला रास्ता एक खुला क्षेत्र था, जहां पर गोलियों से बचने के लिए बहुत कम या कोई भी कवर नहीं था। लक्षित घर की ओर आगे बढ़ना एक घातक कदम हो सकता था, क्योंकि आतंकवादी भारी मात्रा में हथियारों से लैस थे और वे घर की ओर जाने वाले रास्ते पर साफ नजर रखे हुए थे।

श्री हरिन्द्र कुमार, कमांडेंट और श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता, कमांडेंट, श्री हर्षपाल सिंह, डिप्टी कमांडेंट के साथ मिलकर पश्चिम की तरफ से लक्षित घर की ओर बढ़े। जब असॉल्ट टीमें लक्षित घर के समीप लगभग 100 मीटर दूर तक पहुंचीं, तो आतंकवादी ने सुरक्षा बल की मौजूदगी को देखा और उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैनिकों ने तुरंत पोजीशन ले ली, लेकिन स्पष्ट दृश्यता की कमी के कारण, वे आतंकवादियों को निशाना बनाने में असमर्थ थे। असॉल्ट पार्टी कमांडरों ने जल्दी से स्थिति का विश्लेषण किया और आगे बढ़ना जारी रखने का फैसला किया। श्री हर्षपाल सिंह, डिप्टी कमांडेंट, आगे बढ़ने के लिए नेतृत्व हेतु स्वेच्छा से आगे आए। गोलियों की बौछार के बीच, वे अपने साथी कांस्टेबल/जीडी जाकेर के साथ असॉल्ट टीमों की कवर गोलीबारी की सहायता से रेंगते हुए लक्षित घर की ओर बढ़े। असॉल्ट टीमें, चुपके से लक्षित घर के करीब, लगभग 15/20 मीटर की दूरी पर पहुंच गईं।

श्री हर्षपाल सिंह, डिप्टी कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी जाकेर ने एक जोखिम भरा कदम उठाया, जिसमें उन्होंने अपना कवर छोड़ दिया और आतंकवादियों को और अधिक प्रभावशाली तरीके से उलझाने के लिए पास के एक पेड़ के पीछे पोजीशन ले ली। इस जोड़ी ने, अत्यधिक जानलेवा परिस्थितियों में, आतंकवादियों पर धावा बोल दिया और एक को मार गिराया तथा दूसरे को घायल कर दिया। तथापि, बंदूक की लड़ाई में, उन्हें गंभीर चोटें आईं और उन्हे वहां से निकालना पड़ा।

इस बीच, श्री पीसी झा, उप महानिरीक्षक भी स्थल पर पहुंच गए और बंदूक की इस लड़ाई में शामिल हो गए। उन्होंने, अपने साथी के साथ, लक्षित घर के दक्षिण पूर्व की ओर पोजीशन ले ली। इस बीच, आतंकवादी लगातार सैनिकों की ओर गोलीबारी कर रहे थे और हैंड ग्रेनेड फेंक रहे थे। श्री पीसी झा, उप महानिरीक्षक ने असॉल्ट टीमों को यूबीजीएल का उपयोग करके ग्रेनेड दागने का निर्देश दिया। तदनुसार, हेड कांस्टेबल/जीडी पवन कुमार और कांस्टेबल/जीडी पंचम सिंह ने यूबीजीएल से लगातार ग्रेनेड दागे और आतंकवादी गोलीबारी को बंद कर दिया। इस अवसर का उपयोग करते हुए, कमांडेंट श्री हरिन्द्र कुमार, हेड कांस्टेबल/आरओ आर एन स्वाईं और हेड कांस्टेबल/जीडी पवन कुमार के साथ आगे बढ़े और एक पेड़ के पास पोजीशन ले ली; जहां से श्री हर्षपाल सिंह, डिप्टी कमांडेंट ने आतंकवादियों पर हमला किया था। श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता, कमांडेंट भी अपनी छोटी टीम के साथ उनके साथ मिल गए और हमले को तेज कर दिया। इस बीच, श्री पीसी झा, उप महानिरीक्षक ने आतंकवादियों को उलझाए रखा।

आतंकवादियों ने अपनी गोलीबारी को श्री पीसी झा, उप महानिरीक्षक की ओर मोड़ दिया। उन्होंने उन पर गोलियों की बौछार कर दी और हैंड ग्रेनेड फेंके। तथापि, श्री पीसी झा, उप महानिरीक्षक घातक खतरे से डिगे बिना, अपनी पोजीशन पर जमे रहे और हमले का जवाब दिया। इसके बाद, एक तरफ से श्री हरिन्द्र कुमार, कमांडेंट, हेड कांस्टेबल/आरओ आरएन स्वाईं, हेड कांस्टेबल/जीडी पवन कुमार और श्री जितेंद्र

कुमार गुप्ता, कमांडेंट द्वारा तथा दूसरी तरफ से श्री पीसी झा, उप महानिरीक्षक द्वारा एक जोरदार हमला किया गया। सैनिकों द्वारा दोनों तरफ से किए गए दुस्साहसिक हमले के परिणामस्वरूप एक और आतंकवादी मार गिराया गया। तीसरे आतंकवादी को भी गोली लगी, लेकिन वह मक्के की घनी फसल से होकर घर से भागने में सफल रहा। तथापि, 137 सीआरपीएफ, पुलिस और सेना की घेराबंदी टीमों द्वारा उसे मार गिराया गया। सैनिकों ने तीन एके राइफलों, एक ग्लॉक पिस्तौल तथा गोला-बारूद और विस्फोटकों के बड़े जखीरे के साथ जैश-ए-मोहम्मद के 3 आतंकवादियों (सभी पाकिस्तानी) के शव बरामद किए।

सीआरपीएफ के सैनिकों की अद्वितीय बहादुरी के चलते, किसी अतिरिक्त क्षति के बिना, तीनों आतंकवादियों को मार गिराया गया। अत: ये स्पष्ट और प्रत्यक्ष मृत्यु के समक्ष अदम्य वीरता, मुकाबला करने की अदम्य भावना, निस्वार्थ समर्पण भावना और कर्तव्यों के प्रति निष्ठा के उदाहरण हैं।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री प्रभात चन्द्र झा ,उप महानिरीक्षक ,हरिन्द्र कुमार ,कमांडेंट, जितेंद्र कुमार गुप्ता, कमांडेंट, रबि नारायण स्वाईं, हेड कांस्टेबल, पवन कुमार, हेड कांस्टेबल और पंचम सिंह ,सिपाही ने अदम्य वीरता ,साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/09/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/68/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 145-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	राजेश कुमार	द्वितीय कमान अधिकारी	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	संजीव कुमार	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	महेंद्र कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	नंद किशोर	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5	पंकज कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
6	दुर्गा प्रसाद यादव	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 21 दिसंबर, 2018 को, अवंतीपोरा-पुलिस स्टेशन, जिला पुलवामा, (जम्मू और कश्मीर) के अधीन आरामपोरा और शाहबाद क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के संबंध में पुलिस से सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 130 सीआरपीएफ, एसओजी और 42 आरआर द्वारा 2235 बजे, एक संयुक्त सीएएसओ शुरू किया गया। संदिग्ध घर की अच्छी तरह से तलाशी ली गई, लेकिन आतंकवादी अंधेरे का फायदा उठाकर गांव से भाग निकलने में सफल हो गए और 2320 बजे ऑपरेशन को बंद कर दिया गया।

इसके बाद, सैनिकों को फिर से गांव-आरामपोरा के बाहरी इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी होने के संबंध में सूचना प्राप्त हुई। फिर से, श्री राजेश कुमार,-2 आई/सी के नेतृत्व में 130 सीआरपीएफ, एसओजी और 42 आरआर द्वारा तड़के एक संयुक्त सीएएसओ शुरू किया गया। सुरक्षा बलों द्वारा संदिग्ध क्षेत्र के चारों ओर एक मजबूत घेराबंदी डाली गई। घेराबंदी के क्षेत्र के अंदर एक छोटी सी पहाड़ी थी। इसके बगल में एक छोटा मौसमी नाला था, जो कि एक बाग और गांव के बाहरी इलाके से होकर गुजरता था। सूचना के अनुसार, आतंकवादियों के इस पहाड़ी में छिपे होने की आशंका थी।

श्री राजेश कुमार, 2-आई/सी ने साथी कमांडरों के साथ एक कार्रवाई योजना बनाई और सैनिकों को तीन टीमों में बांटा तथा गंभीरता को भांपते हुए, टीम 1 का नेतृत्व करने का फैसला किया, जबकि निरीक्षक/जीडी संजीव कुमार टीम 2 का नेतृत्व कर रहे थे और टीम 3 को रिजर्व के रूप में पर रखा गया था। इसके बाद, सीआरपीएफ की टीमें (1 और 2) पुलिस और 42 आरआर के साथ, चतुराई से छुपने वाली जगह की ओर आगे बढ़ीं। सीआरपीएफ की टीमें जिस तरफ से आगे बढ़ रहीं थीं, वह एक खुला क्षेत्र था और अधिक दुर्गम था। नेतृत्व के वास्तविक गुण का प्रदर्शन करते हुए, श्री राजेश कुमार, 2-आई/सी ने इस क्षेत्र से होकर गुजरते समय सामने से टीम 1 का नेतृत्व किया और टीम 2 को अपने दाहिने फ्लैंक पर साथ-साथ चलने का निदेश दिया।

लगभग 0830 बजे, जब टीम 1 छिपने के संदिग्ध स्थान की ओर बढ़ रही थी, एक आतंकवादी, जो कि संतरी के रूप में तैनात था, ने अंधाधुंध गोलाबारी शुरू कर दी और वह धान के खुले खेत से होते हुए पास के पेट्रोल पंप की ओर भाग गया। श्री राजेश कुमार, -2आई/सी ने अपने साथी कांस्टेबल/जीडी दुर्गा प्रसाद यादव के साथ, आतंकवादी का पीछा किया। गोलियों की बौछार के बीच, इस जोड़ी ने भागते हुए आतंकवादी को रोका और आमने-सामने की बंदूक की लड़ाई में उसे मार गिराया। इस बीच, गोलियों की आवाज सुनकर एक अन्य आतंकवादी छिपने वाली जगह से बाहर आया और उसने सीआरपीएफ की टीम, जो कि एक खुले मैदान में थी, पर गोलीबारी शुरू कर दी।

गोलियों की बौछार से जोखिम होने के बावजूद, श्री राजेश कुमार, -2आई/सी ने अपनी टीम के साथ छिपने वाली जगह की ओर बढ़ना जारी रखा। आतंकवादी प्रभुत्व वाली पोजीशन में थे और चढ़ाई की तरफ उन्हें निशाना बनाना कठिन था। लेकिन पुन:, श्री राजेश कुमार, -2 आई/सी स्थिति का मुकाबला करने के लिए आगे आए और कांस्टेबल/जीडी दुर्गा प्रसाद यादव की कवर गोलीबारी के तहत, गोलियों की बौछार के बीच रेंगते हुए चढ़ाई पर आगे बढ़े। आतंकवादियों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोकने के लिए उनकी तरफ ग्रेनेड फेंके, जोकि कुछ दूरी पर फट गए। श्री राजेश कुमार, -2आई/सी ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा और जीवन की परवाह न करते हुए, अत्यंत वीरता का प्रदर्शन किया और कांस्टेबल/जीडी दुर्गा प्रसाद यादव के साथ आतंकवादी पर धावा बोल दिया। दोनों ने दिमाग-झकझोड़ देने वाली बंदूक की लड़ाई में दूसरे आतंकवादी को भी मार गिराया।

चूंकि, आतंकवादियों की पोजीशन की पुष्टि हो गई थी, श्री राजेश कुमार, -2आई/सी ने निरीक्षक/जीडी संजीव कुमार को अपनी टीम 2 के साथ छिपने वाली जगह की ओर तेजी से बढ़ने का निदेश दिया। सैनिकों को अपनी ओर आगे बढ़ता देखकर, अचानक ही एक आतंकवादी छिपने वाली जगह से बाहर आ गया और उसने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैनिकों ने तुरंत पोजीशन ले ली और टीम 1की कवर गोलीबारी की आड़ में छिपने वाली जगह के पास पहुंच गए। एक उपयुक्त अवसर पर, निरीक्षक/जीडी संजीव कुमार ने अपने साथी हेड कांस्टेबल/जीडी महेंद्र कुमार के साथ आतंकवादी पर धावा बोल दिया और उसे मार गिराया। इस बीच, हेड कांस्टेबल/जीडी नंद किशोर और कांस्टेबल/जीडी पंकज कुमार ने एक और आतंकवादी को छिपने वाली जगह से बाहर आते हुए देखा। इससे पहले कि आतंकवादी हमला कर पाता, दोनों ने धावा बोल दिया और उसे मौके पर ही मार गिराया। इसके बाद, 02 और आतंकवादियों, जो नाले से गोलीबारी कर रहे थे, को अन्य सैनिकों द्वारा लड़ाई में उलझा लिया गया और इसके बाद उन्हें मार गिराया गया तथा लगभग 0945 बजे गोलीबारी बंद हो गई।

तलाशी के दोरान सैनिकों ने चार एके राइफल, दो पिस्तौल, दो हैंड ग्रेनेड और अन्य आपराधिक वस्तुओं सहित छ :आतंकवादियों के शव बरामद किए, जिनकी पहचान बाद में सलेह मोहम्मद अखून (एजीयूएच का डिप्टी चीफ), रासिक अहमद मीर, रौफ मीर, उमर रमजान, नदीम सोफी और फैसल जाविद खानडे के रूप में हुई।

आतंकवादियों के साथ इस अत्यंत चुनौतीपूर्ण बंदूक की लड़ाई के दौरान, श्री राजेश कुमार, -2आई/सी के नेतृत्व में 130वीं बटालियन, सीआरपीएफ के सैनिकों ने अपनी सुरक्षा की परवाह किए बिना अतुलनीय साहस का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री राजेश कुमार, द्वितीय कमान अधिकारी , संजीव कुमार, निरीक्षक, महेंद्र कुमार, हेड कांस्टेबल, नंद किशोर, हेड कांस्टेबल, पंकज कुमार, सिपाही और दुर्गा प्रसाद यादव, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 22/12/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/79/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 146-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक/ वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	कोमल सिंह	उप महानिरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	अम्बिका यादव	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	महेश पिल्लै आर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	गुलाम रसूल लोन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 29 मई, 2015 को मुख्यालय छत्तीसगढ़ सेक्टर, सीआरपीएफ और एसपी बीजापुर से गांव बेछापाल, कोंडापाल, हकवा, फुलादी, पोमरा और मोसला, जो कि जिला बीजापुर के दो पुलिस स्टेशनों अर्थात मिरतूर और गंगलूर के अंतर्गत आते हैं, के सामान्य क्षेत्र में, प्रमुख माओवादी नेताओं की बड़ी संख्या में कैडर के साथ मौजूदगी के बारे में सूचना प्राप्त हुई।

तदनुसार, पुलिस के साथ विस्तृत विचार-विमर्श के बाद, श्री कोमल सिंह, उप महानिरीक्षक बीजापुर, ऑप्स रेंज ने दो दिन और एक रात के ऑपरेशन की योजना बनाई। इसके बाद, सीआरपीएफ, डीआरजी और एसटीएफ के 07 दल अलग-अलग 07 बेस कैंपों से निकल पड़े और 02 जून, 2015 को ऑपरेशन शुरू किया गया। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए, श्री कोमल सिंह ने डीआरजी/एसटीएफ सहित अपनी स्पेशल एक्शन टीम (एसएटी) के साथ ऑपरेशन का नेतृत्व करने का फैसला किया।

श्री कोमल सिंह अपने सैनिकों के साथ मिरतूर पुलिस स्टेशन पहुंचे और स्थानीय स्रोतों से सूचना की पुष्टि की। इसके बाद, उन्होंने सैनिकों को दो टीमों में बांटा और वे पैरलल फॉरमेशन में लक्षित क्षेत्र की ओर चल पड़े तथा बेछापाल गाँव के समीप पहुंच गए। जब गांव की घेराबंदी करते हुए, सैनिक गांव के पीछे एक नाले को पार कर रहे थे, तभी पहाड़ी बनावट से सटे नाले की दूसरी तरफ से श्री कोमल सिंह की टीम पर भारी अंधाधुंध गोलीबारी हुई।

सैनिकों ने तुरंत पोजीशन ले ली और जवाबी कार्रवाई की, लेकिन यह कारगर साबित नहीं हुआ क्योंकि, माओवादी लाभ वाली तथा अच्छी तरह से जमी हुई पोजीशनों से गोलीबारी कर रहे थे। श्री कोमल सिंह अपनी टीम के साथ, घात में फंस गए और उनके लिए टिके रहना मुश्किल होता जा रहा था, क्योंकि माओवादी आक्रामक तरीके से गोलीबारी कर रहे थे। परंतु, नेतृत्व के गुणों का प्रदर्शन करते हुए, श्री कोमल सिंह ने फ्लैंकिंग पलटवार (काउंटर अटैक) शुरू करने का निडर और साहसिक निर्णय लिया।

श्री कोमल सिंह ने अपने सैनिकों को उन्हें कवर गोलीबारी प्रदान करने का निदेश दिया और गोलियों की बौछार के बीच वे अपने साथी सहायक उप निरीक्षक/जीडी अम्बिका यादव के साथ माओवादियों पर भारी गोलीबारी करते हुए तेजी से उनकी तरफ चल पड़े। दोनों निडर होकर आगे बढ़े और उन्होंने नाले को पार किया। एक सामरिक पोजीशन लेते हुए, उन्होंने साथी सैनिकों को नाला पार करने के लिए कवर गोलीबारी प्रदान की। इस बीच, दल के कमांडर के निदेश पर, कांस्टेबल/जीडी महेश पिल्लै और कांस्टेबल/जीडी गुलाम रसूल लाभ वाली स्थिति हासिल करने के लिए नाले के पुश्ते पर चढ़ गए और उन्होंने माओवादियों पर भारी गोलीबारी की। उपर्युक्त जोड़ी की कवर गोलीबारी के तहत, श्री कोमल सिंह सहायक उप निरीक्षक/जीडी अम्बिका यादव के साथ और आगे बढ़ गए तथा जवाबी हमले को और अधिक तेज कर दिया।

सैनिकों के इस दुस्साहसिक पलटवार ने माओवादियों की ताकत को तोड़ दिया और उनके बीच खलबली मच गई। वे भारी गोलीबारी करते हुए स्थल से पीछे हट गए। श्री कोमल सिंह ने अपने सैनिकों के साथ, अपनी जान की परवाह किए बिना, आक्रामक ढंग से उनका पीछा किया। तथापि, माओवादी जंगल और भागने के जाने-पहचाने मार्गों का फायदा उठाकर भाग गए। इसके बाद, क्षेत्र की अच्छी तरह से तलाशी ली गई और 315 बोर की राइफल, गोला बारूद, हैंड ग्रेनेड, वायरलेस संचार सेट और अन्य अपराधिक वस्तुओं सहित एक माओवादी का शव बरामद किया गया।

यह सावधानीपूर्वक तैयार की गई योजना, अनुकरणीय नेतृत्व और निस्वार्थ टीम वर्क का एक आदर्श उदाहरण है। श्री कोमल सिंह, उप महानिरीक्षक, ने सहायक उप निरीक्षक/जीडी अम्बिका यादव के साथ अत्यंत सूझ-बूझ, ठोस सामरिक कौशल और अदम्य वीरतापूर्ण कार्रवाई का प्रदर्शन किया। ऑपरेशन के दौरान कांस्टेबल/जीडी महेश पिल्लै और कांस्टेबल/जीडी गुलाम रसूल ने भी असाधारण वीरता, निस्वार्थ टीम भावना और समर्पण का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री कोमल सिंह, उप महानिरीक्षक, अम्बिका यादव, सहायक उप निरीक्षक, महेश पिल्लै आर, सिपाही और गुलाम रसूल लोन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 02/06/2015 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/87/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 147-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	मोहम्मद युसुफ इतू	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार
2	शाहिद हुसैन	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 अगस्त, 2019 को, लगभग 1900 बजे, बारामुला के पुराने कस्बे के गनी हमाम मुहल्ले में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 53सीआरपीएफ, 46आरआर और एसओजी बारामुला द्वारा सम्मिलित रूप से आतंकवादियों को पकड़ने के लिए एक संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया।

संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर दी और संदिग्ध घरों की तलाशी करना शुरू कर दिया। तलाशी के दौरान, आतंकवादियों ने सर्च पार्टी के ऊपर कई ग्रेनेड फेंके और अंधाधुंध गोलाबारी शुरू कर दी। सैन्य दस्ते ने तुरंत अपनी पोजीशन ले ली और जवाबी कार्रवाई की। इसी बीच, आस-पास के इलाकों से एक हिंसक भीड़ आस-पास इकट्ठा होने लगी और उसने ऑपरेशन में व्यवधान उत्पन्न करने के लिए सैन्य दस्तों पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। उस हिंसक भीड़ से निपटने के लिए अतिरिक्त सैन्य दस्तों को बुलाया गया।

इस बीच, आतंकवादियों ने बचकर भाग निकलने की कोशिश की और वहां पर हुई बंदूक की लड़ाई में एसओजी तथा आरआर के 04 कार्मिक घायल हो गए। चूंकि, आतंकवादी रणनीतिक दृष्टि से लाभदायक स्थिति में थे, इसलिए लक्षित घर से घायल कार्मिकों को बाहर निकालना बहुत मुश्किल था। इस नाजुक मौके पर, सीआरपीएफ के सैन्य दस्ते ने अपनी क्षमता एवं साहस का प्रदर्शन किया और लक्षित घर में प्रवेश करने के लिए स्वेच्छा से आगे आया, ताकि घायल कार्मिकों को बाहर निकाला जा सके तथा आतंकवादियों को भी ढेर किया जा सके।

तदनुसार, एसओजी के दो कार्मिकों समेत, 53 सीआरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक/जीडी मोहम्मद युसुफ इतू और कांस्टेबल/जीडी शाहिद हुसैन ने गोलियों की बौछार के बीच लक्षित घर में प्रवेश किया और 3 घायल जवानों को बाहर निकाल लिया। चौथा घायल जवान दूसरी मंजिल में फंसा हुआ था और पहले प्रयास में उसे बाहर नहीं निकाला जा सका। संयुक्त टीम ने उसे बाहर निकालने के लिए कई बार प्रयास किया, परंतु वे आतंकवादियों की ओर से की जा रही भारी जवाबी कार्रवाई के कारण सफल नहीं हो सके और मुठभेड़ रात भर चलती रही।

अंतत:, बिल्डिंग में प्रवेश करने के लिए पुन: प्रयास करने और आतंकवादियों का सफाया करने का निर्णय लिया गया। एक साहसिक और खतरनाक कदम उठाते हुए, संयुक्त टीम ने पास के घर की छत से लक्षित घर में प्रवेश किया। अपने आप को आसन्न खतरे में डालते हुए और अपनी जान की परवाह किए बिना, सहायक उप निरीक्षक/जीडी मोहम्मद युसूफ इतू और कांस्टेबल/जीडी शाहिद हुसैन ने ऊपरी मंजिल में प्रवेश किया और आतंकवादियों को उलझा दिया। भयंकर नजदीकी लड़ाई में, उन्होंने युद्ध में निपुण आतंकवादी को मार गिराया और साथ ही चौथे जवान को बाहर निकाल लिया, लेकिन दुर्भाग्यवश उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

सैन्य दस्ते ने आतंकवादी का शव बरामद किया, जिसकी पहचान जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के मोमिन रसूल गोजरी (उम्र लगभग 22 वर्ष) पुत्र गनी रसूल गोजरी, निवासी ओल्ड टाउन, बारामुला के रूप में की गई और 01 पिस्तौल, उससे संबंधित गोला-बारूद तथा अन्य सामग्रियां भी बरामद की गईं।

इस ऑपरेशन में, 53सीआरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक/जीडी मोहम्मद युसुफ इतू और कांस्टेबल/जीडी शाहिद हुसैन ने अपूर्व साहस, पहल और समर्पण तथा अपनी निर्धारित ड्यूटी से भी अधिक बहादुरी का प्रदर्शन किया तथा एसओजी के 03 साथी जवानों को बचाया और साथ ही आतंकवादी का भी सफाया किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मोहम्मद युसुफ इतू ,सहायक उप निरीक्षक और शाहिद हुसैन, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/08/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/167/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 148-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	बृजभान सिंह	निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	आकाश कुमार बादल	उप – निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	रूमी कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	मो. शबीर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 31 मई, 2019 को, लगभग 1300 बजे, नानेर गांव, अवंतीपोरा के गनी मोहल्ला में कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा से प्राप्त सूचना के आधार पर, 180 सीआरपीएफ, एसओजी (+जेकेपी) और 42 आरआर द्वारा एक घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (कासो) शुरू किया गया।

जैसे ही सैन्य दस्ता गनी मोहल्ला में पहुंचा, आरआर की टीम को भारी गोलीबारी का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन पर ग्रेनेड भी फेंके गए। इसके साथ ही, आस-पास के इलाके से भीड़ इकट्ठा होने लगी और उसने ऑपरेशन को रोकने का प्रयास किया, परन्तु सैन्य दस्तों ने उन्हें प्रभावी रूप से तितर-बितर कर दिया। तत्पश्चात, एक संयुक्त टीम बनाई गई और यथोचित सावधानी बरतते हुए संदिग्ध घरों की तलाशी शुरू की गई। सैन्य दस्तों ने केवल एक घर को छोड़कर, जिसका मालिक गुलाम कादिर गनी पुत्र मोहम्मद सुल्तान गनी था, सभी घरों की तलाशी की, परंतु उसे वहां कुछ भी नहीं मिला। स्थानीय लोगों से पूछताछ करने पर, सैन्य दस्ते को पता चला कि उस विशिष्ट घर में कुछ अज्ञात आतंकवादी मौजूद हैं।

इसके बाद, पुलिस ने आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का परामर्श देते हुए एक उद्घोषणा की, परन्तु आतंकवादियों ने इसके जवाब में गोलियों की बौछार कर दी। सैन्य दस्तों ने तत्काल पोजीशन ले ली और प्रभावी रूप से जवाबी कार्रवाई की। चूंकि आतंकवादी घर के अंदर किलेबंद स्थिति में थे ,इसलिए उनका सफाया करने के लिए एमजीएल का प्रयोग करने का निर्णय लिया गया। वहां पर एक दो मंजिला घर था और उसके पूर्वी और उत्तरी दिशाओं में एक मस्जिद थी ,जिसकी वजह से लक्षित घर दिखाई नहीं देता था। संयुक्त टीम ने इन दोनों ऊंची इमारतों पर ही एक मजबूत हमलावर बेस बना लिया और लक्षित घर की सामने वाली खिड़की को निशाना बनाते हुए एमजीएल फायर कर दिया। तत्काल ही, आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी और यूबीजीएल फायर करते हुए इसका जवाब दिया। गोलीबारी के दौरान घर के भूतल में आग लग गई और तेजी से घर के अन्य हिस्सों में फैल गई।

लगभग 1800 बजे, अचानक सेना की वर्दी में दो सशस्त्र आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए लक्षित घर से बाहर निकले और घेराबंदी को तोड़ने के लिए मुख्य दरवाजे की तरफ भागे। अपने साथी कांस्टेबल/जीडी रूमी कुमार के साथ निरीक्षक/जीडी बृजभान सिंह ने एक आतंकवादी को अपनी ओर आते हुए और अपने मोर्चे पर गोलीबारी करते हुए देखा। उन दोनों ने आतंकवादियों द्वारा की गई भारी गोलीबारी के बावजूद अपना मोर्चा संभाल लिया और हमले का जवाब दिया। अनुकरणीय वीरता का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने बिल्कुल नजदीक से बंदूकों की भीषण लड़ाई में उस आतंकवादी को मार गिराया। इसी बीच, दूसरे आतंकवादी, जो घर के सामने की तरफ से भागने की कोशिश कर रहा था, को भी उप- निरीक्षक/जीडी आकाश कुमार बादल और उनके साथी कांस्टेबल/जीडी शबीर अहमद द्वारा बीच रास्ते में रोक लिया गया। उन दोनों ने अपने जीवन की परवाह किए बिना आतंकवादी से सीधा मुकाबला किया और उसे मार गिराया।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, सैन्य दस्ते ने दो आतंकवादियों के शव बरामद किए, जिनकी पहचान बाद में जैश–ए–मोहम्मद के यावर अहमद नजर और जुनैद अहमद वागे के रूप में की गई और साथ ही 01 एके 56 राइफल, 01 एके 47 राइफल, 04 एके मैगजीनें, गोलाबारूद और अन्य सामग्री भी बरामद की गई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री बृजभान सिंह, निरीक्षक, आकाश कुमार बादल, उप–निरीक्षक, रूमी कुमार, सिपाही और मो. शबीर, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31/05/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/176/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 149-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	नारागंटी दुर्गापती	कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	कार्तिक के.	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	बृजानंद कुमार सिंह	उप-निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	संदीप शर्मा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

पुलिस स्टेशन गंगलूर, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत गांव पुसनार के सामान्य क्षेत्र में गंगलूर एलओएस कमांडर दिनेश के नेतृत्व में सीपीआई माओवादी कैडरों के एक समूह और पुलिस स्टेशन गंगलूर के अंतर्गत मुतुवंडी के सामान्य क्षेत्र में राकेश कोसरा, कमाण्डर, गंगलूर एरिया कमेटी तथा मिलिट्री कंपनी नं. 2 के नेतृत्व में एक अन्य समूह की मौजूदगी के बारे में डीआईजी बीजापुर ऑपरेशन रेंज और पुलिस अधीक्षक बीजापुर से एक खुफिया सूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, पुलिस स्टेशन गंगलूर, जिला बीजापुर (छत्तीसगढ़) के अंतर्गत पुसनार, मलूर, हिरमागुंडा, इरसामेट्टा, कवादगांव, कुरूस और मुतुवंडी गांवों के सामान्य क्षेत्र में 2 दिन और 2 रात के लिए एक संयुक्त ''तलाशी और विध्वंस ऑपरेशन'' की योजना बनाई गई। सहायक कमांडेंट श्री नरपत और श्री कार्तिक के. के नेतृत्व में राज्य पुलिस और डीआरजी की टीमों के साथ 204 कोबरा की दो टीमों को ऑपरेशन चलाने का कार्य सौंपा गया।

सभी अवसरों और खतरों का मूल्यांकन करने के पश्चात, संयुक्त टीमें दिनांक 04 जनवरी, 2018 को 2200 बजे गंगलूर स्थित बेस कैंम्प से रात के अंधेरे में रवाना हुईं। पूरी रात घने जंगल से होते हुए और अपनी गतिविधि की गोपनीयता को बनाए रखते हुए, संयुक्त टीमें सुबह होने से पहले ही गांव कवादगांव के नजदीक स्थित जंगल में पहुंच गईं। तत्पश्चात, सहायक कमांडेंट श्री नरपत और श्री कार्तिक के. ने योजना के अनुसार गांव कवादगांव और मुतुवंडी के दक्षिण में 3 अलग-अलग स्थानों पर 3 पार्टियों को तैनात कर दिया और दो कोबरा टीमों के साथ घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन चलाने के लिए मुतुवंडी गांव की ओर रवाना हो गए। लगभग 0730 बजे, जब टीमें अपने लक्ष्य के नजदीक एक पहाड़ी को पार कर रही थीं, तभी टीम संख्या 6 के स्काउट, कांस्टेबल/जीडी दुर्गापति को पहाड़ी की चोटी पर कुछ संदिग्ध गतिविधि का आभास हुआ। तत्काल ही, वह एक कवर के पीछे छिप गए और जैसे ही उन्होंने आगे संदिग्ध खतरे के बारे में टीमों को हाथ से इशारा किया, उन पर गोलियों की बौछार हो गई और उसके बाद टीम के अन्य सदस्यों की तरफ स्वचालित और अर्ध-स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी की गई। घात का समय से पता चल जाने और टीम के सदस्यों द्वारा तत्काल कार्रवाई करने से एक ऐसा दिन टल गया कि जब गोलीबारी में कोई भी जवान घायल नहीं हुआ। कांस्टेबल/जीडी एन. दुर्गापति की पैनी नजर ने टीम को माओवादियों की घात का शिकार होने और प्राणघातक क्षेत्र में प्रवेश करने से रोक लिया। श्री कार्तिक के., सहायक कमांडेंट, जो टीम का नेतृत्व कर रहे थे, ने सैन्य दस्तों को जवाबी हमला करने का आदेश दिया ताकि माओवादियों को निशाना लगाकर गोलीबारी करने से रोका जा सके और साथ ही माओवादियों की वास्तविक स्थिति का पता

लगाने के लिए कुछ समय मिल सके। जैसे ही उन्हें घात के खुले क्षेत्र का पता चला, वे उप-निरीक्षक/जीडी बृजानंद कुमार सिंह और कांस्टेबल/जीडी एन. दुर्गापति के साथ निरंतर गोलीबारी वाले क्षेत्र से लाभ की स्थिति वाली जगह की ओर चले गए।

एक बार रणनीतिक स्थान मिल जाने पर, श्री कार्तिक के., सहायक कमांडेंट, उप-निरीक्षक/जीडी बृजानंद कुमार सिंह और कांस्टेबल/जीडी एन. दुर्गापति ने एक एक नया मोर्चा खोल दिया और माओवादियों पर भारी गोलीबारी की। खुले क्षेत्र में एक नया मोर्चा खुल जाने से माओवादियों का साहस कुछ समय के लिए क्षीण हो गया और कुछ माओवादी उस क्षेत्र को कवर करने के लिए चले गए। खाली जगह और नए सृजित गैप का फायदा उठाते हुए, कांस्टेबल/जीडी संदीप शर्मा, जिन्हें अब तक आगे बढ़ने में कठिनाई हो रही थी, अपने ऊपर हो रही भारी गोलीबारी के बावजूद चतुराई से माओवादी के नजदीक पहुंच गए और अपने स्वचालित हथियार से उन पर गोलियों की बौछार करके कहर बरपा दिया। उनके साहस और हिम्मत ने उनकी टीम के सदस्यों में जोश भर दिया और उन्होंने भी आगे बढ़ने के लिए जोखिम उठाना शुरू कर दिया। सैन्य दस्तों के तेजी से आगे बढ़ने की वजह से माओवादियों का मनोबल गिर गया और उनके विभिन्न रैंकों के बीच अफरा-तफरी मच गई। इसका फायदा उठाते हुए, श्री कार्तिक के., सहायक कमांडेंट, उप-निरीक्षक/जीडी बृजानंद कुमार सिंह और कांस्टेबल/जीडी एन. दुर्गापति की तिकड़ी अपने कवर से बाहर आ गई और रेंगते हुए माओवादियों की पोजीशन के नजदीक पहुंच गई तथा नजदीकी लड़ाई में एक माओवादी को मार गिराया। उस क्षेत्र में सुरक्षा में कमी होने और लगातार दो दिशाओं से सैन्य दस्तों के आगे बढ़ने तथा गोलियां लगने से उनके कुछ कैडरों के घायल हो जाने के कारण, माओवादियों का मनोबल टूट गया और वे रुक-रुक कर गोलीबारी करते हुए शीघ्र पीछे हटने के लिए मजबूर हो गए। श्री कार्तिक के., सहायक कमांडेंट और उनकी छोटी टीम ने माओवादियों की तरफ से की जा रही जवाबी गोलीबारी के बावजूद 1 किमी. तक उनका पीछा किया।

पुन: संगठित होने और मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, सैन्य दस्तों ने काली वर्दी में 2 सीपीआई माओवादियों नामत: ओराम क्रान्ति उर्फ शान्ति पूनम उर्फ कर्ण (23 वर्ष, महिला) निवासी गांव सावनार, सशस्त्र सीपीआई (माओवादी) कैडर, मिलिटरी कम्पनी नं. 2 की कार्यकर्ता और दोदी बुधराम उर्फ राजू हेमला उर्फ सुधा (23 वर्ष, पुरूष) निवासी गांव सावनार, एलओएस कमांडर और गंगलूर एरिया कमेटी के सदस्य के शव बरामद किए और साथ ही एक .303 राइफल, एक 12 बोर की बन्दूक, एक पिस्तौल, गोलाबारूद और अन्य आपत्तिजनक वस्तुएं बरामद की गईं। मुठभेड़ स्थल और भाग निकलने के रास्ते पर खून के कई धब्बे भी देखे गए, जिससे यह पता चला कि भीषण मुठभेड़ के दौरान कई और माओवादी घायल हुए हैं।

204 कोबरा के सहायक कमांडेंट, श्री कार्तिक के. ने माओवादियों को ढेर करने और घटनास्थल से हथियार, गोलाबारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्रियां बरामद करने में गंभीर खतरे के समक्ष अपनी जान को जोखिम में डालते हुए असाधारण नेतृत्व क्षमता, अत्यधिक दृढ़ता और वास्तविक शौर्य का प्रदर्शन किया। माओवादियों के मजबूत आक्रमण से विचलित हुए बिना, उन्होंने अपने सैन्य दस्ते का सामने से नेतृत्व करते हुए लगातार गोलीबारी की और माओवादियों के समक्ष अपने मृत कैडरों का शव वहीं पर छोड़कर भागने के अतिरिक्त कोई अन्य विकल्प नहीं बचा। इसी प्रकार, उप-निरीक्षक/जीडी बृजानंद कुमार सिंह और कांस्टेबल/जीडी संदीप शर्मा तथा कांस्टेबल/जीडी एन. दुर्गापति ने भी अपनी पैनी नजर, नि:स्वार्थ रवैये और सही समय पर अतुल्य बहादुरी का प्रदर्शन किया और अपनी टीम की जान बचाई। उन्होंने अपनी जान को स्पष्ट एवं आसन्न खतरे के बावजूद अदम्य वीरता, लड़ने की दृढ़ भावना और नि:स्वार्थ समर्पण का परिचय दिया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री नारागंटी दुर्गापती, कांस्टेबल, कार्तिक के., सहायक कमांडेंट, बृजानंद कुमार सिंह, उप-निरीक्षक और संदीप शर्मा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 05/01/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/198/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 150-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत) प्रदान करते हैं:—

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	स्व. श्री मोहन लाल	सहायक उप निरीक्षक	वीरता के लिए राष्ट्रपति का पुलिस पदक (मरणोपरांत)

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के माइलस्टोन 269.2 (बरसू) से लेकर माइलस्टोन 285 (लसजन) तक की सुरक्षा की जिम्मेदारी 110 सीआरपीएफ को सौंपी गई है। चूंकि पुलवामा जिले का यह इलाका आतंकवादी गतिविधियों से अत्यधिक प्रभावित है, इसलिए 110 सीआरपीएफ की रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) ने राष्ट्रीय राजमार्ग 44 की अच्छी तरह से जाँच की और प्रचलित पद्धति के अनुसार 14 फरवरी, 2019 को जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में निर्धारित स्थानों पर पिकेट लगाकर राष्ट्रीय राजमार्ग 44 को सुरक्षित किया।

लगभग 1510 बजे, जम्मू से श्रीनगर आ रहे सीआरपीएफ वाहनों के एक काफिले ने 110 सीआरपीएफ के जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में प्रवेश किया। जब काफिला लेथपोरा, पुलवामा में बीएसएनएल टॉवर के निकट माइलस्टोन 272 पर पहुंचा, तब 110 बटालियन सीआरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक/जीडी मोहन लाल, जो रोड ओपनिंग पार्टी के पिकेट कमांडर की ड्यूटी कर रहे थे, एक समीपवर्ती छोटी पहाड़ी की चोटी से राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर नीचे की ओर आ गए। वे राजमार्ग पर अपने आस-पास की गतिविधियों पर पैनी नजर रखे हुए थे। काफिले के कुछ वाहनों के गुजरने के बाद, उन्होंने एक सिविल कार को काफिले के साथ आते हुए तथा अन्य सिविल वाहनों के साथ दूसरी लेन में न चलकर उसे काफिले के वाहनों के बीच में घुसने का प्रयास करते हुए देखा।

सहायक उप निरीक्षक/जीडी मोहन लाल को कुछ शक हुआ और बिना कोई समय गंवाए, वे संदिग्ध वाहन को रोकने के लिए डिवाइडर की ओर भागे। वे डिवाइडर को पार करते हुए सड़क पर कूद गए और सिविल कार को रुकने का इशारा किया, परंतु कार नहीं रुकी। सहायक उप निरीक्षक/जीडी मोहन लाल ने अपनी जान की परवाह किए बिना कार को रोकने के लिए उसका पीछा किया, लेकिन वे कार की रफ्तार की बराबरी नहीं कर सके। आखिरकार, कोई अन्य विकल्प न पाकर, उन्होंने आसन्न खतरे का अनुमान लगाते हुए अपनी एके-47 राइफल की मजल को कार की ओर तान दिया, क्योंकि कार लगातार सीआरपीएफ के वाहनों के काफिले के बीच दौड़ती चली जा रही थी। उन्होंने संदिग्ध कार को रोकने के लिए उस पर गोली चलाई, परंतु कार ने पास में चल रही सीआरपीएफ की बस में टक्कर मार दी और एक जोरदार धमाका हुआ।

कार भारी मात्रा में विस्फोटकों से लदी हुई थी, इसलिए काफी अधिक नुकसान पहुंचा और इसके परिणामस्वरूप, काफिले की बस हवा में जा उड़ी तथा जल गई और बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। काफिले की एस्कॉर्ट पार्टी सहित उसमें सवार सभी 39 जवान शहीद हो गए। 110 बटालियन सीआरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक/जीडी मोहन लाल, अपने सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद इस घटना से बच नहीं सके तथा वे स्वयं भी धमाके की चपेट में आ गए और शहीद हो गए। इस विस्फोट में, कार में विस्फोट करने वाला आत्मघाती बंबर भी मारा गया और उसका शव बरामद नहीं किया जा सका/उसकी पहचान नहीं की जा सकी।

110 बटालियन सीआरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक/जीडी मोहन लाल ने उच्चकोटि साहस के साहस का परिचय दिया और कर्तव्य पथ पर अपनी जान की जरा सी भी परवाह नहीं की। यद्यपि बिलकुल थोड़े समय में उनके विवेकपूर्ण और त्वरित निर्णय से सीआरपीएफ के जवानों की कीमती जान नहीं बच सकी, परंतु उन्होंने ईमानदारी और कर्तव्य के प्रति निष्ठा की मिसाल कायम की।

इस ऑपरेशन में स्व. श्री मोहन लाल, सहायक उप निरीक्षक ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 14/02/2019 से दिया जाएगा।

(फा.सं. 11020/223/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 151-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	सोनू गौतम	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	संजीव कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 23 जून, 2019 को, गांव पंजेर और धमडोरा, पुलिस स्टेशन एवं जिला शोपियां में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, शोपियां से प्राप्त एक विशिष्ट सूचना के आधार पर, 14 सीआरपीएफ, एसओजी तथा 44 आरआर द्वारा एक ऑपरेशन शुरू किया गया।

लगभग 0200 बजे, संयुक्त सैन्य दस्ता लक्षित क्षेत्र में पहुंच गया और उसने संदिग्ध बगीचे की घेराबंदी कर दी। संयुक्त टीमों का गठन किया गया और तलाशी के दौरान, आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। "गोली चलाओ और आगे बढ़ो" की रणनीति का प्रयोग करते हुए, आतंकवादियों ने घेराबंदी को तोड़ने और उस स्थान से भागने का प्रयास किया। सैन्य दस्ते ने जवाबी कार्रवाई की और उन्हें बचकर भागने से रोक दिया। खुद को घिरा हुआ पाकर, आतंकवादियों ने गोलीबारी तेज कर दी और अलग-अलग दिशाओं में चले गए।

एक आतंकवादी उस स्थान पर पहुंचा, जहां 14 सीआरपीएफ की सीटीटी ने मोर्चा संभाल रखा था। कांस्टेबल/जीडी सोनू गौतम और उनके साथी कांस्टेबल/जीडी संजीव कुमार नाइट विजन डिवाइस (एनवीडी) की सहायता से आतंकवादियों की गतिविधि को देख रहे थे। अपना धैर्य बनाए रखते हुए, उन दोनों जवानों ने आतंकवादी को अपने करीब आने दिया और हमला करने के सही मौके का इंतजार करने लगे। लेकिन किसी न किसी तरह, आतंकवादी को उनकी मौजूदगी का पता चल गया और उसने अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए भागने का प्रयास किया। तत्काल, कांस्टेबल/जीडी सोनू गौतम और कांस्टेबल/जीडी संजीव कुमार फुर्ती से आगे बढ़े और गोलियों की बौछार के बीच उन्होंने आतंकवादी पर धावा बोल दिया। उन दोनों ने करीबी लड़ाई में, आतंकवादी को मार गिराया।

चूंकि, वहां अंधेरा था और आतंकवादियों की वास्तविक पोजीशन का पता नहीं लगाया जा सका, इसलिए तलाशी रोक दी गई और सैन्य दस्तों ने भोर होने का इंतजार किया। सुबह के समय, लगभग 0500 बजे, तलाशी के दौरान, आतंकवादियों ने बगीचे के एक कोने से पुन: भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दस्तों ने जवाबी कार्रवाई की और दोनों तरफ से गोलीबारी शुरू हो गई, जो लगभग 02 घंटे तक चली।

मुठभेड़ के बाद की गई तलाशी के दौरान, सैन्य दस्तों ने अंसार गजवात-उल-हिन्द के आतंकवादियों के 04 शव बरामद किए, जिनकी पहचान शौकत अहमद मीर उर्फ अरशद; आजाद अहमद; गुलाम हुसन मीर और सुहैल अहमद के रूप में की गई और साथ ही उनके पास से हथियार और गोलाबारूद भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में, कांस्टेबल/जीडी सोनू गौतम और कांस्टेबल/जीडी संजीव कुमार ने आतंकवादियों के साथ आमने-सामने की लड़ाई में असाधारण साहस, रणनीतिक कौशल, अत्यधिक धैर्य और कर्तव्य के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया और उनमें से एक आतंकवादी को मार गिराया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री सोनू गौतम, सिपाही और संजीव कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 23/06/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/187/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 152-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	सुखजिन्दर सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	जोनी कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 20 जनवरी, 2020 को, सीओबी वाची से 55 आरआर की एक टीम वाची गांव में क्षेत्र पर वर्चस्व और तलाशी के लिए रवाना हुई। पिछले कुछ दिनों से इस इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में सामान्य सूचनाएं मिल रही थीं। इस प्रक्रिया के दौरान, आरआर की टीम के एक सैनिक ने देखा कि मोहम्मद सुल्तान रेशी के घर में बड़ी मात्रा में भोजन पकाया जा रहा है। उसने यूं ही एक महिला से कहा कि वे भी उसी घर में भोजन करेंगे। अकस्मात ही तीन आतंकवादी, जो उस घर में छिपे हुए थे और सुरक्षा बलों के वापस जाने की प्रतीक्षा कर रहे थे, सैनिक की यह बात सुनकर कि वे उनके साथ भोजन करेंगे, इस वजह से डर गए कि सुरक्षा बलों की नजर उन पर पड़ जाएगी। भागने की कोशिश में, आतंकवादी बिल्डिंग से कूद पड़े और उन्होंने आरआर की टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आरआर की टीम ने जवाबी हमला किया और आतंकवादियों को उलझा दिया। गोलियों की यह आवाज बी/52 सीआरपीएफ के कंपनी कमांडर को सुनाई दी, जो आधा किमी. दूर थे और उन्होंने 178 सीआरपीएफ के 2-आई/सी को सूचित किया। तत्काल ही, श्री संजीव कुमार सिंह, 2-आई/सी की कमान में सीटीटी 178 सीआरपीएफ और कमांडेंट 178 सीआरपीएफ अपनी सुरक्षा टीम के साथ उस स्थान के लिए रवाना हो गए।

178 सीआरपीएफ की टीमों के पहुंचने तक, दो आतंकवादी मारे जा चुके थे। तीसरे आतंकवादी ने ऊबड़-खाबड़ मैदान में मोर्चा संभाल लिया था और वह सुरक्षा बलों पर रूक-रूक कर गोलीबारी कर रहा था। चूंकि अन्य टीमें अभी भी रास्ते में थीं, इसलिए 178 सीआरपीएफ की सीटीटी को समीपवर्ती ऊंचे मैदान पर तैनात करने और आतंकवादी को उलझाए रखने का निर्णय लिया गया। टीम घेराबंदी के बाहर इस पठार क्षेत्र में पहुंच गई और आतंकवादी को उलझाए रखने के लिए रणनीतिक रूप से मोर्चा संभाल लिया।

178 सीआरपीएफ की सीटीटी योजनाबद्ध तरीके से अपनी पोजीशन पर सावधानी से आगे बढ़ी और कांस्टेबल/जीडी सुखजिन्दर सिंह तथा कांस्टेबल/जीडी जोनी कुमार को छिपे हुए आतंकवादी का लुक-छुप कर पीछा करने का कार्य सौंपा गया। टीम के अन्य सदस्यों ने आतंकवादी की ओर रूक-रूक कर गोलीबारी की, जो एक तरफ टिन शेड लगे हुए ऊबड़-खाबड़ मैदान में छिपा हुआ था। कांस्टेबल/जीडी सुखजिन्दर सिंह तथा कांस्टेबल/जीडी जोनी कुमार ऊबड़-खाबड़ जमीन पर बर्फ से ढंके हुए मैदान में रेंगते हुए आगे बढ़े, ताकि आतंकवादी उन्हें देख न सके। जब वे उसे उलझाने की स्थिति में हो गए और गोलीबारी करने का एक खुला क्षेत्र मिल गया, तो 178 सीआरपीएफ की सीटीटी ने कवर फायरिंग को रोक दिया। वे छिपे हुए आतंकवादी के नजदीक पहुंच गए और उसे बिलकुल नजदीक से गोलीबारी में उलझा दिया, जिसमें वह आतंकवादी मारा गया।

तलाशी के दौरान, मुठभेड़ स्थल से आतंकवादियों के तीन शव बरामद किए गए। उनकी पहचान वसीम अहमद वानी उर्फ इब्राहिम भाई (हिजबुल मुजाहिदीन का जिला कमांडर, श्रेणी-क) पुत्र मोहम्मद अमीन वानी, निवासी-उरपोरा, नागबल, आदिल बशीर शेख उर्फ वलीद भाई (हिजबुल मुजाहिदीन, श्रेणी-ख) पुत्र बशीर अहमद शेख, निवासी-जैनापोरा और मो. आमिर डार (हिजबुल मुजाहिदीन, श्रेणी-ग) पुत्र अब्दुल रहमान डार, गांव बेमनीपोरा, पुलिस स्टेशन और जिला शोपियां के रूप में की गई और मुठभेड़ स्थल से 02 एके 56 राइफलें, 01 एसएलआर, 04 एके मैगजीनें, एके 56 के 95 राउंड (45 भारतीय और 50 पाकिस्तानी), 01 एसएलआर मैगजीन, 40 एसएलआर राउंड और अन्य सामग्रियां भी बरामद की गईं।

इस मुठभेड़ को सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी सफलता के रूप में माना गया, क्योंकि हिजबुल मुजाहिदीन के जिला कमांडर वसीम अहमद वानी उर्फ इब्राहिम भाई के मारे जाने से हिजबुल मुजाहिदीन को एक बड़ा झटका लगा। भूतपूर्व एसपीओ आदिल बशीर शेख जैनापोरा का स्थानीय निवासी होने और पुलिस स्टेशन जैनापोरा में सेवा कर चुके होने की वजह से एक बड़ी रूकावट था। वह श्रीनगर में वाची विधायक के निवास, जहां पर वह तैनात था, से 7 एके 47 लेकर फरार हो गया था। आदिल बशीर शेख को पुलिस स्टेशन जैनापोरा, एसओजी और 178 सीआरपीएफ मुख्यालय के कैम्प ले-आउट की पूरी जानकारी थी, जहां वह पुलिस सेवा में रहने के दौरान अपनी टीम के साथ आधिकारिक रूप से जाता रहता था।

इस ऑपरेशन में कांस्टेबल/जीडी सुखजिन्दर सिंह और कांस्टेबल/जीडी जोनी कुमार ने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थिति में साहस तथा नि:स्वार्थ समर्पण का परिचय दिया और आतंकवादी को मार गिराया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री सुखजिन्दर सिंह, सिपाही और जोनी कुमार, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 20/01/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/197/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 153-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1	वेलत राम डांगी	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2	श्याम सिंह तोमर	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3	सोरठिया कल्पेश कुमार वल्लभ भाई	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4	कैलाश पति बेरा	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 12 जनवरी, 2020 को, गुज्जर बस्ती नागबल (गुलशनपोरा), पुलिस स्टेशन त्राल में अपने दो सहयोगियों के साथ हिजबुल मुजाहिदीन संगठन के खूंखार आतंकवादी कमांडर उमर फैयाज लोन उर्फ हमद खान की मौजूदगी के बारे में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अवंतीपोरा से विशिष्ट सूचना प्राप्त होने पर, 180 सीआरपीएफ, 42 आरआर और सिविल पुलिस/एसओजी, त्राल के सैन्य दस्तों द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (कासो) शुरू किया गया।

शुरुआत में, 42 आरआर की एक पार्टी ने गांव नागबल की गुज्जर बस्ती की घेराबंदी कर दी। इसी बीच, श्री वेलत राम डांगी, सहायक कमांडेंट की कमान में 180 सीआरपीएफ की 'सी' कंपनी और एसओजी त्राल भी लगभग 0500 बजे स्थल पर पहुंच गए और उन्होंने आंतरिक घेराबंदी को मजबूत कर दिया। लक्षित क्षेत्र की घेराबंदी करने के बाद, सीआरपीएफ, 42 आरआर और जेकेपी/एसओजी के चयनित कार्मिकों को शामिल करते हुए दो संयुक्त तलाशी पार्टियों का गठन किया गया। श्री वेलत राम डांगी, सहायक कमांडेंट की कमान में पहली पार्टी ने उत्तर-पश्चिम की तरफ से तलाशी शुरू की और श्री रविंदर कुमार, 2-आई/सी, 180 सीआरपीएफ की कमान में दूसरी तलाशी पार्टी ने 42 आरआर की टीम के साथ उत्तर-पूर्व की तरफ से तलाशी शुरू की।

तलाशी के दौरान, कांस्टेबल/जीडी श्याम सिंह तोमर ने एक मंजिल वाली इमारत में कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। इस इमारत के नजदीक दो और घर स्थित थे। कुछ देर के बाद, 3 संदिग्ध, जिनमें से 2 संदिग्धों के पास हथियार थे, लक्षित घर से बाहर निकले और आड़े-तिरछे तरीके से पहाड़ी की ओर भागे तथा समीप में स्थित घरों में जा छिपे। उन्हें आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परंतु इसका कोई फायदा नहीं हुआ, क्योंकि एक आतंकवादी ने दूसरी तलाशी पार्टी के ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दस्ते ने हमले का सफलतापूर्वक जवाब दिया। कुछ देर के बाद, दोनों तरफ से गोलीबारी बंद हो गई।

फील्ड कमांडर ने स्थिति का आकलन किया और पहली तलाशी पार्टी की कवर फायरिंग के अंतर्गत दूसरी तलाशी पार्टी को लक्षित घर की ओर आगे बढ़ने का निर्देश दिया। सुरक्षा बलों की गतिविधि को देखकर, आतंकवादियों ने उनकी ओर हथगोले फेंके और अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने इस हमले का प्रभावी रूप से जवाब दिया। कुछ देर गोलीबारी के बाद, गोलीबारी पुन: रूक गई। कुछ समय के बाद, अचानक एक आतंकवादी लक्षित घर से बाहर निकला और सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करता हुआ पास के घर की ओर भागा। आंतरिक घेराबंदी में मोर्चा संभाले हुए कांस्टेबल/जीडी श्याम सिंह तोमर ने आतंकवादी की गतिविधि को भांप लिया और आतंकवादी पर गोली चला दी तथा उसे घटना स्थल पर ही मार गिराया। इसी बीच, शेष दो आतंकवादियों ने अपनी पोजीशन बदल दी और पास के घरों में शरण ले ली।

तत्पश्चात, श्री वेलत राम डांगी, सहायक कमांडेंट को उत्तर-पश्चिम दिशा, जहां दूसरा आतंकवादी छिपा हुआ था, से तलाशी शुरू करने का निर्देश दिया गया। असाधारण नेतृत्व, प्रतिबद्धता और रणनीतिक बुद्धिमत्ता का प्रदर्शन करते हुए, वे दूसरी तलाशी पार्टी की कवर फायरिंग के अंतर्गत अपने साथियों कांस्टेबल/जीडी सोरठिया कल्पेश कुमार वल्लभ भाई और कांस्टेबल/जीडी कैलाश पति बेरा के साथ तेजी से लक्षित घर की ओर आगे बढ़े। जब वे लक्षित घर के पास पहुंचने वाले थे, तभी आतंकवादी ने घर की खिड़की से सैन्य दस्तों की ओर हथगोले फेंके। श्री वेलत राम डांगी, सहायक कमांडेंट और उनकी टीम ने फुर्ती से जवाबी कार्रवाई की और उन्होंने पास की एक पत्थर की दीवार के पीछे आड़ ले ली।

एक उपयुक्त समय पर, कांस्टेबल/जीडी सोरठिया कल्पेश कुमार वल्लभ भाई के साथ श्री वेलत राम डांगी, सहायक कमांडेंट चतुराई से आगे बढ़े और कांस्टेबल/जीडी कैलाश पति बेरा से उन्हें कवर फायरिंग देने का निर्देश दिया। 'गोली चलाओ और आगे बढ़ो' की रणनीति का उपयोग करते हुए, वे लक्ष्य के समीप में स्थित घर के पीछे पहुंच गए और पत्थर की दीवार के पीछे पोजीशन ले ली। सैन्य दस्तों ने आतंकवादी के लक्षित घर से बाहर निकलने का इंतजार किया। कुछ देर की शांति के बाद, आतंकवादी ने फिर एक ग्रेनेड फेंका और सुरक्षा बलों की पोजीशन की ओर गोलियों की बौछार कर दी तथा मारे गए पहले आतंकवादी के शव की ओर भागा, जो जमीन पर पड़ा हुआ था। इस अवसर का लाभ उठाते

हुए, श्री वेलत राम डांगी, सहायक कमांडेंट और कांस्टेबल/जीडी सोरठिया कल्पेश कुमार वल्लभ भाई और कांस्टेबल/जीडी कैलाश पति बेरा ने अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादी पर धावा बोल दिया और उसे मौके पर ही मार गिराया।

सुरक्षा बलों ने एक-एक करके शेष घरों की तलाशी शुरू की, जहां तीसरे आतंकवादी ने मोर्चा संभाल रखा था और उस तीसरे आतंकवादी ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सैन्य दस्तों ने एमजीएल और सीजीआरएल फायरिंग का उपयोग करते हुए इस हमले का जवाब दिया। परस्पर गोलीबारी के दौरान, लक्षित घर की दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। अंततः, आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करता हुआ खिड़की से बाहर कूद गया। 42 आरआर, सीआरपीएफ और एसओजी की संयुक्त टीम ने हमले का जवाब दिया और आतंकवादी को मार गिराया।

तलाशी के दौरान, तीनों खूंखार आतंकवादियों के शव बरामद किए गए और बाद में उनकी पहचान उमर फैयाज लोन उर्फ हमद खान पुत्र फैयाज अहमद लोन, निवासी- गांव शीर, पुलिस स्टेशन-त्राल {श्रेणी-क}, आदिल बशीर मीर पुत्र बशीर अहमद मीर, निवासी मानघामा, पुलिस स्टेशन-त्राल {श्रेणी-ख} और फैजान हमीद भट पुत्र अब्दुल हमीद भट, निवासी मंडूरा, पुलिस स्टेशन-त्राल {श्रेणी-ग} के रूप में की गई और इसके अतिरिक्त उनके पास से 2 एके राइफलें, 4 एके मैगजीनें, 1 एसएलआर राइफल, 1 एसएलआर मैगजीन, 20 एके राउंड और 5 एसएलआर राउंड भी बरामद किए गए।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री वेलत राम डांगी, सहायक कमांडेंट, श्याम सिंह तोमर, सिपाही, सोरठिया कल्पेश कुमार वल्लभ भाई, सिपाही और कैलाश पति बेरा, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किए जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 12/01/2020 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/200/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 154-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	रामबोल कुमार	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	विजय सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	सुशील कुमार	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	सूर्य प्रकाश	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	सोनू	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों द्वारा 70वें गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान श्रीनगर में सुरक्षा बलों और प्रतिष्ठानों पर हमले के बारे में बहुत सारी खुफिया सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं। दिनांक 25 जनवरी, 2019 को लगभग 2300 बजे, पुलिस स्टेशन पंथा चौक, श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत सारंधी कालोनी, खनमोह के सामान्य क्षेत्र में "जैश-ए-मोहम्मद" के आतंकवादी की मौजूदगी के बारे में एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस, श्रीनगर से एक तकनीकी सूचना प्राप्त हुई। इस तकनीकी सूचना के आधार पर, वैली क्यूएटी सीआरपीएफ, एसओजी जम्मू और कश्मीर पुलिस तथा 50 आरआर द्वारा एक घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (कासो) की योजना बनाई गई और ऑपरेशन शुरू किया गया।

सैन्य दस्ता खनमोह, श्रीनगर के सामान्य क्षेत्र में पहुंच गया और उसने संदिग्ध घरों के चारों ओर सख्त घेराबंदी कर दी। जावेद अहमद मीर पुत्र अब्दुल रहमान मीर के संदिग्ध घर की तलाशी के दौरान, सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों द्वारा सम्प्रेषण के लिए उपयोग में लाया जा रहा एक मोबाइल फोन बरामद किया। जम्मू और कश्मीर पुलिस ने जावेद अहमद मीर से पूछताछ की और उसने दो आतंकवादियों को पास के एक घर में शरण देने की बात कबूल कर ली। तदनुसार, सैन्य दस्ता उस घर की ओर आगे बढ़ा और तलाशी शुरू कर दी, जिसके दौरान उनको ब्लेड,

शेविंग किट और बालों के कुछ गुच्छे मिले। इसके बाद, जावेद अहमद मीर, जो पेशे से एक दर्जी है, की दुकान की भी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान, सैन्य दस्ते ने 30 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर नं. 33, 2 पाउच और 1 सैन्य वर्दी बरामद की, जिससे प्राप्त सूचना की पुष्टि हो गई। इसके बाद, जम्मू और कश्मीर पुलिस ने जावेद अहमद मीर से एक बार फिर पूछताछ की और उसने यह स्वीकार किया कि उसने अपने निवास से करीब 500 मीटर की दूरी पर स्थित एक अन्य घर में 2 आतंकवादियों को शरण दे रखी है।

तदनुसार, दिनांक 26 जनवरी, 2019 को, लगभग 0300 बजे संदिग्ध घर के चारों ओर फिर से घेराबंदी कर दी गई। लक्षित घर के आस-पास के आम नागरिकों को एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया और आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परंतु वे घर से बाहर नहीं निकले। तत्पश्चात, उप निरीक्षक/जीडी रामबोल कुमार ने अपने साथी कांस्टेबल/जीडी सूर्य प्रकाश के साथ लक्षित घर के भीतर लम्बी रेंज वाले आंसू गैस के गोले छोड़े। इसी बीच, कांस्टेबल/जीडी सुशील कुमार, कांस्टेबल/जीडी विजय सिंह और कांस्टेबल/जीडी सोनू रेंगते हुए घर की पिछली खिड़की की तरफ गए और उन्होंने घर के अंदर स्टन ग्रेनेड फेंके। लेकिन आतंकवादी न तो घर से बाहर निकले और न ही उन्होंने गोलीबारी का कोई जवाब दिया।

अंतिम उपाय के तौर पर, पार्टी कमांडरों ने आतंकवादियों का सफाया करने के लिए "रूम क्लीयरेंस ऑपरेशन" शुरू करने का निर्णय लिया। वैली क्यूएटी के कांस्टेबल/जीडी सोनू, कांस्टेबल/जीडी विजय सिंह, उप निरीक्षक/जीडी रामबोल कुमार, कांस्टेबल/जीडी सूर्य प्रकाश, कांस्टेबल/जीडी सुशील कुमार, श्री अभिनव भूषण 2-आई/सी, श्री नरेश कुमार, सहायक कमांडेंट और श्री एल. इबोमचा सिंह, सहायक कमांडेंट तथा 50 आरआर के एक साथी जोड़े को शामिल करके एक सुयंक्त "रूम क्लीयरेंस टीम" टीम बनाई गई। "रूम क्लीयरेंस टीम" घर के पास पहुंची और मुख्य द्वार से घर में प्रविष्ट हो गई। कांस्टेबल/जीडी सोनू बुलेटप्रूफ शील्ड के साथ टीम के आगे थे। टीम ने सावधानीपूर्वक लक्षित घर में प्रवेश किया तथा बायीं ओर से पहले कमरे की छानबीन की। बायीं ओर वाले पहले कमरे की तलाशी के बाद, उप निरीक्षक/जीडी रामबोल कुमार और कांस्टेबल/जीडी सूर्य प्रकाश ने कांस्टेबल/जीडी सुशील कुमार के साथ एक अन्य कमरे की छानबीन करने के लिए उसमें प्रवेश किया। इस बीच, दाहिनी ओर के दूसरे कमरे की तलाशी के बाद, जब कांस्टेबल/जीडी सोनू और कांस्टेबल/जीडी विजय सिंह गलियारे में पहुंचे, तभी अचानक आतंकवादियों ने उस गलियारे में एक ग्रेनेड फेंक दिया और उसके बाद रसोईघर से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। वह ग्रेनेड कांस्टेबल/जीडी सोनू और कांस्टेबल/जीडी विजय सिंह के बिलकुल नजदीक जाकर फटा। उन दोनों ने अत्यधिक फुर्ती का प्रदर्शन करते हुए, न केवल स्वयं को बचाया, बल्कि आतंकवादी की ओर गोली भी चलाई। इस बीच, आतंकवादियों ने गलियारे में एक और ग्रेनेड फेंका, जिसके परिणामस्वरूप कांस्टेबल/जीडी के बाएं गाल और बाएं पैर मे चोट आई और गलियारा धुंए/धूल से भर गया। कांस्टेबल/जीडी विजय सिंह और कांस्टेबल/जीडी सोनू घुटने के बल झुक गए और आतंकवादियों की ओर गोलीबारी करते रहे।

इस बीच, उप निरीक्षक/जीडी रामबोल कुमार, कांस्टेबल/जीडी सूर्य प्रकाश और कांस्टेबल/जीडी सुशील कुमार कमरे से गलियारे में आ गए और आतंकवादियों पर गोलीबारी की। इन तीनों की गोलियां कांस्टेबल/जीडी सोनू और कांस्टेबल/जीडी विजय सिंह के सिर के ठीक ऊपर से गुजर रही थीं। इन तीनों के कवर फायर का लाभ उठाते हुए, कांस्टेबल/जीडी विजय सिंह ने कांस्टेबल/जीडी सोनू को बाहर निकालकर चिकित्सा सहायता/प्राथमिक उपचार के लिए एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। कुछ सेकंड के बाद, आतंकवादी ने मुख्य द्वार पर एक और ग्रेनेड फेंका, जो कांस्टेबल/जीडी सुशील कुमार के बहुत नजदीक जाकर फटा, जिससे उनके बाएं हाथ में चोट लग गई और दो अन्य कार्मिक घायल हो गए। तत्काल ही, आतंकवादी ने एक और ग्रेनेड फेंका, जिसके परिणामस्वरूप 3 अन्य कार्मिक घायल हो गए।

चूंकि घायल होने वाले कार्मिकों की संख्या बढ़ रही थी, इसलिए लक्षित घर से बाहर निकलने का निर्णय लिया गया। घायल कांस्टेबल/जीडी सोनू, कांस्टेबल/जीडी यूनुस अहमद डार, एसओजी के दो कार्मिकों और 50 आरआर के एक जवान को प्राथमिक उपचार देने के बाद तत्काल 92 सेना बेस अस्पताल में शिफ्ट कर दिया गया।

फील्ड कमांडरों ने स्थिति का विश्लेषण किया और एमजीएल तथा यूबीजीएल ग्रेनेडों का उपयोग करते हुए, लक्षित घर से आतंकवादी का सफाया करने का निर्णय लिया। तदनुसार, उप निरीक्षक/जीडी रामबोल कुमार और घायल कांस्टेबल सूर्य प्रकाश ने बीपी जिप्सी की आड़ लेते हुए, एमजीएल के राउंड फायर किए और साथ ही 50 आरआर के कार्मिकों ने भी लक्षित घर के भीतर एमजीएल और यूबीजीएल दागे। ग्रेनेडों के विस्फोट से उत्पन्न गर्मी और धुंए के परिणामस्वरूप, घर में आग लग गई। कांस्टेबल/जीडी सुशील कुमार और कांस्टेबल/जीडी विजय सिंह ने यह अनुमान लगाया कि आतंकवादी घर के बाथरूम की पिछली खिड़की से कूदकर वहां से बचकर भागने की कोशिश करेगा, इसलिए उन्होंने वहीं पर पोजीशन ले ली। इस बीच, उप निरीक्षक/जीडी रामबोल कुमार और कांस्टेबल/जीडी सूर्य प्रकाश ने रसोईघर की खिड़की के निकट पोजीशन ले ली। अचानक एक आतंकवादी ने सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए बाथरूम की खिड़की से बाहर कूदने की कोशिश की। कांस्टेबल/जीडी सुशील कुमार और कांस्टेबल/जीडी विजय सिंह इस प्रकार की घटना के लिए तैयार थे। उन दोनों ने विशिष्ट सामरिक कौशल और अदम्य शौर्य का प्रदर्शन करते हुए, आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे मौके पर ही ढेर कर दिया।

एक अन्य आतंकवादी, जो घर के अंदर छूट गया था, ने रसोईघर की खिड़की से दूसरा ग्रेनेड फेंका, परंतु उप निरीक्षक/जीडी रामबोल कुमार और कांस्टेबल/जीडी सूर्य प्रकाश उसके विस्फोट से बच गए। आतंकवादी ने ग्रेनेड के विस्फोट का फायदा उठाकर, अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए रसोईघर की खिड़की से बाहर कूदने की कोशिश की। उप निरीक्षक/जीडी रामबोल कुमार और कांस्टेबल/जीडी सूर्य प्रकाश खिड़की के सामने कुछ ही दूरी पर थे। गोलियों की बौछार का सामना करने के बावजूद, अत्यधिक साहस का प्रदर्शन करते हुए, उन दोनों ने बहुत नजदीक से गोली चलाई, जो आतंकवादी को लग गई। आतंकवादी रसोईघर के अंदर गिर गया। चूंकि घर में आग लग गई थी, इसलिए आतंकवादियों के

शवों को तत्काल बरामद नहीं किया जा सका। आग बुझाने के लिए दमकल की गाड़ियां भेजी गईं। आग बुझाने के बाद, घर की तलाशी ली गई, जिसमें दो शव बरामद हुए, जिनकी पहचान बाद में, मुफ्ती असदुल्लाह, विदेशी आतंकवादी (निवासी-पाकिस्तान), ए++ श्रेणी और साकिब शफी डार (अबू बकर सादिक), ए+ श्रेणी, निवासी-अरिहल, पुलवामा, जम्मू और कश्मीर के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से एक एके-47 राइफल, एक 9 एमएम कार्बाइन मशीन गन तथा मैगजीनों और गोला-बारूद के साथ एक 9 एमएम पिस्तौल भी बरामद की गई।

खनमोह का यह ऑपरेशन एक अत्यधिक कठिन और चुनौतीपूर्ण ऑपरेशन था। सम्पूर्ण ऑपरेशन को आरआर एवं एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ-साथ सीआरपीएफ की उत्कृष्ट ऑपरेशनल यूनिट अर्थात वैली क्यूएटी द्वारा पूरा किया गया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री रामबोल कुमार, उप निरीक्षक, विजय सिंह, सिपाही, सुशील कुमार, सिपाही, सूर्य प्रकाश, सिपाही और सोनू, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 25/01/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/201/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 155-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	नदीम अहमद समदानी	कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	लल्लू सिंह	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	अहसान अहमद	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	रंजित मछाहारी	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 31 मार्च, 2019 को लगभग 2200 बजे, श्री नदीम अहमद समदानी, कमांडेंट 182 सीआरपीएफ को स्थानीय पुलिस से पुलिस स्टेशन लितर, जिला पुलवामा, जम्मू और कश्मीर के अंतर्गत गांव लस्सीपोरा में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में विशिष्ट आसूचना प्राप्त हुई। तदनुसार, 182 सीआरपीएफ, 44 आरआर और एसओजी, जम्मू और कश्मीर पुलिस के सैन्य दस्तों द्वारा एक संयुक्त घेराबंदी एवं तलाशी ऑपरेशन शुरू किया गया।

शीघ्र कार्रवाई करते हुए सैन्य दस्ते लगभग 2225 बजे लक्षित गांव में पहुंच गए और उपर्युक्त क्षेत्र की घेराबंदी कर दी। घेराबंदी करने के बाद, संयुक्त तलाशी दलों ने अरिहल – लस्सीपोरा रोड की उत्तर-पश्चिम दिशा में स्थित 05-06 संदिग्ध घरों की तलाशी शुरू कर दी, परन्तु कुछ भी नहीं मिला, यद्यपि स्रोत ने घेराबंदी के भीतर आतंकवादियों की मौजूदगी की कई बार पुष्टि की। इसलिए, सुरक्षा बलों ने घेराबंदी के अंदर स्थित मो. शरीफ मीर पुत्र गुलाम कादिर मीर के घर की तलाशी करने का निर्णय लिया। संदिग्ध घर की तलाशी के दौरान, दिनांक 01 अप्रैल, 2019 को लगभग 0340 बजे, तलाशी दलों को उस घर के पिछले अहाते में एक छिपने का ठिकाना मिला। जब संयुक्त तलाशी दल पुष्टि करने के लिए छिपने के ठिकाने के पास पहुंचे, तो उस छिपने के ठिकाने में छिपे हुए आतंकवादियों ने तलाशी दलों की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके परिणामस्वरूप आरआर के एक ले. कर्नल सहित पांच सुरक्षा बल कार्मिक घायल हो गए।

संयुक्त तलाशी दलों ने भी आतंकवादियों की गोलीबारी का जवाब दिया। क्यूएटी 182 सीआरपीएफ और एसओजी की एक टीम के साथ श्री एम. शिवाजीत सिंह, सहायक कमांडेंट ने लक्षित घर के दायीं ओर पोजीशन ले ली तथा दूसरी टीम को लक्षित घर के पीछे की ओर तैनात कर दिया। 44 आरआर के सैन्य दस्ते ने लक्षित घर के सामने की ओर के हिस्से को कवर किया।

इसी बीच, श्री नदीम अहमद समदानी, कमांडेंट 182 सीआरपीएफ भी अपनी टीम के साथ मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गए और जमीनी हालात का शीघ्र मूल्यांकन किया। ऑपरेशन की गंभीरता और लक्ष्य पर सकेंद्रित ध्यान देने की आवश्यकता को महसूस करते हुए, श्री नदीम अहमद समदानी, कमांडेंट ने आसन्न खतरे के बावजूद लक्षित घर के पीछे एक बगीचे में अपने दल के साथ भीतरी घेराबंदी में मोर्चा संभाल लिया

और आतंकवादियों को उस स्थान से बच निकलने को कोई भी मौका न देने के लिए घेराबंदी को सुदृढ़ कर दिया। तत्पश्चात, आतंकवादियों को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया गया, परन्तु वे सभी दिशाओं से सुरक्षा बलों की ओर लगातार गोलीबारी करते रहे।

श्री नदीम अहमद समदानी, कमांडेंट ने शीघ्र ही यह देखा कि एक आतंकवादी, जो घर के पीछे की ओर छिपा हुआ था, उनकी टीम की दिशा में अंधाधुंध गोलीबारी कर रहा है। श्री नदीम अहमद सामदानी ने गोलीबारी का जवाब दिया परन्तु दूरी, अंधेरे और आतंकवादी की रणनीतिक पोजीशन के कारण, गोलीबारी प्रभावकारी सिद्ध नहीं हो रही थी। आतंकवादियों को काबू में करने के लिए, श्री नदीम अहमद समदानी ने लक्षित घर की ओर बढ़ने का एक शीघ्र और साहसिक निर्णय लिया। उन्होंने अपने सुरक्षा दल के कांस्टेबल/जीडी कुलदीप सिंह को उन्हें कवर फायर देने का निर्देश दिया और अपने सहयोगी कांस्टेबल/जीडी लल्लू सिंह के साथ लक्षित घर की ओर बढ़ गए। आतंकवादी उनकी ओर लगातार गोलीबारी कर रहे थे। श्री नदीम अहमद समदानी और कांस्टेबल/जीडी लल्लू सिंह अपनी जान की परवाह किए बिना बरसती हुई गोलियों के बीच आगे बढ़ते रहे और एक जोखिमपूर्ण रास्ता पार करने के बाद घर के पिछले दरवाजे के नजदीक पहुंचने में सफल हो गए।

उन्होंने देखा कि वह आतंकवादी घर के पीछे की ओर छिपा हुआ है और एक रणनीतिक पोजीशन से गोलीबारी कर रहा है। आतंकवादी का सफाया करने के लिए, लक्षित घर के भीतर प्रवेश करना आवश्यक था। यह एक खतरनाक स्थिति थी, परन्तु इस ऑपरेशन को अविलम्ब समाप्त करने की आवश्यकता महसूस करते हुए, श्री नदीम अहमद समदानी ने जोखिम उठाने का निर्णय लिया, अन्यथा कानून और व्यवस्था की स्थिति और अधिक खराब हो जाती। उन्होंने कांस्टेबल/जीडी लल्लू सिंह के साथ पिछले दरवाजे से लक्षित घर में प्रवेश करने का प्रयास किया। तथापि, पीछे वाले कमरे के दरवाजे के नजदीक छिपे आतंकवादी ने उनकी गतिविधि को देख लिया तथा उनकी ओर भारी गोलीबारी शुरू कर दी और साथ ही साथ उसने एक हैंड ग्रेनेड भी फेंका।

वे दोनों इस घातक हमले से चमत्कारपूर्ण ढंग से बच गए और उन्होंने शीघ्र ही स्वयं को आतंकवादियों पर जवाबी हमला करने के लिए तैयार किया। उन्होंने तत्काल आतंकवादी की गोलीबारी का जवाब दिया। दोनों तरफ से कुछ देर तक भयंकर गोलीबारी होती रही। फिर वहां पर सन्नाटा छा गया। कुछ देर प्रतीक्षा करने के बाद, श्री नदीम अहमद समदानी और कांस्टेबल/जीडी लल्लू सिंह अपनी रणनीतिक कवर वाली पोजीशन से आगे बढ़े और उन्होंने पिछले दरवाजे से लक्षित घर में प्रवेश करने का प्रयास किया। जैसे ही उन्होंने उस घर के भीतर प्रवेश किया, घर में छिपे हुए आतंकवादी ने श्री नदीम अहमद समदानी तथा कांस्टेबल/जीडी लल्लू सिंह की ओर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी और वे बाल-बाल बच गए। तथापि, इस समय, दोनों बहादुर जवानों ने सशस्त्र आतंकवादी द्वारा उत्पन्न खतरे की परवाह न करते हुए और अदम्य साहस एवं रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए आतंकवादी पर सटीक गोलीबारी की और उसे मौके पर ही मार गिराया।

एक अन्य आतंकवादी, जिसने लक्षित घर के दायीं ओर की खिड़की पर पोजीशन ले रखी थी, ने श्री एम. शिवाजीत सिंह, सहायक कमांडेंट और उनके दल को निशाना बनाकर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। श्री एम. शिवाजीत सिंह, सहायक कमांडेंट ने अपनी टीम के साथ आतंकवादी की गोलीबारी का जवाब दिया। अचानक आतंकवादी ने खिड़की से छलांग लगा दी और अंधाधुंध गोलीबारी करता हुआ लक्षित घर के दायीं ओर भागा। कांस्टेबल/जीडी अहसान अहमद और कांस्टेबल/जीडी रंजित मछाहारी के साथ श्री एम. शिवाजीत सिंह, सहायक कमांडेंट ने उस क्षेत्र में पोजीशन ले रखी थी। आतंकवादी को अपनी दिशा में भागते हुए देखकर, उन्होंने आतंकवादी पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों द्वारा की गई इस अचानक कार्रवाई से अचंभित होकर, आतंकवादी ने अपनी दिशा बदल ली। यह महसूस करते हुए कि वह आतंकवादी घेराबंदी से निकल सकता है, श्री एम. शिवाजीत सिंह ने कांस्टेबल/जीडी अहसान अहमद और कांस्टेबल/जीडी रंजित मछाहारी को आतंकवादी का पीछा करने का निदेश दिया। दोनों बहादुर शेरदिल व्यक्तियों ने सभी खतरों की परवाह न करते हुए बरसती हुई गोलियों के बीच भाग रहे आतंकवादी का पीछा किया। अदम्य साहस और विशिष्ट रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए, उन्होंने आतंकवादी पर गोलीबारी की और उसे घटना स्थल से बच निकलने से पहले ही मार गिराया। सुबह, लगभग 0515 बजे, 44 आरआर/जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा दो अन्य आतंकवादियों का भी सफाया कर दिया गया।

जब गोलीबारी बंद हुई, तब उस क्षेत्र की सम्पूर्ण तलाशी की गई, जिसके दौरान चार आतंकवादियों के शव बरामद हुए, जिनकी पहचान बाद में तौसीफ अहमद यात्तो पुत्र अब्दुल अजीज यात्तो, निवासी गुडबग, पुलवामा, गुट – लश्कर-ए-तैयबा, (श्रेणी - ख), अकीब अहमद कुमार पुत्र बशीर अहमद कुमार, निवासी हेल्लो, शोपियां, गुट – हिजबुल मुजाहिदीन, (श्रेणी – ग), जफर अहमद पॉल पुत्र मो. अहसान, निवासी मूल डांगरपोरा, शोपियां, गुट – हिजबुल मुजाहिदीन, (श्रेणी – ख) और मो. शफी भट पुत्र गुलाम मो. भट, निवासी सेडो, शोपियां, गुट – हिजबुल मुजाहिदीन, (श्रेणी – ग) के रूप में की गई। 02 एके-47 राइफलें, 05 एके मैगजीनें, 202 एके जिंदा राउंड, 01 पिस्तौल, 01 पिस्तौल मैगजीन, पिस्तौल के 17 जिंदा राउंड, 01 एसएलआर राइफल, 01 एसएलआर मैगजीन, 45 एसएलआर जिंदा राउंड, 01 यूबीजीएल और अन्य आपत्तिजनक सामग्रियां भी बरामद की गईं।

इस साहसिक ऑपरेशन में, सैन्य दस्तों ने अदम्य साहस और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया, जिसके परिणामस्वरूप चार खूंखार आतंकवादियों का सफाया हो गया। अपने निजी जीवन के प्रति गंभीर खतरे के बावजूद कमांडेंट 182 सीआरपीएफ के नेतृत्व में अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई इस ऑपरेशन में प्रारंभिक बाधाओं के पश्चात एक निर्णायक मोड़ साबित हुई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री नदीम अहमद समदानी, कमांडेंट, लल्लू सिंह, सिपाही, अहसान अहमद, सिपाही और रंजित मछाहारी, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31/03/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/205/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 156-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	संतोष कुमार	हेड कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	आसिम दास	सिपाही	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 01 अगस्त, 2019 को लगभग 2030 बजे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोपियां से पुलिस स्टेशन और जिला शोपियां के अंतर्गत गांव पंडोशन में अत्याधुनिक हथियारों से लैस 02-03 अज्ञात आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में एक सूचना प्राप्त हुई। पंडोशन एक घनी आबादी वाला गांव है, जिसमें लगभग 550 घर हैं और यह सेब के घने बगीचों से घिरा हुआ है। घने बगीचों और आस-पास ऊबड़-खाबड़ जमीन से युक्त घनी आबादी वाले गांव में ऑपरेशन चलाना सुरक्षा बलों के सामने एक चुनौती उत्पन्न करता है, क्योंकि वहां पर छिपने के ढेर सारे स्थान होते हैं।

ऑपरेशन शुरू करने के लिए, 14 बटालियन सीआरपीएफ, जम्मू और कश्मीर पुलिस शोपियां की एसओजी टीम तथा 34 आरआर (सेना) के संयुक्त सैन्य दस्ते लक्षित गांव में पहुंच गए और चूंकि वह गांव बड़ा था, इसलिए उन्होंने 7 घरों के एक समूह पर ध्यान केंद्रित किया और उनकी घेराबंदी करनी शुरू कर दी। निवासियों को वहां से निकालने के बाद, संयुक्त सैन्य दस्तों द्वारा घर-घर की पूरी तलाशी शुरू की गई। जब केवल कुछ घरों की तलाशी की जानी बाकी थी, तब आतंकवादियों ने यह महसूस किया कि वे फंस गए हैं और बचने का कोई रास्ता नहीं रह गया है, इसलिए आत्मसमर्पण न करने के इरादे से, आतंकवादियों ने तलाशी दल पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी, जिसमें 34 आरआर के दो जवान घायल हो गए। तथापि, संयुक्त सैन्य दस्तों ने पोजीशन ले ली और प्रभावकारी जवाबी कार्रवाई की। दोनों तरफ से भारी गोलीबारी के कारण, तीन घरों में आग लग गई। जब आतंकवादियों की ओर से गोलीबारी बंद हो गई, तब तलाशी पुनः शुरू की गई, परन्तु कुछ भी बरामद नहीं हुआ। तत्पश्चात, अगले दिन सुबह तलाशी शुरू करने का निर्णय लिया गया।

दिनांक 02 अगस्त, 2019 को लगभग 0400 बजे, घेराबंदी के भीतर फंसे हुए आतंकवादी ने सैन्य दस्तों की ओर गोलीबारी की। जिस दिशा से गोलीबारी हो रही थी, उसका निर्धारण कर लिया गया था, परन्तु आतंकवादियों के वास्तविक स्थान का पता नहीं चल सका। जब तलाशी पुनः शुरू की गई और तलाशी दल ने पहले घर की सुव्यवस्थित तरीके से तलाशी शुरू की, तो तलाशी टीम और भीतरी घेराबंदी वाले सैन्य दस्तों पर गोलीबारी की भारी बौछार आनी शुरू हो गई। कमांडेंट 14 सीआरपीएफ, जो स्वयं अपनी टीम के साथ भीतरी घेराबंदी में थे, बाल-बाल बच गए, परन्तु इस सदमे से उबरते हुए, उन्होंने गोलियों की भारी बौछार के साथ जवाबी कार्रवाई की। परस्पर भारी गोलीबारी के परिणामस्वरूप, उस घर में आग लग गई, जिसमें आतंकवादी छिपे हुए थे और आतंकवादियों के लिए अपनी पोजीशन पर टिके रहना मुश्किल हो गया।

स्थिति को भांपते हुए, कमांडेंट 14 सीआरपीएफ अपने सहयोगी हेड कांस्टेबल/जीडी संतोष कुमार और कांस्टेबल/जीडी आसिम दास के साथ रेंगकर उस भवन के नजदीक गए तथा उन्होंने उस स्थान की ओर पोजीशन ले ली, जहां से आतंकवादियों द्वारा बचकर निकलने का प्रयास करने की संभावना थी। बचकर निकलने के प्रयास में, एक आतंकवादी घर की खिड़की से बाहर कूद गया और उसने भीतरी घेराबंदी वाले दलों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सीएटी 14 सीआरपीएफ के हेड कांस्टेबल/जीडी संतोष कुमार और कांस्टेबल/जीडी आसिम दास बाल-बाल बच गए, परन्तु अपनी निजी सुरक्षा की परवाह किए बिना, उन्होंने बिल्कुल नजदीक से प्रभावकारी गोलीबारी शुरू कर दी और उसे बचकर निकलने का कोई मौका दिए बिना वहीं पर मार गिराया। फिर दूसरा आतंकवादी नीचे लेट गया और अपनी पोजीशन बदलता रहा, जिससे सुरक्षा बलों को उसे ढूंढ पाना मुश्किल हो गया। चूंकि, अंधेरा हो रहा था, इसलिए घेराबंदी को यथावत बनाए रखते हुए अगले दिन सुबह तलाशी पुनः शुरू करने का निर्णय लिया गया।

दिनांक 03 अगस्त, 2019 को प्रातः काल में, तलाशी पुनः शुरू की गई और घेराबंदी वाले एक घर के बाथरूम के पास आतंकवादी की गतिविधि देखी गई। आतंकवादी की गतिविधि देखने पर, तलाशी दल ने आतंकवादी पर प्रभावकारी और भारी गोलीबारी की और उसे वहीं पर मार गिराया। उस क्षेत्र की तलाशी के दौरान, 01 एके-47 राइफल, 01 एसएलआर, 03 एके मैगजीन, 02 एसएलआर मैगजीन, 58 एके राउंड और 31 एसएलआर राउंड की बरामदगी के अतिरिक्त दो आतंकवादियों के शव बरामद हुए, जिनकी पहचान बाद में जीनत-उल-इस्लाम नाइकू, (श्रेणी–ख) जैश-ए-मोहम्मद, पुत्र मोहम्मद इशाक नाइकू, निवासी मेमांदर, पुलिस स्टेशन एवं जिला–शोपियां और मंजूर अहमद भट, (श्रेणी–ग) हिजबुल मुजाहिदीन (आईईडी विशेषज्ञ), पुत्र अब्दुल रजाक भट, निवासी वाची, पुलिस स्टेशन जैनापोरा, जिला–शोपियां के रूप में की गई।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री संतोष कुमार, हेड कांस्टेबल और आसिम दास, सिपाही ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 01/08/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/214/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 157-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	मुदासिर अहमद शान	कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	शैलेन्द्र कुमार	कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

मार्च, 2018 के अंत तक कश्मीर घाटी में आतंकवादी गतिविधियों में अचानक वृद्धि दिखाई पड़ी। बर्फ के पिघलने और पर्यटकों का मौसम नजदीक होने पर, आतंकवादी वर्ष 2017 में भारी असफलताओं के बाद बड़े पैमाने पर अपनी मौजूदगी महसूस कराना चाहते थे, जिसने वस्तुतः दक्षिणी कश्मीर में आतंकवाद की कमर तोड़ दी थी।

दिनांक 31 मार्च, 2018 को लगभग 2330 बजे, कमांडेंट 40 बटालियन सीआरपीएफ को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनंतनाग से अनंतनाग के मोहल्ला पेठ दियालगाम के किसी इमरान अहमद खान के घर में हिजबुल-मुजाहिदीन के सक्रिय आतंकवादी की मौजूदगी के संबंध में आसूचना प्राप्त हुई। तत्काल घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन चलाने के लिए 19 आरआर, ए/40 सीआरपीएफ तथा एसओजी के सैन्य दस्तों को शामिल करके एक संयुक्त टीम गठित की गई। 40 बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट और नोडल अधिकारी द्वारा सैन्य दस्तों को जानकारी देने के बाद, श्री तिलक राज की कमान में ए/40 की सीआई (ऑप्स) कंपनी की एक छोटी टीम उक्त स्थान पर भेजी गई।

संदिग्ध घर पर पहुंचने के बाद, सैन्य दस्तों ने आतंकवादियों को संदिग्ध घर से बचकर निकल जाने से रोकने के लिए पूरे क्षेत्र की घेराबंदी करके उसे सुरक्षित किया। लक्षित घर के आस-पास का सामान्य क्षेत्र एक खुला हुआ ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र था, जिसके बीच-बीच में पेड़ थे और विभिन्न दिशाओं में छिट-पुट घर स्थित थे, जो संकरे कच्चे रास्ते से जुड़ा हुआ था। इस वजह से, लक्षित घर के नजदीक सैन्य दस्तों के आगमन को दूर से ही देखा जा सकता था, जिससे सैन्य दलों की गतिविधि अत्यधिक सुभेद्य हो गई। इस पहलू के मद्देनजर, सैन्य दस्तों ने गुप्त रूप से रणनीतिक पोजीशन ले ली और लक्षित घर के यथा संभव अधिक से अधिक नजदीक पहुंचने के लिए ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र तथा वहां पर पेड़ों के तने का प्रयोग किया। श्री तिलक राज, सहायक कमांडेंट ने अपने ऑपरेशनल सैन्य दस्तों को भी भीतरी घेराबंदी में तैनात कर दिया।

घेराबंदी पूरी हो जाने के बाद, संयुक्त टीमों का गठन करके संदिग्ध घर की तलाशी शुरू की गई। तलाशी के दौरान, ए/40 बटालियन सीआरपीएफ के बल सं.10530603 कांस्टेबल/जीडी मुदासिर अहमद शान और बल सं.065348446 कांस्टेबल/जीडी शैलेन्द्र कुमार को अचानक लक्षित घर के नजदीक एक व्यक्ति संदिग्ध हालत में घूमते हुए दिखाई दिया। तत्काल, मौके पर पूछताछ की गई और उस व्यक्ति ने

अपनी पहचान हिजबुल-मुजाहिदीन के आतंकवादी इमरान राशिद भट पुत्र अब्दुल राशिद भट के रूप में बताई। अधिक बहलाने और फुसलाने पर, उसने बताया कि उसका साथी संदिग्ध घर के भीतर छिपा हुआ है और उसके पास एक पिस्तौल तथा यूबीजीएल है।

यह पता चलते ही, घेराबंदी को सुदृढ़ कर दिया गया और उद्घोषणा करके छिपे हुए आतंकवादी से आत्मसमर्पण करने के लिए कहा गया, परन्तु उसने कोई भी सकारात्मक उत्तर नहीं दिया। तत्पश्चात, आतंकवादियों के माता-पिता को बुलाया गया और उन्हें आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने हेतु समझाने के लिए भीतर भेजा गया। यह एक तनावपूर्ण पल था, क्योंकि किसी को भी नहीं पता था कि आगे क्या होगा। तथापि, काफी समय व्यतीत जाने के बावजूद आतंकवादी ने आत्मसमर्पण नहीं किया और अपने माता-पिता को वापस भेज दिया।

लक्षित घर से आतंकवादी के माता-पिता के वापस आने के तुरंत बाद, आतंकवादी ने सैन्य दस्तों पर गोलीबारी करना शुरू कर दिया। कांस्टेबल/जीडी मुदासिर अहमद शान और कांस्टेबल/जीडी शैलेन्द्र कुमार, जो उस समय भीतरी घेराबंदी में मौजूद थे, ने तत्काल कवर ले लिया और अपने कमांडर श्री तिलक राज, सहायक कमांडेंट के निर्देश पर लक्षित घर के नजदीक पहुंचने के लिए उस क्षेत्र का प्रयोग किया। यह एक कठिन काम था, क्योंकि अंधेरे के कारण दृश्यता बहुत कम थी और आतंकवादी की वास्तविक लोकेशन स्पष्ट नहीं थी। तथापि, सैन्य दस्तों के लिए आतंकवादी की गहन निगरानी करना महत्वपूर्ण था, ताकि उसे अंधेरे का लाभ उठाकर बच निकलने से रोका जा सके। उस स्थान के नजदीक पहुंचने पर, दोनों व्यक्ति अपनी जान के प्रति गंभीर खतरे के बावजूद आतंकवादी को काबू में करने के लिए उस पर गोलीबारी करते रहे। इस अवधि के दौरान, सुरक्षा बलों के अन्य सदस्यों द्वारा यूबीजीएल से गोलीबारी की गई और अंततः कांस्टेबल/जीडी मुदासिर अहमद शान और कांस्टेबल/जीडी शैलेन्द्र कुमार, जो शुरू से अंत तक अग्रिम पोजीशन में बने हुए थे, की कवर फायरिंग की सहायता से आईईडी लगाकर उस घर को विस्फोट से उड़ा दिया गया।

मलबे की तलाशी करने पर, एक आतंकवादी का शव प्राप्त हुआ, जिसकी पहचान रऊफ अहमद खांडे पुत्र बशीर अहमद खांडे, निवासी देतरुना, पुलिस स्टेशन – दोरू, अनंतनाग के रूप में की गई। मुठभेड़ स्थल से एक पिस्तौल और यूबीजीएल बरामद किया गया। यह ऑपरेशन किसी नागरिक के हताहत हुए बिना सफलतापूर्वक पूरा हुआ और सैन्य दस्ते पूरे रास्ते में पत्थरबाजों द्वारा कड़े प्रतिरोध के बावजूद सुरक्षित रूप से अपने-अपने स्थानों पर पहुंच गए।

विरोधी इलाके में स्थित होने की वजह से पेठ दियालगाम में ऑपरेशन चलाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। लक्षित घर के नजदीक अंधेरा और काफी अधिक वन क्षेत्र होने के कारण, वहां पर आवाजाही आसान नहीं थी और सैन्य दस्तों के वहां पहुंचने पर आतंकवादियों द्वारा उन्हें निशाना बनाए जाने का अत्यधिक खतरा भी था। पूरा ऑपरेशन सुसमन्वित और तालमेलपूर्ण था। विशेष रूप से सीआरपीएफ के दोनों बहादुर जवानों नामत: कांस्टेबल/जीडी मुदासिर अहमद शान और कांस्टेबल/जीडी शैलेन्द्र कुमार ने इस ऑपरेशन में अग्रिम मोर्चा संभालकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और सैन्य दस्तों को किसी भी क्षति के बिना आतंकवादियों को मार गिराने में सहायता प्रदान की। इन दोनों ने अपनी जान के प्रति अत्यधिक खतरे के बावजूद अपनी एके-47 राइफल से समय पर एवं प्रभावकारी रूप से क्रमशः 12 और 13 राउंड गोलीबारी करके इस ऑपरेशन में अत्यधिक दृढ़ता और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री मुदासिर अहमद शान, कांस्टेबल और शैलेन्द्र कुमार, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 31/03/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/178/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 158-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	कृष्ण कुमार यादव	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	सुधाकर कुमार गुप्ता	उप निरीक्षक	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	विजय तिर्की	कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 13 अक्टूबर, 2018 को, लगभग 0100 बजे, सिविल पुलिस से जम्मू और कश्मीर (जेएंडके) में पुलिस स्टेशन– पुलवामा, जिला पुलवामा के अंतर्गत गांव– डालीपोरा के क्षेत्र में 2-3 आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में विशिष्ट सूचना प्राप्त हुई। सूचना प्राप्त होने पर, सीआरपीएफ की 182 एवं 183 बटालियन की त्वरित कार्रवाई टीम (क्यूएटी) और स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) द्वारा 55 आरआर के कमांडर, जम्मू और कश्मीर पुलिस (जेकेपी) की एसओजी पुलवामा के साथ परामर्श करके एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (कासो) की योजना बनाई गई। सीआरपीएफ की 182 बटालियन और 183 बटालियन के सैन्य दस्तों की कमान क्रमशः श्री नदीम अहमद सामदानी, कमांडेंट – 182 बटालियन और श्री डी.एस. नेगी, कमांडेंट – 183 बटालियन द्वारा संभाली गई।

गांव डालीपोरा में पहुंचने पर, संयुक्त सैन्य दस्तों द्वारा तीन संदिग्ध घरों की कड़ी घेराबंदी की गई। जब बाहरी घेराबंदी कर दी गई और बचकर निकलने के सभी मार्ग अवरुद्ध कर दिए गए, तब सैन्य दस्ते संदिग्ध घरों के आस-पास घेराबंदी को मजबूत करने के लिए आगे बढ़े। संदिग्ध घरों की तलाशी करने के लिए तीन तलाशी टीमों का गठन किया गया। पहली टीम में 182 बटालियन के श्री के.के. यादव, सहायक कमांडेंट की कमान में एसओजी – 182 बटालियन तथा दूसरी टीम में 183 बटालियन सीआरपीएफ के उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता की कमान में एसओजी – 183 बटालियन शामिल थी और तीसरी टीम में 55 आरआर के मेजर विपुल की कमान में 55 आरआर एवं एसओजी सिविल पुलिस के घटक शामिल थे। 02 संदिग्ध घरों की तलाशी के बाद, जब संयुक्त तलाशी टीम दूसरे संदिग्ध घर के निकट पहुंच रही थी, तभी आतंकवादियों ने तलाशी टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। इस अप्रत्याशित हमले से अचंभित होकर, तलाशी टीमों ने लक्षित घर के आस-पास कवर ले लिया और जवाबी गोलीबारी की। श्री के.के. यादव, सहायक कमांडेंट और उनके सहयोगी कांस्टेबल/जीडी विजय तिर्की ने लक्षित घर की दीवार के पीछे मेन गेट के दायीं ओर पोजीशन ले ली। उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता ने लक्षित घर की दीवार के पीछे मेन गेट के बायीं ओर पोजीशन ले ली। दोनों ओर से भयंकर गोलीबारी आधे घंटे से अधिक समय तक जारी रही। आतंकवादी यह समझ चुके थे कि उन्हें घेर लिया गया है और वहां से बचकर निकलने के लिए कुछ असाधारण प्रयास करना होगा। सुरक्षा बलों को अचंभित करने के लिए, 02 आतंकवादी अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए लक्षित घर के मेन गेट की ओर भागे और उन्होंने वहां से बच निकलने का प्रयास किया। वे लक्षित घर के सामने से गुजरने वाली सड़क तक पहुंचना चाहते थे। तलाशी टीमें इस अवसर की प्रतीक्षा में बैठी हुई थीं।

स्थिति को समझते हुए श्री के. के. यादव, सहायक कमांडेंट, उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता और कांस्टेबल/जीडी विजय तिर्की ने भाग रहे आतंकवादियों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। भारी गोलीबारी की वजह से वे आगे नहीं बढ़ सके, इसलिए वे वापस मुड़ गए और घर के पीछे की ओर भागे। तलाशी टीमों ने बचने के सभी मार्गों को वास्तविक रूप में अवरुद्ध करते हुए लक्षित घर के आस-पास पहले से ही रणनीतिक पोजीशन संभाल रखी थी। उनमें से एक आतंकवादी ने घर के अहाते में बगीचे के चारों तरफ बनी दो फुट ऊंची दीवार के पीछे पोजीशन ले ली। दूसरा आतंकवादी घर के पीछे की ओर भागा। बगीचे में छिपे आतंकवादी ने श्री के. के. यादव, सहायक कमांडेंट, उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता और कांस्टेबल/जीडी विजय तिर्की, जिन्होंने मेन गेट के दायीं और बायीं ओर पोजीशन ले रखी थी, के ऊपर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी।

इसके उत्तर में, श्री के. के. यादव, सहायक कमांडेंट, उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता और कांस्टेबल/जीडी विजय तिर्की की बहादुर तिकड़ी ने भी भारी जवाबी गोलीबारी की। परन्तु अंधेरे और आतंकवादी की रणनीतिक पोजीशन के कारण, उनकी गोलीबारी ज्यादा प्रभावकारी सिद्ध नहीं हो रही थी। बेहतर ऑपरेशनल सूझ-बूझ और नेतृत्व का प्रदर्शन करते हुए, श्री के. के. यादव, सहायक कमांडेंट ने कांस्टेबल/जीडी विजय तिर्की को कवर फायर करने का आदेश दिया और वे स्वयं उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता के साथ घर की दीवार से कूद गए और बगीचे में छिपे हुए आतंकवादी की ओर आगे बढ़े। श्री के. के. यादव और उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता दोनों को कांस्टेबल/जीडी विजय तिर्की की कवर फायरिंग की सहायता से अपनी ओर आते हुए देखकर, आतंकवादी अपनी पोजीशन से हट गया और घर के पीछे की ओर भागना शुरू कर दिया। वह आतंकवादी भागने के प्रयास में सभी दिशाओं में गोलियों की बौछार कर रहा था। अपनी स्वयं की सुरक्षा की परवाह न करते हुए, श्री के. के. यादव, सहायक कमांडेंट और उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता आगे बढ़ते रहे तथा स्वयं को खतरे में डालते रहे। तथापि, उन्होंने एक लाभकारी पोजीशन लेते हुए आतंकवादी पर प्रभावकारी गोलीबारी की और उसे मार गिराया। इसी बीच, दूसरा आतंकवादी भी घर के पीछे से अंधाधुंध गोलीबारी करते हुए भागने का प्रयास कर रहा था। श्री के. के. यादव, सहायक कमांडेंट और उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता ने उसकी गोलीबारी का जवाब दिया, जिसके परिणामस्वरूप, वह आतंकवादी घायल हो गया। परन्तु दूरी, अंधेरे, जंगल और घनी झाड़ियों के कारण वह ऑपरेशन स्थल से भागने में सफल हो गया। तत्पश्चात, सीआरपीएफ, जम्मू और कश्मीर पुलिस तथा आरआर की संयुक्त टीमों द्वारा उस क्षेत्र की तलाशी की गई, जिसमें हिजबुल मुजाहिदीन के एक मृत आतंकवादी का शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान शबीर अहमद डार, (श्रेणी - ख), पुत्र गुलाम मोहम्मद डार, निवासी शागरीपोरा मोहल्ला, संबूरा, पुलिस स्टेशन पम्पोर, अवंतीपोरा के रूप में की गई। वहां से की गई बरामदगियों में एक एके- 56 राइफल, यूबीजीएल ग्रेनेड, उससे संबंधित गोलाबारूद और मैगजीनें शामिल हैं। एक अन्य घायल आतंकवादी, जो मुठभेड़ स्थल से भाग गया था, को बाद में, एसएमएचएस अस्पताल, श्रीनगर से गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी पहचान शौकत अहमद डार, (श्रेणी – ग), पुत्र नज़ीर अहमद डार, निवासी मुरान, पुलिस स्टेशन पुलवामा, जिला पुलवामा के रूप में की गई। उसका सिविल पुलिस की हिरासत में उपचार किया गया और बाद में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया।

इस ऑपरेशन में, 182 बटालियन के श्री कृष्ण कुमार यादव, सहायक कमांडेंट (आईआरएलए 40772), 183 बटालियन के सं. 145340823 उप निरीक्षक/जीडी सुधाकर कुमार गुप्ता और 182 बटालियन के सं. 031414509 कांस्टेबल/जीडी विजय तिर्की ने गंभीर खतरे के समक्ष असाधारण बहादुरी, अदम्य साहस तथा कर्तव्य के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया और पेशेवर उत्कृष्टता का उच्चतम मानदंड स्थापित किया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री कृष्ण कुमार यादव, सहायक कमांडेंट, सुधाकर कुमार गुप्ता, उप निरीक्षक और विजय तिर्की, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 13/10/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/187/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 159-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	हेनजांग	कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	जौनी कुमार	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
3.	रामेश्वर	कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
4.	पाटिल राजेन्द्रा भावलाल	कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक
5.	डोड सागर गजानन	कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री अमरनाथजी यात्रा 2018 के दौरान, प्रत्येक दिन बीतने के साथ-साथ सुरक्षा संबंधी संवेदनशीलता भी बढ़ती गई, क्योंकि 26 जून को यात्रा शुरू होने की तारीख नजदीक आ रही थी। राष्ट्रीय राजमार्ग पर आतंकवादियों की गतिविधि बढ़ने की सूचना प्राप्त हुई और विश्वसनीय सूचना से यह जानकारी मिली कि वे न केवल यात्रा की सुरक्षा हेतु सुरक्षा बलों को शामिल करने की प्रक्रिया के दौरान उन पर हमला कर सकते हैं, बल्कि जवाहर सुरंग पार करने के बाद यात्रियों का काफिला कश्मीर घाटी में पहुंचने के दौरान उस काफिले पर भी हमला कर सकते हैं। इन परिस्थितियों में, यात्रा के दौरान हमले और विध्वंसक गतिविधियों की योजना बना रहे आतंकवादी समूहों की पहचान करना और उनका सफाया करना सुरक्षा बलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। दिनांक 24 जून 2018 को लगभग 1350 बजे, श्री हेनजांग, कमांडेंट 18 बटालियन सीआरपीएफ को कुलगाम के गांव चादेर में 3-4 आतंकवादियों की मौजूदगी के संबंध में एसओजी कुलगाम से विश्वसनीय सूचना प्राप्त होने पर, उन्होंने यूनिट क्यूएटी, सीटीटी और एसओजी जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ उक्त क्षेत्र में घेराबंदी और तलाशी ऑपरेशन (कासो) चलाने की योजना बनाई। जमीनी स्थिति का सावधानीपूर्वक विश्लेषण करने के बाद, उन्होंने अपने सैन्य दस्तों को जानकारी दी और लगभग 1500 बजे उक्त स्थान के लिए रवाना हो गए। श्री हेनजांग के समक्ष एक कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य था, क्योंकि सुरक्षा बलों को आतंकवादी गढ़ में कड़े प्रतिरोध की आशंका थी और लगभग सभी सैन्य दस्तों की तैनाती यात्रा की सुरक्षा संबंधी ड्यूटी के लिए कर दिए जाने से यह स्पष्ट था कि मुठभेड़ स्थल पर अनिश्चित कानून और व्यवस्था (एलओ) की समस्या से निपटने के लिए पर्याप्त सैन्य दस्ते उपलब्ध नहीं कराए जा सकते। इस प्रकार अपने पास सीमित नफरी के साथ, उन्होंने ऑपरेशन में भाग लेने की योजना बनाई और कानून एवं व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए सैन्य दस्ते भी निर्धारित कर दिए।

योजना के अनुसार, श्री जौनी कुमार, सहायक कमांडेंट ने किसी भी हिंसक भीड़ को मुठभेड़ स्थल के भीतर प्रवेश करने से रोकने के इरादे से एक सहायक उप निरीक्षक की कमान में ऑपरेशन स्थल से ठीक पहले अश्मूजी रोड एक्सिस पर रणनीतिक ढंग से एक बीपी बंकर लगा दिया। तत्पश्चात, सैन्य दस्तों को रणनीतिक ढंग से भीतरी घेराबंदी में तैनात कर दिया गया। 9 आरआर ने संदिग्ध घरों के समूह के पश्चिम दिशा

की ओर पोजीशन ले ली, एसओजी के साथ जोनी कुमार की कमान में सीटीटी को दक्षिण-पूर्व दिशा में तैनात किया गया और श्री हेनजांग की कमान में यूनिट क्यूएटी को उत्तर-पूर्व एक्सिस में तैनात किया गया। उक्त क्षेत्र की घेराबंदी करने के बाद, सैन्य दस्ते संदिग्ध घर के नजदीक चले गए।

सैन्य दस्तों द्वारा त्वरित कार्रवाई के कारण आतंकवादी घिर गए। इस डर से कि वे फंस जाएंगे, अचानक तीन आतंकवादी बचकर निकलने के उद्देश्य से सैन्य दस्तों पर गोलीबारी करते हुए घरों के समूह से भागते हुए दिखाई दिए। उन्होंने शीघ्र एक छोटी जर्जर झोपड़ी के पीछे पोजीशन ले ली और तैनात सैन्य दस्तों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके परिणामस्वरूप सैन्य दस्तों ने तत्काल सुरक्षात्मक पोजीशन ले ली। आतंकवादियों का मुकाबला करने के लिए एक लाभकारी पोजीशन प्राप्त करने के इरादे से श्री हेनजांग, कमांडेंट गोलीबारी से विचलित हुए बिना अपने सहयोगियों बल सं.045240408 कांस्टेबल रामेश्वर और बल सं.031445815 कांस्टेबल पाटिल राजेन्द्रा भावलाल के साथ खुले मैदान में रेंगते हुए आगे बढ़े। एक खुला मैदान होने के कारण, वहां पर कोई उपयुक्त कवर उपलब्ध नहीं था। तथापि, अपनी जान की परवाह किए बिना और यह महसूस करते हुए कि यदि आतंकवादी पक्के घरों के भीतर घुसने में सफल हो गए, तो उनका सफाया करना एक लंबी प्रक्रिया हो जाएगी, इसलिए वे घरों के समूह में उनके प्रवेश की किसी भी संभावना को समाप्त करने के लिए तेजी से बिलकुल नजदीक चले गए। इसी बीच, खुले में आतंकवादियों को काबू करने के बड़े अवसर को समझते हुए और अपने कमांडेंट के निर्देश पर अपने सहयोगी बल सं. 135251855 कांस्टेबल डोड सागर के साथ जौनी कुमार गंभीर खतरे और घेराबंदी से बच निकलने के प्रयास में आतंकवादियों की लगातार गोलीबारी के बावजूद दक्षिण-पूर्वी दिशा से बिलकुल नजदीक चले गए। तत्काल कार्रवाई के कारण, आतंकवादी दो दलों के बीच फंस गए। अपने स्थान से उठते हुए श्री हेनजांग ने रामेश्वर और पाटिल राजेन्द्रा भावलाल को आतंकवादियों पर गोलीबारी करने का आदेश दिया और उन्होंने स्वयं अपनी एके राइफल से पूरी ताकत के साथ आतंकवादियों को निशाना बनाया। आतंकवादी इधर-उधर भागने लगे। अवसर को भांपते हुए जौनी कुमार ने चिल्लाकर अपने सहयोगी डोड सागर को भाग रहे आतंकवादी को उलझाने के लिए कहा और स्वयं अपनी जान को खतरे में डालकर गोलीबारी करने तथा बिलकुल निकट से उन्हें मारने के लिए अपनी पोजीशन से आगे बढ़े। इस प्रक्रिया में, श्री हेनजांग, कमांडेंट और श्री जौनी कुमार, सहायक कमांडेंट के नेतृत्व में 18 बटालियन सीआरपीएफ की यूनिट क्यूएटी/सीटीटी द्वारा एक निडर और शीघ्र कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए।

खुले मैदान में आमने-सामने आतंकवादियों से निपटने की गहन प्रक्रिया के दौरान, उनमें से एक आतंकवादी पास के एक घर में घुसने में सफल हो गया। बिना समय गंवाए, श्री हेनजांग, कमांडेंट ने तत्काल अपने सैन्य दस्तों को पुन: संगठित किया और जौनी कुमार के साथ मिलकर संदिग्ध घर के आस-पास एक मजबूत घेराबंदी कर दी। इसके परिणामस्वरूप, वह आतंकवादी फंस गया और आगे नहीं बढ़ सका। कुछ समय तक उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दिखाई। इसके बजाय, उस घर के भीतर से, उसने अपने भाई और बहन से संपर्क स्थापित किया और शीघ्र ही वे मुठभेड़ स्थल पर पहुंच गए तथा उन्होंने सैन्य दस्तों से आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने का एक मौका देने का आग्रह किया। इस तनावपूर्ण स्थिति में, श्री हेनजांग, कमांडेंट ने अगुवाई की और सैन्य दस्तों तथा अन्य सहयोगी एजेंसियों के साथ विचार-विमर्श करने के बाद लक्षित घर पर गोलीबारी को रोकने का आदेश दिया। तत्पश्चात, सार्वजनिक घोषणा प्रणाली पर स्थानीय भाषा में घोषणा की गई, जिसमें आतंकवादी को आत्मसमर्पण करने और अपने हाथ ऊपर उठाकर घर से बाहर आने का निर्देश दिया गया। यह एक अत्यधिक तनावपूर्ण स्थिति थी, क्योंकि कोई यह नहीं जानता था कि आगे क्या होगा। श्री हेनजांग वायरलेस पर सुरक्षा बलों को बार-बार यह निर्देश देते रहे कि वे आतंकवादी द्वारा अपेक्षानुसार कार्रवाई करने पर गोली न चलाएं। इस प्रक्रिया में, वे स्वयं को जोखिम में डालकर खुले में घेराबंदी के एक छोर से दूसरे छोर तक गए। व्याकुलता के कुछ पलों के बाद, वह आतंकवादी दिखाई पड़ा और उसने वरिष्ठ अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

मारे गए आतंकवादियों की पहचान शकूर अहमद डार, लश्कर-ए-तैयबा कमांडर, (श्रेणी – क++), निवासी गांव सोपत, कुलगाम और आसिम अबू हैदर उर्फ अबू माचिया, (एफटी) के रूप में की गई। गिरफ्तार किए गए आतंकवादी की पहचान सलाल अहमद गनी निवासी- चादेर के रूप में की गई और वह भी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ था। ये आतंकवादी अत्यधिक प्रेरित थे और वे आम नागरिकों, पुलिस तथा सुरक्षा बलों पर कई हमलों में शामिल थे। शकूर अहमद डार एक सबसे पुराना जीवित आतंकवादी था और उसे एक रणनीतिकार तथा महान प्रेरक माना जाता था। की गई बरामदगियों में 02 एके-47 राइफलें, 01 इंसास राइफल, 045 एके-47 मैगजीनें, 02 इंसास मैगजीनें, एके-47 एवं इंसास के क्रमश: 62 और 20 राउंड तथा एक हैंड ग्रेनेड शामिल हैं।

ऑपरेशन के दौरान लगभग 2000-2500 लोगों की एक हिंसक भीड़ ने भारी पत्थरबाजी की और उसने आतंकवादियों को भागने में मदद करने के इरादे से मुठभेड़ स्थल के नजदीक जाने का भरसक प्रयास किया। तथापि, कट-ऑफ की प्रभावकारी तैनाती की वजह से भीड़ दूर रही और सैन्य दस्तों ने हल्के बल का प्रयोग करके उनके साथ निपटने में पेशेवरता और चतुराई का प्रदर्शन किया। चादेर का ऑपरेशन सुरक्षा बलों के लिए एक अत्यधिक महत्वपूर्ण सफलता थी, क्योंकि यह श्री अमरनाथजी की यात्रा के शुरू होने से ठीक पहले हुआ था। इस कार्रवाई से दक्षिण कश्मीर में सुरक्षा को बनाए रखने में सुरक्षा बलों के संयुक्त प्रयासों में और मुख्यत: यात्रा को दुर्घटना-मुक्त बनाए रखने के उनके प्रयास में भी बल मिला। इसके साथ-साथ, यह आतंकवादी गुटों के लिए एक बड़ी नाकामयाबी साबित हुई। इस सफल ऑपरेशन के योजनाकार अधिकारियों मे श्री हेनजांग, कमांडेंट 18 बटालियन सीआरपीएफ, श्री जौनी कुमार, सहायक कमांडेंट, कांस्टेबल रामेश्वर, कांस्टेबल पाटिल राजेन्द्रा भावलाल और कांस्टेबल डोड सागर शामिल हैं, जिन्होंने अपनी एके-47 राइफलों से समय पर क्रमशः 08 राउंड, 09 राउंड, 02 राउंड, 04 राउंड और 05 राउंड की प्रभावकारी गोलीबारी करके इस ऑपरेशन में अत्यधिक दृढ़ता और अनुकरणीय साहस का प्रदर्शन किया। उक्त टीम

द्वारा की गई कार्रवाई की मुख्य विशेषता यह थी कि उसने दो आतंकवादियों को घरों के समूह में शरण लेने से पहले ही मार गिराने के लिए खुले मैदान में संक्षिप्त और त्वरित कार्रवाई की। इस प्रक्रिया में, उन सभी ने कट्टर आतंकवादियों के विरुद्ध कार्रवाई के अग्रिम मोर्चे में रहकर अपनी जान को गंभीर खतरे में डाल दिया।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री हेनजांग, कमांडेंट, जौनी कुमार, सहायक कमांडेंट, रामेश्वर, कांस्टेबल, पाटिल राजेन्द्रा भावलाल, कांस्टेबल और डोड सागर गजानन, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 24/06/2018 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/192/2019-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 160-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
श्री अनुराग कुमार सिंह	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक का प्रथम बार

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

आईटीबीपी की 19वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट (जीडी) अनुराग कुमार सिंह मार्च, 2017 से सितम्बर, 2017 तक 55 राष्ट्रीय राइफल्स (ग्रेनेडियर्स) के साथ अटैचमेंट की अल्पावधि के दौरान 55 आरआर द्वारा चलाए गए विभिन्न सफल ऑपरेशनों का हिस्सा रहे हैं।

प्राप्त आसूचना के आधार पर, 55 राष्ट्रीय राइफल्स (ग्रेनेडियर्स) द्वारा संबंधित कंपनी कमांडरों के अधीन इसकी कुल 06 कंपनी हमलावर टीमों के साथ दिनांक 30 जुलाई, 2017 को सुबह के समय पुलवामा के तहाब गांव में एक बटालियन स्तरीय ऑपरेशन शुरू किया गया। डेल्टा कंपनी 55 आरआर (ग्रेनेडियर्स) के कंपनी कमांडर श्री अनुराग कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट (जीडी) को इस ऑपरेशन की विस्तृत योजना तैयार करने का कार्य सौंपा गया, क्योंकि तहाब गांव उनकी जिम्मेदारी वाले क्षेत्र में स्थित था।

अपने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर, उक्त अधिकारी ने उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने के लिए एक विस्तृत और त्रुटिरहित योजना तैयार की, जिसके परिणामस्वरूप अंततः यह ऑपरेशन सफल हुआ। जब आतंकवादियों के साथ संपर्क स्थापित हो गया, तो उक्त अधिकारी ने अपनी सूझ-बूझ से और उस क्षेत्र की व्यावहारिक जानकारी होने की वजह से आतंकवादियों के बच निकलने के सभी मार्गों को अवरुद्ध कर दिया। ठीक समय पर सैन्य दस्तों के पुनःसमायोजन, उनकी कमान में कार्मिकों द्वारा गोलीबारी संबंधी कड़े अनुशासन और अन्य समूहों के साथ समन्वय की वजह से सैन्य दस्तों का एक पूर्णरूपेण एकीकृत नेटवर्क स्थापित करने तथा सभी संभावित निकास मार्गों को अवरुद्ध करने में सहायता मिली, जिससे अंततः आतंकवादियों को मारक क्षेत्र में आने के लिए विवश होना पड़ा और इसके परिणामस्वरूप हिजबुल मुजाहिदीन के 02 खूंखार आतंकवादियों नामतः शरीक अह शेख और शबीर अह मीर को सफलतापूर्वक मार गिराया गया।

इस ऑपरेशन में श्री अनुराग कुमार सिंह, सहायक कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 30/07/2017 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/43/2018-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 161-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निम्नलिखित अधिकारी को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
श्री राजेश कुमार लूथरा	सहायक कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

श्री राजेश कुमार लूथरा, सहायक कमांडेंट/जीडी, 15वीं बटालियन, आईटीबीपी को दुंगती में आईटीबीपी की 15वीं बटालियन के टैक्टिकल हेडक्वार्टर के कमान अधिकारी के रूप में तैनात किया गया था। इस चौकी को वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर संवेदनशील और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण गश्त प्वाइंट 37 को गश्त द्वारा कवर करने का कार्य सौंपा गया है। इसके एलएसी के नजदीक स्थित होने और संवेदनशील प्रकृति का होने के कारण, इस प्वाइंट को आईटीबीपी और सेना को शामिल करते हुए संयुक्त गश्त लगाकर कवर किया जाता है। चूंकि इस प्वाइंट पर विगत में चीन का हस्तक्षेप देखा गया है, इसलिए यहां गश्त का महत्व और अधिक बढ़ गया है।

दिनांक 16.07.2019 को, श्री राजेश कुमार लूथरा, सहायक कमांडेंट, हीना चौकी के नेतृत्व में हीना सीमा चौकी से पीपी-37 तक एक संयुक्त गश्त निर्धारित की गई और यह गश्त 0745 बजे शुरू की गई। हीना चौकी से पीपी-36 तक सड़क निर्माण के मद्देनजर, यह आईटीबीपी की एक संवेदनशील चौकी है, क्योंकि चीन ने इसका कड़ा विरोध किया है। यह कार्य पूरा करने के बाद वापस आते समय, लगभग 0803 बजे, तेज गति वाले 02 पीएलए वाहनों ने आईएसएफ वाहनों में जानबूझकर टक्कर मार दी। यह घटना पीएलए का अत्यधिक आक्रामक रुख प्रदर्शित करती है, जिसमें 4/9 जीआर सेना की एक जिप्सी और आईटीबीपी की एक स्कार्पियो बहुत ज्यादा क्षतिग्रस्त हो गई। जब पीएलए के सैनिकों ने गश्त दलों के वाहन को टक्कर मारी, तो भारतीय सुरक्षा बलों और पीएलए के सैनिकों के बीच एक तीखी बहस शुरू हो गई। यह टक्कर बहुत तेज थी और पीएलए ने उक्त अधिकारी को चोट पहुंचाने का प्रयास किया, ताकि आईटीबीपी और सेना के दस्ते अपनी ड्यूटी न कर सकें। तत्काल, गश्त कमांडर ने अपना धैर्य खोए बिना दृढ़ता के साथ करारा जवाब दिया और पीएलए कमांडर को यह स्पष्ट कर दिया कि इस प्रकार के हिंसक अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संदेश में प्लाटून लीडर श्री राजेश कुमार लूथरा ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि गंभीर रूप से उकसाने के बावजूद किसी भी परिस्थिति में यथा स्थिति को सहन नहीं किया जाएगा। भारतीय गश्त दल को डराने और धमकाने के लिए पीएलए द्वारा हिंसा का प्रयोग करने के प्रयासों के बावजूद, वे मजबूती से डटे रहे और अपनी बात पर अड़े रहे। गश्त दल को डरा और धमका कर अपना कार्य पूरा करने से रोकने का पीएलए का तुच्छ इरादा पूरा नहीं हुआ।

पीएलए से संख्या में कम होने के बावजूद उक्त अधिकारी ने अत्यधिक सूझ-बूझ, अपनी निजी सुरक्षा की पूर्ण अनदेखी और उच्चतम स्तर के साहस का प्रदर्शन किया। यदि उपर्युक्त अधिकारी ने बहादुरी, साहस एवं दृढ़निश्चय का प्रदर्शन न किया होता और अपनी निजी सुरक्षा की पूर्ण अनदेखी न की होती, तो गश्त दल के लिए इस मिशन को पूरा करना और पीएलए को उचित संदेश देना संभव नहीं हो पाता।

इस ऑपरेशन में श्री राजेश कुमार लूथरा, सहायक कमांडेंट ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

यह पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किया जाता है तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 16/07/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. - 11020/166/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

सं. 162-प्रेज/2021—राष्ट्रपति, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के निम्नलिखित अधिकारियों को वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं:—

सर्व/श्री

क्र.सं.	पदक पाने वाले का नाम	पद	प्रदान किया गया पदक
1.	अजय कुमार	कमांडेंट	वीरता के लिए पुलिस पदक
2.	नसीर अहमद	कांस्टेबल	वीरता के लिए पुलिस पदक

उन सेवाओं का विवरण, जिनके लिए अलंकरण प्रदान किया गया

दिनांक 28.09.2019 को लगभग 0746 बजे, श्री अजय कुमार, कमांडेंट, 07 बटालियन एसएसबी बटोट (जम्मू और कश्मीर) को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, रामबन से एक फोन कॉल आई कि 03 सशस्त्र आतंकवादियों ने गांव थोर, एनएच 244 पर 159 टीए की रोड ओपनिंग पार्टी (आरओपी) पर हमला कर दिया है और उन्होंने उनसे अतिरिक्त सैन्य बल भेजने का अनुरोध किया। श्री अजय कुमार, कमांडेंट यूनिट त्वरित कार्रवाई टीम (क्यूएटी) के साथ तत्काल उस स्थान पर गए और बचकर निकलने वाले आतंकवादियों को पकड़ने के लिए वहां पर रणनीतिक ढंग से नाके लगा दिए। बाद में, श्री अजय कुमार, कमांडेंट को विश्वसनीय स्रोत से कॉल आई कि 03 आतंकवादी वार्ड सं 06, बटोट के निवासी श्री विजय कुमार के घर के भीतर जबरदस्ती घुस गए हैं और उन्होंने उन्हें बंधक बना लिया है। ब्रिगेडियर 04 सेक्टर आरआर के निर्देशानुसार, वे यूनिट क्यूएटी के साथ दूसरे घटना स्थल पर पहुंचे। प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता होने के नाते, श्री अजय कुमार, कमांडेंट ने आस-पास के क्षेत्र की टोह ली और उन्होंने बटोट कस्बे के लक्षित घर के बाहर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों को स्वयं डिस्कनेक्ट कर दिया। इसी बीच, मेजर जनरल रवि मुरगन, जीओसी, डेल्टा फोर्स, बटोट और अन्य अधिकारी भी उस स्थान पर पहुंच गए। उन्हें लक्षित घर और स्थिति के बारे में अवगत कराने के बाद, एसएसबी तथा अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर उक्त घर के चारों ओर घेराबंदी कर दी गई। जिस घर में आतंकवादी छिपे हुए थे, वह एक दो मंजिला उत्तर मुखी भवन था, जिसके उत्तर-पूर्व की दिशा में घने ताड़ के वृक्षों सहित ऊबड़-खाबड़ क्षेत्र था और इसके उत्तर-पश्चिम की दिशा में रिहायशी मकान थे। एसएसबी, आरआर और सीआरपीएफ के सुरक्षा बलों ने लक्षित घर से लगभग 100 से 150 मीटर दूर घेराबंदी कर दी। बंधक को सुरक्षित बचाने की प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए, सभी 03 खूंखार आतंकवादियों का सफाया करने के लिए स्थानीय भूभाग से परिचित अधिकारियों को शामिल करते हुए एक छोटी कोर टीम बनाई गई। तदनुसार, श्री अजय कुमार, कमांडेंट और उनके सहयोगी सं.110693447 कांस्टेबल/जीडी नसीर अहमद तथा (एसओजी) रामबन/डोडा के पुलिस कार्मिकों को इस टीम में शामिल किया गया। ब्रीफिंग के बाद, टीम के कार्मिकों ने रणनीतिक रूप से दक्षिण दिशा से लक्षित घर की ओर आगे बढ़ना शुरू किया। आतंकवादियों को सुरक्षा बलों द्वारा की गई घेराबंदी के बारे में पता चल गया था और उन्होंने सैन्य बलों पर गोलियों की भारी बौछार करके उन्हें अचंभित कर दिया, जिसका घेराबंदी के भीतर मौजूद सुरक्षा बलों द्वारा जोरदार जवाब दिया गया। गोलीबारी के बीच, श्री अजय कुमार, कमांडेंट ने निकटवर्ती घर की छत पर फंसे हुए एक व्यक्ति को सहायता के लिए हाथ हिलाते हुए देखा। कुछ मीटर रेंगकर और दीवार पर चढ़कर, उन्होंने फंसे हुए व्यक्ति नामतः विक्रम मेहरा (बंधक श्री विजय कुमार का पुत्र) को बचाया। बचाए गए व्यक्ति से लक्षित घर के भीतर की जानकारी प्राप्त करने के बाद, टीम के कार्मिक रणनीतिक रूप से लक्षित घर के साथ लगने वाली छत पर पहुंचे। नजदीकी छत पर सुरक्षा बलों की मौजूदगी को देखते हुए, एक आतंकवादी ने लक्षित घर की खिड़की से उनकी ओर अंधाधुंध गोलीबारी की और ग्रेनेड फेंका, जिससे वे बाल-बाल बच गए। पुलिस (एसओजी) के कार्मिकों के साथ श्री अजय कुमार, कमांडेंट तथा कांस्टेबल (जीडी) नसीर अहमद ने तत्काल छत की दीवार के पीछे कवर ले लिया और शत्रु की गोलीबारी का उपयुक्त जवाब दिया। इस बीच, टीम के कार्मिकों द्वारा नियंत्रित गोलीबारी करके शत्रुओं को ढेर करने के कई प्रयास किए गए, परन्तु वर्तमान पोजीशन से शत्रु की भयंकर गोलीबारी को नियंत्रित करना मुश्किल था। छिपे हुए आतंकवादी पर प्रभावकारी गोलीबारी करने के लिए लक्षित घर की छत पर पहुंचना ही एकमात्र रास्ता बचा था। गोलीबारी के बीच विलक्षण रणनीतिक दक्षता और सूझ-बूझ का प्रदर्शन करते हुए, श्री अजय कुमार, कमांडेंट भवनों के बीच के अंतराल को पार करके लक्षित घर की छत पर पहुंचने में सफल हो गए और उन्होंने टीम के अन्य कार्मिकों को सुरक्षित रूप से वहां पहुंचने के लिए कवर फायर प्रदान किया। कुछ एसओजी अधिकारियों के साथ कांस्टेबल/जीडी नसीर अहमद ने नजदीकी छत पर अपनी पोजीशन बनाए रखी और आतंकवादी को गोलीबारी में उलझाए रखा। सुरक्षा बलों और शत्रु के बीच गोलीबारी थोड़े-थोड़े अंतराल पर लगातार जारी रही। शाम ढलने के साथ आतंकवादियों के बच निकलने की संभावना का अनुमान लगाते हुए, श्री अजय कुमार, कमांडेंट गुप्त रूप से मेन गेट के नजदीक पहुंचे और इसे कॉन्सर्टिना कॉयल फेंककर अवरुद्ध कर दिया। बीच-बीच में गोलीबारी रुकने पर, आतंकवादियों के साथ बातचीत के प्रयास किए गए, परन्तु उन्होंने आत्मसमर्पण करने से मना कर दिया और सुरक्षा बलों पर अंधाधुंध गोलीबारी के साथ "नारा-ए-तकबीर" के नारे लगाते रहे। शत्रुओं द्वारा तेजी से की गई अंधाधुंध गोलीबारी का छत पर तैनात सुरक्षा बलों द्वारा उपयुक्त जवाब दिया गया। आतंकवादी को सुरक्षा बलों की गोलीबारी के सामने लाने के लिए, धुएं और आंसू गैस के गोले फेंके गए। धुएं की जलन को सहन न कर पाने की वजह से आतंकवादियों ने बालकनी से कूद कर बच निकलने का प्रयास किया। जैसे ही पहला आतंकवादी कूदा, उसी समय श्री अजय कुमार, कमांडेंट स्वयं को गंभीर खतरे में डालते हुए बालकनी के नजदीक चले गए और भाग रहे आतंकवादी की ओर जोरदार गोलीबारी की तथा उसे मार गिराया। शेष 02 आतंकवादी टीम के कार्मिकों द्वारा चलाई गई गोलियों से घायल हो गए, परन्तु वे किसी तरह से एनएच 244 तक पहुंचने में सफल हो गए और उन्हें घेराबंदी वाले सैन्य बलों द्वारा मार गिराया गया तथा बंधक को सुरक्षित बचा लिया गया।

प्रतिबंधित आतंकवादी गुट हिजबुल मुजाहिदीन से संबंध रखने वाले सभी 03 खूंखार आतंकवादियों की निम्नानुसार पहचान और बरामदगी की गई:—

क्र.सं.	ब्यौरा	टिप्पणी	बरामदगियां
1.	ओसामा बिन जावेद पुत्र जावेद अहमद, निवासी - सोंदर, दच्छन, किश्तवाड़ (जम्मू और कश्मीर)	ए++ (12.50 लाख रुपये के नकद इनाम वाला)	1. एके47 – 1 2. एके47 की मैगजीन – 2

2.	जाहिद हुसैन पुत्र गुलाम मोहम्मद, निवासी - सोंदर, दच्छन, किश्तवाड़ (जम्मू और कश्मीर)	ए (05 लाख रुपये के नकद इनाम वाला)	3. एके47 के जिंदा राउंड – 3 4. 5.56 एमएम इंसास राइफल –1 5. 5.56 एमएम इंसास राइफल की मैगजीन – 1 6. चीन निर्मित पिस्तौल – 2 7. पिस्तौल की मैगजीन – 2 8. पिस्तौल के जिंदा राउंड – 11 9. एचई ग्रेनेड – 2 10. अन्य आपत्तिजनक सामग्री
3.	बिलाल अहमद पुत्र मोहम्मद अब्दुल्ला, निवासी – तुर्कू तेंगवानी, शोपियां		

02 अलग-अलग स्थानों पर लगभग 09 घंटे तक चलने वाले इस संयुक्त ऑपरेशन में, श्री अजय कुमार, कमांडेंट और कांस्टेबल (जीडी) नसीर अहमद ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का प्रदर्शन किया। उनके विलक्षण नेतृत्व गुण, साहस, त्रुटिहीन कार्यनिष्पादन और खतरे के समक्ष मजबूती से लड़ने के दृढ़ निश्चय के प्रदर्शन की वजह से, श्री अजय कुमार, कमांडेंट अपनी टीम के साथ आतंकवाद-रोधी ऑपरेशन में सभी 03 खूंखार आतंकवादियों को मारने और बंधक को सुरक्षित रूप से बचाने में सफल हुए।

इस ऑपरेशन में सर्व/श्री अजय कुमार, कमांडेंट और नसीर अहमद, कांस्टेबल ने अदम्य वीरता, साहस और उच्चकोटि की कर्तव्यपरायणता का परिचय दिया।

ये पुरस्कार, पुलिस पदक की मंजूरी को शासित करने वाली नियमावली के नियम 4(i) के अंतर्गत वीरता के लिए प्रदान किये जाते हैं तथा फलस्वरूप इसके साथ नियम 5 के अंतर्गत स्वीकार्य विशेष भत्ता भी दिनांक 28/09/2019 से दिया जाएगा।

(फा. सं. 11020/53/2020-पीएमए)

(फा. सं. - 18004/1/2021-सीए-II)

एस एम समी
अवर सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 2021

No. 95-Pres/2021—The President is pleased to award the President's Police Medal for Distinguished Service on the occasion of the Republic Day, 2021 to the under mentioned officers :—

1. SHRI MATHURTHI SRINIVASA RAO, ASST. RESERVE SUB INSPECTOR POLICE, ACB VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 521225
2. SMT. VIOLET BARUAH, DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE (BTAD), KOKRAJHAR, ASSAM, 783370
3. SHRI RAJESH TRIPATHY, DIG, HUMAN RIGHTS, PATNA, BIHAR, 800023
4. SHRI MD. ABDUL MANAN, STENO SUB INSPECTOR, POLICE HEAD QUARTER, PATNA, BIHAR, 800023
5. SHRI PRADEEP GUPTA, DIRECTOR, PROSECUTION/FSL RAIPUR, CHHATTISGARH, 492001
6. SHRI NEERAJ THAKUR, SPECIAL COMMISSIONER OF POLICE/SPECIAL CELL, POLICE HEADQUARTERS, NCT OF DELHI, 110001
7. MS. RITAMBRA PRAKASH, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, CRIME & TRAFFIC (HEADQUARTERS), POLICE HEADQUARTERS, DELHI, NCT OF DELHI, 110002
8. SHRI SURESH KUMAR, SUB INSPECTOR, OPERATION CELL, ROHINI DISTRICT, DELHI, NCT OF DELHI, 110085
9. SHRI BINDESH SHAH, POLICE INSPECTOR, AHMEDABAD CITY, GUJARAT, 380004
10. SHRI KUMAR RAI JAGDISH RAI CHANDNA, POLICE INSPECTOR WIRELESS, OFFICE OF THE COMMISSIONER OF POLICE, AHMEDABAD CITY, GUJARAT, 380004
11. SHRI NAVDEEP SINGH VIRK, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, LAW AND ORDER, PANCHKULA, HARYANA, 134109
12. SHRI SANDEEP KHIRWAR, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, ROHTAK, HARYANA, 124001
13. SHRI N VENUGOPAL, ADDL DIRECTOR GENERAL OF POLICE/STATE CID, SHIMLA, HIMACHAL PRADESH, 171009
14. DR. SHIV DARSHAN SINGH, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, SECURITY JAMMU AND KASHMIR, 180001
15. SHRI TSEWANG NAMGYAL KALON, ADDL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, TRAFFIC, JAMMU AND KASHMIR, 180001
16. SHRI MURARI LAL MEENA, ADG, SPECIAL BRANCH, RANCHI, JHARKHAND, 834004
17. SHRI T K VINOD KUMAR, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL, INTELLIGENCE, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695004
18. SMT. PRAGYA RICHA SRIVASTAVA, ADG(AJK), PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
19. SHRI SANTOSH KUMAR UPADHYAY, DSP, O/O, S.P, INDORE, MADHYA PRADESH, 452001
20. SHRI NARENDRA KUMAR GANGRADE, INSPECTOR(M), O/O ADG, ADMINISTRATION, PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
21. SHRI AJAY TURKAI, INSPECTOR, SPECIAL BRANCH, PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008
22. SHRI PRABHAT KUMAR, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, OFFICE OF THE DGP A.C.B. WORLI MUMBAI, MAHARASHTRA, 400030
23. DR. SUKHWINDER SINGH, ADDL. DIRECTOR GENERAL OF POLICE, FORCE ONE, NEXT TO SRPF CAMP GR.8, GOREGAON EAST MUMBAI, MAHARASHTRA, 400065
24. SHRI NIVRUTTI TUKARAM KADAM, ASST. COMMR. OF POLICE, CRIME BRANCH THANE CITY, MAHARASHTRA, 400601
25. SHRI VILAS BALKU GANGAWANE, SR. POLICE INSPECTOR, SHAHUNAGAR POLICE STATION, MAHIM EAST, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400017
26. SHRI TIMENSON K MARAK, AB CONSTABLE, 1ST MLP BN, MAWIONG, MEGHALAYA, 793016
27. SHRI VL HMANGAIHZUALA, DY. SP (LEGAL), POLICE HEADQUARTER, MIZORAM, 796001

28. SHRI RADHA KISHAN SHARMA, DIRECTOR INTELLIGENCE, INTELLIGENCE DIRECTORATE, SIW OFFICE BULDING, BHUBANESWAR, ODISHA, 751001

29. SHRI BUDHI BAHADUR THAPA, DEPUTY SUBEDAR, BIJU PATANAIK STATE POLICE ACADEMY, BHUBANESWAR, ODISHA, 751019

30. SHRI PRAVEEN KUMAR SINHA, ADGP, PRISONS, CHANDIGARH, PUNJAB, 160009

31. SHRI ANANYA GAUTAM, IGP, FIU, PUNJAB, SAS NAGAR, PUNJAB, 140308

32. SHRI HAWA SINGH, PLATOON COMMANDER, RAJASTHAN POLICE ACADEMY JAIPUR, RAJASTHAN, 302016

33. SHRI MAHESH KUMAR AGGARWAL, ADDL.DGP/COMMISSIONER OF POLICE, GREATER CHENNAI POLICE, VEPERY, CHENNAI, TAMIL NADU, 600007

34. SHRI S DAVIDSON DEVASIRVATHAM, ADDITIONAL DIRECTOR GENERAL OF POLICE, TECHNICAL SERVICE, CHENNAI, TAMIL NADU, 600004

35. SHRI P MANIKANDAKUMAR, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU SPECIAL POLICE IV BATTALION, KOVAIPUDUR, TAMIL NADU, 641042

36. SMT. SHIKHA GOEL, ADDL.COMMISSIONER OF POLICE, CRIME AND SIT HYDERABAD, TELANGANA, 500001

37. SHRI N SHIVASHANKAR REDDY, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, NIZAMABAD RANGE, NIZAMABAD, TELANGANA, 503003

38. SHRI ASIM KUMAR ARUN, ADG UP-112, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226002

39. SHRI RAJ KUMAR, ADG WAITING, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226002

40. SHRI RAVI JOSEPH LOKKU, ADG/GSO TO DGP UP DGP HQRS, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226002

41. SHRI VIJAY BHUSHAN, IG (PSR & PB), LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

42. SHRI KAVINDRA PRATAP SINGH, IG PRAYAGRAJ(RANGE), UTTAR PRADESH, 211001

43. SHRI SATYENDRA KUMAR SINGH, IG RAILWAYS, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226002

44. SHRI PIYUSH SRIVASTAVA, IG MIRZAPUR (RANGE), UTTAR PRADESH, 231001

45. SHRI PALOLI VENKATA KRISHNA PRASAD, ADG, CID, UTTARAKHAND, 248001

46. SHRI MONOJ KUMAR DAS, ASSISTANT COMMANDANT, STATE ARMED POLICE 10TH BN., DABGRAM, WEST BENGAL, 734004

47. SHRI SK MD KALIMUDDIN, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLCE, CENTRAL DIVISION, KOLKATA, WEST BENGAL, 700013

48. SHRI MADHUP KUMAR TEWARI, ADGP (L&O), PORT BLAIR, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS, 744104

49. SHRI AMIT KUMAR MUKHOPADHYAY, DIRECTOR (MEDICAL), SHILLONG, ASSAM RIFLES, 793010

50. SHRI AJIT KUMAR TETE, DY INSPECTOR GENERAL, SHQ, KOLKATA, PLOT NO. 11, ACTION AREA-II E, NEW TOWN KOLKATA, BSF, 700161

51. SHRI SURJIT SINGH, DY INSPECTOR GENERAL, SECTOR HQ PALOURA CAMP, JAMMU, BSF, 794005

52. SHRI UMESH KUMAR NAYAL, DY INSPECTOR GENERAL, FRONTIER HQ MEG, PO-RYNIJAH, DISTT-EAST KHASI HILLS (MEGHALAYA), BSF, 793006

53. SHRI DHARMENDRA PAREEK, DY INSPECTOR GENERAL, 'G' DIRECTORATE, FHQ, NEW DELHI, BSF, 110003

54. SHRI RANVEER SINGH SHAKTAWAT, DY INSPECTOR GENERAL, CENWOSTO TEKANPUR, GWALIOR(MP), BSF, 475005

55. SMT. MEENAKSHI SHARMA, INSPECTOR GENERAL, CISF WS HQRS. MUMBAI, MAHARASHTRA, CISF, 410210

56. SHRI SUBHASH CHANDER, ASST. COMMANDANT/EXECUTIVE, HQRS., BLOCK-13, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI., CISF, 110003

57. SHRI VITUL KUMAR, INSPECTOR GENERAL, DIRECTORATE GENERAL, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, CRPF, 110003

58. SHRI PRAKASH DEVASAHAYAM, INSPECTOR GENERAL, RAIPUR, CHHATTISGARH., CRPF, 492101

59. SHRI BIRENDRA KUMAR SHARMA, DY INSPECTOR GENERAL, DIRECTORATE GENERAL, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, CRPF, 110003

60. SHRI HANUMANT SINGH RAWAT, DY INSPECTOR GENERAL, OPS RANGE, CHAIBASA, JHARKHAND, CRPF, 833201

61. SHRI NARESH KUMAR YADAV, DY INSPECTOR GENERAL, HQR, JAMMU, CRPF, 181123

62. SHRI KUZIYADIL THOMAS JOB, DY INSPECTOR GENERAL, ISA, MOUNT ABU, RAJASTHAN, CRPF, 307501

63. SHRI SUNIL CHANDRA MAMGAIN, DY INSPECTOR GENERAL, NORTH EAST FRONTIER HQ, ITANAGAR (ARUNACHAL PRADESH), ITBP, 791111

64. SHRI MANOHAR SINGH RAWAT, SECOND IN COMMAND, 21ST BN, PANTHACHOWK, SRINAGAR (J&K), ITBP, 191101

65. SHRI DEEPAM SETH, INSPECTOR GENERAL, NORTH WEST FTR HQ, CHOGLAMSAR, LEH-LADAKH(U.T.), ITBP, 194101

66. SHRI B R CHAUHAN, SECOND IN COMMAND (GD), 54 BN, SSB, 783390

67. SHRI ACHINTYA MITRA, SECOND IN COMMAND (GD), 27 BN., SSB, 781313

68. MS. SAMPAT MEENA, JOINT DIRECTOR, CBI BUILDING HAZRATGANJ LUCKNOW, CBI, 226001

69. SHRI VINEET VINAYAK, JOINT DIRECTOR, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, CBI, 110003

70. SHRI SARALADAS MISHRA, ASP, EO-III, NEW DELHI, CBI, 110003

71. SHRI VIVEK DHIR, DSP, ACB, PANAMA CHOWK JAMMU, CBI, 180012

72. SHRI SURENDER KUMAR ROHILLA, DSP, ACU-V, NEW DELHI, CBI, 110003

73. SHRI BASANT SINGH BISHT, HEAD CONSTABLE, O/O DIRECTOR, H.O., NEW DELHI, CBI, 110003

74. MS. RAJANA UMESH KAUL, ADDITIONAL DEPUTY DIRECTOR/TECH, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021

75. SHRI SUNIL KUMAR JHA, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB, GUWAHATI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 781036

76. SHRI RAJESH KUMAR, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB, CHANDIGARH, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 160019

77. SHRI ARVIND KUMAR DEWAN, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021

78. SHRI SUJIT SINGH, ASSISTANT DIRECTOR/ EXE, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110077

79. SHRI NIRMAL CHANDRA BLAHATIA, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021

80. SHRI SUBHASIS MAITI, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, SIB, KOLKATA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 700019

81. SHRI ANGREZ SINGH, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB, AMRITSAR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 143001

82. SHRI S SURESH, INSPECTOR GENERAL, NEW DELHI, SPG, 110077

83. SHRI CHANDRA PRAKASH SAXENA, DIG, BHOPAL, BPR & D, 462021

84. SHRI PAWAN KUMAR MISHRA, INSPECTOR (FINGERPRINT), NEW DELHI, NCRB, 110037

85. SHRI VINOD KUMAR K S, HEAD CONSTABLE, NIA HQ, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 110003

86. DR. MAHESH CHAND BHARDWAJ, SENIOR SUPERINTENDENT OF POLICE, GPO COMPLEX, INA, NEW DELHI, NHRC, 110023

87. SHRI RAM PRASAD MEENA, JOINT SECRETARY, SHASTRI BHAWAN, NEW DELHI, MINISTRY OF SOCIAL JUSTICE & EMPOWERMENT, 110001

88. DR. PRONAB MOHANTY, DY. DIRECTOR GENERAL, UIDAI, MINISTRY OF ELECTRONICS & IT, BANGLA SAHIB ROAD,NEW DELHI, UIDAI, 110001

89. SHRI BIJENDER SINGH SHEKHAWAT, ASSISTANT SECURITY COMMISSIONER, RAILWAY BOARD NEW DELHI, M/O RAILWAYS, 110001

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of President's Police Medal for Distinguished Service.

F. NO. 18004/1/2021-CA-II

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 96-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Meritorious Service on the occasion of the Republic Day, 2021 to the under mentioned officers :—

1. SHRI P H D RAMAKRISHNA, DIRECTOR SPECIAL ENFORCEMENT BUREAU, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 521108

2. SHRI MALLUR KUPPUSWAMY RADHA KRISHNA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, DAR, KURNOOL, ANDHRA PRADESH, 518004

3. SHRI RAVELA VIJAYA PAUL, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, C.I.D,, C.I.D REGIONAL OFFICE, ANDHRA PRADESH, 522004

4. SHRI GANTA VENKATARAMANA MURTHY, SUB DIVISIONAL POLICE OFFICER, NANDIGAMA, KRISHNA DISTRICT, ANDHRA PRADESH, 521366

5. SHRI SADASIVUNI VARADA RAJU, SUPERINTENDENT OF POLICE NC, REGIONAL VIGILANCE AND ENFORCEMENT OFFICER, ELURU, ANDHRA PRADESH, 534001

6. SHRI ALAPATI VENKATESWARA RAO, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR OF POLICE, 6TH BN APSP MANGALAGIRI, ANDHRA PRADESH, 522503

7. SHRI NAMBARU NARAYANA MURTHY, SUB INSPECT OF POLICE, J.R. PURMA OUT POST, SRIKAKULAM, ANDHRA PRADESH, 534407

8. SHRI JONNALA VISWANADHAM, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, CI CELL INTELLIGENCE VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 520008

9. SHRI SOMA SREENIVASULU, SUB INSPECTOR OF POLICE, ANTI CORRUPTION BUREAU TIRUPATHI, ANDHRA PRADESH, 517501

10. SHRI YENDLURU SYAM SUNDARAM, INSPECTOR OF POLICE, POLICE TRAINING COLLEGE KALYANIDAM, ANDHRA PRADESH, 517102

11. SHRI JAMMALAMUDUGU NOOR AHMAD BASHA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, MADANAPALLI FIRST TOWN PS, ANDHRA PRADESH, 517325

12. SHRI YERRABOLU NAGESWARA REDDY, ARMED RESERVE HEAD CONSTABLE, HOME GUARD UNIT, VIJAYAWADA, ANDHRA PRADESH, 520001

13. SHRI MADIYA JANARDHAN, HEAD CONSTABLE, OCTOPUS, ANDHRA PRADESH, 522302

14. SHRI DACHURU SURESH BABU, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, DISTRICT SPECIAL BRANCH NELLORE, ANDHRA PRADESH, 524003

15. SHRI YENNI SASI BHUSHANA RAO, RESERVE SUB INSPECTOR OF POLICE, 5TH BN APSP, VIZIANAGARAM, ANDHRA PRADESH, 535005

16. SHRI HABUNG TAPA, INSPECTOR, PHQ ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH, 791111

17. MRS. BINDU ADHIKARI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PS NAHARLAGUN, ARUNACHAL PRADESH, 791110

18. SHRI MUSLEH UDDIN AHMED, COMMANDANT OF 22 AP(IR) BATTALION, LIKABALI, DHEMAJI, ASSAM, 787059

19. SHRI AMRIT BHUYAN, SUPERINTENDENT OF POLICE, DARRANG, ASSAM, 784125

20. SHRI DEBASISH SHARMA, PRINCIPAL OF POLICE TRAINING COLLEGE, DERGAON, GOLAGHAT, ASSAM, 785703

21. SHRI SUSHANTA BISWA SARMA, SUPERINTENDENT OF POLICE, GOALPARA, ASSAM, 783121
22. SHRI DIPAK BORA, INSPECTOR OF POLICE, GOLAGHAT, ASSAM, 785621
23. SHRI IMAM UDDIN CHOUDHURY, SUB INSPECTOR, CACHAR, ASSAM, 788001
24. SHRI DIMBO RAM TERANG, SUB INSPECTOR OF POLICE, GUWAHATI, ASSAM, 781032
25. SHRI NIRANJAN DAS, ASSTT. SUB INSPECTOR, CACHAR, ASSAM, 788001
26. SHRI ANWAR HUSSAIN BORBHUIYAN, NAIK, CACHAR, ASSAM, 788001
27. SHRI PANKAJ MAHANTA, CONSTABLE(UB), GUWAHATI, ASSAM, 781032
28. SHRI JITENDRA KUMAR SINGH YADAV, CONSTABLE(UB), GUWAHATI, ASSAM, 781032
29. SHRI HEMEN DAS, CONSTABLE (UB), GUWAHATI, ASSAM, 781032
30. SHRI ANIL RAJBONGSHI, CONSTABLE(UB), KOKRAJHAR, ASSAM, 783370
31. SHRI RAKESH RATHI, IG, MAGADH RANGE, GAYA, BIHAR, 823001
32. SHRI RAJEEV RANJAN, S P, ARWAL, BIHAR, 804401
33. SHRI SUSHANT KUMAR SAROJ, S P CITY, BHAGALPUR, BIHAR, 812001
34. SHRI VIJAY PRASAD, S P CUM ASSISTANT DIRECTOR, CIVIL DEFENCE, PATNA, BIHAR, 800023
35. SHRI AMAR KANT CHAUBEY, DY SP HQ, MADHEPURA, BIHAR, 852113
36. SHRI ABHAY NARAYAN SINGH, DY S P, DGP CONTROL ROOM, PATNA, BIHAR, 800023
37. SHRI ALAY VATS, INSPECTOR, SPECIAL TASK FORCE, BIHAR, 800001
38. SHRI OM PRAKASH SINGH, SI, CID PATNA, BIHAR, 800023
39. SHRI GIRINDRA MOHAN MISHRA, HAVILDAR, CID PATNA, BIHAR, 800023
40. SMT. KAMINI DEVI, CONSTABLE, POLICE LINE JAMUI, BIHAR, 811307
41. SHRI ANIL LIMBOO, HAVILDAR, BMP 01 PATNA, BIHAR, 800014
42. SHRI SOHAN LAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, STF, BAGHERA DURG, CHHATTISGARH, 491001
43. SMT. MANISHA SINGH NAYAN, INSPECTOR (M), SP OFFICE, JAGDALPUR, CHHATTISGARH, 494001
44. SMT. VARSHA SHARMA, SI (M), PTS RAJNANDGAON, CHHATTISGARH, 491441
45. SHRI KAMLESH KUMAR SONBOIR, SI (M), PTS RAJNANDGAON, CHHATTISGARH, 491441
46. SHRI P D ASHOK KUMAR, SI (MT), STF, BAGHERA DURG, CHHATTISGARH, 491001
47. SHRI TULARAM BAANK, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, PS DONGARGARH, RAJNANDGAON, CHHATTISGARH, 491441
48. SHRI ARUN BAHADUR, HEAD CONSTABLE, 12TH BN CAF RAMANUJGANJ BALRAMPUR, CHHATTISGARH, 497220
49. SHRI KESHAW KUMAR DHRUW, HEAD CONSTABLE, POLICE LINE, BIJAPUR, CHHATTISGARH, 494444
50. SHRI RAVINDRA KUMAR BHUARYA, CONSTABLE, PS CHARAMA, KANKER, CHHATTISGARH, 494337
51. SHRI ASHWANI KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, DSB BHILAI DURG, CHHATTISGARH, 493441
52. SHRI RAJESH DEO, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE, LEGAL CELL, POLICE HEADQUARTERS, POLICE STATION TILAK MARG, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110002
53. SHRI SANJEEV KUMAR YADAV, DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE/SPECIAL CELL, POLICE HEADQUARTERS, NEW DELHI., NCT OF DELHI, 110001
54. SHRI RAJENDRA PRASAD MEENA, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE-I/DWARKA, SECTOR-19, DWARKA, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110075
55. SHRI ANIL SHARMA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE/SECURITY, VINAY MARG, CHANAKYA PURI, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110021
56. SHRI JARNAIL SINGH SARAO, INSPECTOR (EXE), SHO, LAHORI GATE, DELHI, NCT OF DELHI, 110006
57. SHRI VINOD NARANG, INSPECTOR (ADMN.), SOUTH-WEST DISTRICT, DELHI., NCT OF DELHI, 110057

58. SHRI MANISH JOSHI, INSPECTOR, OFFICE OF THE COMMISSIONER OF POLICE, POLICE HEADQUARTERS, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110001

59. SHRI HARISH KUMAR, INSPECTOR(MIN), OFFICE OF THE COMMISSIONER OF POLICE, JAI SINGH ROAD, NEW DELHI., NCT OF DELHI, 110001

60. SHRI DEVENDER SINGH, INSPECTOR/INVESTIGATION, POLICE STATION-SAROJINI NAGAR, SOUTH-WEST DISTRICT, DELHI, NCT OF DELHI, 110029

61. SMT. PRATIBHA SHARMA, INSPECTOR, SOUTH DISTRICT, DELHI, NCT OF DELHI, 110016

62. SHRI BAHADUR SHARMA, ASSISTANT SUB INSPECTOR(EXE), (NOW SUB INSPECTOR ADHOC), ANTI HUMAN TRAFFICKING UNIT, CRIME BRANCH, DELHI POLICE, SECTOR-16, ROHINI, DELHI, NCT OF DELHI, 110085

63. MS. REKHA, WOMEN / ASSISTANT SUB INSPECTOR (EXE), (SUB INSPECTOR /S.R.) SECURITY HEADQUARTERS, VINAY MARG, CHANAKYA PURI, NEW DELHI, NCT OF DELHI, 110021

64. SHRI MAHABIR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, RAJOURI GARDEN, WEST DISTRICT, NEW DELHI., NCT OF DELHI, 110027

65. SHRI DINESH KUMAR, HEAD CONSTABLE (EXE), (ASSTT. SUB-INSPECTOR/S.G.) ACCOUNT BRANCH CRIME, POLICE STATION KAMLA MARKET, NEW DELHI., NCT OF DELHI, 110002

66. SMT. GEETA DEVI, W/HEAD CONSTABLE (EXE), (NOW W/ASSTT. SUB INSPECTOR (EXE) OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER OF POLICE/RAILWAYS, DELHI., NCT OF DELHI, 110006

67. SHRI NARESH YADAV, CONSTABLE, SPECIAL CELL/SOUTHERN RANGE, PUSHP VIHAR (SAKET), NEW DELHI., NCT OF DELHI, 110017

68. SHRI HARI RAM, CONSTABLE (EXE), (NOW HEAD CONSTABLE ADHOC), 3RD BN. DAP, ARMED POLICE, VIKASPURI, POLICE LINES, NEW DELHI., NCT OF DELHI, 110018

69. SHRI VINOD KUMAR, CONSTABLE (EXE), (NOW HEAD CONSTABLE ADHOC), MAPPING SECTION/CRIME BRANCH, DELHI, NCT OF DELHI, 110006

70. SHRI PRABODH BHUTO SHIRWAIKER, DY. SUPERINTENDENT OF POLICE, TRAFFIC - SOUTH, MARGAO, GOA, 403601

71. SHRI RAVINDRA DATTA DESSAI, POLICE INSPECTOR, CURCHOREM, GOA, 403706

72. DR. ARCHANA SHIVAHARE, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, COMPUTER CUM STATE CR, OFFICE OF THE IGP, SCRB, GUJARAT, GUJARAT, 382010

73. SHRI JASHVANTKUMAR RAMJIBHAI MOTHALIYA, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, BORDER RANGE, BHUJ, OFFICE OF THE IGP, BORDERRANGE, BHUJ. DISTRICT-KUTCH, GUJARAT, 370001

74. SHRI RAMESH KUMAR KANTILAL PATEL, DY.S.P, HEAD QUARTER, GUJARAT, 385001

75. SHRI RAJENDRASINH RANJITSINH SARVAIYA, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, DETECTION OF CRIME BRANCH, NR. CHOWKBAZAR SURAT CITY, GUJARAT, 395001

76. SHRI BHARATKUMAR DOLATRAY MALI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, I.G. OF POLICE, COMMANDO TRAINING CENTER, KHALAL, GUJARAT, 387610

77. SHRI VIKRAMKUMAR RAMJIBHAI ULVA, ARMED DY. S.P., OFFICE OF THE COMMANDANT SRPF,GR.XII, GANDHINAGAR, GUJARAT, 382028

78. SHRI RAJESH KUMAR LILABHAI BARAD, DY.S.P., CHETAK COMMANDO FORCE, UNIT-3, GANDHINAGAR, GUJARAT, 382030

79. SHRI KIRANKUMAR PREMJIBHAI PATEL, DY.S.P., S.R.P.F. GROUP-14, KALGAM, DIST- VALSAD, GUJARAT, 396140

80. SHRI KUMODCHANDRA RAMBHAI PATEL, WIRELESS POLICE INSPECTOR, OFFICE OF THE COMMANDANT S.R.P.F. GR.18, DISTT. NARMADA BATTALION, KEVADIYA COLONY, GUJARAT, 393151

81. SHRI HITENDRASINH MADHUBHA GADHAVI, UNARMED POLICE INSPECTOR, NAXALVAD BRANCH OFFICE OF THE IGP INTELLIGENCE GANDHINAGAR, GUJARAT, 382010

82. SHRI JITENDRAKUMAR VITTHALBHAI PATEL, UN ARMED ASSIST. SUB INSPECTOR, ATHWA POLICE STATION, SURAT CITY, GUJARAT, 395001

83. SHRI BALVANTBHAI LAGHARBHAI GOHEL, UNARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, CRIME BRANCH, GYEKWAD HAVELI, RAIKHAD, AHMEDABAD, GUJARAT, 380001

84. SHRI DHARMENDRASINH SONSINH CHAUHAN, UNARMED ASSISTANT POLICE SUB INSPECTOR, S.P.PATAN, TALUKA POLICE STAION, GUJARAT, 384265

85. SHRI HIMATSING BHURABHAI BAMANIYA, UNARMED POLICE HEAD CONSTABLE, JOINT COMMISSIONER OF POLICE, CRIME BRANCH, AHMEDABAD, GUJARAT, 380001

86. SHRI YOGENDRASINH NARENDRASINH KOSADA, HEAD CONSTABLE, DECATION OF CRIME BRANCH, DCB POLICE STATION, NR. CHOWKBAZAR SURAT CITY, GUJARAT, 395001

87. SHRI KIRITKUMAR DAHYALAL JAYSWAL, ARMED ASSISTANT SUB INSPECTOR, OFFICE OF THE COMMANDANT SRPF GR-III, MADANA, B.K, GUJARAT, 385510

88. SHRI NARANBHAI KARSHANBHAI PAMAPANIYA, UNARMED POLICE CONSTABLE, LCB, OFFICE OF THE SUPTD. OF POLICE, RAJKOT RURAL, RAJKOT, GUJARAT, 360005

89. SHRI ANGREJ SINGH, DSP HEADQUARTER, NARNAUL, HARYANA, 123001

90. SHRI ARUN DESWAL, SUB INSPECTOR, 5TH BN. HAP, MADHUBAN, HARYANA, 132037

91. SHRI SURESH KUMAR, SUB INSPECTOR, ROHTAK, HARYANA, 124001

92. SMT. KULWINDER KAUR, LADY SUB INSPECTOR, STATE CRIME BRANCH PANCHKULA, HARYANA, 134109

93. SHRI HARDEV SINGH, E SUB INSPECTOR, PHQ PANCHKULA, HARYANA, 134109

94. SHRI JOGINDER SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, HPUS PANCHKULA, HARYANA, 134109

95. SHRI AMIT KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, STATE VIGILANCE BUREAU PANCHKULA, HARYANA, 134109

96. SHRI PARVEEN KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, CHARKHI DADRI, HARYANA, 127306

97. SHRI DEEPAK KUMAR, ASSISTANT SUB INSPECTOR, KARNAL, HARYANA, 132001

98. SHRI DIDAR SINGH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA, 134109

99. SHRI HARISH KUMAR, SUB INSPECTOR, PANCHKULA, HARYANA, 134109

100. SHRI JOGINDER SINGH, E SUB INSPECTOR, AMBALA, HARYANA, 134003

101. SHRI OMAPATI JAMWAL, SUPERINTENDENT OF POLICE, SV AND ACB SHIMLA, HIMACHAL PRADESH, 171002

102. SHRI BHAGAT SINGH THAKUR, SUPERINTENDENT OF POLICE, PHQ SHIMLA, HIMACHAL PRADESH, 171002

103. SHRI SAT PAL, SUB INSPECTOR, HPPTC DAROH DISTT KANGRA, HIMACHAL PRADESH, 176092

104. SHRI RAJINDER KUMAR, HONORARY HEAD CONSTABLE, 1ST HPAP BN JUNGA DISTT SHIMLA, HIMACHAL PRADESH, 171218

105. SHRI SHAKTI KUMAR PATHAK, SSP DIRECTOR, SSF JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001

106. SHRI JAVID AHMAD KOUL, SSP, TRAFFIC CITY KASHMIR, JAMMU AND KASHMIR, 190001

107. SHRI SHAHID MEHRAJ RATHER, SSP, PCR SRIANGAR, JAMMU AND KASHMIR, 190009

108. DR. AJEET SINGH, SSP, CID CELL NEW DELHI, JAMMU AND KASHMIR, 110001

109. SHRI ALTAF AHMAD KHAN, SSP, CID CIK SRINAGAR, JAMMU AND KASHMIR, 192101

110. SHRI RAJESHWAR SINGH, SSP AIG PERSONNEL, POLICE HEADQUARTER JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001

111. SHRI SANDEEP WAZIR, SSP, ACB JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001

112. SMT. ANITA SHARMA, SSP, IRP 14 BN CHANNI HIMMAT JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180015

113. SHRI BAQAR SAMOON, SSP COMMANDANT, IR 20TH BN, JAMMU AND KASHMIR, 193121

114. SHRI RAJESH KUMAR SHARMA, SSP, SAMBA, JAMMU AND KASHMIR, 184121

115. SHRI SHAMSHEER HUSSAIN, SSP, APC PULWAMA, JAMMU AND KASHMIR, 190021

116. SHRI KHALIL AHMAD POSWAL, SSP, GANDERBAL, JAMMU AND KASHMIR, 191201

117. SHRI SUNMATI GUPTA, DY SUPERINTENDENT OF POLICE, SKPA UDHAMPUR, JAMMU AND KASHMIR, 182104

118. SHRI RISHI KUMAR, SUB INSPECTOR, SKPA UDHAMPUR, JAMMU AND KASHMIR, 182104

119. SHRI MANZOOR AHMAD RATHER, SUB INSPECTOR MINISTERIAL, ZPHQ KASHMIR, JAMMU AND KASHMIR, 190001

120. SHRI PARSHOTAM DASS SHARMA, HEAD CONSTABLE, SECURITY JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001

121. SHRI GULZAR AHMED, HEAD CONSTABLE, CRIME BRANCH JAMMU, JAMMU AND KASHMIR, 180001

122. SHRI SAKET KUMAR SINGH, INSPECTOR GENERAL OF POLICE (OPERATION), RANCHI, JHARKHAND, 834004

123. SHRI KAILASH PRASAD, HAVILDAR, IRB-05, GUMLA, JHARKHAND, 834004

124. SHRI SATYENDRA NATH, DRIVER HAVILDAR, STF, RANCHI, JHARKHAND, 835222

125. SHRI RAM JANAM PRASAD, TECH. CONSTABLE 92, JAPTC, PADMA, JHARKHAND, 825411

126. SHRI TIL PRASAD JAISHI, HAVILDAR 322, JAP 01, RANCHI, JHARKHAND, 834002

127. SHRI MANOJ KUMAR DAS, ASI, BOKARO, JHARKHAND, 827004

128. SHRI SUNIL KUMAR RAI, ASI, LATEHAR, JHARKHAND, 822119

129. SHRI NANDJEE YADAV, HAVILDAR, STF, RANCHI, JHARKHAND, 835222

130. DR. SUBRAMANYESWARA RAO AYYANKI, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, INSPECTOR GENERAL OF POLICE STATE INTELLIGENCE BENGALURU, KARNATAKA, 560001

131. SHRI BABSAB SHIVAGOUDA NEMAGOUD, SUPERINTENDENT OF POLICE, ANTI CORRUPTION BUREAU NORTHERN RANGE BELAGAVI, KARNATAKA, 590001

132. SHRI BASAVANNAPPA RAMACHANDRA, DY SUPERINTENDENT OF POLICE, FINANCIAL INTELLIGENCE UNIT CID PALACE ROAD BENGALURU, KARNATAKA, 560001

133. SHRI ASHOKA D, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, BANGALORE RAILWAY SUB DIVISION, KARNATAKA, 560023

134. SHRI C BALA KRISHNA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL TASK FORCE BANGALORE DEVELOPMENT AUTHORITY BANGALORE, KARNATAKA, 560020

135. SHRI VASUDEV VK, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, CRIME BRANCH STATE POLICE HEADQUARTERSNRUPATHUNGA ROADBENGALURU, KARNATAKA, 560001

136. SHRI BALACHANDRA NAIK, CIRCLE INSPECTOR OF POLICE, CHITRADURGA RURAL CIRCLE CHITRADURGA, KARNATAKA, 577501

137. SHRI HONNAGANGAIAH ESWRAIAH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, INTELLIGENCE BENGALURU, KARNATAKA, 560001

138. SHRI PRAKASH, ASSISTANT SUB INSPECTOR, DCRB UDUPI DIST, KARNATAKA, 576101

139. SHRI BASAVAIAH PUTTASWAMY, POLICE INSPECTOR, WOMEN POLICE STATION CHAMARAJANAGAR DISTRICT, KARNATAKA, 571313

140. SHRI VENKATESH, SPECIAL ASST RESERVE SUB INSPECTOR, 3RD BETTALIAN KSRP BENGALURU, KARNATAKA, 560034

141. SHRI MOHANRAJU KURUDAGI, SPECIAL ASST RESERVE SUB INSPECTOR, 4TH BN KSRP BENGALURU, KARNATAKA, 560034

142. SHRI VENKATASWAMY CHINNAPPA, SPECIAL ASST RESERVE SUB INSPECTOR, 4TH BATTALION KSRP BENGALURU, KARNATAKA, 560034

143. SHRI SHASHIKUMAR, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, INTELLIGENCE BENGALURU, KARNATAKA, 560001

144. SHRI JEETHENDRA KUDUKADI RADHAKRISHNA RAI, ASSISTANT RESERVE SUB INSPECTOR, DAR KODAGU, KARNATAKA, 571201

145. SHRI RAMACHANDRA LOKESH, ARMED HEAD CONSTABLE, DAR MYSURU, KARNATAKA, 560019

146. SHRI USMAN SAB, CIVIL HEAD CONSTABLE, THIPATURU TOWN POLICE STATEION TUMAKURU DIST, KARNATAKA, 572201

147. SHRI SATHEESH KEMPAIAH VENKATAPPA, HEAD CONSTABLE, CID CARLTON HOUSE BENGALURU, KARNATAKA, 560001

148. SHRI PRAKASH SHETTY, RESERVE HEAD CONSTABLE, KSRP 7TH BN MANGALURU, KARNATAKA, 574199

149. SMT. HARSHITA ATTALURI, INSPECTOR GENERAL, SOUTH ZONE, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695003

150. SHRI JOHNKUTTY K L, SUPERINTENDENT OF POLICE, POLICE TRAINING COLLEGE, THIRUVANANTHAPURAM, KERALA, 695014

151. SHRI RAJESH N, SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE OFFICER K P S C PATTOM, TVPM, KERALA, 695004

152. SHRI AJITH KUMAR B, DEPUTY COMMANDANT, M S P MALAPPURAM, KERALA, 676505

153. SHRI ABDUL RAZACK K P, ADDITIONAL DEPUTY COMMISSIONER, KOZHIKODE, KERALA, 673001

154. SHRI K HARISCHANDRA NAIK, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL MOBILE SQUAD POLICE STATION KASARAGOD, KERALA, 671124

155. SHRI S MANJULAL, INSPECTOR, KARUNAGAPALLY KOLLAM, KERALA, 690526

156. SHRI NAZAR K, SUB INSPECTOR (GR), VAIKOM PS KOTTAYAM, KERALA, 686141

157. SMT. VALSALA K, SENIOR CIVIL POLICE OFFICER, DHQ MALAPPURAM, KERALA, 676506

158. SMT. MONIKA SHUKLA, SUPERINTENDENT OF POLICE, RAISEN, MADHYA PRADESH, 464551

159. SHRI MANOJ KUMAR SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, BHIND, MADHYA PRADESH, 477001

160. SHRI RAJENDRA KUMAR VERMA, SUPERINTENDENT OF POLICE, SPE, LOKAYUKTA OFFICE, REWA DIVISION, MADHYA PRADESH, 486001

161. SHRI SABYASACHI SARAF, SUPERINTENDENT OF POLICE, SPE, LOKAYUKTA OFFICE, INDORE, MADHYA PRADESH, 452007

162. SHRI JAGDISH SINGH DAWAR, ASP, DEWAS, MADHYA PRADESH, 455001

163. SHRI AMIT SAXENA, ZONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL BRANCH, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462002

164. SHRI JITENDRA SINGH, SUPERINTENDENT OF POLICE, CYBER CELL, INDORE, MADHYA PRADESH, 452001

165. DR. LAXMI KUSHWAH, DSP, TRAINING, PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008

166. SHRI SURENDRAPAL SINGH RATHORE, DSP, TRAFFIC, UJJAIN, MADHYA PRADESH, 456010

167. SMT. ALKA SHUKLA, DSP, SB PHQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008

168. SMT. SANGEETA JOSHI, INSPECTOR, PTC INDORE, MADHYA PRADESH, 452020

169. SHRI SUDHIR KUMAR SHRIVAS, INSPECTOR(M), EOW, HQ, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462011

170. SHRI JAGAT SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, 23RD BN SAF, BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462003

171. SHRI VISHWANATH SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, 17TH BN SAF, BHIND, MADHYA PRADESH, 477105

172. SHRI RAJENDRA PRASAD LOAT, SUB INSPECTOR, RAPTC, INDORE, MADHYA PRADESH, 452005

173. SHRI PRAKASH SURYAWANSHI, SUB INSPECTOR(RADIO), PRTS, INDORE, MADHYA PRADESH, 452005

174. SHRI SANTOSH KUMAR PATEL, ASI(MT), BHOPAL, MADHYA PRADESH, 462008

175. DR. RAVINDRA ANANT SHISVE, JT. COMMR. OF POLICE, SADHU VASWANI ROAD, PUNE, MAHARASHTRA, 411001

176. SHRI PRAVINKUMAR CHUDAMAN PATIL, DY. COMMISSIONER OF POLICE, CRIME BRANCH, NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA, 400614

177. SHRI VASANT UTTAMRAO JADHAV, SUPTD. OF POLICE, BHANDARA, MAHARASHTRA, 441904

178. SMT. KALPANA YASHWANT GADEKAR, ASTT. COMMISSIONER OF POLICE, ANTI TERRORISM SQUAD, CYBER, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400008

179. SMT. SANGEETA LIONAL SHINDE-ALPHONSO, DY. SUPTD. OF POLICE, DISTRICT CAST CERTIFICATE VERIFICATION COMMITTEE, THANE, MAHARASHTRA, 400614

180. SHRI DINKAR NAMDEO MOHITE, POLICE INSPECTOR, C.B.D. BELAPUR POLICE STATION NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA, 400614

181. SHRI MEGHSHAM DADA DANGE, POLICE INSPECTOR, AKKALKUWA POLICE STATION, NANDURBAR, MAHARASHTRA, 425415

182. SHRI MILIND MANOHAR DESAI, POLICE INSPECTER, SCHEDULED TRIBE CERTIFICATE SCRUTINY COMMITTEE, AURANGABAD, MAHARASHTRA, 431003

183. SHRI VIJAY CHINTAMAN DOLAS, POLICE INSPECTOR, NIJAMPURA POLICE STATION, THANE CITY, MAHARASHTRA, 421302

184. SHRI RAVINDRA RANGNATH DAUNDKAR, POLICE INSPECTOR, VASHI POLICE STATION NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA, 400703

185. SHRI TANAJI DIGAMBAR SAWANT, POLICE INSPECTOR, LOCAL CRIME BRANCH, KOLHAPUR, MAHARASHTRA, 416003

186. SHRI MANISH MADHUKAR THAKARE, POLICE INSPECTOR, GADGENAGAR POLICE STATION, AMRAVATI CITY, MAHARASHTRA, 444600

187. SHRI RAJU BHAGUJI BIDKAR, POLICE INSPECTOR, DR. D.B.MARG POLICE STATION MUMBAI, MAHARASHTRA, 400007

188. SHRI AJAY RAMDAS JOSHI, POLICE INSPECTOR, CRIME BRANCH ANDHERI, MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400069

189. SHRI PRAMOD BHAU SAWANT, POLICE INSPECTOR, TECHNOLOGY CELL MUMBAI CITY, MAHARASHTRA, 400001

190. SHRI BHAGWAN MARIBA DHABADGE, POLICE INSPECTOR, DAGLOOR POLICE STATION, NANDED, MAHARASHTRA, 431717

191. SHRI RAMESH MUGATRAO KADAM, POLICE SUB INSPECTOR, ANTI EXTORTION CELL, THANE CITY, MAHARASHTRA, 400601

192. SHRI RAJESH BABULAL NAGRURKAR, RESERVE POLICE SUB INSPECTOR, POLICE HEAD QUARTER BULDHANA, MAHARASHTRA, 443001

193. SHRI SURYAKANAT KRISHNA BOLADE, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, RAILWAY POLICE HEAD QUARTER, PANT NAGAR, GHATKOPAR, MAHARASHTRA, 400075

194. SHRI LILESHWAR GAJANAN WARHADMARE, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, DSB (CHANDRAPUR), MAHARASHTRA, 442401

195. SHRI BHARAT DNYANDEO NALE, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, TRAFFIC BRANCH SATARA, MAHARASHTRA, 412001

196. SHRI HEMANT NAGESH RANE, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, SHIV POLICE STATION, MATUNGA, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400019

197. SHRI RAMDAS BAJIRAO GADEKAR, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, POLICE STATION, MIDC WALUJ, AURANGABAD CITY, MAHARASHTRA, 431001

198. SHRI HEMANT KASHINATH PATIL, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, READER BRANCH, S.P. RAIGAD, MAHARASHTRA, 402201

199. SHRI ASHOK KAMLAKAR MANGLEKAR, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, READER BRANCH, AMRAVATI CITY, MAHARASHTRA, 444602

200. SHRI JEEVAN HINDURAO JADHAV, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, C.I.U. BRANCH, COMMISSIONER OF POLICE, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400001

201. SHRI RAJENDRA RAMAKANT MANDE, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, D.S.B. BASE, KARJAT, DIST-RAIGAD, MAHARASHTRA, 410201

202. SHRI VIJAY NAMDEVRAO BORIKAR, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, POLICE HEAD QUARTER, CHANDRAPUR, MAHARASHTRA, 442401

203. SHRI PURUSHOTTAM SHESHRAOJI BARAD, ASST. POLICE SUB INSPECTOR POLICE HQ COMMISSIONER, AMRAVATI, MAHARASHTRA, 444602

204. SHRI UDAYKUMAR RAGHUNATH PALANDE, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH, UNIT-4, ULHASNAGAR, THANE CITY, MAHARASHTRA, 421001

205. SHRI THOMAS KARLOS DSOUZA, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, HEAD QUARTER, THANE, MAHARASHTRA, 400601

206. SHRI PRAKASH BABURAO CHOUGULE, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH, RAILWAY, MUMBAI, MAHARASHTRA, 400028

207. SHRI SURESH SHIVRAM MORE, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH, THANE CITY, MAHARASHTRA, 400601

208. SHRI SANJAY PUNDLIK SATAM, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, B.D.D.S., SINDHUDURG, MAHARASHTRA, 416812

209. SHRI SHAKIR GOUSMOHIDDIN JINEDI, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, HEAD QUARTER, PIMPRI-CHINCHWAD, MAHARASHTRA, 411019

210. SHRI SANJAY RAMCHANDRA PAWAR, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH, NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA, 400614

211. SHRI SHARADAPRASAD RAMAKANT MISHRA, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, POLICE STATION AMBAZARI, NAGPUR CITY, MAHARASHTRA, 440001

212. SHRI PRAKASH DNYANESHWAR ANDIL, ASST. POLICE SUB INSPECTOR, S.R.P.F. GR-3, JALNA, MAHARASHTRA, 431203

213. SHRI JAYARAM BAJIRAO DHANWAI, INTELLIGENCE OFFICER, STATE INTELLIGENCE DEPARTMENT, SID, AURANGABAD, MAHARASHTRA, 431001

214. SHRI RAJU IRPA USENDI, INTELLIGENCE OFFICER, STATE INTELLIGENCE DEPARTMENT, SID, SIRONCHA, MAHARASHTRA, 442504

215. SHRI DIGREATHSON G MOMIN, ASSTT. COMMANDANT, 2ND MLP BN. GOERAGRE, MEGHALAYA, 794002

216. SHRI MADALU RAM, AB- INSPECTOR, 4TH MLP(2ND IRBN) SOHPIAN, NONGSTOIN (I/C TRG. BRANCH), MEGHALAYA, 793119

217. SHRI CLIFFHILBERTH B SANGMA, ASSISTANT SUB-INSPECTOR, O/O. CO. 5TH MLP BN, SAMGONG, WILLIAMNAGAR, MEGHALAYA, 794111

218. SHRI ZARZOKIMA, SHO, AIZAWL POLICE STATION, MIZORAM, 796001

219. SHRI F VANLALKIMA, INSPECTOR, MIZORAM POLICE CENTRAL ARMOURY, PHQ, MIZORAM, 796001

220. SHRI F LALHMINGLIANA, ASSISTANT COMMANDANT, 3RD IR. BN., MIZORAM, 784125

221. SHRI RHOVISIE NYUWI, COMMANDANT 12TH NAP IR BATTALION, CHINGTOK LONGLENG, NAGALAND, 798625

222. SHRI VIPIN YHOSHU, INSPECTOR, DEF MOKOKCHUNG, NAGALAND, 798601

223. SHRI S PRAVEEN KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, LAW AND ORDER, BAXI BAZAR, CUTTACK, ODISHA, 753001

224. SHRI RABINDRA KUMAR DAS, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SPECIAL BRANC, ROURKELA, ODISHA, 769001

225. SHRI BHABANI SHANKAR MISHRA, ADDITIONAL SUPERINTENDENT OF POLICE, SIW, BHUBANES, UNIT-V, BHUBANESWAR, ODISHA, 751001

226. SHRI ASHOK KUMAR DEHURY, DEPUTY COMMANDANT, BIJU PATNAIK STATE POLICE ACAD, BHUBANESWAR, ODISHA, 751019

227. SHRI PRAKASH CHANDRA PAL, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, ACP ZONE-VI, BHUBANESWAR, ODISHA, 751016

228. SHRI MANORANJAN SATPATHY, ASSISTANT SUB INSPECTOR, VIGILANCE DIRECTORATE CUTTACK, ODISHA, 753001

229. SHRI SAROJ KUMAR BHOI, CRIME HAVILDAR, SUNDERGARH, ODISHA, 769004

230. SHRI SEIKH NASSSIRUDDIN, DRIVER HAVILDAR, VIGILANCE DIRECTORATE, CUTTACK, ODISHA, 753001

231. SHRI GOUTAM PATRA, CONSTABLE, SUNABEDA, KORAPUT, ODISHA, 763001

232. SHRI HEMANTA BAHADUR KHATRY CHHETRY, SUBEDAR, OSAP 2ND BATALLION, JHARSUGUDA, ODISHA, 768204

233. SHRI BUDDA TAMANG, DEPUTY COMMANDANT, SOG, BHUBANESWAR, ODISHA, 751024

234. SHRI RAKESH AGRAWAL, IGP, COMMISSIONER OF POLICE, LUDHIANA, PUNJAB, 141007

235. SHRI RUPINDER SINGH, SSP, VIGILANCE BUREAU, LUDHIANA RANGE, LUDHIANA., PUNJAB, 141001

236. SHRI SUKHMINDER SINGH CHAUHAN, DSP, SD BASSI PATHANA, FATEHGARH SAHIB, PUNJAB, 140412

237. SHRI ASHOK KUMAR, DSP, PPA, PHILLAUR, PUNJAB, 144410

238. SHRI PRABHJIT KUMAR, INSPECTOR, CID HQRS., SAS NAGAR, PUNJAB, 160062

239. SHRI MANVINDERBIR SINGH, SP, HEADQUARTERS, SBS NAGAR, PUNJAB, 144514

240. SHRI SOM NATH, SUB-INSPECTOR, TRAINING CENTER, PAP, JALANDHAR, PUNJAB, 144006

241. SHRI NIRMAL SINGH, SUB-INSPECTOR, 80TH BN. PAP, JALANDHAR., PUNJAB, 144005

242. SHRI AVTAR SINGH, SI/LR, POLICE LINE, PATIALA, PUNJAB, 147001

243. SHRI SUKHJIT SINGH, SI/LR, NAIB READER TO CP, AMRITSAR, PUNJAB, 143001

244. SHRI JASPAL SINGH, ASI, CITY TRAFFIC, PATIALA., PUNJAB, 147001

245. SHRI PARMINDER KUMAR, ASI/ORP, PS SAHNEWAL, LUDHIANA, PUNJAB, 141001

246. SHRI DALJIT SINGH, ASI, PPA, PHILLAUR., PUNJAB, 144410

247. SHRI SHINDER PAL, ASI/C&R, POLICE STATION SRI CHAMKAUR SAHIB, ROPAR., PUNJAB, 140112

248. SHRI ANIL KUMAR, ASI/LR, CID UNIT, CHANDIGARH, PUNJAB, 160022

249. SHRI KULWANT SINGH, INSPECTOR, CONTROL ROOM, PAP, JALANDHAR, PUNJAB, 144006

250. SHRI RAVINDRA PRATAP, POLICE INSPECTOR, RESERVE POLICE LINE JAIPUR, RAJASTHAN, 302006

251. SHRI PREM CHAND, POLICE INSPECTOR, TRAFFIC, POLICE COMMISSIONERATE, JAIPUR, RAJASTHAN, 302001

252. SHRI MANOJ KUMAR RAJPUT, ASI, SPECIAL BRANCH GRP AJMER, RAJASTHAN, 302016

253. SHRI NISCHAL KUMAR, ASI, TRAFFIC JAISALMER, RAJASTHAN, 345001

254. SHRI BANNA RAM BALAI, HEAD CONSTABLE 119, FOURTH RAC JAIPUR, RAJASTHAN, 302027

255. SHRI CHETAN PRAKASH, HEAD CONSTABLE 1505, POLICE COMMISSIONERATE JAIPUR, RAJASTHAN, 300006

256. SHRI MANMADAN NAIR, CONSTABLE-, OFFICE ADGP (AB) PHQ JAIPUR, RAJASTHAN, 302015

257. SHRI RADHEY SHYAM DHOLI, SUB INSPECTOR, RAJ. POLICE ACADEMY, JAIPUR, RAJASTHAN, 302016

258. SHRI BHANWAR SINGH RAJPUT, CONSTABLE-88, POLICE TRG. SCHOOL, BIKANER, RAJASTHAN, 334001

259. SHRI POLA RAM, CONSTABLE 554, CID CB JALORE, RAJASTHAN, 373001

260. SHRI RAM SINGH MEENA, SUB INSPECTOR, CID SSB ZONE JAIPUR CITY, RAJASTHAN, 302015

261. SHRI MAHESH CHANDRA GURJAR, SUB INSPECTOR, CRIME BRANCH OFFICE OF THE DY. COMMISSIONER OF POLICE JAIPUR, RAJASTHAN, 302001

262. SHRI KAILASH, COMPANY COMMANDER, 7TH BN. RAC BHARATPUR, RAJASTHAN, 321001

263. SHRI TASHI WANGYAL, SUPERINTENDENT OF POLICE, GYALSHING, WEST DISTRICT, SIKKIM, 737111

264. SHRI ANBU T S, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, IDOL WING CID, CHENNAI, TAMIL NADU, 600032

265. SHRI KAPIL KUMAR C SARATKAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, SPECIAL INVESTIGATION DIVISION, CRIME BRANCH CID, CHENNAI., TAMIL NADU, 600008

266. SHRI SANTOSH KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, ADMINISTRATION, CHENNAI., TAMIL NADU, 600004

267. SHRI C MURALI, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, HOSUR SUB-DIVISION, KRISHNAGIRI DISTRICT., TAMIL NADU, 635115

268. SHRI K V KALAISELVAM, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI-CORRUPTION, KANCHEEPURAM, TAMIL NADU, 631502

269. SHRI M JEEVANANDAM, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, ST.THOMAS MOUNT RANGE, SOUTH ZONE, GREATER CHENNAI POLICE, TAMIL NADU, 600016

270. SHRI P S KANDASAMY, INSPECTOR OF POLICE, SECURITY BRANCH CID, CHENNAI., TAMIL NADU, 600028

271. SMT. D SUGANYA, INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI-CORRUPTION, CITY-I, CHENNAI., TAMIL NADU, 600016

272. SHRI SIVASANKARAN A, INSPECTOR OF POLICE, TAMIL NADU SPECIAL POLICE IX BATTALION, MANIMUTHAR., TAMIL NADU, 627421

273. SHRI N SRINIVASAN, SUB-INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH CID, HEADQUARTERS, CHENNAI., TAMIL NADU, 600004

274. SHRI S JOHNSON, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ARMED RESERVE, SALEM DISTRICT., TAMIL NADU, 636007

275. SHRI V RAVICHANDRAN, SPECIAL SUB-INSPECTOR OF POLICE, POLICE COMPUTER WING, STATE CRIME RECORD BUREAU, CHENNAI., TAMIL NADU, 600028

276. SHRI S STEPHEN, SPECIAL SUB-INSPECTOR OF POLICE., Q" BRANCH CID, KANNIYAKUMARI, TAMIL NADU, 629160

277. SHRI R KARUNAKARAN, HEAD CONSTABLE 48496, SPECIAL BRANCH CID, HEADQUARTERS, CHENNAI., TAMIL NADU, 600004

278. SHRI J SURESH, SUB-INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL TASK FORCE, ERODE., TAMIL NADU, 638011

279. SHRI N SIDDARTHAN, SUB-INSPECTOR OF POLICE, VIGILANCE AND ANTI CORRUPTION, HEADQUARTERS, CHENNAI, TAMIL NADU, 600016

280. SHRI P RAMESH, HEAD CONSTABLE 19696, SPECIAL BRANCH CID, HEADQUARTERS, CHENNAI, TAMIL NADU, 600004

281. SHRI RAJESH KUMAR, INSPECTOR GENERAL OF POLICE, COUNTER INTELLIGENCE CELL, INTELLIGENCE, HYDERABAD, TELANGANA, 500004

282. SHRI MOHHAMMED SHARFUDDIN SIDDIQUI, COMMANDANT I/C DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE, TSSP BATTALIONS, HYDERABAD, TELANGANA, 500033

283. SHRI KANDUKURI NARSING RAO, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, SUB DIVISIONAL POLICE OFFICER, BHAINSA SUB DIVISION, NIRMAL, TELANGANA, 504106

284. SHRI SOMAGANI SURYANARAYANA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ACB, RANGA REDDY RANGE, TELANGANA, 500001

285. SHRI T GOVARDHAN, ASST. COMMISSIONER OF POLICE, PANJAGUTTA TRAFFIC, HYDERABAD, TELANGANA, 500082

286. SHRI GUNJA RAMESH, DEPUTY ASSAULT COMMANDER/RI, OPERATIONS, GERYHOUNDS, HYDERABAD, TELANGANA, 500008

287. SHRI M UDDAV, PC, 13TH BATTALIONS, TSSP(IR) MANCHERIYAL DISTRICT, TELANGANA, 504208

288. SHRI B GOVERDHAN, SUB- INSPECTOR OF POLICE, CI, INTELLIGENCE, HYDERABAD, TELANGANA, 500004

289. SHRI KOTHAPALLY KARUNAKAR REDDY, ASST. SUB-INSPECTOR OF POLICE, CCS, LB ATTACHED TO SHE TEAM RACHAKONDA, TELANGANA, 500070

290. SHRI BATTURAJU MOHAN RAJU, ASST. RESERVE SUB-INSPECTOR, 13TH BN., TSSP (IR), MANCHERIAL, TELANGANA, 504209

291. SHRI D MOHAN REDDY, PC -983, CI CELL INTELLIGENCE, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
292. SHRI MD. NAYEEMUDDIN, PC -539, CI CELL, INTELLIGENCE, HYDERABAD, TELANGANA, 500004
293. SHRI KESHAB HARI JAMATIA, INSPECTOR, NORTH TRIPURA, TRIPURA, 799271
294. SHRI GANESH CHANDRA DEB, SI, GOMATI, TRIPURA, 799120
295. SHRI PARIMAL DAS, ASI, AGARTALA, TRIPURA, 799001
296. SHRI HARIPADA BHAUMIK, ASI, KALAMCHOWRA, TRIPURA, 799102
297. SHRI KRIPAMOY CHAKMA, ASI, GOMATI, TRIPURA, 799104
298. SHRI SIDDHARTHA SANKAR KAR, INSPECTOR, AMTALI, TRIPURA, 799001
299. SMT. BHARTI SINGH, COMDT. PAC 41ST BN, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201010
300. SHRI SAUMITRA YADAV, SP RAILWAYS, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001
301. SHRI MAHENDRA YADAV, SP TRAINING, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226002
302. SHRI RAJESH DWIVEDI, ADDL. SP, INT. H.Q.R.S, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 244221
303. SHRI SHASHIKANT, SO TO ADG ZONE, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 244221
304. SHRI RAM SEWAK GAUTAM, ADDL. SP, BARABANKI, UTTAR PRADESH, 225001
305. SHRI AWADHESH SINGH, ADDL. SP, JALAUN, UTTAR PRADESH, 244221
306. SHRI HARDAYAL SINGH, ADDL. S.P., VIG (HQRS) LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 244221
307. SHRI ASHOK KUMAR PANDEY, DY.S.P., RAMPUR, UTTAR PRADESH, 244901
308. SHRI PARMANAND PANDEY, DY.S.P., SHAHJAHANPUR, UTTAR PRADESH, 0
309. SHRI SURESH KUMAR, DY.S.P., BULANDSHAHAR, UTTAR PRADESH, 0
310. SMT. ANJUL GANGWAR, S.R.O., MEERUT ZONE, UTTAR PRADESH, 0
311. SHRI RAVINDRA SINGH, S.R.O., TRAINING RHQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 0
312. SHRI VINOD KUMAR SINGH, ADDL. S.R.O., PRAYAGRAJ, UTTAR PRADESH,
313. SHRI RAJ KUMAR, INSPECTOR CA, GHAZIYABAD, UTTAR PRADESH, 201001
314. SHRI KAMAL SINGH RAJVAR, INSPETOR CA, TECHNICAL SERVICES LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226002
315. SHRI SAY MOHAMMAD ALI, INSPECTOR CA, FSHQ LKW, UTTAR PRADESH, 226002
316. SHRI LALLAN PRASAD SAHU, INSPECTOR CA, CKT RANGE OFFICE, UTTAR PRADESH, 210001
317. SHRI HRIDAY SHANKAR UPADHYAY, INSPECTOR CA, DISTT. BUDAUN, UTTAR PRADESH, 243601
318. SHRI DEVDUTT, SI(CA), VIGILANCE VRANASI, UTTAR PRADESH, 221001
319. SHRI NAGENDRA MISHRA, INSPECTOR MT, UP 112 VARANASI, UTTAR PRADESH, 221002
320. SHRI ASHOK KUMAR, INSPECTOR, ETAH, UTTAR PRADESH, 207001
321. SHRI SHIV SHANKAR TRIPATHI, SUB INSPECTOR, INT HQRS LKW, UTTAR PRADESH, 226001
322. SHRI SHIV KUAMR TRIPATHI, SUB INSPECTOR LIU, CKT, UTTAR PRADESH, 210205
323. SHRI SURESH KUMAR, SUB INSPECTOR, SAHARANPUR, UTTAR PRADESH, 247001
324. SHRI JAGANNATH SINGH, SUB INSPECTOR, INT HQRS LKW, UTTAR PRADESH, 226002
325. SHRI GOVIND SINGH YADAV, SUB INSPECTOR AP, WOMEN POWER LINE LKW, UTTAR PRADESH, 226001
326. SHRI LALLAN SINGH, SUB INSPECTOR RADIO, UNNAO, UTTAR PRADESH, 226001
327. SHRI SUBHASH CHAND, SUB INSPECTOR, KANPURNAGAR, UTTAR PRADESH, 208002
328. SHRI SHER BAHADUR SINGH, SUB INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226001
329. SHRI RAJ MANGAL SINGH, SUB INSPECTOR, COMMISSIONARATE, LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226006

330. SHRI MURLIDHAR, SUB INSPECTOR, INT HQRS LKW, UTTAR PRADESH, 226001

331. SHRI RAKESH KUMAR SHARMA, SUB INSPECTOR, MORADABAD, UTTAR PRADESH, 284008

332. SHRI SURENDRA KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR AP, TECHNICAL SERVICES LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226002

333. SHRI SHISHUPAL SINGH, PLATOON COMMANDER, 38BN PAC, UTTAR PRADESH, 202001

334. SHRI RAMESH BABU SINGH, PLATOON COMMANDER, 04BN PAC PRJ, UTTAR PRADESH, 211011

335. SHRI MO FAIZ KURAISHI, PLATOON COMMANDER, 08BN PAC, UTTAR PRADESH, 243123

336. SHRI PRAMOD KUMAR SINGH, SUB INSPECTOR, BHADOHI, UTTAR PRADESH, 221304

337. SHRI RAVIKANT MANI, SUB INSPECTOR, SIDDHARTHNAGAR, UTTAR PRADESH, 272207

338. SHRI RAJENDRA KUMAR, SUB INSPECTOR, INT HQ LKW, UTTAR PRADESH, 226001

339. SHRI VIGYAN SWAROOP MISHRA, SUB INSPECTOR, MORADABAD, UTTAR PRADESH, 284008

340. SHRI ANAND PAL SINGH, SUB INSPECTOR, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201001

341. SHRI KANTA PRASAD, PLATOON COMMANDER, 39BN PAC, UTTAR PRADESH, 231001

342. SHRI SANT KUMAR DUBE, SUB INSPECTOR, SECURITY HQRS LKW, UTTAR PRADESH, 226007

343. SHRI RAJARAM, SUB INSPECTOR, CHANDAULI, UTTAR PRADESH, 232104

344. SHRI RAKSHAPAL SINGH, SUB INSPECTOR MT, MEERUT, UTTAR PRADESH, 250004

345. SHRI UMAKANT TIWARI, SUB INSPECTOR, BIJNOR, UTTAR PRADESH, 246701

346. SHRI RIZWAN AHAMAD ZAFRI, SUB INSPECTOR, BANDA, UTTAR PRADESH, 211001

347. SHRI YAHIYA KHAN, HEAD CONSTABLE, SECURITY HQRS, UTTAR PRADESH, 226007

348. SHRI AJAB SINGH, HEAD CONSTABLE, 15BN PAC, UTTAR PRADESH, 282001

349. SHRI LALLAN RAM, HEAD CONSTABLE, JAUNPUR, UTTAR PRADESH, 222002

350. SHRI PADAM SINGH, HEAD CONSTABLE AP, ACO LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226002

351. SHRI JAGDISH SINGH, HEAD CONSTABLE DRIVER, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201013

352. SHRI RAMJI LAL, HEAD CONSTABLE, 41BN PAC, UTTAR PRADESH, 201010

353. SHRI GAURI SHANKAR SINGH, HEAD CONSTABLE DRIVER, PHQ LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226010

354. SHRI NIRBHAY KUMAR MISHRA, HEAD CONSTABLE, 34BN PAC, UTTAR PRADESH, 221108

355. SHRI ASHOK KUMAR SINGH, HEAD CONSTABLE, KHERI, UTTAR PRADESH, 262701

356. SHRI DAYA RAM YADAV, HEAD CONSTABLE, COMISSIONARATE LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226020

357. SHRI MISHRI LAL, HEAD CONSTABLE, GORAKHPUR, UTTAR PRADESH, 273001

358. SHRI NAIPAL SINGH, HEAD CONSTABLE DRIVER, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH, 201013

359. SHRI RAM KARAN YADAV, HEAD CONSTABLE, 04BN PAC PRJ, UTTAR PRADESH, 211011

360. SHRI ALTAF AHAMAD, HEAD CONSTABLE, DGP HQRS LUKNOW, UTTAR PRADESH, 226010

361. SHRI RAJENDRA PRASAD SINGH YADAV, HEAD CONSTABLE, UP 112 JAUNPUR, UTTAR PRADESH, 222002

362. SHRI GOPAL JI RAI, HEAD CONSTABLE, 32BN PAC, UTTAR PRADESH, 226023

363. SHRI SHRINATH YADAV, HEAD CONSTABLE, ATS UP, UTTAR PRADESH, 226008

364. SHRI BALKARAN SINGH, HEAD CONSTABLE DRIVER, MIRZAPUR, UTTAR PRADESH, 231312

365. SHRI RAKENDRA BAHADUR SINGH, HEAD CONSTABLE, BHARTI BOARD LUCKNOW, UTTAR PRADESH, 226001

366. SHRI ASHOK KUMAR, INSPECTOR, AMROHA, UTTAR PRADESH, 244221

367. SHRI DAYA CHAND SHARMA, INSPECTOR, BAREILLY, UTTAR PRADESH, 243001

368. SHRI SURESH KUMAR SHARMA, RESERVE INSPECTOR, AGRA, UTTAR PRADESH, 282001

369. SHRI MO ASLAM, INSPECTOR, VIGILANCE AGRA, UTTAR PRADESH, 282001

370. SHRI ARUN KUMAR TRIPATHI, COMPANY COMMANDER, 37BN PAC KANPUR, UTTAR PRADESH, 208015

371. SHRI SUKHBEER SINGH, COMMANDANT, FORTH SIX BN PAC RUDRAPUR, UTTARAKHAND, 263153

372. SHRI MUKESH KUMAR, SP, AIG P&M POLICE HQRS DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248001

373. SHRI UMESH CHANDRA JOSHI, ADDL SP POLICE TELECOM, POLICE TELECOM TRAINING CENTER DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248001

374. SHRI PANKAJ KUMAR UPRETI, DY SP, VIGILANCE SECTOR HALDWANI, UTTARAKHAND, 263139

375. SHRI DEVENDRA SINGH, SUB INSPECTOR VS, POLICE HQRS DEHRADUN, UTTARAKHAND, 248001

376. SMT. NEELOO SHERPA (CHAKRABORTY), JOINT COMMISSIONER OF POLICE (ORGANISATION), KOLKATA POLICE HEADQUARTERS, LALBAZAR, WEST BENGAL, 700001

377. SHRI RAGHU NATH BHADURI, ASSISTANT COMMISSIONER OF POLICE, TRAFFIC DEPARTMENT, 18, LALBAZAR STREET, KOLKATA, WEST BENGAL, 700001

378. SHRI KAUSHIK KUMAR DAS, INSPECTOR OF POLICE, HEADQUARTERS FORCE, 18, LALBAZAR STREET, KOLKATA, WEST BENGAL, 700001

379. SHRI SANDIP DUTTA, SUPERVISOR (TECHNICAL), GRADE-I, POLICE HEADQUARTERS, TELECOMMUNICATION, 3 MANIK BANDOPADHYAY SARANI, KOLKATA, WEST BENGAL, 700040

380. SHRI UDAY SANKAR GHOSH, INSPECTOR-IN-CHARGE, MURSHIDABAD POLICE STATION, WEST BENGAL, WEST BENGAL, 742149

381. SHRI TARAK SANKAR BHATTACHARYA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, HEADQUARTERS, RANAGHAT POLICE DISTRICT, KALYANI, NAIDA, WEST BENGAL, 741235

382. SHRI MAHADEB KUNDU, SUB-INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH, KOLKATA, WEST BENGAL, 700071

383. SHRI PRABIR BANERJEE, ASSISTANT SUB-INSPECTOR OF POLICE, SPECIAL BRANCH, KOLKATA, WEST BENGAL, 700071

384. SHRI MANICK CHANDRA PATRA, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, ENFORCEMENT BRANCH, BHABANI BHAWAN, ALIPORE, KOLKATA, WEST BENGAL, 700027

385. SHRI MANAS BAIDYA, CONSTABLE, HEADQUARTERS FORCE, 18, LALBAZAR STREET, KOLKATA, WEST BENGAL, 700001

386. SHRI SANKAR GHOSH DASTIDAR, SUB INSPECTOR OF POLICE, BIDHANNAGAR POLICE COMMISSIONERATE, SALT LAKE, WEST BENGAL, 700106

387. SHRI BABAR ALI, SUB INSPECTOR OF POLICE, ENFORCEMENT BRANCH, BHABANI BHAWAN, ALIPORE, KOLKATA, WEST BENGAL, 700027

388. SHRI SANTANU BISWAS, SUB INSPECTOR OF POLICE, DIGHA POLICE STATION, PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL, 721428

389. SHRI TARAK MONDAL, SUB INSPECTOR OF POLICE (ARMED BRANCH), DEPUTY INSPECTOR GENERAL OF POLICE (ARMED POLICE) CELL, BARRACKPORE, NORTH 24 PGS, WEST BENGAL, 700120

390. SHRI TAPASH KUMAR MANDAL, POLICE DRIVER, SWAMI VIVEKANANDA STATE POLICE ACADEMY, BARRACKPORE, WEST BENGAL, 700120

391. SHRI SUBRATA KUMAR BERA, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, TITAGARH POLICE STATION, BARRACKPORE POLICE COMMISSIONERATE, WEST BENGAL, 700119

392. SHRI ASIT CHAKRABORTY, ASSISTANT SUB INSPECTOR OF POLICE, GOALPOKHER POLICE STATION, UTTAR DINAJPUR DISTRICT, WEST BENGAL, 733210

393. SHRI FUILASH SANGMA, LANCE NAIK, EASTERN FRONTIER RIFLES, 3RD BATTALION, SALUA, PASCHIM MEDINIPUR, WEST BENGAL, 721145

394. SHRI DIPENDU SAHA, CONSTABLE, INTELLIGENCE BRANCH, 13TH LORD SINHA ROAD, KOLKATA, WEST BENGAL, 700071

395. SMT. SUMITA OJHA (HATAI), LADY CONSTABLE (UNARMED BRANCH), RESERVE OFFICE, TAMLUK, PURBA MEDINIPUR, WEST BENGAL, 721636

396. SHRI ARUN KUMAR SINGH, INSPECTOR ADMN, SP SOUTH ANDAMAN OFFICE, ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS, 744101

397. SHRI GURMUKH SINGH, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, POLICE COMPLEX, SECTOR-26, CHANDIGARH, 160026

398. SHRI RAJAN R, SUB INSPECTOR OF POLICE, ARIYANKUPPAM PS, PUDUCHERRY, 605001

399. SHRI DIWAN SINGH, SUBEDAR, KIPHIRE, ASSAM RIFLES, 932007

400. SHRI RAMESH KUMAR JAMWAL, HAVILDAR, JAIRAMPUR, ASSAM RIFLES, 932019

401. SHRI DAL BAHADUR GURUNG, SUBEDAR, PHEK, ASSAM RIFLES, 932022

402. SHRI SWARAN SINGH, HAVILDAR, MOKOKCHUNG, ASSAM RIFLES, 932023

403. SHRI KUNDAN SINGH, HAVILDAR, MOKOKCHUNG, ASSAM RIFLES, 932023

404. SHRI DEV RAJ, NAIB SUBEDAR, SAJIK TAMPAK, ASSAM RIFLES, 932004

405. SHRI SUBHASH CHAND, HAVILDAR, ZUNHEBOTO, ASSAM RIFLES, 932032

406. SHRI DIMBESWAR RABHA, NAIB SUBEDAR, KOHIMA, ASSAM RIFLES, 932003

407. SHRI THAKUR PRASAD YADAV, SUBEDAR, CHANDEL, ASSAM RIFLES, 932018

408. SHRI SHOBAN SINGH JETHI, SUBEDAR, MOREH, ASSAM RIFLES, 932043

409. SHRI RAGHUNATH SINGH, NAIB SUBEDAR, CHARDUAR, ASSAM RIFLES, 932012

410. SHRI SASIDHARAN V T, SUBEDAR, SHILLONG, ASSAM RIFLES, 793011

411. SHRI MADAN LAL SHAH, DEPUTY COMMANDANT, SHILLONG, ASSAM RIFLES, 793010

412. SHRI VIPUL MOHAN BALA, COMMANDANT(ADM/OPS), TAC SHQ, RISALI SECTOR, BHILAI, DISTT-DURG (CG), BSF, 490006

413. SHRI JASBIR SINGH, COMMANDANT, 14 BATTALION, KHEMKARAN TARN TARAN (PUNJAB), BSF, 143419

414. SHRI ANIL KUMAR SINGH, COMMANDANT, 65 BATTALION, RADHABARI, PO-BHUTKIDANGAPARA, DISTT-JALPAIGURI, WEST BENGAL, BSF, 735135

415. SHRI PRADIP KUMAR DUBEY, COMMANDANT, COT, BSF ACADEMY TEKANPUR, DISTT-GWALIOR(MP), BSF, 475005

416. SHRI JATINDER SINGH BINJI, COMMANDANT(CI), 'G' DTE, FHQ NEW DELHI, BSF, 110003

417. SHRI UPENDRA RAI, COMMANDANT, 47 BATTALION, DISTT-COOCHBEHAR (WB), BSF, 736179

418. SHRI PAWAN KUMAR PANKAJ, COMMANDANT, COT, BSF ACADEMY TEKANPUR, DISTT- GAWALIOR (MP), BSF, 475005

419. SHRI DINESH KUMAR, COMMANDANT, 66 BATTALION, BAGAFA, PO-SANTIR BAZAR, DISTT-TRIPURA SOUTH TRIPURA, BSF, 799144

420. DR. V RAJA, COMMANDANT(MEDICAL), FTR HQ BSF BN, PO-KADAMTALA, DARJEELING(WB), BSF, 734011

421. SHRI VIJAY SINGH SONER, SECOND-IN-COMMAND (WORKS), BSF ACADEMY TEKANPUR, BSF, 475005

422. SHRI MAHENDRA KUMAR, COMMANDANT(ESTT), IG (HQ) FHQ, R K PURAM-I, NEW DELHI, BSF, 110066

423. SHRI ANOOP SINGH RAWAT, DEPUTY COMMANDANT, 171 BATTALION, PANJIPARA, UTTAR DINAJPUR, WEST BENGAL, BSF, 733208

424. SHRI DILIP KUMAR, DEPUTY COMMANDANT, ARTILLERY HQ, TALWANDI RAOD, FARIDKOT, STATE PUNJAB, BSF, 151201

425. SHRI VARDESH TANEJA, DEPUTY COMMANDANT (ARCH), HQ DG CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, BSF, 110003

426. SHRI YAKUB ALI PATHAN, DEPUTY COMMANDANT, 126 BATTALION, CHOUP, JAIPUR, RAJASTHAN, BSF, 303805

427. SMT. SAROJ SINGH, SECTION OFFICER, CONFD SEC, PERS DTE, FHQ CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, BSF, 110003

428. SHRI JAGBIR SINGH, INSPECTOR(SM), 54 BATTALION, MAHATPUR, SEEMANAGAR, NADIA,WB, BSF, 741166

429. SHRI JANAK RAJ, INSPECTOR(GD), 62 BATTALION, TALLIGURI, COOCHBEHAR, WB, BSF, 736156

430. SHRI HARI SHANKAR TIWARI, INSPECTOR(GD), 180 BATTALION, RANINAGAR, POS-PATAKATA, DISTT-JALPAIGURI, STATE-WEST BENGAL, BSF, 735133

431. SHRI BACHAN SINGH, INSPECTOR(GD), HQ 38 BATTALION, ROOPNAGAR, COOCHBEHAR, (WB), BSF, 736179

432. SHRI SURENDRA SINGH, INSPECTOR (GD), 138 BATTALION, AMBASSA, DISTT-DHALAI, TRIPURA, BSF, 799289

433. SHRI GOVIND RAM, INSPECTOR(GD), 98 BATTALION, PALOURA CAMP, JAMMU, J AND K, BSF, 181124

434. SHRI BALRAM DAS, INSPECTOR(GD), CSMT, TEKANPUR, BSF, 475005

435. SHRI JALIM PRASAD, INSPECTOR(GD), 10 BATTALION, SHIKAR, DERA BABA NANAK, GURDASPUR, PUNJAB, BSF, 143605

436. SHRI BALAM SINGH, INSPECTOR(GD), 39 BATTALION, ROSHANBAGH, DISTT- MURSHIDABAD(WB), BSF, 742164

437. SHRI SAMPATI RAM, INSPECTOR (GD), 64 BATTALION, NALKATA, DISTT-DHALAI, TRIPURA, BSF, 799266

438. SHRI RAJENDER PRASAD YADAV, INSPECTOR(RO), SHQ INDRESWAR NAGAR, BSF, 181101

439. SHRI RAGHUVIR SINGH RAHI, INSPECTOR(RM), FTR HQ, MANDORE ROAD, JODHPUR (RAJ), BSF, 342026

440. SHRI SUDARSHAN KUMAR, SUB INSPECTOR(GD), SHQ, ABOHAR, DISTT-FAZILKA (PB), BSF, 152120

441. SHRI BAIJNATH SINGH, SUB INSPECTOR(GD), 44 BATTALION, NARAYANPUR, DISTT-MALDA, WB, BSF, 732141

442. SHRI DEVINDER SINGH, SUB INSPECTOR(GD), SHQ, PALOURA CAMP, JAMMU(J&K), BSF, 181124

443. SHRI SUKH DEV, SUB INSPECTOR(GD), 12 BATTALION, AKHNOOR, JAMMU (J&K), BSF, 181201

444. SHRI KRISHNA GOPAL MONDAL, SUB INSPECTOR(GD), 48 BN, C/O 56 APO SAMBA (J&K), BSF, 184121

445. SHRI MANI K, SUB INSPECTOR, 191 BATTALION, KHASIAMANGAL, PO-TELIAMURA, DISTT- KHOWAI, TRIPURA, BSF, 792205

446. SHRI ASHOK KUMAR, SUB INSPECTOR, 59 BATTALION, RAJOURI, JAMMU (J&K), BSF, 185131

447. SHRI GHANSHYAM SINGH, SUB INSPECTOR, FTR HQ TRIPURA, SALBAGAN AGARTALAL, (WEST TRIPURA), TRIPURA, BSF, 799012

448. SHRI NAKUL CHANDRA MALLIK, SUB INSPECTOR (GD), FTR HQ, PO-KADAMTALA, DISTT-DARJEELING, WEST BENGAL., BSF, 734011

449. SHRI PROBIR KUMAR GHOSH, SUB INSPECTOR (GD), 21 BATTALION, BAIKUNTHPUR, JALPAIGURI(WB), BSF, 734008

450. SHRI MANGE RAM, SUB INSPECTOR(GD), 177 BATTALION, DISTT, HISAR, STATE-HARYANA, BSF, 125011

451. SHRI K N KESAVAN KUTTY NAIR, SUB INSPECTOR (RADIO MECHANIC), FRONTIER HQ (SPL OPS), ODISHA, POST-AFS YELAHANKA, BANGALORE, KARNATAKA, BSF, 560063

452. SHRI GONESH DAS, LNK(GD), 28 BATTALION PRAHARI NAGAR, TURA, MEGHALYA, BSF, 794101

453. SHRI DIPU RANJAN PAUL, L/NK(GD), 10 BATTALION SHIKAR, DERA BABA NANAK, GURDASPUR, PUNJAB, BSF, 143605

454. SHRI PRAFULLA DAS, L/NK, 65 BATTALION, RADHABARI, PO-BHUTKIDANGAPARA, DISTT-JALPAIGURI, WEST BENGAL, BSF, 735135

455. SHRI SHANKAR CHAND MALI, CONSTABLE (COOK), 25 BATTALION, CHHAWLA CAMP, NEW DELHI, BSF, 110071

456. SHRI ASHOK KUMAR, CONSTABLE(WC), 158 BATTALION, KALYANI, WEST BANGAL, BSF, 741235

457. SHRI VINOD KUMAR CHAURASIA, SR. COMMANDANT, HPCL MUMBAI, THANE, MAHARASHTRA., CISF, 400703

458. SMT. SHIPRA SRIVASTAVA, SR. COMMANDANT, WS HQRS. MUMBAI, SECTOR-35, TALOJA, NAVI MUMBAI, MAHARASHTRA., CISF, 410210

459. SMT. TAPASYA OBHRAI NAIR, SR. COMMANDANT, HQRS., CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI., CISF, 110003

460. SHRI SATYENDRA KUMAR, DEPUTY COMMANDANT/EXECUTIVE, DMRC DELHI, SHASTRI PARK, NEW DELHI., CISF, 110053

461. SHRI DALBIR SINGH RANA, ASST. COMMANDANT/JAO, GP HQRS. MUMBAI, KHARGHAR SEC-35, NAVI MUMBAI., CISF, 410210

462. SHRI HARSHARAN SINGH, ASST. COMMANDANT/EXECUTIVE, GP HQRS CHANDIGARH, CISF, 160009

463. SHRI ARUN MISHRA, ASST. COMMANDANT/EXECUTIVE, HQRS., BLOCK-13, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI., CISF, 110003

464. SHRI SYED TANWIR AKHTAR, ASST. COMMANDANT/EXECUTIVE, DVC PANCHET, PANCHET DAM, DHANBAD, JHARKHAND., CISF, 828206

465. SHRI BASANT KUMAR, ASST. COMMANDANT/EXECUTIVE, HQRS., BLOCK-13, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI., CISF, 110003

466. SHRI KARAN SINGH, INSPECTOR/EXECUTIVE, DAMEL, NEW DELHI., CISF, 110077

467. SHRI P K MANULAL, INSPECTOR/MINISTERIAL, ASG SRINAGAR, BUDGAM, J&K., CISF, 190007

468. SHRI DATTATRAY M KAMBLE, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, DPT KANDLA, NEW KANDLA, KACHCHH, GUJARAT., CISF, 370210

469. SHRI SHIV KUMAR, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, RAPS/HWP KOTA, CHITTORGARH, RAJASTHAN., CISF, 323303

470. SHRI RAJEEVA KUMAR S, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, ASG TRIVANDRUM, VALLAKKADAVU, TRIVANDRUM, KERALA., CISF, 695008

471. SHRI PAPPU RAM YADAV, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, DMRC, SHASTRI PARK, NEW DELHI, CISF, 110053

472. SHRI AFTAB AHAMAD, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, ASG JAIPUR, RAJASTHAN., CISF, 302029

473. SHRI DUP TSHERING LEPCHA, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, BSP BHILAI, CHATTISHGARH, CISF, 490001

474. SHRI PULLALACHERVU NARAYANA, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, NFC HYDERABAD, TELANGANA, CISF, 500062

475. SHRI SRIJIB KUMAR PATRA, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, BAGDOGRA AIRPORT, SILIGURI, WEST BENGAL, CISF, 734421

476. SHRI ADIGARLA LAKSHMANA MURTY, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, VSP VIZAG, STEEL PROJECT, VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH, CISF, 500031

477. SHRI KAVLE BALKRISHNA, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, RCFL MUMBAI, CHEMBUR, MAHARASHTRA., CISF, 400074

478. SHRI RANJIT SINGH THAKUR, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, IGI AIRPORT, PALAM, NEW DELHI., CISF, 110037

479. SHRI SURESH CHANDER, ASST. SUB-INSPECTOR/EXECUTIVE, 1ST RES. BN. BARWAHA, DARYA MAHAL, KHARGONE, MP, CISF, 451115

480. SHRI MATA PRASAD, CONSTABLE/TM (WASHER MAN), NFL PANIPAT, HARYANA., CISF, 132106

481. DR. MANOHARAN SUNDARAM, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG), COMPOSITE HOSPITAL, CRPF, NEW DELHI, CRPF, 110072

482. DR. JITENDRA NARAYAN TRIVEDI, CHIEF MEDICAL OFFICER (SG), CH, GANDHINAGAR, CRPF, 382042

483. SHRI SURENDER KUMAR, COMMANDANT, 209 COBRA BN, KHUNTI (JHARKHAND), CRPF, 835210

484. SHRI HARMINDER SINGH, COMMANDANT, 13 BN, FATEHGARH SAHIB (PUNJAB), CRPF, 140406

485. SHRI HARSHAVARDHAN, COMMANDANT, 180 BN, PULWAMA (J&K), CRPF, 934180

486. SHRI HELAL FIROZ, COMMANDANT, 130 BN, AWANTIPORA, J&K, CRPF, 192122

487. SHRI SATISH KUMAR, COMMANDANT, 42 BN, RAJAHMUNDRY, ANDHRA PRADESH, CRPF, 533106

488. SMT. SIAM HOI CHING MEHRA, COMMANDANT, 233 BN, LUCKNOW, CRPF, 226002

489. SHRI ANAND KUMAR JERAI, COMMANDANT, 60 BN, CHAKRADHARPUR (JHARKHAND), CRPF, 833102

490. SHRI VIKRAM SINGH THAKUR, COMMANDANT, 220 BN, SONEPAT (HARYANA), CRPF, 131021

491. SHRI FIROJ KUJUR, COMMANDANT, RTC, PERINGOME, CRPF, 670353

492. SHRI PRADUMN KUMAR SINGH, COMMANDANT, 171 BN, DIBRUGARH (ASSAM), CRPF, 786001

493. SHRI AMBRESH KUMAR, COMMANDANT, 111 BN, DANTEWADA, CHHATTISGARH, CRPF, 494441

494. SHRI RAJESH KUMAR, DY COMMANDANT, 165 BN, TANGASOL (WB), CRPF, 721145

495. SHRI SADA RAM SINGH, DY COMMANDANT, RTC, SRINAGAR, CRPF, 190021

496. SHRI B VENKAT REDDY, DY COMMANDANT, SS HQ, HYDERABAD, CRPF, 500033

497. SHRI S SINGARAVEL, DY COMMANDANT, 105 BN, COIMBATORE, TAMIL NADU, CRPF, 641111

498. SHRI SANJAY KUMAR, SECOND-IN-COMMAND, 88 BN, NEW DELHI, CRPF, 110022

499. SHRI UMA KANT, SECOND-IN-COMMAND, RANGE HQ, NEW DELHI, CRPF, 110022

500. SHRI RAVINDRA KUMAR SINGH, SECOND-IN-COMMAND, 237 BN, PANCHKULA (HARYANA), CRPF, 134104

501. SHRI FELIX ANAND BAGRAWAT, SECOND-IN-COMMAND, 182 BN, PULWAMA (J&K), CRPF, 192301

502. SHRI BALAM SINGH RAWAT, DY COMMANDANT/MIN, NE ZONE HQR, CRPF, GUWAHATI, CRPF, 781023

503. SHRI BHARAT BHOOSHAN SHARMA, ASSTT. COMMANDANT/MIN, DIRECTORATE GENERAL, CGO COMPLEX, LODHI RAOD, NEW DELHI, CRPF, 110003

504. SHRI RAJESH TRIPATHI, SECOND-IN-COMMAND, 61 BN, SRINAGAR (J&K), CRPF, 190004

505. SHRI ABHEY SINGH, ASSTT. COMMANDANT, 03 BN, SRINAGAR, CRPF, 190004

506. SHRI GOVIND CHANDRA MISHRA, INSPECTOR/GD, ODISHA SECTOR HQ, BHUBNESHWAR, CRPF, 751011

507. SHRI TAPAS CHANDRA PAUL, INSPECTOR/GD, GC, SILCHAR, CRPF, 788030

508. SHRI ANIL KUMAR YADAV, INSPECTOR/GD, 28 BN,, BEMINA, SRINAGAR, CRPF, 190018

509. SHRI JAGDISH SINGH, INSPECTOR/GD, 38 BN, SAMBA (J&K), CRPF, 181133

510. SHRI EKLAKH KHAN, INSPECTOR/GD, 121 BN, KATHUA (J&K), CRPF, 184142

511. SHRI BIRENDER SINGH, INSPECTOR/GD, 89 BN, BAWANA, NEW DELHI, CRPF, 110039

512. SHRI RAJENDRA SINGH, INSPECTOR/GD, GC, KATHGODAM, CRPF, 263126

513. SHRI SREERENJAN S, INSPECTOR/GD, 239 BN, RAMPUR, CRPF, 244901

514. SHRI NAR SINGH, INSPECTOR/GD, CWS-1, RAMPUR, CRPF, 244901

515. SHRI NAVEEN KUMAR, INSPECTOR/GD, 104 BN, ALIGARH, CRPF, 202001

516. SHRI RAVI SINGH, INSPECTOR/GD, CTC, NEEMUCH, CRPF, 458441

517. SHRI MADAN MOHAN UPRETI, INSPECTOR/GD, 32 BN, CHURACHANDPUR, MANIPUR, CRPF, 795124

518. SHRI KASINATH, INSPECTOR/GD, DIG RANGE HQ,, MUZAFFARPUR, CRPF, 811307

519. SHRI MAHIPAL SINGH, INSPECTOR/GD, 61 BN,SRINAGAR, CRPF, 190004

520. SHRI MD AYUB QURESHI, SI/GD, DIG, RANGE HQ, SKOR, AWANTIPORA, CRPF, 192122

521. SHRI SHUK BAHADUR RANA, SI/GD, 186 BN, NAMSAI (ARUNACHAL PRADESH), CRPF, 792103

522. SHRI DILIP BISWAS, SI/GD, CWS-3, SILIGURI, CRPF, 734012

523. SHRI MD RABIUL ISLAM, SI/GD, 111 BN, DANTEWADA (CG), CRPF, 494441

524. SHRI RABINDRA SETHY, SI/GD, GC, BHUBNESHWAR, CRPF, 751011

525. SHRI BRIJENDRA BAHADUR SINGH, SI/GD, 95 BN, VARANASI (UP), CRPF, 221007

526. SHRI KUNWAR PAL SINGH, SI/GD, GC, BILASPUR, CRPF, 495112

527. SHRI RAJ KUMAR, SI/GD, GC, NEW DELHI, CRPF, 110072

528. SHRI KRANTI KUMAR, SI/GD, 3 SIGNAL BN, KOLKATA, CRPF, 700091

529. SHRI NAND RAM, INSPECTOR/RO, 4 SIGNAL BN, NEEMUCH, CRPF, 458411

530. SHRI MOLUGU RAJA, INSPECTOR/RO, GC RANGAREDDY, CRPF, 500078

531. SHRI RAM AVTAR, INSPECTOR/RO, 1 SIGNAL BN, NEW DELHI, CRPF, 110072

532. SHRI KURDA RAM, INSPECTOR/ARMOURER, AWS-6, AWANTIPURA (J&K), CRPF, 192122

533. SHRI RAJENDRA KUMAR DHIMAN, HC/CARPENTAR, GC BANTALAB, JAMMU, CRPF, 181123

534. SHRI KASHI NATH SINGH, CONSTABLE/COOK, 159 BN, GAYA (BIHAR), CRPF, 823001

535. SHRI MANAN BAITHA, CT/WASHER MAN, 152 BN, GOALPARA, ASSAM, CRPF, 783101

536. SHRI SUBHASIS GHOSHAL, INSPECTOR/MIN, 207 COBRA, WEST MEDINIPUR (WB), CRPF, 721147

537. SHRI SHANKAR NATH PAL, HC/GESTETNER OPERATOR, DIRECTORATE GENERAL, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, CRPF, 110003

538. SMT. APARNA KUMAR, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, SHQ(DDN), PO-SEEMADWAR, DEHRADUN(UKD), ITBP, 248146

539. DR. RAKESH KOTHIYAL, CHIEF MEDICAL OFFICER(SG), CENTRAL FTR HQ, VILL-KANASAIYA, PO-KOKTA, TEHSIL-HUZUR, DISTT-BHOPAL(MADHYA PRADESH), ITBP, 462022

540. DR. SUDHAKAR NATARAJAN, DY INSPECTOR GENERAL(VET), DTE. GEN. BLOCK-II, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, ITBP, 110003

541. SHRI SURINDER KHATRI, COMMANDANT, NITSRDR, SECTOR-26, PO-MADANPUR, DISTT-PANCHKULA(HARYANA), ITBP, 134116

542. SHRI HAFIZULLAH SIDDIQUI, SECOND IN COMMAND, SHQ(LIKABALI) PO-LIKABALI, DISTT-LOWER SIANG(ARUNACHAL PRADESH), ITBP, 791125

543. SHRI SHIV LAL, COMMANDANT(ENGR), EASTERN FTR HQ, KENDRYA BHAWAN, SEC-H, ALIGANJ, LUCKNOW(UTTAR PRADESH), ITBP, 226024

544. SHRI RAJENDRA PRASAD SUNDRIYAL, DY COMMANDANT(OFFICE), EASTERN FTR HQ, KENDRYA BHAWAN, SEC-H, ALIGANJ, LUCKNOW)(UP), ITBP, 226024

545. SHRI DHAN PRAKASH TYAGI, ASSISTANT COMMANDANT(AO), IFD(AUDIT) DTE. GEN., BLOCK-II, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, ITBP, 110003

546. SHRI DAYAL SINGH, INSPECTOR(TELECOM), SHQ(DDN), PO-SEEMADWAR, DISTT-DEHRADUN (UTTRAKHAND), ITBP, 248146

547. SHRI LAL SINGH, INSPECTOR(GD), 17TH BN, RECKONGPEO, KINNAUR, (H.P.), ITBP, 172107

548. SHRI VAKIL THAKUR, CONSTABLE(BARBER), SHQ(PATNA), S.K. PURAM, LANE NO. 15, RPS MORE, BAILEY ROAD, PATNA(BIHAR), ITBP, 801503

549. SHRI GOVIND SINGH, SECTION OFFICER, DTE. GEN., BLOCK-II, CGO COMPLEX, LODHI ROAD, NEW DELHI, ITBP, 110003

550. SHRI PRADIP CHAND SHARMA, GROUP COMMANDER, HQ, MEHRAMNAGAR, PALAM, NEW DELHI, NSG, 110037

551. SHRI ARUN KUMAR, SECOND IN COMMAND, 27 SCG, RH CHENNAI, NEDUNGUNDRAM, PO KOLAPAKKAM, CHENNAI, TAMILNADU, NSG, 600127

552. SHRI SAHAB SINGH, TEAM COMMANDER (PS), HQ, MEHRAMNAGAR, PALAM, NEW DELHI, NSG, 110037

553. SHRI VIJAY KUMAR SHUKLA, ASSISTANT COMMANDER-I MIN, STATION HQ, MANESAR, GURUGRAM, HARYANA, NSG, 122051

554. SHRI PARIKSHITA BEHERA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (GD), SHQ, SSB, JALPAIGURI, SSB, 735121

555. SHRI RAJIV RANA, DEPUTY INSPECTOR GENERAL (GD), RTC SSB SUPAUL, SSB, 852138

556. SHRI MANOJ KUMAR, COMMANDANT (GD), 26 BN., SSB, 835103

557. DR. NARENDER KUMAR TINNA, COMMANDANT (VO), FHQ, SSB, 110066

558. SHRI ASEM HEMOCHANDRA, COMMANDANT (GD), FHQ,, SSB, 110066

559. SHRI VINOD KUMAR TALWAR, SECOND IN COMMAND (GD), 06 BN., SSB, 783370

560. SHRI BIKRAMJEET, DEPUTY COMMANDANT (GD), 50 BN., SSB, 271201

561. SHRI SONAM WANGIAL, ASSISTANT COMMANDANT (GD), 66 BN., SSB, 273164

562. SHRI HARDUTT SINGH, INSPECTOR (GD), FRONTIER HQRS SSB RANIKHET, SSB, 263645

563. SHRI RAM NIWAS GODARA, SUB INSPECTOR (GD), 22 BN., SSB, 273303

564. SHRI DINESH KUMAR GAUTAM, SUB INSPECTOR (GD), SSB ACADEMY BHOPAL, SSB, 462036

565. SHRI TULSI RAM SUTHAR, HEAD CONSTABLE (CARPENTER), SSB ACADEMY BHOPAL, SSB, 462036

566. SHRI ABHAY SINGH, DIG, EO-III, NEW DELHI, CBI, 110003

567. SHRI MANISH VIRESH SURTI, SUPDT. OF POLICE, AC-IV, BHOPAL, CBI, 462002

568. SHRI PRASANNA KUMAR PANIGRAHI, SP, ACB, INDIRA NAGAR, DEHRADUN, CBI, 248146

569. SHRI PRAHLAD KISHORE JHA, ADDL. SP, ACB, 7/2, KARMIK BHAWAN, DHANBAD, CBI, 826004

570. SHRI RICHHPAL SINGH, ASP, ACB, JAIPUR, CBI, 302005

571. SHRI LETKHOLAM HANGSHING, ASP, ACB, IMPHAL, CBI, 795004

572. SHRI ISMAIL BABALAL PENDHARI, DSP, SPECIAL UNIT, MUMBAI, CBI, 400020

573. SHRI RAMA RAMAN TRIPATHI, DSP, AC-II, NEW DELHI, CBI, 110003

574. SHRI DEVRAJ VAKKADA, DSP, ACB, KATHRIKADAVU, KALOOR, PO COCHIN, CBI, 682017

575. SHRI RAJENDER SINGH GOSAIN, INSPECTOR, ACB, MUMBAI 8TH FLOOR, PLOT NO. C-35A, G. BLOCK, BKC, BANDRA (EAST) MUMBAI, CBI, 400098

576. SHRI NARESH KUMAR, SUB INSPECTOR, AC-V, NEW DELHI, CBI, 110003

577. SHRI SRIGOPAL SHARMA, ASI, HEAD OFFICE, NEW DELHI, CBI, 110003

578. SHRI SAMSHAR SINGH DALAL, ASI, /AC-II, NEW DELHI, CBI, 110003

579. SHRI K K SASI, HEAD CONSTABLE, BSFB, BANGALORE, CBI, 560032

580. SHRI SHIV DUTT SHARMA, HEAD CONSTABLE, ACADEMY, GHAZIABAD, CBI, 201002

581. SHRI A DAMODHARAN, HEAD CONSTABLE, ACB, MADURAI, CBI, 625014

582. SHRI TAPAN KUMAR BARUA, HEAD CONSTABLE, HEAD OFFICE, NEW DELHI, CBI, 110003

583. SHRI PRASAD THANKAPPAN, HEAD CONSTABLE, ACB, KATHRIKADAVU, KALOOR PO COCHIN, CBI, 682017

584. SHRI RAMESH CHAND, HEAD CONSTABLE, SU, NEW DELHI, CBI, 110011

585. SHRI NARAN MERAMANBHAI BHOCHIYA, HEAD CONSTABLE, ACB, GANDHINAGAR, SECTOR 10(A), GANDHINAGAR, CBI, 382010

586. SHRI ANAND RAJARAM PANDHARE, CONSTABLE, SPECIAL UNIT, MUMBAI, CBI, 400020

587. SHRI AVINASH KUMAR, CONSTABLE, O/O DIRECTOR, HEAD OFFICE, CGO COMPLEX, NEW DELHI, CBI, 110003

588. SHRI PRASAD G, CONSTABLE, IPCU, NEW DELHI, CBI, 110003

589. SMT. RANJINI SUBRAMANIAN, OFFICE SUPDT., ACB, CHENNAI, CBI, 600006

590. SHRI DEEPAK CHOUDHARY, DEPUTY DIRECTOR, SIB, DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110011

591. SHRI DILEEP KUMAR SHARMA, JOINT DEPUTY DIRECTOR/EXE, SIB JAIPUR, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 302004

592. SHRI G R C MURTHY, FLA, IB HQRS. NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021

593. SHRI SANJAY PRAKASH DUBEY, ADDITIONAL DEPUTY DIRECTOR/NP, IB HQRS, NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021

594. SHRI SUMAN PALIT, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB, KOLKATA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 700019

595. SHRI SOMKHOLAL, ASSISTANT DIRECTOR/EXE,, SIB, IMPHAL, MINISTRY OF HOME AFFIARS, 795004

596. SHRI JITENDRA NATH RAI, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB, RANCHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 834008

597. SHRI JAI PAL JASSU, ASSISTANT DIRECTOR/EXE, SIB, CHANDIGARH, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 160019

598. SHRI MULLACHERRY CHANDRAN, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, SIB, BANGALORE, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 560001

599. SHRI DETSUNG BRAHMA CHOUDHURY, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, SIB, GUWAHATI ,MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 781306

600. SHRI SOUMITRA CHAKRABORTY, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER/EXE, SIB, DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS., 110011

601. SHRI CHANDRA BHUSHAN CHAUBEY, SECTION OFFICER, IB HQRS. NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021

602. SHRI PRADEEP, SECTION OFFICER, IB HQRS, NEW DELHI, MINSTRY OF HOME AFFAIRS, 110021

603. SHRI RUPENDRA SINGH MANN, PRIVATE SECRETARY, IB HQRS.NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110011

604. SHRI SUBHASH CHANDER SHARMA, PRIVATE SECRETARY, IB HQRS.,NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110001

605. MS. RACHNA JOSHI TRIPATHY, DEPUTY CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER -I/EXE, SIB LUCKNOW, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110022

606. SHRI SHYAM LAL MEENA, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-I/TECH, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110021

607. SHRI RAMESH VISHNU DESAI, ASSISTANT CENTRAL INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, SIB MUMBAI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 400051

608. SHRI RAJESH SINHA, ASSISTANT CENTRAL INTELLGENCE OFFICER-II/EXE, SIB VARANASI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 221002

609. SHRI RAJEN JOSHI, ASSISTANT CENTRAL INTELLGENCE OFFICER-II/EXE, SIB GANGTOK, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 737102

610. SHRI GANESAN SAI SUBRAMANIAN, ASSISTANT CENTRAL INTELLGENCE OFFICER-II/EXE, SIB, CHENNAI, MINISTRY OF HOME AFFIARS, 605008

611. SHRI DEEPAK JAYANT CHOWDHURY, SENIOR SECRETARIAT ASSISTANT, SIB, NAGPUR, MINISTRY HOME AFFAIRS, 440001

612. SHRI SOUMEN SINGH, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, SIB, PATNA, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 800001

613. SHRI SUNIL KUMAR NARAYANAN, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-I/EXE, SIB, TRIVANDRUM, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 695014

614. SHRI JAIPAL REDDY ADULLA, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-I/MT, BOL,HYDERABAD, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 501218

615. SHRI BARUNENDU NASKAR, JUNIOR INTELLIGENCE OFFICER-II/EXE, IB HQRS., NEW DELHI, MINISTRY OF HOME AFFAIRS, 110011

616. SHRI RAJEEV YADAV, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, NEW DELHI, SPG, 110077

617. SHRI KRISHNA SINGH, ASSISTANT INSPECTOR GENERAL, NEW DELHI, SPG, 110077

618. SHRI VINOD SINGH, SENIOR SECURITY OFFICER (T), NEW DELHI, SPG, 110077

619. SHRI RAGHURAJ SINGH, SECURITY OFFICER-I, NEW DELHI, SPG, 110077

620. SHRI PRAMOD VERMA, DIG, NEW DELHI, BPR & D, 110037

621. SHRI KAMAL KISHOR MEENA, ASSISTANT DIRECTOR, NEW DELHI, BPR & D, 110037

622. SHRI SUSHIL KUMAR TEWARI, INSPECTOR (FINGER PRINT), NEW DELHI, NCRB, 110037

623. SMT. SONIA NARANG, DEPUTY INSPECTOR GENERAL, NIA HQRS. NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 110003

624. SHRI RAJESH TV, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, NIA HYDERABAD, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 500081

625. SHRI TAPAN KUMAR GHOSH, ASSISTANT, NIA KOLKATA, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 700106

626. SHRI P K UTHAMAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, NIA HQRS NEW DELHI, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 110003

627. SHRI MAHESH KUMAR YADAV, HEAD CONSTABLE, NIA LUCKNOW, NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, 226002

628. SHRI SATVEER SINGH, DEPUTY COMMANDANT, SVP NATIONAL POLICE ACADEMY HYDERABAD TELANGANA, SVP NPA, 500052

629. SHRI A TAMIL KRISHNAN, HEAD CONSTABLE, NORTH EASTERN POLICE ACADEMY, UMSAW, RI-BHOI DISTRICT, MEGHALAYA, NEPA, 793123

630. SHRI LOVE KUMAR, SECOND IN COMMAND, 10 BN NDRF, GUNTUR (AP), NDRF, 522510

631. SHRI SURENDRA KUMAR, ASSISTANT COMMANDANT, 01 BN NDRF, GUWAHATI (ASSAM), NDRF, 781017

632. SHRI RAMAKANT SINGH, INSPECOTR, 08 BN NDRF, GHAZIABAD (UP), NDRF, 201002

633. SHRI MOENUDDIN KHAN, ASSISTANT SUB INSPECTOR, 04 BN NDRF, ARAKKONAM (TAMIL NADU), NDRF, 631152

634. SMT. MONIA UPPAL, DEPUTY SUPERINTENDENT OF POLICE, GPO COMPLEX, INA, NEW DELHI, NHRC, 110023

635. SHRI PRANAV KUMAR, INSPECTOR GENERAL CUM DIRECTOR, JR RPF ACADEMY, TALKATORA ROAD, MANAK NAGAR, LUCKNOW, M/O RAILWAYS, 226011

636. SHRI SENDAMANGALAM RAMASWAMY GANDHI, SR. DIVISIONAL SECURITY COMMISSIONER, DIVISIONAL OFFICE, SECURITY BRANCH, SANCHALAN BHAVAN, SECUNDERABAD, M/O RAILWAYS, 500025

637. SHRI SAURABH TRIVEDI, DIG CUM CHIEF SECURITY COMMISSIONER, WESTERN RAILWAY, CHURCHGATE, MUMBAI, M/O RAILWAYS, 400020

638. SHRI ASHISH KUMAR, SR. DSC/RPF, FEROZPUR, M/O RAILWAYS, 152001

639. SHRI ASHARAF K K KOTTEKKAREN, SR. DIVISIONAL SECURITY COMMISSIONER, SR. DSC OFFICE, RPF, GROUND FLOOR, MUMBAI, CSMT, M/O RAILWAYS, 400001

640. SHRI KARUNANIDHI MADHUSUDAN, INSPECTOR, RPF POST/ KHAMMAM, TELANGANA, M/O RAILWAYS, 507001

641. SHRI S PAVAN SINGH, INSPECTOR, IVG/HQRS/SCR, RAIL NILAYAM, SECUNDERABAD, M/O RAILWAYS, 500025

642. SHRI PRADYUMNA KUMAR OJHA, INSPECTOR, KANPUR CENTRAL, M/O RAILWAYS, 208004

643. SHRI RAJESH KUMAR KESHRI, INSPECTOR, IT/CELL/ASN, M/O RAILWAYS, 713301

644. SHRI KHIMANAND BELWAL, SUB INSPECTOR, RPF POST VIRAR, M/O RAILWAYS, 401303

645. SHRI SANJOY BHATTACHARYA, ASSISTANT SUB INSPECTOR, DI-CELL/ HOWRAH, SR. DSC'S OFFICE HOWRAH, M/O RAILWAYS, 711101

646. SHRI G SUJI KUMAR, SUB INSPECTOR, RPF, CARRIAGE WORKS, PERAMBUR, CHENNAI, M/O RAILWAYS, 600023

647. SMT. ELIZABETH VESHAPOGU, ASSISTANT SUB INSPECTOR, OFFICE OF THE INSPECTOR/ RPF HQRS/ HUBLI, M/O RAILWAYS, 580020

648. SHRI ASHOK KUMAR SHUKLA, SUB INSPECTOR, 12TH BATTALION/ RPSF/ THAKURLI, MUMBAI, M/O RAILWAYS, 421201

649. SHRI MOHAMMAD ABBAS RIZVI, ASSISTANT SUB INSPECTOR, PROSECUTION/HEADQUARTER GORAKHPUR, M/O RAILWAYS, 273012

2. These awards are made under rule 4(ii) of the rule governing the grant of Police Medal for Meritorious Service.

F. No. 18004/1/2021-CA-II

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 97-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Andhra Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Gongati Girish Kumar	Assistant Assault Commander	PMG
2	Kudupudi Hari Krishna	Junior Commando	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receipt of intelligence, regarding the assembly of a large body of Maoists, including top most cadres, in the general area of Jodambo, in PS Chitrakonda of Distt Malkangiri, Odisha, an op was launched, on 16 May 18. One of the Greyhounds teams had a fruitless encounter with the Maoists, on 17 May 18, at 0700 h.

Fresh troops were inserted, by helicopter, at Kuntar Padar Post of Odisha Police, on 17 May 18. Greyhounds Special Assault Team landed at this post at 1730 h and was directed to lay an ambush, on a mountainous track, leading to vill Jodambo. This ultra small team (comprising of only 21 personnel) moved cross country, covering 7 km in a short span of time and reached a nullah, adjacent to the track, and laid ambush from a spur. Around 2110 h, enemy movement was noticed, but a dog accompanying the Maoists started barking. The Maoists, who were at a dominating slope, threw stones down the valley and scoured the area with torches, but the Special Assault Team did not respond and lay motionless. The enemy decided to retreat, but the Special Assault Team showed immense patience and fortitude and continued to remain in ambush.

A few hours later, on 18 May 18, at 0115 h, the Special Assault Team observed movement of some armed enemy cadres, coming down the slope, in a line formation. Even as the enemy was some distance away, at a dominating height, the satphone of the Greyhounds personnel, unexpectedly, made a static sound, while acquiring satellite signal. Immediately, the Maoists rained a fusillade of bullets, down slope, towards the Greyhounds, pinning the personnel.

Despite the disadvantage of being down slope, Junior Commando 3387 K Hari Krishna and Assistant Assault Commander 7243 G Girish Kumar charged up the slope, towards the Maoists, firing at them, despite having no cover or terrain advantage. The enemy, inspite of its larger numbers and advantage of being at a dominating height, was taken aback by the intensity of the assault and retreated after a firefight of 15 minutes.

Due to the 'no moon' phase, at that time, the Greyhounds were not able to ascertain as to whether the enemy retreated using the track or elsewhere. The area was, immediately, searched and the body of a dead Maoist wasrecovered, along with one 7.62 SLR (with 3 magazines and 18 rounds), one 303 rifle, one Cabela Covenant Tactical Rifle Scope (US make) Maoist literature and kit bags.

The deceased Maoist was later identified as a very important senior cadre, Area Committee Member Sandeep (hailing from Distt Sukma of Chhattisgarh), who was incharge of Central Committee Member Ramakrishna's protection squad.

This perhaps was the first encounter in the farthest part of the cut off area, of Andhra Odisha Border, which is the enemy's citadel, and the first one to have happened on a pitch dark night.

Junior Commando 3387 K Hari Krishna and Assistant Assault Commander G Girish Kumar, who were at the vanguard of the ambush, showed not only outstanding presence of mind and initiative but displayed most conspicuous courage, charging towards the enemy, up slope, without any cover and without caring for their safety and lives.

In this operation S/Shri Gongati Girish Kumar, Assistant Assault Commander and Kudupudi Hari Krishna, Junior Commando displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 18/05/2018.

(F. No. 11020/ 179/2019 -PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 98-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Bihar Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Birendra Kumar Medhavi	Inspector	PMG
2	Pradeep Kumar	Inspector	PMG
3	Dhanraj Kumar	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
4	Uttam Kumar	Constable	PMG
5	Dharmendra Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Acting on a verified secret information that Manish Singh, a very shrewd and long wanted gang leader of an interstate gang of gold robbers, accused of several criminal cases of loot of gold from gold loan agencies and brutal murders in different states of India, was camping in one Karu Singh and Bachu Singh alias Danger's abode in Bahlolpur Diyara under Mahnar P.S.(Vaishali) with his gangsters, armed with sophisticated weapons and ammunitions. After secret observation by Insp. B.K Medhavi, Sub- Inspector Dhanraj Kumar and JC Uttam Kumar, a Police Raiding Team of STF under leadership of Inspector Birendra Kr. Medhavi arrived the targeted village at about 1.30 hrs. in night of 15.03.2019 and after organising two strike Teams, one led by Inspector Medhavi, including SI Dhanraj Kumar, JC 949 Uttam Kumar and other commandos and another led by Inspector Pradeep Kumar including Senior Commando 392 Dharmendra Kumar and other Commandos, the Strike Teams and other Cordoning teams were deputed on all directions with a brief to advance tactically towards the targeted camp of criminals. Officer in charge, local Mahnar P.S was informed properly.

As reported, 6[six] criminals on 2[two] motorcycles armed with sophisticated firearms arrived Bachu Singh alias Danger's hut at about 07.00 hrs. All of a sudden they caught sight of some Commandos and began to enquire about them. As the Commandos disclosed their identity and asked them to surrender, they turned abusive and began to discharge a fussily of bullets incessantly. Escaping narrowly from their violent gun attacks, Inspector Medhavi directed the members of raiding team to take a safe cover position and asked the attackers to surrender. In reply, the aggressive outlaws armed with AK- 47 rifles, regular revolvers and pistols, threatened to destroy the Raiding Police party completely if they did not go back immediately. With this desperate threat they intensified their firings to a horrific scale. Some bullets whizzed past the bodies of Inspector Medhavi and SI Dhanraj Kumar who were facing the aggressive criminals from the front. Conceiving the situation very alarming the leader ordered Inspector Pradeep Kumar to take a movement tactically towards the criminals from east direction of the camp taking the cover of his intermittent firing. For half an hour, he with his subordinate police officers and men, guarding themselves against immediate and extremely violent fire of criminal which were coming directly towards them, managed to engage the offenders by their aimed and controlled fire. Exemplary courage, dogged determination, planned placing of police officers covering the criminals from all sides and their well co-ordinated movement forced the perpetrators into defensive Sensing that they are being cornered, 2(two) gangsters on a motorcycle, fully armed with firearms, tried to break police siege and escape, but the presence of fully alert police officers on every escape out, forced them to withdraw. In sheer desperation they resumed firing more aggressively than before.The lives of police personnel and govt, arms and ammunitions were on dangerous ground. In retaliation the counterattack launched by the leader of the police party, Inspector Medhavi, SI Dhanraj Kumar and their subordinates hit both the extremely violent criminals and they fell to the ground, even then continued to discharge till their silence. Both the deceased were identified as Manish Singh of Raghopur(Vaishali) and Abdul Imam alias Rajkumar of Muzaffarpur. One AK-47 Rifle and One Regular pistol were found close to their deadbodies.

One of the criminals, launching frontal bullets attacks on confronting police party from the east of their camp, succumbed to bullet injury in counterattack made by Inspector Pradeep Kumar. One AK-47 Rifle was found lying close to his hand. He was identified as Abdul Aman alias Tiwary, resident of Samastipur, an active member of Gold robbers gang.

3(three) armed criminals on a motorcycle, attempting to manage their escape under the cover of their heavy firings, were intercepted firmly and engaged. This forceful gallant act of the police party forced the desperate criminals to surrender with

their arms. One regular revolver with 2 live cartridges of .38 in its chamber and one mobile of MI and other articles were recovered from one of the criminals, Mukesh Singh's possession. Two other arrested criminals were identified as Vinod Kr. Singh and Bachu Sah alias Danger.

Despite hot chase, other 3 unknown criminals succeeded to escape under the cover of shower of bullets. Confessional statement of Mukesh Singh disclosed that the deceased, Manish Singh, the mastermind of gold robbery, was strategist par excellence architect of robberies of gold in different states. He and his group had looted about 200 Kgs.of geld from different gold loan agencies in different states. He had acquired a big volume of sophisticated arms and ammunitions. He had developed a wide network of agents to dispose the looted gold.

In this operation S/Shri Birendra Kumar Medhavi, Inspector, Pradeep Kumar, Inspector, Dhanraj Kumar, Sub-Insector, Uttam Kumar, Constable and Dharmendra Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/03/2019.

(F. No. 11020/ 217/2020 -PMA)

(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 99-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Santosh Hemla	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
2	T. P Dilip	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the input of large gathering of Naxals in PS- Bijapur area of village Goma, Korma, Mankeli, Bodla, Pusnar one operation was launched consisting of multiple parties starting from Police line. One party each of DEF and STF Bijapur was sent from village Mankeli side to cover this area.

Party started its move from village Pamalwaya in the evening of 10th November 2017. On 12.11.2017 at around 12:30 hrs just before village Goma-Mankerli area. Naxals who were waiting in ambush started heavy fire automatic & semiautomatic weapons on the small party consisting of DEF and STF. In retaliation our party also fired and an exchange of fire took place. Sub Inspector Santosh Hemla were leading the party during operation. When the party was attacked by Naxals Sub Inspector Santosh Hernla showed a great presence of mind, great leadership, superb operational sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant action. While leading the operation from front his reaction to Naxal's ambush not only saved the life of his men but also foiled the Naxal attack and played a key role in killing of Naxals and recovered Dead bodies of three hardcore Naxals namely 1. Manku Modiyam s/o Aytu Modiyam, Age 30 Year, Village-Peddakorma-Turumpara, PS-Bijapur, Distt-Bijapur, 2. Guddu Tati s/o Lachhu Tati, Age 26 Year, Village-Peddakorma-Tatipara and 3. Sonu Korsa @ Motu, s/o Naga Korea, Age 35 Year, Village-Schoolpara- Kakekorma, PS-Bijapur, Disst-Bijapur along with 01 INSAS Rifle with magazine, One 303 rifle with magazine, 01 Muzzle loading Gun, 06 nos. live rounds of INSAS rifle, 01 Tiffin Bomb, 01 detonator, literatures, medicines and other daily use items etc were recovered.

Sub Inspector Santosh Hemla, HC/1238 T.P.Dilip of DEF Bijapur have displayed an extreme courageous act not only they retaliated the volley of fire coming from Naxals but motivated his men to retaliate fiercely and advance towards Naxal positions without caring for his life resulting which they were able to successfully counter ambushed hardcore Naxals. The bravery exhibited by Sub Inspector Santosh Hemla, HC/1238 T.P.Dilip are extra ordinary and show that they have great presence of mind, superb operational sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant attitude. In the operation they have shown that they are a good leader as they led the troops from front, motivated them during operation and also saved the life of his men. By the virtue of their excellent operational aptitude they played a key role in leading successful counter ambush on Naxals which is very difficult to achieve in such circumstances and difficult terrain and successfully foiled the Naxal attack.

In this operation S/Shri Santosh Hemla, Sub- Inspector and T. P Dilip, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/11/2017.

(F. No. 11020/213/2019-PMA)

(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 100-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry/3rd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Ajay Sonkar	Inspector	PMG
2	Abdul Sameer Khan	Inspector	3rd BAR TO PMG
3	Omprakash Sen	Company Commander	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23.06.2017 joint operation was launched in Core maoist area of Sukma from Camps Kankerlanka. Burkapal and Chintagufa 154 DRG and STF troops moved from Kankerlanka under leadership of CC Omprakash Sen STF and Inspector Ajay Sonkar (DRF). Cobra 201 troops along with component of Bijapur police (under Inspector Abdul Sameer} moved from Burkapal camp. After proper operational briefing, parties marched towards target area of Badekedwal and Tondamarka around 18.00 in evening.

After search of Badekedwal by STF-DRG party, all groups moved towards further target points in the morning. Suddenly. Maoists who were hiding nearby approximately 100-150 uniformed and armed Male/Female Maoists fired on police parties in Tondamarka and Dhurma forest with intention to kill the police force and loot their weapons. Showing alertness of mind all party commanders Inspector Ajay Sonker and CC Omprakash Sen instructed their party to inmmediately take position and communicated on wireless set with each other to move around right and left flank and cordon the naxals. Police party told naxals to stop fire and surrender before the police party but they continued to fire indiscriminately. For self defence police parties also reacted and opened retaliatory lire. Sensing quick and aggressive reaction of police and finding themselves cornered. Maoists ran away carrying their injured and dead taking cover of jungles. During this fierce exchange of fire 05 security personnel of STF Ninja-09 C/3571 Silaram markam. C/1111 Soyam Tammaiya. C93104 manbodh Behra C/869 Sodhi Rama and C/346 Kuhram Deva got by hit bullet from Maoists. By Satellite phone immediately SP Sukma was informed about the situation and for sending helicopter to take out injured jawans for treatment. Helicopter landed down on Tondamarka village and all injured jawans were sent for treatment.

Later all party commanders gathered and planned to go Burkapal Police camp. In this time Cobra-Special Team Bijapur Approached to this side and move to position. All commanders leading their parties marched parallely toward Burkapal camp.

While parties were proceeding ahead as soon as team reached in the midst of Dhurma Forest approximately 2.5 km away from Tondamarka about 15.30 hours, the hiding uniformed armed Male/Female Maoists in their premeditated attack suddenly opened heavy fire upon the police parties. Police party. also retaliated with fire in self defense seeing no other alternative. During fierce exchange of fire that took place from both sides all police personnel without bothering about their lives fight bravely and kept firing on Maoists courageously. During the exchange of fire, 3 DRG jawans namely C/ 237 Kattam Ramkumar, AC/624, Sunnam manish and AC/955 Rajcsh komra got by bullet from Maoistsnd Succumbed to serious injury and got martyred. They thoroughly fought against Maoist tried to surround them but Maoists realiazing increased the pressure ol police party escaped. During search in many places heavy blood stains/drop. of dead/injured Maoists were noticed. After the encounter one uniformed naxal dead body, one automatic 7.62 mm. SLR Rifle. two Magazine and many naxal items recovered from the place.

In this operation S/Shri Ajay Sonkar, Inspector, Abdul Sameer Khan, Inspector and Omprakash Sen, Company Commander displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/06/2017.

(F. No. 11020/ 08/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 101-Pres/2021—The President is pleased to award the 2nd BAR to Police Medalfor Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Raman Usendi	Inspector	2nd BAR TO PMG
2	Ramesh Kumar Sori	Assistant Sub-Inspector	2nd BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Inspector Shri Raman Usendi and ASI Shri Ramesh Sori posted as Inspector in Narayanpur district and he lead so many anti-naxal operation of police party in Narayanpur District and inter District operation in Bastar Range in which so many Maoist were killed and recovered many automatic weapons, huge amount of explosive, literature daily use item. District Narayanpur is extremely affected area by naxalites but in spite of that he achieved success to keep peace and integrity in this area.

In this sequence inputs coming from various sources about presence of Maoist at village Becha and they were planning to attack the police party, loot the weapon and pressuring the villager to do the work in their favours. For verification of above inputs on date 21.02.2017 DRG team under leadership of Inspector Raman Usendi moved towards village Becha police camp Barsur Dist. Narayanpur on date 21.02.2017 around 12:30 PM joint party of DRG team divided into two parts, one party lead by Inspector Raman Usendi and second party lead by then AS1 Ramesh sori after that they were moving towards west direction jungle of village Killam for searching. At the forest of Killam the armed cadre of banned CPI Maoist started firing with automatic weapon altogether over - police team with motive to kill and loot the weapon. Inspector Raman Usendi with his professional acumen took quick action and instructed to surround Maoist from all direction, the police party asked naxals to surrender again and again which they ignored and continued firing, then with no option left, the police team started firing in self defense. Inspector Raman Usendi and then ASI Ramesh sori took cordon incident place with there team started firing. Both of them risking their own lives lead their team from the front and displayed exemplary courage while directing their teams. Both with their gallant actions not only encouraged and motivated their team members, but also gave befitting reply to Naxals' firing. With increased pressure and immediate counter-actions, the Maoists ran away and fled from spot by taking advantage of dense jungles there. The firing between police party and Maoist lasted for two hours.

After firing stopped, police team search the area, 04 male dead body of uniformed Maoist and 03 female uniformed Maoist, 02 Nos. 1NSAS rifle. 03 Nos. Magazin, 16 Nos. lives round, 02 Nos. .12 bore rifle, 17 Nos. lives round, 01 No. Country made .12 bore katta, 01 No. .315 bore rifle, 05 Nos. lives round, 05 Nos. .303 rifle live round. 01 No. pipe bomb, electricity wires, 05 Nos. pouch, 01 No. revolver pouch, 06 Nos. naxal uniform pair, 01 No. cap, 09 Nos. water gallon and Maoists daily uses item etc. there found which were taken into possession. Incident spot was coming, under the police station Chhotedongar so unnatural death and crime was registered at police station Chhotedongar. whose crime number 02/2017 under section 147, 148, 149, 307 IPC, 25. 27 Arms Act.

In life threatening situations of the encounter, Inspector Raman Usendi and then ASI Ramesh Sori displayed exemplary leadership qualities. The police teams worked in co-ordination and could neutralize a uniformed dreaded Maoist cadre and could recover 02 weapons along with explosives etc. the killing of this dreaded Maoist freed the region from a sense of insecurity that gripped the community as a result of the presence of that dreaded naxals.

In this operation S/Shri Raman Usendi, Inspector and Ramesh Kumar Sori, Assistant Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/02/2017.

(F. No. 11020/ 09/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 102-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Chhattisgarh Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Leeladhar Rathore	Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

As per the input, a large gathering of Naxals was noticed in PS- Mitur border area of Hurreypal, Aiteypal, Andripal, Porrowada. These areas are known for presence of middle and top level Maoist leaders,as it is the route from West Bastar Division. The details about composition and strength of force, entry and exit routes were all worked in detail by the officers involved. With a team of 87 men from DRG, Bijapur the Operation "Andripal-Porrowada" was launched in the area which is stronghold of Maoist insurgents on 20.06.2018 after detail briefing.

On 01.07.2018 at around 1200 just before Andripal-Porrowada area. Naxals ware waiting in ambush started heavy fire from automatic, semiautomatic and country made weapons on the small party of DRG. In retaliation Police party also fired and an exchange of fire took palace. Inspector Leeladhar Rathorewas leading the police party No. 1 during operation. When the partywas attacked by naxals Inspector Leeladhar Rathore showed a great presence of mind ,greatleadership, superb operational sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant action. While leading the operation from front, his

reaction to naxals ambush not only saved the life of his men but also foiled the naxal attack and played a key role in killing of naxals and recovered Dead body of one naxal namely Dega Madwi S/O Maso Madwi, Age-32 Year, Village-Andripal PS Mirtur, Distt-Bijapur, along with 01 No. INSAS Rifle. 11 Nos. Cartrige, 01 Nos. HE Bomb, 03 Nos. Detonator, 01 Nos. Naxals Pitthu and Naxal literature etc.

Despite sensing the danger of their small party completely coming under the heavy fire of Naxals, Inspector Leeladhar Rathore and their men boldly moved forward and fired heavily on naxals. In addition to their gallant action, he commanded his men to fire and ordered to move forward. Motivated by the courageous action of Inspector Leedadhar Rathore troops involved in operation also started firing and moved forward. Surprised by the fierce firing and courageous advancement of police party, naxals were forced to retreat and tried to flee. Troops chased the naxals but they managed to escape taking cover of the jungle and mountainous terrain. Once the exchange of fire stopped, incident site was thoroughly searched in which dead body of one naxal, along with 01 No. Insas Rifle. 11 Nos Cartridge. 01 No. HE Bomb 03 Nos. Detonator, 01 No. Naxal pitthu and Naxal literature etc. were recovered.

Inspector Leeladhar Rathore of DRG, Bijapur has displayed an extremely courageous act, not only did he retaliate the volley of fire coming from naxals but motivated his men to retaliate fiercely and advance towards naxal positions without caring for their lives due to which they were able to successfully counter ambush hardcore naxals. The bravery exhibited by Inspector Leeladhar Rathore is extra ordinary and shows that he has a great presence of mind superb operational sense, extra ordinary courage, bravery and conspicuous gallant attitude. In the operation he has shown thathe has good leadership quality as he led the troops from front, motivated them during operation andalso saved the lives of his men By the virtue of his excellent operational aptitude he played a key role in leadingsuccessful counter ambush on naxals which is very difficult to achieve in suchcircumstances and difficult and successfully foiled the naxal attack.

In this operation Shri Leeladhar Rathore, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/07/2018.

(F. No. 11020/11/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 103-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/8th BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Delhi Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sanjeev Kumar Yadav	Deputy Commissioner of Police	8th BAR TO PMG
2	Prabhat Kumar Pankaj	Inspector	PMG
3	Pankaj Kumar	Inspector	PMG
4	Krishan Kumar	Sub-Inspector	PMG
5	Neeraj Kumar Sharma	Sub-Inspector	PMG
6	Girdhar Singh Gurjer	Head Constable	PMG
7	Gurdeep Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

A Special Cell team under the supervision of Sh. Sanjeev Yadav, DCP/Spl. Cell was specially tasked to target the recently emerged and most dreaded 'KRANTI GANG' of Delhi/NCR region; and bring halt to their menaces. Huge inputs and information was collected by Sh. Sanjeev Kumar Yadav regarding the gang members, their families, friends, relatives, and their activities. Secret and close vigil, both manually and technically, was put upon their movements which led to circumscribe their location, based on which two consecutive raids were conducted on 31/05/2018 and 01/06/2018, but the hardcore gangsters/criminals had lucky escape both days despite exchange of gunfire, and long and risky pursuit undertaken by Sh. Sanjeev Kumar Yadav. Incessant arduous efforts of months finally brought another ray of hope on intervening night of 08/09.06.2018, when specific information was received regarding movement of 5-6 of the gang members in the area of PS Fatehpur Beri, Delhi. The information looked cent percent credible and was hence immediately relayed to senior officers and a discrete line-of-actiom was chalked out by Sh. Sanjeev Kumar Yadav, DCP/Spl. Cell, who also laid down a snare at the

place of information after discreet analysis of topography of the area. Finally, at around 1250 hrs. a white Ford Endeavour, followed by an i-20 car, corresponding to the information, were spotted by the lead vehicle of the team. The lead was instantly shared with all raiding team members and target vehicles were blocked near 45 SNS Villa/farm house. Police warned the occupants of the car to come out of their vehicles and surrender, but the Endeavour car driver dangerously took a sharp turn in a bid to escape the police dragnet, though with a futile attempt, due to the blockade created by the chasing police party from other directions and also due to their own following i-20 car. Finding no way of escaping, dreaded criminals in the vehicle fired indiscriminately at police party and severely injured six policemen with gunshot injuries. The police party also retaliated in self-defence in which 5 criminals received gunshot injuries namely 1. Rajesh @ Bharti s/o Balwan Singh s/o Vill. Kandela, Distt. Jind, Haryana 2. Sanjeet @ Surjeet @ Vidroh s/oJaipal r/o Vill. Bahu Akbarpur Distt. Rohtak Haryana 3. Umesh @ Don s/o Raj Kumar r/o Vill. Kankrola, Gurugram, Haryana 4.Viresh Rana @ Vikku s/o Virender r/o Vill. Ghewra, Kanjhawala, Delhi, and 5. Kapil s/o Baru Ram r/o Village Sivah, Jind, Haryana. Unfortunately, the driver of Endeavour car managed to slip away by firing at police party. The injured criminals and police personnel were rushed to All MS Trauma Centre while injured HC Girdhar was rushed to Fortis Vasant Kunj. Four of the injured criminals namely I.Rajesh @ Bharti 2.Sanjeet @ Surjeet @ Vidroh 3. Umesh @ Don and 4. Viresh Rana @ Vikku succumbed to the gunshot injuries, while the 5th criminal namely Kapil, survived. A case vide FIR No. 206/18 u/s'186/332/333/353/307/482/212 / 34 IPC & 25/27/30 Arms Act was got registered at PS FatehpurBeri, Delhi. Total six sophisticated weapons with 31 live cartridges of different calibers and several fired shells were recovered. One Ford Endeavour car No.FIR 959,one Flyundai i-20 car No.DL3CD-1039 &several other exhibits were recovered.

The above mentioned team members have risked their lives and continuously exhibited exemplary courage, bravery and motivation in above operation to neutralize the wanted/ rewarded desperate criminals. The brave action of Delhi Police won applause not only from the highest ranks of Police of different states but also from the media and public at large. They have set an example of gallant act & dedication towards their duty.

In this operation S/Shri Sanjeev Kumar Yadav, Deputy Commissioner of Police, Prabhat Kumar Pankaj, Inspector, Pankaj Kumar, Inspector, Krishan Kumar, Sub-Inspector, Neeraj Kumar Sharma, Sub-Inspector, Girdhar Singh Gurjer, Head Constable and Gurdeep Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/06/2018.

(F. No. 11020/ 207/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 104-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry/3rd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Delhi Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Pramod Singh Kushwah	Deputy Commissioner of Police	2nd BAR TO PMG
2	Hridaya Bhushan	Assistant Commissioner of Police	3rd BAR TO PMG
3	Sandesh. K	Sub-Inspector	PMG
4	Bhupender Kumar	Assistant Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the basis of a specific information regarding the movement of one Yusuf Khan, a suspected terrorist belonging to ISIS, a banned terrorist organization, who had prepared many IEDs including suicide vests & belts and ready for Lone-Wolf attack in some heavy footfall area in Delhi, a trap was laid around Dhaula Kuan by the team of Special Cell on 21.08.2020. A team component led by Sh. Pramod Singh Kushwah DCP/Spl. Cell and having Sh. Hridaya Bhushan ACP/NDR, SI Sandesh. K and ASI Bhupender, positioned in a govt, vehicle, being driven by ASI Bhupender at Vandematram road towards Karol Bagh, spotted the suspect riding a motorcycle at about 22:45 hours and immediately started chasing him. After a brief chase, ASI Bhupender swiftly and skilfully intercepted the alleged motorcycle on the Vandematram Marg (Dhaula Kuan to Karol Bagh) making the rider fell down. DCP Pramod Singh Kushwah and ACP Hridaya Bhushan, in a loud voice, identified themselves and asked him to surrender. However, Yusuf Khan, who by that time had swiftly stood up and regained his control whipped out a pistol and started firing towards them, while simultaneously trying to cross the road. DCP Pramod Singh Kushwah and ACP Hridaya Bhushan despite knowing fully well that Yusuf Khan might be carrying some IED or wearing a suicide vests/belt, chased him and fired in self-defence without having any cover for safety. Yusuf Khan continued

firing towards the police party and crossed the busy Ridge road. DCP Pramod Singh Kushwah and ACP Hridaya Bhushan, SI Sandesh. K and ASI Bhupender without caring for their own lives chased him and managed to cross the busy Ridge Road while simultaneously firing in self- defence and taking utmost care to ensure the safety of the public persons. SI Sandesh. K and ASI Bhupender exhibiting exceptional courage and putting their lives at risk, pounced upon the terrorist. Immediately SI Sandesh. K overpowered him. Meanwhile DCP Pramod Singh Kushwah and ACP Hridaya Bhushan helped SI Sandesh. K in overpowering Yusuf Khan, incapacitating him to do any mischief. In the meantime, ASI Bhupender also grabbed his hands tightly which further restrained the terrorist from firing towards the police party. He also snatched the loaded pistol from the terrorist. The accused was identified as- Mohammad Mustakim Khan @ Yusuf Khariy@ Abu Yusuf Khan S/o Kafil Ahmed Khan R/o Village Badiyaa Bhaisaani Utraula PS Bank Bazar District Balrampur UP Age 36 yrs. One Pistol with 05 live cartridges & 03 spent cartridges used by accused persons for firing upon the police teams and two ready-to-use Pressure Cooker IEDs were recovered from Yusuf Khan, Pressure Cooker IEDs were later defused by NSG Bomb Disposal Squad through a controlled blast that left a big crater in the adjoining Budha Jayanti Park.

The arrest of accused Mohammad Mustakim Khan @ Yusuf Khan resulted into working out of another case FIR No. 174/2020 U/s 120B IPC, 18/20 UAP Act & 4/5 Explosive Act dated 10.07.2020 PS Special Cell, Delhi in which accused led a huge cache of recovery from his house at Village Badiyaa Bhaisaani Utraula, District Balrampur UP. The seizure included 02 Suicide Vests contains explosives and ball bearings with necessary electric fittings, 01 Suicide Belt (containing explosive 3 Kg approx.), 01 ISIS Flag, 4 polythene carry-bags containing 8Kg approx, explosive in 4 different polyethene's, 30 Ball Bearings, one packet containing 12 small boxes of ball bearings, 02 Lithium Batteries of 4V each, 01 Lithium Battery 9V, 02 cylindrical metal boxes (Himgange Oil boxes) in which ball bearings are pasted, 03 cylindrical metal boxes (Himgange Oil boxes) containing explosive and electric wires, 02 iron blades, attached in parallel to each other, connected to electric wires from both sides, 01 Wooden box (for target practice).

During this operation DCP Pramod Singh Kushwah, ACP Hridaya Bhushan, SI Sandesh. K, ASI Bhupendar consequently risk their lives,displayed exemplary valour and fired two/one/one/one rounds respectively from their official weapon. The brave and timely action of the above officersaverted a major terrorist attack and saved several innocent lives. Their gallant action, not only won appreciation from the higher ranks in police and media but also from the public at large.

In this operation S/Shri Pramod Singh Kushwah, Deputy Commissioner of Police, Hridaya Bhushan, Assistant Commissioner of Police, Sandesh K, Sub-Inspector and Bhupender Kumar, Assistant Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/08/2020.

(F. No. 11020/ 208/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 105-Pres/2021—The President is pleased to award the 1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Delhi Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Pramod Singh Kushwah	Deputy Commissioner of Police	1st BAR TO PMG
2	Vinod Kumar	Inspector	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the basis of a secret information, on 09/01/2020 at about 7 am, a team of Special Cell led by DCP Pramod Singh Kushwah challenged three dreaded terrorists of ISIS near Wazirabad bridge, linked to outer ring road, Delhi. DCP Pramod Singh Kushwah signaled them to stop by disclosing the police identity but instead they started firing at the police party and tried to escape.

While DCP Pramod was chasing them in order to apprehend, one of the bullets fired by the terrorists hit at the bullet proof jacket of DCP. Undeterred, without caring for his personal life, DCP Pramod fired 2 rounds from his pistol. Despite having knowledge that these terrorists were involved in a brutal killing of Hindu leader KP Suresh Kumar and a day before their fellow terrorists had killed police officer Wilson of Tamilnadu Police, he pounced on terrorist Khaja Moideen s/o Chinnathambi Ambalam r/o No. 27/29, Salamath Pudu Nagar, Kollumedu, Kattumannarkoil, Distt. Cuddalore, Tamil Nadu and in resultant scuffle overpowered him by snatching his loaded 9 mm pistol, containing one live cartridge in its chamber and two in magazine.

Simultaneously in a coordinated action, Inspr Vinod Kumar, while chasing another militant Syed AM Nawaz s/o Syed Mohammed r/o No. 15, Amul Compound, Malik Dinar Nagar, llankadai, Distt. Kanyakumari, Tamil Nadu was also got hit by the bullet fired by the terrorist. However, he was saved by virtue of his bullet proof vest. Despite having knowledge of the dreaded profile of these terrorists and their outfit, unfazed Inspr Vinod continued chasing the terrorists and fired 2 rounds from his service pistol while trying to apprehend him. Showing extraordinary courage, he snatched the loaded 9 mm pistol of terrorist Syed Ali Nawaz, containing one live round in its chamber and one in its magazine and apprehended him after scuffle. Third terrorist Abdul Samad s/o Arifunnisha @ Sultan r/o No. 21, Old No. 29, Nagutha Maraicayar St., Parangipettai,Distt. Cuddalore, Tamil Nadu was also apprehended by the police team.Three sophisticated 9 mm pistols with 9 live cartridges were recovered from these militants.

The terrorist Khaja Mohideen had made detailed plans to revive the ISIS network in India through his co-associates. Several rounds of closed door meetings were organized by Khaja Moideen in different hideouts to indoctrinate and also to pledge allegiance to ISIS. He along with Syed Ali Nawaz, Abdul Samad and others had decided to abscond from their respective places simultaneously. Khaja Moideena along with Syed Ali Nawaz and Abdul Samad went to Kathmandu, Nepal after illegally crossing the border with fake documents. After setting up a base in Nepal, they came to Delhi after crossing over from the porous Indo-Nepal border. In Delhi, hideout and weapons were arranged by their foreign based handler through one of his contacts in Delhi.

DCP Pramod and Inspector Vinod have displayed exceptional valor and commitment to their duties while chasing these dreaded terrorists despite having no cover and being hit as they were in direct firing line and apprehending them without carrying for their personal lives, not only saved the lives of fellow team members but also the general public.

In this operation S/Shri Pramod Singh Kushwah, Deputy Commissioner of Police and Vinod Kumar, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/01/2020.

(F. No. 11020/ 209/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 106-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Delhi Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Dr. G. Ram Gopal Naik	Deputy Commissioner of Police	PMG
2	Rajesh Kumar	Assistant Commissioner of Police	PMG
3	Vinay Kumar Tyagi	Inspector	PMG
4	Kuldeep Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 25.01.2018, at about 07:35 am, three motor cycle borne kidnappers forcefully stopped the school bus near Institute of Human Behaviour and Allied Science Hospitao (IHBAAS), Mandoli Road, Delhi and kidnapped a 5 year old boy at gunpoint shot the driver Naresh Thapa. A case vide FIR No. 27/2018, dated 25.01.2018, U/s 363/307/IPC r/w 25/27 Arms Act was registered at PS. GTB Enclave, Delhi and the investigation was taken up by the local police.

Three day after the kidnapping i.e 28.01.2018, the ransom calls demanding Rs. 60 Lakhs for safe release of child started coming on the phones of with family. In view of the gravity and sensitivity of the case involving life of 5 years old child, the case was transferred to the Crime Branch, New Delhi on 28.01.2018. A special Team was formed under the close supervision of Dr. G Ram Gopal Naik, DCP, Crime Branch consisting of Shri Rajesh Kumar, ACP, Shri Vinay Tyagi, Inspector and Shri Kuldeep Singh, Constable(Commando). The team worked relentlessly day and night and showing utmost perseverance and patience as there was a risk to child's life. The team dedicated could get vital clues because of its in depth technical analysis coupled with its field intelligence networking. On 25.02.2018 at abpit 11:35 pm, on the basis of these reliable inputs and vital clues, the team zeroed in on one of the suspect and succeeded on nabbing one Nitin Kumar Sharma (28 years), S/o Mam Raj Sharma, r/o A-543, Gokulpuri, Delhi near Community Block, Seemapuri. On his sustained interrogation, he admitted to have kidnapped the child for ransom along with his association namely Mr. Ravi and Mr. Pankaj. In whose custody of the child is held hostage at Flat No. B -505, Ebony B, Shalimar City near Bhopra, Sahibabad, Ghaziabad, UP and that his associates were carrying sophisticated weapons to went off any police attacks.

DCP Dr. G Ram Gopal Naik, ACP Rajesh Kumar and Inspector Vinay Tyagi swiftly acted on this input by taking all precautions, as the life of child was at risk. After thorough planning, the team members duly equipped with arms/ammunition and bullet proof jackets reached the 5th floor of the building on the intervening night of 5-6th February, 2018 at about 12:50 hrs, and took their positions around the flat. DCP Dr. G Ram Gopal Naik alongwith Inspector Vinay Tyagi and Constable Kuldeep Singh took positions in the frontline at the door of the flat. ACP, Rajesh Kumar gave back cover to the team. Inspector Vinay Tyagi rang the bell of flat B-505. The entrance had an outer iron gate and the wooden inner door. One person from inside partially opened the wooden door while the other person stood behind him.

The desperados, sensing the presence of police team immediately opended indiscriminate fire upon the police party through the Iron Gate and the bullets fired by these desperados hit on chests of the bullet proof jackets worn by the Inspector Vinay Tyagi and Constable (Commando) Kuldeep Singh. In order to take control of the situation and to ensure the safety of the child, DCP Dr. G Ram Gopal Naik and Inspector Vinay Tyagi and Constable(Commando) Kuldeep Singh immediately retaliated and fired in self defense and for the safety of other raiding party members. While the exchange of firing was going on, DCP Dr. G Ram Gopal Naik risked his life and bent the iron door with the help of two above mentioned officers, jumped and ran inside the flat to rescue the child safely from the clutches of the kidnappers. The DCP succeeded in to rescuing the child safely from of the rooms and took him in his arms and rushed out of the crime scene.

Undeterred and unfazed, DCP Dr. G Ram Gopal Naik, ACP Rajesh Kumar, Inspecor Vinay Tyagi, Constable Kuldeep Singh have shown rare courage and gallantry in rescuing the kidnapped child successfully from the clutches of these three dreaded kidnappers as also for the safety of the team members. They risked their lives and conspicuously exhibited exemplary courage, bravery and motivation in this operation. The brave action of these four of Delhi Police personnel won applause not only from the highest ranks of Police of different states & Media, but also from the Public. The above police officers faced the volley of the bullets fired by these desperate criminals but were saved by the bulletproof jackets. The Hon'ble Home Minister has also given appreciation to the police officers for the above gallant action.

The entire operation lasted for 11 days in rescuing the child from the custody of three desperate criminals namely (1) Nitin Kumar Sharma aged 28 years, S/o Mr. Mamraj Sharma, r/o A-543, Gokulpuri, Delhi (2) Ravi, aged 24 years, S/o Mr. Shyam Lal, r/o B-252, Blck, Gokulpuri, Delhi and (3) Pankaj @ Singh Saheb, aged 21 years, S/o Gissa Ram, r/o A-286 East Gokulpuri, New Delhi on 06/02/2018 after a fierce shootout at Ebony, B- 505, Shailmar City, Sahibabad, Uttar Pradesh in which one of the desperado got bullet injuries and the other succumbed to injuries in the Hospital.

Three cases were also lodged in PS- Sahibabad, Ghaziabad, Uttar Pradesh vide (1) FIR;s No. 275/2018, dated 06.02.2018 u/s 307,186,353,341,342,387,34 IPC (2) FIR No. 276/2018, dated 06.02.2018, U/s 25/27 Arms Act & (3) FIR No. 277/2018, dated 06.20.2018, U/s 25/27 Arms Act. Two.32 Sophisticated Pistols along with 5 live and 4 spent (Fired) cartridges were recovered from the site of gallant action. The accused persons in the shootout are Ravi and Pankaj @ Singh Saheb. Total 3 rounds were fired by the police during the shootout.

In this operation S/Shri Dr. G. Ram Gopal Naik, Deputy Commissioner of Police, Rajesh Kumar, Assistant Commissioenr of Police, Vinay Kumar Tyagi, Inspector and Kuldeep Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 06/02/2018.

(F. No. 11020/ 06/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 107-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Abdul Waheed Shah	Senior Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Farooq Ahmad Malla	Follower	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22-04-2017, on a tip off, about the presence of terrorists in village Hayatpora (Chadoora), Police Budgam under the close supervision of Shri Abdul Waheed Shah, SSP Budgam accompanied by Shri Amod Ashok, Addl. SP Budgam, Follower Farooq Ahmad No. 12/F and others alongwith 53 RR Army launched a joint operation in Hayatpora area to nab the hiding terrorists. During the course of search operation, the Police party was fired upon by the terrorists. Fortunately it caused no damage as the Police party was advancing tactfully. Since the location of terrorists had now been identified, Sh. Ab. Waheed

Shah, then SSP Budgam directed the nafri to cordon the area and plug off all the escape routes. The officer then formed two smaller parties. First party comprising of SI Ranbir Singh, HC Rakesh Bali, HC Firdous Ahmad, SgCt Ashok Kumar, SgCt Ashwani Kumar, SgCt Nisar Ahmad, Ct Imtiyaz Ahmad & others under the supervision of Sh. Ab. Waheed Shah, then SSP Budgam laid the position from one side of the target and the second party led by Shri Amod Ashok, Addl. SP Budgam alongwith ASI Gh. Mohd, HC Khurshid Ahmad, HC Syed Gh. Rasool, HC Bikram Singh, Follower Farooq Ahmad and others were tasked to lay the siege from another side of the target. Both the teams were advancing strategically towards the terrorists. At this moment, the terrorists fired indiscriminately towards the operational party in order to make an escape route, however, the nafri led by Sh Ab. Waheed Shah, SSP Budgam had taken the strategic positions, escaped unhurt. Seeing the terrorists coming towards them, Shri Ab. Waheed Shah gunned down one terrorist on spot. The another terrorist seeing the fate of his colleague, fled from the spot and tried to run away from another side where the second operational party led by Shri Amod Ashok, Addl. SP Budgam had taken positions. As soon as the terrorist, tried to escape, he was also gunned down by the operational party. During the ensuing gun fight, both the terrorists affiliated with LeT outfit were successfully neutralized without any collateral damage and their identity was ascertained as Younus Maqbool Ganaie S/o Muhammad Maqbool R/o Patrigam, Chadoora and Ali R/o Pakistan. Arms / ammunition was recovered from the site of encounter are 01 AK series Rifle (damaged), 01 Kiran Cope Rifle (damaged), 02 AK Magazines (damaged), 02 Kiran Cope Magazine, 35 Rounds of AK, 44 Rounds of Kiran Cope, 01 Chinese Pistol, 01 Pistol Magazine, 07 Rounds of Pistol and 01 Hand Grenade. In this connection case FIR No. 44 of 2017 U/S 307-RPC, 7/27 Arms Act has been registered in Police Station Chadoora on 22-04-2017 and investigation swung into motion.

The operation was conducted very cleanly and without any damage to life of civilians of the said area and adjoining areas. This was possible only with the timely planning and gallant action of the above named recommendees. During the course of gun fight, the operational party didn't care of their personal safety but displayed extraordinary courage, enthusiasm and extreme sense of duty which resulted in elimination of these dreaded terrorists.

In this operation S/Shri Abdul Waheed Shah, Senior Superintenent of Police and Farooq Ahmad Malla, Follower displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 22/04/2017.

(F. No. 11020/ 149/2018-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 108-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Ashish Kumar Mishra, IPS	Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Farooq Ahmad Bhat	Deputy Superintendent of Police	PMG
3	Sarjan Ahmad Dar	Sub-Inspector	PMG
4	Fayaz Ahmad Lone	Assistant Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
5	Arshid Rasool Tantray	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21-06-2017 at about 2000 hours reliable information was received from SIT (South Srinagar) regarding movement of terrorists in village New Colony Kakapora Pulwama. The input was shared with Sh Chandan Kohli-IPS, ASP Pulwama, Sh Satish Kumar, DySP Operations Kakapora and Sh Farooq Ahmad, DySP Hqrs Pulwam. The input was further developed/ specified by Sh Ashish Mishra-IPS, SP South Srinagar to the effect that terrorists are hiding in the house of Abdul Ahad Bhat S/0 Ghulam Ahmad of New Colony Kakapora. The input was then shared with 50 RR 182/183 Bn CRPF and it was decided to launch a joint operation.

While following the technical lead, SSP Pulwama, SP SIT South Srinagar, DySP Hqr's Pulwama, I/C PP Kakapora SI Sarjan Ahmad Dar No.EXK-109168 along with Police Party from Police Pulwama/Srinagar including SI Arif Ahmad PID No EXK-109225, ASI Fayaz Ahmad No. 1495/PL, ASI Imtiyaz Mohd No. 60/IRP 11th Bn, ASI Mohd Rafi No 2709/S, Ct Mohammad Rafiq No 834/Kgm, SgCt Hilal Ahmed No 05/SKR, SgCt Tilak Raj No. 202/AP 9th Bn (AWP), SgCt Showkat Ali No 313/PL, SgCt. Mohammad Shafi No. 1326/PL, Ct. Farcoq Ahmad No. 1631/PL, Ct. Mohammad Abass No. 761/PL. Gurnam Singh No. 2439/J, Ct Arshid Rasool No 1133/A CI HliIal Ahmad No. 1028/PL, Ct Feroz Mushtaq

No. 4526/S, SPO Javeed Ahmad No. 168/SPO, SPO Gulzar Ahmad No.148/SPO, SPO Mohammad Gulzar No.08/SPO (Sgr), SPO Manzoor Ahmad No.439/SPO, SPO Ashiq Hussain No.541/SPO, SPO Nazir Ahmad No. 235/SPO SPO Imran Yousuf No 258/SPO, SPO Ajaz Ahmad No.261/SPO, SPO Imtiyaz Yousuf No. 252/SPO (Sgr), SPO Ab Hamid Kumar No.187/SPO (Sgr), SPO Mohd Ashraf No. 819/SPO (Sgr), SAO Riyaz Ahmad Khan No. 772/SPO (Sgr) and SPO Rajinder Singh No. 1410/SPO (Bla) among others 50 RR and 182/183 Bn of CRPF left towards thetarget site and a joint cordon was laid. A rapid action party headed by SI Arif AhmadPID No EXK-109225, IC PP Kakapora SI Sarjan Ahmad Dar No.EXK-109168 under the command of SP SIT South Srinagar Sh Ashish Kumar Mishra-IPS without taking too much time cordoned the target houses from the North. (North-Eastern and Northwestern sides). Another party under the command of DySP Hqr's Pulwama Sh. Farooq Ahmad Bhat No EXK-901270 assisted by ASI Imtiyaz Mohd No. 60/IRP 11th Bn, ASI Mohd Rafi No. 2709/S and others cordoned the area from South, (South-Eastern and South-Western sides). SP South Srinagar Sh Ashish Kumar Mishra-IPS personally supervised the cordon around the target house along with his buddy I/C PP Kakapora SI Sarjan Ahmad Dar No.EXK-109168 After strengthening the cordon, search operation was started and as the search was being conducted, the terrorists fired indiscriminately upon SP South City Srinagar and their men and they had a narrow escape from this abrupt terrorist attack. Exhibiting extraordinary courage/good presence of mind. SP South Srinagar, DySP Hqr's Pulwama, I/C PP Kakapora and Ct. Arshid Rasool No.1133/A immediately positioned themselves and retaliated in self defense forcing terrorists to turn defensive, thus foiled their attempt to escape. Meanwhile, it was observed that a number of civilians were trapped in the target house/adjoining houses, as terrorists did not give them opportunity to run away. Two teams one headed by SP South Srinagar assisted by SI Sarjan Ahmad Dar EXK-109168. ASI Imtiyaz Mohammad 60/IRP 11th Bn, Ct Hilal Ahmad 1028/PL and Ct. Mohammad Rafiq 834/Kgm and another party headed by DySP Hqrs Pulwarna assisted by ASI Mohd Rafi 2709/S, Ct Gurnam Singh 2439/J and Ct. Arshid Rasool 1133/A were constituted who kept their lives on the point of uncertainty/death and succeeded in evacuating all the civilians and terrorists were asked to surrender. Due to night hours several measures were taken for dominating the area around the target place and Concertina wire was laid all around the streets, generator was set on for lightening the whole area. The task of illumination around the target house was done under the supervision of DySP Hqrs Pulwama assisted by SI Shri Sarjan Ahmad and 14 other officials who were already present in the inner cordon. On next morning, terrorists were again asked to surrender but they again ignored and started indiscriminate firing upon SP South Srinagar, DySP Hqrs Pulwama, SI Sarjan Ahmed Dar and Ct. Arshid Rasool who were on forefront. The team lead by SP City South Srinagar postioned themselves and retaliated resulting in fierce firefight which concluded with the elimination of three dreaded terrorists of LeT identified as Majid Hameed Mir@ Abass (Category-A) S/0 Abdul Hameed Mir R/0 Kakapora, Shakir Ahmad Gugjoo (Category-B) S/O Bashir Ahmed Gugjoo R/O Kakapora and Irshad Ahmad Dar (Category-C) S/0 Mohammad Sultan Dar R/0 Aghanjipora, Awantipora. Arms/ammunition recovered during the operation includes 1 AK-56 Rifle (fully damaged), 3 AK-56 Magazines (fully damaged), 1 Pistol T652 T Round (fully damaged) and 1 Pistol Magazine (fully damaged). Case FIR No 212/2017 U/S 307 RPC, 7/27 I A Act stands registered in Police Station Pulwama in this regard.

In this operation S/Shri Ashish Kumar Mishra, IPS, Superintendent of Police, Farooq Ahmad Bhat, Deputy Superintendent of Police, Sarjan Ahmad Dar, Sub-Inspector, Fayaz Ahmad Lone, Assistant Sub-Inspector and Arshid Rasool Tantray, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 21/06/2017.

(F. No. 11020/ 163/2018-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 109-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Tariq Mahmood	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Reyaz Ahmad Mir	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
3	Jagdish Singh	Assistant Sub Inspector	1st BAR TO PMG
4	Mohd Hussain Mir	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 11.12.2017, a specific information generated by Police Handwara regarding presence of terrorists in Unisoo Handwara, a joint operation was planned and executed by Police Handwara, 22 RR and 92 Bn CRPF in and around the Village Unisoo. The presence of terrorists was established and cordon around the hiding terrorists was further tightened. During search operation heavily armed terrorists opened indiscriminate fire on search party that created a chaos among the resident civilians

inside the cordon area. In order to evacuate all the civilians to safer areas rescue operation was started and joint team of Police & Army headed by DySP Ops Magam-Kgd Shri Tariq Mahmood-KPS augmented by SI Reyaz Ahmad No. 286/S, ASI Jagdish Singh 474/H and HC Mohd Hussain No. 180/H volunteered themselves to take the responsibility of evacuating the civil population to safer areas. Despite the risk involved they showed utter disregard to their personal safety, evacuated the civilians amidst volley of fire. However, 05-06 civilians including some children and women were trapped inside the target house and the terrorists were not allowing them to come out from the said house. Terrorists opened indiscriminate firing from the target house during which one lady identified Mysara Begam W/O Ishfaq Ahmad Wani R/O Unisoo was hit by bullet and later succumbed to her injuries. During the entire process of evacuation of civilians dreaded terrorists kept on firing indiscriminately & fired several grenades upon the rescue party. The fire was effectively retaliated and terrorists were engaged in a fierce gunfight. After the safe evacuation of civilians, the operation was regained and on spot assault teams were constituted to eliminate the dreaded terrorists without further collateral damage. While heading the assault team DySP Ops Magam alongwith SI Reyaz Ahmad No. 286/S and HC Mohd Hussain No. 180/H again volunteered them for the task and marched towards hiding terrorist in various directions thus tightened cordon further and swiftly retaliated the terrorist attack. The cordoned area being congested populated area and the terrorists had already taken advantageous positions to inflict maximum damage on the operation party. While seeing the assault party moving forward, terrorists started indiscriminate firing on the assault teams and lobbed several grenades. DySP Ops Magam, SI Reyaz Ahmad No. 286/S and HC Mohd Hussain No.180/H tactfully retaliated this attack and directed assault team to provide cover fire to each other while advancing further towards terrorists. This abrupt assault of terrorists made the task more difficult for the assault teams to move forward. Taking the advantage of safer positions DySP Ops Magam alongwith SI Reyaz Ahmad No. 286/S and HC Mohd Hussain No. 180/H, retaliated the terrorist attack, pushed terrorists further in defensive position while forwarding towards terrorist positions. On reaching very close to the terrorists a final assault upon the hiding terrorists was launched resulting killing of three dreaded foreign terrorists. The killed terrorists were later identified as Sidiq R/O Pak A++, Shakeel Bhai R/O PaK A+ and Abu Ghazi R/O PaK A of LeT outfit. Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorists include 03 AK Rifle (02 damaged), 12 AK Magazines (04 damaged), 271 AK Rounds, 02 Hand Grenades, 03 UBGL, 02 Pouches (01 damaged), 01 Battery Charger (damaged), 01 First aid kit (damaged), 02 Sheets Map, 01 Charger (damaged), 01 Mobile earphone and Indian Currency Rs. 2500/- (Rs. 1500/- damaged). Case FIR Ne. 393/2017 U/S 307RPC 7/27 I.A.act stands registered in Police Station Handwara, in this regard.

Needless to mention that, during this joint anti-terrorism operation other participants which include ASI Mohd Sadiq, ASI Jagdesh Singh 474/H, Sgct Hilal Ahmad 732/IR 10th, Sgct Sajad Ahmad 789/IR 9th Ct Gurpurb Singh 828/AP 7th, Ct Mohammad Ramzan 669/H, Ct Ali Hussain 683/H, Foll. Mohd Rafiq No. 94/F IR 3rd, and following SPO's namely SPO Ab Hamid 302/SPO, SPO Manzoor Ahmad 403/SPO, SPO Sajad Ahmad 34/EX, SPO Ab Rashid 16/SPO, SPO Aijaz Ahmad No. 41/SPO, SPO Syed Shabir 133/SPO-Bla, SPO Ali Mohd 314/SPQ and SPO Mushtaq Ahmad 548/SPO of assault team also played key role during the execution of this anti-terrorism operation. They also remained at the forefront while taking strategic positions to eliminate these dread terrorists. On the basis of their role/active participation they were recommended for OTP/Conversion respectively. The remaining participants who were deployed for the outer cordon to prevent any escape of the terrorists were provided suitable cash reward.

In this operation S/Shri Tariq Mahmood, Deputy Superintendent of Police, Reyaz Ahmad Mir, Sub-Inspector, Jagdish Singh, Assistant Sub Inspector and Mohd Hussain Mir, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 11/12/2017.

(F. No. 11020/ 138/2019-PMA)

(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 110-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sahil Sharma	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Sageer Ahmad Pathan	Assistant Sub Inspector	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.09.2018, on a specific information regarding presence of terrorists in village Guloora Langate, a joint operation was planned and executed by Police Handwara 30 RR, 162 Bn CPRF and 92 Bn CRPF. Acting on the information the whole village was cordoned and presence of terrorists got established. During search the operational parties suddenly came under heavy volume of fire from the hiding terrorists who created a chaos among the civilians and it became vital to evacuate the civil populace to a safer area. The indiscriminate firing opened by the terrorists was making the task of rescuing the civilians from the target area more herculean.

A small team of JKP including Sh. Sahil Sharma JKPS-125768, DySP (PC) Kralgund-Magam, DySP Farooq Ahmad JKPS-116205, SI Jan Mohd 248/PAU, ASI Sageer Ahmad Pathan 59/AP 7th, ASI Jagdish Singh 474/H, SgCt. Robin Ravinder 848/AP 7th, Ct. Ab. Majeed 437/H, Foil. Shabir Ahmad 23/F, SPO Javid Ahmed 513/SPO, SPO Bilal Ahmad 02/Ex, SPO Manzoor Ahmad 287/SPO, SPO Mohd Sadiq 763/SPO-Kup, SPO Reyaz Ahmad 374/SSR volunteered for the task. This rescue team put their life in great risk and evacuated all the civilians trapped inside the target area. During the entire process of evacuation the dreaded terrorists kept on firing indiscriminately and lobbed several grenades upon the rescue team, however with great caution and exhibiting skilled battle tactics, all the civilians were successfully evacuated.

After the safe evacuation of civilians, operation was resumed to neutralize the terrorists and small assault teams were formulated during which Sh. Sahil Sharma and ASI Sageer Ahmad Pathan again volunteered them for the task. They led the assault teams and marched tactfully towards the hiding terrorists, as the hiding place was quite advantageous for the terrorists to cause maximum damage to the operational party, the duo positioned their Men in such a manner to ensure tight cordon around the terrorists and swiftly retaliated the fire. On seeing the terrorist action and their planning to flee from the spot, they displayed presence of mind and moved towards the target site, in a fire retaliatory exercise. The terrorists tried to target the team by lobbing grenades and volley of fire on them but they managed to reach in the close proximity of the terrorists by their presence of mind and tactical acumen. During this exercise they were well supported by each other which provided protection against the terrorist fire.

While seeing the recommendees close the terrorists opened indiscriminate fire on the recommendees to break cordon and flee from the spot. However, DySP Sahil Sharma-JKPS and ASI Sageer Ahmad Pathan retaliated the terrorist attack swiftly resulting killing of two local terrorists. The slain terrorists were identified as Furqan Rashid Lone @ Adil S/o Ab Rashid Lone R/o Shartpora Langate and Liyaqat Ahmad Lone @ Sahba S/o Lt.Gh Mohi-u-din R/o Harwan Sopore both affiliated with LeT outfit., In this connection, case FIR No. 358/2018 US 307 RPC, 7/271. A. Act stands registered in Police Station Handwara.

In this operation S/Shri Sahil Sharma, Deputy Superintendent of Police and Sageer Ahmad Pathan, Assistant Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/09/2018.

(F. No. 11020/ 182/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 111-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Tahair Ashraf	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Javeed Ahmad Yatoo	Inspector	1st BAR TO PMG
3	Mohamad Irfan Malik	Inspector	PMG
4	Tariq Ahmad Rather	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 08.12.2018, based on specific information regarding the presence of LeT Commander @ Ali Bhai R/o-PaK alongwith his associates were hiding at Dhobi Gath Mohalla, Mujgund of Srinagar City, a cordon was laid. These hardcore terrorists were planning to carry out terrorist attack in Srinagar city in view of ULB/Panchayat elections. The information was immediately shared with senior officers and the team of officers promptly reached the cordon area.

Acting upon this information, a team was constituted under the command of Shri Vidhi Kumar Birdi-IPS, DIG, CKR Srinagar comprising of Shri Imtiyaz Ismail-IPS, then SSP Srinagar, Dr. G.V. Sundeep Chakravarthy- IPS SP City South Srinagar, Sh. Tahair Ashraf JKPS-045839, SP (PC) Srinagar, Sh. Mushim Ahmad-JKPS then SP Hqrs Srinagar and Imtiyaz

Ahmad Mir-JKPS DySP (PC) Srinagar alongwith adequate police personnel of ESU South Srinagar, Police Component Srinagar, CRPF 44th Bn and 5 RR to identify and subsequently neutralize these hiding terrorists.

The operation nafri was divided into two parties. First party comprised of PC Srinagar nafri alongwith CRPF 44 Bn and 5 RR which was tasked to lay the outer cordon of the target area. The second party comprised of ESO' South Nafri which was tasked to lay the inner cordon of Dhobi Gath Mohalla Mujgund where these terrorists were hiding and if required to make an intervention under the command of Dr. G. V. Sundeep Chakravarthy-IPS, SP, City South Zone Srinagar with full coordination. All the parties positioned themselves according to the plan as enumerated above. At 2100 hours, SP City South Srinagar who was incharge of the inner cordon party alongwith Shri Mushim Ahmad-JKPS, then SP Hqrs Srinagar, Shri Imtiyaz Ahmad Mir-JKPS, DySP (PC) Srinagar and a small team of ESU South Srinagar made a plan for evacuation of the inmates of the nearby houses. The team very tactfully and bravely evacuated the inmates of the nearby houses and shifted them to a safer place. After confirming the target house, in the first instance, the terrorists were asked to surrender, which they declined. Instead of surrendering, they opened fire on the operation party but fortunately, it caused no damage as the operation party was advancing tactically. At this moment Shri Vidhi Kumar Birdi-IPS, DIG, CKR Srinagar, the overall incharge of the operation, SP City South Srinagar, Shri Mushim Ahmed-JPS then SP Hqrs Srinagar, Shri Imtiyaz Ahmad Mir-JKPS, DySP (PC) Srinagar, Inspr. Mohamad Irfan Malik, Inspr. Javeed Ahmad Yatoo, ASI Fayaz Ahmad Lone, ASI Azad Ahmad Naikoo, HC Tariq Ahmad and Ct. Ab. Rashid Lone after crawling retaliated the fire effectively without caring for personal lives. With the result, top LeT Commander @ Ali Bhai R/o PaK and two local terrorists of Hajin Bandipora were killed. Later on, these killed terrorists were Identified as Ali Bhai R/o Pak Mudasir Parray S/o Ab Rashid R/o Parray Mohalla Hajin Bandipora and Saqib Bilal Sheikh S/o Bilal Ahmad R/o Parrary Mohalla Hajin Bandipora of Let outfit. Large amount of arms/ammunition recovered from the possision of slain terrorists. In this regard case FIR No. 417/2018; U/S 307 RPC, 7/27 I. A. Act stands registered in Police station Parimpora Srinagar.

Needless to mention that the elimination of these terrorists was big achievemet for the Police and a severe jolt to the network of Let outfit. This Let outfit Commander was forming a network and planning subversive activities in the said area. @ Hamza @ Ali Bhai of Pak was involved in many attacks. The terrorist was involved in several grenade attacks and killing of security forces in Bandipora/Srinagar area. The terrorists were active in the area since last one year and were directed by mentors across for carrying out subversive activities in Srinagar City.

In this operation S/Shri Tahair Ashraf, Superintendent of Police, Javeed Ahmad Yatoo, Inspector, Mohamad Irfan Malik, Inspector and Tariq Ahmad Rather, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 08/12/2018.

(F. No. 11020/183/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 112-Pres/2021—The President is pleased to award the 1st BAR to Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Vidhi Kumar Birdi, IPS	Deputy Inspector General	2nd BAR TO PMG
2	G V Sundeep Chakravarthy, IPS	Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Shahjhan Choudhary	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
4	Mohd Rafi Malik	Assistant Sub-Inspector	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16/17.10.2018, based on the specific information regarding the presence of HM terrorist namely Meharaj-ud-Din Bangroo @ Asif@ Piya Guroo alongwith his associates, a cordon was laid in Syed Ali Akbar Fatah Kadal Srinagar. The hardcore HM terrorist alongwith his associates was hiding in the house of Rayees Habib Hanga (Hardcore OGW of HM outfit) R/o Syed Ali Akbar Fateh Kadal Srinagar, who were planning to carry out terrorist attack in Srinagar City. The information was immediately shared with Senior Officers and the team of Officers promptly reached the cordon area.

Acting upon this information, a team was constituted under the command of Shri Vidhi Kumar Birdi-IPS, DIG CKR Srinagar consisting of Shri lmtiaz Ismail-IPS then SSP Srinagar, Dr.G.V.Sundeep Chakravarthy- IPS, SP South City Srinagar and

Sh. Tahair Ashraf-JKPS, SP (PC) Srinagar alongwith adequate police personnel of Police Component Srinagar to Identify and subsequently neutralize terrorists.

All the manpower was divided into three parties First party comprised of Police party South Zone Srinagar, heaped by Dr. G.V.Sundeep Chakravarthy-IPS. SP South Srinagar, DySP Imran Malik- JKPS, ASI Mohd Rafi Malik, HC Lakhbir Singh, HC Tariq Ahmed, HC Manzoor Hussain, SgCt Mukhitar Ahmed, Ct. Irfan Yaseen, Ct. Azad Ahmed, Ct. Waseem Mohi-ud-Din and Valley QAT of CRPF North Range QAT of CRPF. It was tasked to lay the outer cordon of the target area. The second party comprised of a team of North Police City Srinagar and Police Component Srinagar comprising of DySP Imfiyaz Ahmed, Dy SP Shahijahan Choudhary JKPS, SI Mir Kazam, ASI Narender Singh, HC Tejinder Singh, SgCt Kamal Kishore, SgCt Sajad Ahmed, Sgct Ramneek Singh, Sgct Ravinder Singh and Ct. Angrez Singh. It was tasked to cordon the Mohalla in which the target house was located. The third party comprised of manpower frorn PC Srinagar consisting of DySP Shahjahan Choudhary-JKPS, PC Srinagar and Police Party of SP City South Srinagar, it was tasked to by the inner cordon around the target house in which the terrorists were hiding and if required to make an intervention under the command of DIG CKR Srinagar with full coordination of other security forces.

All the parties positioned themselves according to the plan as enumerated above. Small team of Police Component Srinagar was formed for evacuation of the inmates of adjoining houses. The team very tactfully and bravely evacuated the inmates of the adjoining houses and shifted them to a nearby safer place to ensure that there is no collateral damage. In the first instance, the two holed up terrorists alongwith the hardcore OGW were asked to surrender but they declined to surrender by shouting from inside and showed their resolve to fight. The terrorists opened fire on the operation parties. Intervention of the house was planned. The intervention party, having taken all precautions started the process of intervention. However, as the intervention party reached near the target house it came under heavy fire from the holed terrorists, who had taken position at the attic/top storey of the target house.

The hold up terrorists lobbed grenades and fired towards the advancing party and in the heavy exchange of fire between terrorists and security/police parties one police personnel namely SgCt. Kamal Kishore of PC Srinagar got seriously injured while retaliating and got martyrdom on spot. Despite of being seriously injured, he continued fighting bravely against the terrorists. Due to his extra ordinary efforts the holed up terrorists were pinned down which facilitated their eventual elimination. Lateron, it was decided to move the intervention party towards the target house from the rear side DIG CKR Srinagar, who was incharge of the inner cordon party constituted two small parties, one party includes Sh Tahir Ashraf JKPS. SP (PC) Srinagar, DySP Imtiyaz Ahmed, DySP Shahjhan Choudhary, SI Mir Kazam, ASI Narender Singh, HC Tejinder Singh, Sgct Sajad Ahmed, Sgct Ramneek Singh, Sgct Ravinder Singh and Ct. Angrez Singh and 2nd party consists of Dr.G.V. Sundeep Chakravarthy, SP South Srinagar, DySP Imran Malik, ASI Imaran Malik, HC Lakhbir Singh, HC Tariq Ahmad, HC Manner Hussain, Sgct Mukhtar Ahmad, Ct. Irfan Yaseen, Ct. Azad Ahmad, Ct. Waseem Mohi-ud-Din and Valley QAT of CRPF/North Range QAT of CRPF and Police Rep. of North Zone, Srinagar. It was decided by the parties to enter the house from rear side as well as from front side. As soon as the second party tried to enter the house from the rear side, the holed up terrorists lobbed grenades from a window, but it caused no damage as the approaching party was advancing tactically. The terrorist opened the main door of the second floor and started firing indiscriminately in an attempt to break the cordon and escape from the site. At this stage in the exchange of heavy firing one police personnel of PC Srinagar namely Ct. Angrez Singh got injured. At this moment, DIG CKR Srinagar, Sh.Tahair Ashraf, SP (PC) Srinagar, DySP Imtiyaz Ahmad, DySP Shahijhan Choudhary, SI Mir Kazam, ASI Narinder Singh, HC Tejender Singh, Sgct Sand Ahmad, Sgct Ramneek Singh and Sgct. Ravindar Singh by crawling reached the target house. The holed up terrorists tried to break the cordon and fired heavily on the parties which was retaliated effectively by the party without caring for their lives and personal safety in the ensuing fire fight, one terrorist was eliminated and another terrorist, who in order to escape, hide himself in upper floor of the said target house and opened indiscriminate fire from the rear side window to break the cordon, but the 2nd party and Valley QAT of CRPF North Range QAT of CRPF who had already taken position near the house from rear side, retaliated the fire bravely and in the exchange of fire, the second terrorist also got killed and after thorough search of the target house, the dead body of associate and hardcore OGW was recovered. Lateron, the slain terrorists were identified as Meharaj-ud-din Bangroo R/o Narparistan, Fate Kadal Srinagar HM/LeT "A-Cat" Fahad Waza @ Usama S/o Mushtaq Ahmad Waza R/o Akinmir Khanyar, Srinagar LeT "C-Cat" and Rayees Habib Hanga S/o Habibullah Hanga R/o Syed Ali Akbar, Fate Kadal, Srinagar (Hardcore OGM of HM Outfit). Large amount of arms/ammunition and other war like items recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 66/2018 U/S 307 RPC, 7/27 I.A Act stands registered in Police Station M.R. Gunj Srinagar.

Needless to mention that, the hardcore terrorist Commander Meharaj-ud-Din Bangroo @ Asif @ Piya Guroo was active in the Srinagar City and its adjacent areas .The deceased was most wanted by the Police and Security Forces for having carried out some sensational attacks upon the Security Forces/Police as well as on innocent civilians in the Valley particularly in Central Kashmir Range/South Kashmir Range, Further in the year-2017, the said killed terrorist alongwith his associates had carried out attack upon SI Feroz Ahmad then SHO P/S Achabal and his escort party In the incident (05) Police personnel of P/S Achabal were killed on spot and their weapons were snatched by them The said terrorists was a huge threat for the integrity and unity of State as he had staged a war against the Nation/State. The killing of the slain terrorist Commander alongwith his associate is a huge setback to terrorist cadres particularly for HM and LeT outfits and is a great relief for security forces/civilians in Central Kashmir Range/South Kashmir Range and more particularly in District Srinagar.

In this operation S/Shri Vidhi Kumar Birdi, IPS, Deputy Inspector General, G V Sundeep Chakravarthy, IPS, Superintendent of Police, Shahjhan Choudhary, Deputy Superintendent of Police and Mohd Rafi Malik, Assistant Sub- Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16/10/2018.

(F. No. 11020/186/2019-PMA)
(F. No. 18004/1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 113-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Mohd Suleman Choudhary, IPS	Deputy Inspector General	PMG
2	Reyaz Ahmad Baba	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 22.03.2019 at about 09:10 hours, acting upon a specific intelligence regarding presence of terrorists at village Aftab-Mohalla Warpora Sopore, a joint cordon and search operation was launched by Sopore police, 22-RR and CRPF in the area. The overall operation was launched under the command and control of Shri Mohd Suleman Choudhary-IPS DIG North Kashmir Range Baramulla. There were already credible inputs that the terrorists were hiding in a residential house possessing sophisticated weapons and before attacking the target house by the joint forces, a joint planning for execution of the operation was taken under the command of DIG (P), NKR Baramulla. Since, it was morning hours the entire civilian were sitting in their residential houses and in such a hostile situation there was every apprehension of civilian causality, if the search operation would have been conducted at the very moment. So, in order to ensure that the operation should be a clean one and without any civilian causality, first and foremost priority was given to the civilian evacuation in coordination with SF counterparts.

Thus, a joint team of police/army/CRPF led by DIG NKR Baramulla was constituted to evacuate the trapped civilian and a 2nd team of army/police/CRPF was placed as a backup party to provide covering firing. Subsequently, the 1st joint team led by DIG NKR Baramulla put their lives in a great risk and it was a herculean task for the operational parties to evacuate safely all trapped civilian but the police party led by Shri Mohd Suleman Choudhary-IPS moved very close proximity to the target house and maintaining great coordination with the outer cordon party, successfully evacuated all the entrapped inmates. During the terrorists fired intermittently with the intention to halt the evacuation process and to make the civilian hostage and even some bullets hit the closest the officer, but the officer did not lost his morale and evacuated all-trapped civilian. Once the civilian operation was completed, the cordon was more tightened and the search operation was intensified leaving no scope for the escape of the hiding terrorists. During this process the holed up terrorists fired indiscriminately on the search party. Since the terrorists were hiding in a two storied concreted house who tactfuliy kept changing their positions in the house and engaged the security forces for a long time, besides the target house was located in a congested location and the security forces could not easily approach the target house. The joint forces under the command and control of Shri Suleman Choudhary-IPS DIG(P), NKR acted in very synchronized and professional manner and it was ensured that no civilian be allowed to move towards the target site so that the process of operation will not be disturbed and secure civilian lives and property.

Eventually, the 1st joint team including SgCt. Vikrant Singh, SgCt Reyaz Ahmad Bala, Ct. Pervaiz Ahmad, Ct. Hilal Ahmad, Ct. Shameem Ahmad, SPO Mohammad Ashraf, SPO Sajad Ahmad, SPO Shabir Ahmad, SPO Imtiyaz Ahmad led by DIG NKR Baramulla volunteered themselves to approach the target house for last and final assault and the 2nd team consisting upon CRPF and police personnel including Inspr. Syed Mudasir Javiad Geelani, Sgct Ashiq Hussain, Sgct Mohd Younis, Ct. Sajad Ahmad, Ct. Mohd Younis, Ct. Akhter Akbar, Ct. Irshad Ahmad, Ct. Irfan Ahmad, SPO Parvaiz Ahmad, SPO Ghulam Ahmad, SPO Ghulam Mohi-ud-din led by Shri Raja Majid JKPS was kept on the back up of 1st team to provide covering firing and to engage the terrorists till the 1st team approached the target house. Accordingly the 1st advance team led by DIG NKR Baramulla started approaching in crawling tactics under the backup firing of 2nd party and as soon the advance team was about to reach the target House, the terrorists after sensing that the security forces have reached the target house suddenly jumped out from the house through the main front door while showering volume of bullets and tried to take refuge in a nearby cowshed but before that the advance team especially DIG NKR Baramulla and SgCt Reyaz Ahmad Bala remained firm like a rock and retaliated the fire effectively and in the ensuing face to face gunfight two terrorists belonging to proscribed JeM terror outfit were neutralized. The slain terrorists have been later on identified as tahir Ahmad War @ Molvi

S/o Abdul Malik War R/o Usmanabad, Warpora Sopore and Chota Azhar @ Ramzan R/o Pak. Large amount of war like items recovered from the possession of slain terrorists. For the incident, case FIR No. 72/2019 U/S 307/RPC, 7/271. A. Act stands registered in Police Station Sopore and investigation taken up.

In this operation S/Shri Mohd Suleman Choudhary, IPS, Deputy Insector General and Reyaz Ahmad Baba, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 22/03/2019.

(F. No. 11020/19/2020-PMA)
(F. No. 18004/1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 114-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sandeep, IPS	Senior Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Firdous Ahmad Ganie	SgCT	PMG
3	Reyaz Ahmad Khan	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.11.2018, on specific information about the presence of terrorists in a hideout made in the residential house of one Farooq Ahmad Ganaie S/o Abdul Ahad Ganaie R/o village Nadigam Shopian, a CASO was launched. The said village which is surrounded by thick orchards had been very vulnerable from terrorism point of view and conducting an operation in such an area was a challenging task for the Police/SFs in the prevailing situation due to fear psychosis created by terrorists. Upon developing a specific input about the presence of terrorists of Hizbul Mujahideen (HM) outfit in the village Nadigam, after thorough deliberations with officers of Army 34RR/23 PARA & 14lh BN CRPF, it was decided to launch a quick Cordon and Search Operation in the said village. Accordingly, a joint CASO of the said village was launched by Police Shopian with the assistance of 34 RR/23 PARA and 14th BN CRPF and the searches were started.

In order to make the operation successful two Police/SF teams were formed under the supervision of the operational commander Sh. Sandeep, IPS, SSP Shopian. The First party, comprised of Police Shopian and small QRTs of 34RR/23 PARA and 14th BN CRPF headed by SSP Shopian, laid the inner cordon of the target area and the Second Police party and QRTs of 34RR/23 PARA and 14th BN CRPF headed by Addl. SP Shopian assisted by Shri Tussif Ahmad DySP (PC) Imamsahib was tasked to lay the outer cordon of the target area.

As soon as the searches were started by the parties headed by SSP Shopian, the hiding terrorists resorted to indiscriminate firing upon the troops from different sides with their illegal automatic weapons with the intention to cause damage to the forces and to break the cordon resulting in injuries to following 05 Army personnel (1) L/HAV Vijay Kumar N0.13624481N (2) L/NK Sombir No. 16022429X (3) HAV Bhopender Singh No. 160118442N of 23 PARA (4) HAV MS Ansarie No. 14441066P and (5) Sep. Salinder Singh No. 15232352F of 34RR. The injured Jawans were immediately evacuated to hospital for treatment; among them 01 army personnel namely L/HAV Vijay Kumar No. 13624481N of 23 PARA succumbed to his injuries. The search parties also retaliated in self defence triggering a fierce gunfight between terrorists and Police/SF's. The search party immediately took cover and retaliated with a strategy and precision due to which the terrorists did not find any opportunity to escape from the besieged area. In order to avoid any civilian causality the operational Commander (SSP Shopian) asked the parties to evacuate the people trapped in the cordoned area. While the evacuation was taking place the assault group headed by SSP Shopian, SgCt. Firdous Ahmad Ganie 1117/A, Ct. Reyaz Ahmad Khan No. 582/IRP 12th Bn, Ct. Javid Ahmad EXK098175 and others came under heavy fire. In the meantime a violent mob started pelting stones on the troops engaged in the cordon with the intention to breakdown the cordon. The terrorists were asked to surrender which they refused instead they continued heavy volume of fire upon the operational parties. The troops took cover and retaliated effectively from the front. During the ensuing encounter which lasted for hours together four (04) dreaded terrorists of HM outfit were eliminated who were later identified as Abid Nazir Chopan S/o Nazir Ahmad Chopan R/o Padderpora Shopian (C-Cat), Mehraj Ahmad Najar S/o Abdul Ahad Najar R/o Drawani Zainpora (C-Cat), Malik Zada Inam-ul-Haq S/o Mubarak Ahmad Malik R/o Mantujan Shopian (C-Cat) and Basharat Ahmad Nengroo S/o Abdul Rashid Nengroo R/o Chotigam Shopian (C- Cat). The slain terrorists were involved in various terrorist related crimes. Large amount of arms/ammunition and other items were recovered from the possession of slain terrorists. Case FIR No. 363/2018 U/S 302, 307, 353, 212 RPC, 7/27 I. A. Act, 16 ULA (P) Act stands registered in P/S Shopian, in this regard. In the instant operation,

the recommendees played a pivotal role in gathering information as well as execution of the operation, resulting in elimination of four (04) dreaded terrorists of HM outfit.

In this operation S/Shri Sandeep, IPS, Senior Superintendent of Police, Firdous Ahmad Ganie, SgCT and Reyaz Ahmad Khan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/11/2018.

(F. No. 11020/22/2020-PMA)
(F. No. 18004/1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 115-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Arvind Kumar Badgal	Deputy Superintendent of Police	PMG
2	Javid Ahmad Mir	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23.03.2018, Anantnag Police received specific information regarding the presence of a group of terrorists in village Shistergam, Dooru. It was reliably learnt that the group had arrived in the area to carry out some subversive action.

Immediately, on receipt of the information, a joint strategy was chalked out by SOG Anantnag with 19 RR, 164 Bn. CRPF. Accordingly, SOG Hqrs Anantnag along with active assistance from the troops of 19RR, 164 Bn. CRPF launched a counter insurgency operation under the command of SSP Anantnag, ASP Hqrs Anantnag and the Police officers/officials of District Anantnag which included Sh. Arvind Kumar Badgal JKPS-135820, DySP (PC) Dooru, Sh. Tanweer Ahmad JKPS-085555, ASI Mohd Ayaz No. 25/IR 12th, SgCt Ishfaq Ahmad No. 1616/A, SgCt Javid Ahmad Mir No. 1288/A, SgCt Ab. Rashid 621/AP 7th, SgCt Prem Nath 223/KTR, Ct. Raza Murad 1706/A, Ct Pradeep Chand No. 472/AP 4th, Ct Kewal Krishan 405/IRP 10th, Ct Sunny Kumar 544/IR 10th, SPO Farooq Ahmad No. 423/SPO, SPO Mohd Saleem No. 499/SPO, SPO Shabir Ahmad No. 603/SPO, SPO Mohd Akbar No.809/SPO, SPO Sheraz Ahmad No. 760/SPO, SPO Javid Ahmad No.710/SPO, SPO Muneer Ahmad No.19/SPO-AP 9th and SPO Sharafat Hussain No.82/SPO.

Sooner cordon was intensified around the entire hamlet and the hiding terrorists were asked to surrender, which they declined and instead fired upon the deployed forces indiscriminately to break the cordon and make their escape good. The fire was retaliated by the operational party which resulted into elimination of two foreign terrorists who were lateron identified as Qari Waseem and Syed Ahmad.

From the site of encounter, large amount of war like items were recovered. For the incident, case FIR No. 24/2018 u/s 307 RPC, 7/27 I.A Act, 16, 18, 20 ULA(P) Act stands registered in Police Station Dooru and investigation taken-up. The role of Sh. Arvind Kumar Badgal JKPS-135820, Dy SP (PC) Dooru (now Dy SP PC Banihal) and SgCt Javid Ahmad Mir No. 1288/A (EXK-135623), ESU Anantnag was remained pivotal in information generation as well as execution of the operation which resulted in elimination of 02 terrorists.

In this operation S/Shri Arvind Kumar Badgal, Deputy Superintendent of Police and Javid Ahmad Mir, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/03/2018.

(F. No. 11020/23/2020-PMA)
(F. No. 18004/1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 116-Pres/2021—The President is pleased to award the 1st BAR to Police Medal for Gallantry/ 2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu &Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Mashkoor Ahmed	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Yousuf-Ul-Umer	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
3	Ferooz Ahmad Lone	Head Constable	2nd BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12.12.2018 at about 20:00 hours, a credible intelligence input received regarding presence of terrorists in village Gund-Mohallah, Brath Sopore and a joint cordon and Search Operation was launched by Sopore Police and 22-RR and 179 Bn. CRPF, 177 Bn. CRPF& 92 Bn. CRPF. During search operation, a contact was established with the terrorists who were hiding in the residential house, but the security forces could not launch an immediate assault against the holed up terrorists because of the fact that most of the civilians were trapped in their houses .Thus, in order to avoid the civil causalities, the operation was halted collectively decided by the SSP Sopore with the consultation of the counterparts of Army and CRPF. Thereafter, two joint teams of Police, Army and CRPF were constituted. 1st party included SI Yousuf-ul-Umer 29/AWP, HC Ferooz Ahmad Lone 192/Spr, Sgct Bilal Ahmad 435/Spr, Sgct Manzoor Ahmad 292/Spr, Const. Mehraj-ud-din 769/Spr, Const. Abdul Majeed 659/Spr, SPO Wahid Hussain 109/SPO, SPO Ishfaq Majeed 166/SPO, SPO Mushtaq Ahmad 280/SPO, SPO Javaid Ahmad 357/SPO, SPO Tawseef Ahmad 282/SPO led by Sh. Mashkoor Ahmed JKPS-085572, SDPO Sopore (as advance party). 2nd party included HC Mohammad Hafeez 170/IRP 13th Bn, Sgct Mohd Rafiq 347/Spr, Sgct Shabir Ahmad 772/Spr, Sgct Shabir Hussain 714/Spr Const. Aakash Mohammad 865/Spr, Const. Ghulam Nabi 654/Spr, SPO Mohammad Shafi 379/SPO, SPO Rameez Akbar 41/SPO, SPO Altaf Hussain 433/SPO, Mohabat Hussain 252/SPO led by SI Bilal Ahmad Khanday, EXK-115634 (as backup party) were formulated and tasked them to evacuate all the trapped civilians from the target house and other adjoining residential houses. Accordingly, the joint team lead by SDPO Sopore made tireless efforts to evacuate the trapped civilians.

After complete civilian's evacuation the security forces and Police took, the safe/defensive positions around the target house by re-sealing/tightening all entry and exit locations. As soon as the next dawn set, the joint party lead by Shri Mashkoor Ahmad-SDPO Sopore started approaching towards the very particular residential house where the terrorists were hiding in a second story of the house, the holed terrorists after sensing that the security forces are approaching towards them, they instantly fired indiscriminately upon the search/advance party which was. retaliated leading to an encounter, The joint advance party lead by SDPO Sopore under the covering firing of the 2nd joint party resiliently and valiantly advancing towards the target house and as soon as they are about to reach near the target house, the holed up terrorists came out from the house and while coming down through a stair of the house they fired upon the advance party but the advance party especially Sh. Mashkoor Ahmed JKPS, SDPO Sopore, SI Yousuf-ul-Umer and HC Ferooz Ahmad Lone effectively retaliated the fire and in the ensuing face to face fierce fun fight, one terrorist got killed while asanother terrorist immediately rushed towards a nearby cowshed to take shelter, but before reaching in the cowshed SI Yousuf-ul-Umer of Police Component Sopore by exhibiting highest degree of professionalism and resilience fired effectively towards the terrorist and killed him on spot. The slain terrorists later on identified as Owais Ahmad Bhat @ Abu-Bakar S/o Ghulam Ahmad Bhat R/o Gund Mohalla Brath Sopore and Tahir Ahmad Dar @ Abu-Abdullah @ Taya S/o Mohammad Ramzan Dar R/o Saidpora, Sopore both belonging to proscribed terror outfit Lashker-e-Toiba (LeT). Large amount of war like items recovered from the. possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 335/2018 U/S 307 RPC, 7/27 I. A. Act stands registered in Police Station Sopore. During operation, Sh. Mashkoor Ahmed JKPS, SDPO Sopore, Si Yousuf-ul-Umer and HC Ferooz Ahmad Lone while exhibiting highest degree of professionalism, resilience and bravery effectively retaliated the fire and in the ensuing face to face fierce gun fight, resulting elimination of above mentioned terrorists.

In this operation S/Shri Mashkoor Ahmed, Deputy Superintendent of Police, Yousuf-Ul-Umer, Sub-Inspector and Ferooz Ahmad Lone, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 12/12/2018.

(F. No. 11020/25/2020-PMA)
(F. No. 18004/1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 117-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Tahir Saleem Khan	Senior Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Zahoor Ahmad Wani	Sub-Inspector	1st BAR TO PMG
3	Shabir Ahmad Dar	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 10.03.2019, a credible input was received about the presence of two terrorists in the house of Mohammad Amin Shah S/o Ama Shah R/o Pinglish Tral. The operation was planned and cordon was established around the said house with the assistance of 42-RR and 180 Bn CRPF. Immediately, a joint search party was constituted comprising of Shri Tahir Saleem Khan JKPS- 017322, SSP Awantipora, Shri Ajaz Ahmed-JKPS, DySP(PC) Tral, SI Zahoor Ahmad Wani ARP-115653, ASI Ram Singh ARP-952259, HC Shabir Ahmad Dar No. 204/IRP 11th Bn, HC Surjeet Singh No. 94/Awt, HC Satishwar Singh No. 115/AP 5th, SgCT Manzoor Ahmad No. 2325/S, Ct. Irshad Ahmad No. 526/Awt, SgCt Zail Singh No. 828/IR 11th, SgCt Yashpal Singh No. 836/IR 11th, Ct Jehangir Ahmad No. 1526/S, Ct. Abid Hussain No. 804/Awt, SPO Mohd Mehmood No. 127/SPO, SPO Yogishwar Singh No. 272/SPO, SPO Ulfat Rashid No. 98/SPO, SPO Suresh Kumar No. 1766/SPO, SPO M. Munshi No. 563/SPO, SPO Bashir Ahmad No. 216/SPO and SPO Ishtiyaq Ahmad No. 343/SPO.

To prevent this escape of hiding terrorists, targeted house was closely cordoned off by search party. The hiding terrorists were asked to surrender and also to allow the owner of the house along with the family members to come out from the horse which they declined. It was planned to evacuate the owner/family members who were trapped inside the target house. The joint search party meticulously entered in the premises of the house under coven fire of Cordon party and successfully opened door of the room wherein the family members were trapped. All the family members ran out of the house under cover of search party who on one hand engaged lading terrorists in firing and on the other took the family members safely out from the encounter site. Soon after evacuation of civilians, joint search party moved meticulously towards hiding terrorists. While noticing movement of search party, terrorists fired indiscriminately towards them who who without caring for their lives moved forward and retaliated effectively resulting in grievous injuiy to both terrorists. Meanwhile, terrorists lobbed a couple of grenades towards joint search party which exploded and caused grievous splinter injuries on the right hand of Shri Ajaz Ahmad, DySP (PC) Tral.

Then again terrorists fired some gun shots towards joint search party in order to make their escape good. Immediately, the movement of the terrorists was noticed by the joint search party and with prompt/accurate fire killed both the terrorists who were later identified as Mudasir Ahmed Khan (LT) (C-Cat) and Zarar Bai (FT) (A-Cat) both affiliated with JeM outfit. Arms/ammunition were recovered from the possession of slain terrorists included 02 AK Rifles (damaged), 06 AK Magazines (Damaged) and 01 Pistol (damaged in three parts). For the incident, case FIR No. 16/2019 U/S 307 RPC. 7/27 A. Act stands registered P/S Tral. During entire operation, the recommeadees remained forefront and evacuated the house owner/ family who were trapped in the target house without caring for their personal lives and also played pivotal role in elimination of both the terrorists.

In this operation S/Shri Tahir Saleem Khan, Senior Superintendent of Police, Zahoor Ahmad Wani, Sub-Inspector and Shabir Ahmad Dar, Head Constabledisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 10/03/2019.

(F. No. 11020/30/2020-PMA)
(F. No. 18004/1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 118-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Rakesh Akram	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Madasar Nasser	Inspector	1st BAR TO PMG
3	Nazir Ahmad Jatal	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31.05.2019 a credible input was received about the presence of two local terrorists of proscribed JeM outfit in the residential house of one Bilal Ahmad Ganie S/o Gh.Qadir Ganie R/o Nanar Awantipora. The operation was planned and cordon was established around the said house with the assistance of 42-RR, 130 & 180 Bn CRPF. Immediately a joint search

party was constituted comprising of Shri Tahir Saleem-JKPS-SSP Awantipora, Sh.Rashid Akbar, SDPO Awantipora, Shri Ajaz Ahmed, JKPS-DySP PC Tral, Sh. Aejaz Ahmad JKPS, DySP DAR Awantipora, Shri Rakesh Akram, DySP, PC Awantipora, Inspr Madasar Naseer-SHO PS Awantipora, HC Zahoor 1801/PW, HC Davinder Kuamar No. 118/IRP 20th Bn, SgCt Pankaj Kumar 601/IR 12th, Sgct Ab.Hadi No. 839/IRP 11th Bn, SgCt Shabir No. 666/Awt, SgCt Nazir No. 826/IRP 11th Bn, Ct Munner 785/Awt, Ct. Sameer 689/Awt, Ct Zahoor 360/Awt, Follower, Shamus Din No.03/F, SPO M.yousuf Bhat No. 547/SPO, SPO Tufail Wagay No.260/SPO, SPO Muzamil Mushaq Dar No. 12/SPO and SPO M.Malik No.101/A. To prevent the escape of the hiding terrorists, the targeted house was closely cordoned off by the search party. The hiding terrorists were asked to surrender which they refused to do. The joint search party moved meticulously towards the hiding terrorists. While noticing the movement of search party the terrorists fired indiscriminately towards them. However, without caring for their lives the joint search party moved forward and retaliated and directed effective fire on the terrorists resulting in injuries to the two terrorists. Meanwhile the terrorists lobbed a couple of grenades towards joint search party but fortunately the grenades exploded without causing any damage to the joint search party. Subsequently, the terrorists fired some gun shots towards joint search party in order to make their escape. Immediately the movement of the terrorists was noticed by the joint search party and with prompt action and accurate both the terrorist were killed resulting in the culmination of the operation without causing any civilian killing/injury. The eliminated terrorists were later-on identified as Yawar Ah. Najar S/o Ab. Majid R/o Dar Ganie Gund Tral and Junaid Ah.Wagay S/o M. Ayoub R/o Amshipora Shopian affiliated with JeM outfit. Large number of arms/ammunition were recovered from the possession of the slain terrorists for which Case FIR No. 85/2019 U/S 307 RPC, 7/27 A. Act.16,18,19,20,38 ULA(P) Act stands registered in P/S Awantipora for further course of investigation.

In this operation S/Shri Rakesh Akram, Deputy Superintendent of Police, Madasar Nasser, Inspector and Nazir Ahmad Jatal, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 31/05/2019.

(F. No. 11020/123/2020-PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 119-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Mohd Idress Wani	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Khursheed Ahmad Malla	Head Constable	PMG
3	Ferooz Ahmad Lone	Head Constable	1st BAR TO PMG
4	Bilal Ahmad Shagoo	SgCT	PMG
5	Dawood Ahmad Bhat	SgCT	1st BAR TO PMG
6	Bashir Ahmad Sheikh	Follower	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 09.10.2017, at about 11:45 hours a specific input was received by Sopore Police with regard to the movement of LeT Chief operational Commander J&K in village Ladoora Rafiabad. While acting on this input, Sopore Police laid a covert Naka comprising upon the officers/officials namely Shri Mohd 'dress Wani-JKPS DySP (PC) Rafiabad, SI Zia-ur-Rehman ARP-109257, ASI Farooq Ahmad 24/Spr, ASI Gh Mohammad 281/Spr, HC Khursheed Ahmad Melia 496/Spr, HC Ferooz Ahmad Lone 192/Spr, Sgct Bilal Ahmad Shagoo 624/Spr, Sgct Akeel Ahmad 46/Spr, Sgct Dawood Ahmad Bhat 09/Spr, Sgct Reyaz Ahmad 433/Spr, Ct. Tariq Ahmad 692/Spr, Ct. Danish Ahmad 796/Spr, Foll. Bashir Ahmad Sheikh 19/F, SPO Manzoor Ahmad 246/SPO, Mohd Ashraf 290/SPO, Gh. Mohd 474/SPO, Firdous Ahmad 115/SPO, Shairef-ud-din 162/SPO, Mehraj-ud-din 469/SPO, Shahnawaz Ahmad 331/SPO, Nazir Ahmad 184/SPO, Bashir Ahmad 115/SPO, Manzoor Ahmad 489/SPO, Adil Ahmad 117/S PO & Reyaz Ahmad 338/SPO led by Shri Harmeet Singh SSP Sopore at Woven Mohalla Ladoora. During Naka duty, one terrorist was intercepted who on challenging fired upon the NAPA party and also lobbed a grenade upon the NAKA party. The NAKA party especially Dy.SP (Ops) Rafiabad and his team led by SSP Sopore immediately retaliated by exhibiting highest degree of professionalism, and bravery and in the ensuing shootout the said terrorist commander got injured, however he escaped from the spot and took refuge in a nearby residential house.

Subsequently a joint operation was launched by Sopore Police/SFs and the area were cordoned off by plugging off all entry and exit points. The holed up terrorist commander after noticing that he was once again trapped in the cordon opened the fire

upon the Police/ Security Forces. However the Police/SF's exercied maximum restraint because of the fact some civilians were trapped in the target house and as such there was apprehension of civil causality if the target house was stormed at the very movement. So in order to avert the civil causality and to storm the target house two joint parties of Police/ Army/ CRPF including 1st Party, HC Khursheed Ahmad 496/Spr, HC Ferooz Ahmad 192/Spr, Sgct Bilal Ahmad 624/Spr, Sgct Dawood Ahmad 09/Spr, Foil. Bashir Ahmad 19/F, SPO Manzoor Ahmad 246/SPO, Mohd Ashraf 290/SPO, Gh. Mohd 474/SPO, Firdous Ahmad 115/SPO, Sharief-ud-din 162/SPO, Mehraj-ud-din 469/SPO led by Dy.SP (PC) Rafiabad and 2nd Party ASI Farooq Ahmad 24/Spr, ASI Gh Mohammad 281/Spr, Sgct Akeel Ahmad 46/SPO, Shahnawaz Ahmad 331/SP0,. Nazir Ahmed 184/SPO, Bashir Ahmad 115/SPO, Manzoor Ahmad 489/SPO, Adil Ahmad 117/SPO, Reyaz Ahmad 338/SPO led by SSP Sopore were formed. As per well strategy both the parties put their selves in great risk and after exhaustive efforts all the civilians were evacuated front the target house. Thereafter the cordon was more tightened and the holed up terrorist was again asked to surrender but he continuously kept firing upon the joint parties. The first Joint Party volunteered themselves toenter in to the target house for last assault and the 2nd Joint Team volunteered to advance towards target housefor providing covering firing. Accordingly the 1st team crawled/ approached to the target house and as soon as the team reached on the front door of the house, the terrorist fired heavily upon the party, but the 1st joint party under the backup/ covering firing of 2nd Party by keeping their morale very high managed their entry in to the target house and thereafter the party especially HC Khursheed Ahmad 496/Spr, HO Feroz Ahmed 192/Spr, Sgct Bilal Ahmad 624/Spr, Sgct Dawood Ahmad 09/Spr, Foil. Bashir Ahmad 19/F led by DySP (PC) Rafiabad tactfully sneaked in to a room where the militant was hidden and while sneaking in to the room they retaliated and pierced volume of bullets to the terrorist resultantly the terrorist commander got killed. The 2nd Party especially ASI Farooq Ahmad 24/Spr, ASI Gh Mohammad 281/Spr Sgct AkeelAhmad 46/Spr led by SSP Sopore have also shown extraordinary professionalism, bravery, resilience by engaging the terrorist till the first party managed their entry in the target house. The slain terrorist has been later on identified as Jabbar R/O Pok, a Chief operational Commander of LeT outfit (category A++) vide PHQ categorization list issued- Vide No. OPS/Rwd/Criteria/2017/915-30 dated 24.07.2017 at S. No. 65. Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorist includes 01 Pistol and 01 Pistol Magazine. Case FIR No. 56/2017 U/S 307/RPC, 7/27 A. Actstands registered in Police Station Dangiwacha, in this regard.

In this operation S/Shri Mohd Idress Wani, Deputy Superintendent of Police, Khursheed Ahmad Malla, Head Constable, Ferooz Ahmad Lone, Head Constable, Bilal Ahmad Shagoo, SgCT, Dawood Ahmad Bhat, SgCT and Bashir Ahmad Sheikh, Follower displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 09/10/2017.

(F. No. 11020/20/2019-PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 120-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shamshir Hussain	Senior Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Fayaz Hussain Shah	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
3	Khushal Hussain Shah	Head Constable	PMG
4	Reyaz Ahmad Mir	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20.03.2018, based on specific information generated by SSP Kupwara regarding presence of a group of terrorists hiding inside the forest patch adjoining to village Khanchak Halmatpora, a joint operation was launched by SOG Kupwara, troops of Army 41 RR and 98 CRPF under the closesupervision of SSP Kupwara, Police search party assisted by other forces cordoned the forest patch which was located close to heavily populated village and started the search operation of the suspectedarea. Around 1545 hrs, the search parties noticed the movement of terrorists in the forest patch of Khanchack Halmatpora. On noticing the movement of security forces in the cordon the terrorists who were hiding in the forest patch started indiscriminate firing on the search party. Despite heavy firing bythe terrorists toward the populated area all the civilians of the village were evacuated to safer locations by SSP Kupwara and DySP PC Kupwara assisted by other police personnel. After evacuation of all the civilians, the assault team led by SSP Kupwara retaliated the fire effectively resulting in the elimination of 03 terrorists on spot, while the other terrorists by taking advantage of dense forest and hilly terrain took cover inside thick vegetation and kept on firing on the security personnel. The area was kept under tight cordon throughout the

night during which the holed up terrorists desperately tried to break the cordon on three occasions but were held back due to the alertness displayed by the parties on ground. Intermittent firing continued through the whole night. Next day on 21/04/2018 at about 0950 hrs, search in the forest was restarted in order to neutralize the remaining terrorists during which two policemen namely Sgct Deepu Thusoo Belt No. 705/KP and SPO Mohd Yousaf No. 602 along with three army personnel attained martyrdom. SSP Kupwara assisted by DySP PC Kupwara along with their PSOs went inside the deep forest patch to rescue the dead bodies of martyred jawans despite heavy firing by the terrorists without caring for their safety. The dead bodies of martyred police personnel were shifted from dense forest patch to hospital. The hiding terrorists kept on moving by firing indiscriminately on all directions and keeping in view their possible escape from cordon during night hours, the security forces parties lead by SSP Kupwara started the search of the area. During search the 02 terrorists who were moving in a small Nallah in the forest patch were neutralized despite heavy firing by them. The operation was called off after elimination of all the 05 terrorists. Arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorists is enclosed. Investigation conducted into the matter revealed that said eliminated terrorists were foreigners and affiliated with LeT out-fit, They have been later identified as Waqas @ Darda R/o Sargodha Lahore, Pakistan. (Commander), Shuraim R/o Bahawalpur Punjab, Pakistan, Fahadullah R/o Gujranwala Punjab, Pakistan, Umair R/o Tharparker Sindh, Pakistan and Qari Sahb R/o Dir Peshawar, Pakistan. Case FIR No. 40/2018 u/s 307 RPC, 7/27 I.A Act stands registered in Police Station Kupwara, in this regard.

In this operation S/Shri Shamshir Hussain, Senior Superintendent of Police, Fayaz Hussain Shah, Deputy Superintendent of Police, Khushal Hussain Shah, Head Constable and Reyaz Ahmad Mir, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/03/2018.

(F. No. 11020/36/2019-PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 121-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Tariq Mahmood	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Parveen Kumar	Sub-Inspector	PMG
3	Tariq Ahmad Khoja	SgCT	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24.09.2018 at 22:15 hours, acting upon credible intelligence input regarding presence of terrorists in village Nowpora Tujarsharief of Bomai area, Sopore Police along with the contingent of Police District Handwara, 22-RR & CRPF cordoned off the area and launched search operation, During search operation a contact was established with the terrorists who were hiding in a residential house and as the search was going on, holed up terrorists fired upon them and escaped from the residential house and took shelter in a nearby graveyard. The security forces could not retaliate effectively because of the fact that it was night hours and all the people were trapped in their houses and in such a hostile situation there was every apprehension of civilian's causality, if the security forces had launched an aggressive assault. So in order to save the civilians and to evacuate them from the cordoned area, two joint teams were formulated to evacuate the trapped civilians. The joint teams so formulated comprising upon 1st team of SI Reyaz Ahmad No. 286/S, SI Parveen Kumar ARP-085601, Sgct. Tariq Ahmad Khoja No. 692/Spr, Sgct Iqbal Hussain No. 264/H, Const. Mohammad Hanief No. 593/H, Const. Fayaz Ahmad No. 597/Spr, SPO Aadil Qayoom No. 91/SPO-Hdw, SPO Gulzar Ahmad No. 539/SPO-Hdw, SPO Zahid Abass No. 186/SPO-Spr, SPO Maninder Singh No. 335/SPO-Bla, SPO Manjit Singh No. 230/SPO-Spr, SPO Sameer Ahmad No. 56/SPO-Spr headed by Shri Tariq Mahmood JKPS-125717 (DySP PC Handwara) and 2nd Team including SI Yousuf-ul-umar No. 29/AWP, Sgct Bilal Ahmad Bhat No. 440/Spr, Sgct Qaisar Ahmad Wani No. 415/H, Sgct Javeed Ahmad No. 179/H, Sgct Sajad Ahmad No. 3666/PW, Sgct Muzaffar Ahmad No. 749/Spr, Const Wakeel Ahmad No. 670/Spr, Const Ghulam Hassan No. 677/H, SPO Aijaz Ahmad No. 596/SPO-Hdw, SPO Suhail Ahmad No. 47/SPO-Spr, SPO Bilal Ahmad No. 326/SPO-Spr, SPO Reyaz Ahmad No. 94/SPO-Spr, SPO Gulzar Ahmad No. 355/SPO-Spr headed by Shri Vinod-JKPS Dy.SP PC Wadoora were tasked to evacuate all trapped civilian from the cordoned area and accordingly both the teams while exhibiting a typical professionalism and resilience approached towards the residential houses and took all civilian out from their residential houses safely and while the evacuation process was in progress the holed up terrorists fired intermittently upon the evacuation parties and even some bullets missed them closely, but both the joint parties did not lose their morale and they

ensuredcomplete evacuation of all trapped civilian, Since the terrorists were hiding in a graveyard which was dense vegetation comprising grass & bushes and it could not be precisely evaluated where the terrorists were actually hiding and after thoughtful consideration in consultation with the counterparts of Army & CRPF, the operation was halted till dawn. The cordon was further tightened by sealing all lanes, bye lanes entry and exit points. Lights were installed so as to ensure that the terrorists could not escape from the spot. At the onset of dawn, the hiding terrorists opened heavy volume of fire upon the security forces and police which was retaliated by the security forces leading to an encounter. The security forces could not precisely retaliate as the terrorists were hiding in a thick bushy graveyard. After consultation with the counterparts of Army & CRPF and all the dimensions were taken into consideration, it was unanimously decided that the security force should advance to take a last and final assault and as per the strategy,the two joint parties, one led by DySP (PC) Handwara and another party led by Dy.SP PC Wadoora started approaching towards the actual spot where the terrorists were hidding. As soon as the 1st joint party crossed the main gate in front side of the grave yard and crawled few meters towards the hiding terrorists they (terrorists) after sensing that they were being about to assaulted by the securityforces, they stood up from the bushes and lobbed a grenade.firing, but the advance party especially Shri Tariq Mahmood-JKPS DySP (PC), Handwara, SI-Parveen Kumar ARP085601 and Sgct Tariq Ahmed Khoja No. 692—Spr retaliated the fire effectively and in the open field and in the gunfight, two (02) terrorists both belonging to Lashker-i-Toiba (LeT) outfit were eliminated. The slain terrorists were later-on identified as Maaz R/o Pak (LeT operational commander North Kashmir) and Abdul Majeed Mir @ Sameer S/o Bashir Ahmad Mir R/o Tujarsharief Bomai. A large amount of war like items was recovered from the possession of slain terrorists. In this regard, case FIR No. 74/2018 U'S, 307IRPC, 7/27 Arms Act stands registered in Police Station Bomai.

It is pertinent to mention that the slain terrorists were active for quite some time and involved in various incidents of civilian killings and throwing of grenades including killings of Mushtaq Ahmad Mir S/o Ghulam Rasool Mir R/o Herwan Bomai Sopore. The slain terrorist Abu Maaz R/o Pak was A-Cat terrorist while as another slain terrorist Abdul Majeed Mir @ Majid @ Sameer was C-Cat terrorist.

In this operation S/Shri Tariq Mahmood, Deputy Superintendent of Police, Parveen Kumar, Sub-Inspector and Tariq Ahmad Khoja, SgCT displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/09/2018.

(F. No. 11020/140/2019-PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 122-Pres/2021—The President is pleased to award the 1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jammu & Kashmir Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sajad Ahmad Malik	Deputy Superintendent of Police	1st BAR TO PMG
2	Ravinder Paul Singh	Inspector	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 17.11.2017, Police Srinagar received information through reliable sources that some terrorists carrying arms and ammunition with intention to carry out sensational attack on some Security Force establishment are moving in a vehicle towards Gulab Bagh Zakoora area. Immediately after receiving information a police team comprising of personnel from Police Stations and Police Component Srinagar under the charge of SDPO Nigeen-Zakoora and supervised by SP Hazratbal, Srinagar, was constituted to foil the nefarious designs of the terrorists. Since the areas is 5 to 6 kms away from heart of Srinagar and in order to ensure clean and successful operation and to avoid any collateral damage, it was decided to conduct the operation tactfully. All the nafri were divided into three parties. First party comprised of Police Component Zakoora under the charge of SI lmran Tak headed by Sh. Sajad Ahmad Malik SDPO Nigeen-Zakoora was tasked to lay a naka and conduct frisking of the vehicles coming from Zakoora towards Gulab Bagh and its interior areas. The second party comprised of Police party of P/S Zakoora headed by lnspr. R.P. Singh, SHO P/S Zakoora was tasked to lay the Naka at Gulab Bagh Chowk for frisking of vehicle coming from Nagbal area towards Gulabagh. Third party comprising upon Police party of P/S Lalbazar headed by SI Reyaz Ahmad SHO P/S Lal Bazar was tasked to conduct frisking of vehicles coming from Rungpura Ellahi Bagh area. All the teams were headed by Sh. Amod Ashok Nagpure-IPS SP Hazratbal Zone, Srinagar.

All the parties positioned themselves according to the plan as enumerated above. In the meantime after laying of Naka at Gulab bagh, checking of vehicles and suspicious pedestrians werecarried out and during checking one vehicle Santro bearing registration No. JKOIV-5593 coming from Zakoora area was asked to stop by the Naka party but despite that some unknown terrorists who were travelling in the said vehicle fired upon the police party in discriminately and tried to escape from the

site,but the naka party retaliated effectively and during firing SI Imran Tak lncharge Police Component Zakoora and one SPO namely Suhail Ahmad of Police Component Zakoora received grievous bullet injuries. Later the injured SI lmran Hussain Tak succumbed to his injured on way to hospital. Worth while to mention here that due to sudden firing the locals who were busy with their business and day to day engagements got disturbed and due to which the operation became very challenging for the security agencies and as there was an apprehension of collateral damage, but SP Hazratbal immediately directed the operation parties viz SDPO Nigeen-Zakoora, SHO Zakoora and SHO Lal Bazar to ensurethat there should be no civilian killing or damage to their property and cordon the whole vicinity in aquick manner. Accordingly the whole area was cordoned and intensified search was carried out underthe proper SOP. During the search contact was established with the terrorists who fled away from Nakaand in the first instance the terrorists was asked to surrender which they denied totally and started firingup the operational parties. The Police/PC personnel retaliated bravely. Immediately Sh. Sajad Ahmad Malik SDPO Nigeen-Zakoora, Inspector R.P. Singh, SHO P/S Zakora, SI Reyaz Ahmad EXK-109143, SHO P/S Lal Bazar, ASI Ajaz Ahmad 2606/5, HC Bashir Ahmad Chachi No. 690/IR 5th Bn. ARP996943, Sgct. Shabir Ahmad Dar No.850/S EXK-983980, Sgct. Altaf Ahmad Wani 509/AP 7th Bn. Ct. Aijaz Qadir Malik No. 1169/S EXK-111953, Ct. Farooq Ahmad Lone No. 1680/S EXK-111732, Ct. Zahoor Ahmad No. 3420/S EXK-119680, R/Ct. Amer Yousaf Dar No. 3011/S EXK-125924, Ct. Ajaz Ahmad Ganie No. 1850/S, .Ct. Mudassir Ahmad Naikoo No. 3932/S and Sgct Mukhtar Ahmad No.327/IP6th,ARP 695541 without carrying for their personal lives reached the target area where the terrorists were holed up and in the ensuing gun battle, one terrorist was eliminated and another terrorist was apprehended without any collateral damage. The apprehended terrorist was later identified as Towseef Ahmad Shah S/o Gh. Mohd Shah R/o Parimpora. It is also pertinent to mention here that due to the heavy law and order disturbance some miscreants pelted stones on the said operational parties and took along the deadbody of terrorist who was killed and handed over him to his parents identified as Mugees Ahmad Mir @ Abu Khatab S/o Abdul Aziz Mir R/o Parimpora, Srinagar. It is also worthwhile to mention here that the apprehended terrorist namely Towseef Ahmad Shah S/o Gh. Mohd Shah R/o Parimpora Srinagar was the main organizer and operative of terror network in Srinagar City managing all communication/ logistics for terror operatives and who also motivating the youts to indulge in terrorist activities and joining terrorists ranks. Moreover, on the disclosure of said Towseef Ahmad Shah 02 more hardcore OGWs namely Rashid Ahmad Shah S/o Gh. Mohd Shah R/o Parimpora, Srinagar and Arif Ahmad Sheikh S/o Gh. Mohd Sheikh R/o Parimpora, Srinagar were apprehended. The elimination and apprehension of these terrorists is a very big jolt to the new rebel group Ansar Gazwat-ul Hind network in the South/Central Kashmir. The apprehended terrorist namely Towseef Ahmad Shah S/o Gh. Mohd Shah R/o Parimora Srinagar was a. right hand of killed terrorist Mugees Ahmad Mir @ Abu Khatab and was also a part of his Ansar Gazwat-ul Hind terrorist outfit. The said killed terrorist was a categorized terrorist having 'A" Category of HM outfit and some arms/ammunition recovered from the possession of slain terrorist. Case FIR No. 47/2017 U/S 307 RPC, 7/27 I.A Act stands registered in Police Station Zakoora, in this regard.

It is also mentioned here that it was not possible for Police as well as operational contingent to get postmortem of the dead body of killed terrorist namely Mugees Ahmad Mir @ Abu Khatab S/o Abdul Aziz Mir R/o Parimpora, Srinagar at the time of elimination under a proper police custody as some miscreants/trouble mongers after creating law & order disturbance in the area and stone pelting upon the operational parties they took along dead body from the site of encounter and handed over directly to concerned family members for last rites. The family members concerned avoided for postmortem and they started abusing and pelted stones on the security forces for which a detailed report vide DDR No. 33 dated 17.11.2017 and DDR No. 48 dated 18.11.2017 was entered in Daily Diary of P/S Parimpora. Besides at the time of funeral the parents of killed terrorists were again approached by the Police to conduct post-mortem of the dead body in a proper police custody, but despite that they got assembled along with other miscreants and pelted stones on Police/SFs and damaged the vehicle of Police for which 02 separate FIR's have also been lodged in P/S Parimpora vide FIR Nos. 279/2017 & 280/2017 P/S Parimpora.

In this operation S/Shri Sajad Ahmad Malik, Deputy Superintendent of Police and Ravinder Paul Singh, Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 17/11/2017.

(F. No. 11020/160/2019-PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 123-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jharkhand Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Prakash Kumar Rajak	Sub-Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

In Garhwa and Palamau district a banned organization in the name of T.P.C isvery active and has been continuously extorting people, preventing developmental works, threatening and collecting levy in the area. There have been continuous reports about their activities and bad intentions. Garhwa police had been continuously operating against the hard core members of the aforesaid group namely Mehandra singh Kharwar, Raushan ji, Abhay Yadav, Rajnikant, Chandan and others but in vain.

On the 12th of January-2017, at around 10:30 hrs, O/C Ramkanda PS, SI Prakash Kumar Rajak, Garhwa received an information that the above named members of T.P.C were moving around in Dhoti forest area under Ramkanda PS and were planning to target few developmental projects and respective contractors for the extortion of levy. On this information O/C Ramkanda PS, SI Prakash Kumar Rajak immediately sprung into action and departed to the aforesaid place with two teams while one team had 07 sepoys the other headed by the O/C himself comprised of only five men including the OC himself. They reached Dhoti forest at around 12:00 noon and enquired about the where abouts of the T.P.C members. Some of the villagers and sheperds informed him that the T.P.C members had move towards east direction some time ago. Accordingly the O/C sent his second team in the north area direction while he along with his four Sepoys immediately left their motorcycle in the Dhoti forest and followed the direction of group on foot. At around 14:15 hrs. they reached the village Chauwathtand under Chainpur PS, Palamau district in hot persuet. When they inquired the villagers about the T.P.C. members the villagers whispered that they were, somewhere in the adjoining forest area in the eastern direction. On this infomiationi O/C Ramkanda, Prakash Kumar Rajak and his four Sepoys started moving in the said direction very carefully and cautiously. After five minutes of their movement in the said direction they heard the voice of few people. In order to a-certain the identity of those people the O/C and his men very slowly were advancing towards the the voice and it was within next two minutes that they were spotted by the T.P.C. who opened indiscriminate firing on the O/C and his team. The O/C Prakash Kumar Rajak disclosed his identity and order them to surrender. The O/C and his team clearly heard the commander of the T P C. ordering his men to surround the police on all sides, kill them and snatch their weapons.

Asessing the grave situation, the O/C Ramkanda, Prakash Kumar Rajak then ordered his men to fire in self defense in the direction of coming fire. In the meanwhile the O/C Ramkanda and his team showing extraordinary Gallant effort crowled towards the T.P.C. team taking aid of standing bushes and trees. It was then that another round of indiscriminate firing was opened on the O/C and his team, by the T.P.C. members. On this the O/C took aim in the direction of coming fire and fired six rounds from his AK47. Immediately they heard a person screaming in pain and were confirmed that the O/C Prakash Kumar Rajak's had hit one of the members of T.P.C. After a little while they heard loud foot steps the sound of which was travelling away from them clearly indicating that the T.P.C. members were running away. The O/C Prakash Kumar Rajak and his team of four Sepoys immediately followed them but the T.P.C. members had disappeared in the dense forest. There, after SI Prakash Kumar Rajak and his team started searching the area. After a while they found the dead body of one T.P.C.member who had .315 Rifle. He was later identified as Rajnikant @ Kanchan Kumar Gupta the notorious Area Commahder of T.P.C. During the search one more .315 Rifle, 5 (five) mobiles, battery charger, mobile charger, solder badge of police, T.P.C. pomplet, empty round, live round of .315 rifle, blankets, electric wire, altimeter etc were also recovered.

Thus the incident clearly indicates the outstanding gallant work, exemplary valour, presence of mind, ability to employ tactics and leadership quality of SI Prakash Kumar Rajak O/C Ramkanda Ps, Garhwa, who not only had the guts to engage the T.P.C. with only four Sepoys but also to lead from the front successfully, prevent any loot of government weapons and at the same time successfully killed one of the area commander T.P.C. while firing in self defense.

In this operation Shri Prakash Kumar Rrajak, Sub-Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from12/01/2017.

(F. No. 11020/104/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 124-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Jharkhand Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Kunal	Additional Superintendent of Police	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On receipt of specific intelligence by Shri Kunal, ASP(ops) Giridih at around 1500 hrs on 16/06/16, an ops was planned by ASP(ops) Giridih in consultation with Commandant 203 CoBRA with three strikes of CoBRA, one strike of F/154 CRPF and one A/Group of Jharkhand Jaguar. Accordingly 03 teams of 203 CoBRA and A/Group of JJ reached A/154 coy location

at Madhuban for Spl ops at 2130 hrs. Each strike was briefed by Shri Kunal and then by Respective team comdrs. Thereafter the teams left for ops from Madhuban, Giridih, Jharkhand on 17/06/2016 at 0245 hrs. T. No. 15 U/CSh. Hare Ram and 2 y/plns of F/154 CRPF first debussed near Chirki Village and moved on foot for laying cut-off according to plan. Team no. 14 U/CSh. Kiyam Rajiv, A/C and T. No. 13 U/C Sh. Mahendra Singh Shekhawat, D/C debussed on Palganj-Khetadabar road at designated place. A/G of JJ moved further on road for laying cut off and debussed near their predecided place. All parties moved on foot for their designated tasks.

T. No. 13 and 14 moved together after debussing and thentook a halt (R.V.) at about 0315 hrs, around 01 km before the core target area. At around 0415 hrs T. No. 13 moved towards its designated place tolay cut-off and the main strike team i.e. T. No. 14 U/C Sh Kiyam RajeevSingh was led by Shri Kunal towards the target. According to groundreality and tactics, T. No. 14 moved towards target in extended lineformation. At about 0500 hrs 4-5 naxals people were sighted in blackuniform and with weapons. The scouts of our team shouted at them to stop but they fired upon and started running. They were being chased just when all of sudden naxals started heavy volley of fire targetting the troops. Our troops led by Shri Kunal immediately took position and retaliated valiantely. Naxals were large in numbers and they started heavy fire towards the troops while shouting each others name. On seeing this few team personnel led by Shri Kunal in utter disregard to personal safty advanced towards naxals while firing. They adopted fire and move and also fired UBGL. Suddenly one of our scout Balen Harijan was hit by a bullet in his mouth while loading ubgl but he kept on firing towards naxals. On seeing this Shri Kunal led the assault and fired aiming at naxals hiding in the bushes and simultaneously directed troops to fire few rounds of UBGL. Naxals on seeing this valiant assault started running helter skelter towards the jungle on other side. Shri Kunal on assesing situation stopped advancement of troops and decided to first evacuate the injured. Other teams and higher ups were immediately informed. A quick search of incident place was cut out while a temporary strature was being made. Few articles including 03 IEDs and other daily use articles were recovered. Blood stains confirmed that few naxals were hit. Injured, Balen Harijan was evacuated through dense jungle by the team led by Shri Kunal and team Comdr Shri Kiyam Rajeev, inspite of presence of naxals and looming threat. On arriving at CHC pirtand, Balen Harijan was declared “brought dead”.

Fresh teams were inducted to cut out thorough search of area and to target fleeing naxals. During continuing search, on 19/06/16 one dead body of naxals namely Baharam HansDa @ Gajo @ Pankaj majhi, zcm (Zonal committee member) of North Chhotanagpur range of CPI (maoist) was recovered at about 1 kms fm incident place in thick jungles with following articles –

SL. NO.	NAME OF ARMS/AMMNS AND ARTICLES RECOVERED	NO. OF ITEMS RECOVERED
1	SLR BODY NO.-L6179060 WITH LOADED MAGAZINE AND ROUND IN CHAMBER	01 NOS.
2	SLR MAGAZINE EXTRA	01 NO.
3	(7.62X51 MM) LIVE ROUNDS	130 NOS.
4	FIRED CASES.	AK-47 - 10 NOS. INSAS - 05 NOS.
4	CASH	RS. 1,14,275/-
5	NAXAL LITERATURE	03NOS.
6	IED	05 NOS.
7	PITHOO	01 (BLUE)
8	BLACK DRESS	01 NO.
9	MOTOROLA SET	01 NO.
10	MEMORY CARD	01 NO.
11	SIM CARD	03 NOS.
12	LEVY RECEIPT BOOKS	01 NO.

In this encounter Shri Kiyam Rajiv, A/C team Comdr of T. No. 14 A/W martyred CT Balen Harijan, SI Rajesh Mahlawat other scout also showed extreme bravery and gallant action.

In this operation Shri Kunal, Additional Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from17/06/2016.

(F. No. 11020/109/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 125-Pres/2021—The President is pleased to award the President Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Jharkhand Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Late Shri Banua Oraon	Assistant Sub Inspector	PPMG (Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On the day of 06th June 2018 Seraikela-Kharsawan Police received an information regarding the assembly of Maoists in the hill of Kuchai P.S. An Operation was launched to eliminate the Maoists by making several teams. On the day of 07th June 2018 when the team headed by SDPO Seraikela, Avinash Kumar, OC Kuchai, SI Rautu Honhaga, ASI Banua Oraon, District Armed Police and COBRA reached between the hills of Kasrauli and Korra, randomly Maoists started Firing from the three sides of the hill. The Team warned the Maoists to surrender but they didn't stop firing. The team started firing in self defence. Firing lasted for almost two and half hours from both sides. ASI Banua Oraon and COBRA Constable Utpal Rabha dared to move forward and fire towards Maoists to answer the maoist firing, so that the rest of their team members can be saved. ASI Banua Oraon fired 17 rounds, Constable Utpal Rabha fired 30 rounds and rest of their team members fired 729 rounds of ammunitions in retaliation. When continuous firing was going on both the sides, a bullet of Maoists hit the stomach of ASI Banua Oraon and in the head of Utpal Rabha, regardless of fatal injury in the encounter both continued moving and firing which complied the Maoists to retreat. Risking his own life martyred ASI Banua Oraon showed great courage, devotion towards his service in the struggle with the Maoists, to save his fellow team members. For his great bravoury, courage and determination.

In this operation Late Shri Banua Oraon, Assistant Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from07/06/2018.

(F. No. 11020/212/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 126-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Raja R, IPS	Additional Superintendent of Police	PMG
2	Nagnath Gurusiddha Patil	Police Sub- Inspector	PMG
3	Mahadev Maroti Madavi	Naik Police Constable	PMG
4	Kamlesh Ashok Arka	Naik Police Constable	PMG
5	Hemant Korke Madavi	Police Constable	PMG
6	Amul Shriram Jagtap	Police Constable	PMG
7	Vella Korke Atram	Police Constable	PMG
8	Sudhakar Malayya Mogaliwar	Police Constable	PMG
9	Biyeshwar Vishnu Gedam	Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 03/04/2018, Addl. SP Shri Raja R. received confidential, credible and actionable information that 20-25 armed Naxals were sighted in the mountainous and jungle area of Rompalli, Sironcha and were planning to carry out anti- national and subversive activities in and around the area. The recommendee informed the S.P. Gadchiroli and on his orders the recommendee chalked out an anti-naxal search operation. He formed two teams of which he led the 1st team which comprised of API Netaji Bandgar, Recommendee PSI Nagnath Patil alongwith 27 personnel of the Mahadev Madavi C-60 commando party. The 2 teams left in private vehicles for the above mentioned area.

At about 10.00 am while carrying out combing operation in Rompalli forest, the 2nd team led by PSI Sakharam Birajdar and HC Topo C-60 Commando Party comprising of 20 personnel were ambushed by 20-25 Naxals. The Naxals dressed in olive green uniforms carried out indiscriminate gunfire against the team with the sole intention of causing injury/death to the policemen and to loot their arms arms and ammunition. The trapped team was surrounded from all sides and were facing certain their arms and ammunition. The trapped team was surrounded from all sides and were facing certain death/injury. HC/2276 Rajesh Topo gave an SOS call on his walkie-talkie to Addl. S.P. Raja R. The team led by Addl. S.P. Raja R. reached the spot where the 1st team was trapped. He ordered the Naxals to stop firing, lay down their arms and surrender to the police. But the Naxals paid no heed and continued firing on the trapped police team. Realizing the gravity of the trapped team's situation, the Recommendee Addl. SP Raja R. showed remarkable presence of mind and courage when he formulated a daring rescue operation. Without giving a second thought to the safety of his own life or limb the Addl. SP led the rescue operation from the front. He utilized a three pronged strategy i.e. precise & controlled gunfire, perfect deployment of his police team to flank & defend the trapped police team and to carry out counter attack measures, esp. by the effective use of the UBGL. This strategy brought to naught the evil machinations of the Nasals and the Recommendee Addl. S.P. Raja R. was successful in rescuing the trapped team of 1 police officer and 21 personnel and brought them to safety. The police team led by Addl. SP Raja R. showed exemplary courage under heavy Naxal gunfire and to which they replied with precise and controlled gunfire and accurate usage of the UBGL. This made the Naxals beat a hasty retreat into the dense forest. The said encounter lasted for about 20 mins but these 20 mins could have had fatal consequences for die trapped police party. The bravery showed by the Recommedees ensured that 2 police personnel namely, Recommendee NPC/2743 Mahadev Madavi and HC/2276 Rajesh Topo escaped with minor injuries.

In the subsequent combing operation the police team found the dead bodies of 1 male Naxal and 2 female Naxals. Their identification was established later and their history sheet is as follows:-

1) Sunil @ Vilas Kulmethe (39 yrs.) Commander of the Sironcha Dalam and Member of South Division of Gadhchiroli (DVC).

   a) He was involved in the killing of 1 Police Officer and 3 Policemen at Korepalli naxal ambush in the year 2008.

   b) He was involved in the killing of 1 Policeman in the Asha Talav Naxal ambush in the year 2014.

   c) He was implicated in the execution of 7 innocent civilians whom he falsely acussed of being police informers.

   d) He was implicated in 5 incidents of firing on police parties and using IED and claymore Explosive against the C-60 parties.

   There are a total of 39 offences registered against him in various Police stations in Gadchiroli district. The Government of Maharashtra had announced a reward of Rs. 16 lakhs in his name.

2) Swarupa alias Aamasi Pochya Talandi (35 yrs), Deputy Commander of Sironcha area Committee-

   a) She was implicated in the murder of 4 innocent civilians whom she falsely accused of being police informers.

   b) She was implicated in 5 incidents of firing on police partes and using IED and claymore Explosive against the C-60 parties.

There are a total of 19 offences registered against her in various Police stations in Gadchiroli district. The Government of Maharashtra had announced a reward of Rs. 6 lakhs in her name.

3) Vandana Kandru Kowachi (37 yrs.) Member of Platoon No. 14.

   The Government of Maharashtra had announced a reward of Rs. 2 lakhs in her name.

   Other articles belonging to the Naxal Dalam which were seized are as under:-

   1) 01-8 mm rifle.
   2) 09-Live bullet of 8 mm rifle.
   3) 01-12 Bore rifle.
   4) 05-Live bullets of 12 bore rifle.
   5) Literature propounding Naxal ideology.
   6) Daily use items of Naxals.

In this particular incident it is pertinent to note that the Naxals held a dual advantage. Firstly they held the advantage of having the element of surprise on their side his was apparent from the ambush prepared by them. Secondly the Naxals were firing from a higher altitude and were entrenched in a drain. These two are a decisive factor and advantage in any battle. But overcoming these odds and by the sheer strength of their courage the Recommendees Addl. SP Shri Raja R., PSI Nagnath Palil, NPC/2743 Mahadev Madavi, NPC/1945 Kamlesh Arka, PC/5624 Hemant Madavi, PC/3272 Amul Jagtap, PC/3019 Vella Korke, PC/5472 Sudhakar Mogliwar and PC/5390 Biyeshwar Gedam not only rescued the trapped police team and saved their lives but were also successful in eliminating 3 dreaded and wanted Senior cadre Naxals.

In this operation S/Shri Raja R, IPS, Additional Superintendent of Police, Nagnath Gurusiddha Patil, Police Sub- Inspector, Mahadev Maroti Madavi, Naik Police Constable, Kamlesh Ashok Arka, Naik Police Constable, Hemant Korke Madavi, Police Constable, Amul Shriram Jagtap, Police Constable, Vella Korke Atram, Police Constable, Sudhakar Malayya Mogaliwar, Police Constable and Biyeshwar Vishnu Gedam, Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from03/04/2018.

(F. No. 11020/ 197/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 127-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Gajanan Dattatray Pawar	Police Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Two unidentified men shot dead a married woman in early morning of 21/11/2018, at a close range in the main entrance door of her house. The two men who were in possession of fire arms fled from the spot on a motorcycle.

Subsequently, police teams rushed to the site and a murder case was registered with the Chandannagar Police Station, (CR No. 306/2018 U/s 302, 34 of IPC & Sec. 3(25) of Arms Act, Sec, 37(1) r.w. 135 of MPA). Copy of the FIR is enclosed herewith.

In the incident, a housewife Ekta Brijesh Bhati (38), a resident of Anand Park in Vadgaon Sheri, was found dead on the spot.

Pune City Police officials obtained some clues about the suspects by studying the CCTV footage recovered from the various commercial and residential properties located in the area. Details like the clothes worn by the assailants, their faces and the motorcycle were obtained from the study.

The deceased women hailed from Delhi and had migrated to Pune city few years ago along with her husband and two children. The initial probe pointed out a Delhi connection behind the murder. It was presumed that the assailants might have travelled frown to Pune city by a long distance train from North India and might return to Delhi from the train/s only.

Reacting to this primary information, Pune city crime branch officials laid down a trap on the Platform No. 3 of Pune railway station from where long distance trains from Pune leaves for Delhi and other North Indian cities.

On the platform No. 3, the police officials and staff divided themselves among the different teams and started looking out for the two assailants. One of the teams, comprising of senior inspector Raghunath Jadhav, ASI Avinash Marathe and two others started checking the platform at the rear end of the platform while the team comprising of Police Inspector Gajanan Dattatray Shri Pawar, Police Naik Mohsin Shaikh and Constable Kadir Shaikh started checking the passengers from the staircase of the platform.

Shri Pawar and his team spotted the two men, having same features and clothes, which were obtained from the CCTV footage at 1700 hours on the platform. Shri Pawar swiftly reached out to them in the crowd and asked them to stop. He asked them to produce their train tickets and identity proofs. PN Shaikh and constable Shaikh too reached the spot.

However, two men picked up arguments with the two policemen on the top of their voice. In meantime, one of two men started acting animatedly and Shri Pawar realised that he was holding something close to his chest. The man moved his hand inside his jacket and where he was hiding something. Within minutes, the man raised his voice and threatened policemen that he was having a gun with him. He thundered that he will not spare policemen if they will try to stop him and he will kill them all.

Reacting to the situation, Shri Pawar then grabbed man and managed to squeeze his arm at his back to avert any untoward incident. He acted quickly to save his team members and people at large. However, the man succeeded in reaching his revolver kept in the jacket's front pocket and managed to open fire at Shri Pawar over his shoulder.

The gun-wielding man fired three bullets at Shri Pawar. But Shri Pawar continued to hold him tightly. The firing shots led to commotions on the railway platform and railway passengers started running helter-skelter. In the commotions, Shri Pawar's grip on the suspect loosened and the man ran away.

One bullet entered in chest/collarbone of Shri Pawar, another entered pierced into his cheek bone just beneath left eye, and third bullet just missed his head.

Shri Pawar, who was bleeding, did not stop but continued to chase the suspects, who had started running on the crowded platform. The suspects made all the attempts to mingle into the crowd but policemen kept on chasing them.

Within few minutes, Shri Pawar collapsed and his other team members rushed him to a hospital located nearby.

The other team members nabbed the two after a long chase. During the course of interrogations, the two revealed their names as - Shivlal Babulal Rao (age-39 years), R/o. Om Vihar, Uttamnagar, New Delhi and native of village-Asarlahi, Tal. Jitran, Dist Pali, Rajasthan and his son Mukesh (18). Subsequent inquiries with the Delhi police revealed that the two were contract killers.

In this context, an offence was registered at Pune Rly Police Stn vide CR No.1132/2018 U/s 307, 333, 34 IPC & Sec 3(25) of Arms Act. (Copy of the FIR is enclosed herewith).

Shri Pawar confronted the two armed men bravely. Despite having bullet injuries, P.I. Shri Pawar made all the attempts to arrest two accused men. He reacted positively to the situation and averted loss of life in the crowded place. His brave act culminated in the arrest of the two men which solved the murder case. His act inspired his colleagues as well.

He has a 24-year long unblemished service record and has earned 413 rewards to his credit. He has been decorated with DGP's Insignia in 2011. In his service tenure, he has detected over seven murder cases, 168 HBTs, 86 chain snatching cases, 76 vehicle thefts and he has seized 29 firearms. In all, he has recovered stolen property worth Rs 2,75,94,464/-. He has also arrested 48 proclaimed offenders. He successfully detected seven cyber frauds and recovered Rs 1.48 crores from the suspects during his tenure with the Pune police's cybercrime cell.

In this operation Shri Gajanan Dattatray Shri Pawar, Police Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from21/11/2018.

(F. No. 11020/ 172/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 128-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Maharashtra Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	HariBalaji N, IPS	Additional Superintendent of Police	PMG
2	Girish Maroti Dhekale	Naik Police Constable	PMG
3	Nilesh Maroti Dhumne	Naik Police Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 18/11/2018, an intelligence was received about the camping of a large number of naxalites in the forest of Kotgul, under the jurisdiction of Police Station Korchi in Gadchiroli district. All of the Naxalites belonged to CPI (Maoist) group which is a banned terrorist organization and they were hatching a conspiracy to carry out a subversive act to attack the security forces. Immediately, a plan was chalked by Dr. HariBalaji N, Addl. SP (Ops.) in consultation with the Superintendent of Police, Gadchiroli for conducting an operation in the above forest area.

As per the plan, Dr. Hari Balaji N. Addl. SP (Ops.) along with 47 other police personnel set out from Gadchiroli on 18/11/2018 at 2200 hrs in private vehicles and reached the forest of Kotgul by 0300 hrs of 19/11/2018. He briefed the men suitably and then divided the police personnel into two group. One group comprising NPC/2149 Ratan Gorgunda, PC/5706 Suresh Tokla, PC/5908 Ashik Hussein, PC/5597 Vinod Bhoyar, NPC/3219 Nilesh Dhumne along with other policemen was headed by Motiram Madavi, PSI. The second group headed by Dr. Hari Balaji, Addl. SP(Ops.), comprised NPC/3276 Girish Dhekle, PC/Vasant Atram, PC/5570 Badal Usendi, PC/4463 Pankaj Halami and other policemen. Then following proper Standard Operating Procedure (SOP), the two groups advanced on foot crossing over a water stream in the forest and entered into the forest of Nihaykal. As the police parties were combing through the forest, at around 0800 hrs, suddenly the first group came under the attack of Naxalites. Surprisingly, the Naxalites around 40 to 50 in number had almost surrounded and ambushed the first group and were firing indiscriminately with their automatic weapons at the policemen with an intention to kill all policemen and snatch their arms and ammunitions using the illegal firearms in their possession. The policemen took

position on the ground and were making every effort to counter the Naxal offensive. At this time, Motiram Madavi PSI along with the men of his squad namely Nilesh Dhumne, Suresh Tokla, Ashik Hussein, Ratan Gorgunda and Vinod Bhoyar made an supreme effort to break through the naxal ambush. Constable Nilesh Dhumne without bothering about the bullets from naxals tried hard to break the ambush and was advancing with controlled fire in the direction of Naxalites. While dodging the naxal bullets, he slipped and his leg was hurt. The naxalites outnumbered the police squad and they did not stop unleashing their volley of bullets at policemen. The first group contacted the police party headed by Dr. Hari Balaji over walkie-talkie sets who was at some distance on the right side of the first group and asked for assistance. In the meanwhile, as soon as Dr. Hari Balaji learnt over walkie-talkie set about the ambush laid by the Naxalites, he at once instructed the first group not to panic. Then he immediately along with other members began to flank the attacking Naxalites from right side with a view to rescue the trapped policemen. Hari Balaji shouted out to the Naxalites for surrendering to the police. But the naxalites were adamant and were shouting that not to let go the policemen and to kill them by opening fire at the trapped men intensely. Knowing that a rescue team- is coming for trapped team, the naxals in the different groups opened punching fire at Hari Balaji and his group members. Despite being in a tactically weaker location with a small team Hari Balaji along with his party men, unperturbed by the intensified attack of naxals, opened controlled fire in self defence at the direction of armed assaulters. The naxals clearly had an edge over the policemen in context to their attacking position since they hadstrategically positioned themselves on the higher areas of the hillock taking cover behind huge rocks, thickly covered trees and they also organized into different groups which were noteven visible in the thick vegetations. The naxals didn't stop the firing, at the same time increased the pressure upon the rescue teams. Amidst the continuous fire from multiple directions, HariBalaji along with constable Girish Dhekle and others kept advancing at the Naxalites with strong retaliatory firing without budging an inch of land. The sudden aggressive strategy adopted by Hari Balaji and the short team comprising the policemen namely, constables Girish Dhekle, Vasant Atram. Badal Usendi, Pankaj Haiami under his commandcompletely shattered the audacity of the Naxalites and which gave them a severe blow, they had been thoroughly dislodged from their strategic position.

Consequently, the police men belonging to first group which had been in the killing zone of Naxalites was safely retrieved without sustaining much harm. Then at the command of HariBalaji, the police men resorted to strong retaliatory fire at the direction of Naxalites causing them to retreat. Two women Naxalties were eliminated in this fierce encounter which lasied for about 40-50 minutes. The police could recover two arms and a lot of ammunition inter alia Naxal belongings from the place of incident.

It is pertinent to say about the Tipagad area where the operation has been conducted. Tipagad jungle area has thick vegetations and hilly terrain. Many active hideouts are available, vegetation growth is very thick, availability of big boulders is easy for naxals to make rock morchas and do camping for many days. Because of advantage of such terrain it is being considered to be the safe heaven of many senior cadre Naxalites, In the same month (November) of 2017, two security forces were martyred in two different instances at the same area. After these incidents and casualties, the morale of the security force was completely down in the areas around Tipagad jungle. Security foreces feared that naxal might attack on them at anytime. In such circumstances, AddI Sp Operations, Dr. Hari Balaji has personally led his lorce and was able to eliminate 2 dreaded naxals successfully from the area.

In this operation S/Shri Hari Balaji N, IPS, Additional Superintendent of Police, Girish Maroti Dhekale, Naik Police Constable and Nilesh Maroti Dhumne, Naik Police Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 19/11/2018.

(F. No. 11020/ 216/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 129-Pres/2020—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Madhya Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Arvind Kumar Saxena, IPS	Superintendent of Police	PMG
2	Dharm Vir Singh	Additional Superintendent of Police	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 27.05.2015, inside the campus of famousHamidia 800+bed multispecialty hospital of Bhopal, some muslim youths assembled near the structure. They started misinterpreting the inscriptions of First World War era edifice on the gate and declared it a sacred place. Hereinafter, they embarked on offering special prayers (Tararin) inside the structure followed by Sahri& 5 times namaz. This was an unprecedented instance of offering prayers in said premises. Subsequently, the same

Muslim youths started spreading false rumors about the edifice declaring it a place of worship. The false propaganda directed at instigating Muslim community spread like wildfire through social media urging Muslims to offer prayers inside the said premises.

Eventually the next day, on 28.05.2017, around 100-150 Muslim youths gathered around the edifice. They cleaned or the place and surrounding premises and set out to offer prayers. Sensing the gravity of the situation and possible communal fallout, City Police called actioning Shahar Quazi & Shahar Mufti at the site to intervene as voice of sanity.

City Police requested them to convince Muslim mob to give up their desire to offer prayers at the site and disperse. Accordingly, acting Shahar Quazi & Shahar Mufti counseled the Muslim youth. Strategy worked and as a result they left the premises. After this the matter was immediately referred to the City Administration. Consequently, a meeting was conducted between representatives of acting Shahar Quazi & Senior officers of district & police administration on 28.05.2017. Through mutual discussion a written declaration was taken from the Muslim representatives not to perform any religious activities inside the disputed edifice.

On next Day 29.05.2017, around 2500-3000 people belonging to Hindu community gathered wound a rostrum with Shivlinga on it. This rostrum is located near the same edifice inside the Hamidia Hospital campus. The Hindu offered Aarti their but soon dispersed on the advice and counseling of police personnel present at the site However, this act fostered tensions between the two communities. Taking benefit out of the situation, a radicalized local Muslim preacher Mufti Abdul Razzaq Khan on 30.05.2017 distributed pamphlets carrying false information thatthe disputed edifice inside Hamidia Hospital campus was actually a Kadimi Mosque and Hospital management was allegedly using it as store room.

Through the said pamphlet, Mufti Abdul Razzaq Khan requested Muslim community to gather in large numbers for restoring the disputed edifice us Mosque again. This pamphlet added fuel to the fire ill the Muslim community and on 30.05.2017 around 25-30 thousand Muslims gathered for offering prayer at the disputed edifice. Taking cognizance of the situation, a criminal case under relevant sections of law was registered against Mufti Abdul Razzaq Khan for spreading rumors and instigating hatred among religious groups at Police Station Koh-e-fiza, Bhopal.

Later, on 30.05.2017, at the insistence of Bajrang Dal and VHP, a programme of Meha Aarti was organized at Hanuman Temple situated in Hamidia Hospital Campus.This was a call for Hindu masses in gather in large numbers. However, only 8-10 prominent persons of said organizations were allowed by police administration to conduct Maha Aarti and rest of the persons were slopped at Peer Gate which is nearby Hamidia hospital. As Maha Aarti got over, Bajrang Dal and VHP workers were asked to leave the campus of Hamidia Hospital. Largely peaceful, they were chanting slogans while leaving via eastern gate of the Hospital. Around the same time a Muslim mob of around 400-500 people gathered around the Hospital chanting slogans. There was a faceoff. The conditions soon turned volatile and violence erupted between two groups. What started as stone pelting soon turned into arson using petrol bombs and other arsenals. In a short span of time, the violence spread to Imami Gate, Peer Gate, Fatehgarh, Gujjarpura, Lakshmi Talkies, Rafiquia School and other nearby localities engulfing a radius of 5 kms at a rapid pace.

As the situation turned violent, word spread fast, and the Muslim mob quickly swelled in numbers to 15-20 thousand near Hamidia Hospital which is essentially a Muslim majority area.Themob was on a rampage and was in a mood to demolish everything coming their way. They were armed with lathis, swords, daggers, knives, stones, petrol bombs and number of other improvised weapons. They targeted innocent public, moving vehicles, parked vehicles, poor patients were not spared and were brutally beaten up. These parts of Bhopal, popularly called old Bhopalis know for its congested housing and narrow by lanes making policing extremely difficult. Rioters had the benefit ofterrain and familiarity with the place. Meanwhile in nearby Hindu dominated areas, around 5 thousand Hindus gathered and started chanting slogans against Muslims. Situations turned extremely tense and could spiral out of control any moment into something touch more serious.

As the Muslim mob was marching towards Hamidia Hospital, all of sudden, rioters turned their fury towards Curlew Wali Temple with a view to demolish the same. The said temple is place of faith and worship 01 Hindu community since long and holds deep importance in psyche of Hindu community at Bhopal. Any attempt to demolish or desecrate the same could have incited Hindu sentiments to the point of no return. This could have multiplied the intensity of riots in the city manifolds. Thereafter, this localized riot could have spread to adjoining districts of the state and created a deep rill between two communities. At this juncture, timely police action averted the catastrophe Shri Arvind Saxena,SP(North) & Mr. Dharm Vir Singh, ASP(Zone-4) sensing the gravity of the situation, showing no regard to their personal-safety, took lead and themselves fired tear gas shells in the air to disperse the mob. They were leading from the front with bare minimum force of 20-25 at their discretion. Their courage rubbed confidence in the rank & file who responded with equal vigor and determination to control the rampaging mob. Though miserably outnumbered, he started firing tear gas shells, tear gas grenades and controlled air fire to disperse the mob. Hence a major tragedy was averted. Mob couldn't target the Hindu temple which could have fuelled riots for weeks & caused irreparable rift between communities. Brave act by the police force under the leadership of Shri Arvind Saxena, SP (North) & Shri Dharm Vir Singh, ASP (Zone-4) averted huge loss to life and property.

In this operation S/Shri Arvind Kumar Saxena, IPS, Superintendent of Police and Dharm Vir Singh, Additional Superintendent of Police displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from31/05/2017.

(F. No. 11020/ 206 /2019 -PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 130-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ 2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Punjab Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Bikramjit Singh Brar	Deputy Superintendent of Police	2nd BAR TO PMG
2	Sukhwinder Kumar	Assistant Sub Inspector	PMG
3	Parwinder Singh	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

"A secret information was received that Ankit Bhadu, a notorious gangster active in Punjab, Haryana and Rajasthan states and his associates, were hiding in the areas of Zirakpur-Dhakoli near the Punjab, Haryana Border. This gangster was runnig his gangster group by coordinating with deceased Anand Pal Group of Rajasthan, Lawrance Bishnoi Group of Punjab and Kala Rana Group of Haryana State. He was active in these three states and was actively involved in more than two dozen serious criminal cases including murder, attempt to murder, dacoity, loot, extortion etc. He had started his criminal activities in year 2015. Ankit Bhadu was also active on social media and he openly issued threats to police officials. He becomes a poster boy in all three gangs of above states.

Acting on the above said information, DSP Bikramjit Singh Brar Organized Crime Control Unit Operation (OCCU) alongwith a police team of OCCU Unit Punjab launched an operation to track and arrest the above- mentioned gangster. The above said information was gathered from field areas of Haryana and U.T. border of Punjab. The technical and field inputs further corroborated and pointed out that said Ankit Bhadu and his armed associates were hiding in Flat No.6-C Maha Laxmi Homes, Peer Muchhala. The information was given to senior police officers.

Accordingly, DSP Bikramjit Singh Brar alongwith his team cordoned off the triple storey building of Maha Laxmi Homes and raided on flat No. 6-C. The door was found locked from inside. DSP Bikramjit Singh Brar warned Ankit Bhadu, who was hiding inside, in loud voice that you have been encircled from all sides and asked him to surrender. Despite being warned several times, these criminals did not surrender. On the contrary, one of them came at balcony and fired towards police party with intention to kill the police personnel. Thereafter, Sh. Bikramjit Singh Brar, DSP pushed and broke the main door of flat and entered inside the flat. In the meantime, Ankit Bhadu had entered inside rear room of flat and locked the door from inside. The accused who was firing from balcony entered in lobby and fired 2 shots from his pistol on police party, one bullet hit on the bullet proof jacket of HC Parminder Singh No. 527/4th IRB, (now ASI (LR), as a result of which the police party also had to cross fire in self defence. Sh. Bikramjit Singh Brar DSP while acting with bravery apprehended above said person alongwith his weapon. DSP Bikramjit Singh Brar again asked Ankit Bhadu to surrender himself, but he went to balcony from rear door and fired shots on police party deputed at backside, due to which the police party also fired shots in self defence. While acting swiftly, Sh. Bikramjit Singh Brar DSP alongwith his police party opened the door by breaking it and at this Ankit Bhadu immediately jumped from flat towards Iron railing of balcony of flat of lower floor and broke window glass and entered into the said flat. After forcibly entering the said flat, he made the entire family including two minor girls hostages on gun points. Ankit Bhadu forced the said family to move towards front balcony on gun point and fired. Both the hostages minor girls namely Avni Prashar and Akshita Prashar received bullet injuries with the firing of Ankit Bhadu. Sh. Birkramjit Singh Brar DSP and ASI Sukhwinder Kumar promptly acted bravely and intelligently and moved towards front balcony of flat from stairs without fear of losing their lives and without caring for their personal safety returned fire from their weapons to save the lives of minor girls. ASI Sukhwinder Kumar (Now SI(LR) got injured with the firing of Ankit Bhadu and Ankit Bhadu also got injured in the cross firing. Both the minor girls and injured criminal rushed to Civil Hospital for treatment. During the treatment Ankit Bhadu died in hospital. One of the accomplices of Ankit Bhadu, who was also absconding in three criminal cases including two murders and accompanying Ankit Bhadu was also arrested from the fait. During the search of site, one .45 bore Pistol Colt made in USA, One 9MMPistol. Zigana made in Turkey alongwith 66 cartridges used in commission of crime were recovered. A case FIR No. 15 dated 07.02.2019 u/s 307, 332, 353, 186, 342 of IPC and 25/54/59 of Arms Act. has Toeen registered at Police Station Dhakoli, District SAS, Nagar, Punjab.

In this above mentioned police action, Sh. Bikramjit Singh Brar, PPS, DSP, ASI Sukhwinder Kumar No. 3441/PAP (Now SI(LR) and HC Parminder Singh 527/4th IRB (Now ASI(LR) had shown exceptional courage, boldness, presence of mind and acted bravely in the discharge of their duly, without caring for their own lives. Had these police officer/officials not

engaged such a criminal, he would have escaped alongwith his accomplices and would have killed many innocent hostages. Such commitment by these officials who displayed unwavering readiness in the hour of the need and who remain undeterred by the fear of losing their life, while defending the innocent people, hostages and while trying to arrest hardcore and dangerous criminals and gangsters, is truly representative of a conspicuous devotion to duty. Even amidst uncertainty and doubts of whether they would live to see a new day, their respect for service and commitment to willingly support their comrades, should duty call is truly exemplary and distinguishes such officers from the ordinary.

In this operation S/Shri Bikramjit Singh Brar, Deputy Superintendent of Police, Sukhwinder Kumar, Assistant Sub Inspector and Parwinder Singh, Head Constabledisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from07/02/2019.

(F. No. 11020/230/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 131-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sunil Kumar	Sub-Inspector	PMG
2	Vinay Kumar Sharma	Sub-Inspector	PMG
3	Amit Kumar Teotia	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 6-02-2018 Police personnel of thana kotwali, Shri Sunil Kumar, Sub- Inspector, in charge of out post Budhana Mod and Shri Vinay Kumar Sharma, Sub-Inspector, in charge of out post Shamli Bus Stand, PS Kotwali, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh were on their duty of patrolling in their jurisdiction. Mean while in the evening they received an information from Control Room about the movement of a fifty thousand rewarded absconding criminal with his ally on Pulser motorcycle rushing from the side of Rampur Tri-Junction towards Rohana, on Muzaffarnagar-Saharanpur highway.

Immediately Shri Sunil Kumar Sub-Inspector and Shri Vinay Kumar Sharma, Sub-Inspector, Police Station Kotwali, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh accompanied by Constable Amit Kumar Teotia sprung into joint action and promptly setup a vehicle check post and started checking for suspicious vehicles near SR Petrol Pump, Rohana, on Muzaffarnagar-Saharanpur highway to intercept the criminals.

While Police team was vigilantly checking the vehicles they noticed a rashly driven Pulsar motorcycle coming fast from Rampur tri-Junction side and the police vehicle of Shikhera thana very closely chasing them.

Shri Sunil Kumar Sub-Inspector in charge of out post Budhana Mod and Shri Vinay Kumar Sharma Sub-Inspector in charge of out post Shamli Bus Stand, PS Kotwali, Muzaffarnagar, Uttar Pradesh quickly and fearlessly moved in to the middle of the road to intercept them.

When the criminals saw the police in close proximity both in front and back, they were taken aback and suddenly turned the motorcycle and towards adjacent Chak road, during this maneuver the motorcycle slipped, after which miscreants sped abandoned it and then abruptly opened incessant firing towards police parties with an intention to kill.

Shri Sunil Kumar, Sub Inspector civil police, Shri Vinay Kumar Sharma, Sub Inspector civil police and Shri Amit, Constable Civil Police strategically challenged the miscreants to stop firing and surrender lawfully. The criminals, however, dared to continue indiscriminate firing in which Shri Vinay Sub Inspector and Constable Amit were hit and injured.

In this fierce face-to-face combat, Shri Sunil Kumar, Sub Inspector seeing the above Sub Inspector and Constable injured continued engaging the criminals in retaliatory fire action. Shri Vinay Kumar Sharma, Sub Inspector and Constable Amit in spite of their injuries, too continued to engage the criminals.

Showing indomitable courage and exemplary valor and disregarding their safety, the above police officials resorted to firing in self-defence and tactically moved ahead to contain the miscreants. In this action one criminal to got injured at 19:15 hrs. who later died and was identified as Vikas S/o Indrapal, vill. Khanjapur, PS Kotwali, Distt. Muzaffamagar, Uttar Pradesh. The other criminal had escaped taking advantage of darkness and dense sugarcane field.

In this face to face encounter with criminals, Shri Sunil Kumar, Sub Inspector civil police, Shri Vinay Kumar Sharma, Sub Inspector civil police and Shri Amit Kumar Teotia, Constable civil police, Muzaffamagar, Uttar Pradesh displayed extraordinary courage, bravery and devotion to their duty in face of indiscriminate firing by the criminals.

In this operation S/Shri Sunil Kumar, Sub- Insepctor, Vinay Kumar Sharma, Sub-Inspector and Amit Kumar Teotia, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from06/02/2018.

(F. No. 11020/ 82/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 132-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Prashant Kumar, IPS	Additional Director General	1st BAR TO PMG
2	Sanjeev Kumar	Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 24/25.03.2018 intervening night Shri Prashant Kumar, IPS, Additional Director General of Police Meerut, U.P. along with Dr. Ajay Pal, SSP Gautam Budh Nagar was patrolling in the district of Gautam Budh Nagar to monitor the activities of unlawfull elements. Meanwhile they received information from Control Room, Gautam Budh Nagar about suspicious movements of the criminals armed with automatic weapons in a Maruti Swift Dzire Car bearing no DL-2C AS/0404 on Noida-Greater Noida Link road and these criminals were being chased by Shri Sanjeev Kumar, Inspector Incharge, Crime Branch, Gautam Budh Nagar and his team within the area of jurisdiction of Police Station Phase III, Gautam Budh Nagar.

Shri Prashant Kumar ADG Meerut Zone and Dr. Ajay Pal SSP Gautam Budh Nagar immediately sprung into action and moved in their official vehicles towards Parthala Chowk to intercept them.

When Shri Prashant Kumar, Additional Director General of Police and SSP Shri Ajay Pal were just short of Parthala Chowk, they sighted a fast moving Swift Dzire car being closelychased by a police vehicle from Parthala side. When the Swift Dzire car came in close proximity of police vehicle, the criminals sitting in the car in a tactical manoeuvre cleverly turned their car and drove very fast into a nearby service road and got stuck into a broken boundary wall nearby.

The two criminals armed heavily, de-boarded the car and cleverly shielded themselves behind the broken boundary wall from where they fired indiscriminately and desperately on the police team chasing them with a clear intention of killing them.

Shri Prashant Kumar ADGP along with the police team under his command vigilantly confronted the two criminals who were firing from the front. The criminals were challenged confidently by ADGP Prashant Kumar to stop firing and surrender but they dared incessant firing. Yet Shri Prashant Kumar undeterred by dangerous and life threatening firing by criminals lead the police team from the front and moved ahead fearlessly. The fire shots from indiscriminate firing by heinous, ruthless and harsh criminals hit 3 police officials namely Shri Prashant Kuman ADG, Shri Ajay Pal SSP Gautam Budh Nagar and Shri Sanjeev Kumar, Inspector CP Gautam Budh Nagar on their vital parts. However, providentially all 3 escaped injury as they were wearing BP Jackets.

During this face to face combat with the criminals Shri Prashant Kumar ADG with his team exhibiting gallantry, exceptional courage and utmost devotion to duty tried to arrest the criminals alive with his strategic and determined moves.

They tactically rallied and fired at the criminals in self defence causing one of the criminals to fall down fluttered and injured, while the other criminal tried to escape successfully. The injured person was latter identified as a dreaded, notorious interstate absconding criminal named Sharwan S/o Vinod on whom a reward of Rs. 1,50,000 was proclaimed. Later he succumbed injuries. During police search after the incident, sophisticated factory made firearms(one AK-47 and one 0.315 bore rifle and its ammunitions (fired & live)) were successfully recovered.

In this encounter Shri Prashant Kumar, ADG and his team exhibited great initiative, undauntable courage, outstanding gallantry and exceptional devotion to duty in which rewarded criminal of 1.5 Lac was eliminated and automatic assault rifle (AK-47) was recovered.

In this operation S/Shri Prashant Kumar, IPS, Additional Director General and Sanjeev Kumar, Insector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from25/03/2018.

(F. No. 11020/ 193/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 133-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Uttar Pradesh Police:—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Abhishek Singh, IPS	Senior Superintendent of Police	PMG
2	Brijesh Kumar Singh	Deputy Superintendent of Police	PMG
3	Rakam Singh	Head Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

A sensational robbery occurred on 27.04.2018 within the jurisdiction of PS Daurala District Meerut wherein bride Mehvish going in a car after her vidai, was shot dead. Car, cash and ornaments were looted from her body. One accused was arrested while the three others including main accused Himanshu @ Narsi @ Tiger and Dhiraj were at large and carrying areward of Rs 25,000/- each. In continuation of intelligence collection an actionable inpui was received on 29.05.2018 that prime accused persons Himanuhu and Dhiraj are hiding in a ruin, on the way in front of Padam Cold Storage on Meerut-Karnal road. SSP STF Abhishek Singh, present in Meerut for inspection of the unit rushed to that place with STF team. STF Nam also contacted Kankarkhera police to reach there. On reaching Padam cold storage, SI Ravindra Kumar and Const. Anish Kumar of PS Kankarkhera were found present.Two teams under the leadership of SSP and Addl. SP were constituted. After parking police vehicles at safe place, teams departed on foot towards the ruin. The first team led by SSP moved ahead taking cover of uneven and bushy land from the front while second team led by Addl. SP moved from the left taking cover of uneven bushy land. Two persons interactingwith each other in the ruin were identified as Himanshu and Dhiraj. SSP crawled towards criminals and challenged them aloud to surrender, on which criminals started firing on police party from which SSP had a narrow escape. Inspite of indiscriminate firing by the duo SSP moved ahead with his team putting their lives in danger and showing extraordinary courage.

The warnings given by the police made criminals more aggressive and they fired more desperately and hurled abuses. Finding no other option SSP, DSP Brijesh Kumar Singh and Const. Rakam Singh crawled and fired in a controlled manner in self defence. Suddenly some fires whizzed past next to the head of SSP and ears of DSP and Const. who saved themselves tactically and fired in retaliation. The second team moved from the left side of ruin, challenged the criminals firing at the police party and fired in self defence. As a result of retaliatory Mimi a scream was heard among the criminals When the firing was stopped, the police party approached the criminals. One criminal was lying injured in front of the ruin and the other beside him.Their weapons which included one 9mm Carbine sub-machine gun, one 32 bore pistol and one 9mm pistol were lying near them. Injured criminals were sent to Hospital for treatment where they succumbed. The deceased criminals were identified as Himanshu and Dheeraj Chaudhary.

In this operation S/Shri Abhishek Singh, IPS, Senior Superintendent of Police, Brijesh Kumar Singh, Deputy Superintendent of Police and Rakam Singh, Head Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from29/05/2018.

(F. No. 11020/10/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 134-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Assam Rifles:—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Dr.Shyam Sunder Shah	Second In Command	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

The officer was performing duty of Chief Medical Officer. Being a doctor apart from his professional charter of duties he took initiative to cultivate sources and established effective intelligence network which led to successful operation i.e. OP Jalukie Town on 05 May 2017.

Based on input received from the source regarding presence of armed cadre and weapon consignment of National Socialist Council of Nagaland (Issac-Muivah) in one of the house by the 2IC Dr Shyam Sunder Shah, Chief Medical Officer kept suspected house under discreet surveillance for three weeks through a surveillance team.

On confirmation of presence of armed cadres in the house, a deliberate and planned operation was launched at Jalukie on 05 May 2017 at 1100hrs from Battalion Headquarter, 36 Assam Rifles. The party reached the location and established the

cordon at suspected house at 1215 hours. During establishment of the cordon, 2IC Dr Shyam Sunder Shah, Chief Medical Officer spotted three suspected insurgents fleeing from the house. 2IC Dr Shyam Sunder Shah alongwith his team with utter disregard to his own safety gave pursuit to the fleeing insurgent and overpowered the insurgents physically. 2IC Dr Shyam Sunder Shah and his team refrained themself from firing on the fleeing insurgents keeping in view civil populace in area around. Thus, avoiding any collateral damage. Further search was carried out and the operation culminated in apprehension of nine insurgents including one SS Captain Atum Newme and seizure of five AK series Rifles, six small weapons, five hand grenades, one radio set and other war like stores.

Despite being a doctor, the officer went beyond his call of duty and cultivated the sources and kept the suspected house under discreet surveillance by surveillance team. On confirmation of intelligence from his developed source and surveillance team, he led from front, displayed raw courage and tactical acumen during the operation. For his exemplary initiative, impeccable planning, dynamic leadership in the line of danger and daring act which is an epitome of conspicuous gallantry.

In this operation Dr Shyam Sunder Shah, Second In Command displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from05/05/2017.

(F. No. 11020/ 115/2017-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 135-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Border Security Force (BSF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Late Gajender Singh	Assistant Commandant	PMG(Posthu)
2	Late Amresh Kumar	Constable	PMG(Posthu)
3	Walkunde Shantilal Devidas	Sub Inspector	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Based on the input regarding presence of Naxals in Matla Reserve Forest Area, a Joint Ops "Tulip-06" comprising 08 teams from various units of Bhilai Sector was launched on 6th March 2018. The ops was planned in five phases with each phase for a duration of 2 nights and 3 days. Team No. 07 led by Shri Gajender Singh, Asstt Comdt, Coy Commander, was launched from COB Raoghat, Ex-134 Battalion BSF in Phase-I.

On 6th March 2018, at about 0715 hrs, Team No.07 observed a small group of suspected persons from a distance near village Nibra. On seeing BSF party approaching towards them, they disappeared into the jungle, leaving behind some items. Visualizing the presence of Naxals, Shri Gajender Singh, AC after analysing the situation and assessing the threat, reviewed the ops plan and moved further to trace them out. On 07th March 2018, while Team No. 07 was crossing through a defile near Ht-692, approx. 1.5 Kms South-West of Village Maspur, flanked by thick forest and boulders, suddenly this party was ambushed by the Naxals with series of IED blasts and heavy volume of fire from various types of weapons. Shri Gajender Singh, AC, as a true Commander of his party, decided to lead the team followed by Constable Amresh Kumar approx. 10 meters behind him.

On being trapped in Ambush laid by Naxals, Sh Gajender Singh, AC charged aggressively and despite being fired upon heavily by the Naxals and sustaining injuries in the fierce exchange of fire, he made gallant attempt to break the ambush leading from the front and was successful in pinning down the Naxals for a while which enabled rest of the party to get out of the killing zone and take tactical positions. Constable Amresh Kumar who was behind Sh Gajender Singh, AC followed the footsteps of his Commander and despite serious injuries, retaliated effectively by firing on the Naxals. Undeterred by the IED explosions and volley of bullets both continued firing towards Naxals to break the ambush. Brave action on the part of these two personnel forced Naxals to retreat and provided time for Counter Ambush drill by rest of the team under command of SI(G) Walkunde Shantilal Devidas. SI(G) Walkunde Shantilal Devidas over the situation and handled it effectively in order to prevent any further loss to the BSF team by Naxals.

Shri Gajender Singh, AC and Constable Amresh Kumar showed rare grit, leadership qualities, initiative, commitment and sincerity towards the assigned duty and displayed highest level of professionalism while fighting bravely with Naxals. They fought gallantly without caring for their lives against all odds to break the strongly laid Ambush by the Naxals and saved the remaining personnel of their team. Both the martyrs of the Force deserve recognition for the supreme sacrifice made by them. Similarly, efforts of SI(G) Walkunde Shantilal Devidas in organizing the team and launching counter ambush is a rare example of bravery and professionalism in the face of grave danger.

In this operation Late Shri Gajender Singh, Assistant Commandant, Late Shri Amresh Kumar, Constable and Shri Walkunde Shantilal Devidas, Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from07/03/2018.

(F. No. 11020/ 12/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 136-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Border Security Force (BSF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Late Shri Abhijit Nandy	Constable	PMG(Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 5th July 2015 Cease fire violation was done by enemy (Pak troops) from 1515 hrs to 1550 hrs who resorted to unprovoked firing and fired approx 25 to 30 rounds in 2-3 bursts at own Army Post/ FDL Badal on the Line of Control under Army ops control of the 17th Inf Bde, Naugam, Dist Kupwara, J&K from Fwd slope of enemy FDL Raffat, approx. 300 to 350 m ahead of FDL Badal. The area is covered with thick density of Pine trees and thick growth. No. 120902226 CT Abhijit Nandy 'B' coy 119 Bn BSF was deployed on Sentry duty on upper tier at LMG inside the bunker along with his buddy NK Arjun Singh of 'B' Coy, 03 Kumaon Rifle at own Army post/ FDL Badal from 1400 hrs.

At about 1515 hrs, due to Cease fire violation and unprovoked firing by enemy (Pak troops) from across the LOC, who fired approx. 25 to 30 rounds in 2-3 bursts at own Army Post/ FDL Badal, Const Abhijit Nandy of 'B' Coy. 119 Bn BSF, while on Active Duty, suffered ricochet bullet/splinter injury below his right shoulder with entry wound but without exit wound and became unconscious and fell on floor inside the bunker. His buddy NK Arjun Singh of 'D' Coy, 03 Kumaon Rifle who was on duty along with him responded immediately and gave him first aid treatment. He was also administrated first aid treatment at the FDL and CPR was given to him for about 30-45 minutes. Further he was evacuated at about 1710 hrs on stretcher by foot to Army FDL Sangam ('B' Coy HQ, 03 Kumaon Rifle) .He was administered First Aid and immediately evacuated to 319 Advance Dressing Station Field Hospital, Kaiyan Bawl, where Army Doctor declared him dead at about 1805 Hrs.

After taking stock of the overall situation, the unprovoked firing by the enemy from across the LC was promptly retaliated by own Troops by firing 15 rounds from own Army post- Kinis towards forward slope of enemy FDL/Post Raffat.

Const Abhijit Nandy possessed indomitable spirit could not be overawed or overwhelmed and always remained at his dilapidated duty points while performing ops duties, when threat was looming large not only due to regular Cease fire violation/Standoff Attack/BAT action by Pak Army but also hostile terrain and weather conditions. The brave heart, with scant regard to his personal safety, displayed combat audacity and exemplary courage under trying conditions and made supreme sacrifice for the Nation in performance of Active duty due to unprovoked firing by Enemy (Pak troops) from across the Line of control.

In this operation Late Shri Abhijit Nandy, Constabledisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from05/07/2015.

(F. No. 11020/124/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 137-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Border Security Force (BSF):—

Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Anirban Chatterjee	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 15 Jan'2019, No. 170809526 Const Anirban Chatterjee of 126 Bn BSF and L/Nk Akash of 06 Jat Regiment were deployed at FDL Rakhee of 126 BN BSF on the Line of Control (LC). At about 1700 hrs, Pak FDLs Lone Bunker, Patni Slope, Bargad & Upper Katiya started unprovoked firing from high impact flat trajectory weapons particularly targeting own FDL Rakhee. At the same time, a group of suspected Militants/SSG troops/Pak regulars came to a nearby hillock named "Ledge" and resorted to stand-off fire on FDL Rakhee from South Western direction. As a result of heavy fire from multiple directions, L/Nk Akash of 06 Jat sustained bullet injury on his right leg. In the meantime, Const Anirban Chatterjee of 126 Bn BSF, who was on Sentry duty in the Kote Morcha at the said FDL, without fearing for his life, came out of the Morcha, displayed high level of battle acumen & professionalism and promptly brought down effective fire towards hillock "Ledge" on the group of militants/Pak troops in order to suppress the enemy fire coming from the direction of Ledge. However, in the process of firing, Const Anirban Chatterjee alsosustained bullet injury on his right side of chest (after a bullet ricocheted from BP jacket worn by him) from enemy firing. Despite being injured, he continued firing towards the enemy. Meanwhile, own adjacent FDLs viz Extn Fwd, Rakhee, Knoll, 704 and GOC-II also started retaliatory fire from flat trajectory weapons, 51 mm Mor and 81 mm Mor. Due to the prompt action, effective and pin-pointed retaliation by own troops, enemy/militants were forced to retreat by about 1910 hrs.

Both the injured personnel i.e Const Anirban Chatterjee of 126 Bn and Army Jawan L/Nk Akash were evacuated tonearest helipad FDL Dadal after administering first aid, from where Const Anirban Chatterjee was further evacuated to 166 MH Satwari, Jammu by Army Hepter at about 1820 hrs. Army Jawan was shifted to Ml Room of 16 Raj Rif at Mala for further treatment. Injured Const Anirban Chatterjee was discharged from 166 MH Satwari on 29th Jan2019 and was further admitted at Ftr Hospital, Jammu, from where he was finally discharged on 11th Feb'2019. His present condition is stable and performing duties at FDL.

In this operation Shri Anirban Chatterjee, Constabledisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from15/01/2019.

(F. No. 11020/ 54/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 138-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Border Security Force (BSF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Mohd Yousaf	Head Constable	PMG
2	Mukesh Yadav	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29.10.2018, Tata 407 vehicle No. WB-73-9998 of 163 Bn BSF and Tata 5 Ton vehicle No. JK-01-J-5662 of 33 Bn BSF were returning from Ftr HQ BSF Kashmir after completion of Dak duty alongwith escort party. No. 01254520 CT/Dvr Mukesh Yadav, who had reported back from leave, was also seated in the vehicle. No. 984030147 HC Mohd Yousaf was the Vehicle Commander. At about 1750 hrs, while above vehicles reached approx. 150 meters short of main gate of Panthachowk, SHQ BSF Srinagar, suddenly some unknown militants opened burst fire from their sophisticated weapons upon the leading vehicle No. WB-73-9998 Tata 407. Resultantly, No .04009625 CT/Dvr R Govind Rao, No.120914072 CT B R Mondal, No. 13082201 CT Samrat Mondal, No.032546220 CT Shailender Kumar No. 984030147 HC Mohd Yousaf sustained bullet/splinter injuries and the vehicle stopped there as CT/Dvr R Govind Rao sustained deep bullet injury on his left thigh. Despite being injured HC Mohd Yousaf, displayed extra ordinary courage and retaliated in befitting manner and fired 05 rounds from his personal weapon which forced militants to flee from the ambush site. Meanwhile, on hearing that CT/Dvr R Govind Rao has sustained bullet injury and was not in a position to drive the vehicle, CT/Dvr Mukesh Yadav, who was returning from leave and was seated in the vehicle, displayed extra ordinary courage, jumped down from rear side of vehicle without caring for his life and rushed towards co-driver seat and drove the vehicle safely upto Sector Hospital BSF Srinagar and saved precious lives of 5 injured personnel.

In recognition to their conspicuous gallant action, exemplary courage in the line of duty and in the face of eminent danger, without caring for their lives, as well as befitting reply by retaliatory fire and driving the vehicle safely upto Sector Hospital BSF Srinagar after taking place of injured driver respectively and saving the lives of injured personnel.

In this operation S/Shri Mohd Yousaf, Head Constable and Mukesh Yadav, Constabledisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from29/10/2018.

(F. No. 11020/ 55/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 139-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/ Police Medal for Gallantry (Posthumously) to the under mentioned officers of Border Security Force (BSF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Hari Lal	Deputy Inspector General	PMG
2	Surjeet Singh Guleria	Deputy Inspector General	PMG
3	Prateek Vashisth	Assistant Commandant	PMG
4	Raman Gupta	Assistant Commandant	PMG
5	Late Braj Kishore Yadav	Assistant Sub Inspector	PMG(Posthu)
6	Suraj Karan Meena	Sub Inspector	PMG
7	Ramesan N	Assistant Sub Inspector	PMG
8	Rohit Joshi	Assistant Sub Inspector	PMG
9	Shyam Singh	Head Constable	PMG
10	Mudit Kumar	Constable	PMG
11	Rajput Jaydip Bhimsing	Constable	PMG
12	Sawant Sachin Sambhaji	Constable	PMG
13	Rentu Mollick	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

182 Bn BSF is deployed for the security of Airfield Srinagar with its HQrs at Gogoland. Campus of Bn HQ is spread over in approx. 23 acres with a perimeter wall all around. Civilian buildings have come up all around of the campus right of up to the boundary wall of the campus. On some of the vacant residential plots civilians have undertaken plinth work touching the boundary wall thereby reducing its height at some places to approx. 2 feet. There exist 31 sentry posts all along the perimeter security wall. These posts are manned round the clock by static armed guards. In addition the area of responsibility is dominated by sending patrolling parties outside perimeter wall and also a QRT consisting of one SO and 11 ORs always remain on stand to mode near main entrance of the campus.

On 3rd Oct 2017 at about 0410 hrs a group of three heavily armed militants, taking the cover of pitch darkness and civilian houses, scaled the boundary wall from a place where its height was very less by cutting concertina coil and entered into the campus left side of Quarter Guard from village Gogo side. These militants, while in the process of entering were spotted at an initial stage by the vigilant sentry of the Quarter Guard No 118115544 Const Rajput Jaydip Bhimsing who was very alertly performing guard duties in front of Unit Quarter Guard, challenged the groups of three militants when they were in the process of crossing the parameter fence from the side of Gogo village using wire cutter. In the pitched darkness, the militants fired with automatic weapons and hurled grenades towards his side. Without caring for his personal life, he bravely and instantaneously retaliated with his personal weapon (INSAS Rifle). Due to his prompt retaliatory action other troops on all the Sentry Posts of the campus got alerted to counter possible attack. Meanwhile, Head Constable Joginder Hooda who was guard commander immediately sounded the hooter twice. Consequently, the militants could not come forward in the direction of the Quarter Guard, which had Arms and Amn of the Bn. CT Rajput Jaideep exhibited highest level of alertness, courage and professional acumen while on duty.

Subsequently, the militants also fired in all directions. No. 05254644 Const Mudit Kumar of 182 Bn BSF while performing the guard duties, fired from rear side of Quarter Guard. He fired from his personal weapon (INSAS Rifle) at perpendicular angle and did not allow the militants to move towards Quarter Guard. Without caring for the continued fire of automatic weapons coming from the militants side, he gallantly reacted in befitting manner and compelled the militants to change their plan of action and did not allow them to move towards the Quarter Guard, thus avoiding the collateral damage to the precious

lives, Arms & Amns and restricted stores. The militants disorganized and two of them ran towards SO's Mess and one towards Administrative block, taking cover and advantage of depressed ground in front the Quarter Guard, firing in all direction, and throwing grenades from UBGL.

Out of three, one of the militants rushed towards the Canteen side. The Magazine Guard (located in the Sentry Post behind the Magazine and CPC Canteen) No. 118115737 CT Sawant Sachin of 182 Bn BSF immediately got alerted and observed the militant in civil clothes who was firing with his automatic weapon (UBGL) indiscriminately in his direction as well as other directions. He without loss of time fired back upon the militant effectively with his personal weapon. No.130829621 CT Rintu Malik of 182 Bn BSF who was the other Magazine Guard near the unit CPC Canteen, also saw the militant firing indiscriminately running towards his directions with an aim to kill him and cause damage to the sensitive stores (arms and amn). Militant also fired few grenades by using of UBGL towards the directions of Officers' Mess and the Main Gate of the campus. However, CT Rintu Malik did not bother about the fire coming in his direction and took proper cover and fired with his personal weapon effectively. Effective firing of CT Sawant Sachin and CT Rintu Malik of 182 Bn BSF killed the militant in the initial stages of the attack and they kept on holding the Sentry Posts. This foiled the attempt of the militant to reach towards Main Gate and Officers' Mess where Officers were residing. From this Fidayeen, one AK-47 rifle fitted with UBGL and grenades were recovered. The grenades were also found in his body. One of the three militants in camouflage dress taking advantage of darkness managed to sneak in and entered in Adm Block and in 1st floor of SOs' Mess (double storied building).

At 1st floor of the SO's Mess, the militant entered in Room No-8 firing indiscriminately with a lightening effect. In this room No 871612379 ASI/GD Braj Kishore Yadav was living. On sudden appearing of the militant he could not get a chance to take out his personal weapon. ASI/GD Braj Kishore Yadav wasting no moment in a bid to snatch his weapon confronted and pounced upon the militant and a brief scuffle took between him and militant. Since the weapon of the militant was tightly tied and secured with his body, as such ASI/GD Braj Kishore Yadav could not be successful in snatching weapon from the militant. The militants getting released from ASI/GD Braj Kishore Yadav immediately attacked him with firing from automatic weapon from point blank range. Engaging and having scuffle with the militant gave other inmates of the Mess a reaction time to secure them. As a result of militant firing from a close range ASI/GD Braj Kishore Yadav got bullet injuries in his head and martyred displaying a high degree of devotion to duty dedication and conspicuous bravery.

The militant after killing ASI/GD Braj Kishore Yadav came out of his room. On hearing sound of firing No. 124400887 ASI (Radio Mechanic) Rohit Joshi who was in room No. 9 and adjacent to the room of ASI/GD Braj Kishore Yadav and came out of his room. As he was about to enter into the room of ASI/GD Braj Kishore Yadav came in front of the militant who opened fire on ASI/RM Rohit Joshi. ASI/RM Rohit Joshi in a bid to snatch weapon had a brief scuffle with the militant but failed to snatch his weapon and got bullet injuries in his abdomen. He pushed the militant aside and taking advantage of this moment he returned to his room with a lightening effect, bolted the room from inside and gave details of presence of the militant as well as injuries sustained by him to the authorities from his mobile phone.

The militant again advanced towards room No. 6 by lobbing grenade. Again, militant tried to enter in the room but ASI Rameshan N and ASI Rakesh pushed the door from inside and did not allow the militant to enter. When militant could not succeed to enter inside the room, he fired one burst from his automatic weapon through the wooden door but due to proper positions taken by the inmates, they remained unscathed, but did not deter from his duty. Again, militant returned towards stair side. After some time, ASI Rameshan N took the personal weapon (Rifle-Baretta) of ASI Rakesh Kumar and positioned himself property to elimate the militant.

In the meantime, ASI Rameshnan N held the door slightly open. Showing the courage and presence of mind, ASI Rameshnan N took position and risking his life, kept keen watch on the movement of the militant from "Door Slot". Then, ASI Rameshnan N kept on assessing the movement of the militant from close towards the door. After some time, ASI Rameshan N observed the militant crawling towards their side. Without caring for his life, he immediately fired upon the militant effectively which resulted into his elimination on the spot. Once it was ensured that the militant was dead, ASI Sinod Kumar taking all precautions took possession of the weapon from the dead body of militant.

By now two of the militants had been killed by the brave soldiers of 182 Bn. No 042321860 SI/GD Suraj Karan Meena, who was QRT commander at Gogoland campus on hearing sound of firing and siren immediately, rushed towards the Adm block. He was spotted by the third militant who had run towards Administrative Block. SI/GD Suraj Karan Meena and militant came face to face to each other. Militant opened a heavy volume of fire on him with automatic weapon followed by grenade attack. SI/GD Suraj Karan Meena without caring his personal safety retaliated militant firing, followed him and entered into the Adm Block by firing from his personal weapon. Since he was in the face of enemy/militant he sustained grievous bullet injuries on the right side of the chest, right arm and left thigh. Nevertheless he kept on firing on the militant and gave a befitting confrontation to the militant and confined him to the Adm block only till the reinforcement reached. He was immediately evacuated to Hospital. Due to his timely action and presence of mind, high degree of sense of responsibility, devotion to duty and bravery the militant could not move further and remained holed up in Adm block itself.

Head Constable/RO Shyam Singh who was on duty in Signal Centre at Adm Block on hearing sound of firing came out of his room to assess the situation for passing the same to his seniors. As soon as he came out of his room he was pinned down by the militant who charging forward with firing from automatic weapon and throwing grenades. Though he was not having weapon but he did not accept defeat, lifted a Gamla (flower pot and threw it at the charging militant from a little distance.

As a result the militant dis-balanced and climbed to 1st floor of Adm Block. In face to face to the militant HC/RO Shyam Singh got grievous bullet injuries in his thighs but due to his action the militant could not enter ground floor of Adm block thus averted much damage to man and material. This militant who was holed up at Adm Block was killed at about 1330hrs resulting in successful culminating of the operation.

Meanwhile, at around 0430 hrs, Shri Hari Lal, DIG (Ops) along with his team of QRT consisting of Sh. S S Guleria, DIG(G) and, Shri Prateek Vashisth, AC immediately responded and reached the spot and took command of the situation. On arrival at the place of occurrence in 182 Bn campus in the vehicle, Shri Hari Lal, DIG(Ops) assessed the situation and after having taken all the tactical considerations prepared the strategy to deal with the situation. The biggest challenge in front of him under the darkness was to locate the positions of the militants who were hiding in the campus of 182 Bn BSF. Upon arrival at the entrance gate of the 182 Bn, Sh Hari Lal DIG (Ops) and Sh S.S. Guleria DIG(G), enquired from the Sentries about the situation making use of their vast experience. Sh Hari Lal DIG (Ops) promptly acquired the information from the personnel of 182 Bn BSF who were in the campus to know the probable locations of the militants whose number was still not known at this juncture.

The QRT led by Sh Hari Lal, DIG (Ops) along with Sh S. S. Guleria DIG(G) & Sh Prateek Vashisth, AC who were inside their BP vehicles reached in front of the Adm Block and stopped the vehicle under the porch of the Adm Block where it was learnt that that two personnel named SI Suraj Karan Meena and HC/RO Shyam Singh were injured due to firing of militant firing and are held up inside the Adm Block. It was also learnt that Ct Niranjan Kumar who was performing operator duty in the Unit Telephone Exchange is also held up inside.

Sh S.S.Guleria, DIG(G) spoke to SI Suraj Karan Meena over phone and learnt from him that he along with HC/RO Shyam Singh are held up inside the Signal Centre. He also told that militant is most probably sitting on the stairs of the first floor. Decision was taken to evacuate the injured personnel. QRT personnel got down from the vehicle and made an attempt to enter inside the Adm Block by taking all precautions. Sh Prateek Vashist, AC was directed to approach the rear side of adm block from Mandir side alongwith his QRT personnel. In order to evacuate the injured persons, both DIsG took positions on left and right side of the Adm Block along with QRT personnel and provided covering fire through the windows of first floor to engage the militants. Sh S.S. Guleria, DIG without caring for his personal comfort and despite fire coming from militant, gallantly supervised the team and ensured cordoning of the Adm block from right side whereas Sh Hari Lal DIG (Ops) condoned the areas from the left flank of the Adm Block. There was constant fire coming from the Adm block from first floor side but he did not care for his personal safety and comfort.

As the QRT tried to enter inside the Adm Block to evacuate the personnel, a militant opened one burst of fire and hurled a grenade towards them. The QRT members very efficiently took position and tactically moved back from the Adm Block to occupy safe positions. Then the BP vehicle was moved around the building to assess the situation further. After assessing the situation minutely and locating the militant inside the building, the Adm Block was cordoned off effectively by placing the members of the QRT and the personnel of 182 Bn BSF.

In the meantime, SI Suraj Karan Meena and HC/RO Shyam Singh removed the AC fitted inside the Signal Centre, moved out of the building towards the rear side where Shri Prateek Vashisth, AC along with his QRT members was already covering the area. Shri Prateek Vashisth, AC along with his personnel immediately assisted both the injured to the safer position who were further evacuated to the Composite Hospital. This gallant action of Sh Prateek Vashisth, AC could prove very instrumental in safe evacuation of both injured personnel. The Officer did not care for their personal safety despite intermittent firing by the militant which helped in timely evacuation of the injured personnel. Sh Anil Kumar Rai, 2IC (Ops) assisted in evacuation of HC/RO Shyam Singh to the hospital.

One team of Shri Prateek Vashisth, AC was in the general area of SOs Mess. Meanwhile in the operational area, he got to know about the injury of ASI Rohit Joshi in Room No.9. The team of Shri Prateek Vashisth, AC, after getting proper briefing from Shri Hari Lal, DIG (Ops) kept their position near the SOs mess and in the meantime, it was day light. DIG (Ops) informed Shri Prateek Vashisth, AC to cover up the target. He along with Sh. S S Guleria came outside and briefed the IG BSF and SSP Badgam Shri Tejinder Singh about the situation of the operation area.

Sh Raman Gupta, AC on reaching the Adm Block positioned his QRT both from the front and rear o the Adm Block near the entry/exit gates to prevent militant from escaping. Since he could not enter the Adm block either from front or rear entrance due to militant fire, Sh Raman Gupta, AC made an alternate plan and without caring his life went to the rear side of the Adm block, broke opened the Air conditioner fitted on the window in the signal centre, took out/rescued both the bullet injured persons and evacuated them timely for immediate medical treatment.

At SOs' Mess Joint operation with Shri Tejinder Singh, SSP Badgam and his team of Commandos of SOG with "Rakshak Vehicle" was there which went inside the SOs Mess where it was found that a cover fire was given by Shri Hari Lal, DIG (Ops) and Shri S S Guleria, DIG (G) from the front and Shri Prateek Vashisth, AC from the left side. There was no firing coming to them but on the ground all suspicious cover fire was given. The requirement of rope and ladder was felt which was promptly supplied by CRPF. On giving adequate cover fire, the SOG Team of SSP Badgam went up. SOG personnel namely Majeed and Altaf played a courageous role in evacuating the SOs who were held up in the SOs' Mess. Sh Parteek Vashisth, AC and Sh B.K. Sharma approached the first floor and found the militant dead. Immediately, ASI Rohit Joshi was evacuated. The other SOs were also brought out using the ladder. But, there was no fire given to ensure secure exit as the militant was

not known at that point of time. House clearance operation was also led by Shri Hari Lal, DIG (Ops) and Shri S S Guleria, DIG (G) and SOG team of Shri Tejinder who were at the site.

Further, in order to flush out the militant who was held up in the Adm block, firing of RL(HE and HEAT), LMG, was done. BSF fired 5 HEAT and small arms weapon to compel the militant to come out side of the Adm block building. The SOG also used very effective Chilli Grenades and tear smoke shells. This led militant to come out of the building, while he was running outside Adm block near the temple to take the cover, the team of BSF, CRPF and SOG neutralized him.

Sh. Hari Lal DIG (Ops) carried out whole operation in utmost exemplary manner. He displayed extra-ordinary courage, conviction and professional astuteness during the operation without caring for his personal safety, he planned and executed the operation which resulted into successful elimination of 03 militants of JeM.

The team of Shri B K Sharma, DC, 182 Bn BSF, Shri Prateek Vashisth, AC and teams of SOG, CRPF teams in a coordinated manner cleared all the buildings and ensured that no other militant was in the premises. The entire operation led to the killing of three militants. Recovery of three automatic weapons, AK-47, one Pistol, Magazines, Ammunition, Live Grenades and wire cutter.

In this operation S/Shri Hari Lal, Deputy Inspector General, Sujeet Singh Guleria, Deputy Inspector General, Prateek Vashisth, Assistant Commandant, Suraj Karan Meena, Sub Inspector, Late Braj Kishore Yadav, Assistant Sub Inspector, Ramesan N, Assistant Sub Inspector, Rohit Joshi, Assistant Sub Inspector, Shyam Singh, Head Constable, Mudit Kumar, Constable, Rajput Jaydip Bhimsing, Constable, Sawant Sachin Sambhaji, Constable, Rentu Mollick, Constable and Raman Gupta, Assistant Commandant displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 03/10/2017.

(F. No. 11020/ 74/2019 -PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 140-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Manoranjan Nath	Head Constable	PMG
2	Reji Kumar K.G	Head Constable	PMG
3	Ibraj Newar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12/12/2018 at about 1500 hours, SSP Sopore informed Shri Bhupal Singh, Commandant-177 Bn, CRPF about the presence of militants in village Brath-Kalan (Gund Mohalla), Sopore. After receiving said information, he immediately ordered the unit QAT to get ready for the operation and chalked out operational plan with SSP Sopore, Commandant (A.O.L)-179 Bn, Commandant-92 Bn, CO 22 RR and SOG Sopore. The input was further developed and corroborated with Human Int. and presence of two militants was confirmed in Gund Mohalla of Brath-Kalan Village in the house of Mohd Shafi Mir S/O Gh. Mohiuddin Mir. As per the operational plan QAT of 177 Bn under over all of command of Sh. Bhupal Singh, Comdt-177 Bn, CRPF along with Shri Ranjeet Kumar, DC & Sh. Neeraj Kumar, AC was detailed to lay inner cordon towards South side of target house, troops of 179 Bn & Range QAT laid cordon towards South-West Side, troops of 92 Bn CRPF were assigned task to man outer cordon, SOG Sopore towards Northern Side and troops of 22 RR will cordon the Eastern side of the target house. After proper briefing troops occupied their designated positions and all escape routes were plugged to negate any chance of sneaking out of militants from the target house. Without wasting any time Shri Bhupal Singh, Commandant-177 Bn, CRPF ensured the deployment of his troops tactically in the inner cordon to plug all escape routes and at the same time ensured his troops have occupied strategic positions and are in proper cover to ensure zero collateral loss/damage. It was confirmed by the local source that are were two local militants hiding in the house besides the residents of the house. Taking all security precautions & strategic planning occupants of the house were evacuated by the joint troops and the hiding militants were also asked to surrender. Instead of surrendering, the hiding militants fired indiscriminately upon the joint troops positioned in inner cordon to manage their escape, but strong cordons laid by the troops negated any chance of their sneaking out. The fire was effectively retaliated, meanwhile troops also strengthened their existing positions. The militants kept on firing intermittently during the whole night and at times they resorted to heavy firing followed by grenade throwing but tactical positioning of troops and effective retaliation foiled their attempts of sneaking out.

Their about 0315 hours both the militants again fired indiscriminately upon the joint troops followed by grenades to change their positions and taking advantage of the situation. No.941420706 HC/GD Manoranjan Nath, 177 Bn, CRPF kept his nerves, used ground features tactically & fired upon them effectively during which one of the militants got injured but despite his injury, he kept on firing indiscriminately upon the joint troops. Thereafter, to confirm the position of the injured militant it was decided to form two small joint teams comprising of troops of QAT-177, QAT-179 and Range QAT, Baramulla. Both the teams advanced tactically towards the target house using the ground features, taking calculated risk and endangering their lives when the presence of militants was certain. Sensing the movement of troops advancing towards them the hiding militants heavily fired upon the joint teams which was effectively retaliated by No.941420706 HC/GD Manoranjan Nath (177 Bn), No.991220036 HC/GD Reji Kumar K.G (179 Bn) & No.115135763 CT/GD Ibraj Newar, Range QAT Bramulla (176 Bn), without caring for their own lives, exhibiting exemplary courage, combatant acumen, professionalism even within such a close proximity. After that frequency of fire stopped and it seemed that the hiding militants have been gunned down, the troops maintained their strategic positions despite sub-zero temperature to avoid any loss or injury. Meanwhile, in another gun battle the holed up second militant who had positioned himself towards Eastern side in the target house was gunned down by the joint troops of 22RR & SOG, Sopore by using grenades and effective fire. At about 0830 hours, it was decided to utilize the services of Netra/Drones of 177 & 92 Bn CRPF for intensive search of the target house & surrounding area. Thereafter, joint teams tactically advanced for carrying out final search of the house/area during which both the militants were found killed along with arms/amns. The militants were later identified as Owais Ahmad Bhat @Abu Bakr (22 Yrs), S/O Gh. Ahmad Bhat R/O Gund Brath, Sopore & Tahir Ahmad Dar @ Abu Abdullah S/O Mohd Ramzan Dar R/o Saidpora, Sopore(J&K) affiliated with terror outfit of TuM.

During the whole operation, No.941420706 HC/GD Manoranjan Nath, 177 Bn, No. 991220036 HC/GD Reji Kumar K.G.,179 Bn & No.115135763 CT/GD Ibraj Newar, Range QAT Bramulla,176 Bn exhibited highest degree of valour, matchless efforts, exemplary courage, dedication to duty without caring for their own lives and professionalism of highest order.

In this operation S/Shri Manoranjan Nath, Head Constable, Raji Kumar K.G, Head Constable and Ibraj Newar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from12/12/2018.

(F. No. 11020/177/2019-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 141-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Yogesh Kumar Sharma	Inspector	PMG
2	Madhu Kumar	Constable	PMG
3	Bhagat Vinit Shyamrao	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Tral sub-division of District Pulwama in South Kashmir (J&K) has remained a traditional stranglehold of various terrorist outfits. In the recent past terrorist outfit Jaish-e-Mohammad (J-e-M), got hold in the mountainous region of North Tral establishing its hideouts in the dense forests of these mountains. These thick forests and difficult terrain provide natural shelter to the terrorists. Conducting counter-insurgency operations in these areas has always been difficult and hazardous for the troops.

On 10 Mar 19 at about 0700 h, based on specific information regarding the presence of terrorists in Nayi Basti, Pinglish U/PS Tral, a Cordon and Search Operation (CASO) was launched by 180 Bn CRPF, Army, Civil Police, and SOG Tral. While cordoning the area, some suspected movement was observed by the troops. Acting swiftly, troops plugged all the escape routes and placed cut-offs at strategic locations.

At about 1000 h, after cordoning off the village, two joint search teams of Army, CRPF and Police started the search of suspected houses. At about 1500 h, maximum area was cleared and there were only five houses left for search. At about 1600 h, house cordon party including No 095350855 Insp/GD Yogesh Kumar Sharma, 145312419 Ct/GD Madhu Kumar and No 115255394 Ct/GD Bhagat Vinit Shyamrao took positions and tactfully covered a double storey house of Md Amin Shah S/O Mohd Ama Shah. Thereafter the joint house search party tried to enter the house, when, suddenly a grenade was lobbed

followed by a volley of fire from the house. Insp/GD Yogesh Kumar Sharma, Ct/GD Madhu Kumar, and Ct/GD Bhagat Vinit Shyamrao immediately retaliated and provided cover fire to the search party.

The house search party immediately retreated and withdrew in the cover of BP Shields. The terrorists were firing intermittently on the troops and lobbing grenades by continuously changing their position. At about 1730 h, in between heavy fire, the wooden structure of the target house caught fire. Unable to face the heat of the fire, one terrorist tried to escape from the window. He lobbed a hand grenade and fired towards the position of the Insp/GD Yogesh Kumar Sharma to clear his way. Displaying raw courage, Insp/GD Yogesh Kumar Sharma along with his buddy Ct/GD Madhu Kumar retaliated the attack without caring for his life. Foiling the attempt of terrorist, the duo put effective fire on the terrorist and neutralized him near the window. Later, he was identified as Muddasir Ahmad Khan a Commander of J-e-M. He was the main conspirator behind the Pulwama attack on CRPF convoy on 14 Feb 19 in which 40 CRPF personnel attained martyrdom.

Meanwhile, on the other side, second terrorist was lobbing grenades and firing from the target house. He tried to escape from the door by firing indiscriminately. Ct/GD Bhagat Vinit Shyamrao was in a nearby position. Acting promptly, he intercepted the terrorist and fired at him. Before terrorist could make any further attempts, Ct/GD Bhagat Vinit Shyamrao put effective fire and neutralised him inside the house. Later, he was identified as Razzak Bhai @ Khalid R/o Pakistan.

During the operation, Insp/GD Yogesh Kumar Sharma, Ct/GD Madhu Kumar and Ct/GD Bhagat Vinit Shyamrao displayed exceptional valour, raw grit and the highest degree of commitment and dedication to duties and succeeded in neutralizing two dreaded terrorists of J-e-M. For this act of conspicuous gallantry in the face of grave adversity.

In this operation S/Shri Yogesh Kumar Sharma, Inspector, Madhu Kumar, Constable and Bhagat Vinit Shyamrao, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from10/03/2019.

(F. No. 11020/46/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 142-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force(CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shankar Lal Jat	Assistant Commandant	1st BAR TO PMG
2	Syed Shoaib Ahmad	Constable	PMG
3	Keshari Kumar Singh	Assistant Commandant	PMG
4	Shabir Ahmad Dar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21 Mar 19, at about 0445 h, a specific input was received about the presence of dreaded terrorists at Mir Mohalla Hajin, Bandipora: an op (CASO) was launched by 45 CRPF along with SOG and 13 RR.

As per the plan, joint teams quickly reached Hajin and cordoned the target area and efforts were made to evacuate the occupants, but still the terrorists kept a few of them hostage. However, keeping the safety of innocent people, on priority, the troops announced the terrorists to free hostages and surrender. In between, a team of 45 CRPF, led by Sh Shankar Lal Jat, AC rescued 06 hostages. However, one house owner namely Abdul Hameed Mir along with his nephew Aatif Ahmad Mir was still under clutches of terrorists.

Again an announcement was made to the terrorists for surrender, but, they responded with heavier firing towards front side of the house, where team of Sh Shankar Lal Jat, AC was positioned. Thereafter, the troops immediately, took position and retaliated, with controlled fire, to prevent collateral damages. However, after assessing situation, Sh Shankar Lal Jat, fired Long Range Chilly Shells inside the target house, to force the terrorists to come out but they started changing their positions under cover of indiscriminate firing, but in this process they got exposed.

Immediately, Sh Shankar Lal Jat, AC and Sh K K Singh, AC along with their buddies Constable Syed Shoaib Ahmad and Constable Shabir Ahmad Dar attacked the terrorists from different directions. The coordinated counter-attack proved effective and resulted in the killing of one terrorist and injury to other who silenced his gun for a while. Using this opportunity, Sh Shankar Lal Jat, along with his buddy Constable Syed Shoaib Ahmad entered the target house and rescued

remaining hostages. The injured terrorist was hidden somewhere in the house and firing intermittently to keep the troops away.

The dusk was sharply approaching the area, compelling the troops to wind up the operation. Thereafter, it was decided to blow up the house using IEDs. Accordingly, at about 1740 h, the target house was razed down by IED blast. Then, a team of Sh Shankar Lal Jat, Sh K K Singh, Constable Syed Shoaib Ahmad, and Constable Shabir Ahmad Dar along with troops of SOG and 13 RR were tasked to search the target house.

While approaching the target house, the terrorist emerged out and opened a fusillade of bullets upon the search party. Sh Shankar Lal Jat, Sh K K Singh, Constable Syed Shoaib Ahmad, and Constable Shabir Ahmad Dar were at the front and had a miraculous escape in this onslaught. They, immediately, dashed forward and displaying raw courage, charged upon the terrorist and in close combat, neutralized, the another terrorist.

The neutralized terrorists were later identified as Haider @ Ali Bhai and Hubaib @ Furkhan, foreign terrorists (LeT), involved in many civilian killings. 02 AK series rifles, 18 magazines, matching ammunition and other warlike stores were recovered.

In this operation S/Shri Shankar Lal Jat, Assistant Commandant, Syed Shoaib Ahmad, Constable, Keshari Kumar Singh, Assistant Commandant and Shabir Ahmad Dar, Constabledisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from21/03/2019.

(F. No. 11020/48/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 143-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/2nd BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force(CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Loukrakpam Ibomcha Singh	Assistant Commandant	2nd BAR TO PMG
2	Feda Hussain Dar	Constable	PMG
3	Sajad Ahmad Bhat	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 16 Oct 18, at about 2200 h, an input was received regarding presence of the terrorists, in the area of Fateh Kadal. A joint op (CASO) was launched by CRPF Valley QAT, under command of Sh L Ibomcha Singh, AC along with SOG, J&K Police.

On 17 Oct 18, at 0100 h, CASO was launched. At around, 0130 h, during search, near Qazi Masjid, team of Sh L Ibomcha Singh, AC, recovered 3 live ammunition of AK 47, along with backpack. During questioning, the house owner did not reveal much information and started complaining of chest pain and anxiety. His younger son took him to hospital and elder son, Rayees Ahmed Hanga, was asked to accompany the troops, in searching of the house. During search, when the troops moved towards the opening of attic, Rayees Ahmed Hanga refused to enter, making various excuses. However, sound of movement was heard in the attic, which corroborated the input and ignited the suspicion of troops. Meanwhile, various attempts were made to make the terrorists surrender, but in vain. Due to darkness, the assault was deferred to daybreak.

At around 0625 h, joint teams, led by Sh L Ibomcha Singh, AC alongwith SOG, approached the opening of attic, with Rayees Ahmed Hanga, using a ballistic shield, but he again refused and tried to mislead. Meanwhile, Ct Kamal Kishore, of SOG, moved towards the ladder to peep inside the attic, but Rayees Ahmed Hanga rushed out and alerted the terrorists. The terrorists lobbed a grenade, on the search party and opened a fusillade of bullets. Ct Kamal Kishore got hit by bullets and fell down. Ct Angrej Singh of J&K Police, Ct/GD Sajad Ahmed Bhat and Ct/GD Feda Hussain Dar of CRPF also suffered splinter injuries.

Bullets came raining down, through the wooden floor, and the room got filled up with grenade blast fumes. Sensing the danger, Sh L Ibomcha Singh, AC, fired into the attic. Under his covering fire, troops maneuvered themselves near the injured, Ct/GD Angrej Singh, and evacuated him to safety. Sh L Ibomcha Singh, AC, along with Ct/GD Sajad Ahmed Bhat and Ct/GD Feda Hussain Dar, held their position and fired at the terrorists to contain them, inside the attic. The terrorists lobbed another grenade towards Sh L Ibomcha Singh, AC, and his buddy, but they retreated to the ground floor.

QAT personnel were deployed in adjacent buildings. On the directions of Sh L Ibomcha Singh, AC, they opened controlled and targeted fire, at the upper portion of the house. Then, Sh L Ibomcha Singh, AC, and his buddy fired MGL grenades into the target house. As a result, the target house caught fire. In between, Sh L Ibomcha Singh, AC, and his buddy moved out from the target house, and took position in a nearby building.

As expected, a terrorist came out, firing indiscriminately, jumped from the window and tried to escape from the site. However, Sh L Ibomcha Singh, AC, and Ct/GD Feda Hussain Dar noticed his movement and, displaying raw courage and bravery, charged towards him. In a fierce gunbattle, Sh L Ibomcha Singh and Ct/GD Feda Hussain Dar neutralised the terrorist. In the meantime, two more terrorists jumped out from the other window, firing indiscriminately. Ct/GD Sajad Ahmad Bhat was alert on that side and he, sprang out of his position and fired upon the terrorists and neutralised one of them. The third terrorist was also neutralised by the troops. The op closed at around 1400 h, on 17 Oct 18.

The three neutralised terrorists were later identified as Malraj-ud-din Bangroo (Category A), Faid Mushtaq Waza (Category C) and one OGW Rayees Habib Hanga (all from LeT). 1 AK 47 rifle and 1 Chinese pistol, along with ammunition and miscellaneousincriminating items, were recovered from the site.

In this operation S/Shri Loukrakpam Ibomcha Singh, Assistant Commandant, Feda Hussain Dar, Constable and Sajad Ahmad Bhat, Constabledisplayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from16/10/2018.

(F. No. 11020/ 59/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 144-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Prabhat Chandra Jha	Deputy Inspector General	PMG
2	Harinder Kumar	Commandant	PMG
3	Jitendra Kumar Gupta	Commandant	PMG
4	Rabi Narayan Swain	Head Constable	PMG
5	Pawan Kumar	Head Constable	PMG
6	Puncham Singh	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12 Sep 2018, information about the presence of 3 foreign terrorists, near Jhajhar Kotli, Jammu, was received by CRPF. Accordingly, a joint search and destroy operation was launched by the troops of CRPF, State Police, and Army in their demarcated areas. Troops searched all the probable places but couldn't locate the terrorists.

At 1055 h, on 13 Sep 2018, troops received a specific input about the presence of three foreign terrorists, in a house, in Dheerti village. Immediately, a joint team of 6 and 187 CRPF, along with State Police, rushed to the site. The owner of the house has given the information to SF and was waiting for them, outside the village. After reaching the village, the commanders ascertained the facts about the terrorists and the house. The target house was having a south facing single door entry, with an iron grill-fitted window. As per the input, three heavily-armed terrorists were present inside the house.

Two assault teams, led by Sh Harinder Kumar, Commandant, 187 CRPF, and Sh Jitender Kumar Gupta, Commandant 6 CRPF, were tasked to search the target house. Before commencing the search, tactical points/probable escape routes were covered by the troops. The approach to the house was an open area, with little or no cover against the bullets. Advancing towards the target house could have been a fatal step as the terrorists were heavily armed, with clear observation of the approach route.

Sh Harinder Kumar, Commandant, and Sh Jitender Kumar Gupta, Commandant, along with Sh Harsh Pal Singh, DC, advanced towards the target house, from the west. When the assault teams reached near the target house, approx 100 m away, terrorist noticed the presence of SF and opened indiscriminate fire towards them. The troops, immediately, took positions but were unable to target the terrorists, due to the lack of clear visibility. Assault party commanders analyzed the situation quickly and decided to continue the advance. Sh Harshpal Singh, DC, volunteered to lead the advance. Amid raining bullets,

he along with his buddy Ct/GD Zaker, crawled towards the target house, under the covering fire of assault teams. The assault teams, moving stealthily reached close to the target house, approx. 15/20 m away.

Sh Harshpal Singh, DC and Ct/GD Zaker took a risky move, wherein they left their cover and took position behind a nearby tree, to engage the terrorists more effectively. The duo, under extreme life threatening circumstances, charged towards the terrorists and neutralized one and injured another. However, in the gunbattle, they suffered severe injuries and had to be evacuated.

Meanwhile, Sh P C Jha, DIG, also reached the site and joined the ongoing gunbattle. He, along with his buddy, took position towards the south east of the target house. Meanwhile, the terrorists were continuously firing and lobbing hand grenades towards the troops. Sh P C Jha, DIG, directed the assault teams to fire grenades using UBGL. Accordingly, HC/GD Pawan Kumar and Ct/GD Puncham Singh fired successive grenades from UBGL and suppressed the terrorist fire. Using this opportunity, Sh Harinder Kumar, Commandant along with HC/RO R N Swain and HC/GD Pawan Kumar, advanced ahead and took position near a tree; from where Sh Harshpal Singh, DC, had attacked terrorists. Sh Jitender Kumar Gupta, Commandant, with his small team also joined them and augmented the attack. Meanwhile, Sh P C Jha, DIG, kept engaging the terrorists.

The terrorists diverted their fire towards Sh P C Jha, DIG. They opened a fusillade of bullets upon him and lobbed hand grenades. However, Sh P C Jha, DIG, undeterred by the fatal threat, held on to his ground and retaliated the attack. Thereafter, a concerted assault was mounted from one side by Sh Harinder Kumar, Commandant, HC/RO R N Swain, HC/GD Pawan Kumar and Sh Jitender Kumar Gupta, Commandant, and from the other by Sh P C Jha, DIG. The audacious onslaught, by the troops, from both sides, resulted in the neutralization of another terrorist. The third terrorist also got hit but managed to slip from the house through the thick undergrowth and maize crop. However, he was neutralized by the cordon teams of 137 CRPF, Police and Army. The dead bodies of the 3 JeM terrorists (all Pakistanis) were recovered by the troops, along with three AK Rifles, one Glock Pistol, a huge cache of ammunition and explosives.

The three terrorists were neutralized, without any collateral damage due to the unparalleled bravery of CRPF troops. Therefore, in order to recognize the conspicuous act of gallantry, indomitable fighting spirit, selfless dedication and devotion to duties in the face of clear and imminent death.

In this operation S/Shri Prabhat Chandra Jha, Deputy Inspector General, Harinder Kumar, Commandant, Jitendra Kumar Gupta, Commandant, Rabi Narayan Swain, Head Constable, Pawan Kumar, Head Constable and Puncham Singh, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from12/09/2018.

(F. No. 11020/ 68/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 145-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Rajesh Kumar	Second In Command	PMG
2	Sanjeev Kumar	Inspector	PMG
3	Mahendra Kumar	Head Constable	PMG
4	Nand Kishor	Head Constable	PMG
5	Pankaj Kumar	Constable	PMG
6	Durga Prasad Yadav	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 21 Dec 18, information was received from Police, regarding the presence of terrorists, in Arampora and Shahabad area, under PS Awantipora, Distt Pulwama, (J&K). Accordingly, a joint CASO was launched by 130 CRPF, SOG and 42 RR, at 2235 h. The suspected houses were thoroughly searched, but the terrorists managed to escape from the village, taking advantage of darkness and the op was called off, at 2320 h.

Subsequently, the troops again received an input about presence of terrorists, in the outskirts of village Arampora. Again, a joint CASO was launched by 130 CRPF, led by Sh Rajesh Kumar 2IC, SOG and 42 RR, in the wee hours. A strong cordon

was laid around the suspected area, by the SF. There was a small hillock inside the cordoned area, alongside a small seasonal nullah, running through an orchard and outskirts of the village. As per the input, the terrorists were suspected to be in a hideout in this hillock.

Sh Rajesh Kumar, 2IC, chalked out the action plan with fellow commanders and divided the troops into three teams and, sensing the gravity, decided to lead Team 1, Insp/GD Sanjeev Kumar was leading the Team 2, while Team 3 was kept as reserve. Thereafter, CRPF Teams (1&2), along with Police and 42 RR, tactically advanced towards the hideout. The side, from which CRPF teams were approaching was through an open area and the most difficult one. Displaying the true character of leadership, Sh Rajesh Kumar, 2IC, led Team 1, from the front, through this patch and directed Team 2 to move alongside his right flank.

At about 0830 h, when Team 1 was advancing towards the suspected hideout, a terrorist, who was placed as a sentry opened indiscriminate fire and ran towards a nearby petrol pump, through an open paddy field. Sh Rajesh Kumar, 2IC along with his buddy, Ct/GD Durga Prasad Yadav, chased the terrorist. Amid the raining bullets, the duo intercepted the fleeing terrorist and neutralized him in a head-on gunfight. Meanwhile, on hearing the gunshots, another terrorist came out from the hideout and started firing on the CRPF Team, which was in an open field.

Despite being exposed to the volley of bullets, Sh Rajesh Kumar, 2IC, continued the advance towards the hideout with his Team. The terrorist was at a dominating position and it was difficult to target him, upslope. Yet again, Shri Rajesh Kumar, 2IC, rose to the occasion and crawled upslope, amidst the raining bullets, under the covering fire of Ct/GD Durga Prasad Yadav. The terrorist lobbed grenades towards him to check his advance, which exploded at some distance. Sh Rajesh Kumar, 2IC, disregarding his personal safety and life, exhibited great courage and charged towards the terrorist, along with Ct/GD Durga Prasad Yadav. The duo neutralized the second terrorist in a nerve-racking gun battle.

Since the position of the terrorists was confirmed, Shri Rajesh Kumar, 2IC, directed Insp/GD Sanjeev Kumar to rush towards the hideout along with his Team 2. Seeing, the troops advancing toward them, suddenly, a terrorist came out of the hideout and started firing indiscriminately. The troops immediately took position and under the covering fire from Team 1 reached close to the hideout. At an opportune moment, Insp/GD Sanjeev Kumar, along with his buddy HC/GD Mahender Kumar, charged towards the terrorist and neutralized him. Meanwhile, HC/GD Nand Kishore and Ct/GD Pankaj Kumar spotted one more terrorist, coming out of the hideout. Before the terrorist could attack, the duo charged and neutralized him on the spot. Thereafter, 02 more terrorists, who were firing from the nullah, were engaged by the other troops and subsequently neutralized and the firing stopped at about 0945 h.

During the search, the troops recovered dead bodies of six terrorists, who were later identified as Saleh Mohammad Akhoon (Deputy Chief of the AGuH), Rasik Ahmad Mir, Rouf Mir, Umer Ramzan, Nadeem Sofi, and Faisal Javid Khanday, along with four AK 47 rifles, two pistols, two hand grenades and other incriminating items.

During this most challenging gun fight, with terrorists, troops of 130 Bn CRPF, led by Sh Rajesh Kumar, 2IC, displayed unparallel courage, without caring for their own safety.

In this operation S/Shri Rajesh Kumar, Second In Command, Sanjeev Kumar, Inspector, Mahendra Kumar, Head Constable, Nand Kishor, Head Constable, Pankaj Kumar, Constable and Durga Prasad Yadav, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from22/12/2018.

(F. No. 11020/79/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 146-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry/1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Komal Singh	Deputy Inspector General	1st BAR TO PMG
2	Ambika Yadav	Assistant Sub Inspector	PMG
3	Mahesh Pillai R	Constable	PMG
4	Gulam Rasool Lone	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 29 May 15, inputs were received from HQ Chhattisgarh Sector, CRPF and SP Bijapur about the presence of prominent Maoist leaders, along with large number of cadres, in the general area of vill Bechapal, Kondapal, Hakwa, Phuladi, Pomra and Mosla, which fall under two Police Stations, ie Mirtoor and Gangloor of Distt Bijapur.

Accordingly, after detailed discussion with Police, Sh Komal Singh, DIG Bijapur Ops Range, planned an operation for two days and one night. Thereafter, 07 parties consisting of CRPF, DRG and STF were moved out from 07 different base camp and the op was launched on 02 June 15. Sensing the gravity of the situation, Sh Komal Singh decided to lead the operation with his Special Action Team (SAT), along with DRG/STF.

Sh Komal Singh along with his troops reached Mirtoor PS and corroborated the inputs from local sources. Thereafter, he divided the troops in two teams and advanced towards the target area in parallel formation, reached near Bechapal village. While cordoning the village, the troops were crossing a nullah behind village, when heavy indiscriminate fire came upon the team of Sh Komal Singh from other side of the nullah, adjacent to a hilly feature.

The troops, immediately, took position and retaliated but it was not prove effective as the Maoists were firing from advantageous and well entrenched positions. Sh Komal Singh with his team got trapped, in ambush and it was getting difficult to hold ground as Maoists were aggressively firing. But, displaying leadership qualities, Sh Komal Singh took a bold and courageous decision to launch flanking counterattack.

Sh Komal Singh directed his troops to give him cover fire and amidst the raining bullets, rushed towards the Maoists, firing heavily upon them, along with his buddy, ASI/GD Ambika Yadav. The duo, fearlessly, moved forward and crossed the nullah. Taking a tactical position, they gave cover fire to the fellow troops in crossing the nullah. Meanwhile, on the direction of party commander, Ct/GD Mahesh Pillai and Ct/GD Gulam Rasool climbed on the embankment of the nullah, to gain an advantageous ground and fired heavily upon the Maoists. Under the support fire of above duo, Sh Komal Singh along with ASI/GD Ambika Yadav, further advanced and intensified the counterattack.

The audacious counterattack, by the troops, broke the strength of Maoists and created a panic amongst them. They retreated from the site, firing heavily. Sh Komal Singh along with his troops chased them aggressively, without caring for their life. However, Maoists fled away taking advantage of the jungle and familiar escape routes. Thereafter, the area was thoroughly searched and dead body of one Maoist along with 315 Bore rifle, ammunition, hand grenades, wireless communication set and other incriminating items were recovered.

This is a perfect example of meticulous planning, exemplary leadership and selfless teamwork. Sh Komal Singh, DIG, along with ASI/GD Ambika Yadav displayed great presence of mind, sound tactical acumen and conspicuous gallant action. Ct/GD Mahesh Pillai and Ct/GD Gulam Rasool had also displayed extraordinary bravery, selfless team spirit and dedication during the op.

In this operation S/Shri Komal Singh, Deputy Inspector General, Ambika Yadav, Assistant Sub Inspector, Mahesh Pillai R, Constable and Gulam Rasool Lone, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 02/06/2015.

(F. No. 11020/ 87/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 147-Pres/2021—The President is pleased to award the 1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Md Yousuf Itoo	Assistant Sub Inspector	1st BAR TO PMG
2	Shaid Hussain	Constable	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20 Aug 19, at about 1900 h, a credible input was received, regarding the presence of the terrorists, at Ganie Hamam Mohalla, in Baramulla old town. Accordingly, a joint operation, comprising of 53 CRPF, 46 RR and SOG Baramulla was launched to apprehend the terrorists.

The joint team cordoned the area and commenced the search of suspected houses. During the search, the terrorists lobbed multiple grenades towards the search party and opened indiscriminate fire. Our troops immediately took position and

retaliated. Meanwhile, a violent mob, from nearby areas gathered around and started pelting stones on the troops, to disrupt the op. Additional troops were called in to handle the violent mob.

In the meantime, the terrorists tried to escape and in the ensuing gun battle, 04 personnel of SOG and RR got injured. Since, the terrorists were at a tactically advantageous position, it was very difficult to evacuate the injured personnel from the target house. At this critical juncture, CRPF troops rose to the occasion and volunteered to enter the target house to both evacuate the injured personnel and neutralize the terrorists.

Accordingly, a composite team, comprising of ASI/GD Md Yousuf Itoo and Ct/GD Shaid Hussain, of 53 CRPF, along with two personnel from SOG, entered the target house, amidst a fusillade of bullets and evacuated 3 injured personnel. The 4th injured personnel was trapped in the 2nd floor and could not be evacuated in the first attempt. The composite team made several attempts to rescue him but could not succeed due to heavy retaliation from the terrorist side and the encounter raged through the night.

Ultimately, it was decided to again attempt building intervention and flush out the terrorists. In a daring and dangerous move, the composite team entered the target house, from the roof of a neighbouring house. Exposing themselves to imminent danger and without caring for their lives, ASI/GD Md Yousuf Itoo and Ct/GD Shaid Hussain entered the top floor and engaged the terrorist. In a fierce close combat, they neutralized the battle hardened terrorist and also evacuated the 4th injured personnel, though his life, unfortunately, could not be saved.

Our troops recovered the dead body of the terrorist, identified as Momin Rasool Gojree of JeM (age about 22 years) s/o Gh Rasool Gojree, r/o Old Town, Baramulla along with 01 Pistol, matching ammunition and other materials.

In this operation, ASI/GD Md Yousuf Itoo and Ct/GD Shaid Hussain, of 53 CRPF, displayed unparalleled courage, initiative and dedication, beyond the call of duty, saving 03 brothers-in-arms, of SOG, and neutralising the terrorist.

In this operation S/Shri Md Yousuf Itoo, Assistant Sub Inspector and Shaid Hussain, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/08/2019.

(F. No. 11020/167/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 148-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Brajbhan Singh	Inspector	PMG
2	Akash Kumar Badal	Sub-Inspector	PMG
3	Roomi Kumar	Constable	PMG
4	Mohd Shabir	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31 May 19, at about 1300 h, based on an input received from SSP Awantipora, regarding the presence of some terrorists, in Ganie Mohalla, village Naner, Awantipora, a CASO was launched by 180 CRPF, and SOG (+JKP) and 42 RR.

As the troops entered Ganie Mohalla, the team of RR faced a burst fire, followed by grenade lobbing. Simultaneously, the mob started gathering from nearby areas and tried to interrupt the op, but were effectively dispersed by the troops. Thereafter, a joint team was formed and after taking due precautions, commenced the search of the suspect houses. Except one house, owned by Ghulam Qadir Ganie s/o Mohd Sultan Ganie, the troops cleared all the houses and found nothing. On enquiring from the locals, the troops came to know that some unknown terrorists were present in that particular house.

Thereafter, an announcement was made by the Police, advising the terrorists to surrender, but it was replied with a volley of fire. The troops, immediately, took positions and retaliated, effectively. As the terrorists were fortified position, inside the house, it was decided to use MGL, to flush them out. There was a double storey house and a Masjid in the East and North directions, overlooking the target house.

Joint teams made a strong attacking base on these two high rise structures and opened MGL fire, targeting the front window of the house. Immediately, the terrorists reacted with burst fire and UBGL. During the exchange of fire, the floor of the house caught fire and rapidly spread to the other parts of the house.

At about 1800 h, suddenly two armed terrorists, in combat uniform, came out from the target house, firing indiscriminately and rushed towards the main gate, to break the cordon. Insp/GD Brajbhan Singh along with his buddy Ct/GD Roomi Kumar, noticed a terrorist rushing towards them, firing on their position. The duo, despite being under heavy fire, by the terrorists, took position and retaliated the attack. Displaying exemplary bravery, they neutralized the terrorist in a fierce close quarter gunfight. Meanwhile, the other terrorist, who was also trying to escape from the front side of the house, got intercepted by SI/GD Akash Kumar Badal and his buddy Ct/GD Shabir Ahmad. The duo, without caring for their lives, took the terrorist on in a head on battle and neutralized him.

During the post encounter search, the troops recovered the dead bodies of two terrorists, later identified as Jaish e Mohammad's Yawar Ahmad Najar and Junaid Ahmad Wagay, along with 01 AK 56 rifle, 01 AK 47 rifle, 04 AK magazines, ammunition, and other material.

In this operation S/Shri Brajbhan Singh, Inspector, Akash Kumar Badal, Sub-Inspector, Roomi Kumar, Constable and Mohd Shabir, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from31/05/2019.

(F. No. 11020/ 176/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 149-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Naraganti Durgapathi	Constable	PMG
2	Karthik K	Assistant Commandant	PMG
3	Brijanand Kumar Singh	Sub-Inspector	PMG
4	Sandeep Sharma	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

An intelligence input was received by DIG Bijapur Ops Range and SP Bijapur, about the presence of a group of CPI Maoist cadres, led by Gangaloor LOS Commander Dinesh, in the general area of vill Pusnar, under PS Gangaloor, Distt Bijapur, Chhattisgarh and another group led by Rakesh Korsa, Commander, Gangaloor Area Committee and Military Company No 2, in the general area of Mutuvandi under PS Gangaloor. Accordingly, a joint Search and Destroy Operation for 2 days and 2 nights, was planned in the general area of villages Pusnar, Malur, Hirmagunda, Irsametta, Kawadgaon, Kurus and Mutuvandi under PS Gangaloor, Distt Bijapur (CG). Two teams of 204 CoBRA, led by Asstt Cdts Sh Narapat and Sh Karthik K, along with teams of state police and DRG were tasked to conduct the operation.

After weighing all the opportunities and threats, the joint teams moved from the base camp at Gangaloor, on 04 Jan 18, at 2200 h, under the cover of darkness. Navigating through the thick forest and maintaining secrecy of movement, throughout the night, the joint teams reached at a jungle close to village Kawadgaon, before first light. Thereafter, Asstt Cdts Sh Narapat and Sh Karthik K placed 3 Parties, at 3 different points, to the south of vill Kawadgaon and village Mutuvandi, as per plan, and moved towards village Mutuvandi to conduct Cordon and Search Operation with two CoBRA teams.

At around 0730 h, when the teams were negotiating a hillock close to their target, the scout, Ct/GD N Durgapathi, of Team No 6, suspected some movement atop. Immediately, he ducked behind a cover and as he hand signaled the teams about the suspected danger ahead, a fusillade of bullets came at him, followed by indiscriminate fire of automatic and semi automatic weapons towards the other team members. The timely detection of ambush and quick reflexes of the team members saved the day as none got injured in the initial barrage of fire. The keen observation of Ct/GD N Durgapathi had prevented the teams in falling prey to the ambush of Maoists and entering the killing zone. Sh Karthik K, Asstt Comdt, who was leading the team, ordered his troops to retaliate so as to stop the Maoists from doing aimed fire and also to buy himself some time for locating the exact positions of Maoists. Once he located the open flank of the ambush, he alongwith SI/GD Brijanand Kumar Singh and Ct/GD N Durgapathi slipped from the area under incessant fire to a position of advantage.

Once the tactical ground was occupied, Sh Karthik K, Asstt Comdt; SI/GD Brijanand Kumar Singh and Ct/GD N Durgapathi opened a new front of engagement and fired heavily at the Maoists. The opening of new front, at the open flank, dampened the spirit of Maoists for a moment and some Maoists shifted to cover the flank. Taking advantage of the hiatus and the newly created gap, Ct/GD Sandeep Sharma, who till then was finding difficult to move ahead, crawled tactically closer towards the Maoists, despite continuous firing coming on him and rained havoc with his automatic fire. His courage and audacity fuelled the spirit of his teammates and they too began taking chances of making an advance. The surge of troops sagged the morale of the Maoists and disorder ran through their ranks. Taking advantage, the trio of Shri Karthik K Asstt Comdt; SI/GD Brijanand Kumar Singh and Ct/GD N Durgapathi moved out of their cover, crawled closer to the Maoists positions and in a close quarter battle gunned down a Maoist. The falling of defense at the flank and continued advance of the troops from two directions and sustaining of bullet injuries by some of the cadres dampened the morale of Maoists and forced them to make a hasty retreat using intermittent fire. The pursuit by Sh Karthik K, Asstt Comdt and his small team continued for 1 km, courageously, despite retaliatory shots coming from the Maoists.

During re-organization and post encounter search, troops recovered 2 dead bodies of CPI Maoist, in black military uniform, viz Oram Kranti @ Shanti Punem @ Karna (23 yrs, Female) r/o of village Savnar, an armed CPI (Maoist) cadre working in Military Coy No 2 and Dodi Budhram @ Raju Hemla @ Sudhra (23 yrs, Male) r/o village Savnar, LOS commander and member of Gangaloor Area Committee, along with one .303 Rifle, one 12 Bore Gun, one Pistol, ammunition and other incriminating items. Several blood spots were also noticed at the encounter site and on the route of escape, which indicated that many more Maoists were injured during the fierce encounter.

Sh Karthik K, Asstt Comdt of 204 CoBRA, displayed exceptional leadership qualities, raw grit and physical courage risking his life, in the face of grave risk, in neutralizing the Maoists and recovery of arms, ammunition and other incriminating material from the scene. Undaunted by the strong offensive of the Maoists, he stood the ground, led his troops from the front and continued to fire leaving the Maoists with no option but to flee leaving behind their dead cadres. Likewise, SI/GD Brijanand Kumar Singh and Ct/GD Sandeep Sharma and Ct/GD N Durgapathi displayed their sharp observation, selfless attitude and incomparable bravery at right time and saved the lives of their team. In exhibiting most conspicuous gallantry, indomitable fighting spirit, and selfless dedication, in the face of clear and imminent danger to life.

In this operation S/Shri Naraganti Durgapathi, Constable, Karthik K, Assistant Commandant, Brijanand Kumar Singh, Sub-Inspector and Sandeep Sharma, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from05/01/2018.

(F. No. 11020/ 198/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 150-Pres/2021—The President is pleased to award the President's Police Medal for Gallantry(Posthumously) to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Late Shri Mohan Lal	Assistant Sub Inspector	PPMG(Posthu)

Statement of service for which the decoration has been awarded

The security of Jammu–Srinagar National Highway 44 from milestone 269.2 (Barsoo) to milestone 285 (Lasjan) has been assigned to 110 CRPF. As this area of Pulwama District is highly infested with terrorist activities, the Road Opening Party (ROP) of 110 CRPF thoroughly checked National Highway-44 and secured the National Highway 44 by placing the pickets at designated places in the area of responsibility, as per practice in vogue, on 14 Feb 19.

At about 1510 h, a convoy of CRPF vehicles coming from Jammu to Srinagar entered the area, under the AOR of 110 CRPF. When the convoy reached at milestone 272, near the B.S.N.L tower at Lethpora, Pulwama ASI/GD Mohan Lal of 110 Bn CRPF, who was performing the duties of Picket Commander of the Road Opening Party, came down to the National Highway-44, from the top of an adjoining small hillock. He was keeping a sharp vigil on the activities around him, on the highway. After the passage of a few vehicles of the convoy, he noticed a civil car, running alongside the convoy and trying to enter between the convoy vehicles, instead of running in the other lane, along with other civilian vehicles.

ASI/GD Mohan Lal sensed something suspicious and without losing a moment, rushed towards the divider to stop the suspicious vehicle. He jumped on the road, crossing divider and signalled the civil car to stop, but the car did not stop. ASI/GD Mohan Lal, without caring for his life, chased the car to stop, but could not match the car's speed. Ultimately, finding no other option, he pointed the muzzle of his AK-47 towards the car, anticipating imminent danger as the car continued to run between CRPF convoy vehicles. He fired towards the suspicious car to stop, but the car rammed into a nearby running CRPF bus, and a huge blast took place.

The car was laden with huge explosive and caused a massive impact, as a result, the convoy bus was blown up in the air, burnt and completely damaged. All the 39 transients including escort party of the convoy got martyred. ASI/GD Mohan Lal of 110 Bn CRPF, despite his best attempts, could prevent the incident, but also caught in the blast impact and attained martyrdom. The suicide bomber who detonated the car was also killed in the blast and his body could not be recovered/identified.

ASI/GD Mohan Lal of 110 Bn CRPF displayed the highest degree of courage and did not hesitate to put his life in the line of duty. Though in the short spell of time his prudent and quick decision could not save the precious lives of CRPF soldiers, he had set an example of integrity and allegiance towards the duty.

In this operation Late Shri Mohan Lal, Assistant Sub Inspector displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from14/02/2019.

(F. No. 11020/ 223/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 151-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sonu Goutam	Constable	PMG
2	Sanjeev Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 23 June 2019, based on a specific input from SSP Shopian, regarding the presence of 3-4 terrorists in vill Panzer and Dhamdora, PS & Distt Shopian, an operation was launched by 14 CRPF, SOG and 44 RR.

Around 0200 h, joint troops reached the target area and cordoned the suspected orchard. Joint teams were formed and during the search, the terrorists opened indiscriminate fire. Using fire and move tactics, the terrorists tried to break the cordon and flee from the site. The troops retaliated and prevented them to escape. Finding themselves encircled, the terrorists increased the volume of fire and moved in different directions.

One terrorist approached the point, where CTT of 14 CRPF was in position. Ct/GD Sonu Goutam and his buddy Ct/GD Sanjeev Kumar were observing movement of the terrorists, through Night Vision Device (NVD). Holding on to their nerves, the duo allowed the terrorist to come closer and waited for the right opportunity to strike. But, somehow, the terrorist sensed their presence and tried to flee, firing indiscriminately. Immediately, Ct/GD Sonu Goutam and Ct/GD Sanjeev Kumar, dashed forward and charged towards the terrorist, amidst the raining bullets. In a close quarter battle, the duo gunned down the terrorist.

Since, it was dark and the exact position of terrorists could not be located, the search was halted and the troops waited for the first light. In the morning, around 0500 h, during the search, the terrorists again opened heavy fire from one corner of the orchard. The troops retaliated and an exchange of fire broke out, which lasted for about 02 hours.

During the post encounter search, the troops recovered the 04 dead bodies of the terrorists of AGuH: identified as Showkat Ahmad Mir @ Arshad; Azad Ahmad; Ghulam Hassan Mir and Suhail Ahmad along with arms and ammunition.

In this operation, Ct/GD Sonu Goutam and Ct/GD Sanjeev Kumar displayed extraordinary valour, tactical skills, raw grit and unflinching commitment to duty, in a head-on gunfight, with terrorists and neutralized one of them.

In this operation S/Shri Sonu Goutam, Constable and Sanjeev Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 23/06/2019.

(F. No. 11020/ 187/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 152-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Sukhjinder Singh	Constable	PMG
2	Joni Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 20 Jan 20, a team of 55 RR from COB Wachi left for area domination cum search in Wachi vill. There were general inputs about presence of terrorists in this area since last few days. During this exercise, a soldier of RR team saw food being cooked in large quantity at Md Sultan Reshi's house. Casually he asked the lady that, they will also have their lunch at that house. Coincidently three terrorists who were hiding in the same house waiting for withdrawal of the force, on hearing the comment of the soldier to have lunch together became fearful of getting noticed. Trying to escape, the terrorists jumped out from the building and opened indiscriminate fire on the RR team. The RR team retaliated and engaged the terrorists. These gun shots were heard by company commander of B/52 CRPF who was half a km away and he informed 2 IC of 178 CRPF. Immediately CTT 178 CRPF under command Sh Sanjeev Kumar Singh, 2 IC and Commandant 178 CRPF alongwith his protection left to the place.

By the time the teams of 178 CRPF reached, two terrorists had been killed. The third terrorist had positioned himself in undulating ground and was firing intermittently on the security forces. As other teams were still on the way, it was decided to position CTT of 178 CRPF on the adjacent high ground and try to engage the terrorist. The team moved on this plateau outside of the cordon and was positioned tactically to engage the terrorist.

CTT of 178 CRPF moved to its positions carefully in a planned manner and Ct/GD Sukhjinder Singh and Ct/GD Joni Kumar were tasked to stalk the hidden terrorist. The other team member laid down intermittent fire towards the terrorist hiding in the undulating ground which had a screen of tin shed on one side. Ct/GD Sukhjinder Singh and Ct/GD Joni Kumar crawled through the snow covered ground using the lie of the land to escape detection by the terrorist. As soon as they were in a position to engage him and had a clear field of fire, the covering fire by CTT of 178 CRPF was stopped. They were able to get close to the hidden terrorist and engage him in an exchange of fire at very close range, in which the terrorist was killed.

During search, three dead bodies of terrorists were recovered from the encounter site. They were identified as Waseem Ahmad Wani @ Ibrahim Bhai, (Distt Commander HM, Cat A) S/o Md Amin Wani, of Urpora, Nagbal, Adil Basheer Sheikh @ Waleed Bhai, (HM Cat B) S/o Basheer Ahmad Sheikh of Zainapora and Md Aamir Dar, (HM, Cat C) S/o Abdul Rahman Dar, vill Bemnipora, PS and Distt Shopian besides recovery of 02 AK 56 rifles, 01 SLR, 04 AK magazines 95 AK 56 rounds (45 Indian and 50 Pakistani), 01 SLR magazine, 40 SLR rounds other materials from the encounter site.

This encounter was judged a huge success for the security forces as the killing of district commander of HM Waseem Ahmad Wani @ Ibrahim Bhai gave a big setback to HM. Ex SPO Adil Basheer Sheikh had big nuisance value being a local from Zainapora and having served at PS Zainapora. He had decamped with 7 AK 47 from Wachi MLA residence at Srinagar where he was deployed. Adil Basheer Sheikh was well aware of the camp layouts of PS Zainapora, SOG and 178 CRPF HQr where he had been visiting officially with his team when serving in the Police.

In this operation Ct/GD Sukhjinder Singh and Ct/GD Joni Kumar, displayed courage, selfless dedication in highly adverse situation and neutralized the terrorist. For this act of conspicuous gallantry, indomitable courage and selfless dedication.

In this operation S/Shri Sukhjinder Singh, Constable and Joni Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 20/01/2020.

(F. No. 11020/ 197/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 153-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Velat Ram Dangi	Assistant Commandant	PMG
2	Shyam Singh Tomar	Constable	PMG
3	Sorthiya Kalpesh Kumar Vallabh Bhai	Constable	PMG
4	Kailash Pati Bera	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 12 Jan 20, on receipt of a specific input from SSP Awantipora regarding the presence of dreaded terrorist commander Umar Fayaz Lone @ Hamad Khan of HM Outfit along with his two associates in the Gujjar Basti Nagbal (Gulshanpora) PS Tral, a joint CASO was launched by troops of 180 CRPF, 42 RR and Civil Police/SOG, Tral.

Initially, one party of 42 RR cordoned the Gujjar Basti of village Nagabal. Meanwhile, C coy of 180 CRPF, under command Sh Velat Ram Dangi, AC and SOG Tral also reached on the site, at about 0500 h and strengthened inner cordon. After cordoning the target area, two joint search parties comprising of selected personnel of CRPF, 42 RR and JKP/SOG were formed. First party u/c Sh Velat Ram Dangi, AC started the search from North-West side and second search party u/c Sh Ravinder Kumar, 2-I/C, 180 CRPF, started search from North-East side with a team of 42 RR.

During the search, some suspicious movement was noticed by Ct/GD Shyam Singh Tomar in a single storey building. Two more houses were located adjacent to this building. After a while, 3 suspects out of which 2 holding weapons came out from the target house and ran in zig-zag manner towards uphill and hid in the nearby houses. They were asked to surrender but in vain, as one terrorist opened indiscriminate fire towards second search party. Troops successfully retaliated the attack. After a while firing stopped from both sides.

Field commander assessed the situation and directed the 2nd search party to advance towards the target house under covering fire of the first search party. On seeing the movement of SFs, terrorists lobbed hand grenades towards them and started firing indiscriminately. SFs effectively retaliated the attack. After a brief exchange of fire, firing again stopped. After some time, suddenly one terrorist rushed out from the one target house towards the nearby house by indiscriminate firing towards the SF. Ct/GD Shyam Singh Tomar, positioned in the inner cordon sensed the move of terrorist and fired on the terrorist, neutralizing him on the spot. Meanwhile, the remaining two terrorists changed their position and took shelter in the adjacent houses.

Thereafter, Sh Velat Ram Dangi, AC was directed to start the search from North West side where the second terrorist was hiding. Displaying outstanding leadership skills, commitment, and tactical prudence, he advanced swiftly towards the target house along with his buddies Ct/GD Sorthiya Kalpesh Kumar Vallaba Bhai and Ct/GD Kailash Pati Bera under cover fire of second search party. As they were about to reach the target house, the terrorist lobbed hand grenades towards the troops, from the window of the house. Sh Velat Ram Dangi, AC and his team responded sharply and took cover behind the nearby stone wall.

At an opportune moment, Sh Velat Ram Dangi, AC advanced tactically with Ct/GD Sorthiya Kalpesh Kumar Vallaba Bhai and directed Ct/GD Kailash Pati Bera to give them covering fire. Using the fire and move tactics, they reached behind the adjacent house of the target and took position behind a stone wall. Troops waited for the terrorist to come out from the target house. After a lull, the terrorist again lobbed a grenade and fired a volley of fire towards the SFs position and rushed towards the body of first slain terrorist, lying on the ground. Using the opportunity, Sh Velat Ram Dangi, AC, Ct/GD Sorthiya Kalpesh Kumar Vallaba Bhai and Ct/GD Kailash Pati Bera charged towards the terrorist, without caring for their lives and neutralized him on the spot.

The SFs resumed search of remaining houses one by one towards the position of the third terrorist when the third terrorist opened indiscriminate fire towards them. Troops retaliated the attack using MGL and CGRL firing. In the exchange of firing, the wall of the target house was damaged. Ultimately, the terrorist jumped outside from the window with indiscriminate firing. The joint team of 42 RR, CRPF and SOG retaliated the attack and neutralized the terrorist.

During the search, all the 3 dead bodies of dreaded terrorists were recovered and later identified as Umar Fayaz Lone @ Hamad Khan s/o Fayaz Ahmad Lone r/o Vill Seer PS Tral {CAT-A}, Adil Bashir Mir s/o Bashir Ahmad Mir r/o Maanghama u/ps-Tral {CAT-B} and Faizan Hamid Bhat s/o Abdul Hamid Bhat, r/o Mandoora u/ps-Tral {CAT-C} besides recovery of 2 AK Rifles, 4 AK Mag, 1 SLR Rifle, 1 SLR Mag, 20 AK rounds and 5 SLR rounds.

In this operation S/Shri Velat Ram Dangi, Assistant Commandant, Shyam Singh Tomar, Constable, Sorthiya Kalpesh Kumar Vallabh Bhai, Constable and Kailash Pati Bera, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from12/01/2020.

(F. No. 11020/200/2020-PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 154-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Rambol Kumar	Sub –Inspector	PMG
2	Vijay Singh	Constable	PMG
3	Susheel Kumar	Constable	PMG
4	Surya Prakash	Constable	PMG
5	Sonu	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

A lot of Intelligence inputs were being received regarding the attack on Security Forces and establishments in Srinagar, by terrorists of Jaish-e-Mohd, during 70th Republic Day celebrations. On 25 Jan 19, at about 2300 h, a technical input was received from SOG JKP, Srinagar regarding the presence of "JeM" terrorist in the general area of Sarandhi Colony, Khanmoh under PS Pantha Chowk, Srinagar J&K. Based on technical input, a CASO was planned and launched by Valley QAT CRPF, SOG JKP and 50 RR.

Troops reached in the general area of Khanmoh, Srinagar and laid a strong cordon around the suspected houses. During the search of a suspected house, belonging to Javed Ahmed Mir S/O Abdul Rahman Mir, SF recovered a mobile phone, being used by terrorists for communication. Javed Ahmed Mir was questioned by JKP and he confessed about providing shelter to two terrorists in a nearby house. Accordingly, troops advanced towards that house and commenced search during which they found blades, shaving kit, and some strands of hair. After that, the shop of Javed Ahmed Mir, who is a tailor by profession, was also searched. During the search, troops recovered 30 Electric Detonator No 33, 2 Pouches and 1 Combat uniform which further corroborated the inputs received. After this, Javed Ahmed Mir was again questioned by JKP and he admitted that he had provided shelter to 2 terrorists in another house which was around 500 meters from his residence.

Accordingly, the cordon was re-laid around the suspected house at around 0300 h on 26 Jan 19. The civilians around the target house were shifted to a safe location and terrorists were asked to surrender, but they did not come out of the house. Thereafter, SI/GD Rambol Kumar with his buddy Ct/GD Surya Prakash fired Tear Smoke Long Range Shells inside the target house. Meanwhile, Ct/GD Susheel Kumar, Ct/GD Vijay Singh and Ct/GD Sonu crawled to the back side window of the house and threw stun grenades, inside the house. Terrorists neither came out from the house nor responded, through firing.

Adopting the last resort, the party commanders decided to launch room clearance operation to flush out the terrorists. A joint room clearance team consisting of Ct/GD Sonu, Ct/GD Vijay Singh, SI/GD Rambol Kumar, Ct/GD Surya Prakash, Ct/GD Susheel Kumar, Sh Abhinav Bhushan 2 IC, Sh Naresh Kumar, Asstt Comdt and Sh L Ibomcha Singh, Asstt Comdt from Valley QAT and one buddy pair from 50 RR was formed.

The room clearance team approached the house and entered through the main gate. Ct/GD Sonu was in the front with Bullet Proof Shield. The Team cautiously entered the house and cleared 1st room, in the left side. After searching the 1st left room, SI/GD Rambol Kumar and Ct/GD Surya Prakash with Ct/GD Susheel Kumar entered another room to clear it. Meanwhile, after searching the 2nd room, towards the right side, Ct/GD Sonu and Ct/GD Vijay Singh come out in the corridor, when, suddenly the terrorist threw a grenade in the corridor, followed by indiscriminate fire, from the kitchen room. The grenade blasted close to Ct/GD Sonu and Ct/GD Vijay Singh. The duo, displaying sharp reflexes not only saved themselves but also fired towards the terrorist. In between, another grenade was lobbed by the terrorists, in the corridor, resulted into the injury to Ct/GD Sonu on his left cheek and left leg and filled the corridor with smoke/dust. Ct/GD Vijay Singh and Ct/GD Sonu took kneeling position and kept on firing towards the terrorists.

Meanwhile, SI/GD Rambol Kumar, Ct/GD Surya Prakash and Ct/GD Susheel Kumar came out in the corridor, from the room and fired on the terrorists. The bullets of the trio were passing just above the head of Ct/GD Sonu and Ct/GD Vijay Singh. Taking advantage of the cover fire, from the trio, Ct/GD Vijay Singh evacuated Ct/GD Sonu to a safer place for medical support/aid. Just after a few seconds, another grenade was thrown by the terrorist at the main door which blasted close to Ct/GD Susheel Kumar, injuring him in the left hand and two other personnel. Immediately terrorist lobbed another grenade, resulted in injury to 3 other personnel.

As the number of injuries of our personnel increased, it was decided to exit from the target house. Injured personnel Ct/GD Sonu, Ct/GD Younis Ahmad Dar, two personnel of SOG and one trooper of 50 RR were immediately shifted to 92 Army Base hospital after giving them first aid.

The field commanders analyzed the situation and decided to flush out the terrorist from the target house using MGL and UBGL grenades. Accordingly, SI/GD Rambol Kumar and injured Ct/GD Surya Prakash taking cover of the BP Gypsy fired MGL rounds and simultaneously 50 RR personnel also fired from MGL, UBGL inside the target house. As a result of heat and smoke from the explosion of the grenades, the house caught fire. Ct/GD Susheel Kumar and Ct/GD Vijay Singh anticipating that terrorist would try to escape by jumping from the back side window of the bathroom of the house, positioned themselves, at there. Meanwhile, SI/GD Rambol Kumar and Ct/GD Surya Prakash took position near the kitchen window. Suddenly one of the terrorists tried to jump out of the bathroom window, firing indiscriminately towards the SFs. Ct/GD Susheel Kumar and Ct/GD Vijay Singh were prepared for such event. The duo, displaying sharp tactical acumen and raw bravery, fired at the terrorist, thereby neutralizing him on the spot.

Another terrorist, who was left inside the house lobbed another grenade from the kitchen window, but SI/GD Rambol Kumar and Ct/GD Surya Prakash escaped from the blast. The terrorist taking advantage of the grenade blast tried to jump out of the kitchen window firing indiscriminately. SI/GD Rambol Kumar and Ct/GD Surya Prakash were just feet's away from the window opening. Despite facing spray of bullets, showing great courage, the duo fired from a very close range and hit the terrorist. The terrorist fell back inside the kitchen. As the house was on fire, the bodies of terrorists could not be retrieved immediately. The fire tenders were rushed to douse the fire. After dousing the fire, the search of the house was conducted in which two bodies were recovered, which were later on identified as Mufti Asadullah, Foreign terrorist (r/o Pakistan), A++ Category and Saqib Shafi Dar (Abu Bakar Sadiq), A+ category, r/o Arihal, Pulwama, J&K. one AK-47 Rifle, one 9 MM Carbine Machine Gun, one 9 MM Pistol along with magazines and ammunition were also recovered from the encounter site.

This operation at Khanmoh was one of the most daunting and challenging operations. The entire operation was accomplished by the elite operational unit of CRPF, i.e. Valley QAT, along with RR and SOG, JKP.

In this operation S/Shri Rambol Kumar, Sub-Inspector, Vijay Singh, Constable, Susheel Kumar, Constable, Surya Prakash, Constable and Soun, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 25/01/2019.

(F. No. 11020/201/2020 -PMA)
(F. No. 18004/1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 155-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Nadeem Ahmad Samdani	Commandant	PMG
2	Lallu Singh	Constable	PMG
3	Ahsan Ahmad	Constable	PMG
4	Ranjit Machahary	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 31 Mar 19, at about 2200 h, Sh Nadeem Ahmad Samdani, Comdt 182 CRPF received specific intelligence from local Police regarding the presence of 3-4 terrorists in Village Lassipora, under PS Litter, dist. Pulwama J&K. Accordingly, a joint CASO was launched by the troops of 182 CRPF, 44 RR and SOG, JKP.

Acting promptly troops reached the target village at about 2225 h and cordoned the area. After placement of cordon, joint search parties started the search of 05-06 suspected houses, located in the north-west direction of Arihal-Lassipora road, but could not find anything, though the source repeatedly confirmed the presence of terrorists, inside the cordon. Hence, security forces decided to search the house of Mohd. Sharif Mir S/o Ghulam Qadir Mir located in the cordon. During the search of the suspected house, at around 0340 h, on 1 April 19, the search parties found a hideout, in the backside compound of the house. When the joint search parties approached the hideout for confirmation, terrorists holed up in the hideout opened indiscriminate fire towards the search parties, resulting in injury to five SF personnel including a Lt. Colonel of RR.

The joint search parties also retaliated the fire of the terrorists. Shri M. Shivajit Singh, AC along with one team of QAT 182 CRPF and SOG took position on the right side of target house and placed the other team at the backside of the target house. Troops of 44 RR covered the front side of the target house.

Meanwhile, Sh Nadeem Ahmad Samdani, Comdt 182 CRPF along with his team also reached the encounter site and took a quick ground appreciation. Sensing the gravity of the operation and the need for focused attention on the target, Shri Nadeem Ahmad Samdani, Comdt despite imminent threat placed himself along with his party in the inner cordon, in an orchard at the backside of the target house and strengthened the cordon to negate any chance of terrorists escaping from the site. Thereafter, the terrorists were directed to surrender but they continued firing towards the SF, in all directions.

Sh Nadeem Ahmad Samdani, Comdt shortly observed that one of the terrorists, who was hiding at the backside of the house was firing indiscriminately in the direction of his team. Shri Nadeem Ahmad Samdani retaliated the fire but due to distance, darkness and tactical position of the terrorist, the firing was not proving effective. To nail down the terrorists, Shri Nadeem Ahmad Samdani made a quick and bold decision to advance towards the target house. He directed Ct/GD Kuldeep Singh of his protection party to give cover fire to him and advanced towards the target house along with his buddy Ct/GD Lallu Singh. The terrorists were continuously firing towards them. Sh Nadeem Ahmad Samdani and Ct/GD Lallu Singh, without caring for their lives, kept on advancing, amidst the raining bullets and after traversing a treacherous path succeeded in reaching near the back door of the house.

He noticed that the terrorist was hiding at the backside of the house and was firing from a tactical position. To eliminate the terrorists, it was necessary to enter the target house. This was a dangerous situation but realizing the need to finish the operation without delay which would otherwise worsen the law and order situation, Sh Nadeem Ahmad Samdani decided to take the risk. He along with Ct/GD Lallu Singh tried to enter the target house through backdoor. However, the terrorist hiding near the door of the backside room noticed their movement and opened a heavy volume of fire towards them and simultaneously threw a hand grenade.

The duo miraculously escaped from the deadly attack and quickly prepared them to counterattack the terrorist. They promptly retaliated the fire of the terrorist. The pitched exchange of fire continued for some time. Then a lull descended. After waiting for a while, Sh Nadeem Ahmad Samdani and Ct/GD Lallu Singh moved from their tactical cover position and again tried to enter the target house from the backdoor. As soon as they entered the house, terrorist hiding in the house opened indiscriminate fire towards Sh Nadeem Ahmad Samdani and Ct/GD Lallu Singh and they again had a very close escape. However, this time, the duo disregarding the threat posed by the armed terrorist and displaying raw courage and tactical skills fired aimed shots on the terrorist, neutralizing him on the spot.

Another terrorist who was positioned on the right-side window of the target house started firing indiscriminately targeting Sh M Shivajit Singh, AC and his party. Sh M Shivajit Singh, AC along with his teams retaliated the fire of the terrorists. All of a sudden the terrorists jumped from the window and ran towards right side of the target house firing indiscriminately. Shri M Shivajit Singh, AC along with Ct/GD Ahsan Ahmad and Ct/GD Ranjeet Machahary was positioned in the area. On seeing the terrorist running towards their direction, they opened a volume of fire on the terrorist. Surprised by this sudden reaction by the SF, the terrorist changed his direction. Realizing that terrorist might escape from the cordon, Sh M Shivajit Singh directed Ct/GD Ahsan Ahmad and Ct/GD Ranjeet Machahary to chase the terrorist. The duo brave hearts chased the fleeing terrorist, amidst the raining bullets, setting all the threats aside. Displaying raw courage and sharp tactical acumen they fired at the terrorist and neutralised him before he could escape from the site. In the morning, at around 0515 h, two other terrorists were eliminated by 44 RR/JKP.

When the firing stopped, the area was thoroughly searched, during which dead bodies of four terrorists were recovered, who were later identified as Towseef Ahmad Yatto s/o Ab Aziz Yatto, r/o Gudbugh, Pulwama, Outfit- LeT, (Category-B), Aqib Ahmad Kumar s/o Bashir Ahmad Kumar, r/o Hellow, Shopian, Outfit- HM, (Category-C), Zaffar Ahmad Paul s/o Mohd. Ahsan, r/o Mool Dangerpora, Shopian, Outfit- HM, (Category-B) and Mohd. Shafi Bhat s/o Ghulam Mohd. Bhat r/o Sedow, Shopian, Outfit- HM, (Category-C). 02 AK-47 Rifles, 05 AK Magazine, 202 AK live rounds, 01 Pistol, 01 Pistol Magazine, 17 Pistol live rounds, 01 SLR Rifle, 01 SLR Magazine, 45 SLR live rounds, 01 UBGL and other indiscriminating materials.

In this daunting operation, troops displayed raw courage and commitment which resulted in the elimination of four dreaded terrorists. The initiative taken by the officers led by Comdt 182 in the face of grave threat to their personal lives proved a turning point in the operation after the initial setback.

In this operation S/Shri Nadeem Ahmad Samdani, Commandant, Lallu Singh, Constable, Ahsen Ahmad, Constable and Ranjit Machahary, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 31/03/2019.

(F. No. 11020/205/2020 -PMA)
(F. No. 18004/ 1/2021 -CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 156-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Santosh Kumar	Head Constable	PMG
2	Asim Das	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 01 Aug 19, at about 2030 h, an input was received from SSP Shopian about the presence of 02-03 unidentified terrorists, with sophisticated weapons, in vill Pandoshan, U/PS and Distt Shopian. Pandoshan is a thickly populated village with

approximately 550 houses and surrounded by thick apple orchards. Conducting operations in a thickly populated village with thick orchards and undulating ground around poses a challenge of too many hiding places to the security forces.

For launching the operation, the joint troops of 14 Bn CRPF, SOG Team of JKP Shopian and 34 RR (Army) reached the target village and, as the village was big, zeroed on a cluster of 7 houses and started to cordon them off. After evacuation of the inmates, thorough house to house search was started by joint troops. As only a few houses were left to be searched, the terrorists realized that they have been trapped and sensing no means to escape and with no intention to surrender, the terrorists opened heavy fire upon the search party in which two Jawans of 34 RR got injured. However, the joint troops took positions and retaliated effectively. Due to heavy exchange of fire, three houses caught fire. As the firing from terrorist side stopped, search was again resumed but nothing could be recovered. It was then decided to continue the search the next day at first light.

On 02 Aug 19, at about 0400 h, terrorist trapped inside the cordon fired towards the troops. The direction from where fire had come had been ascertained but exact locations of terrorists could not be found. When the search was resumed and the search party started systematic search of first house, heavy volley of fire started coming on the search team and the troops in inner cordon. Commandant 14 CRPF, who had placed himself in the inner cordon with his team, had a narrow escape but overcoming the shock they retaliated with a heavy volley of fire. The heavy exchange of fire resulted in catching of fire by the house in which terrorists were holed-up and it became difficult for the terrorists to hold on to their positions.

Sensing the situation, Commandant 14 CRPF alongwith his buddies HC/GD Santosh Kumar and Ct/GD Asim Das crawled closer to the building and positioned themselves towards the location from where the terrorists were expected to make an escaping bid. In a bid to escape, one terrorist jumped out of the window of the house and opened heavy fire on the inner cordon parties. HC/GD Santosh Kumar and Ct/GD Asim Das of CAT 14 CRPF had a narrow escape but without caring for their personal safety, they opened effective fire from a close range and neutralized him without giving him a chance to escape. The other terrorist then laid low and kept changing his position making it difficult for the Security Forces to find him. As it was getting dark, it was decided to resume the search the next morning while keeping the cordon intact.

In the early morning of 03 Aug 19, the search was resumed and movement of the terrorist was observed near to the bathroom area of one of the cordoned houses. On noticing the movement of terrorist, search party poured effective and heavy fire on the terrorist thereby neutralizing him. During searching of the area, dead bodies of two terrorists were recovered which were later identified as of Zeenat-Ul-Islam Naikoo (Cat-B) JeM S/o Mohammad Ishaq Nakioo, R/o Memander, PS& Distt. Shopian and Manzoor Ahmad Bhat, (Cat-C) HM (IED Expert) S/o Ab Razaq Bhat, R/o Wachi, PS Zainapora, Distt Shopian besides recovery of 1 AK 47 rifle, 1 SLR, 3 AK magazine, 2 SLR magazine, 58 AK rounds and 31 SLR rounds.

In this operation S/Shri Santosh Kumar, Head Constable and Asim Das, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 01/08/2019.

(F. No. 11020/214 /2020 -PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 157-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Mudasir Ahmad Shan	Constable	PMG
2	Shalinder Kumar	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Towards the end of March 2018 there appeared a sudden spurt in militant activities in Kashmir Valley. With the melting of the snow and the tourists season on the threshold, the militants wanted to make their presence felt in a big way after the severe setbacks in 2017 which had literally crushed the backbone of militancy in South Kashmir.

At around 2330 hrs on 31stMarch 2018, Comdt 40 Bn CRPF received intelligence input from SSP Anantnag regarding presence of active militant of Hizb-ul-Mujahideen in the house of one Imran Ahmad Khan at Mohalla Peth Dialgam in Anantnag. Immediately a joint team consisting of troops of 19 RR, A/40 CRPF and SOG was formed for conduct of CASO. After briefing of the troops by Comdt and Nodal Officer 40 Bn CRPF, a small team from CI (Ops) Coy of A/40 under command Shri Tilak Raj was marched off for the location.

On arrival at the suspect house, the troops laid cordon and secured the complete area to prevent escape of militants from the suspect house. The general areaaround the target house was open undulating terrain with intermittent trees and spruced up with isolated houses in different directions connected with narrow earth tracks. Due to this, the arrival of the troops close to the target house could be noticed from a distance which made movement of troops extremely vulnerable. With this aspect in the hindsight, the troops covertly occupied tactical positions and used the undulating terrain and the girth of the available trees to get as close to the target house as possible. Shri Tilak Rat Asstt. Comdt. also deployed his operational troops in the inner cordon.

After the cordon was complete, the search of the suspect house was commenced by forming joint teams. During the search Force No. 10530603 CT/GD Mudasir Ahmed Shan and Force No. 065348446 CT/GD Shalinder Kumar of A/40 Bn CRPF chanced upon oneperson in suspicious condition moving near the target house. Immediately, spot interrogation was conducted upon which the individual identified himself as militant Imran Rashid Bhat S/o Abdul Rashid Shat having allegiance to HM. On further coaxing and cajoling, he revealed that his colleague was hiding inside the suspect house and had a pistol and UBGL in his possession.

Upon this revelation, the cordon was strengthened and announcement was made to the hiding militant to surrender but he did not give any positive response. Thereafter, the parents of the militants were called and sent inside to convince the militant to surrender. This was a tense moment as no one knew what would happen next. However, even after considerable lapse of time, the militant failed to surrender and sent his parents back.

Immediately after the return of the parents of the militant from the target house, the militant started firing on the troops. CT/GD Mudasir Ahmed Shan and CT/GD Shalinder Kumar who weree located in the inner cordon at that time immediately took cover andon directions from their Commander Shri Tilak Raj, AC used the terrain to move close to the target house. This was a painstaking task as due to darkness the visibility was poor and the exact location of the militant was not clear. However, it was important for the troops to keep very close observation on the militant to prevent him from escaping taking advantage of the darkness. On reaching near the point, the duo kept firing single shots at the militant to nail him down despite considerable threat to their lives. During this period UBGL was fired by other members of the SFs and the house was finally blasted by placement of IED with covering fire from CT/GD Mudasir Ahmad Shan and CT/GD Shalinder Kumar who remained in frontal position right from the start till the end.

On search of the debris, dead body of one militant was found which was identified as thatof Rauf Ahmad Khandey s/o Bashir Ahmed Khandey, r/o Detruna under PS Doru, Anantnag. One pistol and UBGL was recovered from the encounter site. The operation was successfully concluded without any civilian casualty and the troops reached their respective locations safely despite stiff resistance from the stone pelters all along the route.

The operation at Peth Dialgam was a challenging operation being located in a hostile locality. Due to darkness and considerable wooded area in the vicinity of the target house, movement was not easy and replete with inherent risks of militants targeting the troops on their approach. The complete operation was very well co-ordinated and synergised. CRPF duo of CT/GD Mudesir Ahmed Shan and CT/GD Shalinder Kumar especially played a key role in taking frontal positions in the operation and facilitating the neutralization of the militant without causing any damage to the troops. Both of them showed tremendous grit and exemplary valour in the operation by providing timely and effective fire of 12 and 13 rounds respectively from their AK-47 rifle despite considerable threat to their lives.

In this operation S/Shri Mudasir Ahmad Shan, Constable and Shalinder Kumar, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 31/03/2018.

(F. No. 11020/178 /2019 -PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 158-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Krishan Kumar Yadav	Assistant Commandant	PMG
2	Sudhakar Kumar Gupta	Sub-Inspector	PMG
3	Bijay Tirkey	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 13th October 2018, at about 0100 hrs, specific input was received from the Civil Police about the presence of 2-3 terrorists in the area of village- Dalipora under PS - Pulwama, District Pulwama in Jammu and Kashmir (J&K). On receipt of the input, a joint Cordon and Search Operation (CASO) was planned by Special Operations Group (SOG) and Quick Action Teams (QAT) of l82 & 183 Bns of CRPF in consultation with Commander of 55 RR SOG Pulwama of Jammu and Kashmir Police (JKP). Troops of 182 Bn and 183 Bn CRPF were commanded by Shri Nadeem Ahmad Samdani, Commandant- 182 Bn and Shri D. S. Negi, Commandant- 183 Bn respectively.

On arrival at village Dalipora, a tight cordon over three suspected houses was established by the joint troops. Once the outer cordon was laid and all the escape routes blocked, the troops further proceeded to compress the cordon around the suspect houses. Three search teams were formed to carry out earch of suspect houses. The first team comprised of SOG-182 Bn under command Shri K. K. Yadav, A/C of 182 Bn, second team comprised of SOG-183 Bn under command SI/GD Sudhakar Kumar Gupta of 183 Bn CRPF and the third team consisted of elements of 55 RR & SOG Civil Police under command Major Vipul of 55 RR. After search of 02 suspected houses, when the joint search parties were approaching another suspect house, the terrorists opened indiscriminate fire on the search party. Taken aback by the unexpected onslaught the search teams took cover around the target house and retaliated the fire. Sh. K. K. Yadav, A/C and his buddy CT/GD Bijay Tirkey took position in the right side of main gate, behind the wall of the target house. SI/GD Sudhakar Kumar Gupta took position in the left side of main gate, behind the wall of the target house. The pitched exchange of fire continued for over half an hour. The terrorists were convinced that they were cornered and had to try something extraordinary to make good their escape. In order to take the security forces by surprise, 02 terrorists ran towards the main gate of the target house firing indiscriminately and attempted to flee. They wished to hit the road passing from the front of the target house. The search parties were lying in wait for this opportunity.

Seizing the moment Sh. K.K. Yadav, A/C, SI/GD Sudhakar Kumar Gupta and CT/GD Bijay Tirkey opened heavy volume of fire on the fleeing terrorists. The heavy volley of fire cut short their advance and they turned back and rushed towards backside of the house. The search teams had already positioned themselves tactically around the target house virtually sealing all the escape routes. One of the terrorists took position behind the two feet wall surrounding the orchard in the compound of the house. Another terrorist ran towards backside of the house. Terrorist hidden in the orchard started indiscriminate fire on Sh. K.K. Yadav, A/C, SI/GD Sudhakar Kumar Gupta and CT/GD Bijay Tirkey who were positioned in the right and left side of the main gate. In response, the brave trio of Sh. K.K. Yadav, A/C, SI/GD Sudhakar Kumar Gupta and CT/GD Bijay Tirkey also retaliated heavily. But due to darkness and tactical position of the terrorist, their fire was not proving very effective. Displaying better operational appreciation and leadership, Sh. K. K. Yadav, A/C ordered to CT/GD Bijay Tirkey to give cover fire and he himself alongwith SI/GD Sudhakar Kumar Gupta jumped the wall of the house and advanced towards the terrorist hidden in the orchard. Seeing both Sh. K.K. Yadav and SI/GD Sudhakar Kumar Gupta advancing towards him, with due support of covering fire from CT/GD Bijay Tirkey the terrorist vacated his position and started running backside of the house. The terrorist in an attempt to flee was spraying bullets in all directions. Unmindful of their own safety Sh. K. K. Yadav, A/C and SI/GD Sudhakar Kumar Gupta kept on advancing and exposing themselves. However they effectively fired on the terrorist by taking a dominating position & neutralizing him. Meanwhile the other terrorist was also trying to flee firing indiscriminately from the backside of the house. Sh. K. K. Yadav, A/C and SI/GD Sudhakar Kumar Gupta retaliated his fire, resultantly, the terrorist got injured. But due to distance, darkness, forest and thick vegetation he was able to flee from the operation site. Thereafter, the area was searched by the joint teams of CRPF, JKP and RR which led to the recovery of dead body of one slain terrorist of Hizbul Mujahideen who was identified as Shabir Ahmad Dar, (Category-B), s/o Ghulam Mohammad Dar, r/o Shagripora Mohalla, Samboora, Police Station Pampore, Awantipora. Recoveries included one AK-56 Rifle, UBGL grenade, matching ammunition and magzines. Another injured terrorist who fled from encounter site was later on arrested from SMHS Hospital, Srinagar. He was identified as Shaukat Ahmad Dar, (Category-C), S/o Nazir Ahmad Dar, r/o Muran, Police Station Pulwama, Distt. Pulwama. He has undergone treatment under the custody of civil police & was later arrested & sent to jail.

In the operation, Shri Krishan Kumar Yadav, A/C (IRLA 40772) of 182 Bn, No. 145340823 SI/GD Sudhakar Kumar Gupta of 183 and No. 031414509 CT/GD Bijay Tirkey of 182 Bn exhibited extraordinary bravery, raw valour, unflinching commitment to duties and scripted highest standards of professional excellence in the face of grave adversity.

In this operation S/Shri Krishan Kumar Yadav, Assistant Commandant, Sudhakar Kumar Gupta, Sub-Inspector and Bijay Trikey, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 13/10/2018.

(F. No. 11020/187/2019 -PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 159-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Central Reserve Police Force (CRPF):—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Henzang	Commandant	PMG
2	Jony Kumar	Assistant Commandant	PMG
3	Rameshwar	Constable	PMG
4	Patil Rajendra Bhavalal	Constable	PMG
5	Dod Sagar Gajanan	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

In the run up to Shri Amarnathji Yatra 2018, the security sensitivities increased with each passing day as the date for the commencement of the Yatra on 26th June got closer. Increased movement of militants was reported along the National Highway and credible inputs suggested attack not only on the SFs during the process of their induction for the Yatra security, but on the Yatri convoy as well during its move into Kashmir Valley aftercrossing the Jawahar Tunnel. Under these circumstances, identification and neutralization of the militant groups planning attack and subversive activities during the Yatra was the foremost challenge for the Security Forces.

On 24th June, 2018 around 1350 hrs Shri Henzang, Commandant 18 Bn CRPF on receipt of a credible input from SOG Kulgam regarding presence of 3-4 militants at village Chader in Kulgam, he alongwith Unit QAT, CTT and SOG JKP formulated a plan for conduct of CASO in the area. After careful analysis of the ground situation he briefed his troops and marched for the location around 1500 hrs. Shri Henzang had a tough and challenging task at hand as the SFs were expected to have a strong resistance in the militant stronghold and with the deployment of almost all troops for the Yatra security duty, it was clear that not many troops could be spared for the handling of the uncertain law and order (LO) problem at the encounter site. Thus, with thelimited strength at his disposal, he planned for participation in operation and also earmarked troops for dealing with LO situation.

As per the plan, Shri Jhony Kumar, Asstt. Comdt. tactically placed a BP Bunker on the Ashmuji road axis just before the operation site under command of one ASI with the intention of keeping any violent mob at bay from venturing into the encounter site. Thereafter, the troops were placed in the inner cordon in a tactical manner.9 RR occupied western side of the suspect cluster of houses, CTT under command of Jhany Kumar alongwith SOG was placed in the south-east direction and Unit QAT under command of Shri Henzang was deployed in the North-eastern axis. After encirclement of the area the troops closed in on the suspect house.

The militants were caught off guard on account of the rapid response by the troops. Fearing that they would be trapped, all of a sudden three militants were observed fleeing from the cluster of houses firing on the troops in the process, to make good their escape. They quickly took positions behind a ramshackle small hut and started firing at the deployed troops. Resultantly the troops immediately took defensive positions. Shri Henzang, Comdt undeterred by the fire crawled in the open ground along with his buddies Force No. 045240408 Constable Rameshwar and Force No. 031445815 Constable Patil Rajendra Bhavalal with the aim of getting into an advantageous position to counter the militants. It being an open ground, there was hardly any suitable cover available. However, without caring for his life and realizing that once the militants managed to move into the built up houses neutralization would be a long drawn process, he closed in quickly to cut off any possibility of their move into the cluster of houses. Meanwhile, Many Kumar alongzwith his buddy Force No. 135251855 Constable Dod Sagar realizing the great opportunity of nailing the militants in the open and on directions from his Comdt. closed in from south-eastern side despite grave threat and the militants firing continuously in an effort to escape from the cordon. Due to the instant reaction, the militants werecaught between the two parties. Shri Henzang rising from his position ordered Rameshwar and Patil Rajendra to fire on the militants and himself targeted his AK rifle on the militants with full force. The militants ran helter-skelter. Jhony Kumar seizing the opportunity shouted to his buddy Dad Sagar to engage with the running militant and himself moved from his position risking his life to fire and ensure their killing from close range. In the process two militants were neutralised in a daring and swift act by Unit QAT/CTT of 18 Bn CRPF led by Shri Henzang, Commandant and Shri Jhony Kumar, Asstt Comdt.

During the intense process of dealing with the militants face to face in open ground, one of them managed to escapeinto a nearby house. Without losing time, Shri Henzang, Comdt immediately reorganized his troops and alongwith Jhony Kumar placed a strong cordon around the suspect house. Resultantly, the militant got trapped and could not move further. For some time he did not show any reaction. Instead from within the house, he contacted his brother and sister and very soon they arrived at the encounter site and pleaded the troops to give the militant an opportunity to surrender. In this tense situation, Shri Henzang, Comdt took the lead andafter deliberation with the troops and other sister agencies ordered stopping of firing on the target house. Thereafter, announcement was made in local language on PA system directing the militant to surrender

and come out of the house with his hands up in the air. This was an extremely tense situation as nobody knew what would happen next. Shri Henzang kept repeating on the wireless set the directions to the SFs not to open fire in case the militant showed up in the desired manner. In the process he moved from one loop of the cordon to another in the open putting himself to risk. After some anxious moments, the militant appeared and surrendered before the senior officials.

The neutralised militants were identified as Shakoor Ahmad Dar, LeT Comdr, (Category A++) R/o village Sopat, Kulgam and Asim Abu Hyder @ Abu Machiya, (FT). The apprehended militant was identified as Salal Ahmad Ganie R/o Chader and was also affiliated with LeT. The militants were highly motivated and associated in a host of attacks on the civilians, police and SFs. Shakoor Ahmed Dar was one of the oldest surviving militants and was considered a strategist and great motivator. The recoveries included 02 AK-47 rifles, 01 INSAS rifle, 045 AK-47 magazines, 02 INSAS magazines, 62 and 20 rounds of AK-47 & INSAS and one hand grenade.

During the operation a Violent mob of about 2000-2500 indulged in heavy stone pelting and tried their best to get close to the encounter site with the aim of helping the militants to flee. However, the effective deployment of cut offs kept the crowd at bay and the troops displayed professionalism and tact in dealing with them by use of minimum force.

The operation at Chader was a very significant success by the Security Forces as it was just before the commencement of the Shri Amarnathji Yatra. It gave a fillip to the combined efforts of the SFs in maintaining security in South Kashmir and more importantly their endeavour to maintain incident-free Yatra. Concurrently, it proved to be a great setback to the militant groups. The architects of the successful operation were Shri Henzang, Commandant 18 Bn CRPF, Shri Jhony Kumar, Assistant Commandant, Constable Rameshwar, Constable Path Rajendra Bhavalal and Constable Dod Sagar who displayed tremendous grit and exemplary valour in the operation by providing timely and effective fire of 08 rounds, 09 rounds, 02 rounds, 04 rounds and 05 rounds respectively from their AK-47 rifles. The highlight of the action by the team was their brief and swift action in the open to neutralise two militants before they could seek shelter in the cluster of houses. In the process all of them gravely risked their lives by remaining in the forefront of action against the hardened militants.

In this operation S/Shri Henzang, Commandant, Jony Kumar, Assistant Commandant, Rameshwar, Constable, Patil Rajendra Bhavalal, Constable and Dod Sagar Gajanan, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 24/06/2018.

(F. No. 11020/192/2019-PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 160-Pres/2021—The President is pleased to award the 1st BAR to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Indo Tibetan Border Police (ITBP):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Anurag Kumar Singh	Assistant Commandant	1st BAR TO PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

AC(GD) Anurag Kumar Singh of 19th Bn ITBP during the short period of attachment with 55 Rashtriya Rifles (GRENADIERS) from March 2017 to Sep 2017 has been part of various successful operations that the 55 RR has conducted.

Based on the intelligence input received, a Battalion level Op was launched by 55 Rashtriya Rifles (GRENADIERS) in Tahab village of Pulwama in early morning of 30 July 2017 with a total of 06 Coys assault teams under respective Coy Commander's. Sh. Anurag Kumar Singh, AC (GD) the Coy Commander of Delta Coy 55 RR (GRENADIERS) was tasked to prepare the detailed plan of the Operation as Tahab village was in his Area of Responsibility.

On the directions of his seniors, the officer prepared a detailed and flawless plan to optimally utilize the available resources which ultimately resulted in the success of the operation. As the contact with the militants was established, the officer with his presence of mind and practical knowledge of the terrain, blocked all escape routes of the militants. The readjustment of troops in the nick of time, the strict fire discipline by men under his command and coordination with other groups helped him in establishing a fully integrated network of troops, blocking all possible egress routes which ultimately compelled the militants to move in killing ground and eventually successful elimination of 02 hard core militants of HM namely Shariq Ah Sheikh and Shabir Ah Mir.

In this operation Shri Anurag Kumar Singh, Assistant Commandant displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 30/07/2017.

(F. No. 11020/43 /2018-PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 161-Pres/2021—The President is pleased to award the to Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers ofIndo Tibetan Border Police (ITBP):—

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Shri Rajesh Kumar Luthra	Assistant Commandant	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

Sh. Rajesh Kumar Luthra, AC/GD 15th Bn ITBP was deployed as officer commanding Tactical HQ 15th Bn, ITBP at Dungti. Task assigned to the post is to cover by Patrol sensitive and tactically important patrol point 37 along the LAC. Due to its proximity to the LAC and being of sensitive nature, this point is covered by sending Joint patrol comprising ITBP and Army. Since this point has experienced Chinese interference in the past, so patrol assumed greater significance.

On dated 16.07.2019 a Joint Patrol to PP-37 was scheduled and was launched from Heena BOP at 0745 hrs under the leadership of Sh. Rajesh Kumar Luthra, A/C, Heena post which is one of the sensitive post of ITBP in view of road construction from Heena Post to PP36 which Chinese has opposed vigorously. After completing the task on way back at around 0803hrs, 02 PLA vehicles with consideratble spped intentionally rammed ISFs vehicles. The incident was the most aggressive posture of the PLA, in which one Gypse of 4/9 GR Army and one Scorpio of ITBP got considerably damaged, where PLA troops hit our patrol parties vehicle and a hot dialogue between ISFs and PLA troops ensued. The impact was sharp and PLA attempted to hurt the officer, so that the ITBP and Army troops could not perform their duty, instantly Patrol Cdr without losing his nerves retorted firmly and made it clear to the PLA Cdr that such act of violent transgression will not be tolerated. In the message Ptl Ldr Sh. Rajesh Kumar Luthra made it clear that status Quo under any circumstances will not be tolerated even being under grave provocation. Despite the efforts by the PLA to use violence to intimidate and subdue the Indian Patrol. He stood firmly and did not budge from his stand. The mean objective of PLA to intimidate and by use of threat preventing our patrol to accomplish the task was defeated.

The officer showed great presence of mind, complete disregard to his personal safety and courage of the highest order even after being outnumbered by PLA. Had it not been for the bravery, courage, determination and complete disregard of his personal safety displayed by officer. It may not have been possible to our patrol complete the mission and convey right message to PLA.

In this operation Shri Rajesh Kumar Luthra, Assistant Commandant displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 16.07.2019.

(F. No. 11020/166/2020-PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

No. 162-Pres/2021—The President is pleased to award the Police Medal for Gallantry to the under mentioned officers of Sashastra Seema Bal (SSB) :—

S/Shri

Sl. No.	Name of the Awardee	Post	Medal awarded
1	Ajay Kumar	Commandant	PMG
2	Naseer Ahmed	Constable	PMG

Statement of service for which the decoration has been awarded

On 28.09.19 at around 0746 hrs, Sh. Ajay Kumar, Commandant, 07 Bn SSB Batote (J&K) received a phone call from SSP Ramban, that 03 armed terrorists have attacked upon Road Opening Party (ROP) of 159 TA at Village Thor, NH 244 and

requested for additional strength. Sh Ajay Kumar, Commandant immediately rushed to the spot along with Unit Quick Action Team (QAT) and laid Nakas strategically to catch escaped terrorists. Later Sh. Ajay Kumar, Commandant received call from reliable source that 03 terrorists have barged inside the house of Sh. Vijay Kumar R/o Ward No. 06, Batote town and they have taken him as hostage. As per the direction of Brigadier 04 sector RR, he rushed to the second place of incidence along with Unit QAT. Being first responder, Sh. Ajay Kumar, Commandant reecee the surrounding area and himself disconnected CCTV Cameras installed outside the target house in Batote town. Meanwhile, Maj. Gen. Ravi Murgan, GOC, Delta force, Batote and other officers reached at the spot. After apprising him about the target house and situation, a cordon comprising of SSB and other SFs was laid down around the house. The house where terrorists were holed up was double storied structure facing north with undulating terrain having thick pine trees vegetation covering north east and residential dwellings towards north west direction. SFs comprising of SSB, RR and CRPF laid their cordon approximately 100 to 150 mtrs away from target house. Keeping the priority of rescuing hostage safely, a small core team constituting of officials familiar with local terrain wasformed to eliminate all 03 dreaded terrorists. Accordingly Sh. Ajay Kumar, Commandant along with his buddy No. 110693447 CT/GD Naseer Ahmed and Police personnel of (SOG) Ramban/Doda were included in the team. After briefing, team personnel started tactically approaching towards the target house through south direction. Militants had come to know about laying of cordon by SFs and they took them with surprise by showering heavy volley of fire upon them which was strongly retaliated by forces in cordon. Amid fire, Sh. Ajay Kumar, Commandant, noticed a person trapped on the roof of the adjoining house waiving for help. By crawling few meters and climbing the wall, he rescued the trapped person name Vikram Mehra (Son of the hostage Sh. Vijay Kumar). After inquiring insight of the target house from the rescued person, the team personnel tactically approached roof adjoining to the target house. On noticing presence of SFs on adjoining roof, one of the terrorist lobbed grenade along with indiscriminate fire towards them from the window of the target house which they narrowly escaped. Sh. Ajay Kumar Commandant, CT(GD) Naseer Ahmed along with Police (SOG) personnel immediately took cover behind roof wall and gave appropriate reply to enemy fire. In between several attempts were made by team personnel to neutralise adversaries by putting controlled fire but from present position it was difficult to contain enemy ferocious fire. The only way left was to reach the roof of target house to put effective fire upon hiding terrorist. Amid fire, displaying astute tactical acumen and presence of mind, Sh. Ajay Kumar, Commandant managed to reach the roof of the target house by negotiating the gap between buildings and extended covering fire to other team personnel to safely reach there. CT(GD) Naseer Ahmed along with few SOG officials retained their position on the adjoining roof and kept terrorist engaged in firing. The exchange of gun fire between SFs and enemy continued vith intermittent pauses. Anticipating chance of terrorists fleeing with falling evening, Sh. Ajay Kumar, Commandant stealthily approached near main gate and blocked it by throwing concertina coil. In between pauses of fire, negotiation attempts were made with terrorists but they were defiant to surrender and kept on sloganeering "Nara-e-Taqbir" with indiscriminate fire on SFs. The haste indiscriminate fire by adversaries was befittingly replied by SFs positioned on roof. To make terrorist get exposed to SFs fire, smoke and tear shells were fired. Unable to bear brunt of smoke terrorists tried to escape by jumping off from the balcony. The moment first terrorist jumped, Sh. Ajay Kumar, Commandant by exposing himself to grave threat moved closer to the balcony and fired burst towards the fleeing terrorist and killed him. Rest 02 militants got bullet injuries inflicted by the team personnel but somehow they managed to reach NH 244 and got killed by cordon Forces and the hostage was rescued safely. All of 03 dreaded terrorists belonging to banned terrorist group HM (Hizbul-Mujahideen) were identified and recovery made as under:-

Sl. No.	Particular	Remarks	Recoveries
1	Osama Bin Javed S/o Javed Ahmed R/o Sonder, Dachchan, Kishtwar (J&K)	A++ (carrying cash reward of 12.50 lacs)	1. A.K. 47 -1 2. Mag. AK 47 -2 3. Live Rd AK 47 -3 4. 5.56 MM Insas Rifle -1 5. Mag. 5.56 MM Insas Rifle -1 6. China Made Pistol -2 7. Mag. of Pistol -2 8. Live Rd of Pistol -11 9. HE Grenade -2 10. Other incriminating material
2	Zahid Hussain S/o Gulam Mohammad R/o Sonder, Dachchan, Kishtwar (J&K)	A (carrying cash reward of 05 lacs)	
3	Bilal Ahmed S/o Mohammad Abdullah R/o Turkoo Tengwani, Shopian		

In this joint operation which continued for around 09 hours in 02 different locations,

Sh. Ajay Kumar, Commandant and CT(GD) Naseer Ahmed displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order. It is by sheer display of his distinct leadership traits, courage, impeccable execution and a strong resolution to fight toughly in face of danger, Sh. Ajay Kumar, Commandant along with his team succeeded in killing all 03 dreaded terrorists in counter terrorist operation and rescued the hostage safely.

In this operation S/Shri Ajay Kumar, Commandant and Naseer Ahmed, Constable displayed conspicuous gallantry, courage and devotion of duty of a higher order.

These awards are made for gallantry under Rule 4(i) of the Rules governing the award of Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under Rule 5, with effect from 28/09/2019.

(F. No. 11020/53/2020-PMA)
(F. No. 18004/1/2021-CA-II)

S. M. SAMI
Under Secretary

प्रबंधक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली–110002 द्वारा अपलोड एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली–110054 द्वारा ई–प्रकाशित
UPLOADED BY GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI-110002
AND E-PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI-110054